

# भजन माला

रचनाकार : स्वामी कृष्ण जुव राजदान



तरतीब व पेशकश:-

स्व. पं. के. एन. फोतेदार

डॉ. आर. एल. फोतेदार



# भजन माला

रचनाकार : स्वामी कृष्ण जुव रज़दान

<http://ikashmir.net/krishnajoorazdan/index.html>

First Edition, *July 2006*

Copyright © 2006 by **Kashmir News Network** (KNN) (<http://iKashmir.net>)

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced in whole or in part, or stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without written permission of Kashmir News Network. For permission regarding publication, send an e-mail to [sunilfotedar@kplink.com](mailto:sunilfotedar@kplink.com)

**Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

Transcription of  
Swami Krishna Joo Razdan's Kashmiri Bhajans & Leelas  
into standard (approved) Devnagri script.



*Original Compiled by (with Explanatory notes):*

**Late Pt. Kailash Nath Fotedar**

Sathoo Bar Bar Shah  
Srinagar  
Kashmir, India

<http://fotedar.org/KailashNath>



*Transcription, Editing & Compilation by:*

**Dr. R. L. Fotedar**

'Shehjar' House  
Dugal Khola Top  
Almora  
Uttaranchal, India

<http://fotedar.org/Rattan>



*The original manuscript has been typed by:*

**M. K. Raina**

101-A, Pushp Vihar, Shastri Nagar,  
Vasai Road (W), Dist. Thane 401 202,  
Maharashtra, India

<http://mkraina.com>

*With an Introduction by:*

**Dr. Shashi Shekhar Toshkhani**

<http://ikashmir.net/sstoshkhani>

**Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

**Table of Contents**

कुञ्ज	i
पौर्यज्ञान	ii
Introduction	iv

क्रम		ब. नं.	स. नं.
	<b>अ / अँ</b>		
1.	अरे किस राजा की राजकुमारी	51	60
2.	असान असान दपान ओसुख सदा शिव	121	136
3.	अनिगट्ट चँज फोज संगरमालो	177	200
4.	अज तान्य दौप मे लाल यिख हाल	185	209
5.	अमर पानो ब्रम समसार छुय	186	211
6.	अंतकालचि ज़ालु छम	213	247
7.	असि क्याजि गछि छलु छंगरि मन	246	293
8.	अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है	284	343
9.	अज सॉन्य व्यनती सत् ग्वरु सादय	293	359
	<b>आ / आँ</b>		
10.	आव हय नन्दु लालु बिन्द्राबन	87	100
11.	आदि प्रबातस बूल कोस्तूरी	174	196
12.	आदि प्रबातस अँछ मुचरजे	175	197
13.	आश्चर्यवत छ्य याला चाला	215	250
14.	आदि दिगम्बरु श्री अमृतीश्वरु	260	313
15.	आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेर न वनुनुय	298	366
	<b>इ</b>		
16.	इशारा अख कोरुथ खँत्य स्वनुकिय कोह	123	138
17.	इसतादु अख जंगि व्यठ गुह्य र्युंजा	322	404
	<b>ऐ</b>		
18.	ऐसे ऐसे रंग से सुनाया हाल	59	68
	<b>ओ</b>		
19.	ओमकारु रूपु छुख सर्वु आदिकारो	1	1
20.	ओम कर श्रूख पर श्री गणेशाये	105	118
21.	ओम सत् च्यत आनन्दुगनु टैठ	136	153
22.	ओमुय छुय आत्मु दीवुय	182	206
23.	ओम सत् च्यत आनन्दु गनु पूरुनु	239	283

**Table of Contents**

24.	ओम सत् च्यत आनन्दु कन्दु गोविन्दु	289	350
25.	ओमकारु रुपस शरनय आये	344	437
	<b>उ</b>		
26.	उमा रुद्रस त्रुबवन सास्स	5	5
	<b>क</b>		
27.	कानों में तडकी हाथ में त्रिशूला	12	14
28.	कस्नावुतारु नावु निशि युसनु जांह डलि	18	21
29.	कुस कस जेवे कुस कस मरे	25	29
30.	क्यों न करियो दया दयासागरु हरु	30	35
31.	कोफूर्य अंगु सफेद रंगु	38	44
32.	कर्मवान हीमाल ओस बोड दयावान	44	51
33.	करुन्य बक्ती तोता च़ेय परमु शक्ती	65	74
34.	कलन छुस ज्यव डलन छम छुय सतुय सत्	71	80
35.	कम वस्त्र च़े नॉल्य क्याह वनु लो लो	90	103
36.	करनि लॅग्य नेस्नुच साँरी तयाँरी	132	148
37.	कर मे पदमु पॅत्रन न्यत्रन मंज़ वास	137	154
38.	कॅस्थि सतुराथ साँरी हर्शागन आँस्य	152	172
39.	क्रपा करतम हॅरी हर्य	160	180
40.	कृष्णस छरान अँस्य गॅयि मच़य	165	185
41.	कृष्ण छुख मंज़ हनि हनि लो लो	166	186
42.	कृष्ण चॉनिस होशस लगय	187	212
43.	कथु कॅर्य कॅर्य गोम ल्वक़चार	200	230
44.	कोक़नूसन सोज़ चानि मायि वोन	209	243
45.	कस वॅनिथ ह्यक़ आलुच्युक हाल शोम्भू	234	272
46.	काशी से कश्मीर मण्डल में आइए	242	287
47.	कमल रूपी च़रन चॉन्य स्टेय शरन च़े आय	248	295
48.	कुल ज़गत युस ज़ानि फॉनी सुय ग्याँनी छुय	249	296
49.	क्या कहें अक़रजी ने कैसा किया यह काम	273	331
50.	कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन	275	333
51.	कृष्ण तुम को मैं यह बिनती करता हूँ बारम्बार	276	335
52.	काल के डंडे से हमको बचाओ	285	345
53.	कर्ता च़ु छुख आश्चर्यवत	296	362
54.	कर्ता च़ु छुख अन्यथा कर्ता	297	364
55.	कृष्ण जुव यियि गरुड्स क्यथ द्यान दासन छस	307	376
56.	कामदीनु र्खनि द्राख ब्रज गामु	319	400



**Table of Contents**

	<b>ख</b>		
57.	खव खसु पोशि पूज करु जालाये	7	8
	<b>ग</b>		
58.	गट पछु चँदु चूडन म्वख होवुय	4	4
59.	गन्दर्व लूक आव वायनि बाजे	102	115
60.	गनन गनन प्रेयम येलि तमि युथ वोन	103	116
61.	ग्यवुन गिन्दुन नचुन तति साखिवुय ह्योत	107	120
62.	गोकुलानन्दु गोविन्दु गोपालय	125	141
63.	गोशि व्यठ पोशनूल छुख चु बोलन	126	142
64.	गछि कुठि बेहनोव रछुवुन लछुनोव	207	239
65.	गदा द्रास बेख्याये	247	294
66.	गेविम अनजॉन्य पाँठ्य यिम चॉन्य नावुय	272	330
	<b>च / च</b>		
67.	चरनन हुन्दि द्यान स्वरनय	16	18
68.	च्यथ सुफारचि चाफ ऑलु सुफॉरी	55	64
69.	चे विन किथु ह्यक दोह गुजरॉविथ	159	179
70.	चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो	214	248
71.	चोन अनुग्रेह छु अन्न दनु माल शोम्भू	270	328
72.	च्यत गोम शांत चोन प्रेयमु अमर्यत चोम	313	385
73.	चु छुहॉम जमनायि बँठ्य बँठ्य फेरन	329	415
	<b>छ</b>		
74.	छुय बांडु जेशना चानि मायायि हुंद कारखानय	237	276
75.	छु क्याह प्रावुन यमि समसारय	240	285
76.	छख मह्य वेद्या जगत माता	253	302
77.	छेडें परहेज संजीवन का दवा कर मुझको	287	347
78.	छुख मूख्य दाता पानु चुय	290	353
79.	छस बो रधा कृष्ण नावस कलु वन्दुनुय यियि ना	309	380
80.	छ्य रातकलस मंज जानुवारन बबय रातस छुय बेदार	325	407
81.	छुय जगत चानि द्रेशटी	339	429
	<b>ज / ज</b>		
82.	जब उनकी लीला शिवजी ने समझा	31	36
83.	जॉन्य गाश मूह ने रॉच गॅटरोवुम	34	39
84.	जग येलि म्वकल्याव वाउ तु कारय	40	47
85.	जगननाथ जग से किनारे गयो रे	41	48
86.	जय कर जय कर ही म्रैत्यंजय	172	194

**Table of Contents**

87.	जगत माता दीवी चु छख वॉतिथ हनि हने	257	309
88.	जागो जागो श्याम सुन्दर योग निद्रा से	283	342
89.	जमनायि चँदुभागायि वॅन्य दिमयो	331	417
90.	जाफर्य पोशस छु लॅक्ष्मी अंग तय	334	420
	<b>ट</b>		
91.	टेवन चुय छुख बक्ति बावस	70	79
92.	ठठि म्याने मूह न्यँद्रे अँछ मुच्चरिजे	223	258
93.	ठठि म्याने रामु रामु रामु रामु कर	314	386
	<b>ढ</b>		
94.	ढूढ ढूढ घर से निकाला	46	53
	<b>त / त्र</b>		
95.	तप साधके कर निर्मल मन	53	62
96.	तोता बूज़िथ स्यवह ख्वश गव केशव	128	144
97.	तारि छुस गोमुत तार दिम बवुसरु	238	280
98.	त्रुजगतपालु सानि कपालु लेख पननि प्रेयमुक्य ग्वन	264	319
99.	तोतायि चानि गेव्यम छम दया चॉन्य	265	320
100.	त्वलसी तु ग्वलाब आरुवल हीय फवजि थरि थरे	327	410
	<b>द</b>		
101.	दखि प्रजापतनिस यॅगन्यस	6	6
102.	दमु दमु शमु नमु प्यमु पायस तय	33	38
103.	दॅमी ड्यूठुम शबनम प्यवान	35	40
104.	दया कर मे दयावानु	47	54
105.	दोपुस सादन मे प्यठ नाहकय गॅयख तंग	54	63
106.	दयन दयायि सुत्य ह्योत दयि बतु ख्योन	113	128
107.	दर्मुक दैर कोर खॅत्य हॉस्वनसुय	140	158
108.	द्वर्गथ छि चलन व्वन्य छि गलन असि रूग साँरी	225	261
109.	दॅमी ड्यूठुम नब न्यथु नोनुय	228	265
110.	दीवु द्रैश्ट असि प्यठ कोनु छुख त्रावन	235	273
111.	दयायि हुंघ ग्वन चॉन्य बडि खोतय बँडिय	243	288
112.	दीवी चरन चॉनी बक्त स्वरन छि	250	299
113.	दया कर ही दीवी बक्त आमृत्य शरन च़े छिय	252	301
114.	देह पोशु थॅर म्याँन्य हर्दु वावु सुत्य हरि	299	367
	<b>ध</b>		
115.	धारना में तुम्हार ध्यान दारों	15	17
116.	ध्यान से दयावान भगवान पाइए	24	28

**Table of Contents**

<b>न</b>			
117.	न्यथ चॉन्य पूजा शिव शंकरु करु	23	27
118.	नॉल्य छ्य कपालय मालु शोम्भू	29	33
119.	निशि अंतु रस्ति आगरु शोम्भू	36	41
120.	न च्छुख साद तय न च्छु सॅन्यास	57	66
121.	नन्दलाल आव गिन्दने रास	81	93
122.	न्यथ पोशुवुनि थरि फल फूल हय	104	117
123.	नन्दन बागस मंजु न्यखंदन	131	147
124.	नारायणो नारायणो	139	156
125.	न्यखानु परमुपद दर्मु सबाये	149	169
126.	न्यरंजन वॉतिथ प्यव ला-मकानस	156	176
127.	नूरु बॅर्यथुय सूरु मॅती असुनाह कोर गाश आव	176	198
128.	नेशकामु न्यखमलु नेशकलु शोम्भू	192	219
129.	नमामि शंकर त्वम परमेश्वर	245	292
130.	नालु कड छुम मूह जाल नॉल्य	268	325
<b>प / प्र</b>			
131.	परम ब्रह्म परमु शिवु शिव शंकरो	19	22
132.	परम आत्मा पानु छुख मन तय प्रान	22	26
133.	प्रेयम ओसुय शिवु सुंद ज्यनु कालय	64	73
134.	परमु शक्ती वरुवुन परमेश्वर हय	73	84
135.	पॉर्य पॉर्य लॅगितोस रथु सवारे	83	95
136.	पालुवुनि यमि हलु वथ लॅज बालु बालु	118	133
137.	पांच दोह यावनुन्य श्रावनुन्य सूरी	164	184
138.	प्रबात हो आव अॅछ मुचुराव	178	201
139.	पथकुन अमर्यत छु प्योमुत यारे	199	229
140.	परमोशि पादन श्री रानु ब्रॉरी	258	310
141.	परमत्मा पानय छु कायायि मंजु	271	329
142.	पानस अंदर ब्रह्म ओसुम	295	361
143.	पोशि लंजि छ्य बॅर्य बॅरिये हीय थॅरिये च्छे	308	378
144.	पूजि लागय ग्वलाब ब्यल तु मादल तु हीय	315	388
145.	पिंचु-कानि अलु ड्लु चोन पानस तय	320	401
146.	परम-आत्मु परमानन्दु परमेश्वरु	326	408
147.	प्रबात फोलुम म्खा छेलुम ड्खा चोलुम स्वखा आम	342	432
<b>फ</b>			
148.	फवकुडूना गव जलु मंजु खरय	183	207

**Table of Contents**

149.	फंस गए मोह जाल में हम तुझे आए शस्न	277	336
150.	फरख रोस्तुय मे वॅनिमय चॉन्य लीला	302	370
	<b>ब / ब्र</b>		
151.	ब्यल तय मादल व्यनु ग्वलाब	14	16
152.	ब्रेशबासन न्यरग्वनु ग्वन च़े सॉरी	20	23
153.	बन्द कोसनस बो बाशे ज़गतुचि वाल वाशे	26	30
154.	बक्ती बावनायि किन्य छुस दस्त बस्तय	37	43
155.	बाल नेरि चानि वेरि शोम्भू	89	102
156.	बावु यावुन छु होशि पोशि थरि शोम्भू	93	106
157.	बनोवुन दासु बावस दास कैलास	99	112
158.	बावु पम्पोश फोल्थ प्रेयमय सरसुय	108	121
159.	ब्रेशबस युस छु खसुवुनये	110	124
160.	बक्तु वत्सलु मोनुख म्यॉन्य मनुनुय	112	126
161.	बो क्याह वनु लूकुनुय तति हल क्युथ गव	124	140
162.	बालक अवस्थायि लगयो बो	134	150
163.	बाल छुय लालु त्रटि कनि वासुक हटि	153	173
164.	बालु छंड्य हस्वखु बालु शोम्भू	167	187
165.	बयु रोस्त थावतम ज़यि सानो	181	205
166.	बालु कृष्णस छस बो प्रारान	189	214
167.	बूलु बालु बालकन सुत्य खेलनावतम	196	226
168.	बालु पान आलवय बालव बालव	201	231
169.	बेख्यायि अँस्य द्राय आय च़ेय निशि दयावानय	236	274
170.	ब्यल पूजा करु नेशकल कलमालादरसुय	244	289
171.	ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय	263	317
172.	बक्तु वत्सलु सर्वु शक्तीमानो	269	327
173.	ब्रौठ प्योम तुलमुल मंजु मंजुगोम	291	354
174.	बीदु द्रेश्टी सॉन्य हार	300	368
175.	ब्रम गोम डीशिथ स्वरमस तु साजस	312	384
176.	बुँ बुँ करान बोम्बूर वुछ प्यठ हीये मे	330	416
	<b>भ / भ्र</b>		
177.	भवॉनी आयि अज़ जंगल बखानु	63	72
178.	भ्रम मस पीके मस्त गए हम	282	341
179.	भीलनी का झूव मेवा रामजी ने खाया	286	346
	<b>म</b>		
180.	में तेरे मन में तू मेरे मन में	21	25

**Table of Contents**

181.	मे गम कोसुथ दिगम्बरस्य	77	89
182.	मुस्ली शब्दा गव आसि कनन	86	98
183.	मन म्योन निद्राबन तु लो लो	92	105
184.	महारजस सुत्य सालर आये	95	108
185.	म्यवु कनि म्वखतु वोथ चंदन बागस	96	109
186.	महादीव येलि महाराजा बॅनिथ आव	97	110
187.	म्वखतु कनि ताख छिस तापुदानस	106	119
188.	महामायायि प्रेत्यख होव दर्शुन	115	130
189.	मदुकैट्ठ मारुवुनि खदुवेश दारुवुनि	135	152
190.	मूह गटु चॅज सत्संगुके गाशे	179	203
191.	मंज नीलि माजय ताजु थोवथस यिछि रजु चाले	224	260
192.	म्वकलाव मंजु काँदखानय	233	271
193.	मंगल रूपी दीवी महा मंगल दितम चु मे	251	300
194.	मे संतन हिस न छम शॉती न शम दम	266	321
195.	मथुरा से बिन्द्राबन में आया	279	338
196.	म्वखतु हास्स थोद करुम म्वल प्वखतु खॅरीदार मे	292	355
197.	मूह निशि डलतम सर्वु शक्तिमानय	301	369
198.	मे कुकिलि ड्यूठुम बस्सु मॅलिथ वासुक हटे	304	372
199.	मंजु बागन प्यठ सब्जु-ज़ारन	311	383
200.	म्येँचा मलन नूला चलन	324	406
201.	मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो	337	425
	<b>य</b>		
202.	यिमय पतु दिमयो नाद	45	52
203.	यिथय पॉठ्य शिवु लीला लॅज वनुने	48	56
204.	यि बूज़िथ वेष्णुजी ख्वश स्यवह गव	69	78
205.	यिथय पॉठ्य पार्वतीयि शिव लीला	74	86
206.	यि लीला बूज़िथ ख्वश गव महेश्वर	76	88
207.	यि बूज़िथ त्रेयलुकचि त्रियि आये	82	94
208.	युस छु सर्वु स्रेष्टी हुन्द बब तय मोजी	94	107
209.	यि कैँछ ओस लॉज़िम करनि लॅग्य ती	109	123
210.	यिथुय रंग वूछिथ मीनावॅती वनन आँस	111	125
211.	येछि चानि दानि दानि वचि स्वनु शीनु मानि	122	137
212.	यिम दिम बवु सरु तार	154	174
213.	यस छु हर म्वखु प्यठ वसुवुन पोन्थ	169	191
214.	यस छु हटि वासुक तस छु जेटि पोन्थ	171	193

**Table of Contents**

215.	यूग बल सहस्र दल डल द्युत मे दम हरे	191	218
216.	यितु मे निशि दर्शुन दितु शोम्भू	241	286
217.	युथ युन गछुन त्युथ ज्योन मरुन गछिय नु मे	340	430
	<b>र</b>		
218.	राजन वैन्य येलि लीला स्वन्दर	39	46
219.	र्येशा अख ओस ओसुस शिव सुन्द बाव	67	76
220.	रंग बुलबुल छुय जटदोरी	91	104
221.	राजु हमसा गर चामय	100	113
222.	रातस घन गव बँसतियि वन गव	142	161
223.	रूप रस्ति कुस ज्ञानि कमि सना नयि गोख	157	177
224.	रामजुव श्याम रूप हवे	184	208
225.	रछ आपदायव निशि गरि गरे	231	268
226.	राजीशोरी राजन हुन्ज छख बँड सरकार	255	306
227.	राधे श्याम हरे कृष्ण अरे प्रभु गोपाल	278	337
	<b>ल</b>		
228.	लजायि रस्ति प्रजाये	75	87
229.	लथ लॉयिथ समसास्स	143	162
230.	लगयो परम् गँचुय	188	213
231.	लाल यितु सालु प्यालु हो बरयो	220	255
232.	लाल यियम छल मारन घान बो दासन छस	310	382
	<b>व</b>		
233.	वीर बँद्रन दिवताह छ्यपु दाँविन	11	13
234.	वेलु वोट मेलनुक दर्शुन मे हाव	49	57
235.	वुछुन जूगिस बन्योमुत ब्याख रंगा	60	69
236.	वनवुनि अछ रछ वछ स्वर्गदारय	98	111
237.	वननि लँज प्रेश्वी किथु कँन्य दरय बो	117	132
238.	वुछिथ स्वनु शीन गँयि हँसन साँरी	119	134
239.	व्यमानस क्यथ पकान ह्यथ आँस्य भवाँनी	145	164
240.	व्वथू न्यँद्रे बाल गूपालो	180	204
241.	वारु वनतम मारु मते	202	232
242.	व्यनथ बोजुम चु राधा कृष्ण	221	256
243.	वाँसा मे गँयम ललुनावान यथ कायाये	222	257
244.	वावस मंज छम पकुवन्य नावा	229	266
245.	वन हारि यूरुम प्यठ कल्पु त्रैख्यस ओलये	259	311
246.	वेशय बूगन हुन्जुय छ्य सारिनय प्रय	267	324

**Table of Contents**

247.	वनय दीवीयि छ्य काँशुर ज्यवुय वँठ	288	349
248.	व्रत दोर यँड चोल बूग बार	317	397
249.	वुछ्ण छि साँरिय मंज्र गामु चंदन कूलिस	335	421
250.	वुछ श्यामु स्वन्दर न्यँत्रन अंदर	338	427
	<b>श / श्र</b>		
251.	शिवनाथ आनन्द अमर्यत चावतम	2	2
252.	शिव नावस प्यठ सपजुख सँतिये	8	9
253.	शिवजी ओस प्यठ कैलासस	10	12
254.	श्री न्याराकारय त्रुबवनसारय	17	20
255.	शिव शिव करियो जीता मरियो	27	31
256.	श्वबु लख्यन साँरिय छियो	28	32
257.	शरन डीशित्थ फिरुन जूगी वरन प्योस	58	67
258.	शब्दस कन थव वन हाँरिये	78	90
259.	श्रोग ज़ोन शिव रूप द्रोग ज़ोन स्वन	120	135
260.	शंख चूड मारुवुनि मोर मुकटु दारुवुनि	138	155
261.	श्यामु स्वन्दर बेह स्वन्दर जाये	141	159
162.	शखुच रोस्त शक्त प्रावु	147	167
263.	श्यामु छुय क्वछि सूमु सिरियि रूपु प्रभात	150	170
264.	शिव रँच हुन्दि दोह बीठ्य नेशकाम	151	171
265.	शामु शामय श्यामु रूप गोरुम	170	192
266.	श्यामु वरुन कमलु चरुन पदमु नयनदाँरी	203	233
267.	श्यामु स्वन्दर बसंत जामु पुरिथि	208	242
268.	शामु वेलय जामु छेतिये	211	245
269.	शामु कालु गूर्य बालकन सुत्य कमि हलु	216	251
270.	शंकरु लगुयो पंकजु पादन	226	262
271.	श्यामु स्वन्दर सुबह ह्यथ यियि	232	270
272.	श्री राजु राजीशोरी आमृत्य शरन छिय	254	304
273.	शोडशिकला छख चु चँदकलारवँती	256	308
274.	श्वबु शब्द बोज़न छि कन तय	336	423
	<b>स</b>		
275.	सावदान मन छुम परमानन्द	3	3
276.	सर्वु व्यापक छख रँजा भवाँनी	9	10
277.	स्वयं हृदय म्योन	32	37
278.	सेतारु स्वर गोय कनुनुय कनुनुय	42	49
279.	सदा शिव साँमियो छुख ज़गि पालन	43	50

**Table of Contents**

280.	सदा शिव जूग्य लॉगिथ आस लारान	50	59
281.	सदा शिवन दोपनस अज़ हद कोरुथ तप	62	71
282.	सदा शिव सॉमियी छुस बक्तु ह्यूनय	72	81
283.	स्यवह येलि सॉपनुस मन सावदानय	79	91
284.	सॉमिवे विगिन्यव हेयतव वनुवनये	80	92
285.	सर्वु आकारु रूप वेष्णु भगवानस	84	96
286.	स्वनु शीनु बुतरत बरनय आये	114	129
287.	सॉमिवो लूकव शीन ज़न वालव	116	131
288.	सॉथ आव बामुन द्राव ह्वछिमुचि हरि	127	143
289.	सत् प्वर्शन हुन्दि सत्ज़नय	129	145
290.	सत्ज़न बन मन कर कैलासुय	130	146
291.	सुमरनि चानि सॉरी पाप हॉरी	146	165
292.	सनम्वख यितु द्यानु सुत्य नितु म्योन मन	161	181
293.	सतुचिय वति पख सत् बूमिकायि ज़ान	162	182
294.	सुलि व्वथ बोज़ रज़ु हम्मसुन्य बूल्य	163	183
295.	सरे शामय गरे द्रायस	169	191
296.	सॉमिवी कॅखि अथुवास	190	216
297.	सॉरी समव तु पायस प्यमव	193	220
298.	सोरुय अमि यमि सानय	194	222
299.	सरु कोर समसार नदरुय द्राव	195	223
300.	सॉरी ह्यथ निम सर्वु व्वपकॉरी	197	227
301.	सदा शिव सॉमियो कर म्योन चारय	198	228
302.	सनम्वख यिम तु मो दिम ड़लु	205	236
303.	सिरियि वुज़नोवुम चॅद्रमु सोवुम	219	254
304.	संतु अज़ बसंतु जोरा गोख हॉविथ यी पज़्या	230	267
305.	सबों को ले गया तन मन	280	339
306.	संकट कट अथु रूठ दयालय	294	360
307.	स्यदु सादु समसार सारु मूख्य द्वार दिम	303	371
308.	सुय ओस मोठ्मुत येम्य पॉदु कोरुतु छु यूत समसार	316	391
309.	सतुचिय थ्यथ थवतु म्यॉनिस नेशकाम बक्ती बावुसुय	318	399
310.	सर्वु आकारु रूप येम्य म्वख होवुय	321	403
311.	सिरियि खोत शाहर गाम वोत दोह गुज़रोव	328	413
312.	सिरियि छुख चॅद्रमु ह्यथ खसुनय	332	418
313.	संकट गट चॅज अज़ बट्टवारे	341	431
314.	सॉमिवू म्यत्रव लोलचि कायायि	343	434



**Table of Contents**

ह			
315.	ही परात पुर वेशीश्वरु शिव शंकरु हरु	13	15
316.	हतो सादो मतो वनतम चु यिछ कथ	52	61
317.	हतो सादो कपट सोरुय वनन छुख	56	65
318.	ही शिवु शंकरु परमेश्वरु हरु	61	70
319.	हीमालु परबतने गरि जायख	66	75
320.	हरे नारायणस लोग बावने हल	68	77
321.	ही अगूरु नील कंठु छुख चु हन हन तय	85	97
322.	हमसु पखु ह्यथ च्यथ फम्बु सीर शोम्भू	88	101
323.	होशि पोशनूलु वन वनहारे	101	114
324.	होशि पोशनूलु थव कन	133	149
325.	हॅरि हरु द्राव ह्यथ महाराजु महारेन्य	144	163
326.	ह्यथ प्रबातस क्वछि क्यथ आव	148	168
327.	होश दिम तु लगयो पम्पोशि पादन	155	175
328.	हरु हस्वख वन गोम ह्यथ उमाये	158	178
329.	ह्यथ प्रबातस मंघनु कालय	173	195
330.	ही दीनु दयालु ही त्रुजगतपालु	204	234
331.	ही न्यरामय बडि दयि म्नेत्यंजयि	206	237
332.	ही सदा शिवु चै किचु अनि मे पोशे डले	210	244
333.	ही दया वानु मे ह्युव चोर चै कोताह प्रारे	212	246
334.	ही प्रबू अग्यान काँसिथ यूग दिम ग्यान दिम	217	252
335.	ही न्यर्मलु नेशकलु नेशकामो	218	253
336.	हमसु पखु छ्य ब्रह्म-आकारो	227	264
337.	ही म्नेत्यंजयु यमु बयु निशि रछ मे आसय चै शरन	261	314
338.	ही दिगम्बरु चु मे गम हरु कर दया आसय शरन	262	316
339.	हमसे मोहननाथ ने कैसा किया है काम	274	332
340.	हम हें सुदामा कृष्ण मुरारी	281	340
341.	हुकमु चाने सुत्य प्यठ शिन्यस	305	373
342.	ही गंगंधरु मलिन प्रकरत छलुन्य गछ्यि मे	306	374
343.	हमसायि सत्तुता बुमुसिनन खेनि	323	405
344.	हवाहा चैनि द्राय बागस मंजु चाय	333	419

**Table of Contents**

**कुञ्ज**

देवनागरी मंज्र कौशुर वस्तावनु खौतरु छ स्वय अछ्स्माल वस्तावनु यिवान ख्वसु हिंदी लेखनु खौतरु छ इस्तिमाल सपदान मासिवाय महाप्राण तु कें ह संयुक्त अछ् - ऋ, औ, घ, झ, ढ, ण, ध, भ, क्ष, ज्ञ, ज । मगर यिम छि खास जायन तु शखसन हुंघन नावन मंज्र इस्तिमाल यिवान कस्नु । अमि अलावु छि कौशिरिसि मंज्र बेयि ति अलग अछ् वस्तावनु यिवान यिम देवनागरी लिपि (हिन्दी) मंज्र छिनु मूजूद । यिहुन्ज्र ज्ञान छ यिथु पौठ्यन :-

अछ्	मात्रा	मिसाल
(स्वर)		
अँ	ँ	अँर, अँड, लँर, नँर
आँ	ाँ	आँर, लॉर, कौर
अु	ु	अुन्ह, तु, जु
अु	ु	तु
ऐ	ै	मै, चै
ओ	ौ	ओर, दौर, ह्योर
अ्व	्व	स्वफ
अ्य	्य	स्यय
(व्यंजन)		
च	-	चठ, चुन्च, चुन
छ	-	छठ, छ्योट
ज	-	ज्ञान, ज्युन

पूर जौन्य बापथ वुछि “वैलिव कौशुर हेछ्व हिंसु - 1 प्राइमर, हिंसु - 2 रीडर” , रूपकृष्ण भट्ट, Central Institute of Indian Languages, Mysore and Samprati, Jammu.

## पॉयजान

स्वामी कृष्ण जुव रज़दान छि कें शीरि हुन्द अख थदि पायिक्य सूफी संत शॉयिर ऑस्यमुत्य यिंहदि म्वखार ब्यंदु मंजु द्रायि तिमु वॉनियि यिम आम खलकस रुचि तु पजि वति लगनस बापथ स्यउहुय म्वलुल्य छि। स्वामी जियन छि 344 म्वख्तु लीलायि तु बजन आम कॉशिरि बोल चालि मंजु तु संहल अलफाज़न मंजु बयान कस्मिचु। तिमव छ शिव लीला, कृष्ण लीला, कर्म यूग, बक्ती यूग तु व्वपदीश यिथिस अंदाज़स मंजु वनिमचु जि परन वाल्यन छु अम्युक न मिटनवोल अक्स ज़ेहनस मंजु जाय करान। रज़दान सॉबन छि केंह वचन गॉर कॉशिरि तु र्लु मिलु जुबॉन्य मंजु ति बॉव्यमुत्य।

रज़दान सॉबन ह्योत कें शीरि हुन्दिस वनपोह गामस मंजु बॉदुर्यप्यत शोक्लु पछ चोस्म विक्रमी सन् 1907 (= अगस्त 1850 ईसवी), बोमवीर दोह जन्म। दपान त्वकू चारु प्यठ्य ऑस तिमन शिवस तु कीशवस कु न लय। स्वामी जियन ह्योत स्वामी मुकुन्द जुव तिवकू सॉबुन ग्वरम्वख तु पननि श्रदायि ऑस्य तिमन 'मूख्य दायक' नावु यज़त बखशान। रज़दान सॉबन ह्योत खलकन यॉरी केंस्थि मँजहोर शोक्लु पछ ऑठ्म सन् 1882 विक्रमी (= 23 नवम्बर सन् 1925 ईसवी) दोह यमि फॉनी समसारु र्वखसत।

रज़दान सॉबुन्य प्रदान शेश्य ऑस्य श्री कण्ठ कौल शराबी यिम म्याँनिस पिता श्री स्व. कैलास नाथ फोतेदार सुन्द्य ऑस्य गुरु तु तिमन ऑस्य 'बब' वनाम। तिंहदि ऑग्यन्यायि ह्योक पिता जीयन रज़दान सॉबन्यन बजनन हुन्द्य वारियाह नक़ल तॉरित तु बॉगरॉविख पनन्यन ग्वरु बायन तु बाकी लूकन तु अख नक़ल म्यूल मेति। तिमव ऑस्य यिम नक़ल ज़्यादतर उर्दू (persio-arabic) लिपि तु केंह देवनागरी लिपि मंजु तॉर्यमुत्य मगर यिमु आसुनु approved लिपियि।

वारियाह काल ब्रॉह आव कॉशुर लेखनु बापथ persio-arabic script स्यक़ तु मंजूर कसु मगर यि रूदनु सानि बरादँरी हुन्द्यन माजन बेन्यन मंजु मकबूल यमि किन्य तिमु रोज़ु रज़दान सॉबन्यन वचनन निशि महरूम, नय ह्योक रज़दान सॉबुन यि म्वलुल द्युत गॉर कॉशिर्यन ताम वॉतिथ। हल हालय आयि कॉशुर लेखनु बापथ देवनागरी लिपि तयार कसु यथ भारत सरकार तरफ़ मान्यता ति मीज्य। युथ रज़दान सॉबुन यि म्वलुल द्युत सारिनुय खासकर सान्यन माजन बेन्यन ताम हेकि वॉतिथ मे तुल यि देवनागरी लिपि मंजु पेश कसुक दस।

योदवय ऑस्य वारु वुछ्व गॉर कॉशिरिस (हिन्दि, संस्कृत, फारसी) तु कॉशिरिस तलफुज़स मंजु छु वारियाह ब्यन यम्युक अक्स लेखनस मंजु ति छु यिवान। देवनागरी मंजु हिन्दि लेखनु बापथ य्वसु अछ्माल वस्तावनु यिवान छ लगबग छि तिम सॉरिय कॉशुर लेखनस मंजु ति इस्तिमाल सपदान मगर केंह अछ्ख खासकर महाप्राण (घ, ध, ढ ....) तु संयुक्त व्यंजन (क्ष, ज्ञ, ज...) छि इस्तिमाल सपदान मगर तोति छि यिम खास नावन तु जायन हुन्द्य नाव लेखनस मंजु वस्तावनु यिवान। अमि अलावु छि कॉशिरिस मंजु तिथ्य केंह स्वर (अँ, ऑ, अु, अु, ऐ, ओ) तु व्यंजन (च, छ, ज) यिम हिन्दियस मंजु छि इस्तिमाल सपदान। अवु किन्य छ मे खास नाव तु जायन हुन्द्य नाव तिथ्य पॉठ्य लेखनुच कू शिश केंरुमुच यिथु पॉठ्य तिम हिन्दीयस मंजु लेखनु छि यिवान। मगर केंह नाव छि मे तिथ्य पॉठ्य वस्ताव्यमुत यिथु पॉठ्य तिम कॉशिरि ज़बॉन्य मंजु ज़्यादु मक बूल छि मसलन विष्णु=वेष्णू, लक्ष्मी=लँक्ष्मी, मैनावती=मीनावती बेतरी।

यि बजन माला छ मे सोहूल्यतु बापथ गणेश तु गुरु अस्तुती पतु त्रन खंडन मंजु बॉगरॉवमुच। खंड 1: दखि प्रजापतुन कुसु; खंड 2: (क) ह्रीमाल परबतुन इतिहास तु प्रेम लीला; (ख) शिव पार्वती

हुन्दि खांदरुच कथ-बाथ तु बरात दॅलील; (ग) द्वार पूजा, लॅग्न, पोशि पूजा तु मनन माल; (घ) बरात वापसी; खंड 3: प्रार्थना, कर्म यूग, ग्यान यूग, वॉरग तु व्वपदीश ।

ह्लांकि राजदान सॉबुन फरमोवमुत छु आम शखसस फिकरी तरुवुन, तोति छु कें चन बजनन मंज स्यवह गूड तु सोन फलसफ्रु द्रेंठ गछन । अमि बापथ छ म्यांन्य पिताजीयन तिमन हुन्द मायने, व्याख्या तु references दिचमचु, यिमु मे तिमन बजनन हुन्दिस अंदस व्यठ छ पेश कस्मिचु । बु ह्यकु नु वॅनिथ जि यि पेशकश किछ छ, यि ह्यकन पसन वॉल्य स्यकु कॅस्थि जि बु कोताह कामयाब छुस अथ मंज रूदमुत । व्वमेद छम जि पसन वॉल्य जॉन्यकार क रनावन मे गलतियन हुन्द एहसास यमि किन्य बु त्युहुन्द स्यवह मशकूर रोजु ।

बरादॅरी हुंद रुत कांछनवोल,

र. ल. फ.

VVV

## **Introduction**

**by Dr. Shashishekhar Toshkhani**

**Kashmiri Bhakti poetry of the 19th century, or Lila poetry as it is more commonly called, touches its highest watermark in the spirituality-soaked lyrics of Krishna joo Razdan. What makes him stand apart from other Kashmiri Bhakti poets of the age, or poets belonging to other literary traditions for that matter, is his highly developed sense of music and his unusual concern for acoustic values. In no other Kashmiri poet's work do we find poetry and music so intimately blended and used with such tremendous effect. Having a deeply sensitive ear for the resonance of words, Krishna joo Razdan excels in weaving delightful symphonies around subtle emotions and delicate feelings. It is in this process that he has translated his spiritual anguish into some of the sweetest songs of the Kashmiri language. Not that he makes any effort for it. Musical expression comes naturally and spontaneously to him, giving his compositions an appeal that penetrates into the innermost recesses of our soul. No wonder, therefore, that some of the best Kashmiri musicians have set them to tune, making them an essential part of their repertoire of songs.**

But it is not just the magic of verbal music, the "melodious lucidity" of his poems, so to say, that makes Krishna joo Razdan the great saint-poet that he is. It is in the way the saint and the poet in him fuse with each other and find expression in his lyrical outpourings –sweet, lucid, musical--that the secret of his greatness lies. Soaring high in the realm of mystic experience, Krishna joo shares his insights with us, making them accessible to us through sonic presentations. And even as we sway to the racy rhythms and lilting cadences of his verses, their intense devotional content moves us to spiritual ecstasy. Thus we find Krishna joo Razdan's "soulful lyricism" powered by his devotional ardour as well as creative intuition.

Krishna joo Razdan and his great predecessors Paramanand and Prakashram Kurigami gave Kashmiri Bhakti poetry new dimensions, making it reflective of the true genius of the Kashmiri language. The significance of the quintessential Kashmiriness of these poets can hardly be missed, for in their times the influence of Persian on Kashmiri language and literature had become so pervasive that Kashmir's own literary tradition seemed to have lost its importance and relevance. Persian literary forms like the Ghazal and Masnavi, poetic conventions, metres, metaphors, imagery, symbolism and even Persian legends and lore were grafted upon Kashmiri sensibility, shutting out almost everything that

was originally, truly and creatively Kashmiri. There was nothing much surprising in this domination of Persian on Kashmiri literary culture, keeping in view the fact that Persian had been the court language for nearly five hundred years continuously and by the 19<sup>th</sup> century had become the language of the mental make-up of the Maktab- educated Kashmiri elite. This elite had developed a particular craving for romantic tales from the far-off Persia and it was to this section of the population that the Masnavi writers were trying to cater. Every poet who could flaunt a little Persian thought it profitable to try his hand at Masnavi writing even though it would be a translated, abridged or straightaway plagiarized version of some Persian original. No one seemed to mind the spurious, stale, superficial stuff churned in the name of narrative poetry, reeking of the flavour of decadence. Heavily laden with Persian and Arabic vocabulary, the language of these Masnavis was artificial and wooden with hardly anything Kashmiri about it except a vocable or two here and there. You could as well call it linguistic subversion. Krishna joo Razdan could not completely put a halt to it, but he did succeed in bringing back some of the original glow and colloquial charm of the Kashmiri language by choosing the Bhakti experience rooted in the tradition of Kashmiri spirituality as the theme of his poetry.

In fact, it was through this choice that he made his greatest statement. By this single act of his he revived the long lost contacts between Kashmiri poetry and the perennial mainstream of Indian literary tradition. But it is not as though the Bhakti wave rolled over and reached Kashmir for the first time in Krishna joo Razdan's age. He emerged as a foremost representative of what can be called the second phase of the Bhakti upsurge in Kashmiri poetry, but the tradition started five hundred years before him with the celebrated Shaiva poetess Lalleshwari. Lalleshwari's arrival on the scene in the 14<sup>th</sup> century has been hailed as the greatest event in the cultural and spiritual life of Kashmir in the medieval times. Known more popularly as Lal Ded, she made the essence of Kashmir Shaivism available to the common man in colloquial Kashmiri, influencing the Kashmiri psyche as no other poet has ever done. To put it in the words of Paul E. Murphy, she is "the chief exponent of devotional or emotion-oriented Triadism". She advocates in her *vaaks* or verse- sayings the path of love as the highest path to reach Shiva even as she harmonizes love with gnosticism and upholds the Shaiva philosophy of absolute non-dualism between Man and God. The roots of her mysticism, however, can be traced to Bhatta Narayana and Utpaladeva, Sanskrit poets of the 9<sup>th</sup> and 10<sup>th</sup> century respectively, and not to the so-called Sufi influence which is sought to be foisted on her. There are remarkable similarities between these two Sanskrit poets and Lal Ded, all the three being the most prominent representatives of the first phase of the Bhakti upsurge in Kashmir. Like the Virshaiva *vachana* poetry of Kannada, this phase was exclusively devoted to Shiva. Unlike the Virshaiva poets, however, the early monistic Shaiva poet's God in Kashmir is *nirguna* or attributeless and, therefore, impersonal.

“The Triadic or Kashmir Shaiva system does not adhere to a personal God”, explains Murphy, “ that is to a God whose subsistent individuality is explained over and above His conscious or intelligential nature”. The name Shiva that it gives to Him connotes a non-personal entity.

Devotion to Vishnu as a personal God also formed an equally important Bhakti experience for Kashmir in the early medieval period, but it does not seem to have found its expression in Kashmiri poetry of the time. At least, no examples of such poetry are extant. On the other hand, there is a considerable corpus of Sanskrit works existing in Kashmir in which we find the exploits of Vishnu described, particularly in his incarnations as Rama and Krishna, with devotion and love directed towards them. Kshemendra, the great Kashmiri polyglot of the 11<sup>th</sup> century, wrote, apart from his ‘Ramayana Manjari’ and ‘Mahabharata Manjari’, a beautiful poetic work known as ‘Dashavatara Charit’ a whole century ahead of Jayadeva’s well known Dashavatara hymn of the ‘Gita Govinda’. In this work by Kshemendra there is a beautiful lyric in which he has poignantly described Gopis’ feelings on Krishna’s departure for Mathura. According to Dr. Hazari Prasad Dwivedi, well-known Hindi scholar, the tradition of singing devotional verses celebrating Krishna’s exploits was prevalent in “distant Kashmir” in the 9<sup>th</sup> –10<sup>th</sup> century itself, as it was in other parts of the country like Bengal and Orissa. Kshemendra, Dwivedi presumes, had heard such songs in his neighbourhood.

What is more interesting is that Kshemendra has mentioned the name of Radha in his ‘Dashavatara Charit’. Anandavardhana, the great aesthete who lived in the 10<sup>th</sup> century Kashmir, has also mentioned her name. This is quite significant for it shows not only that Radha’s name was familiar to Sanskrit poets of Kashmir in the 9<sup>th</sup>-10<sup>th</sup> century itself but also that the devotional lyrics they composed could well have paved the way for the upsurge of Bhakti in the whole of north India. It is equally probable that some sort of a tradition of composing Bhakti songs existed in the regional dialect of Kashmiri as well in that age. However, this tradition seems to have blossomed into a full-fledged and distinct trend towards the 18<sup>th</sup>-19<sup>th</sup> century only particularly with the arrival of poets like Paramanand, Prakashram Kurigami and Krishna joo Razdan.

Coming to Krishna joo Razdan again, it must be noted that the *saguna* and *nirguna* as well as the Shaiva and Vaishnava currents of the Bhakti movement converge in him, free from all sectarian bias as he was. We find him directing his devotion and love towards both Shiva and Krishna in his verses like the great Maithili poet Vidyapati, both being his chosen deities. And even while doing so, he identifies them with the Highest Reality, the *nirguna brahma*. He sees no incompatibility between his belief in a personal and determinate God and an impersonal view of reality.



We shall take up Krishna joo Razdan's concept of Bhakti later, but suffice it to point out here that he interpreted everything eventually in terms of the philosophical doctrines of Kashmir Shaivism. Yet his poetry is universal in its appeal, humanitarian ideals and high spiritual values being central to his concerns as a poet. Saying so it must not be forgotten that Krishna joo was equally a product of the political and cultural climate that prevailed in his times. He lived and wrote in an age when Kashmir had just passed into the hands of Dogra rulers after a brief interregnum of Sikh rule preceded by the nightmarish rule of the brutal and bigoted Afghan governors at whose hands Kashmiri Hindu masses had suffered worst religious persecution. Although the Dogra rule did provide some respite, the scars of the wounds inflicted by the barbarous Afghans had not yet healed up, the horrors and holocausts of their reign continuing to haunt the racial memory of the hapless Kashmiri Hindus. It was in such circumstances that Krishna joo Razdan addressed his sweet and soothing devotional songs to a kind and benevolent God, who is the ultimate refuge of the pious, protector of the cosmic order and destroyer of the evil-doers. This was a kind of a social role that Krishna joo assigned to Lila poetry and it gave the Kashmiris the succor and solace they badly needed at that time. The concepts of *ishtadeva* or a personal God, *avatara* or incarnation and *lila* or God's divine play, that are integral to Bhakti philosophy, provided poets like Krishna joo with a great scope to present God in the human context. It is a God with whom it is easier to relate and who can be personally approached for deliverance from sorrow and suffering. Another concept taken from the same symbology was that of *asura* or the demon -- an embodiment of evil in all its dimensions whose description tended to evoke in the Hindu mind the image of the tyrannical and savage rulers from whose clutches they had just been saved. It also reinforced the images of incarnate Rama and Krishna as the deliverers of mankind. It would also be relevant to point out here that under the Dogra rulers, temple-building activities had started again in Kashmir after an interregnum of about 500 years of Muslim rule and this gave further impetus to faith in the two incarnations of Vishnu, particularly Rama who was their tutelary deity. To the harassed and terrorized Hindu masses, the idea of some superhuman power coming to their rescue and providing them with shelter after centuries of oppression was quite comfortable and reassuring. The Lila poetry of Krishna joo Razdan and other Bhakti poets seemed to provide them with just this assurance at the higher transcendental level if not the mundane.

In this sense, Krishna joo Razdan was not just a poet lost in spiritual reveries, unaware of or indifferent to the social and political, or even economic, conditions of his times. We can call him a great interpreter of the spiritual and cultural crisis of the Kashmir of his times just like Lal Ded -- a cultural icon of the Kashmiris. And yet how ironical it is that although so near to our own times we

know very little about the actual facts of Krishna joo Razdan's life. No authentic and well-researched biography of the great saint-poet has been written so far in any language though attempts to stitch together some random pieces of biographical information about him have been made here and there. For this, the indifference (and should we say ineptitude?) of Kashmiri scholars is as much to blame as lack of interest on the part of the present descendants of Krishna joo. What is even more saddening is that the little information we have is more of the nature of hagiography than biography. Though this is not something unusual in case of saints and spiritual persons, this leaves us greatly handicapped to understand as to how his personality developed both as a saint and a poet. George Grierson, whose edition of the poet's magnum opus 'Shiva Parinay' was published with a Sanskrit translation by Pandit Mukundram Shastri by the Royal Asiatic Society of Bengal in six volumes from 1913 to 1924, says hardly anything about his life. Somnath Veer does make a bold attempt in his edition of Krishna joo Razdan's complete works, published by the J&K Academy of Art, Culture and Languages, to come out with some more details, and so does Arjan Dev Majboor in his monograph written for the Sahitya Akademi. But they too do not seem to have gone much beyond description of miraculous anecdotes, allowing hagiography to prevail upon biographical facts. Then we have a three-volume edition of Krishna joo Razdan's complete works brought out by his grandson Pandit Shyam Lal Razdan in the Devanagari script, but it does not shed any significant light on the actual facts of his life. This only leaves us groping for facts about the key events that shaped his life and personality. Nothing meaningful seems to have been actually done in this direction so far. Even the exact dates of his birth and death have not been finally settled. It is generally believed that Krishna joo was born in the year 1907 of the Vikram Era corresponding to 1850 CE and left his mortal coil in 1982 Vikrami corresponding to 1926 of the Christian Era. But scholars differ considerably about the exact day and date on which he was born. Thus, Somnath Veer gives his date of birth as August 19, 1850 and of death as November 23, 1925, while according to Arjan Dev Majboor, who claims to have worked hard on it, the correct dates are birth: August 24, 1850, and death: December 4, 1926 respectively. According to Shyamlal Razdan, he was born on August 19, 1850 and passed away on December 13, 1926. The problem is that the dates have been recorded by his descendants as well as disciples according to the lunar calendar and this is what has created a lot of confusion for it is difficult to convert these into their exact corresponding dates in accordance with the solar Christian calendar. But what both of them have not taken into account is that the day on which he was actually born was Tuesday, Bhadrpada Shukla Chaturthi or the fourth day of the bright fortnight of the Hindu month of Bhadrpada. And Tuesday does not fall on either August 19 or August 24, or for that matter on August 10 as some others have calculated, but on August 2, 1848, that is two years earlier than is generally believed. This is what the compilers of this book have pointed out after some

valuable bit of research in this connection recently. The death, according to them, occurred on Margashirsha Shukla Ashtami, 1982 Vikrami, that is November 23, 1925. This means that Krishna joo Razdan lived for 77 years and not 75 years as is generally believed.

Some broad facts of his life can, however, be scooped from the little information we have available. Krishnadas – the honorific 'joo' being added later in his life to his name when he acquired maturity and became known as a poet and a saint – was born to Ganesh Raina, a rich landlord of Vanpuh, an idyllic little village hugging the town of Qazi Gund on the Srinagar-Jammu highway. Ganesh Raina was son of Lacchman Raina and owned large areas of agricultural land granted to him by the Dogra Maharaja Ranbirsingh for his services. His fields came to be known as 'Khirman-e-Ganesh' or the fields of Ganesh and constitute the present village of Ganeshpura. He used to visit Lahore frequently in connection with his official work and had acquired quite a prestige and clout in the society. In keeping with his social position, Ganesh Raina ardently desired his son to get the best education that was possible in those days and so he engaged quite efficient tutors who imparted to him knowledge of Sanskrit, Persian, astrology, mathematics and other subjects in vogue at that time. But Krishna had a voracious appetite for knowledge and to satisfy it he depended on his own learning which he acquired from personal study of various subjects including Shastric lore.

Ganesh Raina sought the company of holy men and itinerant Sadhus and would often visit them taking the young Krishna along. He listened keenly to their discourses and participated enthusiastically in the singing of *bhajans* and *kirtans*. Krishna enjoyed such visits thoroughly and cherished listening to the *bhajans* and the talk of God. It was in this manner that the seeds of deep devotion and dedication for God sprouted in Krishna's mind in the impressionable years of early childhood.

There is a popular anecdote indicating that Krishna had started having mystical experiences from the time he was a small child. It is said that once his parents went to take part in the annual festival of Jyeshtha Ashtami held at Manzgam at the shrine of the Goddess Rajnya (pronounced 'Ragnya' in Kashmiri), the tutelary deity of the family. Since the entire distance of 8 kilometres had to be traversed on foot, there being no transport available to the place those days, they did not take little Krishna and his sister along, leaving them at home in the charge of a servant. But the moment Krishna got a whiff of it, he felt miserable and started crying bitterly. The servant took him to the riverside to divert his attention but the boy remained inconsolable and refused to eat or drink. He went on crying till he fell asleep and in his sleep he saw a dream in which a divine figure -- Goddess

## **Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

Ragnya herself attired in all her finery-- approached him and taking him into her arms wiped his tears and offered him a bowl of very tasty *khir*. When his father returned from the pilgrimage, Krishna told him about his dream but the amazed father asked him not to reveal it to anyone. It is said that at that moment he uttered a few devotional verses in praise of the Goddess and that was the beginning of his career as a poet.

By the time Krishna Razdan was 21, he started writing poetry regularly and soon became popular as a writer of devotional lyrics. As his popularity increased, some of his co-disciples (he had taken a Guru by then) became very jealous of him and spread the canard that Krishna Razdan plagiarized poems written by other poets. When the Guru came to know to about it he decided to find out the truth for himself. And once when he was making a trip across the Dal Lake on board of a houseboat together with his disciples, he suddenly asked Krishna joo to recite a poem extempore describing the lake and its beautiful environs. To everyone's surprise and to the Guru's great delight Krishna joo rose and started reciting verse after verse of what was later regarded as one of his most profound poems, words gushing from his mouth like the flowing waters of a mountain stream of his native village. It was a long poem in which through juxtaposition of a series of wonderful and most apt metaphors he captured the charm of the lake and its natural scenery, each metaphor indicating at the same time deeper spiritual meanings:

*Sar ko^r yi samsaar naduru `y draav*  
*Dal ma hoshu ` tsyet kiy pamposh chhaav*  
[I've discovered the secret of the world  
It's very much like the lotus stalk –  
Ephemeral!  
But lose not your inner poise  
Enjoy the beauty of the lotuses that bloom inside you.]

With their mouths gaping, his detractors heard this spontaneous outpouring of most wonderful poetry and they were effectively silenced.

Krishna joo Razdan was a saint but he had not renounced the world, nor did he give up his duties towards his family. He was a householder saint, which is not exactly an oxymoron for there is a long tradition of such saints in Kashmir. He looked at life and the world with the eyes of a detached person, his ideal in this respect being, in his own words, "*ba `sti manz vanvaa `si roz'*"(Live in this

world as the forest dweller lives in the forest). The transient pleasures of the world, its glitter and glamour held no attraction for him, his aim in life being to seek the Ultimate Reality through devotion. But though detachment was his mantra, he was not indifferent to the human condition, his deep awareness of it finding expression in many of his poems. Krishna joo was also fully conscious of the miseries that an exploitative social and economic system brought upon the common people of his native land. He had direct knowledge of it for he did a stint as the headman of his village for a brief period, only to realize soon that the responsibility thrust upon him was too intrusive on his spiritual pursuits. Turning his back on mundane affairs, he now remained absorbed in God-consciousness all the time, composing lyrics suffused with intense Bhakti and love directed towards Shiva and Krishna and the Mother Goddess in her various local manifestations. Wearing his trade-mark *pheran* and turban, and with a saffron and sandalwood-paste *tilak* on his forehead, he looked every inch the saint that he was and attained a spiritual dignity that drew people to him from every quarter. Singing his Lilas in chorus and dancing in ecstasy, they gathered round him overwhelmed by religious fervour and sought spiritual and moral guidance from him.

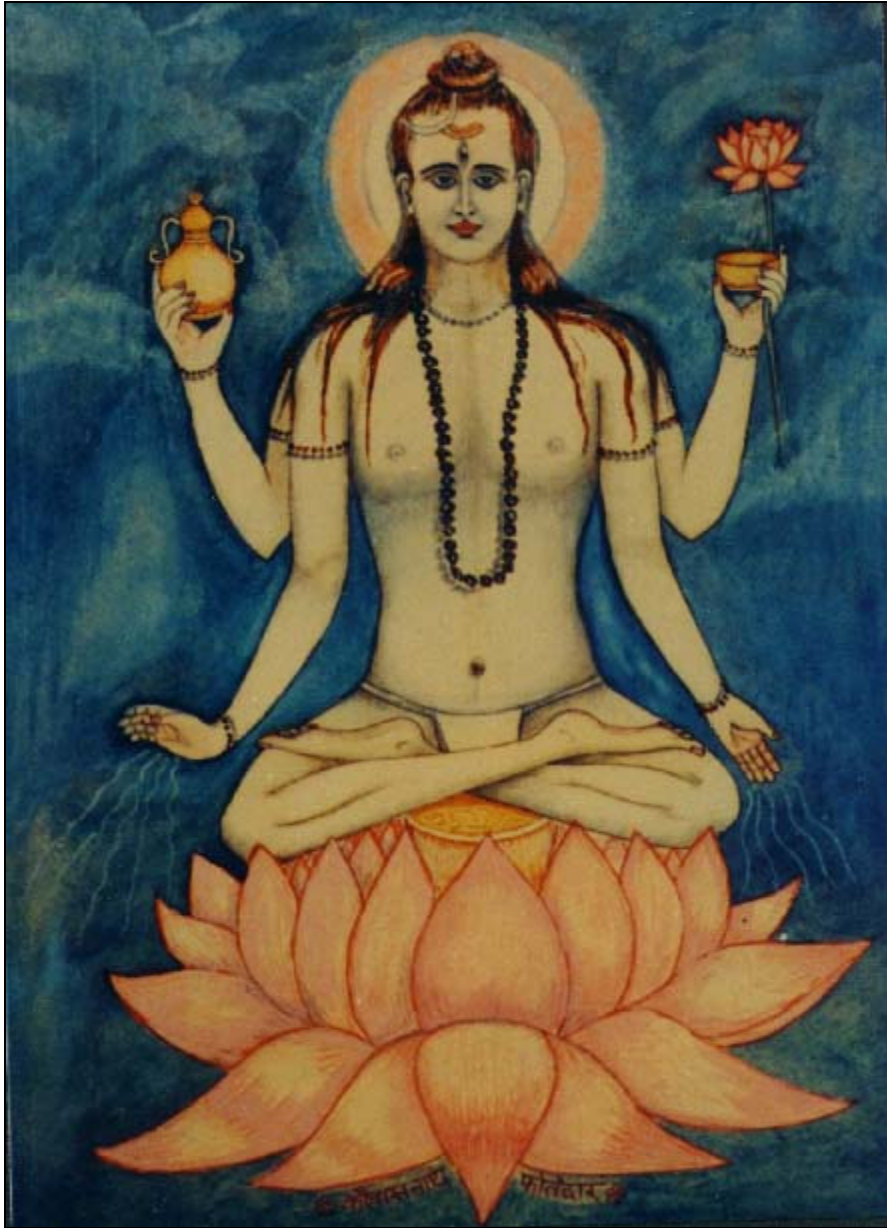
Among those who became ardent admirers of Krishna joo Razdan was Pratap Singh, the Maharaja of Kashmir. Greatly impressed by his versatility as a saint, a scholar, a poet and an astrologer, Pratap Singh expressed the desire to meet him and sent a formal invitation to him. Krishna joo Razdan accepted the invitation and came to meet him at Tulmul, the holy shrine of Ragnya Bhagwati, Kashmiri Pandits' most popular deity. It is said that the saint showed to Pratap Singh the water of the holy pond of the shrine actually change its colour and this further reinforced the Maharaja's reverence for him. Thereafter Pratap Singh made it a point to visit him at Vanpuh whenever he moved to Jammu from Srinagar or from Srinagar to Jammu with his court. He also kept a well-furnished boat at the disposal of Krishna joo Razdan so that it would be convenient for him to visit Srinagar whenever he so wanted.

And the trips that the saint-poet made to Srinagar were frequent enough, for he felt very happy to be in the company of his close disciples there, foremost among whom was Pandit Kanth joo Sharabi of Shala Kadal. Other prominent disciples of his were Raghunath Mattoo, Jankinath Misri and Harihar Kaul. Pandit Kanth joo Sharabi had a very melodious voice and he loved to sing his master's songs at the musical soirees organized quite frequently by Krishna joo's group of disciples which would often last till the wee hours. Krishna joo would come himself all the way from Vanpuh to participate in some of these enchanting evenings on several occasions to the joy of his followers and then they would become unforgettable events. As Kanth joo sang hearts would melt and the listeners would go

into raptures, forgetting the sense of time and their own selves, experiencing pure spiritual bliss. Kanth joo continued such singing sessions long after Krishna joo gave up his mortal frame, enthraling his own group of disciples with the master's sonorous and intensely devotional lyrics and often transporting them into an indescribable state of God-consciousness. A regular presence at such spiritually intoxicating choral singing assemblies was that of Pandit Kailash Nath Fotedar of Sathu Barbarshah, Srinagar, who was one of the foremost disciples of Pandit Kanth joo Sharabi. I find it relevant to quote here the words of Dilip Chitre, well known Marathi writer and intellectual, regarding Bhajan singing in the time of the great Marathi Bhakti poet Tukaram. Chitre writes: "Bhajan was the new form of singing poetry together and emphasizing its key elements by turning chosen lines into refrains. These comprise a new kind of democratic literary transactions in which even illiterates are drawn to the core of a literary text in a collective realization of some poet's work." ("Says Tuka', Introduction, p. xix.)

There is some confusion about who was Krishna joo Razdan's real Guru. According to some he was the disciple of the well-known saint Mehtab Kak. But Pandit Shyamlal Razdan, his surviving grandson, makes it clear that his actual Guru was Pandit Mukundram Shastri, a relatively unknown saint, who resided in the Ali Kadal locality of Srinagar and lived for 49 years only from 1844-1993. They further reveal that Krishna joo Razdan was initiated into the worship of Amriteshwara Shiva by him. Amriteshwara was, therefore, his actual deity - a fact not known to many. It is said that Mukundram had a vision of Amriteshwara at Lar en route one of his pilgrimages to the holy cave of Amarnath. He told about it to one of his disciples, Vasudev Ghariyali, who was a painter. Ghariyali painted a likeness of Amriteshwara as described to him by Mukundram, but it took him full seven years to complete the painting. When at last Mukundram saw the painting he felt Amriteshwara Himself coming out of the picture frame fully embodied in all His resplendence and at once went into a trance. The picture is at present lying with the descendants of his adopted son who worship it on every Shivaratri from midnight to five o'clock in the morning and then put it back into the closet. Pandit Kailash Nath Fotedar managed to prepare a copy of this rare painting, which has now become a family heirloom.

Amriteshwara Shiva is a deity contemplated on by the believers in Kashmir Shaivism, and the fact that Krishna joo worshipped Him reveals his faith in the system. The image of Amriteshwara is to be contemplated according to His *dhyana mantra*, which depicts Him as a three-eyed deity of pure white complexion. Seated on a white lotus, He holds a pot of nectar in one of His upper hands and a lotus in another; His other two hands are respectively in the boon-granting and protection-giving postures.



**Amriteshwar Bhairav** painted by Late Pandit Kailash Nath Fotedar

Obviously, the iconography is symbolical, though the worship is done strictly according to the prescribed rituals.

Mukundram Tikkoo was not just a spiritual preceptor to Krishna joo Razdan, he guided him in many other ways too. It was from him that Krishna joo imbibed the spirit of itinerancy. Hardly anyone knows that it was Mukundram Tikkoo who as a sort of wandering ascetic first discovered the short

route to the Amarnath cave via Baltal. Following him, Krishna joo Razdan not only made regular trips to Srinagar to meet his disciples and friends, but wandered all over Kashmir visiting sacred sites, pilgrimage places, shrines and holy springs and traversing what can be called "a sacred geography" of the Valley, to borrow a phrase from A.K.Ramanujan. He may not have made it to Manngam in his childhood, but later he visited holy destinations in the entire Valley. These included Anantnag, Amarnath, Lar, Devsar, Tulmul, Kapateshwara, Kaunsarnag, Kapalamochana Tirtha, Trisandhya, Kola Sar, Verinag, Bhadrakali, Kotitirtha, Ramaradan, Harmukh, Brahmasar, the Jwalamukhi temple at Khrew and a host of other places. In Srinagar, Hari Parbat and the Dal Lake were among his favourite haunts, but the place he invariably visited was Tulmul. He would also go to Mattan, a famous place of pilgrimage where Kashmiri Hindus go to perform *shraddhas* of their departed ones. It was here that he met the poet-saint Paramanand, who was his senior contemporary. The meeting took place at the holy spring of Mattan where Krishna joo is said to have asked for Paramanand's blessings, which he got in ample measure. No date has been recorded but at that time Krishna joo is said to have been very young and had just begun to receive attention as a poet. No other details of the meeting are known. We cannot say how far Paramanand influenced Krishna joo Razdan, but there is not much evidence of such an influence in his works. Paramanand has his own style and idiom and Krishna joo his own, though both of them draw from the same pan-Indian reservoir of Bhakti. Paramanand is unmatched as a narrative poet and Krishna joo excels as a lyricist.

This is about all we know of Krishna joo Razdan's life story. There are many gaps and very few details – hardly the material for an authorised biography of one of the greatest Bhakti poets who enriched Kashmiri cultural life with his soulful songs. Unfortunately his works do not provide many biographical cues. Scholars and researchers shall have to do a lot of hard work to explore further the facts of his life instead of remaining contented with a handful of miraculous anecdotes. This will be essential for understanding various dimensions of his personality both as a poet and a saint. Ironically, in spite of the fact that not much is being done in this direction, Krishna joo Razdan's popularity as a religious poet has kept on soaring even though nearly 80 years have passed since he gave up his mortal frame. In the recent years, the exiled and scattered community of Kashmiri Pandits has discovered in his numerous Bhajans and Lilas a new source of spiritual succor and solace that can sustain them in their present state of distress. Like Lal Ded he has become a cultural icon for them and a medium of their connectivity with the past.

As a poet Krishna joo Razdan's output is prolific, the range of his creative imagination amazing, his imagery profuse, revealing his great love of nature. His Lilas or devotional lyrics alone run into



hundreds, besides which he also composed psalms, litanies, hymns, prayers, poems describing nature in its various aspects, allegorical poems, didactic poems, Raasa songs, marriage songs, philosophical poems, dramatic monologues and also a long narrative poem titled 'Shiva Lagna' -- his magnum opus. Apart from poems written in the lyrical mode, he has written long poems also like the one on the Dal Lake mentioned above. In another long poem, which is actually in the form of a monologue, he has depicted the world as a theatre of the absurd in which he asks for himself the role of a jester. There is also a longish poem on Abhinavagupta. In yet another poem he blends his *bhakti* for the Divine with *deshabhakti* or devotion for the country – and that is when the contours of the freedom movement in the country were still not clear and Mahatama Gandhi had yet to make his mark on the national scene.

Krishna joo Razdan's poetry reflects his entire world-view, his vision of God and Man and the relationship between them, his own spiritual anguish and his concern for the human condition, his disturbing awareness of the vanity of worldly pleasures, his quest for beauty and truth and his stress on higher human values. It also shows him fully conscious of the socio-economic and political realities of his time much ahead of Mahjoor and Azad. His poetry in fact presents a whole world of sensitivity and imagination, creativity and contemplation, symbol and allusion, thought and emotion, belief and speculation, insight and intuition. At the centre of this fascinating world is Krishna joo Razdan's concept of Bhakti, his notion of the universe as God's creative play. As we journey through this amazingly vast and beautiful landscape of poetic creativity, we cover the entire gamut of Kashmir's spiritual culture. We also encounter a verbal artist of great sensitivity and unusual depth.

It is this experience that we have when we go through his magnum opus 'Shiva Lagna' or 'Shiva Parinay'. A long narrative poem, 'Shiva Lagna' has for its theme the mystic union of Shiva and Shakti, the two fundamental aspects of the absolute, all-inclusive, Ultimate Reality, one transcendental and the other immanent, which are basically one. The beatific vision of their communion is projected through the all too familiar story of Sati's self-immolation and her penance as Parvati to obtain Shiva as her husband, which has been taken from the 'Shiva Purana'. The narrative structure of the work is rather weak and loose and altogether collapses towards the end where the poet bursts into lyrical expression with full abandon. Krishna joo as we know is by nature a lyricist and it is but natural that his lyricism should have gushed forth like the swift waters of a mountain stream through the outer narrative crust of the work.

The Puranic story of Shiva and Parvati's marriage, however, takes an interesting dimension in 'Shiva Lagna' with Krishna joo allowing his innovative imagination to have a free play. In one such innovative episode Shiva in his disguise as a mendicant tests the firmness of Parvati's love for him and finds it strong and unshakable. At another place we see Vishnu (Krishna) making the wedding arrangements on behalf of Shiva. But the poet is at his innovative best in the episode of the 'golden snow'. Here he shows Mainavati, the shocked mother of Parvati who cannot stand the sight of an ascetic bridegroom coming to wed her darling daughter, asking Shiva to bring some golden ornaments to bedeck the bride. Shiva smiles and displays his *aishwarya* (divine majesty) by making flakes of golden snow and pearls fall from the heavens. The snow falls heavily and incessantly and accumulates in heaps in people's courtyards, lawns, streets and alleys. Suddenly there is a mad rush for the gold with people coming out with their shovels and baskets to gather as much as they can till their store rooms and barns are full and there is no place left in their houses where they can store it. In a moment everyone becomes richer than the richest in the world. But the golden snow continues to fall and pile up, menacingly reaching up to the windows of the uppermost stories of their houses, and they fear lest their roofs should cave in. The Earth begins to reel under the heavy mass and she prays to Indra for having the impending disaster averted. It is only when Indra pleads on behalf of all the supplicating people of the land that Shiva eventually relents and waving the clouds away he piles the remaining snow in the shape of the Sumeru mountain. The wedding then takes place amidst tremendous rejoicing and the poet cannot but invest the whole story with deeper allegorical meanings. The description of Parvati's nuptial union with Shiva becomes the communion between the Supreme Being and His Cosmic Energy who manifests Herself as the phenomenal world, and this, says the poet, is what the real meaning of Shivaratri is. It is the Absolute Consciousness that reveals itself as the self-luminous reality pervading the whole universe, he explains, using the Shaiva metaphors of *prakasha* and *vimarsha*.

But the great appeal that Krishna joo Razdan's 'Shiva Lagna' has lies in the shades of a folk epic that it has acquired. There is a profusion of folk colour in the work that finds its expression in its imagery and metaphors, its description of the various events as well as the setting in which they take place. The whole atmosphere bristles with elements of Kashmiri folk life. Although Shiva is shown as coming from 'Kashipur' with his strange marriage procession, the setting is unmistakably Kashmiri. It is the Kashmiri birds that warble, the Kashmiri flowers that bloom. Ladies in their colourful costumes sing tuneful Kashmiri songs to the racy beats of the *tumbaknaari* to welcome the divine bridegroom, addressing the bride as *haa`r* (the starling) and the bridegroom as *poshinool* (the golden oriole). The poet seems to revel in describing each ceremony of the wedding in its minutest details, showing it

taking place strictly according to Kashmiri Pandit rituals and customs. It culminates in the '*poshi puzaa*' or the floral worship of the bride and the bridegroom in the typical Kashmiri Pandit fashion, with the ladies singing one of the best marriage songs composed by the poet himself that has become extremely popular these days. It is a cosmic image showing Ishan's (Shiva's) balcony in the sky bedecked with glittering stars for gems:

*Mokhtu` kani taarakh chhiy taabadaanas  
Az chhi Ishaanas poshi poozaa*

The marriage is shown as a grand gala event, a star-studded extravaganza, in which both humans and gods participate amidst great rejoicing – all the gods and goddesses of the local pantheon eagerly playing their respective roles along with the trans-local ones. In the end all the gods, demi-gods and humans sing the praises of Shiva and Keshava and both of them sing praises of each other. In a surfeit of hymns and litanies, Krishna joo Razdan stresses that there is no duality between Shiva and Krishna and equates both with *nirguna brahma*.

The non-duality between Shiva and Krishna is brought out in another interesting manner. Embedded in his narrative of Shiva-Parvati marriage are sweet and mellifluous songs of Krishna's love sport with Radha and the cowherd maidens and His ecstatic Raasalila with them. In these songs, which are among the best Raasa songs written in any language, Krishna joo Razdan displays a subtle aesthetic sense reminiscent of poets like Jayadeva and Vidyapati. But stressing the spiritual rather than the sensuous, he presents Raasa as a dance of spiritual ecstasy -- an eternal event that takes place in the mind's Vrindavana, transcending the limits of time and space:

*man myon bindraaban tu` lo lo  
aatma roop naarayan tu` lo lo!*  
[My own mind is Vrindavana  
And Narayana my own soul!]

What is significant from the point of view we are trying to present is that these rapturous songs of Raasa and Krishna and Radha's divine love occur side by side of Krishna Razdan's equally enchanting and deeply devotional songs addressed to Shiva. It is evident that Krishna joo Razdan does not take any sectarian or doctrinaire position in respect of Bhakti. This takes us to the concept of Bhakti prevailing in his works to which we have referred earlier. Krishna joo places Bhakti above everything

else in life as to him it is instrumental in grasping the Ultimate Reality. Bhakti for him is a *bhava* or a feeling, a state of mind, an emotional rather than intellectual response to the problems of existence. It is a prized possession as valuable as a string of pearls for it satisfies the human craving for a supreme personality who can be adored and to whom prayer can be addressed. Someone unto whom one can surrender and whom one can love and depend upon for deliverance from sin and the miseries of life. He emphasizes the importance of complete surrender to God's will as a pre-requisite for Bhakti in his Raasa and other devotional songs and also points out to the raptures of union with Him.

Krishna joo Razdan does not believe in intellectualizing devotion; his concept of Bhakti is centered in emotion and feeling. He understands it as cultivation of an emotional relationship with God. But even as he lays stress on *bhava* or feeling, he views *jnana* or knowledge in conjunction with it. He does not find *bhakti* and *jnana* as irreconcilables, he thinks they go hand in hand. Steering clear of controversial theorizations, he adopts an attitude that is based on the Bhagvad Gita, which says that knowledge is essential for *bhakti*. It can be noted with interest that he has devoted one whole poem to describe the traits of a *jnani bhakta*.

We find an intimate relationship between *bhakti*, *jnana* and *mukti* emerge in Krishna joo Razdan's thought. In this context we see him making frequent references to *shaktipata*, a key concept of Kashmir Shaivism. According to Shaiva thinkers, *shaktipata* or divine grace is essential for obtaining *moksha*, which Krishna joo considers as the highest goal and greatest attainment of life. He also calls it *anugraha* and says that it is "the root of the tree of self-realization". And to receive *anugraha*, he joins the Vaishnava Acharyas in emphasizing that one has to dissolve ego and surrender before God completely as that alone gives one the capacity to love Him. The Acharyas call love the *ahladini shakti* or the "joy-giving power" of Krishna Himself, and say that it can be obtained only after breaking the ego and merging the self with the Supreme Consciousness. In the Kashmir Shaiva view also Shakti becomes Bhakti for the purpose of liberation. Unfortunately, the Shaiva concepts of Bhakti and Shiva Bhakti itself have been ignored or marginalized by the Vaishnava Acharyas in their theorization of Bhakti. This is not the case with Kashmir where Shiva Bhakti is no doubt the dominant strain, but Vaishnava traditions have also flourished. According to the great Shaivite thinker Abhinavagupta, it is the "attainment of definite knowledge" of the complete identity of one's soul with the Absolute that is the highest form of Bhakti. Krishna joo Razdan too seems to uphold the view in his 'Shiva Lagna' and other works that immediate experience of absolute non-dualism itself is the highest devotion.

There is hardly any bibliography available of this last great poet of Kashmiri Bhakti tradition and this speaks volumes about the state of scholarship in Kashmir. His poetry, in fact, has not been evaluated or analyzed in a proper perspective so far. Those who claim to be literary critics in the language have generally tended to ignore it or dismiss it as of peripheral importance, labeling it as religious poetry. For the first time in my history of Kashmiri literature in Hindi I made an attempt to explore various dimensions of his poetic genius and personality in some depth. I pointed to the high acoustic values of his poetry whose beauty travels from our ears to our hearts touching their deepest cords and at the same time takes us to the heights of mystic ecstasy. My idea was to challenge the general perception that just because of the religious tag attached to them, works of Krishna Razdan and other Kashmiri Bhakti poets should be dismissed as of practically little or no literary value and relegated to the margins. They must be analyzed seriously for their poetic values and creative idiom, I contended. As early as 1926, my late father and Kashmiri scholar Prof. S.K.Toshakhani had published some of his select lyrics in a series of booklets under the title 'Shrikrishna Vani' and my fascination with the saint-poet began when I happened to read these in my early childhood days. In 1991, well known Kashmiri poet and writer Arjandev Majboor wrote a monograph in Hindi for the Sahitya Akademi, highlighting some of the salient features of Krishna joo Razdan's poetic attainments and throwing light on some aspects of his life. Earlier, Somnath Veer attempted to bring out a critical edition of his complete works, claiming to have collated relevant manuscripts for the purpose. The book was published by the Jammu and Kashmir Academy of Art, Culture and Languages and included a long introduction by him to the saint-poet's life and works. According to Veer's own confession, there were some defects in the book which were later rectified in the second edition (Krishna joo Razdan: 150<sup>th</sup> Birth Anniversary Souvenir, Ed. Dr. S.S. Toshkhani, J&K Vichar Manch, New Delhi, pp. 34-35). Veer's critical edition of Krishna joo Razdan's complete works has none-the-less several merits and can be described as the first systematic attempt towards producing an authentic version. His assessment of the poet's creative genius, however, lacks depth and proper perspective. Many years before Veer, as early as in 1913, Ali Mohammed & Sons, well known booksellers of Srinagar, had published Krishna Razdan's 'Shiva Lagna' in the Persian script under the title 'Harihar Kalyan', Harihar Kaul being the name of Krishna joo's nephew who had compiled it. About the same time George Grierson got a version of the work, which included many of the poet's devotional lyrics and hymns, published by the Royal Asiatic Society of Bengal under the title 'Shiva Parinay' with a Sanskrit translation by Pandit Mukundram Shastri. The work was brought out serially in six volumes from the year 1913 to 1924, three years after Mukundram Shastri's death. Grierson, however, does not say much about the work or the poet in his brief introduction. According to

## **Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

Somnath Veer, there is much textual variation in 'Shiva Parinay', besides which it does not include Krishna joo Razdan's all poems. Recently, the saint-poet's grandson, Pandit Shyamlal Razdan published his complete works in the Devanagari script in three volumes titled 'Shiva Lagna', 'Krishna Darshun' and 'Krishna Vani', compiled obviously from a manuscript preserved as a family heirloom. The first volume carries a brief introduction by the editor, but it hardly gives any new information. We do not know the basis of the chronological ordering of the poems compiled in these three volumes but it appears to be random, This is the case with Somnath Veer's version also in which he has arranged the poems under titles that do not seem to be particularly relevant.

Let me be clear and candid about it. Versions in the Persian script are likely to serve little purpose, for a vast majority of those interested in reading Krishna joo Razdan today are not versant with it, except of course a handful belonging to the older generation. The script is absolutely incapable of rendering Sanskrit sounds, which abound in Bhakti terminology. His verses also continue to be transmitted orally, though in a different manner. Recently there has been a spurt in the number of people listening to the cassettes of his mellifluous songs, which has sent their sales soaring. But for those intending to the study the poet seriously, the Devanagari script is definitely the best option. This compilation in the newly standardized Devanagari-Kashmiri script by Dr. Rattan Lal Fotedar, son of Pandit Kailash Nath Fotedar, and M.K.Raina is, therefore, to be particularly welcomed as it brings complete Krishna joo Razdan to us. It will, I am sure, prove equally useful to the casual reader as well as the serious student and researcher. It will help to introduce them to poetry incandescent with the light of spiritual illumination and at the same time ecstatic with the joyful celebration of life, poetry that brings out enchantingly the inner music of Kashmiri words using brilliant devices of internal rhyme and assonance taken from an "oral poetics" and yet vibrating with deeper resonances of meaning. Linguistically, this poetry has the flavour and natural sweetness of colloquial Kashmiri speech for them to enjoy, laced here and there with Sanskrit and Persian words which are in common use. The native beauty of the metre of the '*vatsurl*' lyric will thrill them with its peculiar folk appeal. But more than anything else, this compilation of Krishna joo Razdan's poems will take them in one sweep across a vast canvas of cultural imprints which can be traced to centuries of tradition and civilizational memory.

Dr. R. L. Fotedar and M.K. Raina, the two editors of the collection, are acutely aware of the significance of the culture-specific aspects of Krishna joo Razdan's poetry. M.K. Raina is dynamically involved in activities concerning preservation and projection of Kashmir's literary and cultural heritage. He has painstakingly produced the text in standardized Devanagari-Kashmiri script, and

## **Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

what is more published a collection of his six beautiful short stories on Kashmiri social life in the script displaying much promise. The two have been working in tandem to edit and publish this version of Razdan's poems, which can very well be treated as an authorized version, compiled as it is from a copy of the manuscript prepared by Krishna joo Razdan's chief disciple Pandit Kanth joo Sharabi. The copy was made by Pandit Kailash Nath Fotedar, himself a close disciple of Pandit Kanth joo Sharabi, for his personal use. It must be remembered that all the four main disciples of the saint-poet had prepared their own respective manuscripts of the master's poetic utterances, with Kanth joo penning them down immediately after he would hear them coming from his mouth.

I very much hope that by bringing out this edition the editors will make Krishna joo Razdan accessible to the entire Kashmiri diaspora which has now spread to every part of the globe. His voice is a unique voice of Kashmiri Bhakti tradition, passionately spiritual and yet intensely human. It could also inspire someone to translate some his select verses for non-Kashmiri readers who are hardly familiar with his name. It is indeed sad that no attempt to translate them has been made so far.

New Delhi,

**Dr. Shashi Shekhar Toshkhani**

July 19, 2004

**[Dr. S.S. Toshkhani, the editor, is a renowned scholar of India and belongs to a great intellectual family of Kashmir. His father late Prof. S.K. Toshkhani was a legendary scholar of Kashmir's literature, language and culture. Dr. Toshkhani is a poet, linguist, writer and thinker. He has contributed substantially to Kashmiri heritage and carried out modern research in various fields of Kashmiri literature, history, religion, art and social science in general. He is a member of the research committee of Kashmiri Education, Culture and Science Society. He is conducting research on Bhakti tradition in Kashmiri Poetry as a Senior Fellow (on a fellowship from the Ministry of Culture) and on rituals and visual arts of Kashmir at the Indira Gandhi National Centre for the Arts. He has been associated in many leading seminars conducted by Kashmir Education, Culture and Science Society. Dr. Toshkhani, therefore, represents a great tradition of scholarship of Kashmir and Kashmiri Pandits.]**

## अस्तुती

### 1 श्री गणेश

ओमकारु रूपु छुख सर्वु आदिकारो	मूलादारु घान दारयो ।
सेदि दाता छुख व्यंगनु हस्तारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
सास्त्रिनय ब्रौठ छ्य गवडु अनुवारो	जपु यॅगनि स्वाहाकारयो ।
व्यॅकटु रूपु छुख वीदु ओमकारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
नॉल्य छ्य लालु मालु नागेंद्रहारो	बलु दातु गॅणिशि बलु प्रारयो ।
रुद्रय गनुनुय हुंदि सरदारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
आदि शक्ति हुंदे आदिकारो	ईकु दंतु वीदु व्यस्तारयो ।
शिवजी सुंदि टाठि व्यंगनु निवारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
पस्मु शक्ति हुंदे सीवाकारो	यछु पौत्रु व्यवहारयो ।
बालु चॅदु ख्युब कासुवुनि शूबिदारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
सर्वु शक्तिमाननि आॅग्यन्याकारो	प्रकरसु यमि समसारयो ।
प्रथ तीर्थु ब्रौठ चुय पतु कोमारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
ही लम्बोदरु छुख सर्वु व्वपकारो	म्वकलाव यमि समसारयो ।
लम्बोदरस्य कौरुथ आहारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
यॅद्राजस येलि खौत अंदुकारो	जोरुन ति गोस लूरु पारयो ।
म्वकलोवथन छुख बखशनहारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
वैष्णन कोरुनयनु नमस्कारो	सॅदस्स कौरुथ वथु वारयो ।
गजु म्वखु बोयनय जयजयकारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
वैष्णु भगवानस बूजुथ जारो पारो	कृष्णु पिंगलु अदु ओय आरयो ।
वकरु त्वंडु बलु छुय मह व्यचारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
वस्तरु नॉल्य छ्य रंगि गुलनारो	चौतुर ब्वजु बडि सरकारयो ।
चानि दरुबारस्य लबु दरुबारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
मंत्रु नायकु ब्रह्म अवतारो	पूजुहोथ गणपतु यारयो ।
सर्वु स्यद दिनुकुय छुख म्वखतारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
वल्लभा सुत्य छ्य स्व सौरुप दारो	अथन क्यथ चोरु हॅथियारयो ।
बूतन तु रखिसन करान समहारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
अवेद्यायि साने दंतु सुत्य मारो	मकि सुत्य पाप गाल वारयो ।
पदमु सुमरनि सुत्य कू द इख हारो	मह गणपतु घान दारयो ।।
सेहमु ख्वगु वाहनु जोरवारो	दुमरु वरुन समसारु सारयो ।
यमि बवुसरु दितु कृष्णस तारो	मह गणपतु घान दारयो ।।



**2 श्री सत्गुरु**

शिवनाथ आनंद अमर्यत चावतम ।

सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।

येत्य छुख तु छंड्य कथ मकानस गोमुत छुस अग्न्यानस मंज ।  
ओन छुस तु जॉन्य हुंज वथ वुछ्नावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
वौलनस समसारचि मायाये म्वकलय चाने व्वपाये सुत्य ।  
दयायि हुंजुय नजरह त्रावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
छुय काम, कूद, लूब, मूह, अंदुकारुय ममतायि सुत्य व्यस्तारुय म्योन ।  
समतायि सुत्य यमि मंजु म्वकलावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
संतोश, व्यचार, सत्संग, शमय खटनय आम यिम क्वकर्मय सुत्य ।  
अनयछ पस्मयगथ प्रावुनावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
सत्जन प्वर्श यिम ऑस्य प्रकरतु पर चरि जीव प्रोवुख ईश्वरु थान ।  
तिमुनुय मंजबाग आसन मे दावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
अँदरिय युस छुम आनंदु मंदुरुय तथ मंज करुयो यूग पूजा ।  
अपनिशदन हुंघ सिर मेति बावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
शब्द प्रकाशु वैरु वासना हारतम ह्योरुकुन खारतम पजि रजि सुत्य ।  
युथ ओसुस त्युथ बेयि बनावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
त्वकचार अँघ गोम गरुके ख्युबय जवान छुस तु र्खतम लूबय निश ।  
बुजर छु नँजदीक मतु मंदुछवतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
व्वदीशु सुत्यन वुछ्थिय त्रावतम सुत्य मा आस्यम कुनिकुय लीश ।  
ब्रह्मानंदुसुय प्यठ वातुनावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
घानुच नँदिया न्यर्मल कँस्थिय यूग पानि सुत्यन बँस्थिय छ्य ।  
बो तन नावय च्य मन नावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
इंद्रेय यिम ऑस्य द्रायि तिम फँस्थिय ह्यस ह्यथ रँस्थिय खँस्थिय पॉठ्य ।  
सॉर्य शोमरावतम कुनुय बनावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
ग्यानुक न्यँत्रुय वारु मुचरावतम पम्पोश जन फवलरावतम मन ।  
अद्वेतु बावुकिन्य पानस छवतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
मूलतल ओसुस न्यर्मल पोनिय व्यवहारु प्रकरँच कोरुनस यख ।  
न्यरुनय गरुमी सुत्य व्यँगलावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।  
नाव छुम कृष्ण छम चॉन्य आशिय हवतम सत् च्यत् आकाशिय ।  
समसास्स मंज पुशु मतु पावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश । ।

VVV

खंड 1: दखि (दक्ष) प्रजापतुन कुसु । शोम्भू जियस सुत्य उमाजी  
हंदि खांदरुच दॅलील ।

3 शिव तु आयि हंदि खांदरुच शेछ बंदन बांदवन प्रजापतनि तरफ़

सावदान मन छुम परमानंद ।

शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद ॥

शरु ज़न फोलमुत छुस पम्पोश	ल्वकुचास्स छुम आमुत बोश ।
तोशन तोशन छुस प्रसंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद ॥
अँम्य गंगाधारन ग्वसँन्य	स्वयंवर वँसनय कन्या म्याँन्य ।
आपस्स प्रेम सुत्य द्दु बत कंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद ॥
तसुंजि मायायि ब्वद वातिनु सँन्य	नय स्वय ब्रह्मा वैष्णन ज़ँन्य ।
नय छुस ग्वड तय नय छुस अंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद ॥
अथ करपूर गौरम तने	शखुच कीरतना कुस वने ।
यिवान केन्छ छस स्वगंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद ॥
सुय ब्रह्मा वैष्णय मानुन	जगतुक ईश्वर सुय ज़ानुन ।
सुय परमात्मा सुय स्वछ्यंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद ॥
सुय छुय शास्त्र वीदु सागर	सुय छुय आसुवन वैद्याधर ।
सुय छुय सार ओमकारुक ब्यंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद ॥
अँबीदु बख्त छ्य तसुंजुय ज़ान	सुय छुय मन तय सुय छुय प्रान ।
सुय नेरि अवशद शास्त्र मंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद ॥
लछि बदि लोलय प्रेयमय सुत्य	जपु तपु दर्मय कर्मय सुत्य ।
पोश पूज कँस्थिय जुव तस वंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद ॥
कृष्ण फिस्म कौरुय कर मु तौरिय	तिथु पौठ्य पूजायि दैरुय कर ।
यिथु पुष्पुदंतन लॉगिनस दंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद ॥

**4 आ जी ह्यथ शिव जी सुंद कैलासस प्यठ गछुन**

गट्ट पछ चँद्व चूडन म्वख होवुय अछ पोश गव लछ नोवुय ह्यथ ।  
राजन खांदर येलि म्वकलोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।  
पम्पोशिक्य पॉठ्य फोल समसारय जगतस नोव बहारय आव ।  
अँसिने पोशस ह्यथ गव निववुय<sup>1</sup> परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।  
होह्वुर्य गरि सुय वारु तु कारय परमाछ्यनु व्यवहारय सान ।  
हशि हेहस्स र्वखसत ह्यथ द्रोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।  
ग्वलाबस तय आरुवलि म्युल गव दिल गव मीलिथ रूदुख नु ब्यन ।  
यँबुरजलि हुंद रंग सोंबलन प्रोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।  
आधर छुख न्यथ असि बासुवन नेशकल मन कर आसन दार ।  
हृदयुक पम्पोश असि वथुरोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।  
तस निशि क्याह छिय वस्त्र तु जामय वैखत छुय नेशकामय सुत्य ।  
निदानु अबदन हुंद स्वनु सोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।  
तस निशि क्याह छुय गंडुन तु छवुन यस निशि द्रायि भगवत माया ।  
त्रेयलूक येम्य ईश्वरन व्वपदोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।  
तस निशि क्याह लवि लँक्ष्मी तु द्यारय युस आसि मूह अंदुकारय रोस ।  
ब्रह्मा वैष्णय येम्य बनोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।  
यूगु गछि डबि छ्य लछि बजु हेरय कृष्णस फेरय निशि म्वकलाव ।  
ह्योर खारुन छुस ग्वडुन्युक पोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।

1. अकि पोशुक नाव ।

5 दिवताह सबायि मंज प्रजापतुन क्रू द करुन

उमा रुद्रस त्रुबवन सास्स ।  
मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
कैलासस प्यठ ख्यमा करुवुन आ दीवी ह्यथ येलि गव ।  
वयक्वठ सौंपुन तथ कोहसास्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
दोहु अकि आँस्य त्रेशवय कारन वीद व्यसतारन दिवताह ह्यथ ।  
समेमुत्य आँस्य मंज स्वर्गु दास्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
दखि प्रजापत मनि कामनाये वोत तथ दर्मु सबाये मंज ।  
सौरिय वँथ्य तस जयजयकास्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
गोमुत ओस मंज मूह अंदुकास्स शिवनाथन तोर कँरनस नु कथ ।  
वुठ मुचरोवनखनु नमस्कास्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
करुन ओस पानय श्री न्यरकास्स अदु छुनुन तस माया जाल ।  
व्वडुनोवुन मंज मूह अंदुकास्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
व्वजलुय बुथ गोस युथ आसि नास्स जिन्थ अंबास्स ह्यँचनस रेह ।  
क्रू दु म्वख गोस युथ कालु समह्वस्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
वननि लोग पानस सुत्य ओस श्वदुय मदय वोदनस दीवन मंज ।  
येति योर लगु व्वन्य अमिकिस चास्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
वारु पाँठ्य यँग्यन्या व्वन्य बनावय यछयि प्रेयमय बावय सान ।  
पथ कुन नावाह थवु समसास्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
ब्रह्मा वेष्णस ह्यथ दीव सौरी सनि दानुय करु आवाहन ।  
फकथ करथनु गंगाधास्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
येति योर पथकुन यिम व्वन्य आसन तिम ति तस बासन नु यँग्यन्यस मंज ।  
अनुनस नु जांह जपुकिस व्यवह्वस्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
बुति मंदुछेवनस सुति मंदुछवन ठु पाँठ्य कथ पावनावन याद ।  
अदु गछि पनुनिस कास्स बास्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
यी गँजरोविथ जग<sup>1</sup> बनोवुन सारिनिय वनुनोवुन सालस ।  
दोपनख दँपिज्यवुनु भस्माधास्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।  
कृष्णु येति तति गरि गरि शिव शिव कर अनभव<sup>2</sup> बावु किन्य द्यवु देठिय ।  
शरनय गछ चँदुकलाधास्स मनु किन्य दारुनायि दास्स दान । ।

1. येग्य, हवन; 2. अनुभव ।

**6 दखि प्रजापतुन दिवताहन आवाहन करुन तु यॅग्न्य करुन**

दखि प्रजापतनिस यॅग्न्यस तय ।

दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।

आवाहन गव ब्रह्म लूकस तय ब्रह्मा वैष्णु भगवान ह्यथ आव ।  
सतु रेश्य तति आँस्य वीद पस्नस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
अँद्य अँद्य तिम येलि बीठ्य यॅग्न्यस तय दखि प्रजापतुनय वोननख ।  
आवाहन कॅरिञ्ज्यवनु शिवस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
शिवजी ओस प्यठ कैलासस तय माजि भवानि कुन लोग वनुने ।  
दपनि कोनु असि आव कांह सालस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
माजि भवानि फीस्थि दोपनस तय आसिहेख व्यवहुरुच गांगल ।  
पनुन्य छुख पतु निन, आस्यखनु ह्यस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
दीवीयि यमि रंगु येलि वोननस तय छ्वपु कॅर ईश्वरन गव यॅच काल ।  
तोरु कांह दपनि आख नु आस्य तिम मस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
अदु दोप दीवीयि शिवनाथस तय ग्वरु गरु , माल्युन दपनु रोस्तुय ।  
गछ्नुय त्वहि वोनवु मंज वीदस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
बो ति गछ् आँब क्याह छुम गछ्नुस तय पनुनुय गरु लोलु माल्युन छुम ।  
वॅनिथुय गॅयि स्वखसथ ह्योतनस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
मायायि हुँदिस जाँपानस तय खँच सुत्य ओसुस नन्दकीश्वर ।  
कहख कनि शक्ती आँसुस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
स्वखु सान वाँच येलि प्यठ थानस तय ब्रौठ कांह द्रास नु बोजनु आस ।  
क्याह गोसु छुख सोन मंज व्वंदस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
स्योदुय गॅयि खँच प्यठ हुमस तय वननि लॅज प्रजापतुसुय कुन ।  
चानि सालु रोस्तुय पानु आयस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
ह्यह्य क्याजि गोख मंज मूहस तय मॅशरोवथन च्चे जगत ईश्वर ।  
आवाहन येति कोनु कोखोस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
प्रजापतुनय तोरु दोपनस तय कस सूरु मॅत्यसुय सॅन्यासस ।  
न्यथु नॅनिसुय कलु मालु नॉल्य छस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
सालस अनुहॅन रजु रंगस तय मंदुछविहेम येति सास्नुय मंज ।  
शरमंदु करिहेम मंज मारकस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
सरफु ग्वसाँनिस कालु कंठस तय बिहिन्य जाय छस शमशानन प्यठ ।  
ठंखया चथ छु आसन मस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
दीवीयि दोपनस वनान छुख कस तय सुय छुय आसुवुन त्रुबवन सार ।  
यमि कथि नाश व्वन्य पजिय बननस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
यी बूजिथ गॅयि मंज कूदस तय अशुद पदु सुत्य ह्यँचनस रेह ।  
जय बोयनस जालायि म्वखस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।  
जालायि रूपस पूज करु हँस तय कृष्ण वनि लीला बोज्यस स्वय ।  
ख्रुवु छ्य आसान र्खन जगतस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।

**Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

शर्वायस द्वख शमनायस तय शक्ती रूप दौस्थि सुत्य सुत्य चैय ।  
शरनी यमि नमु प्यमु पायस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ । ।

**7 माहमायायि हुंद ज़ाला रूप प्रकट करुनुच अस्तुती**

खुव खसु पोशि पूज करु ज़ालाये ।

महमायाये जयजयकार । ।

मह वेद्याये ज़गत माताये	मह लक्ष्मी शिवु प्रेयाये ।
वैष्णु मायाये सर्वु स्यदाये	महमायाये जयजयकार । ।
सिरियि हिव्य कनुनुय छिस कनु वॉली	व्वज़ली जामु छिस नॉलिये ।
इंद्राँखी रूपु चँदु कलाये	महमायाये जयजयकार । ।
समया अख ओस छंडनि द्राये	ज़ालायि रूपस वैष्णु ब्रह्मा ।
अंत कुनि लोबहोसनु फीरिथि आये	महमायाये जयजयकार । ।
बक्ती बापथ ज़गत व्वपदोवुन	सारिनुय होवुन ज़ाला रूप ।
त्रुबवन, त्रेकासन तस निशि द्राये	महमायाये जयजयकार । ।
शिव-शक्ति रूपु छ्य च्वतुर ब्वज दौरिथि	सॉन्य पालना व्यसतॉरिथि ब्रॉठ ।
प्रारब्द व्वपदोव असुंजि यछये	महमायाये जयजयकार । ।
प्रजापतसुय येलि गव कू दुय	तसुंजि सुमरनि निशि रूदुय दूर ।
वीरु बँद्रन मोर येग्यनिचि जाये	महमायाये जयजयकार । ।
हृदयस मंज छ्य ज्योति रूप आसुवुन्य	अज़पा आसुवुन्य यिवान नु द्रेंठ ।
गटु कास वॅल्यमुत्य छि लूबुचि छये	महमायाये जयजयकार । ।
शैलायि <sup>1</sup> चँक्रस स्वप्रकाशु रूपुय	आलुवस दूप तय रँतन दीपुय ।
खास्स बूज़न मनु कामनाये	महमायाये जयजयकार । ।
सतज़न प्वरशव प्रसन करुनॉवुख	तमि सुत्यु प्रॉवुख परमय गथ ।
आनंदुगन कॅर्य तसुंजि सीवाये	महमायाये जयजयकार । ।
दयायि रूपु दितु बक्त्यन म्वखती	परमु शक्ती सॉन्य बक्ती बोज ।
नमनि आय प्रेयमु तु माये	महमायाये जयजयकार । ।
घन तु रथ चॉनिय कीरतना कॅर्यथुय	चानि श्रवनु सुत्यु सौरिथुय घान ।
मूख्य बंग चॉनी मनु साजु वाये	महमायाये जयजयकार । ।
पानु छख वॉनी मॉज भवॉनी	ब्रह्म ग्यॉनी वीदु सागर ।
सत् ग्वर छख वथ हव वेद्याये	महमायाये जयजयकार । ।
पापन ख्यय कर मॉज भगवँतिये	छुय पारवँतिये सँतिये रूप ।
दर्शनु बापथ लारन आये	महमायाये जयजयकार । ।
कृष्णजी वोलमुत छुय ममताये	म्वकलिय चानि व्वपाये सुत्यु ।
व्वन्य वोत नँज़दीक घन संपदाये	महमायाये जयजयकार । ।

1. शिला चक्र ।

**8 महामायायि हुंद यॅग्न्यस मंज्र व्वठ दिथ सॅती सपदुन**

शिव नावस प्यठ सपजुख सॅतिये ।

श्री पार्वॅतिये बोयनय जय ।।

पूजायि पोश लागय लवु हॅतिये	अँकिन्य गामु आसुवन्य छख शिवा ।
स्तु बीज मॉस्थि छख पानु तँतिये	श्री पार्वॅतिये बोयनय जय ।।
पोश सोम्बरॉविम व्वजुल्य, नील्य, छेतिये	पूजा करुहॉय येष्टु दीवी ।
जारु पारु वारु बोज्र छिय आरुँतिये	श्री पार्वॅतिये बोयनय जय ।।
अमर नाथु कैलासु किय सूरु मँतिये	वँस्नख तु कँस्नख अर्दु शेशीर ।
न्यथ छख आसुवन्य तस सुत्य सुतिये	श्री पार्वॅतिये बोयनय जय ।।

अष्टु स्यँज सुत्य छ्य ब्रॉठ तय पँतिये	शिव शक्ती रूप छख सर्वु व्यापक ।
कृष्णस टेठ छख बोज्रान येतिये	श्री पार्वॅतिये बोयनय जय ।।



**9 रँग्यन्या (रँझना) भवॉनी हुंज अस्तुती**

सर्वु व्यपक छख रँग्यन्या भवॉनी ।

परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।

तुलमुलि नागस लछि बँद्य लूखुय	प्रेयमु सुत्य परवुन्य छि श्रूखये ।
अनपरु छुस बु पर तिंहजि मान माँनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
त्रुकूटी दिवताह चॉनी बक्ती	करुवुन्य ही मह शक्तिये ।
पांचन कारनन छि दासना चॉनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
च्वशवय खग गँयि च़ेय निशि बूदये	त्रे गँल्य तु अख छुय मूजूदये ।
कलर खगुच <sup>1</sup> मह रजु रँनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
लछि बदि रंगु छुय रूप चोनुय	जयजयकार छुय सोनुये ।
समसार म्वक्त कोर अँम्य नाग वॉनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
सुमरनि चानि कोर पापन नाशिय	सासु सिरियुक छुय प्रकाशये ।
तापु तीजु चानि गँज पापु शीनु माँनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
दूप दीपु पूजा करुवुन्य छि साँरी	गंदर्व दीव ब्रह्मचॉरिये ।
साद संत बैरँग्य जूग्य ग्वसाँनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
थाल छिय खिर खंडु कंदु बँर्य बँरिये	जगत ईश्वरिये कर चु आहार ।
अवेद्यायि वासनायि गँज दॉन्य दॉनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
सूख्यमु थलु ज़डु चयतन छख बासुवुन्य	शिव शक्ती रूपु छख आसुवुन्य चुय ।
सर्वु त्याग कँस्थि बक्ती चॉन्य माँनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
ॐ शब्द गायत्री छख परस्म शक्ती	सिंहसनु कर म्वखती साँन्य ।
बाँय बंद बब माँज चु छख साँनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
त्रेशवय ग्वन ह्यथ अवस्थायि चोरुय	पानु छख च्वपूर्य महमाया ।
चे रोस यि कँछ्र मानि छ्य वँनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
पादन चान्यन मीठ्य दिनि द्राय	लारान आयि येति अँन्य छल ।
अमरनाथु गंगायि हस्वखु वॉनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
दर्शुन हव अँस्य छि आरुकँतिये	श्री भगवँतिये लीन कर मन ।
वीद पँर्यनु असि अग्यानु म्यँच छँनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
संकल्पु बुतरथ छम खारु खसुचिय	दान्द वायि ह्यसुकिय व्वु कर्म ब्योल ।
अव्यचारु मूलस लायि दर्मु खॉनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
त्याग बटु फुरु कूडु दतु फुटरावय	संतोशि जेनि सुत्य थावय सुम ।
द्यानु फालस छुनु यूगु अलबाँनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
अद्वेतु सगु सुत्य कर्म ब्योल वँविथुय	यमु न्यंदु दिमुहँस साँरी ह्यथ ।
वाँरागु द्राति लोनु वसि हरशु छँनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
स्वय छँन्य जॉन्य हुँदि कंजु मुनु वास्य	न्यरनयि देगि स्नु बतु म्वक्त ।
परस्म शक्तु द्यानु दारु करु चॉनी जॉनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।
मनु किन्य प्रथ जायि च़ेय छुस छरुवुन	कृष्ण छुस दासनायि दासुवुन द्यानु ।
वर दया कर दया पालना चु साँनी	परस्म पदवी छ चॉन्य जॉनिये ।।

**Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

1. कलियुग; 2. गासु, कछ।

**10 नंदकीश्वर शिवजियस सोरुय हल बावान**

शिवजी ओस प्यठ कैलासस ।

नंदकीश्वर गव वनने तस । ।

योरु तोरु दीवी हुंद सम्वाद	दज़नुक यि कें छ ओसुस याद ।
म्वखसर सोरुय कुसु वौननस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।
कू दस मंज़ गव कालु सम्हार	त्युथ युथ त्रन बवुनन हेयि नार ।
वीरु बँद्रु साँपुन त्युथ कू पस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।
वननि लोग वीरु बँद्रुस शिवजी	बुति आसय छ्य च़े म्यॉन्य द्रुय ।
ती कॅरिज़ि यी करव कल्पांतस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।
आसन यिम दिवताह कारन	अंद हेज़्यख मारन मारन ।
वथुवार कॅर्यज़्यख ज़पु यॅग्न्यस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।
ब्रॉठ आव वीरु बँद्रु पतु शिवजी	करनि लॅग्य यी तॅम्य दप्यानस ती ।
ही ख्यमा करुवुनि बस कर बस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।
कू दु म्वखु निशि रछ कालु सम्हार	ह्यतकारु पुछि छ्यतु कर नर्कु नार ।
वेह मंज़ु शेहजार दियि कृष्णस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।

**11 दिवताहन वीरु बँदुन्य ह्यदायथ**

वीरु बँदुन दिवताह छ्यपु दौविन ।

सारिन्य हौविन पनुनी ज़ोर ।।

ग्वडनी दखि प्रजापत रँट्थिय	कलु चँट्थिय छुनुनस अँगनस ।
छँग्य लटि कँड्य कँड्य दीव मँदुछँविन	सारिन्य हौविन पनुनी ज़ोर ।।
कँह कँह गौलिन कँह कँह ज़ौलिन	कँह कँह वौलिन अंदुकारु निशि ।
कलु चँट्य चँट्य प्रेथ्वी प्यठ त्रौविन	सारिन्य हौविन पनुनी ज़ोर ।।
ब्रह्मा रुद्र मंत्र पनुनोवुन	चानुनोवुन गुह्य बनि सुय मंज ।
सिरियि दिवताहस दन्द फुट्यँविन	सारिन्य हौविन पनुनी ज़ोर ।।
सफेद बुथिसुय चँद्रमु दीवस	कौंड मंडुल कोरुनस थँवनसनु दौर ।
हतबि सुत्य तस कलु हौखरँविन	सारिन्य हौविन पनुनी ज़ोर ।।
वेषु भगवान लोग हरु हरु करुने	अनुग्रेह अनुग्रेह लोग पसने ।
सौरी दीव शिव शिव करुनौविन	सारिन्य हौविन पनुनी ज़ोर ।।
यिम तति औस्य त्रुकूटी दिवताह	जंगव सुत्यन ह्यौतनख जान ।
त्राहि माम पाहि माम बाख दौविन	सारिन्य हौविन पनुनी ज़ोर ।।
चारु कँह ज़ोनखनु गौयि आवारय	भस्माधारय यियनय आर ।
कमु कमु लीलायि तिम वनुनौविन	सारिन्य हौविन पनुनी ज़ोर ।।
भृगु र्योश वँस्य प्यव रूदुस नु दैरुय	सौरुय दौर येलि खंजुनस ।
छँलुस्थि बँड्य बँड्य बलुवीर पौविन	सारिन्य हौविन पनुनी ज़ोर ।।
ग्वडनी वेषुन वँनिनस लीला	तमि पतु ब्रह्मा अदु दिवताह ।
शिवनाथजी व्वन्य असि म्वकलौविन	सारिन्य हौविन पनुनी ज़ोर ।।
बावनायि पोश फँल्य मनु चे वारे	कृष्णजी दारुनायि दारे द्यान ।
यिम पोश फँल्य तिम ईश्वरुस छँविन	सारिन्य हौविन पनुनी ज़ोर ।।

**12 वेष्णु भगवान शोम्भू जियिन्य अस्तुती करन**

कानूं में तड्की हथ में त्रिशूला ।  
कंठे में वासुक पायो रे ।।

पांवूं को पदमों का गहना बिछया,	ब्रशब का आसन बनायो रे ।	कंठे में .. ।।
कर्पूर गौरम निर्मल तन को,	गेरूं का लैरा बनायो रे	
तेरे आगे कुशों का गेर,	अरे जोगी आयो रे ।	कंठे में .. ।।
तेरे मुंह को जोत ही का सूस्त,	दान्तों की मूरत तारा है	
बक्तों के घर में समसारु सारा,	सारा बूज़न खायो रे ।	कंठे में .. ।।
पूजा तेरी करूंगा सवेरे,	प्रेम के फूले चडवूंगा	
गन्टें का मुखली का बाजे का बजना,	शंखों का शब्द सुनायो रे ।	कंठे में .. ।।
मन में चिंता करके उठूंगा,	शिव चरणों का खूंगा घान	
फूलों से अरगों से माथे पर तेरे,	चन्दन का तिलक लगायो रे ।	कंठे में .. ।।
सोने का बिछैना मन में बिछया,	उस पर तेरा सोना है	
गौरी शंकरु हुर गंगाधर,	आवाहन से जगायो रे ।	कंठे में .. ।।
कंवल के कलेजे में तेरा ठिकाना,	बद तुम्हारा पहचानना है	
अवस्था तीनों से तुरी में जमाना,	मुझे अपने पास अब बुलायो रे ।	कंठे में .. ।।
बिना पाने दर्शन के जलना जिगर का,	कभी तेरी सुमरन न हो जावे भूल	
खड है मेरा पाप कांटों का जाला,	दया के अग्न से जलायो रे ।	कंठे में .. ।।
न हूं साद गांजा का नशा बनावूं,	फंसा हूं ग्रहस्त के जंजाल में	
अब पीने की ठंडई और दिया न गांजा,	बहुत चैन से आ पिलायो रे ।	कंठे में .. ।।
दिन रात तेरी चाहत है मुझको,	राहत है इस कर्म भूमी में	
कृष्णजी पढेगा बनसरी में लीला,	मीठी जुबान से सुनायो रे ।	कंठे में .. ।।

**13 ब्रह्मा जीनि तरफ् अस्तुती**

ही परातपर वेशीश्वरु शिव शंकरु हर ।  
ही चरचरु गंगाधरु परमेश्वरु ईश्वरु । ।  
वीदु ओंकारु त्रिशूलधरु न्यराकारु शिवु ।  
वेद्याधरु दयासागरु करताकरु जगत ईश्वरु । ।  
आनन्दगनु ब्रेश्बासनु कैलासुवासु सनातनु ।  
परामत्मा प्वरुशु महादीवु अमरनाथु ही अमरु । ।  
ही अविनाशु च्यत् आकाशु अगूरु गूरु शिवनाथु ।  
श्री अकालु भैरवनाथु महाकल्पांतु थ्यरा थ्यरु । ।  
भस्माधरु नागेंद्रहारु कलाधारु ही कीवलु ।  
न्यरंजनु त्रुलोचनु सनातनु महेश्वरु । ।  
त्रैयलूकीनाथु त्रुबवनसारु महीशानु मकुंदु ।  
करतायोगु ब्रह्मा वेष्ण अकांडु ब्रह्मांडु मनवंतरु । ।  
ही बूलुबालु महाकालु महा संतु स्वशिवु ।  
ही नीलकंठु शोम्भूनाथु ही अमरीश्वरु सत्ग्वरु । ।  
परमानंदु परम ब्रह्म ही परमु शिवु शिवनाथु ।  
सनम्बखु यितु म्रैत्यंजयु न्यरनय नयु कर अवतरु । ।  
कालु संहारु नागेंद्रहारु यमि समसारु म्वकलाव ।  
महारुद्रु करु/×नावतारु कर व्वन्य चारु छुम आसरु । ।  
ही सदा शिवु कालागनु रुद्रु जटधरु त्रुनेत्रु ।  
ही वेष्णाथु दिगम्बरु सौरुपु चोन छु आश्चरु । ।  
सोरुय मेति उमापति ग्यानु वति प्यठ्य अन ।  
कृष्ण युथ करि शिवुशिवु ज़पि मंत्र शडअख्यरु । ।

**14 गंदर्वन हृदि तरफु अस्तुती**

ब्यल तय मादल व्यनु ग्वलाब पम्पोशि दस्तय ।

पूजायि लागव परमु शिवस शिवनाथस तय । ।

जय मुकटु प्यठ गंगा वसान छस तय  
बक्ती बावुक जयजयकार आँसिन तस तय  
पम्पोशु पादव सुत्य यितम असतय असतय  
यिनु चानि सुत्यन पोन्थ वुज्यम नागरदस तय  
दया सागरु लोलु वुजियायि केँरिन मस तय  
असार समसार छँलुखवान सोर रोजि कस तय  
पौर्य पौर्य लगुना शिव शंकरु शिव नावस तय  
देवतम सदा शिवु जगत ईश्वरु छुस बेकस तय  
अमरनाथस नीलकंठस शरवायस तय  
कृष्ण जुव अर्पन गछि शिव नावस तय

दीवी तु दिवताह वैष्णु ब्रह्मा छिस दस्त बस्तय ।  
पूजायि लागव परमु शिवस शिवनाथस तय । ।  
चरनन बो वंदय जुव जान ह्यथ वॉलिज वसतय ।  
पूजायि लागव परमु शिवस शिवनाथस तय । ।  
हा पोशुमते होशु डँल्यमुत्य छि थव द्यान ह्यस तय ।  
पूजायि लागव परमु शिवस शिवनाथस तय । ।  
दर्शनु चान्युक छुम यँच लोल सुत्य हवस तय ।  
पूजायि लागव परमु शिवस शिवनाथस तय । ।  
व्यचारु सुत्यन बखत्यन प्यठ आर यियनस तय ।  
पूजायि लागव परमु शिवस शिवनाथस तय । ।

**15 इन्द्राजुनि तरफु अस्तुती**

धारना में तुम्हारा ध्यान दारुं में प्यारा	ॐ गंगंधारा जय समसाउ सारा ।
जयजय समसाउ सारा	ॐ हर हर शोम्भू । ।
तुम है थावर जन्गम तुम से साधूं का संगम	शिव तुम से साधूं का संगम प्रेयमों से बनता ।
खूं ऐसी चिंता जैसे पुष्प दंता	ॐ हर हर शोम्भू । ।
मह लक्ष्मी का ताजा अरे त्रुबवन राजा	तेरे सिर पर ऐसा शिव तेरे सिर पर ऐसा ।
लाख सूरज का रूप होवे जैसा	ॐ हर हर शोम्भू । ।
परमानंद आत्मा है तुम सब के तन में	शिवजी तुम है सब के तन में ।
तेरी सुमरन मन में खूं रात और दिन में	ॐ हर हर शोम्भू । ।
तेरी माया बुद्ध में कब आवे	शिव जी बुद्ध में कब आवे ।
विष्णु ब्रह्मा दिवताह और सावित्री भी न पावे	ॐ हर हर शोम्भू । ।
चरणों की तेरे सुमरन चाहते हैं हम प्यारे	शिव जी चाहते हैं हम प्यारे ।
परम शक्ति लेके तुम है बिंद पर ओमकार के	ॐ हर हर शोम्भू । ।
एक दिन यह भ्रमपुरी छेड कर चलते हैं हम	शिव जी छेड कर चलते हैं हम ।
आप के उपकार से मुझ पर न पावे हाथ जम	ॐ हर हर शोम्भू । ।
कृष्ण जी के मन में अपने चरणों का खना दान	शिव जी चरणों का खना दान ।
सुमरन जपे जब तक है उसके गट में प्राण	ॐ हर हर शोम्भू । ।



**16 धर्म रजुनि तरफु अस्तुती**

चरनन हंदि द्यान स्वरनय यमि बवु सागरु तरु बो ।  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
सर्वुव्यापक समसारु सारु दास्नायि दारु चोन द्यान  
परमानंदु श्वबु चरनन चान्यन बो वंदु पान ।  
नमु च्रेयकुन दमुदमु शमु रिंदु पॉठ्य जिंदु मरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
ही अविनाशु च्यत् आकाशु सानि शुरुय बाशि वारु बोज  
गाशु रँस्यत्यन अनिगटि किन्य सिरियि प्रकाश सुबह सोज ।  
परमीश्वरु करु चु पूर्यर कति दूर्यर जरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
वासनाये कायाये मायाये मंजु गोस  
देह गालुवुन जानावारु कालु जालस मंजु प्योस ।  
ही दयावानु बडि भगवानु जगतस क्याह करु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
वेष्णू ब्रह्मा छुख चु पानय छुख दयालू दय  
त्रन बवुनन हंदि सॉमियो सोन बोयनय जयजय ।  
वारु नेश्चय लबु तेलि शिव शास्त्र पुरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
परमत्मा नीलकंठ नॉल्य हटि वासुक छुय  
अर्पन गछु चरनन व्वन्य सुत्य बॉजी ह्यथ बुय ।  
यथ जाये पाद थावख स्वनु कनि अँछि जरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
हमसासनु गरुडसनु ब्रेशबासनु वनु क्याह  
हनिहनि मंजु छुख चु पानय फेरुवुनि मनु वनु क्याह ।  
यी अस्मानु छुम राथ द्यन च्रेय सुत्यन बरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
नर्कु मंजुय म्वकलावतम गथ पनुनिय हवतम  
कटु संकटु भस्माधरु हरुहरु वनुनावतम ।  
हृदयस मंजु ही कीवलु द्यान चोनुय दरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
श्री नारायण छुख चु पानय सारुनिय जीवन मंजु  
परमत्मा श्वद न्यर्मल सारुनिय दीवन मंजु ।  
सरु कोस्मख जगत ईश्वरु चॉन्य सुमरुन फिरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
प्रथ प्रबातन सुलि व्वथुहॉ चॉन्य पूजु करुहॉ  
कन दॉस्थि मन लॉगिथ चॉन्य लीला पुरुहॉ ।

नाँल्य छनुहॉय लाल मालय बेयि म्वखतु लरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु सोम्भू । ।  
त्युथ स्वरुहॉथ युथ मेलिहेम मन तय प्रान च़ेय सुत्य  
नतु यथ समसास्स मंज़ आयि काँत्याह गॅयि कुत्य ।  
मन मेल्यम तु बेह्यस गछ नाफँहमन<sup>1</sup> खरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
दर्शनुके शबनमु सुत्य पवलुहॉ ज़न पम्पोश  
दर्शनु चानि अमर्यतुके वरुशनु यियि असि बोश ।  
फल रँस्तिस अहंकारुकिस कुलिसुय वालु अरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
अँछ्य मुचरुनु चानि दोह तय अँछ्य वटुनुय चॉन्य रथ  
आर यियनय कास होला छुख च़ु बोलानाथ ।  
साफ तन नय चॉन्य डेशय हिय ज़न गछ बरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
लछि सिरिये खोतु तीज़ छुय सुह च़म छ्य नाँली  
चँद्रमु छुय इयकु पेट्य किन्य गट पछु निशि खॉली ।  
लोलु चाने शोलु दिवुवुन्य ज़ून ज़न लगु दरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
गछि चाने दयायि सुत्यन सारुनुय पापन नाश  
दर्मुचि सेनायि सुत्यन ज़ेनि शहस्य अविनाश ।  
सन्तोशि सुत्य कू द गॉलिथ मूह रज़स फरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
ही महकालु कालने ज़ालु चानि नावु सुत्य चलनम  
वासनायन संकल्पन हुंदिय मूलुय गलुनम ।  
द्यान स्वरुनाव नतु काँल्य गछ थरि पोश ज़न बरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।  
ही सदा शिवु मे कृष्णस च़ेतनायि कुन बासतम  
पराक ज़नमुक्य खोट्य कर्मुय कासतम तु ख्वश आसतम ।  
समसारा छु द्वखु बोस्मुत येति किथु पाँठ्य दरु बो  
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।

1. कम अक़लन ।

**17 वरुण दीवनि तरफु अस्तुती**

श्री न्यराकारस्य त्रुबवनसारस्य प्रारयो पनुने यास्यबल  
बस्मादारस्य छम चॉन्य लादन सादन प्यमयो पादन तल । ।  
लमयो जामन स्तयो दामन शिवनाथु छम चॉन्य मनि कामन  
त्रुजगत पालय यितु सानि सालय चावतम प्यालय अमर्यतु जल  
बस्मादारस्य छम चॉन्य लादन सादन प्यमयो पादन तल । ।  
त्रुबवनसारो हनि हनि मंजु छुख मायायि सुत्य छुखनु यिवान द्रेंठ  
सत् च्यत् आनंदु गोव्यंदु कीवलु जाय चॉन्य हृदयुक पम्पोशि डल  
बस्मादारस्य छम चॉन्य लादन सादन प्यमयो पादन तल । ।  
मनुकिस बागस फुलुया द्राये रछुनि लछिनावु अछि पोश छव  
शोकु चानि प्रेयमुक बुलबुल छु नालान बोलान लोलने दँदरि तु जल<sup>1</sup>  
बस्मादारस्य छम चॉन्य लादन सादन प्यमयो पादन तल । ।  
ही कृष्ण वासना श्वद थव स्वद थव ब्वद थव सतसुय कुन सनि दान  
सतसुय कन थव सतसुय मन थव सतु किस कुलिस वसि आनंदु फल  
बस्मादारस्य छम चॉन्य लादन सादन प्यमयो पादन तल । ।

1. दँदर तु जल - जानावास्न हुंघ नाव ।

**18 सतु र्शेशन हुंदि तरफु अस्तुती**

करुनावुतारु नावु निशि युसनु ज़ांह डलि ।

कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।

लबि कनि रुज़िथ लूक् सवि मंज़ रलि	महाराजु जामु वलि सादु प्रकरँच ।
ब्रह्म मानि समसार ब्रह्म ज़ानि थ्यलु थ्यलु <sup>1</sup>	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।
कायायि मायायि हुंदि रूगु निशि बलि	बस्मु मलि समतायि हुंज़ि सुमरँच ।
ममता तस गलि पोन्थ ज़न बस्मु गलि	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।
देह प्रैयि निशि न्यर्नय नयि मंज़ चलि	लेंबि मंज़ फवलि पम्पोशाह ह्युव ।
फेरि थ्यलु थ्यलु यीरु डून ज़न मंज़ क्वलि <sup>2</sup>	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।
वौरागु मकि सुत्य युस रागु वीर थलि	नेश्कामु कर्मु तथ करि पयवन्द ।
हरदु नेरि फल तथ सौंतु पानय सु फवलि	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।
पुनिम हुंदि सौमियो चाने अटकलि <sup>3</sup>	चँद्रमु ज़न गलि परिपूरुन ।
चँद्रु चूडु आशि चाने स्वप्रकाशु जामु वलि	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।
कृष्णस आनंदु अमर्यत गलि गलि	नेश्कलु पनुने कलि <sup>4</sup> सुत्य चाव ।
न्यर्मलु बोज़ प्रकरँच हुंद मल छलि	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।

1. प्रथ जायि; 2. क्वलि मंज़ प्रथ जायि यीरु वसुन; 3. खयाल; 4. द्यान ।

**19 सह दिवताह सुंदि तरफ् अस्तुती**

परम ब्रह्म परम शिव शिव शंकरो	जगत ईश्वरो बोयनय जय ।
सतुचिय वथ हव मे न्यथ सत्ग्वरो	जगत ईश्वरो बोयनय जय ।।
हर हर हर हर गंगाधरो	चानि व्वपकार सुत्य दरयो द्यान ।
मह रुद्र महदीवो परमेश्वरो	जगत ईश्वरो बोयनय जय ।।
सदा शिव शिवनाथ दया करो	छुख चु श्री भगवान दयावान ।
परामत्मु नीलकंठु जटधरो	जगत ईश्वरो बोयनय जय ।।
हर कासतम सौंरी अरुसरो	हनि हनि बु चै वंदुयो पान ।
वेषु रूप कृष्णस मे भस्माधरो	जगत ईश्वरो बोयनय जय ।।

20 सिरियि दिवताह सुंदि तरफ् अस्तुती

ब्रेश्बासनु न्यरग्वनु ग्वन च्चे सॉरी ।

लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।

ही चँद्र चूड लाल माल अनुहँ ग्वनि ग्वनि प्रेयमु सुत्य छनुहँय नॉलिये ।  
श्री भगवानु छुख सर्वु व्वपकॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
कैलासुवॉसी छरान ऑसिय आनंदु अमर्यत खॉसी चाव ।  
सुमरनि चानि सॉरी पाप हॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
आ दीवी करुवुन्य व्वपाया त्रन बवनन हुंज महामाया ।  
चेय सुत्य आसुवुन्य कासुवुन्य मे खॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
शेर' चोन आसुवुन स्वर्गापुरी गौरी शंकरु कुल्य रंगु छ्य ।  
मस चोन प्रथ गासु ही जटधॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
सिरियि चँद्रमु अँग्न छि अँछ्य चाने ह्य ग्वसाने चोन द्यान दॉस्थि ।  
तारा मंडलस छ शब बेदॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
ऑस छुय अँग्न तय तरफ दँह कन छिय मन छुय सावदान बख्खन प्यठ ।  
द्वखु निशि म्वकलाव वाल पापु बॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
आकाश नाफ तय प्रेथ्वी ख्वर छिय वॉनी चॉन्य वीद चोर छिय ।  
यड छ्य समंदर छुख न्यरहॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
बंद तान चॉनी छि कोह तय बालुय ही बूलु बालय कर रखिपाल ।  
सास्निय जीवन कर चु व्वन्य यॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
आसुवुन चुय छुख वयक्वठ नायक न्यथ मछु चानि इंद्राजु दिवताह ह्यथ ।  
पानु छुख त्योंगी तय व्यवहॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
अविनाशु न्यथ छुय लसुनुय बसुनुय जगतुक कल्यान असुनुय चोन ।  
जय शिव ओमकारु ही न्यरकॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
ही मह्य स्वखु म्वखु चान्युक वनु क्याह सासु बँद्य सिरियि ज़न छि यकजा ।  
छुख चुय प्रलय ही कालसमहॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
देवन चुय छुख सेद्यन तु सादन पम्पोशु पादन वंदुयो पान ।  
गंगा माता कलु प्यठ च्चे जॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
छरुवुन्य तु गारुवुन्य च्चेय छिय सॉरी जंगलन कोहन तु काफन मंज ।  
जूग्य सँन्याँस्य ग्वसॉन्य ब्रह्मचॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
लोलु सुत्य खिरु खंडु थाला बरुयो अरपन करुयो स्वरुयो द्यान ।  
प्रेयमुचि बरुने मुचराव तॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
पुनिम तु मावसि आरती करुयो पास्थी पूजा करुयो बो ।  
म्वक्त करुवुनि ही गंगाधॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
मह्य दीवु सर्वु बूजन स्नुयो अनुयो च्चेय निशि करुतु आहार ।  
आर यियनय छुख मह्य व्यचॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।  
कूफ कोरुथ प्रजापतुनि गरे हरेनाथो कूदु निशि रछ ।  
वुनि छ्य दीवन स्वय ब्यमॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये । ।

ब्रह्मा चोन सौरूप लोग स्वरुने  
लबन दिवताह गॅयि लॉर्य लॉरी  
गंगा तु जमना गॅजगाह छिय करान  
इंद्राजु दर्मुराजु दीव ह्यथ सॉरी  
नन्दराजु ब्रॉठ ब्रॉठ छॅतर ह्यथ छु रोजान  
तसुंदी नावु सुत्य पापु राख्यस मे मारी  
पूरन सर्वु व्यापक छुख आसुवुन  
संत्वश्ट असि आस कास लाचॉरी  
कृष्ण छुय रात दान करुवुन चै जॉरी  
सदा शिवु सॉमियो लगय पॉर्य पॉरी

करपूरु गौरुम लोग पुरने ।  
लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।  
ब्रह्मा वैष्ण चोन दान स्वरान ।  
लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।  
तसुंदन ज़ोरुन वातिनु कांह ।  
लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।  
सारिनिय बासुवुन हृदयस मंज ।  
लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।  
कासतम ग्यानुच नादॉरी ।  
लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।

1. कल ।

**21 चंद्रम दिवताह सुंदि तरफ़ अस्तुती**

में तेरे मन में तू मेरे मन में	ही केवल ही केवल ही केवल जी ।
घर में बाहर में बस्ती में बन में	ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
कमरी <sup>1</sup> में जाग <sup>2</sup> में लाले में दाग में	बाग में राग में अशजार में ।
सुम्बुल में सुमन में बुलबुल और चमन में	ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
आत्मा में आकाश में और प्रकाश में	अरे प्राण अनंतवान तेरा है नाम ।
जल में जोत में धरती में पवन में	ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
शोम्भू में ब्रह्मा में और बिशन में	नारद में इंद्र में और प्रजापत ।
सूरज में चांद में अग्न में पवन में	ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
गोविन्द आप हैं व आनन्द आप हैं	बीनंदु <sup>3</sup> आप शनवंदु <sup>4</sup> हैं आप ।
वेद्या से कास्साज़ आप ही हैं सब में	ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
जोगी में आप सन्यासी में आप हैं	समसारी में आप ब्रह्मचारी में आप ।
एक ही एक ही चारों वरण में	ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
कृष्ण जी को एक कांख्या है मन में	हर दम सखो उसको ध्यान अपना याद ।
शाम में प्रभात में रात में दिन में	ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।

1. कुकिल; 2. काव; 3. वुछ्नवोल; 4. बोज़नवोल ।



**22 ब्द दिवताह सुंदि तरफ़ अस्तुती**

पशमत्मा पानु छुख मन तय प्रान	चेतनायि होशि बोज़ वासनायि सान ।
त्रेयि ग्वनु सुत्य छुख श्री भगवान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।
स्वखु म्बखु कासतम पापुच हान	श्वबु दर्शनकुय छुम अस्मान ।
पदमु पादु संतु सादु छुख दयावान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।
प्रेयमुच नँदिया छ पकुवुन्य जान	श्वद वासनायि सुत्य करुस क्वलवान ।
तमि मंजु द्यानु पानि सुत्य करु श्रान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।
सोद्य वोन्य पँडिताह बेहान ओस वान	बालकव केँरुहँस च़ेय सुत्य ज्ञान ।
तिथु पाँठ्य मेति हवतु द्यानु मंजु पान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।
शिव कर्मी छुय कृष्ण रजदान	शिवजी दास्नायि दारु चोन द्यान ।
श्वबु लख्यनु प्रथ जायि चोन थान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।
समसास्स मंजु छुस नादान	मनु किन्य छुसनु चोन द्यान स्वरान ।
जेवि किन्य छुस चाँन्य सीवा करान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।

**23 इकुवटु सॉरी मुन्नीश्वर करान अस्तुती**

न्यथ चॉन्य पूजा शिव शंकरु करु ।

भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।

चानि अनुग्रेह रोस्त कति व्वदरु दरु	व्वछि त्रेशना छम पतु ख्यथ चथ ।
सतुच चॉन्य रात दोह भागम्बरु बरु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।
सेकि शाठ छुम दया सागरु गरु	जल छुम बासान फल आस ज्यत ।
त्रेशि होत यिनु नाग नाथु अमरु मरु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।
चानि नावु सुत्य पाप हॅरी हरु हरु	पानु छुख पालना समहारु थ्यत ।
बक्ती बावु चानि मन वेशम्बरु बरु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।
कासतम अमरु अजरु जरु जरु	बासतम प्रेत्यख्य सिरियि ह्युव न्यथ ।
जॉन्य गाश करुतम क्वलु शेखरु खरु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।
प्रेयमु ओश छुम वसान चानि बजरु जरु	जन छम न्यत्रन मंजबाग व्यथ ।
बक्ती श्रुख चॉन्य ही परातपरु परु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।
पूरि पछुम दखिनु व्वतरु तरु	मूह सेंदि व्यचारुचि नावि क्यथ ।
कृष्णस गछु तु केशवु बवसरु सरु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।

**24 चित्र गुप्त सुंदि तरफ़ अस्तुती**

ध्यान से दयावान भगवान पाइए ।

आइए सदा शिव आइए जी । ।

शिव का ध्यान अपने मन में बनाइए जी	बिशन का ब्रह्मा का शोम्भू है सार ।
उस शोम्भू को रागों में गाइए	आइए सदा शिव आइए जी । ।
पूजा के वासते धर्म कर्म चाहिए	शिवनाथ के लिए उठके प्रभात को ।
आनंद के फूल फूले लाइए	आइए सदा शिव आइए जी । ।
ही कृष्णजी छेड अहंकारुय	गंगाधारुय है सर्व व्यापक ।
प्राण एक आत्मा समझ लै लगाइए	आइए सदा शिव आइए जी । ।

**25 बृहस्पति जीनि तरफ़ अस्तुती**

कुस कस ज़ेवे कुस कस मरे	छा छु थ्यरा हरे नाथ ।
कुस कस दीवस पूज़ा करे	छा छु थ्यरा हरे नाथ ।।
समसार छु केंमिस येमिस तु हुमिस	अमिच्य गान्गल छ अवेद्या ।
यथ ब्रमु दीशस मंज़ कुस दरे	छा छु थ्यरा हरे नाथ ।।
कुस सादु संगुक समवाद बूज़िथ	बिह्थि सतचि शिकारि प्यठ ।
असार सरस अपोर तरे	छा छु थ्यरा हरे नाथ ।।
आकाशि पाताल पूरुख पछ्मु	दखिनु व्वतरु नैज़दीक दूर ।
सुय पस्मु शिव छंडन गरि गरे	छा छु थ्यरा हरे नाथ ।।
सुय शिव शंकर सत्ग्वर आसुवुन	दयायि सुत्य बासुवुन हृदयस मंज़ ।
तसुंदि रोस्त कुस शिव शास्त्र परे	छा छु थ्यरा हरे नाथ ।
सुय मुच़रावुवुन ग्यानु द्वरुय	सुय करुनावुवुन रज़य यूग ।
तसुंदि रोस्त कुस अचि म्वक्तुचि लरे	छा छु थ्यरा हरे नाथ ।।
ही कृष्ण सत्संग ह्शिा <sup>1</sup> चु करुन	प्रकाश रूपुक स्वरुन द्यान ।
सत् अय बोज़ख कुस कस स्वरे	छा छु थ्यरा हरे नाथ ।।

1. करनि लग चु ।

**26 शुक्र दिवताह सुंदि तरफ अस्तुती**

बंद कोस्नस बु बाशे, जगत्तुचि वालु वाशे ।	म्वकलय चानि आशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
बावु सुत्त्यन यिमुयो, हरुवखु वॅन्च दिमुयो ।	मुह गटि हुंदि गाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
कैलासु कोहु छरथ, दास्नायि द्यानु दास्त ।	सत् च्यत् आकाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
जपु शबनमु दारे, पपि ब्योल तपु वारे ।	कांह फोल गछ्छिनु ह्मशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
शोम्भू नाथु सादय, आवाहनु नादय ।	सानि बोज शुर्चु बाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
तार दिम मूह वावस, मायायि देरियावस ।	कड द्दखु नावि पाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
समसारकि सरय बो, हरु नावु सुत्त्य तरय बो ।	कास संकट च्यत् आकाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
कृष्णस आंप चाँनी, बख्खुस शाप प्राँनी ।	पापन कर चु नाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।

**27 शनश्चर दिवताह सुंदि तरफ् अस्तुती**

शिव शिव करियो जीता मरियो	मन में फिरियो शिव सुमरन ।
शिव शिव करके दिन तु रात बरियो	मन में फिरियो शिव सुमरन ॥
मन के शिव शिवालय में जाइयो	उसमें पाइयो शिव केशव ।
उस शिवजी को देदो प्रेदिख्यन	मन में फिरियो शिव सुमरन ॥
जय शिव ओमकार बोलो	मन से खोलो दुख के बंद ।
चित बुद्ध मन प्राण करियो अर्पण	मन में फिरियो शिव सुमरन ॥
समसार जूव इस से जाओ	कब पाओगे ब्रह्मन जन्म ।
अब मत भूलो जाता है दिन दिन	मन में फिरियो शिव सुमरन ॥
माया की नींद से जागो जागो	भागो भागो काया से दूर ।
वखर रखियो ध्यान से प्राण तन	मन में फिरियो शिव सुमरन ॥
त्यागी होकर निकलो घर से	वैरगी हो हर से मिल ।
सँन्यास आस पास ढुंढे बन बन	मन में फिरियो शिव सुमरन ॥
सब के ऊपर शौम्भू है सार	न रहे दुख सुख न समसार ।
न रहे काया माया न धन	मन में फिरियो शिव सुमरन ॥
परमत्मा है अपने पासुय	ही कृष्णजी अभ्यासुय कर ।
उसका नाम है पूख पूरन	मन में फिरियो शिव सुमरन ॥

**28 सरस्वती तु लक्ष्मी हुंदि तरफु अस्तुती**

श्वबु लख्यन सॉरिय छियो ।

शिवु जियो बोयनय जय ।।

न्यर्मलु रूपु छिय छरौनी	साफ तनि चानि हुंद वनु क्याह ।
मंदुछैवुथ फवलवुन्य हियो	शिवु जियो बोयनय जय ।।
स्वप्रकाशे परमानंदय	वंदुयो जुव तय जान ।
वंदुहौय यी दपुहौम तीयो	शिवु जियो बोयनय जय ।।
जन्मु जन्मय दास्नायि दोरुम	शिवु चस्नन हुंद श्वबु घान ।
घान दारुन रुत फल मे दियियो	शिवु जियो बोयनय जय ।।
मायाये वोलनस जालय	अर्पन करु बालय पान ।
म्वकुलौविथ नाव चोन नियो	शिवु जियो बोयनय जय ।।
अरे साधू गेरु बनावो	सब गावो शिव लीला ।
सत्संगु सुत्य शिवनाथ यियियो	शिवु जियो बोयनय जय ।।
समतायि रोस्त मै हूं बांधी	ममता की आंधी में ।
छेड करके लियियो लियियो	शिवु जियो बोयनय जय ।।
सर्वु बूजन बूगा खावो	हंस हंस के आवो जी ।
प्रेयमु ठंड पानक पियियो	शिवु जियो बोयनय जय ।।
कृष्णजी है दास का दासुय	सन्यासी निश्कल कर ।
चौन्य बक्ती छस बँड जियो	शिवु जियो बोयनय जय ।।

29 नारद जीनि तरफ अस्तुती

नॉल्य छ्य कपालय माल शोम्भू ।

साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।

प्रेयमय जंगलस तपुकिय कुल्य	आसनु शबनमु नियमु पोश फोल्य ।
द्यानु हसनस दिमु छलु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
अवेद्यायि मेगस येलि गछि नाश	दास्नायि वावु नेरि नोन आकाश ।
च्यत् वुजुमलु मूह जालि शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
संतोशि पोशिवारि करुयो क्राव	शमु दमु यमि नियमु सुत्यन छव ।
काम कूद लूब मूह गालि शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
चरनु द्यान दौस्थि करुयो त्याग	अमरनाथु मनु किन्च ह्यमुयो ज़ाग ।
बाल छंञ्च बाल बालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
सूरु मति संतु सादु सँन्यासय	हृदया वासय कैलासय ।
भोलानाथु बूलु बालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
परुम शिवु पानु छुख प्रथ शाये	अंतरद्वान सुत्य मायाये ।
चोन दूर्यर किथु चालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
परमानंदु छुख पानय सत् च्यत्	चौनिय ऑस्यनम न्यथ सुमस्थ ।
नखु छुख मो दिम डलु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
न्यर्ग्वनु नेशकलु नेशकामय	दास्नायि दास्थ सुबह शामय ।
रुथो लोलु सुत्य नालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
द्यानु दास्नायि निशि गोसय दूर	ल्वकचार सूरुस्थि चोलुम जन चूर ।
कोत वातय यमि हलु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
द्वखु समसारा अपज्युक फन्द	जलर्यु संद्य पौठ्य गोसय बंद ।
म्वकलावुम अमि जालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
संकल्प लूहरन छिम द्यानस	पोशान छुसनु पनुनिस पानस ।
कस सुत्य करु जंजालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
सतग्वरु च़ेय रोस्त वनुयो कस	मेति चावनावतम अमर्यतु रस ।
अथुसुय क्यथ येछि प्यालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
मनुकिस ऑनस कासतम खय	पानु छुख सैकल <sup>1</sup> करुवुन दय ।
च़े रोस कति संबालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
नर्दु पचि <sup>2</sup> समसार बीद मानुन	गोरमुत च़रेंगा <sup>3</sup> देह मानुन ।
मार शिव शक्ती दुखालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
च्यतमो ठंडई <sup>4</sup> यितमो यूर्य	दितमो दर्शुन नितमो तूर्य ।
ख्यतमो खिरु खन्डु थालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
साम वीद ग्यवुयो प्रैयमु साजय	रोजतम तु बोजतम आवाजय ।
मारय लोलने तालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।
समुद्रेशिट सुत्यन स्वख तय द्वख	आसुन न आसुन ज्ञानय अख ।
बुरुजु जामु ज्ञानु जोरु शालु शोम्भू	साल व्वल त्रुजगतपाल शोम्भू । ।



अंतहकस्नु किन्त्य करतम ज्ञान  
सॉरिय व्रत चॉनी पालु शोम्भू  
ब्यलु पॅतस्व सुत्य पूज्ज करुह्यैय  
बयु कास कालुकि कालु शोम्भू  
सत् च्यत् आनंदु दौस्थि द्यान  
जंगलन हुंघ पोश वालु शोम्भू  
जगतस सॉरिसुय करख समहार  
कालु समहार अकालु शोम्भू  
शिवनाथु कृष्णुन्य पालना कर  
चलनस कालुने जालु शोम्भू

जॉहिर पॉठ्य श्रूचरवय पान ।  
सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू ।।  
आशितोषि चोनुय द्यान स्वरुह्यैय ।  
सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू ।।  
पूजायि बापथ मनु सावदान ।  
सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू ।।  
रोजख पानय श्री न्यरकार ।  
सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू ।।  
मेति विजि घवु फोरिहिस हरु हरु ।  
सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू ।।

1. ऑनस कलाय; 2. चौसर पॅट ; 3. dice; 4. बंगि शखत ।

**30 सास्त्रिय दिवताहन हंदि तरफ़ झुकवट मीलित्थ अस्तुती**

क्यों न करियो दया दयासागर हर	गंगाधर देवता हैं उदास ।
क्यों न करियो क्षमा महेश्वर ईश्वर	शिव शंकर हम हैं उदास । ।
सब बनावट तुमने बनाया	समसार का और माया का ।
उस माया ने हमको फंसाया	शिव शंकर हम हैं उदास । ।
तुमने हमें व्यवहार में पाया	वोह माया क्या खुश आया ।
कुछ नहीं आता मुझको लजाया	शिव शंकर हम हैं उदास । ।
ईश्वर का भेस तुमने सजाया	तुमने ही हमको बक्ती बनाया ।
किस पर मुख को कूद चढया	शिव शंकर हम हैं उदास । ।
तुम ही मन प्राण तुम ही चेतना	तुम ही ईश्वर और आत्मा ।
जूठ मूठ नाम है हमको देता	शिव शंकर हम हैं उदास । ।
तेरे वासते कीना गमंझ	हमने यूं पाया दंझ ।
कालुकंठ हुन हो ठंझ ठंझ	शिव शंकर हम हैं उदास । ।
सबके मन में तेरा बसना	तद ज्यों त्यों हमको दसना ।
पहले कूद और फिर हंसना	शिव शंकर हम हैं उदास ।
आप दया और कृपा पर आओ	आनंद से दिखलाओ मुंह ।
इतना इतना मत झुंझलाओ	शिव शंकर हम हैं उदास । ।
जो कुछ माझ आया हमसे	ख्यमा का आसरा है तुमसे ।
हमें छुड दो दुख और गम से	शिव शंकर हम हैं उदास । ।
समसार मुख से जीता बचादो	कृष्णजी को बख्शा दो धैर ।
जल्दी शिवलूक में पहुंचादो	शिव शंकर हम हैं उदास । ।

**31 शिवजी सुंद दिवताहन प्यठ ख्वश सपदुन**

जब उनकी लीला शिवजी ने समझा ।  
हंस हंस के बोला आओ पास । ।  
न धन की चाहत मुझको      है लोड मुझको भक्ती का भाव ।  
दिन दिन इस तरह लीला सुनाओ      हंस हंस के बोला आओ पास । ।  
इछ न खाने की पीने की मुझको      न यग्यन्यों पर आनेका जानेका शौक ।  
चाहता हूं भक्ती, भक्ती बनाओ      हंस हंस के बोला आओ पास । ।  
मेरे मन में रंजिश कहां है      लेकिन वहां है जहां है न भाव ।  
अब भावना है आनंद में जाओ      हंस हंस के बोला आओ पास । ।  
कृष्णजी तुम शिवजी की लीला गावो      ईश्वर करेगा तुमको दया ।  
मन से अलख अलख सजावो      हंस हंस के बोला आओ पास । ।

**32 रजदान साँबुनि तरफ़ अस्तुती**

स्वयम हृदय म्योन, तँथ्य मंज़ चू दून्य ज़ालानु ।

तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।

वेश्णारु अँगु अन्न छुख चू श्रोपरानु	प्राणु समानु सुत्यु बाँगरानो ।
प्रथ कुनि साँखी तु परामत्मा पानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
येछि चानि सत्जन च़ेय पतु लारानु	अकि शब्दु सुत्यु सूर मलानो ।
ओमकारु ध्यान वारु दारनायि दारानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
लीलायव सुत्यु मन गोय सावदान	आशितोषु जल्द छुख कुमलानो ।
युस यी मंगिय तस ती छुख दिवानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
दीवन दोपुथ केंह कोनु छिवु मंगानु	बक्ती बावु छुस बु टेवनो ।
कोरुवोस प्रसन सौरुवोस येछि पछि सानो	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
अदु दोपुहोय तोरु सनम्बख सनिदानु	शिवनाथु यी छिय मंगानो ।
प्रजापत ज़िंदु गछि तप ज़प करि पानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
नतु पँतिमी यी आसन वनानु	यँगुन्य करुस छु नाश बनानो ।
पथ कुन ज़प कांह ति आसिय नु करानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
अदु दोपथक तोरु क्याज़ि छिवु तम्बलानु	ती बनि यी छिवु वनानो ।
प्रजापत ज़िंदु गछि ध्यान दरि मनु प्राणु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
यमि वॉनियि येलि कोस्थक बंदानु	प्रजापत छवुल्य कलु सानो ।
येगन्यस प्यठ गव शिव शिव करानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
कृष्णस ज़ालायि रूपु छुख बासानु	हृदयस मंज़ दीप प्रज़लानो ।
मुह गटि मंज़ ज़ॉन्य गाश छुख चू हवानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।

**33 प्रजापति तरफ छवल्य जेवि अस्तुती**

दमु दमु शमु नमु प्यमु पायस तय ।  
छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।  
शरनय गच्छुहो शरवायस तय सुय छुय आसुवुन त्रबवनसार ।  
वंदुहोस जुव जान वॉलिंज्य वसतय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।  
दीवव दोप येलि शिवनाथस तय प्रजापत गछि जिंदु सॉपनुन तय ।  
बख्यन हुंद वाति बोजुन तस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।  
सूर ओस गोमुत मंज रॅगन्यस तय दखि प्रजापतुनिस शैरीस ।  
करुनुय ओसुस ती करताहस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।  
छवुला अख ओस तथ समयस तय कल चोटहोस ओस ती कांछन ।  
नमस्कार बोयनस तस बागिवानस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।  
बोड करमिष्ट ओस पराक जनमस तय त्रबवनसारन कल चोटनस ।  
म्वक्त गव परमु पदवी दिचनस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।  
सुय कल दखि प्रजापतियस तय लोगनस तु द्युतनस जीवादान ।  
थोद वॅथित पकनि लोग प्यठ रॅगन्यस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।  
फीर्य फीर्य अँद्य अँद्य परमु शिवस तय प्रेदिख्यन दी दी लोग वनुने ।  
बखशुम गोसय मंज मूहस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।  
हयहय मूह मायायि वोलनस तय हयहय क्याह गोम कोरुम युथ कार ।  
राख्यस बोज शरमंदु कोसनस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।  
आकाशि डुलुविथ ब्वन वोलनस तय प्रेथ्वी प्यठ द्युतनस दॉस्थि तय ।  
कोरुम कर्मन तय तखसीर छु कस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।

**34 प्रजापतन्य शर्मंदगी हुंद बयान**

ज्ञान्य गाश मूह ने रँच गँटरोवुम ।  
सिरियि परजुनोवुम नु रोवुम दोह ।।  
प्रेत्यख्य ऑसिथ कति परजुनोवुम मंदिन्यन होवुम रतु क्रुल्य पान ।  
स्वर पखि ह्मसा कति वुफुनोवुम सिरियि परजुनोवुम नु रोवुम दोह ।।  
च्यतुकुय बालुक कति वुजुनोवुम सोवुम आदि प्रबातस मंज ।  
मूर्ख बोज मनु मंजलुय अँलरोवुम सरियि परजुनोवुम नु रोवुम दोह ।।  
सूर मेचि मिलविथ र्युंजा त्रोवुम पेचि काना<sup>1</sup> त्युथ थोवुम सुत्य ।  
गँजरोवुम मद होसताह पोवुम सिरियि परजुनोवुम नु रोवुम दोह ।।

1. पेचि गासुक तीर ।

**35 दखि प्रजापतुन वॉरग वनुन**

दॅमी ड्यूठुम शबनम प्यवान	दॅमी ड्यूठुम प्यवान सूर ।।
दॅमी ड्यूठुम अनिगटि रातस	दॅमी ड्यूठुम दोहस नूर ।।
दॅमी ओसुस ल्वकुटुय नेचुवा	दॅमी सपनुस जवाना पूर ।।
दॅमी ओसुस फेरान थोरान	दॅमी सपनुम दॅज्जिथ सूर ।।
नय रोज़ि वन्दु तय नय र्यतकोलुय	नय बोलि श्रावनु पतु कोस्तूर ।।
नय रोज़ि खुशी नय रोज़ि मातम	नय वज्जि दफ साज़-ने-सोंतूर ।।
ओसुस कुनुय सपनुस स्यवह	नॅज्जदीक ऑसिथ गोसय दूर ।।
जाँहिर बाँतिन कुनुय ड्यूठुम	गॅयम ख्यथ चथ चुवंजाह चूर ।।
समसास्स मंज़ कुसतान्य रोज़िय	रोज़िय पस्मु शिव शिव अगूर ।।
त्वले मंज़बाग बो ललनावन	जिगस्स मंज़ कस्स गूर गूर ।।

36 दखि प्रज्ञपतनि तरफ़ वॉरग बँस्थि अस्तुती

निशि अंतु रस्ति आगरु शोम्भू	न्यर्मल जलु गोस खरु शोम्भू ।
नोन गोस मंज बवुसरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
पानस मंज ओस नोन आकाश	व्यचारु न्यत्रन जाँन्य हुंद गाश ।
मूह वुनरि खोट मे ज़रु ज़रु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
मूह गटकारु सुत्य बोज़नु आम	रातस दोह प्रबातस शाम ।
मंदिन्यन दोह लोग मे दरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
कूठ्य वन्दुके द्वंदु सुत्य अन्दु वन्दु	म्वख आम खटनु गोस यख जन बन्द ।
पम्पोश जन गोस बरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
छुस शिशर गाँठ जन मनु किन्य सख्त	जीवु दयायि रँस्तिस छुमनु बखुत ।
स्वरु रोस्त मा व्यसरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
चंच्यल सपनुम च्यत् चंद्रम	ल्वकटिस मे प्यवनु शबनम ।
बुजरुक सूर प्योम जरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
दुय हुंज़ि तुरि मे आत्म सिरियि खोट	ओन बन्यास तोन आँसिथ गोस मोट ।
कूदु कठकँश्य कौरुस खरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
समसारु छनन कोर मे दोर कार	दारु कनि लोगुम देहुक अंदुकार ।
तुलु कतर्युक लोदुम गरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
कोसनम कलि कालुक्य शिशरुन	दैरु छेयि वैरु वुथ्यचिय नशरुन ।
वुस्थि पान म्वक्तुचि लरि <sup>1</sup> शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
ममतायि त्रियि कोसनस खानुदार	वेशय बूगन दोपनम लार ।
गरु अछ लूबकि बरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
इंद्रेय शुर्य छिय ताबेदार	दार्यव कनि छिय वँथ्य नवदार ।
वुछ हवा कर हवस खरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
त्रेशना थँवमय खँदमतगार	छिवु दिथ रात दोह गरुकुन सार ।
लूट्थि पनुन व्वपरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
ज्योन मरुन मँशराव स्वखुसान बेह	शिशरुस मंज यख त्रेशा चे ।
युथ गरु छुय आश्चरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
बूज़िथ यिथिस गरुसुय मंज गोस	यँच काँल्य होशस प्योस काँप्योस ।
तुरि हुंजु छम थरु थरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
न्यर्मलु नेशकलु नेशकामय	छिय बसंतु रंगु वँलिमुत्य जामय ।
पद्मनाभु पीताम्बरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
अमर्यतु वर्शनु सुत्य चाने	यियि दँज़िमुचि ह्यैय थरि म्याने ।
बामुन श्यामु स्वंदरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
नोन नेरि आत्म सिरियुक प्रकाश <sup>2</sup>	मूहकिस कठु कँश्यसुय करि नाश ।
आकाश वुछ ज़रु ज़रु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।
ज़ालायि रूपु ज्योती सौरुपु यिम	सिरियि ह्युव प्रेत्यख्य दर्शुन दिम ।
चानि तापु तीजु कति दरु शोम्भू	स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।



नय रोज़ि कठकोश नय सरदी      बेयि साँपनि यी ओस ती ।  
न्यर्मल ज़ल बवु सरु शोम्भू      स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।  
कृष्णस सिरियि रूप ह्यवि ग्वसोन्य      शिनि मंजु वुछिहे नेरान पोन्य ।  
सरु गव कैर्य कैर्य सरु शोम्भू      स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू ।।

1. मे बनोव पान म्वक्ती दास्स मंजु रोजुन लायक तथ थोवुम दैर्य रूपी पश मगर कलियुग रूपी शिशस्स मंजु गँयि अथ गँद्य पतु समसास्स (ग्रेहस्तस) मंजु रूजिथ क्याह गव, पँखि ब्रॉठ कुन; 2. ग्यान प्राप्ती पतुच हालत ब्रॉठ कुन बयान ।

**37 प्रजापतुन्य अस्तुती बूजिथ शिवजी सुंद ख्वश गछुन**

बक्ती बावनायि किन्य छुस दस्त बस्तय	ज्यव छमनु परहँ चॉन्य लीला ।
छवुल्य ज्यव छम मंदछन छुसतय	छुस बेकस तय कर रखिपाल ।।
छवुल्य बोलि येलि यी वोननस तय	प्रसन गव असनि लोग शिव शंकर ।
बूज्य बूज्य वननि लोग ब्रह्माहस तय	छुस बेकस तय कर रखिपाल ।।
ही ब्रह्मा जी ख्वश गछुस तय	यिहँय बूल्य पूजायि प्यठ कांछ ।
युस परि जलजल प्रसन गछुस तय	छुस बेकस तय कर रखिपाल ।।
अद्लमुदरी <sup>1</sup> नाव थोवहस तय	यिहँय बूल्य युथ परि प्रथ कांछ ।
शिवजी पानु बोजनि यियस तय	छुस बेकस तय कर रखिपाल ।।
प्रजापतुन्य नीलु कंठस तय	छवुल्य बोलि वँन्य यी लीला ।
प्रसन गोस गँछ्यतन त्युथ कृष्णस तय	छुस बेकस तय कर रखिपाल ।।

1. अद्लमुद्री भाषा (छवुल्य आवाज़) ।

38 प्रजापतुनि तरफु लोल बैस्थि अस्तुती

कोफूर्य अन्ग सफेद रंग ।  
लगयो गंगु जटँनुय ।।  
छुनमुत छुय चै वासुक हटि रछुन मटि छुय सोनुय ।  
आश छम गाश अन मंज गटि लगयो गंगु जटँनुय ।।  
परम ब्रह्म ही कीवल छवुल्य कल लोगुथ मे ।  
चाने सुत्य व्वन्य बेयि बल लगयो गंगु जटँनुय ।।  
ही परमु शिव परमानंद बो चै वंदु पनुनुय पान ।  
मे ज़ोनुखनु छुस शरमंद लगयो गंगु जटँनुय ।।  
न्यराकारु न्यरंजनु त्रेयलोचनु छुख सोरुय ।  
आनंदगनु ब्रेशबासन लगयो गंगु जटँनुय ।।  
दयावानु शंकरशनु सावदान मनु दास्य द्यान ।  
युथ ओसुस त्युथ बेयि बन लगयो गंगु जटँनुय ।।  
प्रथ बाल बाल प्रथ वनु वनु सनातनु छरथ बो ।  
चुय छुख द्वार चु छुख दनु लगयो गंगु जटँनुय ।।  
पीताम्बरु आत्मु दीवु महदीवु ग्वसान्यो ।  
द्यन राथ चॉन्य करुयो सीवु लगयो गंगु जटँनुय ।।  
यछ्र कुलि त्रेयि ग्वनु म्यवु च्यत् आकाशु शबनमु सुत्य ।  
तथ मंजु ब्यॉल्य फोल छुख शिवु लगयो गंगु जटँनुय ।।  
सुय ब्यॉल्य फोल छु सुखिम दानु कुल ह्यथ लन्गु लन्जव सान ।  
येति तति वॉतिथ छुख चु पानु लगयो गंगु जटँनुय ।।  
बोजनु आख चु जॉन्य ग्यान अमि यमि सान सोरुय ह्यथ ।  
दासनायि वारु दॉस्थि द्यान लगयो गंगु जटँनुय ।।  
सेदे सादु सूरय मति उमापति छुख नँजदीख ।  
चरचरु छंढ्य कति लगयो गंगु जटँनुय ।।  
दोह लोग दरु से-मंजु स्वथि अश्वद वासनायि सुत्य ।  
प्रारान छुस बो यिम निम वति लगयो गंगु जटँनुय ।।  
भैखनाथु महाकालु सुमरनि चानि निशि गोस दूर ।  
तवय छुस बो यमी हलु लगयो गंगु जटँनुय ।।  
आसतम ख्वश कासतम जालु ही बूलु बालु दया कर ।  
करुयो लोलु पोशन मालु लगयो गंगु जटँनुय ।।  
मारुय लोलु स्वर तय तालु यितम सालु यॅगन्यस प्यठ ।  
ख्यतम खिर खन्ड थालु थालु लगयो गंगु जटँनुय ।।  
अँगु म्वखु जटधरु अँगु वँतरु अँगुस मंजु ।  
हुमय चै ख्यम शिवु शंकरु लगयो गंगु जटँनुय ।।  
जालय काँठगनुचे म्वछि रँतन दीप दूपय सान ।  
प्रेयमु सुत्य ह्यतम क्वछि लगयो गंगु जटँनुय ।।

दितम ज्यव तु लीला पर पशि बावनायि निशि रक्षतम ।  
येतियोर व्वन्य करु हर हर लगयो गंगु जर्वेनुय ॥  
ओसुस वारु खोतुम क्रूद येतियोर रूद च्यतस मे ।  
क्रूदु निशि द्रामनो केह सूद लगयो गंगु जर्वेनुय ॥  
दयावानु ही बडि दयि भ्रैत्यंजयि दया कर ।  
बोजनु आख मंज न्यर्नय नयि लगयो गंगु जर्वेनुय ॥  
यितम गरु महेश्वरु मनस दारु चोनुय दान ।  
प्रेयमय चानि पूजा करु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥  
चरुन चॉन्य दिगम्बरु रुदुहॉ हरु मनस मंज ।  
लबु हॉ तार यमि बवु सरु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥  
सादन हुंदि ह सत्संगु सतुच मेति करतम लय ।  
समसारुन बो औनुस टनुगु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥  
कृष्णस चाव दानुच बन्यु सुमरनि सुत्य करुन मस्त ।  
त्युथुय युथ गछि दबन्गु<sup>1</sup> लगयो गंगु जर्वेनुय ॥

1. मस्त ।

**39 ख्वश गॅछिथ शिवजी प्रजापतस बेयि येग्य कस्तु खाँतरु वनान**

रज्जन वॅन्य येलि लीला स्वन्दर ।  
प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।  
यॅगन्यस प्यठ गॅयि सॅमिथ साँरी नॅमिथ कॅरिहॉस ज़ॉरिये ।  
शिव द्यान दोरुख हृदयस अन्दर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।  
लाखों सुगंधी अग्न में पाया सावदान कस्वाया ज़गतनाथ ।  
त्रेयलूकनाथ ईश्वर परमेश्वर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।  
होम कस्वाया दक्षिन का राजा गंत शंख और बाजे के नाल ।  
त्रफ्त गए देवता ख्वश गव ईश्वर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।  
कूफ हट्के सिद गई मन की चिन्ता अग्न से जग पुरुष<sup>1</sup> निकला ।  
शिवजी के पास आया नन्दकीश्वर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।  
अर्ज करता हूं त्रुभवनसारा जाने का वेला है नज़दीक अब ।  
सबको रुखसत करना है बेहतर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।  
मह्यदेव ने तब यह फरमाया सब के सब जाओ आनंद नाल ।  
जाते हैं हम भी कैलास ऊपर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।  
दुख छेडके स्व आनंद नालय कृष्णजी को रखिपालय कर ।  
दिखलाओ उसको रूप अपना दिगम्बर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।

1. येग्य देवता ।

**40 येग्य अन्द वातनस प्यठ नारदजीयुन युन**

जग<sup>1</sup> येलि म्वकल्याव वारु तु कास्य ।

नारुद वोत सेतारस्य ह्यथ । ।

दोपनस अर्जं छुम ही न्यराकारस्य	गँछिव स्वखुसान कैलासस ।
वनु हँ बोज़तम श्रूखुहँनु तारस्य	नारुद वोत सेतारस्य ह्यथ । ।
शिवनाथ साँपुन ब्रेशबु सवारस्य	फीस्थि वननि लोग नारदस कुन ।
सामु वीदुक्य वन श्रूख वारुवारस्य	नारुद वोत सेतारस्य ह्यथ । ।
यिछ वँनिज़ि वॉनी बो कन दास्य	बक्ती बावनायि प्रेयमय सान ।
दोपनस बोजुम त्रुबवनसारस्य	नारुद वोत सेतारस्य ह्यथ । ।
यथ वॉनी मंज़ बोज़ ज़ारु पारस्य	भस्माधारस्य कृष्णस चुय ।
रूप हवुस मुच्चस्थि नव दास्य	नारुद वोत सेतारस्य ह्यथ । ।

1. येग्य ।

**41 नारद जीयुन ग्यवुन**

जगतनाथ जग से किनारे गयो रे      किनारे गयो रे कोहसार गयो रे ।।  
माया छेड के उजार गयो रे      उजार गयो रे पहड गयो रे ।।  
ब्रेश्व के ऊपर सवार गयो रे      सवार गयो रे सर्वसार गयो रे ।।  
देखने बाग और बहार गयो रे      अमस्नाथ के गार में गयो रे ।।  
कश्मीर के शालमार को गयो रे      कौन कौन कारोबार करने गयो रे ।।  
वखरा किस के नाल गयो रे      च्यत् आकाश और पाताल गयो रे ।।  
महवि नगमा और ताल गयो रे      आस पास हस्वखु वास गयो रे ।।  
अरे जोगी सन्यास गयो रे      रखिपाल करने हीमाल को गयो रे ।।  
स्वक्त करने कृष्णदास को गयो रे      दर्शुन उसको देने गयो रे ।।

**42 नारद जीयुन बेयि ग्यवुन**

सेतारु स्वर गोय कनुनुय कनुनुय ।

वनुनुय छुसय विलुजारो लोलो । ।

नीस्थि गोख मंज जंगलन तु वनुनुय ब्रेशबस सपनुख सवारो लोलो ।  
दर्शनु चान्युक छुस तलबगारो वनुनुय छुसय विलुजारो लोलो । ।  
दोह खोत दोह छुम लोल चोन गनुनुय त्रॉवथम कोत रफतारो लोलो ।  
खोट्थम पान तय रोत्थम गारो वनुनुय छुसय विलुजारो लोलो । ।  
बक्ति बाग पनुनुय रुत छुम ननुनुय डेशथ बेयि दुबारो लोलो ।  
हीमालु सुंदि गरि छुय व्यवाह कारो वनुनुय छुसय विलुजारो लोलो । ।  
कम कम बूजन च़ेय कित्य रनुनुय सालु यितु गंगाधारो लोलो ।  
वैस्थिय निहॉन तति रजु कोमारो वनुनुय छुसय विलुजारो लोलो । ।  
तथ खान्दस्स मेति छॉड्धि अनुनुय डेशथ त्रुबवनसारो लोलो ।  
तति बोज़नावथ बेयि सेतारो वनुनुय छुसय विलुजारो लोलो । ।  
मनुचे वाजे नाव चोन खनुनुय वीनायि सुत्य ह नामदारो लोलो ।  
मोहुर चानि मानन छु सोर समसारो वनुनुय छुसय विलुजारो लोलो । ।  
शाफ छिम तनुनुय पाप छिम छनुनुय आन्प छम व्वन्य कूत प्रारो लोलो ।  
तार दिम बवुसरु करुनावतारो वनुनुय छुसय विलुजारो लोलो । ।  
गरि गरि दर्शुन चोन छुम बननुय हृदयस मंज कोत लारो लोलो ।  
यितु व्वन्य सनम्बख साख्यातकारो वनुनुय छुसय विलुजारो लोलो । ।  
कृष्ण लागि पॉर्य पॉर्य चान्यन ग्वनुनुय छ्यतु करतस नरकु नारो लोलो ।  
येति योर यियनय तसुंदुय आरो वनुनुय छुसय विलुजारो लोलो । ।

v समाप्त दखि प्रजापतुन कसु v

नमामि सतगूरु शांतम प्रत्यक्षं शिव रूपनम

शिस्सा योग पठ्यतम धर्म कामार्थ सिद्धर्थ

ॐ शांति शांति शांति

VVV VVV VVV



## खंड 2: (क) हीमाल परबतुक इतिहास तु प्रेम लीला

### 43 रजदान साँबनि तरफ् अस्तुती

सदा शिव साँमियो छुख जगि पालन ।  
सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।  
सदा शिव साँमियो छुख स्वर्ग दावन सदा शिव साँमियो छुख म्वकुलावन ।  
अपुज पौज सोन छुख सोरुय च् चालन सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।  
करान छुख चारु लाचारन तु खारन वेष्णु संदि रूपु कम अवतार दारन ।  
स्यवहन अंदुकारय प्यठु वालन सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।  
स्यवहन नाव्वमेदन आश थावन स्यवहन गटि मंजय गाश हावन ।  
अँगु म्वखु सुत्य पापन छुख च् जालन सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।  
च् छुख मायायि रुजिथ अंदु कने तमाशा छुख वुछन अथ क्याह बने ।  
तवय छुख छेह दिवान कोहन तु बालन सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।  
अगर कांह वुमरि मंज करि अंतु रँस्य पाप अकी शिव नावु सुती तस गछन माफ ।  
क्वकर्म नँहविथ ड्यकस छुख अथु डलन सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।  
तिष्ठय ब्वद दितु युथ असि गम चलिय दूर गुहुन कासख वुछ्थ जन चँद्रमु पूर ।  
वँलिन समसारुके मायाजालन सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।  
छि कर्मच असि पथकुन कर्महनय पँत्युम पथ त्राव नँव नँवरव जानुय ।  
नँविस र्छ व्वन्य म वुछ पँतिम्यन मलालन सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।  
सँती मातायि हुंदुय छुय प्रेयम जान अकी कथि चानि बापथ ज़ोल तमि पान ।  
स्वकर्मय ओस कोस्मुत हीमालन सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।

**44 आगाज़ दास्तान**

कर्मवान हीमाल ओस बोड दयावान ।

मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।

बोडुय राज़ा जहनुक ओस अफसर स्यवह ऑसिस खज़ानु लाल व गवहर ।  
सेद्यन सादन दिवान ओस न्यथ दर्मु दान मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।  
करान ओस ईश्वरस कुन ज़ारु पारय दपान ओसुस चु करतु म्योन चारय ।  
मनस छुम द्वख स्यवह केह छुमनु सनतान मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।  
स्यवह छुम माल-दवलत गंज व गवहर स्यवह असबाब स्वन र्वफ जर तु ज़ेवर ।  
शुराह छुमनु यिहोय छुम सख्त अस्मान मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।  
सँती माता गँयस ख्वश बानु ओसुस यिथिस राज़स निशे युन पानु ओसुस ।  
जनुम ह्योतुन तँमिस निशि गव स्यवह जान मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।  
तिछ्य कूराह तँमिस निशि येलि ज़ाये स्यदुलैक्ष्मी स्योदुय तस गरु चाये ।  
यिथिस बागिवानस सुत्य कुस करि मान मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।  
त्रुकूटी दिवताह छि आसुवन्य यिम स्यवह ऑसुख श्रदा तँम्यसुंद गरय तिम ।  
तसुंदि दर्शनु बापथ ऑस्य लारान मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।  
कलन छम ज़यव तसुंदि तीजुक वनय क्याह करान ऑस्य दिवताह गंदर्व वाहवाह ।  
सिरियि चँद्रमु खोतु ऑसिय स्व शूबान मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।  
वुछ्थि परमु शक्ति हुंदुय दान दौस्थि तिमव गौरी थोवुख नाव तस चँस्थि ।  
स्वंदरमालाह स्यवह क्याह ऑस ज़ोतान मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।  
वनय कोताह द्वदय नाबदु सुतिय रखन तस ऑस्य खँदमतगार कुतिय ।  
बबस तय माजि ऑसुय टँठ ज़न प्रान मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।  
सदा शिव याद प्योस ऑसुस पँतिम ज़ान रखु आय सतन मंज़ यान्य चाये ।  
सुती ऑस मँशरवन मॉज तय मोल मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।  
प्रेयमु सुत्य ड्यकु लॉनिस द्रायि छरान गन्यामुत ओस तस शिवनाथ सुंद लोल ।  
शिवु सुंद दान दौस्थि स्वय मनस मंज़ मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।  
तिथय पॉठ्य शिवलीला ऑस वनान ह्यवान पय वँन्य दिवान द्रायि वनस मंज़ ।  
मनस मंज़ ओस दारान शिवु सुंद दान ।।

**45 वनस मंजु पार्वती हंजु प्रार्थना**

यिमय पतु दिमयो नाद ।

किथो याद मे प्योहम ।।

चुय छुख जपु यॅगन्युक जप	चुय छुख तपु वनुक तप ।
चुय छुख सादन हुंद साद	किथो याद मे प्योहम ।।
चुय छुख यूगियन हुंद यूग	चुय छुख प्रॉनियन हुंद प्रान ।
चुय छुख सतुकुय समवाद	किथो याद मे प्योहम ।।
चुय छुख ङ्खु चु छुख नखु	चुय छुख दूर चुय नॅजदीक ।
चुय छुख सारिन्य हुंद आद <sup>1</sup>	किथो याद मे प्योहम ।।
चुय छुख द्दख चुय छुख स्वख	चुय छुख परमु आनंदुम्वख ।
चुय छुख कम चुय छुख ज़्याद <sup>2</sup>	किथो याद मे प्योहम ।।
चुय छुख सादन हुंद संग	चाने तनि सफेद रंग ।
पम्पोश हिव्य छिय चॉन्य पाद	किथो याद मे प्योहम ।।
वीदन मंजु छुख सामवीद	दीवन मंजु इंद्र राजा ।
दुतन मंजु छुख प्रह्लाद	किथो याद मे प्योहम ।।
रजोग्वनु छुख ब्रह्मा	सतोग्वनु वेष्णु भगवान ।
तमोग्वनु गालान व्याद	किथो याद मे प्योहम ।।
दर्मुचि लरि कर्मुकि बरु	चाने सुत्य अचुन छुम ।
चुय छुख कन तु चुय बुनियाद	किथो याद मे प्योहम ।।
येम युस ज़ोन सुय तॅम्य मोन	चुय छुख म्योन कर्मयलोन ।
वनय च़ेय बो लानिन्य वाद	किथो याद मे प्योहम ।।
लोलुन साजु प्रेयमुक बंगु	वायय बोजु दमा रोजु ।
यितम यूर्य दितम दाद	किथो याद मे प्योहम ।।
कृष्ण दारुनावुन द्यान	सुय द्यान युथ वनि ब्रह्म ज्ञान ।
ह्यथ शिवराग दिथ समाद	किथो याद मे प्योहम ।।
संकल्प त्रावि रटि मन प्रान	वासना गालि दियि समाद ।
चानि दयायि प्रावि ब्यन्द नाद	किथो याद मे प्योहम ।।

1. आदि, आगुर, ग्वड ; 2. ज़्यादु ।

**46 पार्वती हंज ब्याख प्रार्थना**

ढूढ ढूढ घर से निकाला ।  
डला डला जंगल में मुझको ।।  
जिसके तनको चिद रंग नंगे सिर से बहती है गंगा ।  
जो है ब्रेश्व को चढने वाला डला डला जंगल में मुझको ।।  
जिसने रूप अपना साधू बनाया साधू बनके भस्मा चढया ।  
जिसके कंठे में नागों का माला डला डला जंगल में मुझको ।।  
जिसने माथे पे चंद्रमा लगाया हथों त्रिशूल और पद्मा पाया ।  
बांधा कंधे पे मृग छला डला डला जंगल में मुझको ।।  
जैन सा<sup>1</sup> मुंह को भबूत मलता जोगी बनके बन बन चलता ।  
जो है माया से अलग निराला डला डला जंगल में मुझको ।।  
जिनकी जट है कका<sup>2</sup> सारा दांतों हंसते हैं नब की तारा ।  
आंखें काला थोड सा लाला डला डला जंगल में मुझको ।।  
कानों मुन्दरा सूस्त ऐसा आवे कहने में ऐसा न जैसा ।  
कस्नेवाला जगत रखिपाला डला डला जंगल में मुझको ।।  
जौन से<sup>1</sup> मुंहसे मीव बोलता मीव बोलके शकर घोलता ।  
जिसका कहना है अमृत का प्याला डला डला जंगल में मुझको ।।  
ऐसा मगन और हुशियार होता होता होता कभी न सोता ।  
स्यदा सादा भोला भाला डला डला जंगल में मुझको ।।  
जिसका सम<sup>3</sup> है देना न देना एक ही कीमत मिटी और सोना ।  
भोज पत्र और जोड दुशाला डला डला जंगल में मुझको ।।  
जिसका नाम है परमेश्वर हर जिसका नाम है शंकर ईश्वर ।  
महादेव और महाकाला डला डला जंगल में मुझको ।।  
जिसका हृदय में बसना लसना सुंदर मुख से हंसना हंसना ।  
जिसके ध्यान ने पापों से ढला डला डला जंगल में मुझको ।।  
कृष्णजी को दर्शन देवे दर्शन देके शिवलोक में लेवे ।  
उसका प्रेम है सबसे दुबाला डला डला जंगल में मुझको ।।

1. जिस से, जैसे, जैसा; 2. सफेद ; 3. बराबर ।

47 पार्वती पनुन्य सिपथ वनान तु प्रार्थना करन

दया कर मे दयावानु ।  
बो छस पानु दयालू ।।

चु छुख ड्यकु प्यठुक टिकु बो छस बुथि प्यठुक तीज ।  
ड्यकस टिकु छुय मेलानु बो छस पानु दयालू ।।  
चु आकाश बो बुतरात चु छुख दोह बो छस रात ।  
चु छुख दौन बो छस दानु बो छस पानु दयालू ।।  
चु छुख पोशनूलाह जानु बो छस आरुवल शूबानु ।  
अकिय रंगु छिय आसानु बो छस पानु दयालू ।।  
बो छस कारतिकुन्य जून स्यवह ख्वश तय मोजून ।  
वह्यकुकि सिरियि छुख ज़ोतानु बो छस पानु दयालू ।।  
बो छस स्यँज त चु छुख सादु अकी नादु सुत्यन यिम ।  
मोसूम छस बो क्याह ज़ानु बो छस पानु दयालू ।।  
चुय छुख त्रेयलूकु क राजि बो छस राजिरेन्य चै सुत्य ।  
चै ह्युव कुस छु बो सुय ज़ानु बो छस पानु दयालू ।।  
चुय छुख आत्म बो छस प्रानु अँकिस जायि सुत्य मेलान ।  
चुय अमर्यत बो छस बानु बो छस पानु दयालू ।।  
चु छुख ज़पुमालि हुँद्य फँल्य बो छस पन तँथ्य तँल्य तँल्य ।  
पनु सुत्य माल छिय ज़पानु बो छस पानु दयालू ।।  
चु छुख त्रेशि मंज चँद्रमु स्यवह ख्वश तु कुन्युकनु गम ।  
रोहन छस बो क्याह शूबानु बो छस पानु दयालू ।।  
मेशे हुँदि सिरियि भगवानु ख्वश आसानु छुख तँथ्य मंज ।  
मेशि मंज छुय क्याह यारानु बो छस पानु दयालू ।।  
मकरे हुँदि ह्य भूम दीवु चॉनी सीव करुहॉय न्यथ ।  
युथ रुत छुनु कांह मकानु बो छस पानु दयालू ।।  
क्वम्बे हुँदि प्रेयमुकि ब्वधु रच्छु द्वदु नाबदु सुत्य ।  
जल यिम लूख छिम गेलानु बो छस पानु दयालू ।।  
करकटे हुँदि ब्रहस्पतु छस बोति येति चुय छरान ।  
ज्योतिश रुत छिय गँज़रानु बो छस पानु दयालू ।।  
मीनि हुँदि शोऋ मन सावदानु प्रसन पानु करतु मे ।  
मनुक सिर छसय बावानु बो छस पानु दयालू ।।  
तोले हुँदि शनश्चरु अश्चक<sup>1</sup> गुरु पनुन छुय ।  
छ्रंञ्च्य वारु दौस्थि दानु बो छस पानु दयालू ।।  
म्यथनि मंज ख्वश छुख राह बडि पादशाह स्वखु फोजु सुत्य ।  
संकटा दशा छुख कासानु बो छस पानु दयालू ।।  
सेहमे हुँदि हस्थुकि कीतु यमु बयु निशि म्वकलावतम ।  
छसय स्वख तु द्वख पुशरानु बो छस पानु दयालू ।।

सावित्री हंदि ब्रह्मा जीयि	चोनुय रूप मे दियि स्वख ।
दर्शुन हाव छसय छरानु	बो छस पानु दयालू ।।
लक्ष्मी हंदि नारायण	गँयस मनु शरन च्चे ।
चुय छुख बावु सुत्यन टेवनु	बो छस पानु दयालू ।।
पार्वती हंदि परमेश्वर	यितम गर पनुन छुय ।
हृदयस मंज छु चोनुय थानु	बो छस पानु दयालू ।।
ईश्वर कोनु छुख यिवानु	दर्शुन कोनु छुख दिवान ।
संगदिल छुखनु छुख लागानु	बो छस पानु दयालू ।।
पालना म्याँन्य छुख चु करानु	बो छस चॉन्य सीवाकार ।
कृष्णस टोठ बडि भगवानु	बो छस पानु दयालू ।।
ग्रेहद्यन मंज छुख सनिदान <sup>2</sup>	गृहद्यबल चु तँमिस कास ।
लूकन मंज छुय मंदछनु	बो छस पानु दयालू ।।

1. थदि पायुक तु ख्वश; 2. ब्रौठ कनि ।

**48 दीवी तु जंगलक्य हल बयान**

यिथय पॉठ्य शिवु लीला लॅज वनुने  
तिछ्य गॅयि मस्त रूदुस नु कुन्युक होश  
शिवी सॉपुन द्युतुन शिवनाथसुय दिल  
वनस मंज छि्व दिवान ऑस रूसकॅट ज़न  
वनय क्याह तथ वनस ऑस्य दनु बागुय  
सु जंगल ओस कोताह कर्मुवानुय  
वनय क्याह तमि बुतरॅच पस्मगत प्राव  
वनय क्याह ऑस्य यिम कुल्य इस्ताद  
तिमन कुल्यन यिमन ऑस्य फोल्यमुत्य पोश  
वसावुनि<sup>2</sup> आसु पानिचि नॅहर क्याह ख्वश  
सबजु युस वथरावुन पादनुय द्दन  
हवा कोस्तूर ज़न नाफ़ मुश्कदार  
सॅमिथ जानवर करान ऑस्य बोलबाशे  
ग्यवान आसु बागुनुय मंज कुकिल कूकू  
सॅमिथ कमरी<sup>3</sup> प्रेयमु सुत्य वनान ऑस  
हवा सुत्यन वनान ओस पन कुल्यन हुंद  
वनान ओस पोन्थ ज्वयन हुंद शिवुय शिव  
सॅमिथ सॉरी वनान आस्य ही भवॉनी  
करनि आयि दीव दीवी हुंद दर्शुन  
नज़र त्रावुन वुछुन अख नागुरादा  
पॅरुन लीला स्यवह ख्वश शाद सॉपुन्य

वनान वनान सदा शिव लॅज बनुने ।।  
फोल्य तथ लोल सरसुय प्रेयमु पम्पोश ।।  
पननि पानुच खबर रूजुसनु बिलकुल ।।  
शरन गॅयि ईश्वस्स पुशस्थि तन व मन ।।  
येते माता भवॉनियि बक्त लॉजिय ।।  
येते होव भगवत मायायि पानुय ।।  
येमिस प्यठ माजि भवाने कदम त्रोव ।।  
लोबुख पारिजात<sup>1</sup> खोत कदुर ज़्यादु ।।  
सपुन्य त्वलसी तिमन डीशित ति बेहोश ।।  
वुछिथ मोदर्येर तिहुंद गव नाबदस गश ।।  
सपुन मखमल प्रज़लवुन ऑयीनु ज़न ।।  
स्योदुय आकाशु प्यठ वॅछ अमर्यतुच दार ।।  
वनान ऑस्य शिव शंकर अविनाशे ।।  
मॅलिथ बस्मा वनान आसु शिव शोम्भू ।।  
चे छुय वासुक हटे असि लोलुन्य फॉस्य ।।  
करान छुस नालमोत छुम लोल तॅम्यसुंद ।।  
स्टन शिवजी तवय छम त्रावमुच दव ।।  
चु छख शिव-शक्ति रूप अँस्य बक्त चॉनी ।।  
कोरुख आकाशु प्यठ तस पोशि वर्शुन ।।  
वॅसिथ तथ मंज दिचुन लोल समादा ।।  
प्रेयमु सुत्य शिवनाथस याद सॉपुन्य ।।

1. पारिजात कुल, कल्प व्रेख्य ; 2. वसुवन्य; 3. कुकिल ।

**49 शोम्भूजीनि दर्शन बापथ पार्वती हँदि तरफ् अस्तुती**

वेल वोट मेलनुक दर्शुन मे हव ।

प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।

अद्वेत रूप छुख कुनुय आसवुन	अकि ज्योति रूप सुत्य न्यथ बासवुन ।
कुनुय छुख तवय छुय कीवल नाव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
द्वयि लख्यनु छुख शिव-शक्ति रूप	दुय त्रॉविथ छुख प्रज़लान दीप ।
द्वयि हँदि दय छुय रुत स्वबाव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
त्रेयलुकनाथ छुख त्रुबवनसार	त्रेयग्वनु सुत्यन करान व्यवहार ।
त्रे न्यत्र दारुवुनि नज़राह त्राव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
चोतुर ब्वजु वॉतिथ छुख च्ववापोर	च्वन तरफन ह्यथ अवस्थायि <sup>1</sup> चोर ।
च्वन वीदन मंज़ चोन बक्ति बाव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
पांचु म्वखु आसवुन छुख शिवजी	पांचन प्रानन प्रेरक चुय ।
यमि पंचतरनि तारान दर्मु नाव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
शयि शयि <sup>2</sup> छरथ छुम चोन लोल	शे म्वखस कुमार जियिनुय छुख मोल ।
शड अख्यर नाव चोन अवशद द्राव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
सत्संग सादनुय हँद सत् रूप	सतिवॉदी छुख प्रज़लान दीप ।
सत् सदाशिव सतुचिय वथ मे हव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
अशट् स्यँज सुत्य छ्य कर व्पाय	अश्ट दल <sup>3</sup> हृदयस मंज़ चॉन्य जाय ।
इष्ट वैष्णु छुख मूखी दाव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
नँव्युम गरु दर्मुक छु चोनुय थान	नवदार त्रोपरिथ स्ट मन तु प्रान ।
नव निदान बँर्य बँर्य छिय त्राव त्राव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
दशु ब्वजु नाव चोन भुजगेंद्रहार	दँहन दिशायन <sup>4</sup> हँद छुख चु सार ।
दँहन इंद्रियनुय मेति शोमराव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
ईकादशु रुद्र चॉन्य बक्तुय छिय	त्युथुय कर युथ परजुनावोथ चुय ।
अदु कति रवि असि काहन गाव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
बाहन बुरज़न <sup>5</sup> मंज़ चोन व्यवहार	बाहन यँगन्यन मंज़ चोन व्यसतार ।
बाहन सिरियन चोन तीज़ नोन द्राव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
हेस्त्र त्रुवुश हँद छुख रुत फल	रात द्यन मे ऑसिन चॉनी कल ।
त्रेयोदशु सिरियि आत्मु तीरथ मन नाव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
च्वदाह रत्न द्राख चुय ओस बक्ती बाव	च्वदुश हँदि सॉमियो मेति म्वक्लाव ।
पुनिम हंज़ जून छस मे म मंदुछव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
पुनिम तु मावसि व्रत दॉर्य दॉर्य	न्यथ करहँय पोशु पूज़ चॉर्य चॉर्य ।
लोलुक्यन पोशन करतम क्राव <sup>6</sup>	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
कृष्णस प्रेयम चोन यनु प्यठ ज़ाव	चॉन्य सीव करुने ज़नमस आव ।
कॉल्य मेलि वावस सुत्य वाव	प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।

1. जागरत, स्वप्न, सुशप्ति, तुरीय; 2. जायि जायि; 3. पम्पोश यथ प्यठ विष्णु भगवान बेहन ; 4. पुर्व - अग्नि कोण, दक्षिन - नेत्रकृति कोण, पश्चिम - वायु कोण, उत्तर - ईशान कोण, आकाश - ऊपर, पाताल - नीचे; 5.



**Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

बाह राशि: 6. लुतुफ तुलुन ।

**50 शोम्भूजीयुन जूग्य लॉगिथ युन तु पार्वती छल करुन**

सदा शिव जूग्य लॉगिथ आस लारान वनय क्याह हलु कमि ओस छलु मारान ।।  
हसन मुसलाह वॅलिथ बस्मा मॅलिथ आस बॅनिथ वनुवॉस्य लॉगिथ जूग्य सॅन्यास ।।  
महामायायि दपान ओस ब्रमुरावन प्रेयम छुस म्योन कोताह आजमावन ।।  
कनुन छुस बावु वानस लोलुकुय स्वन मनुच कॅहवट<sup>1</sup> बो लागस छ स्व कुं दन ।।  
गछ्यस लोलुच नॅदी जॉरी कॅमिस कुन यि गॅज्रॉविथ दितुन आलव तॅमिस कुन ।।  
करव समवाद कन थव राजु कूरी च़े क्याह छुय पुशु प्योमुत कर्मस ति पूरी ।।  
कुनिय जॅन्य यथ वनस मंज्र क्याजि आयख कसुंद छुय लोल कस छंडनि द्रायख ।।  
सतन मंज्र युन पज्या यिछुनुय वतन मंज्र गॅडिथ क्यमखाब डुलुगॅन्य दिन्य दतन<sup>2</sup> मंज्र ।।  
दोपुस दीवीयि छम शिवनाथ सुंज्र माय दोपुस तॅम्य छु सु बेपस्वाय हय हय ।।  
गरा आसान छु शीतल जन सु कोफूर गरा आसान स्यवह कू दी स्यवह कूर ।।  
पकुवुन छुय नु वीदुचि वति किन्य सुय यमिच्य यछ गछन छस ती कसन छुय ।।  
शकर वुठुवुय म कर शिवनाथ शिवनाथ सुनाता हूं तुझे अब धर्म की बात ।।  
करुन अय तप तु ज़प श्री राम सुंद नाव बहुत लक्ष्मी तुझे देवे रखो भाव ।।  
ज़पन छुस रात द्यन श्री राम राम मुझे कुछ है नहीं इसके सिवा काम ।।  
मे छुमनु लूब आसन छुस ब परदेस मुझे कहते हैं सब जोगी जी आ देस ।।  
अथस क्यथ छुय फकथ मे अख कमंडल अभी जाता हूं मैं मंडल ब मंडल ।।  
बनिय सरतलि स्वन कन थव चु मे कुन अरे राजकुमारी गल मेरा सुन ।।

1. कसौटी ; 2. मेचि टुल्य ।

**51 जूग्य लॉगिथ शिवजी सुंद दीवीयि फरेब आमेज़ दॅलील वनुन्य**

अरे किस रजा की रजकुमारी ।  
किस पह लगा है तेरा दिल ।।  
जिसकी चाहत है तेरे मन में      उसका बन में रहना है ।  
उस पास साधूका संतूका गेरा      किस पह लगा है तेरा दिल ।।  
नंगे सिर और नंगे पांवूं      निश्काम निश्कल सुनाऊं मैं क्या ।  
न पले पैसा न आटे का सेरा      किस पह लगा है तेरा दिल ।।  
पी पी के गांजा जो अखियां फिरता      डरता उससे यम और काल ।  
घर अपने जाओ तू समझो मेरा      किस पह लगा है तेरा दिल ।।  
बिजली सा तू है चमकता धमकता      बादल का रखती है मन में हवस ।  
यह है प्रलय और यह है अंधेरा      किस पह लगा है तेरा दिल ।।  
पत्थर से जिसतरह मिलता है सोना      उसी तरह होना तेरा उसके साथ ।  
समझन में आता है कर्मों का फेरा      किस पह लगा है तेरा दिल ।।  
राम राम करके आसन बिछ दो      श्याम रूप का मन में लगाओ ध्यान ।  
उसपास लक्ष्मी का माया का ढेर      किस पह लगा है तेरा दिल ।।  
कृष्णजी तू मत मांग धन और माया      उसी शिवजी ने बनाया यह रूप ।  
उसी का भजन कर सांझ और सवेरा      किस पह लगा है तेरा दिल ।।

**52 दीवी हुंद जूगिस ह्यदायत**

हतो सादो मतो वनतम च्चु यिछ कथ      सतुच कथ त्रॉवमुच छ्य रॉवमुच वथ ।  
बो बाबाजी वनय च्चे अख जवाबा      अलख बोलख फ़वलख ज़न चुय ग्वलाबा ।  
अगर म्यॉन्य ऑग्यन्या थावख मनस मंज़      गॉछिथ सादख च्चु तप तपोवनस मंज़ ।  
दुय त्रावख कपट थावखनु अख जव<sup>1</sup>      कहूंगी मैं तुझे क्या है सदाशिव ।  
च्चे छुय मन ऑयीनु योद कासुहॉस खय      बताऊंगी तुझे शिवनाथ क्या है ।  
ननन छुख जीव ज़न योदवय बनख दीव      सुनाऊंगी तुझे क्या है महादीव ।।

1. (बराबर) वुशक् दानु ।

**53 पार्वती जूगिस शिवजी सुंदर सिपथ बोजनावान**

तप साधके कर निर्मल मन ।  
जाओ जाओ साधू डण्डक वन । ।  
वोही शिवजी है एकही एक      एक को दो जानना नहीं है ठीक ।  
जूठ बोलके मत कपटी बन      जाओ जाओ साधू डण्डक वन । ।  
वोही है आत्मा वोही है प्राण      वोही ब्रह्मा वोही भगवान । ।  
वोही है लक्ष्मी नारायण      जाओ जाओ साधू डण्डक वन । ।  
वोही है सब चीजों का सार      वही है समसार का व्यवहार ।  
वही है माया वोही है धन      जाओ जाओ साधू डण्डक वन । ।  
वोही है नेडे वोही आस पास      वोही है जोगी वोही सन्यास ।  
वोही है साध और वोही सत्जन      जाओ जाओ साधू डण्डक वन । ।  
वोही है सूरज वोही है चांद      उसी के पास देवता हथ बांद ।  
वोही है गुणवान वोही निर्गुण      जाओ जाओ साधू डण्डक वन । ।  
वोही है परमशिव परमानन्द      वोही है सार ओंकार का बिंद ।  
वोही है त्रैलोक्य वोही त्रिभवन      जाओ जाओ साधू डण्डक वन । ।  
वोही है सर्वव्यापक हर जा पर      उसी का नाम है शिव शंकर ।  
वोही है चार वीद पांच कारण      जाओ जाओ साधू डण्डक वन । ।  
ब्रह्मा बनके हम्सासन      वेष्णजी बनके गरुडसन ।  
वोही ब्रेश्वासन त्रिलोचन      जाओ जाओ साधू डण्डक वन । ।  
वोही है गुल और वोही है खार      वोही है बुलबुल वोही गुलजार ।  
वोही है बाग और वोही गुलशन      जाओ जाओ साधू डण्डक वन । ।  
कृष्णजी उस केवल का रूप      हृदय में जानो जैसा है दीप ।  
एक दिन दिखावे श्वब दर्शन      जाओ जाओ साधू डण्डक वन । ।

**54 शिवजी सुंद बेयि फरेब अमेज़ जवाब**

दोपुस सादन मे प्यठ नाहकय गँयख तंग  
कपट त्रॉविथ मे वोनमय मन थँविथ साफ  
मे छुम फेरान चु छख ना क्याह स्वंदरमाल  
मे छुम फेरान चु छख ना सिरियि न्यर्मल  
मे छुम फेरान चु छख ना तीजू वुज़मल  
मे छुम फेरान चे त्रोवुथ फर्श मखमल  
चु छख कमि प्रेयमु बागुच यिछ यँम्बरज़ल

करन छख जंग यिथु पॉट्य गव नु सत्संग ।  
गरज़ क्याह छुम मे ति वनतम करतु इनसाफ ।  
वनय क्याह छुय चे गोमुत हल बे हल ।  
कँमी कोसनय चे युथ छल रोदुथ जंगल ।  
गछख ना व्वन्य चु नाहकय मीगुसुय तल ।  
किथय पॉट्य गरि द्रायख कँम्य कँडुय कल ।  
मे छुम फेरान बोम्बरन कँम्य कँडुय कल ।।

**55 शिवजी सुन्द ब्रह्मा, वेष्णु तु सिरियि दिवताह सुंघ ग्वन वनुन्य युथ दीवी तिमन शसन गछि**

च्यथ सुफारचि<sup>1</sup> चाफ ऑल सुफॉरी ।

गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।

सतु वैरिशिय छख ख्यतु चतु वारय	मारय मतु कस्तु पनुनुय पान ।
सु कवय ज्ञानिय करुन्य खानुदॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
तसु सूरु मँतिसुय कति दनु दवलत	मस्तु छुय आनन्दु अमर्यत चथ ।
नय छुय ग्रेहस्ती नय छुय व्यवहॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
हयहय येम्यसुंज प्रय छ्य गनुनुय	त्रॉविथ चलिय च्चे वनुनुय मंजु ।
बूजमुत छुय ना साद कस द्रायि सॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
वुछ्य वुछ्य च्चेय कुन ताब छुसनु अनुनुय	वनुनुय छुसय व्वन्य ह्यतुकारु पुछि ।
मन थव प्रसन बोजु कन दॉर्य दॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
वनुखय तीजु स्वस्तु सिरियि भगवानुय	अवय छुय बडि बोड दीवन मंजु ।
खसुन्य छस शूबिदार रथु सवॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
शूबिय वेष्णुजुव लॅक्ष्मीवानुय	छुय शूबि सानुय श्यामु स्वंदर ।
तॅमी यथ जगतस अवतार दॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
दपुखय ब्रह्मा ति छुय ग्वनुवानुय	वीद वखनानुय ततुसतु रूप ।
समसारु छु व्वपदावान च्वपॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
यिम त्रॉविथ छख कस पतु लॅजमुचु	संकल्पु कलि जनु गॅजमुचु जून ।
कॅहदि बापथ छ्य यिछ लाचॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
गमु रोस्तु वुछन छुस मंजु व्यवहारसु	अम दम फीर्य फीर्य समसारसु ।
कमकम राजु कमकम समसॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
त्यागु वॉरगु स्वस्तु रोजु व्यवहॉरी	व्यवहारु मंजु व्वपकॉरी आस ।
कृष्णु करु रागु द्वेशि <sup>2</sup> रोस्तु खानुदॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।

1. विकास; 2. माय तु हसद ।

**56 पार्वती हुंद जूगिस बेयि जवाब**

हतो सादो कपट सोरुय वनन छुख । न चुय जूगी न सत्जन ननन छुख ।।  
ह्युवुय फम्बु ड्यून्ना केँन्य हायुक अनन छुख । बो केँह बोजय नु चु नाहकय छ्यनन छुख ।।  
अबस मागस अन्दर शीनाह कनन छुख । गेँछिथ व्वलस्स चु नाबद फोल छनन छुख ।।  
अबस ख्वनुवट्ट ख्वड खनन छुख । वनन खारा तु फलहारा स्नन छुख ।।



**57 पार्वती जूगिस दमकी दिवान तु दर्म वनान**

न चु छुख साद तय न चु सँन्यास ।  
बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।

अलगडुर सूत्य छुय कोस्मय माफ	पाप मा खस्यम नत दिमुहँय शाप ।
युथ पजिहिय त्युथ कऱुहँय त्रास	बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
कपटह वोनुथ कँह छुनु शिवजी	मूर्ख बोज़ हुंद ह्युव समवाद छुय ।
महकालन कोस्मुत छुय ग्रास	बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
कलिकालन मा पान होवुय	सोदमुत कर्म सोरुय रोवुय ।
चँद्रायुन चाफ <sup>1</sup> कर व्वपुवास	बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
कन दौस्थि रोज़ बोज़ समवाद	च्यत् थव तस कुन कथ थव याद ।
अदु छुख साद तय अदु सँन्यास	बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
पम्पोश हिव्य छिय तसुंदी पाद	सुय आदि छुय सादन हुंद साद ।
सुय राजु यूग तय प्रानु अब्यास	बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
कनस कर थफ अदु वनस मंज़ फेर	दर्मुचि लरि छ्य कर्मच हेर ।
येति योर शिवु शिवु कऱुवुन आस	बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
कृष्णु चोन मोल मॉज छुय ईश्वर	लोल छुय बोल शां शिव शंकर ।
ज़नमु ज़नमु आसख तसुंदुय दास	बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।

1. प्रायाश्चित ।

**58 शिवजी सुंद दीवीयि असुल सौरूप हवुन**

शरन डीशिथ फिरुन जूगी वरन प्योस	सदा शिव त्युथुय साँपुन युथुय ओस ।
सतुक समवाद छुय क्वदरथ करान नॅन्य	सतकि समवाद सुत्य छ्य कॅन्य गछन थॅन्य ।
सतुक समवाद छुय न्यत्रन अनान गाश	सतुक समवाद छुय पापन करान नाश ।
सतुक समवाद बूज़िथ शाद व ख्वश गव	सतुक समवाद गव सुय सत् सदा शिव ।
सतुक समवाद बूज़िथ मन च्चु ख्वश थव	शरन डीशिथ बन्यव जूगिस सदा शिव ।
शरन गछुन दिवान छुय आँर्यतन वर	शरन गछुन करान जीवस छु ईश्वर ।
शरन गछुन छु लूका लूक हवुन	शरन गछुन ख्यनस मंज़ मूख्य दावन ।
शरन गछुन करान छुय आत्मच ज्ञान	शरन गछुनु सुत्य हाविय शिवुय पान ।।

**59 असली शिव सौरूपकि जलालुक नज़ार**

ऐसे ऐसे रंग से सुनाया हल ।

कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।

गोरा गोरा तन को जोरा जोरा साफ	थोरा थोरा पाया पाया आया आया आप ।
धरनी धरनी आसन हरनी हरनी चाल	कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
मलके मलके भस्मा जलकती थी तन	जैसे जैसे होवेगा काली का मन ।
नन्गे नन्गे सिर को चंगे चंगे बाल	कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
जिनके जिनके देखने से बुद होवे धंग	नीचे नीचे कंठे में ऐसे ख्वश रंग ।
लालूँ कपालूँ का नागूँ का माल	कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
बनके बनके साधू बनके बनके वेश	सजके सजके आया आया जोगी का भेस ।
हाथ में गेरूँ का धरकर रुमाल	कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
माथे पे चंदन तिलक पे चाँद	देवता कारन सब हाथ बाँद ।
काला काला आँखें नशा से लाल	कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
जट मुकट का अच्छे अच्छे तौर	गेरू डुपट्टा का और ही रूप और ।
नन्दकेश्वर को चढकर संभाल	कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
नन्दकेश्वर भैरव साथ साथ	आगे आगे सुनावता था मीठी मीठी बात ।
बहती सिर से गंगा जमुना के नाल	कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
सेंकडें पत्ते पत्ते कमल के फूल	जिनके जिनके देखने से बुद होवे भूल ।
हाथ में त्रिशूल नाल नाल डल डल	कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
ऐसे ऐसे रंग से वह शम्भू नाथ	आया आया आँखें थीं पदम के पात ।
गौरी के सामने जगत रखिपाल	कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
दर्शन देके देके दिखलावे रूप	अमृत वर्षान ज्योति स्वरूप ।
कृष्णजी को दुख से छेड पापों से टल	कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।

**60 गौरी करन जूग्य वरन तबदील गछ्नुक नज़ारु बयान**

वुछुन जूगिस बन्योमुत ब्याख रंगा      खँसिथ ब्रेशबस वसान कलु प्यठ गंगा ।।  
सफेद व साफ न्यर्मल ज़न छु कोफूर      करोरन आफताबन हुंद तँमिस नूर ।।  
अथन क्यथ ह्यथ सु पम्पोशा त्रिशूला      पँरुन अदु दासु बावुच खासु लीला ।।

**61 शिव दर्शन प्रॉविथ दीवी करन अस्तुती**

ही शिव शंकरु परमेश्वर हर भस्माधर काल समहॉरी ।।  
अमरनाथकि अकाल अमर बो मरु च़ेय पथ ह्यथ सॉरी ।  
सुय जिन्दु मरुन छु दीवन ति अश्चरु भस्माधर काल समहॉरी ।।  
सतुच वथ हवुवुन छुख च़ु सतुग्वरु च़ुय छुख महा व्यचॉरी ।।  
च़ुय छुख प्रेशन च़ुय छुख व्वतरु <sup>1</sup> भस्माधर काल समहॉरी ।।  
च़ुय छुख माता पिता च़रच़रु च़ुय छुख बंद बांदव सॉरी ।  
च़ुय छुख पनुन च़ुय व्वपरु भस्माधर काल समहॉरी ।।  
च़ुय छुख वेशुणु रूपु महेश्वरु समसास्स आख अवतॉरी ।  
रख्यस गॉलिथ बक्ती कॅरुथ खरु भस्माधर काल समहॉरी ।।  
वीदुच शूबा छुख वेद्यादरु च़ु छुख वॉतिथ च़्वपॉरी ।  
क्रपा करतम छुम चोन आसरु भस्माधर काल समहॉरी ।।  
गंगायि गॅयायि प्रेयागु पोष्करु दर्मुक फल पापु न्यवॉरी ।  
च़ुय छुख दिवुवुन महेश्वरु ईश्वरु भस्माधर काल समहॉरी ।।  
न्यथ सुलि व्वथुहॉ पॅतिमि पॅहरु च़रनन लगुहॉय बो पॉरी ।  
दया करतम दया सागरु भस्माधर काल समहॉरी ।।  
महाराजु बॅनिथ यितम जटधरु सुतुय सुतुय ह्यथ खासु सवॉरी ।।  
दया करतम वरतम स्वयम वरु भस्माधर काल समहॉरी ।।  
शिवनाथन तोरु दोपनस बो ती करु यी दपुहॉम रजु कोमॉरी ।  
ख्वश रोज़ स्वखुसान गछ पनुन गरु भस्माधर काल समहॉरी ।।  
शेछ्य ह्यथ वातिय नारद मुनीश्वरु करुनावि खांदरुच तयॉरी ।  
यिमय तु निमथ हलुय गछिय सरु भस्माधर काल समहॉरी ।।  
कृष्णस प्रेयम चोनुय दिगम्बरु बक्ती चॉन्य छस सरदॉरी ।  
अवशद मंत्र ज़पि शडअख्यरु भस्माधर काल समहॉरी ।।

1. जवाब ।

**62 शिवजी सुंद ख्वश गँछि पार्वती सुत्य खांदरुक मशवरु करुन**

सदा शिवन दोपुस अज हद कोरुथ तप  
यछ अय छ्य त पख मे सुत्य वुन्यक्यन  
दोपुस तमि छम यछ हीमाल सुंद यिख  
दोपनस चोन सोरुय छु मे मंजूर  
यि फरमावख बो तथ कुन न्यथ थवय च्यत्  
बु सोजख सतु रेश्य अरुनदँती ह्यथ  
तिमन पतु अदु नारदजी बो सोजन  
चु गछ व्वन्य माजि मॉलिस माजरा वन  
बो छुस चै सुत्य चुय मे सुत्य छख न्यथ  
चु छख गौरी बु छुस शंकर छु क्याह ब्यन  
मे तु चै कँह तफावत छु कन थाव  
यिहोय नाव ज़पुवनिस स्वर्ग दाविय  
यिहोय नाव युस ज़पि तस कासु संकट  
बन्यामुच छख चु बोय बोय साँपनुस चुय  
बो छुस शिव-शक्ति रूपु वॉतिथ च्वपोरुय  
वँनिथ ती गव सदा शिव कोहि कैलास  
बनुन्य कृष्णस यिछ्य बक्ती यिथुय लोल

बो कोस्थस ख्वश स्यवह दफ क्याह गछिय दफ ।  
पकख नय अदु करुन क्याह गछि ती वन ।  
त्रिकूटी दिवताह ह्यथ मे वँरिथ निख ।  
बो छुस चै सुत्य सुतिय छुसनु कँह दूर ।  
सआवत छुम सआवत छुम सआवत ।  
मुकरर तिम करन तति खांदरुच कथ ।  
लदख शेछ्य तिम तसुंजु वॉनियि बोजन ।  
यि बूजिथ तिम लदन युथ हनि प्यठ हन ।  
यिहोय छुय सत यिहोय छुय सत यिहोय सत ।  
छु कोरुमुत कर्मुलॉन्य असि पयवंद ।  
छु गौरी-शंकरुय मे आसुवुन नाव ।  
यिहोय नाव ज़पि युस मूख्य प्राविय ।  
दया करुवुन दोह्य आसय तँमिस प्यठ ।  
चै तु मे फरक कँह छु छम पनुन्य द्वय ।  
येमिस मे द्युत तँमिस चै द्युतुथ सोरुय ।  
यमिय प्रेयमय यमिय लोलय दोह्य आस ।  
चु गौरी-शंकरुय छुख मॉज तय मोल ।।

1. मंजूर ।

**63 भवॉनी हुंद ख्वश गॅछि गुर वापस युन**

भवॉनी आयि अज़ जंगल बखानु महमाया स्व ऑसुय पननि पानु शिवस शक्तियि अज़लय म्युल गोमुत ओस बन्धव तस तपु सुत्यन तीज़ कोताह पकुन यामत ह्योतुय तमि गुर कुनुय कोरुय सादन हुंदिय सादन च़े प्रसाद वुछि मीनावॅती गॅयि वारियाह ख्वश प्रज़लवुन ओस तस कर्मुक स्वप्रकाश च़े ल्वक़चारु प्यव्य ऑसुय सतुच लय	वनय क्याह तप करुन ओसुस बहानु । छि त्रेशवय लूक तॅम्यसुंद अख निशानु । यिथय ज़ॉहिर ज़ादु <sup>1</sup> तप करुन प्योस । वनय कोताह कस्य व्वन्य कृसु कोताह । वुछि लूकव तॅमिस वोन डेशुवुनुय । च़े गौरी रज़ुकूरी आफरीन बाद । स्यवह हीमाल लोग तस करनि शाबश । कोरुख तस मरहबा शाबाश शाबाश । च़े बोयनय जय सदा शिवुन्य दया छ्य ।।
--	---

1. लूकन हवनु खॉतरु ।

**64 मीनावॅती तु हीमालुन्य गौरी हुंज अस्तुती**

प्रेयम ओसुय शिवु सुंद ज्यनु कालय ।

कस्य बो लोलु पोशन पोशु मालय । ।

दिचथ हरनि छललय लोलु डलय	सदा शिव पानु छेंडुथ बालु बालय ।
चै बालय पानु वेठ्योय बूलुबालय	कस्य बो लोलु पोशन पोशु मालय । ।
दखिन दीशुक चोलुय जलदुय मलालय	वरनि यियिय सदा शिव कमि हललय ।
चै ल्यूखुथ पानु रुत पनुने कपालय	कस्य बो लोलु पोशन पोशु मालय । ।
गनन छम प्रय वनन हुंघ पोश वालय	चै लागय पोश मिलविथ अरगु चालय ।
छ कृष्णुन्य पालना चाने हवालय	कस्य बो लोलु पोशन पोशु मालय । ।



**65 बक्ती करुन्य**

करुन्य बक्ती तोता च़ेय पस्म शक्ती      छ बक्ती च़ॉन्य बखत्यन नेक बक्ती  
छ बक्ती च़ॉन्य कासन स़ॉन्य सख्ती      छ बक्ती च़ॉन्य बखशन येति म्वक्ती ।।

**66 व्यसु करन गौरी हुंज अस्तुती**

हीमालु परबतुने गरि ज़ायख ।

आयख करुने ज़गि रखिपाल ।।

परमुशक्त परमु शिव छंडनि द्रायख	कर्म सुत्य सपजुख शिव-शक्ति रूप ।
भगवत माया बोज़नु आयख	आयख करुने ज़गि रखिपाल ।।
परमु आत्मु सिरियि मंजु ज्युत्याह द्रायख	प्रज़लुनि आयख समसास्स ।
यमि मंजु द्रायख तैथ्य मंजु चायख	आयख करुने ज़गि रखिपाल ।।
ज़गतुच माया छख फलु दायक	यस चुय दिख तस दियि शिवजी ।
सुय च़ेय लायक चुय तस दायक <sup>1</sup>	आयख करुने ज़गि रखिपाल ।।
वरने यियिय ह्यथ वयक्वठ नायक	वीगिस खसुनस छुय छयक <sup>2</sup> ।
मानुरेन्थ <sup>3</sup> पतिव्रता सीता द्रायख	आयख करुने ज़गि रखिपाल ।।
कृष्ण लोलु ताख सेतारु वायख	वाँनी भवाँनी च़ेय गछिय स्यद ।
स्वय करि नादु ब्यन्द बोज़नस लायक	आयख करुने ज़गि रखिपाल ।।

1. दाय तदबीर दिनु वाजेन्थ; 2. छेक, मुबारक; 3. यज़तदार (माननीय) ।

VVV VVV

## खंड 2: (ख) शिव पार्वती हंदि खांदरुच कथ बाथ तु बरौच हुंद बयान

### 67 शिवजी सुंद खांदरु बापथ पानु काँशी युन

रेश्या अख ओस ओसुस शिव सुंद बाव  
स्वेश्वर बोड तँपीश्वर कर्म वानुय  
यिथय पाँठ्यन दिवान छुय वीद साँखी  
बनास्स नाव काँशी हुंद छु मशहूर  
बसान युस आसि तति मूखी बनिय तस  
तिथुय वाँतिथ सतु रेश्य मंगुनाँविन  
अस्नदँती<sup>1</sup> बमय नारद मुनीश्वर  
छु तारक<sup>2</sup> नाम दुताह अख बजोरुय  
छि तस निशि दिवताह लाचार आमुत्य  
तिमन वोनमुत छु ब्रह्मा जियिनुय यी  
कँखि तप शिवनाथस बनि सनतान  
सु तारुक दर्मु कर्म निशि पेयि योत ताम  
बहाना जाँहिरुक युथ ह्युव वनुन प्यव  
गँछिहि हिमालसुय निशि तस वँनिव यी  
छु फरमावन यिथय पाँठ्य शिवशंकर  
यि बूजिथ सतु रेश्य अस्नदँती ह्यथ  
बोयिन जयजय च्चे हिविस बागिवानस  
चु छुख बोड कर्मवानुय बागिवानुय  
छु वीदुक आदि युस ओमकारुसुय मंज  
न्यरंजन न्यर्मल व न्यर्गवन न्यराकार  
महमायायि हुंद छुय कर्मलोनुय  
तिथय मीनावँती येलि बोजनाँवुख  
दोपुख हिमालनुय मंजूर मंजूर  
यिहँय कथ च्यत् थँविथ माँनिव दीवगत  
ह्योतुख र्वखसत तिमन निशि आयि काँशी  
यि कँछ आसि असि आँग्यन्या चाँन्य  
यि बूजिथ वारियाह ख्वश गव महेश्वर  
महदीवन दोपुस शेछ्य बोज थव कन  
वुछिथ वेला सँमिथ तिम हँजरी दिन  
यि बूजिथ द्राव नारदजी तुजिन दव

तँमिस छिय सूत पुराणिक वनन नाव ।  
मनस आँसिस खँनिथ अरदाह पुरानुय ।  
तपोवनु प्यठ आव शिवजी काँशी ।  
मह दीवस छु तमि दीशुक प्रेयम पूर ।  
सदा शिव पानु शिव लूकस अनिय तस ।  
तिमन साँरिय मनुक्य सिर बाँविन ।  
सपुन्य हँजिर तिमन वनुनि लोग ईश्वर ।  
तँमी न्युमुत छु दीवन राज सोरुय ।  
ब हर अतराफ<sup>3</sup> छि तप करनि द्रामुत्य ।  
छु रँजी तारकस प्यठ पानु शिवजी ।  
लँबिव राज अदु सुय हेयि तारकस जान ।  
शिवस सनतान गछि व्वतपत तोत ताम ।  
नतय नेशकाम न्यर्मल छुय सदा शिव ।  
अनन गौरी वनन यिथु पाँठ्य शिवजी ।  
कँखि गौरी शिवस सुत्यन स्वयंवर ।  
पकन गँयि वँनिख हिमालस हँकीकत ।  
सदा शिव पानु यियिय कनि दानस ।  
यियिय शिवनाथ हेयिय कनिदानुय ।  
यियिय सनम्वख सु चाँनिस दारुसुय मंज ।  
न्यराकूद व न्यरालूब व न्यराहार ।  
दियिय दर्शुन यियिय सुय गरु चोनुय ।  
स्यवह साँपुन प्रसन इकरार दाँवुख ।  
पुनिम चँद्रमु खोत मे पूर्य किन्य पूर ।  
मे द्युतमवु वाख तोह्य माँनिव सतुय सत् ।  
महदीवस दोपुख ही अविनाँशी ।  
अकुर्य कथ बूजिथय पानय तिमव माँन्य ।  
तिथुय हँजिर सपुन नारद मुनीश्वर ।  
गँछिथ वेष्णस तु ब्रह्माहस यि कथ वन ।  
त्रुकूटी दिवताह ह्यथ असि निश यिन ।  
पकन गव वेष्ण लूकस वाँतिथुय प्यव ।।

1. अरुणदती ; 2. रखिसु सुंद नाव; 3. प्रथ तरफ ।

68 नारद जी विषणु भगवानस शिवजी सुंज खबर वनान

हरे नारायणस लोग बावने हल ।

महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।

चु रामय रूपु किन्य सीतायि टोठ्योख  
च़े तुलुथ किसि प्यठ गोवर्दनुक बाल  
च़े लोलच थँन्य खेयथ जसुदायि निशे  
स्वदामनि अथु खेयथ सिस्चि चाल  
बनोवथन अकि सिर्य म्वछि सुत्य दँनी  
व्यनथ कँसनय दिहँस कोताह ज़रोमाल  
विभीषणस द्युतुथ लंकायि हुंद राज  
च़े बखशुथ बलिदानवस ति पाताल  
वछ्यन तय बालकन ह्यथ गव च़े ब्रह्मा  
चु टोठ्योख गूपियन छुय नाव गोपाल  
मँस्थि ऑस्य गॉमत्य दिवकीयि शे सनतान  
तिमन गंदर्ब साँपुन्य ही ज़गतपाल  
पँस्थि वेद्या ग्वसन दखिना मँजिय जान  
समंदरस फोटुम वँद्य वँद्य गँलिम लाल  
मनस येलि राग सनतानुक स्यवह गोस  
कोरुन असत्वत च़े कुन चुय छुख फिरन काल  
करनि लँग्य पांच पांडव चाँन्य पूजा  
स्वदर्शनु चँक्रु सुत्य मोरुथ शिशुपाल  
शंखास्वर दुथ मोरुथ शंख तस द्राव  
तवय बापथ दिचुथ पाँनिस अंदर छल  
छु कस ताकत वँनिथ हेकि चाँन्य चर्यत<sup>1</sup>  
वँस्थि छुख बालुकाह चँत्थि मूहन ज़ाल  
बनाँविथ रूपु ब्योन ब्योन प्रथ अँकिस सुत्य  
स्यवह शरमंदु गोसय युथ वुच्छि हल  
च़े खॉस्थि म्वखतु मालय म्वखतु कुलिय  
तिथय पाँठ्य वालि शिवजी रूदु कनि लाल  
वँरुथ यिथु पाँठ्य लँक्ष्मी ऑस तस प्रय  
करुन छुय वारियाह ख्वश तस ति हीमाल  
कुनुय छुख आसुवुन छिय लछु बँद्य नाव  
अबीदु बक्त बखशिथ तस दुय गाल

चु कृष्णय रूपु किन्य राधायि टोठ्योख ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
चु रुदुख बावु सुत्य क्वबजायि निशे ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
दोयमि म्वछि अथु रोदनय रुखमँणी ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
कलस प्यठ च़े थोवुथ सुग्रीवसुय ताज ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
बनाँविथ तिम तिथिय तस कँरुथ ख्यमा ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
अँनिथ दितिथस दिलुक कोड्यस च़े अस्मान ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
गछ्यम द्युन मूदमुत अँनिथ मे सनतान ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
अँनिथ तमि रूपु द्युतथस युथ तँमिस ओस ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
स्यवह गव रँशुक राजन क्याह यि शूब्या ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
छु यथ शंखस च़े थोवमुत पञ्च जन्य नाव ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
शुराह सास ऑठ अख ह्य<sup>2</sup> त्रुयि<sup>3</sup> वर्यथ ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
कुनुय ऑसिथ च़े देह करान ओसुख कुत्य ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
मँजिम्य यॉर्य राधिकायि हुंद कुत्य तुलिय ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
तिथय पाँठ्य शंकरस गौरी वरुन्य छ्य ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।  
सदा शिव रूपु कृष्णस दर्शनाह हव ।  
महारजा महादीवुन च़े छुय साल । ।

1. चस्त्रि ; 2. 16000+8+100=16801; 3. जनानु ।

**69 बरँच हंदि इतिजामु बापथ विषणु तु ब्रह्माजियुन त्रुकूटी दिवताह ह्यथ शिवजियस निशि युन**

यि बूजिथ वेष्णु जी ख्वश स्यवह गव  
अँछव किन्य अँस्य पकव हरशस थँविथ मन  
गँडिथ गुल्य द्राव नारदजी यिहँय कथ  
खबर नारदजियन कँर जायि जाये  
खँसिथ गरुड्स मुरँरी कँर तयँरी  
गँडिथ गुल्य कोरुख शिवनाथस नमस्कार  
महादीवन दोपुख नारद मुनीश्वर  
गँडिथ वोन नारदन हीमालसुय यी  
पकन छ्य मे पतय तसुंजुय सवँरी  
यि शेछ्य बूजिथ बजोवुन शॉदियानु  
मुवॉफिक आव मे दौरि जमानु  
सदा शिवस निशे नारद मुनीश्वर  
पँकिव हीमाल सुंद कँ ह छु कांह तॉर  
खबर बूजिथ सपुन्य तयार सँरी  
वुछिथ लँगना गृहुद्य बीठ्य प्यठ कँ दस्स  
सदा शिव द्राव ह्यथ त्रेयलूक सोरुय  
खँसिथ गरुड्स चोतुर्बुज श्री नारायण  
करान आँसिस तोता गंधर्व सँरी

वननि लोग सोन सॉमी छुय सदा शिव ।  
चु गछ ब्रह्माजियस वन सुत्य तस अन ।  
वँनिन ब्रह्माजियस आव सुत्य सुय ह्यथ ।  
त्रुकूटी दिवताह बूजिथ ति आये ।  
शिवस निशि ह्यथ आव आदि दीव सँरी ।  
छ क्याह असि आँग्यन्या सँरी छि तयार ।  
ग्वडन्य शेछ्य ह्यथ गँछिन तोत ती छु बेहतर ।  
त्रिकूटी दिवताह ह्यथ आव शिवजी ।  
तयँरी कर तयँरी कर तयँरी ।  
वजान ओस जाबजा नकार खानु ।  
बँनिथ महाराजु यियि शिवनाथ पानु ।  
सपुन हँजिर दोपुन तस ही महेश्वर ।  
वुछुम तस वारियाह ह्यमथ स्यवह दॉर ।  
सवँरी आँस दीवन हँज च्वपँरी ।  
स्यदथ आयि यूगनी ह्यथ मीठ्य दिथ तस ।  
लछन हुंघ लछ करोस्न हुंघ करोरुय ।  
पकन अमर्यत छकन और शंख वायन ।  
हरे गोपालु गोवर्धनु दँरी । ।

1. धैर्य ।

**70 दिवताह, यँजमन विष्णु सुंज अस्तुती करन**

तेवन चुय छुख बक्ति बावस      श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस ।  
रामु रामु रामु रामु रामु नावस      श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । ।  
सासुम्बखु गीत छुय ग्यवान शीशनाग      रात दन मे ऑस्यतन चोनुय राग ।  
जनक राजु चे करुनोवथन त्याग      राजु भरतहरियस द्यतुथ वौराग । ।  
यूगु किन्य टेठ्योख बसंतु कावस      श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।  
ही शिवु केशवु छुस बु चोन दास      शिवु रूपु बसुवुन छुख कैलास ।  
रामु रूपु लंकायि करुवुन डस      कृष्णु रूपु किन्य छुख खेलान रास । ।  
तार दिम मूहनिस देरियावस      श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।  
कति थँव्य समयन कैमिस ज़ोर      रुद कति रावनस त्युथ दौरि दौर<sup>1</sup> ।  
कति रुद्य लंकायि बाह शथ पोर      अज तान्य समसार कस द्राव सोर । ।  
कैम्य दीप प्रजुलोव मंज वावस      श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।  
शंखु मंजु शब्द त्रावनस लगुयो      बोजुवुन्यन मूख्य दावनस लगुयो ।  
नाशु रँस्तिस यावनस लगुयो      असुवुन म्वख हवनस लगुयो । ।  
लगुयो सतुकिस स्वबावस      श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।  
सर्वु व्यपक छुख मंज मनस      कृष्णु रूपु दौस्थि मंज वनस ।  
कलु ह्यथ वामनु जीव मनस      आश्चर चे होवुथ अरजनस । ।  
चानि बक्ती हुंद छुम हावस      श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।  
रामु चँदु शीतल छुय स्वबाव      चँदु चूडु सिरियि ह्युव दर्शुन हव ।  
पुनिम दोह शिव आरती करुनाव      कृष्णस शिवु लोल त्युथ गँनिराव । ।  
युथ पार्थी करि दरि मावस      श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।

1. दुनियावी शान शौकत ।

**71 रज़दान सॉबनि तरफ़**

कलन छुस ज़्यव डलन छम छुय सतय सत्  
समेमुत्य ऑस्य सालर वनय क्याह कुत्य  
महाप्वर्शुन महादीवुन महतम  
असंज लीला कठिन गॉमुच छ दीवन  
वनय क्याह मूर्ख बावा युथ वनुन छुय  
ऑनिस ख्वनुवट सुत्यन ख्वड खनुन छुय  
यिथिस कुलिसुय छु कति त्युहुर तु कति मूल  
कलन छम ज़्यव डलन छम ब्वद वनय क्याह  
कृष्ण ह्यथ सुत्य ग्यववुन तँम्यसुंदी गीत  
मनस मंज जाय करु तँम्यसंजि माये  
कृष्ण म्वखु वनिमुचय लीलायि बूजिव  
सोसिव तिम यिम न्यराकारन कँसिन कार  
सँभिव सॉरिय यिहोय मंडुल बनाँविव

छु कस ताकत सु करि यिथि खांदरुच कथ ।  
सदा शिव ओस क्युथ कम ऑसिस सुत्य ।  
वनुन द्वर्लब मै ब्वद किथु पॉठ्य वात्यम ।  
वनुन्य पज़्या स्व अदु मूर्खन तु जीवन ।  
फकत शिवनाथु सुंद नावा वनुन छुय ।  
यिथिस रूपस अंदर वावा वनुन छुय ।  
करन छुस म्वखतसर युथ छुम गछन तूल ।  
परय लीला करय व्वन्य कसु कोताह ।  
छु मायातीत सुंद खांदर वनुन हीत ।  
पँसिव लीलायि तय तँम्यसंजु तोताये ।  
बँसिव शुर्य-बाँच ह्यथ स्वखुसान रुजिव ।  
स्यवह ख्वश गछि दियि बवुसागसस तार ।  
दर्मार्थ काम मूर्ख्य स्वखुसान प्रॉविव ।।

72 मीनावती हुंद बरात वुछि नाराज गछुन (रजदान साँबुन पनुन इजहार)

सदा शिवु साँमियो छुस बक्तु ह्युनुय  
 दया दर्मस कुन केँह ति छुम नु माँलय  
 अहंकारन बनोवमुत ग्वनु रोस्तुय  
 मलिन वस्त्र गँडिथि छिम छुसनु श्रुचुय  
 पश्यन हुंद पौठ्य ख्वश ख्यथ च्यथ श्वंगन बो  
 शमन छुसनु लमन छुस लूबसुय कुन  
 स्यवह छुम मद तु छमनु वासना श्वद  
 न ज्ञानय पारथी पूजा न तोता  
 न ज्ञानय जप करुन स्वरुन नु नावुय  
 न पर्यमुत्य शास्त्र न छिम प्वरानुय  
 र्थेविथ व्रत छम मनस आसान ख्यनुच कल  
 म वुछ मे कुन उमापँती ख्यमा कर  
 खबर चे छ्य ब छुस अन्तरबह<sup>1</sup> क्युथ  
 म्वट्योमुत छुस स्यवह छुस मूर्ख नादान  
 खबर केँह छमनु यि मामस बन्योव कथ  
 अँदुर्य किन्य छल मारान छुस च्वपौरी  
 न्यँबुर्य तन्यर अँदुर्य सौरुय म्वचर छुम  
 तिछ्य कामुच मे छ्य न्यँत्रन अंदर जाय  
 असत वाँनी वनान छुस छुम ड्लान मन  
 च्चु ज्ञानन वारु छुख मन म्योन क्युथ छुय  
 गर वनन छुसय न्यरग्वन न्यराकार  
 गर वनन छुसय छुय नु चे कांह रंग  
 गर वनन छुसय न्यर्लूब नेश्क्रय  
 गर वनन छुसय खँटिथि रँटिथि वन  
 गर वनन छुसय ओमकारकुय ब्यन्द  
 गर वनन छुसय छुख आत्मा प्रान  
 गर वनन छुसय अगूर स्वछ्यन्द  
 गर वनन छुसय बँड छ्य चे दया  
 गर छुय वैष्णु रूपय किन्य मुकटा  
 बो छुस द्धन त्रन अन्दर गोमुत व्वदौसी  
 चे कुस ज्ञानिय च्चु छुख क्युथ ह्युव न्यराकार  
 वनय क्याह वाँत्य येलि नँजदीक यकबार  
 तिथय अदु पंचजन्य<sup>3</sup> नवम शंख वोयुन  
 शब्द बूजिथ स्यवह ख्वश गँयि साँरी  
 तिथय मीनावती गँयि वारियाह ख्वश  
 खँसिथ तथ प्यठ दोपुन नजर पिल्यम दूर

बन्योमुत पापु शिला जड तु च्युनुय  
 क्वचौली छुस क्वचौली छुस क्वचौली  
 मोह आँसिथ मूहन कोस्मुत बु होस्तुय  
 फकत इंद्रेय स्वखुच छम वारु रुची  
 मशन छुम सत् देहुक स्वख छुस मंगन बो  
 छनन त्रेशना तवय छम ख्युबसुय कुन  
 गछि किथु पौठ्य स्यद मे छमनु तिछ ब्वद  
 न ज्ञानय आरती न श्रान संद्या  
 न ज्ञानय तप न ज्ञानय बक्ति बावुय  
 वुछि लूकन कुनुय छुस व्रत दरानुय  
 खसन छुम कूद छम आसन पतय लल  
 च्चु वुछ पनुने दयायि कुन दया कर  
 च्चु छुख युथ त्युथ नमस्कार आँस्यनय त्युथ  
 तवय ज्ञानन बु छुस छुम मामसुक पान  
 खबर केँह छमनु छम किथुपौठ्य व्वतपत  
 न्यँबुर्य किन्य छुस दपान प्रारब्द सौरुय  
 म्वचर छुम तय ख्वचर छुम तय ख्वचर छुम  
 नजर यामथ दिवान छुस छम गछन राय  
 अपुज पोज बूज्य बूजी छुस थवान कन  
 च्चु छुख युथ त्युथ नमस्कार चे त्युथ छुय  
 गर वनन छुसय शोम्भू जटधार  
 गर वनन छुसय कोफूर छ्यि अन्ग  
 गर वनन छुसय छ्य बावुचिय प्रय  
 गर वनन छुसय पानय च्चु हन हन  
 गर वनन छुसय नय ग्वड नय अन्द  
 गर वनन छुसय यूग तय ज्ञान  
 गर वनन छुसय बे मिसल व मानन्द<sup>2</sup>  
 गर वनन छुसय केँह छुयनु परवा  
 गर छ्य शिवु रूपय किन्य चे जट  
 कुनुय छुख आसुवन कैलास वाँसी  
 च्चु छुख युथ त्युथ त्युथुय बोयनय नमस्कार  
 हरे नारायणस बोयनय नमस्कार  
 शिव शोम्भू वँनिथ श्वबु शब्द लोयुन  
 वननि लँग्य वाँच शिवनाथुन्य सर्वाँरी  
 लर्यव खोत थोद वुछुन बन्गालुकुय<sup>4</sup> पश  
 वुछन क्युथ आसि शिवजी छुम प्रैयम पूर



यियम महाराजु क्युथ राजु कोमारे  
 लगस अथ म्खतु जँपानस लगस बो  
 लगस क्यमख्वाबु क्यन जामन लगस बो  
 यिथय पॉठ्यन गनन ओसुस प्रेयम बाव  
 गँडिथ गुल्य तस वननि लँज ही मुनीश्वर  
 वनतम श्यामु रूपय कुस छु ज़ोतन  
 खँसिथ गरुडस छनिथ छस लालु मालय  
 न्यँत्र पम्पोश छिस छुय तीजुवानुय  
 यिहोय महाराजा मा छुम वारु वनतम  
 दोपुस नारदजुवन लँक्ष्मी नारायण  
 सतोगवन छुस स्यवह कासन छु संकट  
 यिहोय छुय प्रथ खगु अवतार दारन  
 अँमिस यूगी ग्याँनी द्यान दारन  
 छु बखशन परमगत संकट छु हारन  
 यिहोय शिवनाथु संज सुमरन फिरन छुय  
 दोपनस बेयि ही नारद मुनीश्वर  
 यि वनतम कुस छु ह्यथ गंदर्व लूखुय  
 खँसिथ हम्मस गँडिथ व्वजुल्य वरन छुय  
 दोपुस नारदजुवन शेछ्य बोज़ कन दार  
 अँमी व्वपदोवमुत समसार सोरुय  
 दोपनस बेयि छुम शिवनाथु सुंद लोल  
 यि वनतम छ्य कसंज रथु सर्वाँरी  
 स्यवह छुय तीजु स्वसतय तीजुवानुय  
 यि महाराजु अस्यम ख्वश कर्यम मन  
 यि कर्मुक गाश छुय दर्मुक निदानुय  
 अँमिस छि सिरिथि भगवानुय वनानुय  
 यिथय पॉठ्य हँव्यनस वँन्य दिथ च्वपॉरी  
 दोपनस बेयि वनतम छम यछ यी  
 छु सादा अख यिमन मंज कमि हलय  
 असुंद म्ख कासुवुन द्वख गालुवुन व्याद  
 ग्वसोन्या नॉल्य छनिथ कमि हलय  
 यि तन ज़ोतन स्यवह छस छुय मँलिथ सूर  
 अंगन बसमा अमखूता मँलिथ छुस  
 खँसिथ ब्रेशबस असाँवुन न्यथ लसुवुन  
 कँस्थि वनुवासुचिय सँन्यासु चाला  
 छु मसताना कुन्युक छुसनु खयाला  
 यि मारन आसि छलय बालु बालय  
 दोपनस तँम्य च़े छ्यि दनबाग्य कन थव

ख्वने त्रॉविथ लगस रथु सवारे  
 लगस महाराजु सामानस लगस बो  
 लगस अँतलासु पॉजामन लगस बो  
 तिथय नारद मुनीश्वर तस निशे आव  
 यिमन मंज कुस छु हावतम शिव शंकर  
 मुकट दिथ हटे छुस कौस्तबु मन  
 वँलिथ छुसना पीताम्बरुक दुशालय  
 मे अँम्यसुंद म्ख वुछिथ छुय द्वख च़लानुय  
 गँनिथ छम यछ स्यवह वँनिथ पछ मे अनतम  
 यिहोय छुय पंचजन्य नवम शंख वायन  
 ब्रगुन्य लथ छस ब्रगुलता वछस प्यठ  
 रछन बक्त्यन द्वाच़ारन छु मारन  
 छु जयजयकार असुंदन श्वबुकारन  
 दिवन म्वक्ती कठ्नि बवुसर छु तारन  
 शरन गँडिथ स्वसन तसुंदी च़रन छुय  
 म कर जलदी मे सुत्यन अख गँराह बर  
 म्खव च़ोरव परान छुय वीदु श्रुखुय  
 अथन च़वन ह्यथ च़ोतुस्वीदा परन छुय  
 यि छुय ब्रह्मा जी बोयनस नमस्कार  
 असुंजि वॉनी निशे द्रायि वीद च़ोरुय  
 मे सोरुय हावतम व्वन्य युथ च़ल्यम होल  
 यिवान छुय सुत्य ह्यथ बालक च़वपॉरी  
 मे अँम्यसुंद दर्शुनुय छुय ख्वश यिवानुय  
 दोपुस नारदजुवन वनय च़ु थव कन  
 यि प्रेत्यख्य दिवताह छुय तीजुवानुय  
 यिहोय छुय परमु शिवुन रथुबानुय  
 दर्मु राजु बमय इंद्राजु साँरी  
 अँछव वुछिहँन छु क्युथ महाराजु शिवजी  
 हँटिस प्रथ तरफ़ गँडिथ सरफ़ मालय  
 यिहोय गव साद छिस पम्पोश हिव्य पाद  
 यिथिस न्यर्मल रूपस कलु मालय  
 सफेद व साफ न्यर्मल ज़न सु कोफ़ूर  
 गजु च़रमा तु सुह मुसलाह वँलिथ छुस  
 ननन छुम मंज वनन आसिय बसुवुन  
 छु सूस्स सासुय तल खासु लाला  
 स्यदा सादा विस्तु बूलबाला  
 यि वनतम किथु पॉठ्य आमुत छु सालय  
 पयस वॉच़ुख यिहोय क्याह गव सदा शिव

यिहोय शिवनाथ छुय महाराजु चोनुय  
यिहोय सँन्यास आसान कोहि कैलास  
यि बूजिथ प्योस मातम गोस हला  
दोपुस तमि तोरु नारदजुवु यि क्याह गोम  
यि कँम्य योछनम यिथुय महाराजु यियिनय  
योछुम कँम्य बखुच सुत्यन व्यचार रुजिन  
योछुम कँम्य संघायि सुत्यन श्रान रुजिन  
योछुम कँम्य श्रदायि सुत्यन ग्यान रुजिन  
योछुम कँम्य कायायि सुत्यन प्रान रुजिन  
दिचुन अदु बाख लँजिस लूक् पामन  
दमन मंज वुछ बनन क्याह व्यवहारस  
सँमिथ पोह्यरेनि<sup>1</sup> यिमु आसु वनुनावान  
सपुन्य हँरान साँरी युथ वुछ्छि हाल  
म वद कर ब्वद गँयख च्य कथ खयालस  
यछ्र गँयस कोरुन यिहोय लिबासुय  
यिथिस लछ नावुसुय छिय लछ्छँद रंग  
यि शोम्भू छुय स्वयंभू छुस शिवुय रूप  
सिरियि अँम्यसुंदि तीजुक अख जुचा छुय  
यिथय पाँठ्य येलि हीमालन दोपुन तस  
छु फरमावुन तुहुंद सोरुय सतुय सत  
महाराजस पज्या दारुन वरुन युथ  
यि गँर छ्य सारिनिय शूबायि सानुय  
दँपिव योदवय तोमुल दान्यस छु नेरुन  
यि गम येलि बोजुनोवुन ज्यूठ तय कूठ  
यिथय पाँठ्य सारिवुय ब्योन ब्योन वौनुख तस  
खबर दीवीयि गँयि रूदुस नु कँह होश  
पकन गँयि माजि निशि तस वननि लँज्य यी  
जगत कुनि ओसन तथ ब्रौठ यिहोय ओस  
छु कस ताकत महतम वनि अँम्यसुंद  
यिथिस आकाशुसुय वीदस ति गव ज्यूठ  
यिहोय बेरंग छुय प्रथ रंगसुय मंज

छु चानि कोरि हुंदुय कर्मलोनुय  
छि साँरी अँम्यसुंदन दासन हुंद दास  
वनन क्याह छुख च्य युथ वनुन बु चाला  
ग्वसोन्या ह्युव यि क्युथ महाराजु यिथ प्योम  
ग्वसोन्या राजु क्वमारे चै नियिनय  
योछुम कँम्य रेह सुत्यन नार रुजिन  
योछुम कँम्य दयायि सुत्यन दान रुजिन  
योछुम कँम्य वेद्यायि सुत्यन मान रुजिन  
योछुम कँम्य दासनायि सुत्यन दान रुजिन  
मलनि लँज्य खाक वॉलिन चाक जामन  
सपुन मातम सराया राजु दासस  
वुठ्न ब्रेड्य कँड्य कँड्य गँयि अथ हवान  
लौगुस अदु बोजुनावनि कूत हीमाल  
जगत ईश्वर छु आमुत पानु सालस  
मौलुन अथ नूरु रूपस सूरु सासुय  
चै अकुय रंग ड्यूठुत यँच गँयख तंग  
यिहोय छुय प्रजुलावान सतुवय दीप  
समंदर सथ असुंज अख क्वलकृचा छुय  
दोपुस तमि तोरु ही साँमी कँखि बस  
मे छुम फेरान यि छ्य ना खांदरुच कथ  
ग्रेहसत्यन लूबु स्वसत्यन छुय खरन युथ  
तवय लूकन वुछ्छि छस मंदुछनुय  
मे वुन्यक्यन पछ यियमनु छुम यि फेरुन  
वँथिथ हीमाल गव अदु लबि कनि ब्यूठ  
कँमी गँयसनु कँह कूदस त ख्यूबस  
महदीवन्य प्रेयमन तस द्युतुय जोश  
च्य क्याह ज्ञानख कँमिस प्यव नाव शिवजी  
त्रुग्वनु रूपा करुन यछ्रयि पुछि प्योस  
कठ्यन ब्रह्माजियस गोमुत छु अँम्यसुंद  
खँसिथ ह्योर सुति अँकिस बेरि प्यठ ब्यूठ  
यिहोय सादन हुंदिस सत् संगुसुय मंज

1. अंदर -न्यबर ; 2. पूर्ण आनंद; 3. विषणु सुंदि शंखुक नाव; 4. बंगालु = मकानु; 5. वनवन वाजिनि ।

**73 पार्वती छ मीनावती शिवजी सुंदर सिपथ बाँविथ समजावान**

परम शक्ती वरुन परमेश्वर हय ।  
यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।

ब्रह्मा रूप आसुवुन वीद सागर हय      वैष्णु रूप दाखुन जगि अवतार ।  
शिव रूप राखिसन दिवुवुन वर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
यिहोय चूरि निवुनावुवुन सीतायि हय      यिहोय लंकायि हय करुवुन डस ।  
यिहोय राम लक्ष्मण श्याम स्वंदर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
पांचन पांडवन हुंद ईश्वर हय      यिहोय अरदाह अख्यूहिनी गालुवुन ।  
यिहोय कृष्णजुव मुस्ली लनोहर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
करता अकरता अन्यथा करता      बाँवी असुंजुय छ्य यछ ।  
अगम्य अपार दिगम्बर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
प्रह्लाद बक्तिस यिहोय पालुवुन      मद निशि वालुवुन हसन कशपस ।  
नरसिंह जी यिहोय नरमदीश्वर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
पाताल वराह रूप प्रैथवी खाखुन      हसनाख्य दुतस यिहोय माखुन ।  
गज्यन्द्रस म्वकलावुवुन हँरी हर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
म्वक्त करुवुन यिहोय मुक्तीश्वर हय      यिहोय द्रुव रजुन गूपीनाथ ।  
अटल पदवी बख्शुवुन विश्वेश्वर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
मछि<sup>1</sup> अवतार छुय ग्यान वपुदावुवुन      राजु प्रैथि भरतस प्रलय हवुवुन ।  
कलपांत अँम्यसुंद ख्यनुमात्र हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
कृम<sup>2</sup> रूप समंदर छुय मंदुनावुवुन      च्वदाह रत्न दावुवुन बाँगराँविथ ।  
अथि ह्यथ अवशद दानवंतर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
वामनजी यिहोय गंगाधर हय      राजुबलसुय<sup>3</sup> दात कडुवुन नाव ।  
यिहोय पानु आसुवुन सुर त असुर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
अँम्यसुय सादन हुंद प्रनाम हय      भार्गव राम हय यिहोय आसुवुन ।  
खँतरस गालुवुन ह्यथ तबर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
बदु रूप दाँरिथ न्यँदुर छुय त्रावुवुन      जगि निशि थावुवुन राखिसन पथ ।  
यिहोय दनु दिवुवुन दामोधर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
गार्गी अवतार यिहोय दाखुन हय      अदमी माखुन तथ कालस ।  
दर्म बँडुवुन वेद्याधर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
यिहोय वैष्णु भगवानुन सत्ग्वर हय      पोशि कनि लोगनस त्रेयुम न्यँत्रुय ।  
राम सुंद पूजनीय रामेश्वर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
कालस जालुवुन भस्माधर हय      तवय नाव दोपहोस कालु समहार ।  
यम राजस अम्यसुंज थरु थरु हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
यूगन जेनुवुन यूगीश्वर हय      च्यत बद मन प्रान यिहोय आत्मा ।  
यिहोय अन्दर हय यिहोय न्यबर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
अमरनाथुक यिहोय अमर हय      अयोध्या द्वारिका यिहोय पुष्कर ।  
यिहोय नैपाल काँशी काश्मर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।

## Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

---

पुष्पदंत रूप छुय मूखी दावुवुन      यिहोय वनुनावुवुन महिम्नापार ।  
यिहोय आनंदगन नन्दकेश्वर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।  
हनि हनि मंज यिहोय चराचर हय      कृष्णस वनुनावुवुन लीला ।  
थापना अँम्यसंज हृदयुक मंदर हय      यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।

1. मत्स्य रूप; 2. कूर्म रूप; 3. राजा बली ।

**74 मीनावॅती हुंद पार्वती प्यठ नाराज गछुन तु नारद जियिन्य शोम्भू जियस प्रार्थना करुन्य**

यिथय पॉठ्य पार्वतीयि शिव लीला  
वोन कोताह महातम तस वनय क्याह  
मन्दछ छ्य नय वनान छख ओर तय योर  
अँछ्व वुछनय छख वनान बँड दँलीला  
चपाथा तस दिचुन छ्य वारिया शर्म  
सपुन शर्मन्दु गौरी युथ वुछिथ हल  
महादीवुन महातम बोझि सुय पूर  
व्वलँगित रोझि सुय मायायि जालय  
सफेदस प्यठ लगान छिय वारिया रंग  
शेरीस्स छुय पतवलाकँन्य बनान सूर  
तिथय नारद जुवन येलि वुछ यिहोय रंग  
सदा शिवस निशे दवन दवन आव  
छ खसु त्वहि आसुवन्य मीनावॅती हश  
यछन आँस जान महाराजा यियम ना  
कुनिय छिवु तोह्य तुहुंज माया प्रजा  
मंदछ येम्य त्रॉव तँम्य गथ प्रॉव बेशक

कनन मातायि कँसनय बँड दँलीला  
दोपुस तमि यी पज्या वनुन च़े वाह वाह ।  
चु छख गछु कूर मे निशि दूर गछु दूर  
असंज ब्रॉठ्य बनेमुच़ छख वँकीला ।  
यिवान कँह छुयनु अँछ तँल्य छख स्यवह नर्म  
यि क्याह बोज्यम अँमिस वोलमुत मूहन जाल ।  
अहंकास्स बन्योमुत आसि यस सूर  
प्रेयन यस परमु शिवनि सरफ़ मालय ।  
सफेदी मानि सुय युस ज़ानि सत्संग  
बस्मु तस प्रेयि युस रोझि देह निशि दूर ।  
वँथिथ गव पकनि लोग साँपुन स्यवह तंग  
व्यनथ कँसनस प्रबू अर्जस चु कन थाव ।  
वुछिथ स्व मूर्खु बोझ किन्य गँयि नाख्वश  
वँस्थि सुय राजु कोमारे नियम ना ।  
दुय तस बासि यस आसि लूक लज़ा  
चु कँमिस मंदछख छुख सर्वु व्यपक ।।

75 महाराज रूपस मंज यिन खॉतर नारद जियिन्य शोम्भू जियस कुन प्रार्थना

लजायि रस्ति प्रजाये ।

अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।

कुस छुय दौयुम कस मंदछ्ख	न्यर्मल मनु किन्य छुयनु शक ।
ग्वन चॉन्य नु गंजस्नु आये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
बालक अवस्था छ्य चै न्यथ	छुय बूलु बालु नाव सत ।
जयजय छु यिछि दयाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
न्यस्लूब मूह छुय गोलमुतुय	आश्चर चै काम छुय जोलमुतुय ।
ऑसिथ युथ तीज उमाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
व्यस्त <sup>1</sup> वस्त्र छिय नॉल्य	फेरान चुय छुख बाँल्य बाँल्य ।
कुस ज्ञानि छुख कथ शाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
न्यथु ननि अमरनाथ छुख	वस्त्र त्रॉव्य तँम्य येम्य लोबुख ।
नालमँत्य करि पृतमाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
पस्म शक्ति स्वस्तु बूलुबालय	नॉल्य छुन्यथ कलुमालय ।
मसतानु बे पस्वाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
नव निदानु छुय दनु पूर	आश्चर ति त्रॉविथ मोलुथ सूर ।
वोलनख नु मूह मायाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
ब्रेशबस खँसिथ बस्मा मोलुथ	गजु चम तु सह मुसला वोलुथ ।
ख्वश गोय यी यछये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
मुकट कनि छ्य जट	नाव प्योय संकट कट ।
जट मुकट गंगाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
महाराजु आयोख बँनिथुय	कस फोरि कुस हेकि वँनिथुय ।
मीना चै वुछिने द्राये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
ब्रेशिथ चै गँयि ख्यूबस अन्दर	हावतस त्युथुय रूपा स्वंदर ।
युथ लगिहिय पोत छये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
हम्सु नादु प्यठ सहाये	रोजु त्राव हम्सुन साये ।
हमसा <sup>2</sup> मे छम हमसाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
कृष्णस त्युथुय दित दर्शुनुय	युथ बासिहेस त्रुबवन कुनुय ।
त्राविहे लूक् लजाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।

1. विस्त; 2. खाहिश ।

**76 शिवजी सुंद महाराजु रूपस मंज युन**

यि लीला बूजिथ ख्वश गव महेश्वर  
 छु सोरुय वनुनुय चोनय मे मंजूर  
 समु द्रेश्टी वनय क्याह छ मे किछ हिश  
 वनन वनन नजर नारद जुवन त्रॉव  
 स्व माया यथ दपन वेशु<sup>1</sup> रूपु दर्शुन  
 करोरय सिरियिकुय तीजा बनोवुन  
 परम् शिवन पनुन प्रचन्द्र त्रोवुन  
 थँविव तोह्य बोजुवन्यव वारु दानुय  
 कुनुय सिरियि वुछुन छुन बनानुय  
 करोर येति आसि क्युथ तति आसि प्रकाश  
 बो क्याह वनु अदु सु महाराजा बन्योव क्युथ  
 ड्लान छम ब्वद वनय क्याह मॉजि बदल  
 वुछिथ नारद जुवन कोरनस नमस्कार  
 कुनुय ओसुख मनस येलि गोय चै यकबार  
 अँकिस ख्यनु मात्रस मंज सोर समसार  
 बनॉविथ पांच कारन शकलि ओमकार  
 दयालू दय चु छुख छ्य बावुचिय प्रय  
 व्यनथ छ्य बैयि चै यी ही म्रेत्यनजय  
 असन असन पकनि अदु लोग सदा शिव  
 वुछिथ मीनावँती साँपुन खबरदार  
 बन्योमुत राजु पोत्राह तीजुवाना  
 सु महाराजा सु साजा राजु चाला  
 सु जॉपाना सु सामाना व्यमाना  
 महाराजस वुछिथ युथ तीजुकुय म्वख  
 वनुनि लँज्य क्याह मनुक मे द्रावु तमना  
 वनन वनन यिथय पॉठ्य गँयि हश्शस  
 चै युथ हँशीश्वरो हश्शस बो कँस्थस  
 असन असन दोपुन तस ही मुनीश्वर ।  
 बराबर छुय मे निशि नूर तय सूर ।  
 यिहोय छुय बुरजु तय क्यमखाब मे निश ।  
 महदीवन महमाया पनुन्य हँव ।  
 सु दर्शुन यथ दपन अमर्यत वर्शुन ।  
 परम् ब्रह्मन पनुन प्रकाश होवुन ।  
 करोरुक तीज यकजा मिलनोवुन ।  
 कँखि ब्वद च्यत थँविथ सत् छुस वनानुय ।  
 न्यत्र यथ दर्शनस छिनु दरानुय ।  
 वुछिथ कुस हेकि यथ कस आसि त्युथ गाश ।  
 यिथिस परिवारसुय युथ शूबिहे त्युथ ।  
 शफक<sup>2</sup> आव ब्यूठ तस तति पादन तल ।  
 चु करता सारिकुय छुख ही न्यराकार ।  
 स्यवह बनहँ त दिमुहँ ज्यूठ व्यसतार ।  
 कोरुथ व्वतपत यि क्याह तॉजुब छु युथ कार ।  
 चु छुख परामत्मा मंजबाग म्वखतार ।  
 चै बोनय जय चै बोयनय जय चै बोयनय ।  
 वुछन वाल्यन तिछ्य अँछि दितु वुछिनय ।  
 वनय कोताह प्रचंड परखतस प्यव ।  
 नजर त्रॉवुन वुछुन शोम्भू जवधार ।  
 बैस्थि तसुदि तीजु सुत्य आमुत जहना ।  
 छु कस ताकत तम्युक करि अख खयाला ।  
 छु कस ताकत तम्युक वनि अख निशाना ।  
 चौलुस द्वख तस बन्यव परम आत्मुक स्वख ।  
 यि छ पोज किनु वुछुम मायायि सोपना ।  
 गृहुद्य साँरी कँद्रु बीठिम मे वरशस ।  
 चै आनन्दीश्वरो आनन्दु बैस्थस ।।

1. विश्व रूप; 2. लोसवुनि सिरियुक वज्रजार ।

77 मीनावेंती शोम्भू जीयिन्य तोता करन

मे गम कोसुथ दिगम्बरय ।  
पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
प्रेयमय चाने द्रायस गरे कुरुहँ हँशीश्वरुक दर्शुन ।  
श्राना कोरुम कुरुक्षेत्र के सरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
प्रेयमुचि प्रेथवी परातपरय ज्यवनु<sup>1</sup> ज्यवन छु बावुक ब्योल ।  
जुवरि<sup>2</sup> ज़नमु पाप ज़ॉलिथ हरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
जुवरिनागु ज़लु ज़गत ईश्वरय अथ बावु ब्यॉलिस बन्यव सग ।  
परमार्थ रस प्योस परमेश्वरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
गोलुम ख्युब अकि ख्यनु मात्रय चोलुम ख्वनुमूह वॉतिथ मूह ।  
भुवनेश्वरय तँरुस बवु सरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
अनन्त अकालु ही अमरय यमु हेरि खसान बन्योम शम दम ।  
यमु क्यंकर गॉलिथम शंकरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
कामकि कूदकि भस्मास्वरय अस्वरु प्रकरँच कोसनय सूर ।  
हरशास बो कँस्थस हँशीश्वरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
ही शिवु केशवु ग्वफि अंदरय द्वयि आकारु छुख अद्वेतु रूप ।  
रामेश्वरय श्यामु स्वंदरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
संकट कटा चु जटाधरय नाव प्योय मे कोसुथ सोर संकट ।  
वर लोब मे चे निशि हँरी हरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
ही अमरय ही अज़रय वुछित चे ज़रय रूदुम नु होश ।  
चराचरय छुख आश्चरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
तिष्ठ अँछ्य दितम विश्वेश्वरय वुछहँ करोरु सिरियुक तीज़ ।  
नतु यथ तीज़स निशि कति दरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
तीज़ युथ बनोवुत भस्माधरय बोयनय चे दयस नमस्कार ।  
वाँचुस पयस गँयस व्यस्मरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।  
कृष्णस दि बक्ती मुक्तीश्वरय गदाधरय सदा बोज़ ।  
आनन्द दिस आनंदीश्वरय पम्पोशि पूजा करँयो । ।



**78 मीनावॅती हुंद ख्वश गछुन**

शब्दस कन थव वन हॉरिये ।

वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।

गाह प्यव रूपुक च्वपॉरिये	वाह क्याह शाह आव यपॉरिये ।
चरनन लगस बो पॉरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
शरन आमृत्य छिय सॉरिये	हॅरी हरन द्वख हॉरिये ।
पापन प्वन्य यॉर्य मुरॉरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
शूबा छि छंङन समसॉरिये	स्योद गॅयि दुनियादाँरिये ।
स्वखु म्वखु नखु वॅथ्य बाँरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
वुछिथ हस्शस गॅयि सॉरिये	द्वर्गथ चॅज गॅज नादाँरिये ।
वनि आव न्यसनय नाँरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
वतु छिस शेरान दस्बाँरिये	राजु छु सोम्बसन बेगाँरिये ।
प्रथ कुनि चीजुच छ तयाँरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
लर्यन कॅस्मुच छ गुलकाँरिये	गछ कोर नाना प्रकाँरिये ।
प्रेयमु बरन्यन छि वॅथ्य ताँरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
इन्द्राजु बन्योव पूजाँरिये	अनु राजु बन्योव बंडाँरिये ।
वरण राजु थोक पोन्थ सॉर्य सॉरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
सॅमिथ आमृत्य छि लूख सॉरिये	पोश छिस छकन च्वपॉरिये ।
लोग पोशु वर्शुन बाजाँरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
व्यचारुक ओश गव जाँरिये	द्वख हर कृष्णस कर यॉरिये ।
परबत राजुन्य कोमाँरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।

**79 मीनावॅती हुंद ज़नानन आलव द्युन**

स्यवह येलि सॉपनुस मन सावदानुय      वननि लॅज छम कोमाशी बागिवानुय ।  
नमस्कार ऑसिनस छुस कर्म लोनुय      स्यवह रुपीठ स्वन्दर नुन्दुबोनये ।  
ज़नानन कुन दोपुन दय ह्य सपुन नोन      स्वन्दर वॉनियि हेयितोस वनुनावुन ।।

**80 मीनावॅती ज्ञानान वनान**

सॅमिवे विगिन्यव हेयतव वनुवुनये ।

महाराजु सोन हय त्रुबवनसार । ।

वुन्य ओस बोड तय वुन्य सपुन बालय	सानि सालय कमि हालय आव ।
नव्यन हुंद नोव तय प्रान्यन हुंद प्रोन हय	महाराजु सोन हय त्रुबवनसार । ।
स्यवह तीजुवान हय शूबायि सान हय	गरु सोन पानु भगवान हय आव ।
ज्ञोन हय ज्ञोन हय मोन हय मोन हय	महाराजु सोन हय त्रुबवनसार । ।
संकटु गटि मंज अनुवुन गाश हय	थवुवुन आश हय आशि रस्त्यन ।
सानि कोमारि हुंद कर्मलोन हय	महाराजु सोन हय त्रुबवनसार । ।
ज्ञोतन तनि सुत्य मन निवुवुन हय	स्वख दिवुवुन हय म्वख हॅविथ ।
कृष्णस हृदयस मंज बासवुन हय	महाराजु सोन हय त्रुबवनसार । ।

**81 ज्ञानु रँजुडनु नररुण सुंजु तुतु करन**

ननुदुललु आरु गलंदुने ररस ।

आरु करँरुवे आरुसु । ।

आरुवल देंजु लुलु नररुसु	आरु रँसुतुतु करँरुतु वनवरस ।
आरु केँतु फीर आरु आरुसु	आरु करँरुवे आरुसु । ।
देह दुवररुकुररुतु मंजु वररुसु	वुखुतुन खेलवुन ररस ।
वरु मुतुतुसुथु नव दुवररुसु	आरु करँरुवे आरुसु । ।
बँनलुवे तुतुतु गुरुतुकुररुसु <sup>1</sup>	शहुरु मंजुतु वनवरस ।
गुवलुवे शंकुररुतु <sup>2</sup>	आरु करँरुवे आरुसु । ।
हरुसुवखु <sup>3</sup> तुतु हरुदुवररुसु <sup>4</sup>	वनलु केँडुतुन सँनुतुतुसु ।
सुतुतु गुरुनु वुतुतुवररुसु	आरु करँरुवे आरुसु । ।
हरुलु परुखतु <sup>5</sup> दरुखुवररुसु	लखुलु बँदुतु सुरुसु बँदुतु सुरुसु ।
नलुतुलुवे दुतु दनु दुवररुसु	आरु करँरुवे आरुसु । ।
केँरुलुवे सुवंदर नररुसु	रुुव करुनुक अबुतुतुसु ।
शुतुतु सुवंदर बुरुजुलु वररुसु	आरु करँरुवे आरुसु । ।
लुरुलु कुरुतुह तुतुलु सडुतु सडुतुवररुसु	सुरुसुन करुवतु सुरुसु ।
अखु दुतु नरुव तुरुलु तुरुलु	आरु करँरुवे आरुसु । ।
कुरुषुतुतुतुव तुरुव सुरुनलु दुरुलु	सुतुतु हुतु हरुसुवखु वरस ।
सुलुरुलुतुलु तुरुँदुरुतु तुरुकरुलु	आरु करँरुवे आरुसु । ।
कुरुषुतु सुतुतु लुवकुरुतुवररुसु	कुरुषुतु तुरुव करुलु अथुवरस ।
गलंदुनुकुतु खुलुसु दुरुह तुरुलु	आरु करँरुवे आरुसु । ।

1. अकलु डँहलुक नरुव; 2. शंकुररुतुतु तुरुहुरुसु तुरुतु अखु डंदरु ; 3. हरुसुखु बुरुलु; 4. हरुसुदुवरु तुरुतुतु; 5. हरुलु परुखतु ।

**82 ज़नानु छ महाराजस वुछन**

यि बूज़िथ त्रेयलूकचि त्रुयि आये	महाराजस वुछिनि कमि लोलु द्राये ।
न्यबर दार्यव बख किन्थ पान त्रॉविख	सदा शिवुन्य सवॉरी परजुनॉवुख ।।
न्यत्र दितिनख तिथिय युथ बोज़नु आख	स्वंदर वॉनियि पॅरिहॉस वनुवुन्य वाख ।।
ह्योतुख वयक्वठ मंडुल ज़न बनावुन	सॅमिथ त्रियि बावु ह्योतहोस वनुनावुन ।।

83 वनवुन

पार्य पार्य लॅगितोस स्थ सवारे ।

महाराजु राजु कोमारे आव । ।

बयु चोल भ्रैत्यनजयिने जयु सुत्य दयि सुंजि नयि मंजु तोता द्राव ।  
हीमालु पखतुने वन हारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
सॉनिस पोशु बागस ओस गोशा गोशस प्यठ पम्पोशा ब्यूठ ।  
रोशु चाव पोशुनूल मंजु पोशु वारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
पम्पोशु पादु वुछ सादु शाहजादा बागस मंजु नागुरदा द्राव ।  
आकाशु अमर्यत प्यव दारि दारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
पम्पोशु फर्शाह कोर बंगालस<sup>1</sup> त्रुजगत पालस दोप सालस ।  
बालु ब्यूठ बालादरि प्यठ दारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
वनुचे विगिने वनुवुनि द्राये आकाशु प्यठ वछ अछु रछु ब्वन ।  
लूख छिस वनुनावन कन दारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
व्यमानन क्यथ छि पोत महाराजय सिंगासनस क्यथ छि राजय रेश्य ।  
वॅस्य पेयि अॅस्य वुछि हॅस्य अंबारस महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
सालुख डलु दिचु प्यठ डलानस दिवताह दीवान खानस बीठ्य ।  
अॅड्य अपारे अॅड्य यपारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
शिव सत्संग नवम अन कर्मु जाये बाॅगरोव दर्मु सबाये मंजु ।  
परुमार्थु रस फ्युर प्रेयमुचि नारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
ख्यावनस चावनस छिख सीवाये कम कम राजु रेश्य खॅदमतगार ।  
मॉलु छिख ख्यावान ऑलु सुफारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
दासस सॉनिस बन्यव स्वर्गु दारा कानेन्य<sup>2</sup> सॉन्य हर्दुवार<sup>3</sup> ह्शि ।  
सालुख कमि हलु तति छलु मारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
युथ महाराजाह यिछि बजि थजि कारे जलजल वॉल्यतोन राजु कोमॉर ।  
वीगिस प्यठ व्वन्य कोताह प्रारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
बंदन त्रॉविथ कलु छिस वंदन वंदन छ्यफ दिचु लंदन वोत ।  
चन्दनुक ज्युन वोल ज़ोल बुखारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।  
कृष्ण अर्दुनॉरीश्वरु सुंजु द्यु छ्य त्रियि बंगु मरदु पानु दरदु<sup>4</sup> वनुनाव ।  
शिव-शक्ति रूपु द्यु कॅ छु यारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।

1. मकानु; 2. कौनी, मकानुकु हेर्युम पोर; 3. हरिद्वार; 4. दर्द वॉनी, मोदुर वॉनी ।

84 यँजमनस आवाहन

सर्वु आकारु रूपु वेष्णु भगवानस ।

सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।

वन दीवियि बेछि प्यठ डलानस सति नारानस<sup>1</sup> छु वनुनावुन<sup>2</sup> ।  
प्रॉविथ कथ त्रॉविथ अबिमानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।  
हेरि वछु अछु रछु वायन तु गायन बेछि गूपियन तु गूर्य बायन सुत्य ।  
हीमाल पखतुनिस दीवान खानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।  
विगिनि आयि दीवु कन्यायि ह्यथ लारन बक्तिबावनायि किन्य म्वखतु हारन ।  
वननि लजि ग्वन न्यगर्वनु ग्वनुवानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।  
योगिनी नागिनी आकाश मॉत्रुकायि वनुवुनि आयि बजि श्रदायि सान ।  
कांह त्रुया रूज नु मंज पॉस्सितानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।  
असुनस तु गिन्दुनस मंज मशिथ पान गोख च्यत् ब्वद प्रान गोख तस कुन लीन ।  
समॉज स्वख आख मंज व्यथानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।  
सरस्वती गोमती गंगा जमना स्यंद<sup>3</sup> ह्यथ चंद्रभागा<sup>4</sup> वितस्ता ।  
सर्व तीर्थ ह्यथ छि सत जनि कनि श्रानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।  
स्वप्रकाशु क्वंडसुय सूमु<sup>5</sup> सिरियि साम छियि शाम छुय सुबुह ह्यथ तन नावन ।  
रात दोह छिवु दिथ तल सायबानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।  
अथ दयुगॅच लगुहोय पॉर्य पॉरी अति ऑस्य सॉरी वनान यी ।  
ब्वद छु वातन यिथिस कास्खानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।  
कृष्णु श्रेह बर शिवनुय केशवनुय सावदान मनु बेह तु ग्यवुनुय हे ।  
श्रवनुय कर गछु शिव न्यर्वानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।

1. सत्य नारायण; 2. वनुवुन; 3. सिंधु नदी; 4. चंद्रभागा नदी; 5. चंद्रमु ।

**85 शोम्भू जीयिन्य अस्तुती**

ही अगूर नील कंठ छुख चु हन हन तय  
चैद्व चूड चान्यन पदमु पादन तय  
ब्रह्म रूप समसार संबालन तय  
समहार रूप छुख थ्यत गालन तय  
भैखनाथु कर ख्यय पापन तय  
स्वखु म्बखु सुत्य छुख द्वख गालन तय  
गजु चरमा चुय छुख वलन तय  
त्रन बवनन हुंद छुख कारन तय  
महा कलपांत येलि छुय बनन तय  
माया चै कुन शांत गछन तय  
जीवन तु दीवन छुख न्यन्गलन तय  
चोन द्यान दौस्थि सौर्य सत्जन तय  
परमु शिवु हृदयस मंज बख्यन तय  
सत् च्यत् रूप छुख आनन्दुगन तय  
परमु शक्ति स्वस्तु चॉन्य द्यानु सुमरन तय  
शिवु शिवु गछन छु पांछ्वलन तय  
हर हर बोलान कुल्यन हुंद पन तय  
वासनायि किन्य अंस्य छि देह मानन तय  
अंस्य बेखबर छिनु केंह ज्ञानन तय  
म्बक्तीश्वरु कर जनमन छ्यन तय  
तल पातालन पाद चॉन्य ब्वन तय  
बडि आकारु स्वस्तु छुख शूबन तय  
सुत्य सुत्य आसुवन्य छिय रात द्यन तय  
च्यत् छुम चलन तय ज्यव छम कलन तय  
शरनय आसय छुख शंकशन तय  
नेशकलु लीन कर म्योनुय मन तय  
गंगाधरु हर हर थव कन तय  
ही अगूर नील कंठ छुख हन हन तय । ।

शिव रूप दौस्थि ब्रेशबासन तय  
मीठ्य दिमु शमु छुख त्रैयलोचन तय  
वेषु रूप दौस्थि जगि पालन तय  
न्यर्ग्वनु चै छिय त्रेशवय ग्वन तय  
नागेंद्र हार छुय नॉल्य आसन तय  
न्यर्मल तनि छुख बस्मु मलन तय  
सारिनय प्यठ थोद चोन आसन तय  
त्रैयलूकु नाथु छिय श्वबु लख्यन तय  
ख्यनु मात्र चोन वीद वनन तय  
चानि यछ्रयि सुत्य बेयि सपनन तय  
अविनाशु चै निशि बेयि नेसन तय  
खट्वन्य पान तय स्ट्वन्य वन तय  
परम आत्मु ज्योति रूपु छुख बासन तय  
अनुबवु बावु किन्य छुख टोठन तय  
स्वनस सादन<sup>1</sup> छ्य सादन<sup>2</sup> तय  
पवनु सुत्य बँरुग सुमरन फिरुवन तय  
अजपा पॉन्य पानु छुख जपन तय  
सूहमसू वोन सॉन्य प्रानन तय  
देह प्रान जुवु सान छिय अर्पन तय  
शेर चोन थोद प्यठ आकाशन तय  
आदिकार चोन छुनु कांह ज्ञानन तय  
पादि प्रनाम छुय अष्ट बॉखन तय  
लीलायि चानि छमनु ब्वद वातन तय  
अनाथन हुंधि नाथु श्वबु चरनन तय  
कर दया छुख पूख पूरन तय  
बक्ती चॉनी वॅन्य कृषन तय  
युथ सुति रोजिहे मंज बख्यन तय

1. नवसादर, सुहगा ; 2. साधना ।



86 यँजमन नारयण सुंज अस्तुती

मुस्ली शब्दा गव असि कनन ।

वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।

जसुदा छ नन्दु गूरिस कुन वनन	जगत यस ज़ाव सुय असि ज़ाव ।
ऑस मुचरोवहोस तु आश्चर छु ननन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
यिम ग्वन खँट्यमुत्य ऑस्य न्यगर्वनन	तिम ह्यथ अँन्दर न्यबर द्राव ।
प्रकट कैर्य श्री कृष्णन्य ज़्यनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
उधवजीयस छ गूपीयि वनन	चुय श्वशक् <sup>1</sup> ग्यान वनुन त्राव ।
बक्ती सुत्यन छ म्वक्ती बनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
छुखय चु आत्म ईक्रुय वनन	सुय गोख चुय अख खक्ता <sup>2</sup> हव ।
नतु छुख अशक्त जीवा ननन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
गोवर्धन तुल न्यरंजनन	प्यठ किसि यिथु पनु बँरगस वाव ।
तिथुय नाव छि अँस्य मनु वाजि खनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
बक्ती तँम्यसुंज कँर अरज्जनन	सुभद्रा निथ ति बोज़वान द्राव ।
यस वरि तस पापन प्वन्य छि बनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
द्रौपदीयि क्याह कोर दँर्योधनन	च्यतस यान्य प्योस अख श्री कृष्ण ।
अनम्बर अम्बर गँयस वरदनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
दोयुम कांह छुनु तस ह्युव ननन	कस आसि तँमिसुंद ह्युव स्वबाव ।
वयक्वन्ठ गथ प्राँव बिन्द्राबनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
न्यथु नँन्य अँस्य द्रायि मंज आन्गनन	मुस्ली शब्द यान्य कनन चाव ।
न्यँद्रे हचन व्वठ कँड मनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
यि असि बन्यव ती कस छु बनन	सुय ज़ानि यस युथ बँनिथ आव ।
न्यथु ननि नेख तु फेरव वनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
गूर्य बाव प्रावुनॉव्य आनन्दु गनन	व्यद गँयि स्यद असि द्वद यान्य ज़ाव ।
सौरुय हेछिँनॉव्य तँम्यसुंद्य चनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
बोजुन श्रवुन तु करुन मनन	निद् दयासन छुय अख बक्तिबाव ।
साख्यातकार वुछ तु यूगी छि छनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
यिछ्न रँचन तु यिथ्यन दोहन	रस आसि खेलान ती याद पाव ।
ती याद पाँविथ असि छ हनहन छ्यनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
प्रेयम तसुंद छु गनन गनन	अँस्य सुय छि बनन मो नँशरव ।
बनुन द्वर्लब छु युथ सत् ज़नन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
यि कोर असि अक्रु <sup>3</sup> रुन्य <sup>3</sup> निनन	गछ श्री कृष्णस योत वातुनाव ।
नतु यिख ह्यनु मंज सान्यन र्यनन <sup>4</sup>	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
बूज़िथ छु उधव श्री कृष्णस वनन	यिछ गूपिया मेति बनुनाव ।
बक्ती यिहंज छ्म जिगस्स सनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
ग्यानु द्वद वीदु कामदीनि थनन	ह्यथ च़े ज़ोनुथ मे दामा चव ।
व्वद म्यॉन्य द्वद ज़न छ तनन तु गनन	वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।

बोम्बस्स कुन छ गूपीयि वनन      तैथ्य प्यव बोम्बूरु गीता नाव ।  
बूज़िथ ति बख्त्यन छ म्वख्ती बनन      वनन छि राधा कृष्ण ह्य आव । ।  
यँम्बुज़लन छु अम्बरँ छनन      मो रेश बोम्बुर अम्बरँ छव ।  
अँछन कुन वुछ्तु तन लाग तनन      वनन छि राधा कृष्ण ह्य आव । ।  
महारजु ज़ानुनोव युथ यँज़मनन      सिरियि चँद्रमु ज़न गरु चाव ।  
शामस तु प्रबातसँ म्युल छु बनन      वनन छि राधा कृष्ण ह्य आव । ।  
कृष्णुन अथु अँस्य छि चै कुन अनन      अथस सुत्यन अथु मिलुनाव ।  
यिथि रासु अथुवास जांह छुनु छ्यनन      वनन छि राधा कृष्ण ह्य आव । ।

1. ख्वशुक; 2. ख्वखुच, युक्ति; 3. अकूर जी ; 4. करजु, ऋण; 5. स्वगंद, ख्वशबू; 6. शाम = श्याम = नारायण, प्रबात = प्रभात = शंकर ।

87 यँजमनु संज अस्तुती

आव हय नन्दलाल बिन्द्राबन ।

सुत्य गूपियन गिंदने ।।

दँठ रधा छस क्रे शन तस छु आमुत वुछ्ने ।  
मथुरायि त्रॉविथ रुखमने सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
सबजाराह छु बिन्द्राबनन कामदीनु लजि खसुने ।  
पतु पतु छुख मनमोहन सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
श्यामु रूपु छस जोतन तन कामदीनु आव रछिने ।  
ब्रज गामु द्राव कामदीव ज़न सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
किसि प्यठ छुस गोवर्धन इन्द्राजु आस शरने ।  
अदु ख्वश गोस मधुसूदन सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
पूतनायि दोप द्वद बो चावन ज़हर लँज बब बरने ।  
अकि दामु गँयि अथु हवन सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
कॉली नाग ओस ज़ाहर हारन तस प्यठ लोग नचुने ।  
बालु कृष्णा छु छलु मारन सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
शंखचूड दुत आव लारन गूपियन लोग खटने ।  
अकि चंजि गव प्रान हारन सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
गूर्य बायि द्रायि पुर्य त्रावन जमनायि तन नावने ।  
जामु निथ छुखनु पामु थावन सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
राधिकायि हुंद आव ब्राह्मुन म्वख्तु मालि म्वल करुने ।  
म्वख्तु कु ल्य वुछ्यवुछ्य छुय मंदछ्न सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
कैलासु आव शंकशन रासु मंडुल वुछिने ।  
कृष्ण ड्यूठुन ख्वश गोस मन सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
न्यगर्वनु सुंद वुछ सतोग्वन जगतस आव रछिने ।  
सत्य दीव सत्य नारायण सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
परामत्मा छु परिपूरन कृष्ण लँग्य यस वनुने ।  
वेग्यनानवान यूगी ज़न सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
कृष्ण नावस छि कुत्याह ग्वन जीवुबाव लोग हरने ।  
पॉन्य पानस छु परजुनावन सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
छस दया छुनु कॉसि मारन यिम तस आयि शरने ।  
पॉपियन कें छु छु यारन सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
डॉल्यमुत्य ऑस्य व्यवहारन असि लोग ह्यसु फिरुने ।  
ऑबदारन सुय छु तारन सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
श्वब कार कैर्य शूबिदारन बक्ति बाव लोग गनुने ।  
वैष्णु रूपु कृष्ण अवतारन सुत्य गूपियन गिंदने ।।  
कृष्ण कृष्णय कोर कृष्णन कृष्ण नाव लोग स्वरुने ।  
कृष्ण टोय्योस कृष्णार्पन सुत्य गूपियन गिंदने ।।

88 रजदान साँबनि तरफ़ शोम्भू जीयिन्य अस्तुती

हमसु पखु ह्यथ च्यथ फम्बु सीरि शोम्भू ।  
 वनि यितु मे हस्वखु नीरि<sup>1</sup> शोम्भू । ।

शांत शाहरुक दिम वेग्यन्यान राजिय बक्ती व्वडि शक्तिपातुक ताजिय ।  
 म्वख्तु पानय मेलि ब्रगु तीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।  
 कल्पु त्रेखि बक्तु रखि छुख द्दख कासन नेशकामु कर्मव कर न्यर्वासन ।  
 शेहजार फिर मे प्रकरं च वीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।  
 न्यर्वानु यँदस्स छुय वर वेग्यन्यान पखचव<sup>2</sup> कनि इंद्रेय योनि<sup>3</sup> कनि प्रान ।  
 नावु रूपु पन कोत वाह सीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।  
 प्रारब्दस प्यठ रोज़ थव म शूर्य बाव यिछि बाजि मंज व्वद्युगु डूना त्राव ।  
 डुलु गँछयतन फचि<sup>4</sup> या मीरि<sup>5</sup> शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।  
 देह द्रष्टु रोस्त युस रोज़ि देहसुय मंज आत्मस करि विवेक पूजायि संज ।  
 सालिग्राम ह्युव शूबि प्यठ पीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।  
 शांत विजिया चाँविथ त्रॉविथ गम दमु दमु खॉस्थि वालिथ दम ।  
 स्वरु दमु शमु दमु जेजीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।  
 अंतहकरनन मंज चोन प्राकार कार करुवन्य चानि सुत्य इंद्रेय द्वार ।  
 होल जोद कर स्योद नल चीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।  
 परमु हमसु जानुनावतम सूहम पद तथ पदुसुय यथ म्वचि सतग्वन श्वद ।  
 थूलु द्रेशटी रंगु छम गेरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।  
 बावु छवु येलि अन जन फवलवनु आख प्रेयम तँम्यसुंद छुय स्वयं पाक ।  
 मॉल गछि कॉल्य यिछि शॉल्य टीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।  
 वैषि रूपु जानु न्यरलीफ वेशम्बर वैस्वति<sup>6</sup> बावु किन्य रोज़ दिगम्बर ।  
 आशि थफ त्राव अगन्यान चीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।  
 सुय छलि न्यर्मलु जलु नेशकामय मूह मलु त्रेतियि<sup>7</sup> बँर्यमुत्य जामय ।  
 युस दैर दुरु ग्वरु वरु चीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।  
 मूह आवलुनि मंजु कृष्णस बोठ खार गटु द्रेशटु फटुनस छु तार व्यचार ।  
 ग्वलु रोस्त डून क्वलि मंजु यीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नरि शोम्भू । ।

1. नय, नार ; 2. यँदुरुचि पखु; 3. पन; 4. पथ (पीछे); 5. ब्रॉठ (आगे); 6. विस्त; 7. वृति ।

89 ब्याख अस्तुती

बाल नेरि चानि वेरि शोम्भू ।

न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।

रंग रंग फोल बेरंग कुल सत् संगकुय रंग बुलबुल ।  
लोल ओला यीरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।  
फिरुनावतम दिथ ग्यानु बल सूख्यमु थ्यलु थ्यलु समु द्रैष्टि जल ।  
पस्म शिवु कर्मु क्रेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।  
खसु वसि तोलु वारे आत्मु देह ल्वति ग्वबि बारय ।  
प्रानु अपानु जेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।  
गोशि गोशि होशि पोशि वारे घानु यूगु अमर्यतु दारे ।  
कर्मु डेरि दर्मु बेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।  
कॉफिलु आसु वायान डोल ब्रॉठ आसि शॉगमुत होशिवोल ।  
पोत वाति ब्रॉठ छेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।  
कर कथ राग कर कथ त्याग बक्तु बखशिथ प्रेयमु पोश लाग ।  
अमरीश्वरु शेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।  
घन तु रॉच्च हुंद जग तु प्रोन चार सिरियि अंगु जोशि सूमु होशि प्यार ।  
सुत्य व्यचारु थेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।  
शहुरु मंजु कर हस्वखु ज्ञान न वनस मंजु मॅशरिथ पान ।  
महालिशि हुन्दि तीरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।  
पांचि त्वतु शमु दमु रठ दार ज्योति रूपु श्रेह रेह कॉदि खार ।  
प्वख्तु बक्ति बावु सेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।  
मूख्य दायक छु चोनुय नाव सिरियि न्यँत्रुच नजरह त्राव ।  
मंजु मूह अंदेरु शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।  
चँदु चूडु चोन चरुनारु ब्यन्द मनु बोम्बूसस तँत्य करि बन्द ।  
फीरिथि कोत नेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।  
म्वख्तु लरि प्यठ छु चोन दरुबार बक्तु वत्सलु कृष्णस खार ।  
शक्ति पातचि हेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।

**90 ज्ञानानव दैस्य शोम्भू जीयिन्य अस्तुती**

कम वस्त्र चै नॉल्य क्याह वनु लोलो

मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो ।।

शिव नाथने श्वबु दर्शनु लोलो	च्यतुके अमर्यतु वर्शनु लोलो ।
वनि यितु मे बक्ती ननि लोलो	मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो ।।
हरु संजि वेरि लगु दनु पनु लोलो <sup>1</sup>	हसदु वीर ज्ञन छेनि पनु पनु लोलो ।
सुय छनुय छुख यावनु लोलो	मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो ।।
जव दाखुनि ब्रेशबासनु लोलो	संकट गट छुख कासनु लोलो ।
हटि वासुक छुय आसनु लोलो	मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो ।।
क्वसु पूजा कस्य कमि ग्वनु लोलो	कम बक्तिस बक्ती छु लोलो ।
न्यर्दनु सुंद स्वनु पोश व्यनु लोलो	मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो ।।
प्रथ मावसि पुनिम हुन्दि दनु लोलो	श्रुच बूज्जनु चैय क्युत स्नु लोलो ।
म्वक्त बन चानि ख्यनु <sup>2</sup> अकि ख्यनु <sup>3</sup> लोलो	मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो ।।
मनु वाजे नाव चोन खनु लोलो	राजु यूगुक राजाह बन लोलो ।
चैतनु टोठ च्यत् चैतनु लोलो	मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो ।।
चानि डेशनु छिनु व्यचनु लोलो	ख्वश साँपन रोह्य वचनु <sup>4</sup> लोलो ।
असि त्रयनुय <sup>5</sup> त्रैयलोचनु लोलो	मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो ।।
सत् प्वरशान हुन्दि सतजनु लोलो	है सत् च्यत् आनन्दु गनु लोलो ।
कृष्णस टोठ श्वबु लख्यनु लोलो	मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो ।।

1. भगवानस प्रथ के ह अर्पन कसनु खॉतरु तयार ; 2. ख्योन ; 3. च्युह ; 4. रोफ़ बाँतुक्य वचन; 5. ज्ञानान ।

**91 महाराजुं सुंज अस्तुती**

रंगु बुलबुल छुय जटु दौरी ।

हौरी कर पौरी ज्ञान ।।

गीर्य रंगु छिस वस्त्र सौरी	नोन होवुन ब्रह्मचौरी पान ।
त्यागु मंजय छुय व्यवहौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।
रागु द्वेशु छुय त्वति बारय	पोशि लंजिनयु प्यठ शूबान ।
संतोशि व्रंच प्रानु संदौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।
ब्रम मॉनिथ करान खानुदौरी	गासु किचुनुय ओल यीरान ।
गछि आसुन युथुय समसौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।
परपदु <sup>1</sup> स्वस्त थदि प्रकौरी	कर्म आश्रन परमु शिव थान ।
ईक दौयसन अनीक प्रकौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।
ब्रह्म ऑग्यन्यायि किन्य व्यवहौरी	बालबचुनुय आपु आपरान ।
जीवु दयायि पर व्वपकौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।
थज्रस्स वोन दिथ च्वपौरी	अविनाशु बाशि छुय बोलान
कृष्णस वुफि तारि हमसुदौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।

1. परम पदवी ।

**92 मीनावॅती करन यँजमनस अस्तुती**

मन म्योन बिन्दरबन तु लोलो ।  
आत्म रूपु नारायण तु लोलो । ।  
सुत्य सुत्य व्रँच गूपियन तु लोलो तथ मंज्र छु रास खेलन तु लोलो  
अन्दुकार कालु सरफन तु लोलो बूतात्मु वोल हनहन तु लोलो  
इन्द्रेय गूर्य बालकन तु लोलो वेह<sup>1</sup> दिथ छु होशि डलन तु लोलो  
ग्यानु रूपु कृष्णन तु लोलो मुह गोल दिथ सतग्वन तु लोलो  
आत्म रूपु नारायण तु लोलो । ।  
प्रकरँच जल हनहन तु लोलो श्वद कोर अमर्यत ज़न तु लोलो  
बावनायि जमनायि तन तु लोलो व्रँच गूपियि नावन तु लोलो  
न्यथुननि पान हवन तु लोलो लूक् लज़ायि त्रावन तु लोलो  
बखुच त्वलसी छवन तु लोलो श्री कृष्णस प्रावन तु लोलो  
आत्म रूपु नारायण तु लोलो । ।  
कृष्ण नाव छु अनन्दुगन तु लोलो कृष्ण नाव छु मुख्य दावन तु लोलो  
कृष्ण नाव छु प्रान प्रॉनियन तु लोलो कृष्ण नाव छु प्रानन अन्न तु लोलो  
कृष्ण नाव छु सँजीवन तु लोलो कृष्ण नाव छु आर्यतन दन तु लोलो  
कृष्ण नाव छु गूपियन ग्वन तु लोलो कृष्ण नाव छु अबिज्यत ज़न तु लोलो  
कृष्ण कृष्ण कोर कृष्णन तु लोलो सस्तलि सपनुस स्वन तु लोलो  
आत्म रूपु नारायण तु लोलो । ।

1. ज़हर ।



**93 राजदान साँबनि तरफ़**

बावु यावुन छु होशि पोशि थरि शोम्भू ।  
हर द्रेशटि गछि वरि कति<sup>1</sup> शोम्भू ।।

रौच वनु खोत वन कुस वन छु गॅम्बीर तथ मंज तप साद अदु मानोथ वीर ।  
गाल अग्यानु अखोल<sup>2</sup> हर शोम्भू हर द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू ।।  
स्वप्रकाश रूप सनम्वख वुछतु छुनु दूर अन्दुकार छय जाल मल वेग्यन्यानु सूर ।  
हाह छुय मंज ऑनस वरि शोम्भू हर द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू ।।  
हमसु पखवुय सुत्य वुफुनावुन पान जीव-आत्मु हलव होशु माँदान ।  
लूब तौति मंजु चोल मूह चरि शोम्भू हर द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू ।।  
सुय वांगुजवारि घन बरि शोम्भू युस परजुनावि खानुदार गरि शोम्भू ।  
नरि लोसु बाँडसन लूक लरि शोम्भू हर द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू ।।  
मुख्य दायक प्रावुनावि साख्यातकार ख्यनु मात्रस मंजु गालि मूह अंदुकार ।  
सिरियस निश गटु कति दरि शोम्भू हर द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू ।।  
राजु यूग राजु यस पकि चै ह्युव सुत्य दयु दनु वॉल्य तस वति मेलन कुत्य ।  
इन्द्रेय चूसन कति डरि शोम्भू हर द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू ।।  
थदि सिरियुक छुसनु प्योमुत रसगाह तनिरस गनिरस वुछजि अनिरस क्याह ।  
ननिरस प्यठ बालादरि शोम्भू हर द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू ।।  
वेष्णार्पन कृष्णस सु सौरुप हाव च्यत आनन्दु अमर्यत न्यथ चावुनाव ।  
नैमीशु व्वनमीशु गरि गरि शोम्भू हर द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू ।।

1. लय गछुन; 2. अकि कुसमुच लॅकर खसु दजुन्य स्यवह मुशकिल छ ।

**94 बरत आमदन**

युस छु सखु सेशटी हुंद बब तय मोजी ।  
सुय ह्यथ परमु हमसु फोजी आव ।।

रायि रोस्त ख्यनु चनुचे अपेख्यायि रोस्त	लूब यछायि रोस्त सानि जायि मंज ।
खेनि आव हेनि पननि मायायि मोजी	सुय ह्यथ परमु हमसु फोजी आव ।।
यूगु राजु शाह गँयस ज़न गतु मास्न	वरण राजु सबि क्युत पोन्थ सास्न ।
यस निशि दीवलूक शूबि नु पोजी	सुय ह्यथ परमु हमसु फोजी आव ।।
अनु राजु स्वछु राजु ह्यथ दीवगन	वाजु ज़न श्रूच अन्न बाँगरवान ।
सास्निय बूज़नन दिवुवुन छु उजी	सुय ह्यथ परमु हमसु फोजी आव ।।
अनुग्रेह करुवुन खेनि चेनि आमुत	कृष्णस त्रसी दिनि आमुत ।
सुबहस शाम करि शामस कोजी	सुय ह्यथ परमु हमसु फोजी आव ।।

**95 सालुक बयान**

महाराजस सुत्य सालर आये ।  
कर्मवान दर्मु सबाये बीट्य । ।  
येछिसान रुचिसान बीट्य श्रुचि जाये      यछ बूजन छुख तयार ।  
ख्वश गव यी ईश्वर यछये      कर्मवान दर्मु सबाये बीट्य । ।  
ताजु ताजु बूजन रननय आये      माँजरँच<sup>1</sup> हुंद कें हति छुखनु हजथ ।  
राजु बीट्य सबि वाजु बाँगरुनि द्राये      कर्मवान दर्मु सबाये बीट्य । ।  
बूजन ख्यथ तिम आंगन चाये      त्रप्त गँथि तिंहजि सीवाये सुत्य ।  
तनु मनु वारु लँग्य द्वर पूजाये      कर्मवान दर्मु सबाये बीट्य । ।

1. माँजरँच कस्तुक (पूछनुक) ।

**96 बरौँच हंघ तौँरीफ**

म्यवु कनि म्वख्तु वोथ चन्दन बागस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार ।  
हमसु दरबार परमु हमसु दरबार नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।  
जलु कनि अमर्यत नोन द्राव नागस बागस मंजु चाव संतु अट्टहार ।  
संतु अट्टहार परमु संतु अट्टहार नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।  
ब्वद क्याह वाति यथ रागस तु त्यागस वरनि आव शक्तियि त्रुबवनसार । ।  
तस रोस्त क्याह छु ती पूजायि लागस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।  
त्युथ दशुहार कर तिथिसुय प्रेयागस यथ देह इन्द्रेय छि देह अवतार ।  
केहिम तु द्वदशांतस पूजि लागस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।  
नामु रूप कलपित ज़ोन ह्यथ रागस अस्ति<sup>1</sup>, भाति<sup>2</sup>, प्रेयि<sup>3</sup>, रूप पथ द्राव सार ।  
शरमंदुगी च़ेज मंदु वौरागस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।  
प्रेयमु कर्मु फलनुय यमु नेमु द्रागस प्रावनाव अनुग्रेहकिय अम्बार ।  
त्रसियि पम्पोश फोल्य ललि त्रागस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।  
हेशु पोश फोल व्वद्यूग बागस दासु बावु किन्ध आस खँदमतगार ।  
कृष्णु सीवा कर आत्मु रूप आगस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।

1. अस्ति; 2. भाति; 3. प्रिय ।

**97 बतु ख्यनु पतु वीगिसु प्यठ युन तु द्दर पूजायि कुन गछुन**

महदीव येलि महाराजा बँनिथ आव तिहुंद बावा वुछिथ बागस अन्दर चाव ।  
कँरिथ ओस थोवमुत फर्शाह तिमव ज्यूठ यछ बूजन खेने ह्यथ दिवताह ब्यूठ ।  
यछ बूजन वनय क्याह कथ दपन छि येमिस यमिच्य यछ गँयि तस बनन ती ।  
प्रेयन यस ओस यी तस ती दयन लोद वयन यस ओस तस ती म्रेत्यंजयन लोद ।  
यछ बूजन खेने आन्गन अन्दर चाय व्वतम वयक्वठं खोतु साँपुन्य तिहुंज जाय ।  
पदम पादव कदम तँम्य यान्य त्रोवुन सु आन्गुन परमु पदवी प्रावनोवुन ।  
खँसिथ प्यठ वीगिसुय येलि तँम्य थोव पाद कोरुख तथ सर्वु तीस्थव वारु प्रसाद ।  
महारेन्य वीगिसुय प्यठ वातुनाँवुख महाराजस स्व खोह्वुरि कनि थाँवुख ।  
महाराजु ओस कुस क्वसु आँस महारेन्य महदीवस महामाया खोह्वुर्य किन्य ।  
स्यदथ आयख जंगे कोरुनख नमस्कार छेकिख लँक्ष्मीयि कलु पेट्य मोहरु तय धार ।  
अथस क्यथ दीप आँस दीप माला रँतन चॉंग्य आलुवन आँस पानु जाला ।  
महवेद्या तिमन आँस आपरावन तिथी नाबद फँल्य यिम मूख्य दावन ।  
बँसिथ ओस शीशनाग मंजु किसि वाजे बनेमुच्च सरस्वती आँस द्दु माँजी ।  
गंगा सागर अन्दर आँस पानु गंगा गंगा जल ह्यथ गंगा दारुय चमना ।  
पकान गँयि वीगि प्यठ येलि वारु वारु करनि लँग्य द्दरुपूजा वारु कारुय ।  
छ क्याह कथ तति ब्रांदन प्राँव किछ गथ येमिस प्यठ सत् च्यत् आनन्दन थँव लथ ।  
वँनिथ कुस हेकि यिथिस व्युहास्स नजर त्रॉवुन बन्योव हरद्दर<sup>1</sup> दास्स ।।

1. हरिद्वार तीर्थ ।

VVV VVV

## खंड 2: (ग) द्वार पूजा त लॅग्न

### 98 द्वार पूजा, लॅग्न, पोशि पूजा त मनन माल

वनवुनि अछ रछ वछ स्वर्गु द्वारय ।

वारय कस्यो द्वारय पूज ।।

चानि सत्संगु सुत्य गंगाधारय	द्वारस कर्म कूल वारय खोर ।
रंगु रंगु ब्रंगु द्राव गंगु आरय	वारय कस्यो द्वारय पूज ।।
हुर द्रेशटि द्वारस कोर हस्दवारय	दासु बावु दासस <sup>1</sup> बन्याव कैलास ।
कूल खोर लबु गॅयि नबुचे तारय	वारय कस्यो द्वारय पूज ।।
बीदु रस्ति शिवु वीदकि ओमकारय	शुकदीव व्यास छि वीद वखनान ।
ग्वनुवानु योन्यस छ्य स्वनु तारय	वारय कस्यो द्वारय पूज ।।
नव द्वार मुचस्थि दास्नायि दारय	जटुधारु संकट कट चोन दान ।
पादन तल बो इन्द्रेय मारय	वारय कस्यो द्वारय पूज ।।
असि दरकारय कति छ्य हारय	मोहर तु द्यारय ठेलि बॅर्य बॅर्य ।
कलु पेट्य छकोय लूबु रस्ति शूबि दारय	वारय कस्यो द्वारय पूज ।।
वुजु सोन वयक्वठ बन्याव वारुकारय	कुठ्यन मंजु ब्यूठ कूटी तीरथ ।
चन्दनुक स्वबाव द्राव दीवदारय	वारय कस्यो द्वारय पूज ।।
लॅग्नस वेलु वोत व्यॅग्न न्यवारय	अॅग्नस प्यठ छ्य प्रारान दीव ।
ग्वनुवानु स्वनु हेरि खस वारु वारय	वारय कस्यो द्वारय पूज ।।
कृष्णस परामत्मु न्यराकारय	प्रानु रूपु नॉडियन छुख फेरान ।
वैशय दारुवुन छुय नव दारय	वारय कस्यो द्वारय पूज ।।

1. दस्वाजुच बेर ।

**99 महाराज सुंद अंदर अचुन**

बनोवुन दासु बावस दास कैलास	हॅरिहर श्यामु स्वन्दर येलि अंदर चास ।
बिह्थि तति ओस ब्रह्मा ह्यथ ब्राह्मन	महाराजु वोत तोत ह्यथ श्री नारायण ।
बिह्थि रूद पदमु आसन शकलि ओमकार	दितुख अँगनुक तु लँगनुक जान व्यसतार ।
सपुन मीनावँती ख्वश युथ वुच्छि रंग	परनि लँज त्रुयि वॉनियि बावुकी बंग ।
नचन नचन वोनुन तमना मे ह्य द्राम	जगत ईश्वर हॅरिहर गरु ह्य चाम । ।

**100 मीनावैती हुंद हर्ष**

राजु हम्सा गुरु चामय ।

अज मे द्रामय तमना ।।

बालु बालु पानु वनि आमय	लालु मालु छस नॉली ।
कमि हलु छिस सालु जामय	अज मे द्रामय तमना ।।
हनि हनि युस छंजामय	शाहरु गामय आलमस ।
मनु मंजबाग वनि आमय	अज मे द्रामय तमना ।।
श्यामु रूपु ह्यथ डेछमय	पेट्य बामय शिवजी ।
करु शिव शिव रामु रामय	अज मे द्रामय तमना ।।
मनु नागस बावु सामय	गँड्य मे दैरकि चिलु सुत्य ।
प्रेयमु जल चोम दामु दामय	अज मे द्रामय तमना ।।
शिवु रागुकु वव्यामय	कर्म बुतरँच बावु ब्योल ।
सत् च्यत् जलु सुत्य जामय	अज मे द्रामय तमना ।।
ह्यथ अव्यचारचि हामय	नियमु न्यंदु दिथ कजिमस ।
प्रेयमु रसु बसुननु <sup>1</sup> आमय	अज मे द्रामय तमना ।।
अनुग्रेह शरु निशि खामय	प्वखतु गँयि बक्ति म्वख्तु हल ।
गजि मे फिकरु तु चजि मे पामय	अज मे द्रामय तमना ।।
कृष्णु नेशकल नेशकामय	शिवु नावय स्वख बर ।
सुबह हाविय मंजु शामय	अज मे द्रामय तमना ।।

1. बडनि लजि ।



**101 शिव कीशव सुंद युन**

होशु पोशनूलु वन वनहारे ।  
दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।

रँत्य रातस असि ह्योत ग्यवनुय	ती बूज शिवनुय तु कीशवनुय ।
अमर्यत प्यव च्यव दारि दारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
गट चँज सिरियन होव दर्शुन	दर्शुन ओस अमर्यतु वर्शुन ।
तमि वर्शनु पोश फँल्य वारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
मॉजि क्वन्डुसुय वुछ ज़रकॉरी	तथ अँद्य अँद्य बीठ्य लूख सॉरी ।
रंगु दिवथुय सारिनुय लारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
जेशनु नगमय जायि जायि लॉगी	स्यदथुय ह्यथ आयि रुत्य बॉगी ।
दौह गँज़रँव्य वारे वारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
ज्योती रूपन रूप होवुय	लायि बोय गंगु व्यस मंगुनोवुय ।
दिवथुय प्रथ चीज़स सारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
आयि बरकथ ह्यथ अतूलुय	खरचॉविथ पथ कूत डूलुय ।
स्यदथुय च़ायि बीठ प्यठ दारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
सानि वॉनियि हुंज़ि कोमॉरी	शारदायि निशि शीर्य अंग सॉरी ।
स्यदु लँक्ष्मीयि तस वॉकु पारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
वनि कृष्णन दयि सुंज़ि माये	कम कम मेछि मेछि लीलाये ।
पानु दयुगथ अथ कन दारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।

**102 महाराजु तु महारेनि हुंघ तौरीफ**

गंदर्वलूक आव वायिनि बाजे ।

त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।

शक्ति पातु द्रेश्ट वरि करि प्रसादा	सादु शाहजादा आन्गन चाव ।
जोनून तु मोनुन जगतुचि माजे	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।
ओरु कनि जय योरु मुकटा	ओरु वासुक तु योरु चन्दनहार ।
ओरु कनि तुरके योरु कनि वाजे	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।
सर्वु मंगल बनि चानि वरुनय	नतु क्याह बनि सानि कसनय सुत्य ।
त्रन बवनन बरुनय आव दनु दाजे	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।
शामु प्रबात रूप द्यान दोर च्वपोर	हास्महोर वुछ सोर समसार ।
मूह मोर स्वन ज़न कोर मनु थाजे <sup>1</sup>	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।
सिरियि भगवान आव तीजु सुत्य बरुनय	इन्द्राजस मुकटु जरुनय आव ।
उचु उचु जुचु द्रायि मंजु तीजु ताजे	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।
चन्दुन क्वन्ग गव क्वन्गुचे काजे	ओमकारु रूपस छ द्वारु पूजा ।
कृष्ण वैष्णु नाव खन मनुचे वाजे	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।

1. Crucible.

**103 लॅग्नुक बयान**

गनन गनन प्रेयम येलि तमि युथ वोन  
पराण ओस साम वीदुक्य श्रूख ब्रह्मा  
पराण ऑस्य साम वीदुक्य बक्ति श्रूखय  
तुलान ओस पानु नारायण च्वतुर बीज  
लॅग्न वुछ ब्रह्मनव ह्योत वीद वखनुन  
त्रुग्वनु प्वर्शा अॅग्न मंजु गव नोमूदार  
जट्व मंजु अॅग्न रूप द्राव वीरु बॅद्वय  
प्रेयम बावुक स्वयम छुय तस मकानय  
सु छुय च्यतुकुय व्यमरशिय<sup>1</sup> दीप्तिमानुय<sup>2</sup>  
सु ज्योती रूप शिवजी ओस पानय  
सु ज्योती रूप छुय हृदयुक स्वप्रकाश  
सु ज्योती रूप छुय न्यत्रन अन्दर गाश  
सु ज्योती रूप सिरियन अंदर गाश  
सु ज्योती रूप छुय सिरियस अन्दर तीज  
सु ज्योती रूप पानय शिव तु कीशव  
महामायायि मन हर्षस स्यवह गव  
जनानव वोन दयन कॅर पानु दया  
पस्म ब्रह्मस पनुन त्रुयि बाव बोवुख

कनन यस गव सु तॅती म्वक्त सॉपुन ।  
आ छ्य सुत्य सुती कर चु ख्यमा ।  
यि ब्रह्मा जी ह्यथ गंदर्व लूक्य ।  
शिवु शास्त्र नामु पॅर्य पॅर्य गज्ज ।  
व्यॅग्न चोल ज्योति रूप गव अॅग्न मंजु नोन ।  
बिह्थि सनम्वख कोरुन प्रथ चीज आहार ।  
दोपुन तस नाव छुय कालाग्न रुद्वय ।  
छु अन्न श्रपनुक अॅग्न तसुन्दुय निशानय ।  
तवय हृदयस अन्दर तसुन्दुय छु थानुय ।  
अॅग्न मंजु नोन गछुन ओसुस बहानय ।  
सु ज्योती रूप छुय तत् सत् च्यत् आकाश ।  
सु ज्योती रूप छुय लॅग्नन अन्दर राश ।  
सु ज्योती रूप छुय पापन करन नाश ।  
सु ज्योती रूप छुय प्रथ चीजुकुय बीज ।  
प्रसन गव अॅग्न मंजु तस नोन गछुन प्यव ।  
कोरुन अनुग्रेह वोरुन शोम्भू सदा शिव ।  
दयाये दोप दयन वॅर पानु दया ।  
स्वन्दर वॉनी भवॉनी वनुनोवुख ।।

1. व्यञ्चार ; 2. प्रकट गछुन ।

**104 यँजमनस तु महारजस कुन**

न्यथ पोशुवनि थरि फल फूल हय ।

हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।

श्याम स्वन्दर ह्यथ सर्वु सामानु साजु	राजु यूगु राजु आव मोज वुछ्ने ।
स्वप्रकाशु बोजु हंजि वति ज़ोल जूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
तत् पदु बंगि लंगु लंगु फोल कुल हय	सत् संगु रंगु बुलबुल हय आव ।
कुकिलव बस्मु मोल शिवु शिवु बूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
सत् संगुसुय कुन गँयि मशगूल हय	सत् श्रवनु सुत्यु बन्याव शुक्रदीव ।
करतान्यु प्योमुत पथर गान्दु ठूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
आत्मबूदु कुलिसुय ग्यानु द्यल गूल हय	बक्तु छस लंजि फल ब्रह्मानन्द ।
म्वख्तु छुस त्युहरुय शांती मूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
पज्जि बावु सुत्यु अनुग्रेह पूरुनायि सुत्यु	सर्वु शक्तिमाननि रायि त्रायि सुत्यु ।
बक्ति बावु तारचि <sup>1</sup> प्वख्तु म्वख्तु तूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
गूपियव राधाकृष्ण कृष्ण बूल हय	पथ ब्रौठ प्रेयमुच थौवुख कथ ।
सत् बाशायि हुन्द अमर्यत खूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
समसारु संतापु मंजु महसूल हय	प्वख्तु गछि सबजा सबजुय गव ।
ह्वछिमचि दाँ पचि <sup>2</sup> वोत पाँ छूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
ईश्वर अनुग्रेहु रुद अनुकूल हय	हनुवनु <sup>3</sup> दयि अन्न दनु प्रोव हय ।
कृष्णस प्रथ चीज पथ ब्रौठ डूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।

1. स्वन म्वख्तु तोलनुच त्रकर ; 2. दानि; 3. साँलिम, पूरु ।

**105 पोशि पूजायि हंज तयँरी**

ॐ कर श्रूख पर श्री गणेशाये ।

पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।

कर्म पम्पोश सोन लेम्बि खोत सरु	हर सोन गरु सानि बरु येलि चाव ।
स्वर्गुचि अछु रछु वनुवुनि आये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
जोनून तु मोनुन जगतुचि माजे	तवय द्रास त्रुबवन राजे नाव ।
लगस ना पौत छयि तु ब्रौह ग्राये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
ईकस अँनीकस शरनय आये	शिव शक्ति रूपस सुत्य सुती ।
ब्योन ब्योन रूप होव माजि उमाये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
सुलि वुलि तुलमुलि ग्वरु अँग्यन्याये	पूजा कँरुम बावनाये सुत्य ।
भूतीश्वर वोर माजि रँग्यन्याये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
सतु सुत्य परबतु प्रेयमुतु माये	तिछि बजि जाये दिमु प्रेदिख्यन ।
जय कोर वामु दीव वोर शारिकाये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
ख्रुवु कोर ज्योति रूपन सोन पाये	सानि पालनाये प्यठ छ दीवी ।
श्री महदीव वोर माजि जालाये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
अँकिन्य गामु <sup>1</sup> कँर असि मनु कामनाये	तोता त्रुजगत माताये ।
ज्वम्बुके श्वर वोर माजि शिवाये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
दर्मुक सोथ द्युत कर्म लीखाये	शक्ति वोर शिव शिवन वँर शक्त ।
श्री मह रुद्र वोर माजि उमाये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
शक्ति वोर शिव दय वोर दयाये	पारवँतीये वोर परमेश्वर ।
ईश्वर वोर ईश्वर यछये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
मनुकिय तमना साँरिय द्राये	कौसल्याये माये सुत्य ।
श्यामु रूप रामु जुव वोर सीताये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
बागिवानुय किछ अँस जसुदाये	यिछि यँजमनबाये पादि प्रनाम ।
वेषु रूप कृष्ण जुव वोर राधाये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
श्री महागणपत वोर वल्लभाये	सावित्रिये वोर ब्रह्मा जी ।
ग्वनुवान भगवान वोर सम्पदाये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
कश्मीर नगरुचि व्वतम जाये	शारदा पीठ छुस प्योमुत नाव ।
कॉमीश्वर वोर माजि त्रिपुराये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।
प्रान वोर बौज द्यान दास्नाये	बक्ति बावनायि वोर सतु स्वबाव ।
म्वक्त कोर कृष्ण वोर शिव लीलाये	पोशि पूजाये वेलु हय वोत ।।

1. अकि गामुक नाव ।

106 पोशि पूजा

म्वख्तु कनि ताख छिस तापुदानस ।

बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।

आकाश पोशि वर्शुन हनि हनि छुस रथु बानु कनि छुस सिरियि भगवान ।  
सायिबान बनोवमुत छुस आसमानन बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।  
अथस क्यथ चँद्रमु ह्यथ रुमाल छुस वावुलूकपाल छुस करान गँजगाह ।  
ब्रह्मा वेष्ण छुस सुत्य जॉपानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।  
चित्र गुप्त ताह छुस करान सामानस इन्द्राजु छुस मुरछ्लु बरदार ।  
धर्म राजु थोवमुत प्यठ दर्मु दानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।  
सतु र्येश सतु जल ह्यथ मंज बानस कोफूर मिलविथ छिस छकान ।  
सतुवय गृहघ छिस ह्यथ व्यमानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।  
गंगासागर ह्यथ छस गंगा वुदु जालान छस चँदुभागा ।  
लँक्ष्मी मीठ्य छस दिवान दामानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।  
नाबद आपरान महा वेद्या छस करान जमना छस वावजि वाव ।  
द्वदु मॉज सरस्वती सुत्य छस पानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।  
जंगि थाल अनुवुन्य छस पानु स्यदा व्युग लेखान छस कर्मलीखा ।  
आत्म रुप बसुवुन छु मनुकिस थानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।  
वासुक तु शीशनाग छँतरु बरदार छिस रँत्नन हुन्द म्वख्तुहार छुस नॉल्य ।  
गटु चँज तु गाश आव सॉरिस जहानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।  
कुवीरजी वरुणजी खरचु बरदारुय सोर स्वर्गु द्वरुय सुत्य सुत्य ह्यथ ।  
रथु छिख गँडिमृत्य मंजु मॉदानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।  
इयकस प्यठ चन्दन ट्योक तीजुवानस बुथिस छुस करोरु सिरियुक तीज ।  
छ्य दया गुल्य गँडिथ तस दयावानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।  
अर्ग कर मनस तय पोश कर प्रानस कृष्ण पूजायि सनि दानस लग ।  
जालिय पाप गालिय अग्न्यानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।

**107 पोशि पूजा**

ग्यवुन गिन्दुन नचुन तति साखिय ह्योत  
वज्ञान ओस जाबजा सेतारु सोंतूर  
ग्यवन ओस सामवीदुक प्रथ अखा राग  
तिथय पॉठ्य ह्योत त्रयव त्रयि बाव बावुन  
कुनुय जॉनिथ ग्यवान आसु रँत्य रतस

यि बूजिथ मंज स्वखस त्रेयलूक गोमुत ।  
दज्ञान ओस जाबजा अम्बर तु कोफूर ।  
गछन ओस मंज कनन दनबाग्य दनबाग ।  
स्वन्दर वॉनी अन्दर ह्योत वनुनावुन ।  
शिवस तय केशवस श्यामस प्रभातस । ।

108 पोशि पूजा

बावु पम्पोश फोल्थ प्रेयमय सरसुय ।

शिव शंकरसुय छ पोशि पूजा । ।

शिव द्यान दासन वीद व्यस्तारन अमर्यत छि हारन कारन तु दीव ।  
वयक्वन्ठ साँपुन साँनिस गरसुय रामेश्वरसुय छ पोशि पूजा । ।  
अमरनाथुकिस निशि अमरसुय तीर्थ यात्रायि द्राये ह्यथ प्वनि फल ।  
सर्वु तीर्थन हुंद फल छु काश्मीरसुय म्वक्तीश्वरसुय छ पोशि पूजा । ।  
ग्वडु आदि दीवस छु जय जयकारुय गोड दिस छस अनवॉरी ब्रॉठ ।  
गँप्यशिबल जल हल मूसल दरसुय लम्बोदरसुय छ पोशि पूजा । ।  
नव दल कल वन्दु अमरीश्वरसुय थँजवारि करु शंकरसुय पूज ।  
वेजिन्नारि प्रेदिख्यन दिमु चँक्रधरसुय विजियेश्वरसुय छ पोशि पूजा । ।  
बालु प्यठ तोतलायि तोता करुसुय अनन्तनागु करु नागु नागय श्रान ।  
शाप चोल इन्द्रस गव आश्चरसुय वेशम्बरसुय छ पोशि पूजा । ।  
अरगु पोशि बैरगुशाखायि पूज करुसुय मटन वॉतिथ हटन अपराद ।  
मूख्य प्यतरन मन्ज ख्यनु मातरसुय श्री भास्करसु छ पोशि पूजा । ।  
शिव रागु कारकूट नागु पाठ परसुय पापहरन नागु हस्तम पाप ।  
भीमसैनून्य पाँठ्य सुत्य हलधरसुय हँरिहरसुय छ पोशि पूजा । ।  
प्रेयमु पोशि मालु ह्यथ बालु प्यठ तरसुय सोनूशायि<sup>1</sup> आयि करु पोशि पूज । ।  
ख्यमा करि मे द्याना स्वरसुय आधरसुय छ पोशि पूजा । ।  
कूटहेरि अँद्य अँद्य फेरु तथ सरसुय कूटी तीर्थुक छुस महिमा ।  
आश थवु शंकरशानुनिस वरसुय कूटीश्वरसुय छ पोशि पूजा । ।  
खसु र्वखसत ह्यथ नन्दकीश्वरसुय शिवस तु शिवायि करु पोशि पूज ।  
परमीशोरिये तु परमीश्वरसुय जुम्बुकेश्वरसुय छ पोशि पूजा । ।  
त्रेशवय संज्र कँरिथ न्यथ व्रत दरसुय त्रनुवन्य बोयनख पादि प्रनाम ।  
सेन्दिन्नारि वन्दु पान श्यामु स्वन्दरसुय पीताम्बरसुय छ पोशि पूजा । ।  
खिरु खन्डु कन्दु सुत्य थाला बरसुय प्रेयमु सुत्य आपरिथ वन्दुहॉस पान ।  
नीलनागु नीलकन्ठस दिगम्बरसुय नीलाम्बरसुय छ पोशि पूजा । ।  
दीवस्थली छ दीवी सरसुय सारिनिय दीवन पादि प्रनाम ।  
वासकनागु श्रानु शमु प्यमु स्वरसुय स्वयं कौसरसुय छ पोशि पूजा । ।  
कपालु मूचनु बक्ति बाव करुसुय पापु ख्यय गँछिथ परु शापु मूचन ।  
पालवुनिस कपालु मालाधरसुय बाघम्बरसुय छ पोशि पूजा । ।  
न्यत सुत्य ह्यथ पनुनिस तु व्वपरसुय शिवरागु प्रेयागु मंजु करु श्रान ।  
कूटी तीर्थु पोश लागु ईश्वरसुय त्रुपुष्करसुय छ पोशि पूजा । ।  
गंगुजट्टनय गँछिथ वर मंगु हरसुय चावुनाव्यम अमर्यतुचिय दार ।  
प्रारान छुस तसुंदिस आसरसुय जवधरसुय छ पोशि पूजा । ।  
स्वयं गँछिथ प्रेयम बरसुय कालागु रुद्रस तु भँद्र कौली ।  
पूजु नेशकल कल मालाधरसुय कलाशेखरसुय छ पोशि पूजा । ।



तुलमुलि परजुनॉविथ सत्ग्वरुसुय  
दूप दीप आलवस ह्यथ चामरुसुय  
रामु रदनु तनु मनु पूजु हरुसुय  
भर्तु बालु खसु वातु प्यठ ब्रह्म सरुसुय  
हम्सु दारु तरु वातु प्यठ क्वलु सरुसुय  
वेषु रूपु जॉनिथ विशेश्वरुसुय  
अरजुन दीवन ह्यथ युधिष्ठरुसुय  
मनुकिस मन्दरुसु मंजु श्रीधरुसुय  
परबतु शारिकायि पूजा कुरुसुय  
गाल्यम संकटुकिस अस्वरुसुय  
रंगु रंगु क्वन्गु पोशु फॅल्यु पॉपरुसुय<sup>१</sup>  
श्री महादीवस तु भस्माधरुसुय  
नागु नागु फेरु कोतु यथु बवु सरुसुय  
पूजु करु अन्दरु शिवु मन्दरुसुय  
कृष्णसु चावि शिवु प्रेयमुकु चरुसुय  
रूपु ह्यव्यसु मंजु ख्यनु मातरुसुय

राजि रेनि रंजायि करु पोशि पूजु ।  
भूतीश्वरुसुय छ पोशि पूजा ॥  
प्रास्स हस्वखु बरुसुय तल ।  
जगत ईश्वरुसुय छ पोशि पूजा ॥  
शिव लोलु गंगायि मंजु करु श्रान ।  
गंगाधरुसुय छ पोशि पूजा ॥  
नारान नागु कैरु द्यानु पूजा ।  
दामोधरुसुय छ पोशि पूजा ॥  
वामु दीव रछि मे परुसुय तल ।  
चॅक्रीश्वरुसु छ पोशि पूजा ॥  
जालायि बालिकायि पूजायि लागु ।  
हॅरशीश्वरुसुय छ पोशि पूजा ॥  
लागु नागुनाथसु कुन मन तयु प्रान ।  
आत्मु रूपु हरुसुय छ पोशि पूजा ॥  
तीर्थु फलु दाव्यसु गरुसुय मंजु ।  
षडअख्यरुसुय छ पोशि पूजा ॥

1. दीवी; 2. पांपोर गाम ।

**109 पोशि पूजा**

यि केँ छ ओस लॉजिम करनि लॅग्य ती      प्रसन सॉपुन तिमन प्यठ पानु शिवजी ।  
केँस्खि प्रथ रंग रंग पोशिकी डेर      कोरुख शिव शक्ती रूपस अँद्य अँद्य गेर ।  
अँनिख वोन दिथ च्वपॉर्य पोश सॉरी      करनि लॅग्य पोशि पूजा चॉर्य चॉरी ।  
परान ओस सामवीदुक्य श्रूख ब्रह्मा      उमा छ्य सुत्य सुती कर चु ख्यमा ।  
तँमिस बास्योव अँदुर्य न्यँबुर्य शिवुय शिव      चँलिस नीस्थि शिव सुन्द्य लोलु आलव ।।

110 ब्रह्मा करन शिवस पोशि पूजा

ब्रेशबस युस छु खसुवुनये	हृदयस मंज छु बसुवुनये ।
यियि ना दियि दर्शुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
पानस छु बस्म मलवुनये	इयकस छुस चंद्रमु नोनये ।
दोयुम कांह छुसनु छुय कुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
प्रथ जायि छु सु आसुवुनये	संकट तु द्वख कासुवुनये ।
त्वलि मंज ह्यमोन ललवुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
मायायि सँदरह छु सोनये	मुशकिल छु तथ तरुनये ।
तमि मंज सुय छु तासुवुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
स्वप्रकाश रूप छुस नोनये	गाशि रस्त्यन छुनु वोनये ।
गाशि निशि रात म्वगुल ओनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
गछिना पालनायि कुनये	जाँन्य गाश हेयि बखशुनये ।
अँस्य ह्यमोन परजुनावुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
च्यथ थाव ज्यथ छुनु ज्यवुनये	सुय सत् रोजि पथ कुनये ।
यिहँय कथ न्यथ मानवुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
ग्वनु सुत्य मनुसुय सोनये	वनसुय ह्यमोन छरुनये ।
दासनायि दान दारुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
स्वनु पोश व्यनु जानोनये	शरुनय गछ तसकुनये ।
लूब छुसनु छुय न्यथुनोनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
हर नाव वाँलिजि खनुनये	शिव लूक ह्यथ प्रावुनये ।
तति छुनु ज्योन तु मरुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
स्थूल किन्य सुय छु शूबुवुनये	सूखिम रूप देह निशि ब्योनये ।
मायायि अँद्य रोजवुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
असि मंज बोड छु कुन जोनये	शखुच सुत्य बखुच टेठुवुनये ।
पोशि पूजायि खीत ब्वनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
अँग्नन ह्योत प्रजलुनये	अँहवँद्य सुत्य बल न्युनये ।
ब्रह्मा सुंद तु वैष्णुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
समसार सर छु कठ्युनये	व्वन्दुकुय चन्दु छुनु छेनये ।
हर नाव छु तार तासुवुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
खिरु खन्डु थाला ओनये	कन्दु नाबद सुत्य गोनये ।
दय हेयि दयुबतु ख्योनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
कृष्णन बक्ति बाव वोनये	रंगु रंगु बन्गु ब्योन ब्योनये ।
दियि तस लोलु मस चोनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।

**111 मनन माल**

यिथुय रंगा वुच्छि मीना वनन आँस  
ग्वनन चान्यन मनन माला बनाँवुम  
चोलुम शर आश्चरु चाले लगय बो  
बँडिस नावस तु ल्वकचास्स लगय बो  
रंगा रंगु पोशि क्यन छँतस्न लगय बो  
लगय पुशपक व्यमानस सायिबानस  
ग्वलाबाह छुय चै म्वख म्यूव दिमयना  
स्टय दामन व्वतम जामन लमयना  
शमयना चानि प्रेयमुक मस चमयना  
लगय जीगस<sup>1</sup> ड्यकस तय म्वख्तु ह्यस्स  
ट्योका छुय ज़न स्वनु दीफा लगय बो  
छ चाँनी तन स्यवह ज़ोतन लगय बो  
वुच्छि चै ह्योतमुत पोत लूबन लगय बो  
नज़र त्रॉविथ चै न्यूथम मन लगय बो  
शक्ति नाथो चै यिछि शक्तियि लगय बो  
यशय पुछि ख्वश बु कँस्थस छुम ह्ये नाव  
दोपुन तस ही ज़गतपाला दयाला

कनन यस गव तु तस मूखी बनान आँस ।  
मुकटस प्यठ गँछि चाला बनाँवुम ।  
मै गव स्यद तप तु ज़प माले लगय बो ।  
जँरी त्वस्स तु दस्तास्स लगय बो ।  
स्वन्दर न्यँत्रन पदमु पँत्रन लगय बो ।  
क्वलस म्वलस तु शॉही खानुदानस ।  
यिमयना ब्रॉठ्कुन मुशकाह ह्यमयना ।  
शस्न गँछि पस्न पादन प्यमयना ।  
नमयना छस शस्न आमुच बो मीना ।  
वन्दय सोरुय चै हिविस शूबिदास्स ।  
प्रज़लवुन छुय स्वन्दर रूपा लगय बो ।  
यि गॉडमुत छुय चै छुय शूबन लगय बो ।  
जँरी च्वगस कमर बन्दस लगय बो ।  
मै छम चाँन्य बावना बक्ती लगय बो ।  
दिनस ह्यर्शस तु आनन्दस लगय बो ।  
अशे सुत्य गौड दिमय कासुम पशेबाव ।  
मनन माला गन्ड्य छ्य राजु चाला ।।

1. दसतार ।

112 मनन माल गंडुन्य

बक्तु वत्सल मोनुख म्योन्य मननुय ।	
शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।	
बूज्य बूज्य श्रवनुय तु कैर्य कैर्य मननुय	निदद्यासनु ग्यानु दीप जाल ।
साख्यातकार छुख शिव रूप ननुनुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
आदिकार द्युतमुत छुय सत्जननुय	मंज छिय अन्द ह्यथ मायाजाल ।
न्यग्वनु लगुयो यिथिनुय ग्वनुनुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
युथ छुख तु क्युथ छुख त्युथ छुख येतिनुय	सुय ज्ञानि यस बनि युथ ह्युव हाल ।
वोन दिथ नोन वुछ्य वुछ्य छि अँन्य बननुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
देह अन्दुकारुक कुल हैयि छनुनुय	तीबर वॉरगुक सूराल ।
शिव रूप ती बनि यी पोह पनुनुय <sup>1</sup>	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
बीशनु <sup>2</sup> यिम म्वख चैय कुन अनुनुय	तिमुनुय आयि मंगु कॉल्य यँच काल ।
तिन्हजि अँछ्णाटि मंज कल्पान्त बननुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
लोल आलव अँश्य प्योर बाँसु कननुय <sup>3</sup>	चान्यन गछि ना तर छिम लाल ।
सुय म्वख्तु बनिहेस यथ छि म्वख्तु वननुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
पजि बावु परमानुनाव पान पनुनुय	शाह पूर वस्ताव अथि ह्यथ माल ।
मंज बाज्रस वान लोद न्यरदननुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
हिलि हिलि मावि मावि लावि लावि ग्वनिनुय	कुनिरुकि खलु फलु वुछ म्वख्तु हाल ।
गात्स गाट प्यव हरिस्स छु छ्वनुनुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
नियमुचन नारजन <sup>4</sup> यमु किन्य यनुनुय	समु द्रेशट जल फिर माला माल ।
नेशकामु कर्मु बूमि कल्पु व्रेख बननुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
च्यत् आकाशु हव न्यथ म्वख पनुनुय	छंडनस लौगमुत छुस पाताल ।
रोन जन ख्वनुवटु ख्वड छुस खनुनुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
यूग अँगु विन <sup>5</sup> छुस ग्यानु अन्न रनुनुय	यूगीश्वरु छुय मूर्खु सुंद साल ।
अनयछर करतम अनुग्रेह पनुनुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
दयु दनु प्राप्त प्रथ काँसि बननुय	बानु रोस्त कर्मु ह्यून छुस कंगाल ।
बडि भगवानु लदतम बानु पनुनुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
गंडु गंडु वुनि छिम आम्यन पनुनुय	वर दिम इन्दु चँदु छुख दयाल ।
द्वगनाव व्वलँगिथ छुख त्रन ग्वनुनुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
सादु छम यछर क्वमाँरी ननुनुय	स्यँज साजु गँर सूजिथ संबाल ।
वँसनस <sup>6</sup> सँजवरि <sup>7</sup> किय वस्तनुनुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
शक्तिपातु सुत्यु बक्तिबावु न्यथु ननिनुय	बक्त कर मीना बाव हीमाल ।
ताह खोल वर दिनुक्यन वरदननुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
थफ कँर मनस च्यत् आनन्दुघननुय	तप गव स्यद अथि मँठ <sup>8</sup> जपु माल ।
मस्त कँसनस यिथिय मस चनुनुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
मीनायि हीमाल परबत छु वनुनुय	चँक्रीश्वरु छुय त्रुजगतपाल ।
साँरिय दीव चँक्रस फीर्य प्रेदिख्यनुसुय	शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।

## Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

---

कृष्णस हस्वखु म्बख हव पनुनुय थपि खास्तन प्यठ सूहम बाल ।  
फीर्य फीर्य नीर्य नीर्य न्यस्नयि वनुनुय शक्ति नाथु गंडयो मननुय माल ।।

1. पोहस मंज कुल्यन हुंद हाल; 2. बयानक रूप; 3. बाँसुक कुल; 4. नियम तु संयम रूप डूर्य; 5. वर्य, बिना; 6. लय करुन; 7. सिन्नारुक डबु; 8. अथस मंज मँशिथ ।

**113 लंकरन (गँहनु ज़ेवर ) हुंद इन्तिज़ाम**

दयन दयायि सुत्त्य ह्योत दयि बतु ख्योन	ज़नानव वनुवुनि वॉनी अंदर वोन ।
शक्त यियि व्वलसनस समसार दारे	गछि आसुन लन्करन राजु कोमारे ।
यिहॉय कथ गॉयि शिवनाथस कनन मंज़	सु छुना सास्निय वॉतिथ मनन मंज़ ।
दोपुख तँम्य लन्करन क्याह गॉयि वँनितोम	स्व क्वसु अवशद छ वँनिथ पछ मे अँनितोम ।
व्यनथ कँरुहॉस महाराज़ा चु थव कन	महारेनि लन्करन गॉयि गँहनु तय स्वन ।
दोपुख तँम्य गँहनु तय स्वन कथ छि वनन	कनन कँरितोम छुना कौंसि बनन ।
सु छ अन्न ह्युव ज़ि सन्दारि प्रानन	छु क्याह तथ ग्वन बो युथ स्वन छुसनु ज़ानन ।
व्वपुद येलि कम तु अमदम युथ म्वलुल गव	ह्युवुय शाह व गदा असि व्वन्य करुन प्यव ।
तिथुय बुतरॉच्च प्यठ व्वतपत बनन स्वन	हिविय सॉरी बनन अदु लूब निशि प्यन ।
यि वँनिथ गॉयि बेपस्वायिसुय राय	कँरुन गगराय गँहनस किच्च कँस्वि जाय ।
ह्योतुन स्वनु शीन वालुन दारि दारे	गँहनु वोट वॉरिव्युक राजु कोमारे ।।

**114 महारेनि गँहनु बापथ स्वनु शीनुक बयान**

स्वनु शीनु बुतरत बस्नय आये ।

जयजय भगवत मायाये । ।

सास्त्रिनय गँहनुकिय तमना द्राये	शंकस्न यि कें छ लन्कस्न त्रॉव ।
डाय गज्ज स्वनुकिय खँत्य बूमिकाये	जयजय भगवत मायाये । ।
शस्नय आय चै बे पस्वाये	बडि दयि यितु पननि दयाये प्यठ ।
दरि नय जल प्यन लरि तय जाये	जयजय भगवत मायाये । ।
समु द्रेशटि सुत्य ह्यौत पोत त्रेशनाये	राज्जन छ वाज्जन सुत्य क्वसु कोम <sup>1</sup> ।
राज्जुबायि हिशि द्रायि च्वन्जु तय दाये	जयजय भगवत मायाये । ।
स्वनुकुय अवतार दोर स्वनुशाये <sup>2</sup>	खँत्य प्रथ शाये स्वनु किय डेर ।
ख्वश गव यी ईश्वर यछये	जयजय भगवत मायाये । ।
सास्त्रिनय स्यद गँयि मनु कामनाये	लूब चोल कुस कस रूद मोहताज ।
सोरुय समसार गव कुनिय त्राये	जयजय भगवत मायाये । ।
दयि दनु असि व्वन्य छुनु बावनाये	सुय दनु गछि यमि निशि गँयि सीर ।
अदु मोन्ग ती सारी प्रजाये	जयजय भगवत मायाये । ।
कर्मु फल व्वपुदोव दर्मु श्रदाये	लूब येलि गोल मूह पानय चोल ।
पर तु पान यकसान बोज्नु आये	जयजय भगवत मायाये । ।
लूब कास कृष्णस कर व्वपाये	च्यथ शखुच हन्जि शूबाये सुत्य ।
हवुस दर्शुन प्रथ जायि जाये	जयजय भगवत मायाये । ।

1. कॉम; 2. सोनुशाय ।



**115 महामाया लक्ष्मी हुंद दर्शुन**

महामायायि प्रेत्यख होव दर्शुन      रूदकि बदलु प्यवान ओस लालु वर्शुन ।  
करान आँस्य पानुवँन्य सम्वाद साँरी      कँखि बा व्वन्य लर्यन खसुनुच तयाँरी ।  
खँसिव बा प्यठ लर्यन ज़न शीन वॉलिव      मँखि बा व्वन्य कँखि क्याह कूत चॉलिव । ।

**116 लालन तु गवहस वुच्छि शोरि आलम**

सँमिवो लूकव शीन ज़न वालव ।

पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।

आन्गनन टेंग खँत्य पोत ह्योत बालव	कुठ्य पोसुन खेत तालवन सुत्य ।
द्वर्गत त्रॉव गत प्रॉव जदालव	पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।
शिवनाथ साँमियो व्वन्य कूत च़ालव	क्याह बनि सान्यव ज़ालव सुत्य ।
वथ हेयि लगुन्य व्वन्य पेठ्य बंगालव	पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।
कम छुनु प्योमुत कुच्छि <sup>1</sup> संबालव	क्याह बनि फ़वतर्यव तु थालव सुत्य ।
वानु वॉल्य वानन गँयि दिथ फ़ालव	पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।
इन्द्राज़न तोरु कोसुनख आलव	क्याह बनि तुंहद्यव नालव सुत्य ।
बूज़िन शिवजी ओबस्स डालव	पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।
लोलुक ओश त्रोव च़ालव च़ालव	म्वक्तु त्रोव न्यँत्रुक्यव लालव सुत्य ।
कृष्णो ज़प कर मालव मालव	पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।

1. गुदाम ।

**117 प्रेथ्वी मातायि हुंद फँरियाद**

वननि लँज प्रेथ्वी किथुकँन्य दस्य बो      यिथय पाँठ्य वालि योदवय क्याह कस्य बो ।  
वननि लँज यी ज़गत रखिपालसुय कुन      पज़्या यमि हलु त्रावुन लालु वर्शुन । ।

**118 प्रेथ्वी मातायि हृदि तरफ़ तोता**

पालवुनि यमि हल वथ लेंज बाल बाल ।

बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।

चानि पालनायि सुत्य बाल त्रुजगत पाल	चालवन्य छस बो जगतुक बार ।
हसनाख्य <sup>1</sup> मॉस्थि खॉस्थस पाताल	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
बयु कास दयु म्रैत्यंजयु अकाल	जय शिव ओमकार छम चॉन्य सथ ।
कम करतु स्वनु शीनस दम बो संबाल	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
खंडु खंडु कश्मीरु काँशी नयपाल	बक्त चॉन्य थवुवन्य छि मे प्यठ पाद ।
तिन्हदि पासु कैलासु वासु कासतम जाल	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
दशिब्वजु त्रावु काँचाह अशिने चाल	नशि मा समसार पशि कोताह ।
पालवुनि यित साल शूबा बु यमि हल	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
शोक्ल रंगु गंगुजटु दारुवनि बूलबाल	न्यथुननि ननुगु नालमति स्टहँथ ।
मंगु क्याह चै टंगु आयस बोजतम नाल	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
स्थावरुन मंजु बडि बलु स्वस्तु हीमाल	स्वनु शीनु सुत्यन कावरुन <sup>2</sup> छस
न्यत्रुक्थव लालव कोताह बु म्वक्तु वाल	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
नेशकलु कलुमालु दारुवनि कलुवाल	प्रेयमु मसुकिय प्यालु कृष्णस चाव ।
मँसती अनतस अदु बनि मतवाल	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।

1. हिर्नाक्ष नावुक दुत; 2. श्वकुन, सुकड्ना ।

119 स्वनु शीन वुच्छि हॉरॅनी हुंद बयान

वुच्छि स्वनु शीन गॅयि हॉरान सॉशि  
शक्तिनाथो बख्त दिनस लगयो  
ग्वसान्यो जूग्य सॅन्यासो लगयो  
अँबीदु बक्तके बावो लगयो  
अनाहदु शब्दु<sup>1</sup> के नादो<sup>2</sup> लगयो  
च्यतुकि चेतन्य सतकि संगो लगयो  
शँमिथ समसारु वॉरगो लगयो  
शिव प्रेयमुकि अनन्दो लगयो  
कमलु चरनो मनकि स्वरनो लगयो  
ग्यानुकि यूगुके होशो लगयो  
असत त्रॉविथ सतकि वीरो लगयो  
दया दर्मुकि व्यचारो लगयो  
अविनाशो च्यत् आकाशो लगयो  
कुनुय ऑसिथ बहुस्यामो लगयो  
यछ्र गनुनस प्रकट बननस लगयो  
देहचि सूरॅच करनि लगनस लगयो  
चे साँखी रोजनस प्वरशो लगयो  
कुमारु सुँदि गॅण्यशि सुँदि माल्यो लगयो  
लगयो जुव पनुन अरपन करुयो  
खबर कति ऑस युथ आसख चु शिवजी  
खबर कति ऑस छुख हने हने मंज  
महत्मु चानि निशि अँस्य डॅल्यमुत्य अँस्य  
स्वनुक चोल लूब दनुक द्राव असि तमना  
पस्म ब्रह्मो लगयो पॉर्य पॉशि ।  
शखुच सुत्य व्वलसनस यिनस लगयो ।  
ज्यत इंद्रेय यूगु अब्यासो लगयो ।  
प्रेयवुनि रामु सुन्दि नावो लगयो ।  
पदम पादो स्यदो सादो लगयो ।  
रंगन हुन्दि रंगु बेरंगो लगयो ।  
देहकि त्यागो सतकि रागो लगयो ।  
अमस्नाथकि स्वछ्यंदो लगयो ।  
अन्दर हृदयिकि स्वन्दर वरनो लगयो ।  
फोलिथ हृदयिकि पम्पोशो लगयो ।  
सतोग्वन रूपु बोजवीरो लगयो ।  
न्यराकारो न्यराहारो लगयो ।  
मनकि गाशो स्वप्रकाशो लगयो ।  
मनकि आरामु श्री रामो लगयो ।  
सु बेयि पानस कुनुय अनुनस लगयो ।  
देहन मंज मूह गॅच्छि लगनस लगयो ।  
सौरूपय द्रेशटि हुँदि हरशो लगयो ।  
जगत व्वतपत कस्न वाल्यो लगयो ।  
कँस्थि अरपन जुवस जिन्दय मरुयो ।  
पननि पानय मंजय बासख चु शिवजी ।  
कुनुय ऑसिथ चु आसख प्रथ कुने मंज ।  
चे कोसुथ लूब लूबन वॅल्यमुत्य आस्य ।  
सपुन मोलूम सौरुय कर चु ख्यमा ।।

1. अनाहत्; 2 शब्द ।

**120 हीमाल तु मीनावँती बेयि बाक़य ज़नानन हुंद इज़हर**

श्रोग ज़ोन शिव रूप द्रोग ज़ोन स्वन ।

राय कति ऑस डय गज़ प्यन ॥

असि ओस राजुसी हुंद अंदकार	पांछि मोहरि कडुहोन राजु कोमॉर ।
स्वनु र्वपु दिमुहोस सुत्य अख जु मन	राय कति ऑस डय गज़ प्यन ॥
शिवनाथ ख्वश साँपुन छि काँपन	दस्निय जल लरि लरि फेस्न ।
ब्रन पेयि बोनि पेयि बस्नु आयि वन	राय कति ऑस डय गज़ प्यन ॥
वाँनी वँनिमुच्च ऑस वीदन	श्रूच्च गव स्वन पानय छु श्रोच्चन ।
सूरु बठिनिय प्यठ अज़ छु डोलन	राय कति ऑस डय गज़ प्यन ॥
बयि कास दयि असि द्राव अस्मान	यि वुच्छि लक्ष्मी गँयि हँरान ।
यिछि मायायि निशि स्व छ मंदछ्न	राय कति ऑस डय गज़ प्यन ॥
नावु किन्थ बूज़िमुत्य ऑस्य असि लाल	राज़स साँनिस ऑस अख माल ।
तोदु तोदु आन्गनन मंज़ छि वुन्थक्यन	राय कति ऑस डय गज़ प्यन ॥
खोतमुत अंदकार वोथ राज़न	वेच्चि कुस मेच्चि खोत श्रोग गव स्वन ।
राजु कोमार्यन कुस च्वम्बि कन	राय कति ऑस डय गज़ प्यन ॥
आपदा छ तापु सुत्य किथु गलि स्वन	वाति कति बुतरँच्च कुल्य छि फेस्न ।
प्राण किथु पाँठ्य नवि बवि नय अन्न	राय कति ऑस डय गज़ प्यन ॥
सूरु मति पम्पोश हिव्य छिय पाद	असि छ खबर यमि शखँच्च आसि साद ।
नूर आसि सूर तय सूर आसि स्वन	राय कति ऑस डय गज़ प्यन ॥
न्यथ ही सत् च्यत् आनन्दुगन	कृष्णस नादन कुन थाव कन ।
कुन्दन स्वन छस स्वय सुमस्न	राय कति ऑस डय गज़ प्यन ॥

**121 सास्त्रिय हंज प्रार्थना बूजिथ शिवजीयुन स्वन शीन तुलनुक इन्तिजाम**

असान असान दपान ओसुख सदा शिव  
स्यवह ख्वश साँपनुस तुन्हजन बु लँहसन  
गँडिथ गुल्य वौनुख तस ही महेश्वर  
छि काँपन तापु सुत्य गलि नु स्वन  
हिविय साँरिय बनन अदु मानि कुस कस  
कँखि ज़ीवन हुन्दे बचनुक व्वपाया  
व्यनथ बूजिथ अमरनाथन असुन ह्योत  
दोपुन वावुलूकपालस दानि दाने  
वँटिथ सोरुय कँखि थावुन चु यकजा  
दितुन वावस तिथुय अदु बल तु ज़ोरुय  
अँकिस सातस अन्दर बुतरात गँयि नँन्य  
सेदिस सादस यि वौनहोस ती करुन प्योस  
कृष्ण लीला परिय बोजुस ग्वसाने  
मनस अन वारु पछ समसारु वने

मँगिव तोह्य वारियाह स्वन वुनि क्याह प्यव ।  
स्योदुय वँनितोम व्वन्य छि क्यजि त्रँहसन ।  
हँरी हर कर दया बुतरँच वँछ थर ।  
न्यबर बुतरँच फल किथु पाँट्य नेसन ।  
स्यवह पेमुत्य छि पायस बस कँखि बस ।  
जगत रछनुच कँखि नँन्य वैष्णु माया ।  
तिथय आकाशि प्यठ ओबरन वसुन ह्योत ।  
वटनि हे स्वन शीनस शीनु माने ।  
बन्यस सँमीर परबत क्याह छु परवा ।  
अँकिस ख्यनु मात्रस मंज वोटुन सोरुय ।  
फरागथ ज़ीवु ज़ाँचन वारु साँपुन्य ।  
जगत सोरुय त्युथुय साँपुन यिथुय ओस ।  
सँमीरस द्युत बजर चाने यछये ।  
ग्यानुक स्वन दि बोज़ सरतलि म्याने ।।

**122 राजदान साँबनि तरफ़ तोता**

येछि चानि दानि दानि वचि स्वनु शीनु मानि ।

ह्व ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।

नन्ग छुस लोगमुत मंज प्यवुनि शानि	जंगु छमनु किथु पॉठ्य पक् मँज़िलस ।
अन्ग हीनिस श्रान करनाव गंगु वानि	ह्व ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
नेशब्द कोरनस मायायि हंजि वनि	फवक् फोट <sup>1</sup> गँज़रुम ट्वक् रुदस्स <sup>2</sup> ।
म्वख्तु छुम बासान जंगतुचि साँलानि	ह्व ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
संकल्पु चूर मंज मच्चि न्यँद्रि म्यानि	अँन्य वासना ह्यथ छु सँन्य ज़ागन ।
गंडु थव च्यत् दनु मंज मनु हमियानि <sup>3</sup>	ह्व ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
बावुक्य पोश आँस्य पछि हंजि पोशानि	रागु द्वेशि रानि वति लूटु नियिनस ।
राजु यूगु राजु आय अदालँच्च चानि	ह्व ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
त्रेशना तु ममता मीलिथ मॉन्य मानि	माजि कोरि मेजम खानुदास्स ।
संतोशुक स्वन न्यूहोम मे दानि दानि	ह्व ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
गंडु छु सँमीरु सुत्य ज़ॉन्य मालायि सानि	सँमीर छुख च्यु तु मालि फँल्य छि दीव ।
यिछि सुमरनि फिसिनय सीवु चानि मानि	ह्व ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
कृष्णस श्रान शिवु-शखुच्च ह्वन्दि गंगु वानि	माजि भवानि ह्वन्दि पासु करुनाव ।
तमि पानि पपि तस परम आनन्दु दानि	ह्व ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।

1. नकली (imitation); 2. पोज़ जवॉहिर (real jewel); 3. locker ।



123 रजदान साँबनि तरफु (शिव रात्री हुंद मतलब)

झाारा अख कोरुथ खँत्य स्वनुकिय कोह  
 मन्गन छिस दीव छुस शिव रात्री नाव  
 यि केंछ ओँस्य नु ज्ञानन गव ति व्वतपत  
 सदा शिवुन बजर अमी दोह नोन गव  
 स्यवह बोड तीज ज़ाला लिङ्गनुय कोर  
 ब्रह्मा तय वैष्ण जी आव प्रेदिख्यन दिथ  
 सु छुय पूस मंदछ तस छु मन्जूर  
 परा शक्तियि छु ख्वश आमुत यिहोय दोह  
 कोमौरी रूप तस मानन छि साँरी  
 लदन छख बाग बागन<sup>2</sup> तोर फीस्थि  
 करन छख सारिनिय गौबुच<sup>3</sup> स्व बरकत  
 वटुक भैख यिवान छुय सारिनिय सान  
 छु हस्नागस अमी दोह पोन्थ नेस  
 अमी दोह बानु स्सत्यन बानु मेलन  
 अनन साँरी अमी दोह क़ालु बानय  
 डुल्यन डुल्यजन अन्दर भैख छि साँरी  
 अमी दोह छ्य यिवान योत स्यन्दु ब्राँरुय  
 छि साँरी ताँयफु हवन पनुन कार  
 बनान अलमास पारुद संगि फारस  
 लगन अमि रँच गैबुय<sup>9</sup> कास्खानय  
 दपान स्यन्दमान रजु रूद हुशियार  
 शबे कदर व शबे मेराज मानन  
 फकथ हुशियार रोजुन बँड गथुय छ्य  
 ह्यकखनय केंह वटक व्यसतारुसुय गिन्द  
 बसाविय प्यत्रलूकस मूख्य दाविय  
 अम्युक सादक छु अभिनव गुप्त आचौरी  
 मुनीश्वर बोड रँखीश्वर बोड तँपीश्वर  
 शिकौरिसि ह्य अमी दोह पाप गँयि माफ  
 छि अँस्य अनज्ञान कति ज्ञानव अमिच वथ  
 छि यिछुनुय रँचुनुय मंज अख सतुच रथ  
 यिछी शिवरँच जयजयकार सोनुय  
 यिहँय शिव रात सोनुय गुर यियतन  
 करुन्य ईकस अँनीकस छ्य यि पूजा  
 तवय ईकस अँनीकस छुय चै द्युन नाद  
 दपान पथ कालि शिवस रूठ शक्ती  
 मनस मंज ओस तस मॉनय मलाला

छु बासन फागनस मंज माघ तय पोह ।  
 अमी दोह कामुदीव बेयि नोव ज़ाव ।  
 व्रतुक व्रत छुय च्यतुक च्यत छुय सतुक सत् ।  
 यि ज़ाला लिङ्गकुय<sup>1</sup> हला वनुन प्यव ।  
 सुदर्शन चँक्र बखशिथ येम्य वैष्ण वोर ।  
 सु युथ जोनुख तु त्युथ तिम गँयि फल निथ ।  
 ततिय प्यठ अरुद प्रकस्म शिव सुन्द पूर ।  
 यिवान लारन दिवान बक्त्यन गरन छेह ।  
 छि हेरुच बूग तस सोजन च्वपौरी ।  
 स्वखुक्य सामानु सोजन छख स्व शीस्थि ।  
 यिहँय बरकत शक्तिपातुच छ हस्कत ।  
 स्यदँच हुंद सारिनिय बखशन छु सामान ।  
 छि पानिक्य बानु पानय चस्खु फेरन ।  
 छि कासुन दिवताह अथ रँच खेलन ।  
 यिमन खान्दर तिमन मेलन छि पानय ।  
 यिहुन्ज सीवा दिवथ लागन च्वपौरी ।  
 छ य्वसु कामा बनन छस शूब साँरुय ।  
 समन दरती<sup>4</sup> पवन<sup>5</sup> नब<sup>6</sup> पोन्थ<sup>7</sup> तय नार<sup>8</sup> ।  
 यि दोह पालुन छु रुत प्रथ कुनि दास्स ।  
 ननन छि बाँतिनिस जौहिर निशानय ।  
 स्यदथ ह्यथ गव तु लोदुन शंकराचार ।  
 तिमय यथ रँच यिमय क्वदरत छि ज्ञानन ।  
 स्वरुन अय केंह करुन अय क्याह कथुय छ्य ।  
 वुन्यँदुर कर शुर्यन सुत्य ज़ारुसुय गिन्द ।  
 बनाविय बक्त लूका लूक हविय ।  
 तँमी समसार सस्स सासु बँद्य ताँरी ।  
 लिवन डुवन ग्यवन छ्यि तस ह्यवन वर ।  
 क्वकर्मन शीन ज़न त्रोवुन प्यव्य ताफ ।  
 अमी बडि दोह असि कासिय सु द्वर्गथ ।  
 यिहँय शिव रात शिवनाथुन्य सतरात ।  
 यिहोय कर्म मानुवुन्य साँरिय छि प्रोनुय ।  
 यिहँय हेरत विभूती असि दियतन ।  
 अँमिस निशि पापुक प्वन्युक छु पखा ।  
 कसिय प्रसाद ज़नमन हुन्ज च़लिय व्याद ।  
 तिमन निशि गँयि यिमन आँस बक्ती ।  
 खयाला गोस प्योस ह्यवुन जलाला ।

प्रपंचुक फुटनि लोग अदु व्यवहारय      कॅमिस रूज़ शक्त करिहे कारोबारय ।  
कॅमिस रूज़ शक्त द्याना स्वरिहे कांह      फरगॅच्च सान साथा बरिहे कांह ।  
सॅमिथ गॅयि पांछ कारन मनुनॉवुख      परा शक्तियि पनुन्य शक्त हॉवुख ।  
न्यराकारस त्युथुय कारा करुन प्यव      शिवय गव शक्त शक्ति गॅयि सदा शिव ।  
यि सॉरय शक्तिनाथुन्य छुस वनन गीत      सु मायातीत खान्दर छुम वनुन हीत ।  
अरूपन शिव रूपय रूप होवुम      ल्वले मंज़ लोलु सुत्य अदु ललनोवुम ।  
न्यरन्ज़न शिव सन्ज़ शकला कॅस्थि आम      दोहस रतस ग्यवुन ह्यमु सुबह ता शाम । ।

1. ज्योर्तिलिन्ग; 2. तकदीर ; 3. unexpected; 4-8. पांछ महाभूत; 9. unknown ।

**124 सास्त्रिनय हुंद ख्वश गछुन**

बो क्याह वनु लूकनुय तति हल क्युथ गव      बँनिथ येति ओस महाराजा सदा शिव ।  
बो क्याह वनु लूकनुय तति क्युथ सपुन मन      बन्योमुत ओस येति भगवान यँजमन ।  
स्यवह हीमाल येति ख्वशहल साँपुन      करनि लोग आरती नारायणस कुन ।  
कोरुम चाने दयायि सुत्य मे युथ कार      पर्य लीला कस्य बावुक नमस्कार ।।

125 हीमालनि तरफु यँजमन नारायणुन्य तोता

गोकुलानन्दु गोविन्दु गोपालय ।

नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।

मधुकीट्ठ माखुनि ह्य द्द चूस्य मनु मंजलिस मंज कस्य गूरु गूस्य ।  
गोपीनाथु बालु त्रुजगतपालय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
यादव क्वलुके माधव रामय ही न्यर्मलु नेशकलु नेशकामय ।  
गूर्य बालकन सुत्यु माखुनि छलय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
रधाकृष्णु च्रेय नादा लायय श्रीधरु प्रेयमु स्वरु मुस्ली वायय ।  
रोजु रामु बोजु सामवीदचि तालय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
हृदयस मंजु बसुवुनि न्यथ लसुवुनि असुवुनि आसुवुनि गरुड्स खसुवुनि ।  
नालुमति स्तुहँथु मो दिम डलय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
हनि हनि मंजु आसुवुनि वासुदेवय रासु मन्दुल खेलुवुनि कृष्णु जुवय ।  
न्यथ बासुवुनि सत् यमि कलिकालय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
पंकजु तनि विजियंती माला तरजु<sup>1</sup> अकि नॉल्यु तय मोजु दोबाला<sup>2</sup> ।  
संतु छुयु वॅलिथु बसंतु दुशालय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
केशवु शिवु रूपु नारायणय वोन दिथु नोन गोखु बिन्दुराबनय ।  
च्योन ह्योत चुन प्रेयमु मस प्यालय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
विदुर जिथिनुय गरु येलि च्वाखुय बावनाथि सुत्यु ख्योथु स्युवमुत हाखुय ।  
कति गोखु तति कोखन हुन्दु सालय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
द्रौपदीथि अकि कृष्णु नावु सुत्यु श्यामय पाँदु गॅथि तस कृत्यु वस्त्रु तु जामय ।  
थीत्यु कॅडिसु दुर्योधनुनय नालय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
चानि मायाथि सुत्यु मंजु द्वारिकाये मथुराथि हुन्जु हिशि लरि तय जाये ।  
पाँदु गॅथि अकि ख्यनु मंजु कमि हलय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
अजामिलु द्रावु बोडु बागिवानुय नेचिविसु तस नावु ओसु नाराणुय ।  
म्रेति विजि फूरु तस ती अकालय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
श्री भगवानु छुखु पानु प्रथु जाये कुसु वोटु कुसु वाति चानि मायाये ।  
म्बकुलाव असि यमि मूह ने जालय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।  
कृष्णसु शिवु रूपु दर्शुन दितु च्युय सुयु च्युय सुयु केवलु छुखनु जुय ।  
श्यामु प्रभवात रूपु हावतस कालय नादु ब्यन्दु परमानंदु नंदुलालय ।।

1. तँसीकु; 2. दोगुन्य शुबा ।

**126 ज्ञानानव दैस्य शोम्भू जीयिन्य तोता**

गोशि प्यठ होशि पोशनूलु छुख च्च बोलन ।

बोजन छसय ताक् दारे प्यठ ।।

सत् संग् रंग् बुलबुल छुख च्च शूबन	नेर फेर होशि पोशि बागन न्यथ ।
म्बखतु तुलि युस चानि बोलि कन दारे	बोजन छसय ताक् दारे प्यठ ।।
आशितोशि कथु चानि अमर्यत छि हसन	तिमनुय कथुनुय थोवमुत छु च्यत् ।
ऑस छुम दोस्मुत अमर्यत दारे	बोजन छसय ताक् दारे प्यठ ।।
त्रुबवन राजे अमि थज्जि कारे	सॉस्स नेर च्चाक्वारे क्यथ ।
शालुमॉर बनोवुम मनु चे वारे	बोजन छसय ताक् दारे प्यठ ।।
महाराजु सुत्य सुत्य राजु कोमारे	तोतु ज्ञन द्राख वन हारे ह्यथ ।
कन थवु कथि चानि मन गोम तारे	बोजन छसय ताक् दारे प्यठ ।।
अतगतु पानु च्चे पतपत लारे	कृष्ण समसास्स लॉयिथ लथ ।
सथ छस चॉन्य न्यथ सत् व्यच्चारे	बोजन छसय ताक् दारे प्यठ ।।

**127 यँजमन नारायणस कुन हीमालुन्य तोता**

सौंथ आव बामुन द्राव ह्वच्छिमुच्चि हरि<sup>1</sup> ।

बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द । ।

बक्ति बावु पखु जरि <sup>2</sup> सत्संगु रंगु चरि	सानि लरि प्यठ ब्यूठ राजु हमसा ।
संकट हरि असि पानस ह्युव करि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द । ।
अमर्यतुकुय सग द्युत त्वलसी थरि	स्वय त्वलसी लॉज भगवानस ।
युस युस पोश फोल सुय सुय गव वरि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द । ।
शखुच्च कोतर द्रायि बखुच्च कोतर मरि	खुच्च <sup>3</sup> पान वुफुनावि आकाशस ।
छेह <sup>4</sup> दिथ रात दोह हमसस सुत्य बरि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द । ।
तसुन्धन चरु कमलन असि अँछि जरि	व्वन्य कति दरि असि ग्रेह पीड ।
द्वख हरि परमु शाँती सुत्य मन बरि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द । ।
दूप दीप कोफुर ह्यथ आलवस नरि	शोमकारु रूपस छ द्वरु पूजा ।
वैकुन्ठाथ आव नोन द्राव सानि गरि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द । ।
तस रोस्त यि कें छ बासि सोरुय ति खरि	कृष्णस क्याह करि व्यवहार ब्वद ।
शिव तु केशव स्वरि यमि बवुसरु तरि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द । ।

1. लंजि; 2. लाजि; 3 युक्ति; 4. थफ ।

**128 शिवजी सुंद प्रसन सपदुन**

तोता बूज़िथ स्यवह ख्वश गव सु केशव      सु दामोदर सु वेशम्बर सु माधव ।  
सपनि स्यद सारिनिय मनु कामनाये      दपान ऑसिस यि कोर चाने दयाये ।  
तिथय नारदजुवन सेतार वीयुन      तिथय अदु नादु ब्यन्दस नाद लीयुन ।  
पदम पदस स्यदस सादस द्युतुन नाद      करुम प्रसाद छुख सादन हुन्दुय साद । ।

129 नारद जियुन ग्यवुन

सत् प्वर्शन हृन्दि सत् ज्ञनय ।  
ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।  
न्यर्ग्वनय न्यरंज्ञनय अथ रूपस बो क्याह वनय ।  
छुख च्चु सॉखी च्यत् च्चैननय ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।  
यनु प्यठ गोस च्चै निशि छ्नय जीवतस मंज्ञ आसय ह्यनय ।  
चंच्च्यल गोस मरु ज्ञनय ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।  
देव्हॉमय अकिय ख्यनय वासनायन मंज्ञ कति छ्नयनय ।  
युथ ओसुस त्युथ बेयि बनय ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।  
सॉन्य सादन छ व्यनय तु प्रनय च्चैनुवुन्य छि च्चैय मंज्ञ मनय ।  
सुत्य व्यच्चारु सतोग्वनय ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।  
शिवु रूपस लगयो पॉशै मूल तलु छुख न्यरकॉशै ।  
वॅन्य यिवान छुख मंज्ञ मनय ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।  
मौच्चरावतम पथकुन सत् च्यत् चावनावतम आनन्दु अमर्यत ।  
तमि चनय च्चैय ह्युव बनय ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।  
त्रियि वॉनियि त्रैयलोच्चनय वनुवुनुय बूजुथ कनय ।  
अदु बुतरात बॅरुथ स्वनय ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।  
च्यत् व्यमर्शय छुख ज्योतिरूपय हृदयस मंज्ञ प्रज्ञलान दीफुय ।  
सिरियि प्रज्ञल्याव अमि प्रज्ञलनय ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।  
शखुच्च सुतिय आख व्वलसनय हनुवनय<sup>1</sup> न्यरंज्ञनय ।  
लद कृष्णस सुय दयि दनय ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।

1. सम्पूर्ण ।



**130 शिवजी सुंद नारदजियस जवाब**

सतुक स्वर बूज़िथुय ख्वश गोस सतुग्वर । प्रशन बूज़िथ व्वतर कोरनस बरबर । ।

-----  
सतुजन बन मन कर कैलासुय ।

बैसती मंज वनवासुय रोज । ।

च्यतु किन्धु बस्मु मल वल अँतलासुय	सादु प्रकरँच सँन्यासुय रोज ।
ॐ शिव शोम्भू कर अब्यासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।
वेशय त्यागुकुय दर माघु मासुय	सतु संगुकुय व्वपवासुय कर ।
आत्मु तीर्थु मन नाव मूह मस कासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।
पान परजुनॉविथ पानय म आसुय	सर्वु संकल्पन ग्रासुय कर ।
तलु प्यठु त्राँविथ त्राव तलवासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।
श्री कृष्ण महाराजन ख्यूल रासुय	गूपियि शुराह सासुय ह्यथ ।
बालु ब्रह्मचॉरी तोति नाव द्रासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।
महमाया ह्यथ र्छुन दासुय	शिवनाथु हृदया वासुय छुय ।
तोति तस नाव द्राव सादू सँन्यासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।
कृष्णु अँदरिमि त्यागु मल सूरु सासुय	न्यँबरिमि रागु व्वलासुय कर ।
शुकदीवस गव यी वँनिथ व्यासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।

**131 ज्ञानान हृदि तरफ्**

नन्दन बागस मंज न्यर्बन्दन ।  
संत बीठ्य चन्दन कुलिनुय तल । ।  
च्यत् सिरिथि नोन द्राव मूह गट कति ऑस वति ऑस मंज आकाशस ज़ांड ।  
छया छ वन्दन माया छ अन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनुय तल । ।  
चरुनार्ब्यन्दन कलु छिस वन्दन जसुदा नन्दन परमुगत हॉव ।  
नेशकामु कर्मु दानि दर्मु द्वद छि मन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनुय तल । ।  
दीवलुक ह्यथ तत्पद सत् श्रवनुय परमु शिवुन केशवुनुय कौर ।  
मूह गोल चोल प्रथ कुनिकुय बन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनुय तल । ।  
समॉज व्यथानस<sup>1</sup> कुनुय म्वख गव अनन्तु स्वख गव सर्वु व्यवहार ।  
द्वख चोल म्वख होव ब्रह्मानन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनुय तल । ।  
अंबीदु बखुच हुन्द श्रवनुय छु ग्यवनुय विवेक् ज्यवनुय ह्यवनुय छि मोज ।  
सेश्टी हुन्ज बीदु द्रेश्टी छ वन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनुय तल । ।  
शिवु प्रेयमु आनन्दु रसुनुय मस कॅर्य दॅह्वय इन्द्रिय बेह्यस कॅर्य ।  
सत्संगु बंगु चनुकिय स्वगन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनुय तल । ।  
समसारु मायि मंज न्यरमाया कर कृष्णस मूह हर ही हॅरिहर ।  
चानि रायि कुस वाति मायायि फन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनुय तल । ।

1. ज़ागस्त अवस्था ।

VVV VVV

**खंड 2: (घ) बरत वापसी**

**132 बरत वापसी हुन्ज तयॉरी**

करनि लॅग्य नेरुच सॉरी तयॉरी      सम्बालनि लॅग्य पनुन्य पनुन्य सवॉरी ।  
वेष्णजी वोथ कोछे क्यथ ह्यथ सदा शिव      सु बूद<sup>1</sup> कति अनु वनय तति हाल क्युथ गव ।  
प्रभाता<sup>2</sup> श्याम रूप ह्यथ कोछि क्यथ द्राव      ज़नानव वोन गटे मंज़ गाश ह्य आव ।  
थिछ्य मीनावॅती वॉनी वनान ऑस      कनन अन्दर गॅछिथ मूखी बनान ऑस । ।

1. बूद, अकुल; 2. शंकर ।

133 यँजमनस कुन

होशि पोशनूलु थव कन ।

वॉनी वन हारि लोलो । ।

राधा कृष्ण कृष्ण वन	लोलनि अँश्य दारि लोलो ।
रंगु किन्थ तस ह्युव बन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
ग्वडु कर मन बिन्दराबन	अदु नेर बँर्य तु दारि लोलो ।
श्यामु रूप वुछ हन हन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
चाव वीदु कामदीनि थन	बखुच्च हुन्दि चँड्य वारि लोलो ।
चथ बन आनन्दुगन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
पति त्रेतियि गूपियन	कोस्मुत छु मन तारि लोलो ।
व्यापक वासुदीवन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
प्रेयमु सुत्य कर मन रुखमन	नाद लायुस प्यारि लोलो ।
बक्ति बावु ईक बनि द्वन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
बोज जसुदा छ ललवन	मूह पूतनायि मारि लोलो ।
यिछि बबि द्वद चन सत्जन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
बक्ती मंज बन अरजन	स्थु बानु सु लारि लोलो ।
किसि प्यठ छुस गोवर्धन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
मनु वाजे कृष्ण नाव खन	दैरु अलमास तारि लोलो ।
माजि यिम राजि तस हिव्य ज्यन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
हिंसायि कमसस मारन	सूख्यमु दारि तलवारि लोलो ।
च्यत वुजमलु गटु कासन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
खँट्य खँट्य छु नोन बासन	अँन्दरिमि छेपि छरि लोलो ।
गलि पानय कूदु दुर्योधन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
वृन्दावनुकुय वन	मन म्योन व्वश्चारि लोलो ।
सबजु जन लागि चरनन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
दास येति रस खेलन	व्यास नारुद ति लारि लोलो ।
बोलुनावन शुकदीव जन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
यूगियव बूगिथ बूगन	दोपहस ब्रह्मचारु लोलो
न्यर्मलु नेशकलु न्यर्गवन	वॉनी वन हारि लोलो । ।
कृष्णस टेठ वेष्णार्पन	नतु येति क्याह लारि लोलो ।
जॉन्य मंज तस ति सूहम अन	वॉनी वन हारि लोलो । ।

134 विष्णु भगवानस कुन तोता

बालक अवस्थायि लगयो बो ।

मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।

बाल कृष्ण छल मारन यितमो गोपाल नन्दलाल सुत्य नितमो ।  
श्यामु प्रेयमु द्वद दामु दामु चतमो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
वृजगत पालु नालु मति स्थो पूतना गालुवुनि कोछि ह्यमुथो ।  
द्वद थनि चूरु गूरु गूरु करयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
जसुदानन्दु पतुपतु यिमयो गोपीनाथ आलव दिमयो ।  
रग छुम चोनुय तु जाग ह्यमयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
बज गोविन्द गोविन्द करयो असुवुनि गिन्दुवुनि जिन्दु मरयो ।  
बडि दयि चानि बालु खेलु स्वरयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
दयु अवतार ह्यनुसुय लगयो दीवकी निशि ज्यनुसुय लगयो ।  
श्री कृष्ण नाव प्यनुसुय लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
वसुदीवनिस निनुसुय लगयो गोकुल ह्यथ यिनुसुय लगयो ।  
जसुदायि द्वद चनुसुय लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
श्यामु स्वन्दर वरनस लगयो जमनायि मँज्य तरनस लगयो ।  
नाशि रँस्ति बाशि करनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
पूतनायि दाम दिनुसुय लगयो दाम दिथ प्रान ह्यनुसुय लगयो ।  
प्रेयमुच थँन्य ख्यनुसुय लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
जसुदा पतु लारनस लगयो थँकुरँविथ प्रारनस लगयो ।  
गन्डनस कलु दारनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
आन्गनुक्य कुल्य त्रावनस लगयो दिवताह बनावनस लगयो ।  
आकॉश्य वुफुनावनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
श्यामु रंगु जामु पॉसनस लगयो कामदीनु रखनि नेसनस लगयो ।  
गूर्य शूर्य ह्यथ फेसनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
बंसरी शद्ध त्रावनस लगयो गूपियन बोजनावनस लगयो ।  
दयु लोल गँजरावनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
गूर्य गरि मन मेलनस लगयो ठु कसनस तु गेलनस लगयो ।  
रासु मंडुल खेलनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
इन्द्रस कूद वालनस लगयो अन्तु रौस्त रूद वालनस लगयो ।  
गोकलुक्य लूख पालनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
गोवर्धन दारनस लगयो कोह किसि प्यठ खारनस लगयो ।  
राख्यस तु दुत मारनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
अक्रूर ग्वतु दावनस लगयो पानि मंजु तन हावनस लगयो ।  
आश्चर्य वुछिनावनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।  
कमसान्तक कूदु निशि शमयो पम्पोशि पादन मीठ्य दिमयो ।  
न्यत चोन चर्नामरत चमयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।

कृष्ण आँस मुञ्जरवनस लगयो      वेषु विश्वरूप हवनस लगयो ।  
जसुदा मञ्जरवनस लगयो      मनु मञ्जलिस मञ्ज करय होहो ।।  
शूर्य खँट्ठि थावनस लगयो      वँछ्य चूरि निवुनावनस लगयो ।  
बेयि तिथ्य बनुनावनस लगयो      मनु मञ्जलिस मञ्ज करय होहो ।।  
ब्रह्मा मन्दुछवनस लगयो      गुल्य गँड्ठि वदुनावनस लगयो ।  
कृष्ण गीत ग्यवुनावनस लगयो      मनु मञ्जलिस मञ्ज करय होहो ।।

135 हॅरिह्र सुन्ज तोता

मधुकैटब माखुनि, खद वेश दाखुनि ।  
श्वद शांत द्दु चूर, गूर गूर कस्यो ॥  
शाहुर शहुर गाम गाम राम राम परयो ।  
दख्यनु व्वतरु पछु पूर गूर गूर कस्यो ॥  
छिय बसंत रंगु जामु यिनु चानि फवजमु श्यामु ।  
लंजि लंजि मूरि मूरि गूर गूर कस्यो ॥  
कर ह्षीकेशु रागु द्वेशिकिस शीशस ।  
खंजि खंजि चूर चूर गूर गूर कस्यो ॥  
बोम्बूर गीता छ गूपियि गावन ।  
स्वर्गु मन्डलुचि हूर गूर गूर कस्यो ॥  
सिरियि दर्शुन दित मूह गटि मंजु नित ।  
यित नूरकि नूर गूर गूर कस्यो ॥  
होशि अँलशि पोशिकिस गोशस प्यठ बेह ।  
श्यामु रंगु बोम्बूर गूर गूर कस्यो ॥  
त्वलसी छवय हीयि तन बो नावय ।  
फँल्यलु मुश्कु कोफूरु गूर गूर कस्यो ॥  
मननुकि<sup>1</sup> तेलनु निद्दयासन<sup>2</sup> टैठ ।  
श्रवनुकि<sup>3</sup> कनु दूर गूर गूर कस्यो ॥  
राजु यूगु राजु बोजु साँन्य ताजु ताजु स्वर ।  
प्रेयमु साजु सौन्तूरु गूर गूर कस्यो ॥  
देह अबिमानुक कुल हेयि छनुनुय ।  
तीबरु वॉरागु सूरु गूर गूर कस्यो ॥  
ही हॅरि ह्र पाप हर कृष्णस कर ।  
अनुग्रेह पूर पूर गूर गूर कस्यो ॥

1. मनन, व्यचार, व्यमर्श कँस्थि; 2. निद्दयासन, दान, समाद यिमन हुन्ज अवस्था; 3. सत् श्रवनुकि ।

**136 यँजमन सत्य नारायण सुन्ज तोता**

ॐ सत् च्यत् आनन्दुगनु टेठ ।

सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।

शमु दमु टेठ दमु दमु ओम टेठ	सत् संगुके समागमु टेठ ।
सत् प्वरुशन हुन्दि सत्जनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
ईकु अँनीकु म्वखु ख्यनु ख्यनु टेठ	शिव शक्ति रूपु द्वयि लख्यनु टेठ ।
त्रैग्वन स्वस्तु त्रैयलोचनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
न्यरग्वनु टेठ न्यरंजनु टेठ	चेतन्य च्यतुके च्चैननु टेठ ।
अकि पोशुवुनि चुय मंज मनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
केशवु केशवु केशवु टेठ	ही शिवु ही शिवु ही शिवु टेठ ।
गरुडसनु ब्रेशबासनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
न्यथ चोन व्रत दरु श्रीधरु टेठ	श्यामु स्वन्दरु बस्माधरु टेठ ।
सुदर्शनु शंकरुशनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
कौशी नाथु मंजु तपुवनु टेठ	द्वारिकानाथु मंजु बिन्दराबनु टेठ ।
अजोद्या नाथु रामु रादनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
अमरुनाथु श्वबु दर्शनु टेठ	शिवनाथु अमरुयतु वर्शनु टेठ ।
वैषनाथु <sup>1</sup> कपालु मूचनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
अनुग्रेह सुत्यन हनुवनु टेठ	पालुवुनि नयपालके बनु टेठ ।
वस्त्र रस्ति वस्त्रवनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
गरि गरि ख्यनु ख्यनु घनु घनु टेठ	आकाशु पातालु हेरि ब्वनु टेठ ।
पूरि पछ्मु व्वतरु दखिनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
श्यामु रूपु टेठ प्रबातु रूपु टेठ	स्वप्रकाशि रूपु ज्योति रूपु टेठ ।
कृष्णस शिव रँच हुंदि घनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।

1. विश्वनाथ ।



137 शिव तू विष्णु सृज्ज अस्तुती

कर मे पदमु पॅत्रन न्यँत्रन मंज वास ।  
 रास खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।

सिरियि रूपु माया छ चाँनी छया उस माया का भेद किसीने न पाया ।  
 पानु छुख मायायि मंज न्यस्माया देखने देवलोक वह माया आया ।।  
 ब्रह्मा वैष्ण रुद्र इन्द्र शुकदेव व्यास रास खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।  
 राधा कृष्णा रामा श्यामा अरे नन्दलाला अरे निशकामा ।  
 ख्यख ना केँ ह चख ना अख दामा गँजरावख ना मे ति सुदामा ।।  
 व्वास छुस बो दास संकट मे कास रास खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।  
 त्रुजगत पाला बालु गोपाला देवकी नन्दना दीनु दयाला ।  
 हटि छुय कोसतब<sup>1</sup> मन बेयि वनु माला अरे नन्दलाला बंसरी वाला ।।  
 सासु बजु त्रुयि छ्य पतु मँल्य मँल्य सास रास खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।  
 जसुदा बँन्य बँन्य कलु च़ेय वन्दुना कर्मु कुयि दानु दानि दर्मु द्वद मन्दुना ।  
 हाल च़ेय ग्वन्दु<sup>2</sup> ना च़ेय सुत्य गिन्दुना त्रॉविथ बवु बन्दना देवकी नन्दना ।।  
 आसरु चानि आस ब्रजिबॉसियि पास रास खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।  
 अच्युतु च़्यतसुय म्यॉनिस मंज गन सत् कर सत्यभामा मन रुखमण ।  
 राधा प्रान म्यॉन्य पानस कुन अन व्रँच गूपियन तन हव सनम्वख नन ।।  
 ख्यनु ख्यनु छ्यनु<sup>2</sup> मे आस श्वास-उश्वास रास खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।  
 सुखियन स्वख दिथ दुखियन द्वख कास तनु स्वख मनु स्वख दिथ सनम्वख आस ।  
 शुराह कलायि स्वस्त चोन आबास शुराह सिंगारु पुस्थि व्वलास ।।  
 शुराह<sup>3</sup> छुख चु ह्यथ त्रुयि शुराह सास रास खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।  
 गोपीनाथु च़ेय पतुपतु लारु ना मुस्ली शब्दु न्यूथ मन कन दारु ना ।  
 गच्छुखय छ्यनु अकि ख्यनु पान मारु ना शामस तान्य च़ेय श्यामु रूपु प्रारु ना ।।  
 कामुदीनु ह्यथ यिख नतु बन वनुवास रास खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।  
 पोशनूलु संद्य पॉठ्य लोल ओल यीरु ना वँन्य वँन्य कृष्ण गीत वनुवुनि फेरु ना ।  
 पीताम्बरुकिय वस्त्र पॉरु ना वृन्दावनुके वनु किन्य नेरु ना ।।  
 हीमाल छुस बु दास ह्यथ कैलास रास खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।  
 अकि नरि रुखमण बेयि नरि राधा अथुवास केँस्थि छ्य कर मे प्रसादा ।  
 बंसरी वायिवुनि लायोय नादा हॉविथ पदमु पादा गाल व्वपादा ।।  
 कृष्णस प्रेत्यख्य बास आसपास आसपास रास खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।

1. कौस्तुभ; 2. बावुन (कहना); 3. चिन, च्युह; 4. बचि, बालुक ।

**138 नारायण सुन्धि तोता**

शंखचूड मारुवनि मोर मुकट दारुवनि पाताल प्रेथ्वी खारुवनि लगयो ।  
संकट हारुवनि बवु सरु तारुवनि खगु खगु अवतार दारुवनि लगयो ।  
शुकदेव सॉमियस बीदु द्रेश्ट गालुवनि व्यासु म्वखु वीद व्यस्तारुवनि लगयो ।  
वशिष्ठ सुन्दि म्वखु द्वख न्यवारुवनि मूख्य व्वपाय व्वदारुवनि लगयो ।  
नारद मुनियस बक्त रथि खारुवनि साम वीदस कन दारुवनि लगयो ।  
वाल्मीकी सुन्धि जेवि अमर्यत हरुवनि रामु कथा उश्चारुवनि लगयो ।  
मेति विजि द्यानु सॉन्य प्रान संदारुवनि कृष्णस दयि नाव यारुवनि लगयो ।।

139 यँजमन सुंज तोता

नारायणो नारायणो ।	
परमेश्वर पूरख पूरनो ।।	
अंतह कसनन हुन्दि आबासो	चेतन ब्रह्मो च्यत् आकाशो ।
सॉखी प्वरशो च्यत् चैननो	नारायणो नारायणो ।।
जगतनाथो ज़नार्दनो	ही न्यर्मलु नेशकलु न्यगर्वनो ।
न्यराकारो न्यरन्जिनो	नारायणो नारायणो ।।
वीदान्तन गेविमृति गोविन्दो	पान च़ेय वन्दुयो माधव मुकुन्दो ।
मूह मद गालुवुनि मधुसूदनो	नारायणो नारायणो ।।
बखुच़ हुन्ज सीता बोज़ हुन्दि वनो	छन्डन सुत्य ह्यथ सतोगवनो ।
राम आत्मा ज़ान मन लँक्षमणो	नारायणो नारायणो ।।
अनतु अजोद्यायि मंज रत द्यनो	बावुक भरुत <sup>1</sup> छुय पूजिनो ।
सुत्य ह्यथ श्रदायि शत्रुघ्नो	नारायणो नारायणो ।।
श्वद वासनायि हुन्द विभीषणो	करुवुन पान च़ेय पथ अरपनो ।
राघव रघुनाथ रघुनन्दनो	नारायणो नारायणो ।।
द्यानुक हनुमान तनु मनो	नाव चोन हृदयस छुय लेखनो ।
तमि सुत्य मूह लंकायि ज़ालनो	नारायणो नारायणो ।।
गोपीनाथु जसुदा नन्दनो	बक्त्यन हॉविथ च़रनारु ब्यन्दो ।
वोन दिथ नोन गोख बिन्दराबनो	नारायणो नारायणो ।।
परम ब्रह्मो परमानन्दो	गोर्यन सुत्य बूगुथ आनन्दो ।
ज्योन मरुन छ्योन चाने ज्यनो	नारायणो नारायणो ।।
देह अन्दुकारकि मूह दासनो	राख्यस प्रकरँच़ हुन्दि मासनो ।
स्वय मूखी छ्य कमसु <sup>2</sup> रावनो <sup>3</sup>	नारायणो नारायणो ।।
ग्यानुकि वेग्यानु द्यानुकि द्यानो	यूगकि यूगो प्रानुकि प्रानो ।
मायायि हुन्द अन्त चानि ज़ाननो	नारायणो नारायणो ।।
न्यरागर्गल <sup>4</sup> न्यरान्तर मनो	आनन्दु अमर्यत चाव च्यत्गनो ।
अज़पा ज़प येग्यनि ज़प ज़पनो	नारायणो नारायणो ।।
नँमीशु-व्वनमीशु प्रथ ख्यनुख्यनो	सनम्वख रोज़तम सनातनो ।
न्यवरँच़ हंजि व्रँच़ प्रवरँच़ बनो	नारायणो नारायणो ।।
त्रन कालन हुंदि ह्यसु फेरनो	तमि फेरनु छुनु कुन नेरनो ।
शिव रूपु द्रुस <sup>5</sup> चोन ओड प्रेदिख्यनो	नारायणो नारायणो ।।
मायायि म्युल करनुकि तेलनो	तेलन तेलन चानि मेलनो ।
दासन हुंदे रास खेलनो	नारायणो नारायणो ।।
दीवन त्रप्पी चाने ख्यनो	पँत्रन यिथु सग मूलस दिनो ।
प्यत्रन आप्या चानि तरपनो	नारायणो नारायणो ।।
थावरु जंगम <sup>6</sup> छुख हनि हनो	देह द्रेशटी कर व्यसरज़नो <sup>7</sup> ।
कृष्णस रूप हाव वैष्णार्पनो	नारायणो नारायणो ।।

## **Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

1. भरत जी; 2. कमसासुर ; 3. रावण; 4. निरर्गल, आज़ाद, बेरोक; 5. दुरुस्त, सँही ; 6. स्थावर जंगम, सृष्टि ; 7. विसर्जन ।

**140 शिव रूप नारायणस कुन तोता**

दर्मुक दैर कोर खँत्य हॉस्वनुसुय	रंगु रंगु पोशन कोर अंबार ।
मादलि त्वलसी आखलि व्यनुसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
गरि द्रायि बावनायि सुत्य दर्शनसुय	चाय पखत राजुनुय दखार ।
आय चँक्रीश्वरुसुय प्रेदिख्यनुसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
सँमीर पखत कोह खोत स्वनुसुय	स्यदुपीठ साखिय प्रोव आदिकार ।
नाश गव दारेद्रस अँकिस ख्यनुसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु गोकुलस तु बिन्दराबनुसुय	जयजय छु नौन द्राव कृष्ण अवतार ।
जयजय छु गूपियन तु गोवर्धनुसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु वसुदीवनिस च्यड ह्यनुसुय	जयजय छु दीवकियि यमि चोल बार ।
जयजय छु द्वख अंद बंद रोजनुसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु बलबँद्रस तु अरजनुसुय	बक्ती मंज यिम द्रायि सरदार ।
जयजय छु तथ विश्व रूप दर्शनसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु दशरथ राजुनिस ग्वनुसुय	माजि कौसल्यायि बास्म बार ।
जयजय छु अजोध्यायि रामु जुव ज्यनुसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु रामुचँद्रस तु लँक्षमणसुय	सीता मातायि जयजयकार ।
जयजय छु भस्तस तु शत्रुघ्नसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु वावलूकपाल नन्दनुसुय	येम्य गौन्ड लचि सुत्य लंकायि नार ।
जयजय छु सुग्रीवस विभीषणसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
मन म्योन पतु लारि मधुसूदनसुय	कामु कू दु कमसस दिवनावि मार ।
हेश कति हारि मारि मूह रावणसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
कोह आव ब्रौठ दोह वोत प्यठ ख्यनुसुय	तार दियि करि पंचालस <sup>1</sup> पार ।
सतुचिय थ्यथ थवि श्वद च्यत् मनुसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
वनुवन सोन गव मंज त्रबवनुसुय	थवनुय तस प्यव ग्यवनुय सार ।
मानुवन छु बक्त राजस तु न्यर्दनुसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
हीतु अकि मायातीत न्यर्ग्वनुसुय	माहमायायि सुत्य व्याहकार ।
शीत पीत वरनु <sup>2</sup> स्वरनु टेठ रात द्यनुसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
वनुवन यि कें छ ओस प्रथ वनुसुय	ती वातुनोव गूपियव गुपकार ।
वारु आव शंकराचार वलुसनसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।
अनुग्रेह चोन मंज अन्नसुय तु दनुसुय	वाँसि तान्य पोशिनावि होशि व्यवहार ।
कृष्णस तोशि मंज पोशि वर्शनसुय	नारायणसुय छु जयजयकार । ।

1. पीर पंचाल बाल - मतलब छु सखती हुंद पहाड ; 2. सफेद तु ल्योदुर वरन (श्वेताम्बर तु पीताम्बर) ।

141 शिव केशव कुनुय जॉनिथ मीनावँती करन तोता

श्यामु स्वन्दर बेह स्वन्दर जाये ।

वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।

प्राण पवन सुत्यन मुचरु आये नव द्वार देह द्वारिकाये लोलो ।  
व्रँच गुपियि च़ेय वुछ्ने द्राये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
बालु रठ नालमति सुत्य पालनाये सानि बखुच हन्जि क्वबजाये लोलो ।  
नेशकामु स्यद कर मनु कामनाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
तेठयोख गजेंद्रस कथ वेद्याये आयिस्सि<sup>1</sup> कथ श्रदाये लोलो ।  
कमि श्रोचि ख्वश सपनुख शिवराये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
केवल बखुच हुन्द कर मे व्पाये सुत्य पननि प्रेयमु तु माये लोलो ।  
वासुदेव वास कर मंज वासनाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
राजु दास्स चॉनिस बेख्याये ऑदीन कर्मु हीन आये लोलो ।  
चारु कर मे आरुकचि सुशीलाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
सुदाम जॉनिथ कर मे व्पाये वोलमुत छुस जिशवये लोलो ।  
छ्वचरुय म्योन पूर सुत्य पूस्नाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
बानु रोस्त द्रामुत छुस बेख्याये वून्छमुत<sup>2</sup> दैवु सम्पदाये लोलो ।  
बेखिकस मे त्राव राजु हमसुन साये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
फलु दायकु चानि खलु किन्य आये अनुग्रैह मे तोल पूर त्राये लोलो ।  
वोवमुत केँहति छुमनु कर्मु बूमिकाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
शोज़राव संकटु ग्रैह दशाये वुल्ट समयस प्यठ जाये लोलो ।  
फिरुथुर कर च़ु सानि कर्मुलीखाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
बावु मचिकुन्द<sup>3</sup> म्योन पननि यछये सोव मंज मूह न्यँद्राये लोलो ।  
वुजुनाव मंज सुमरँच ग्वफाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
पानस पतु दोस्नाव म्यानि राये सिरियि रूपु अन पोत छये लोलो ।  
जाल मडु कालु यवनस कायाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
मार्कन्डी<sup>4</sup> ज़न चानि आशाये आयस<sup>5</sup> मंगुने च़े आये लोलो ।  
कालस मे ग्रास करतु बास जायि जाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
आत्मा रामु निवरँच हन्जि राये सुत्य पख मे शांत सीताये लोलो ।  
उन्ड कर प्रवरँच श्रुपनखाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
गाल मूह रावणस तु क्रूडु सेनाये जाल लूबुच लंकाये लोलो ।  
विवेकु मनु लँक्षमणुने बाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
सत्ग्वनु प्रकरँच कौसल्याये म्वख हाव सुत्य दयाये लोलो ।  
राज कर आनन्दु अजोध्याये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
ग्यानु ताज दिथ द्यानु दास्नाये सुत्य स्वतंत्रताये लोलो ।  
च्यत् तखतस बेह ह्यथ समताये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।  
हुशार रोज़ मंज यूगु निन्द्राये ह्यथ समु द्रेशटि ईकृताये लोलो ।  
तुर्या<sup>6</sup> रूपु मंज राजु सबाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो । ।

अज तान्य कृत्याह गॅयि कृत्य आये वतु गत यथ यात्राये लोलो ।  
ईकु कुस वोत चानि अनीकताये वथुरॅय मनु मथुराये लोलो ।।  
वीर कैर्य यीरु चानि वेष्णु मायाये बडि दयि बेपस्वाये लोलो ।  
यिम तॅर्य तु तिम तौर्य चानि क्रपाये वथुरॅय मनु मथुराये लोलो ।।  
मेति तार बवसरु आवलनि जाये सुत्य व्यवेक्<sup>7</sup> व्वापाये लोलो ।  
युथ देह डूंग सूहम ह्मु वाये वथुरॅय मनु मथुराये लोलो ।।  
केशव नाव ज़पुनाव बावनाये अज़पा ज़पु मालाये लोलो ।  
मन नाव आत्म तीर्थुचि जमनाये वथुरॅय मनु मथुराये लोलो ।।  
रामु चॅद्व शिवु लगहोय ईकताये हॅविथ चॅद्व कलाये लोलो ।  
मूह गट्ट कास म्यानि बोज़ मीनाये वथुरॅय मनु मथुराये लोलो ।।  
सावदान मन कर यॅजमन बाये ख्वसु द्रायि मंज़ प्रज़ाये लोलो ।  
वस्तस व्वन्य वॉनियि कन्याये वथुरॅय मनु मथुराये लोलो ।।  
वेषु रूपु व्यूग ल्यूख कर्मुलीखाये सुत्य नाना वस्नाये लोलो ।  
शक्तिपातु द्रेष्ट थव प्यठ नेशदये वथुरॅय मनु मथुराये लोलो ।।  
कस्नीशौरियन हुन्जु गूर्य बाये रास खेलनि ननि द्राये लोलो ।  
थफ कर कृष्णनि रागु राधाये वथुरॅय मनु मथुराये लोलो ।।

1. अख नाव; 2. त्रोवमुत, छेड हुवा; 3. मचकुं द राजु; 4. मार्कण्डेय; 5. वुमर, वॉसु; 6. चूरिम अवस्था; 7. विवेक ।

142 बरआमदगी बरात

रातस द्यन गव बँसतियि वन गव ।

मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।

मनुकुय हीथ करुवुन कर्मन गव	मनुकुय प्रेतीत गव दयु लाब ।
मनुकुय च्यत जेनुन त्रुबवन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
मन गव मीलिथ सुय हनहन गव	मनुकुय मानुन गव समसार ।
मेथ्या नेश्चय सोन पूरन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
ब्रह्म व्यचास्स मंज अख ख्यन गव	पकनु रोस्तुय प्राँव तीर्थ यात्रा ।
नेश्कल बीठ्य सोफल प्रेदिख्यन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
नचुवुनि व्रँच हर्कँच निशि छ्यन गव	पन गव प्रवरँच प्रेचि म्वकलिथ ।
यिछि सुमरँच यँचकाल अख ख्यन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
शब्दस अँछ गँयि अँछुनय कन गव	आनन्दुगन गव च्यत् ब्वद ह्यथ ।
सुशफ्त तुरिया ज़ागरत <sup>1</sup> ज़न गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
द्यन तु राँच शुर्य तु बाँच मँशरावुन गव	रावुरावुन गव मूर्ख व्यवहार ।
रागु द्वेशि चूस्स सुत्य वरतन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
ईक बास्याव मिलनाँविथ द्वन गव	मनु रुखमण गव क्वछि क्यथ ह्यथ ।
पास्स मीलिथ शँस्तर स्वन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
प्रकरँच बखशिथ श्वद सत्ग्वन गव	ह्यस व्यसरुन गव व्यवहारुक ।
टेबि टेबि मीलिथ अथुसुय पन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
रावुन तु प्रावुन ज़न व्वपरन गव	अदु कुस र्यन <sup>2</sup> असि पथकुन रूद ।
सानि म्वखु रायि ओस बूग बूगुन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
युथ हाल वेग्यानवान यूगियन गव	भगवद्गीता अथ छ साँखी ।
यथ प्यठ स्यद पशन जगनन गव <sup>3</sup>	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
श्वद ज़ागरतुकुय विशेश रास गव	सुय अब्यास गव गूपियन रूड <sup>4</sup> ।
संकल्पन तु व्यकल्पन छ्यन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
न्यराकर सुन्द रूप त्रुबवन गव	सर्व आकार होवुन वेशु <sup>5</sup> रूप ।
डीशिथ आश्चस्स अरज़न गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
तस निशि स्वर्गुक राजु मन्दछन गव	यस खोहवरि किसि व्यठ खॉस्थि ।
गासु कचि खोत लोत गोवर्धन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
द्रौपदीयि येलि अंबार फ्यरनन गव	दुशासन गव कँड्य कँड्य तन्ग ।
ह्यथ सबा रूज़िथ दुर्योधन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
शीतल कोमल मन शीशु नाग गव	तँथ्य प्यठ कृष्णुन राग गव स्यद ।
वयक्वन्ठस ह्युव बिन्दराबन गव	मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।

1. सुशप्ति तु तुर्या यिम ज़ु अवस्थायि बनेयि ज़ाग्रत अवस्था; 2. ऋण; 3. पश्यन्न तु जघ्नन - वुछुन, मुशुक ह्योन बेतरी (वुछिव गीता जी अ. 5, श्रो. 8,9); 4. अब्यास करनुक आदत; 5. विश्व रूप ।



**143 शंकर पार्वती हृन्दिस नेरुस प्यठ मीनावँती तोता करन**

लथ लॉयिथ समसास्स ।

पतु लास्स लँतिये । ।

हमसु नावुकिस जानवास्स	नॉल्य जामु छिस छेतिये ।
वुफि तार्यम हमसुदास्स	पतु लास्स लँतिये । ।
सूर कोर तँम्य अन्दुकास्स	युस वोर सूरु मँतिये ।
बोति दास्नायि द्यान दास्स	पतु लास्स लँतिये । ।
अथ तीजु रूपु आकास्स	फेउ ब्रूठ्य तय पँतिये ।
पोपुर ज़न गतु मास्स	पतु लास्स लँतिये । ।
लोलु फम्बुकिस अम्बास्स	रेह मे दिच सूरु मँतिये ।
श्रेह मे छुम व्वन्य कति प्रास्स	पतु लास्स लँतिये । ।
आरुवल मंज़ लोलु नास्स	दँजमुच प्रेयमु सुतिये ।
शेहजास्स छि मंज़ आस्स	पतु लास्स लँतिये । ।
न्यथ लगु सत् व्यचास्स	सत् बासुनाव सँतिये ।
स्वर फिरतु च्यत् सेतास्स	पतु लास्स लँतिये । ।
वन्दुन छुम पान यास्स	अन्दुन छुम येतिये ।
चन्दुन गोम दिवदास्स	पतु लास्स लँतिये । ।
ग्रज़ वँछ स्वन्दरि नास्स	येत्य ऑसिथ छि तँतिये ।
वनुवनुसुय कन दास्स	पतु लास्स लँतिये । ।
छलु मॉर्य मॉर्य ल्वक्चास्स	कँर्य मे पोशन फँतिये ।
शेरि लागस जटुधास्स	पतु लास्स लँतिये । ।
कृष्णुन दफतु बालुयास्स	करिहेस नालुमँतिये ।
मेलि शँस्तर तु संगि फास्स	पतु लास्स लँतिये । ।

**144 महाराजु, महारेनि तु यँजन सुंद नेरुन**

हँरिहर द्राव ह्यथ महाराजु महारेन्य दयिय दय ओस तति गँयि दयिगत नँन्य ।  
ह्योतुख र्वखसत खबर प्रथ जायि साँपुन्य शरन शिवजी सुन्जे मायायि साँपुन्य ।  
वेशम्बर<sup>1</sup> लोग विशेश्वर<sup>2</sup> ह्यथ पकाँने हलम बँर्य बँर्य लँगिस त्वलसी छकाँने ।  
पकान नेशकल कोछे क्यथ द्राव न्यर्मल छकान आँसिस लर्यव प्यठु ब्यल तय मादल ।  
हस्स साँपुन हँरिकेशव बन्यव शिव अद्वेत रूपु नारायण प्रकट गव ।।

1. विश्वम्बर = विष्णु; 2. विश्वेश्वर = शंकर ।

**145 पार्वती हुन्द व्यमानस खसुन**

व्यमानस क्यथ पकान ह्यथ अँस्य भवॉनी	स्यदत अथ ब्रॉठ ब्रॉठ ऑसुस दवॉनी ।
करान ज़यज़य ज़या ऑसुस दया ह्यथ	व्यतसता नर्मदा गंगा गँया ह्यथ ।
त्रुसंघा रुद्रसंघा पवनुसंघा	करान आसु घानु तसुन्दे श्रान संघा ।
पकान अमर्यत छकान अमरावती ऑस	ग्यवान तस गीत पानय सरस्वती ऑस ।
शेयव तरफव वनान तस भैरवी अँस्य	परान तस पांच त्वत् पंचस्तवी अँस्य ।
स्वन्दर वॉनी स्वन्दर लहरी परान अँस्य	महामाया महामाया करान अँस्य । ।

146 शारिका रूपच अस्तुती

सुमरनि चानि साँरी पाप हॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।
हॉरी हॉरी लगोय पॉर्य पारी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
संकट कट छख ही मुकटदारी	तीजु चानि प्रजलनु आव समसार ।
सिहम आसनचिय छ्य सवाँरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
गौरी नावस लगहोय पॉर्य पॉरी	चाव प्रेयमु द्वद चडुवाँरिय ।
जॉनिख अभिनव गुप्त आचॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
नेट्य लछुल्य आकाशन ग्रटन तॉरी	नोन नीरिथ वोन महिमा चोन ।
परमु शक्त मॉनिख शंकराचॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
शिव-शक्ती रूप जॉनिथ च्वपॉरी	गुल्य गॅड्धि वोननय यॉरी मे कर ।
ह्यथ नखस नियिनख मंज कश्टवॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
निथ सॅमीस्स तान्य लॉर्य लॉरी	कति ऑस वातनुच शख्त ओस सख्त ।
पखतु प्रेदिख्यनु पापु न्यवॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
शारिका नाव छुय बाव छुम चोनुय	नोव नोवराव त्राव प्रोनुय याद ।
हल बाव वाल पापन हुन्द्य बाँरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
आदि शक्त पानु छख सर्वु आदिकाँरी	पूजा करुवन्य साँरिय छिय ।
साद संत बैरंग्य जूग्य ब्रह्मचॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
चॅक्रीश्वरसुय छुय जयजयकारुय	साखियुय रोट दरबारुय सुय ।
स्यदु पीठ प्यठ गॉयि स्यद ह्यथ सारिय	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
चानि सुत्य साँर्य दीव जीव व्यवहॉरी	चानि सुत्य व्वलसन आव समसार ।
चानि सुत्य साँनी छ दुनियादाँरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
अशतदशु व्वजुवुय सुत्य पखतु	ह्यतकारु पुछि छख बतु बाँगरान ।
सर्वु व्यापक छख सर्वु व्वपुकाँरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
कर्मुलीखा छख पानु परमु शक्ती	कर्मु सानि बक्ती लेख ।
क्रु ति <sup>1</sup> कर्मु फल छख दिवुवन्य साँरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
अजपा गायत्री जप ह्योत अँदरी	श्री स्वन्दरी यूगु नेन्दरे मंज ।
मनु प्रानु द्यानु ग्यानु व्यचॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
परम आत्म रूप छख जगतुच साँखी	ज्यत इन्द्रेय इन्द्राँखी छ ।
प्रानु शखुच सुत्य छख पानु व्यवहॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
पानु छख यूगी तु पानु ग्याँनी	वाँनी रूपु भवाँनी छख ।
बोज सुत्य ह्यस रुनुच व्यसताँरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
चामर लागुहोय पोश चॉर्य चॉरी	चॅडी च्यु छख चैतन्य सोरूप ।
च्यत् शक्त छख च्नेनुवन्य च्वपॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
मूह जालु मंजु नेस्नुक व्वपाया	कर राजु हमसुन साया त्राव ।
हमसु नावु सुत्य तार यमि हमसु वाँरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
हीमालु पखतुन्य राजु कोमाँरी	चरसन लगोय पॉर्य पॉरिये ।
कृष्णुन्य बक्त बोज कन दाँर्य दाँरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।

1. कृत्य कर्म ।

**147 शक्तिपात दिनु खाँतरु हीमलुन्य प्रार्थना**

शखुचु रोस्त शक्त प्रावु बखुचु रोस्त सम्बलु ।

बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्यु ॥

नायकु फलदायकु जन्मु सौफलु	लेम्बि मंजु पवलु पम्पोशा ह्युव ।
क्वलुदीप प्रजलनु मंजु क्वलु म्वकलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्यु ॥
कलुनायि रोस्त वन्दुहँय नेशकल कलु	कलुमालु दाखुनि कलुवालय ।
चमु प्यालु चानि अमर्यत जलु जलु थलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्यु ॥
चँदु चूडु सिरियि न्यँत्रु कमलु कोमलु	शीन जनु गलु मेलु जलुसुय सुत्यु ।
न्यथ द्यत् वुजुमलु मंजु जलु प्रजलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्यु ॥
नेशकलु वैहुरु मंजु मनु चंच्यलु चलु	फलु रस्ति कर्मु पस्मगत प्रॉविथ ।
त्रॉविथ नर्कसु स्वर्गु मंडलु डलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्यु ॥
श्रावन शीन जनु द्यानु जंगलु गलु	पानु कुनि रोजनु जानु छुसु जलु ।
चेय हिव्यु जामु वैस्खतु केवलु वलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्यु ॥
नेति कर्मु द्यत् किन्यु बस्मु न्यस्मलु मलु	नावु छुम कृष्ण हवतम शिवु रूपु ।
शँतरु ख्ययु रूगु निशि अकि पँतरु ब्यलु बलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्यु ॥

**148 सतरत - शिवजी सुंद युन**

ह्यथ प्रभाता क्वछि क्यथ आव ।

श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।

रंग अँछ्म हुंद वुछ वुछ त्राव	छेत तु क्रु हुन नुन्दबोन ।
गाशि सुतिय गाश परजुनाव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।
अख अँकिस निशि प्रथ अखा ज़ाव	असि कुनुय प्वरुश मोन ।
कुनिसुय छिय लछि बँद्य नाव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।
चेतन येलि चेननु आव	अदु क्याह गव नौव तु प्रोन ।
जानुवुन जान देह द्रैश्ट त्राव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।
प्रथ चीजुक सुय छु स्वबाव	प्रथ कुन्युक दयवुलोन ।
रूपुकुय रूप वावुकुय वाव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।
प्राण ह्युव तस टैठ गँज़राव	ल्वलि मंज़बाग ललुवुन ।
च्यत् आँस म्वख पनुन हव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।
अख चेतन्य ब्रह्म नोन द्राव	वैषुण कृष्णन शिव ज़ोन ।
आत्मस प्यठ छुस कुनुय बाव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।

**149 शिव मायायि हंज महिमा**

न्यर्वानु पस्मपद दर्मु सबाये ।  
कर्मकांडचि कोकिलाये बूल ॥

नामु सुमरनि स्वस्ति रामु कथाये	वन्दे वाल्मीकि कोकिलम बूल ।
जय शुकदीवनि शोगु बाशाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल ॥
तत्पद कथ पथ जंगलुचि जाये	शिवु सुन्जि राये सत्संगु पाठ ।
सत् श्रवनुय येलि वोन उमाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल ॥
बूजिथ शक्त गॅयि मंज निन्द्राये	व्यर्त्तर बोज अदु रूद समसार ।
रोव कोर समतायि सुत्य ममताये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल ॥
ब्द क्याह वाति ईश्वर यछये	होल तु स्योद सम-वशम रूद समसार ।
दूल <sup>1</sup> गव शुकदीव तथ अवस्थाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल ॥
प्रेदिख्यन आँतु रँस्तिस दिनि द्राये	फीस्थि आयि मन्दुच्छि बीठ्य ।
अर्दु प्रकर्म दुरुस छु यिछि पूजाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल ॥
आदि मद्य अन्तु रस्ति कर्मलीखाये	यूग व्यूग नाना रूपु किन्य ल्यूख ।
शिव-शक्ति रूप तति मारान ग्राये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल ॥
तेलना <sup>2</sup> कोर वुछ मेलनुचि जाये	फरजानगी <sup>3</sup> सुत्य मसतानगी ।
अँस्य कुनुय होश ह्यथ द्वयि <sup>4</sup> मंजु द्राये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल ॥
जयजय छु होशि मचरुचि बावनाये	क्राल क्रॉज कठ कँटिन्य <sup>5</sup> साँखी छि अथ ।
छवुल्य बूल्य शूबि यिछि पूजाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल ॥
आशितोशि जॉम ब्रांदचि आशाये	चार्यरु पूर्यव <sup>6</sup> सोरुय तोग ।
चौतरिस <sup>7</sup> छु कतरुय <sup>8</sup> राजु हमसुन साये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल ॥
थाव ब्रह्मवत प्वश्न हन्जि त्राये	कर अखन्डु अकारु राये स्वस्त ।
वर कृष्णस दिथ न्यरवासनाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल ॥

1. बे हस्कत; 2. व्यचार, मनन; 3. ग्यानुच नजर ; 4. दुविदा; 5. काँशिरि शीती हिसाबु शिव पूजा; 6. बेक लाँजी किन्य, पागलपनु किन्य; 7. आँकलस; 8. कतरि खँड ।



**150 शिव सतरात (शिव रँच हृद बजर)**

श्याम छुय क्वछि सूमु सिरियि रूपु प्रभात ।

शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।

तीशस प्वनर्वसुसुय <sup>1</sup> छु अबिजत सात	सिरियि वोत तथ मंज लँज वँहशत ।
अमर्यतु वर्शनु फल दियि बुतरात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
छेच प्रकरँच हँगिन्य साँन्य लोच ज्ञान	बवु सरु सँदस्स मंज छि यीरान ।
म्वक्तु प्रावनाव त्राव शक्तिपातु बस्सात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
वटक भैखनाथ छुख चु शोम्भूनाथ	साँथी छुख चु ह्यथ साँथी सात ।
पालवुनि सालु यितु पालवुन्य छि शिवरात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
बानु रोस्त बानु प्रावि स्वय गँयि सतरात	अशक्त शक्त प्रावि गव शक्तिपात ।
फ्रस्तस तु वीरि बनि कल्प त्रेख्य तु पारिजात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
बाग्यवान सावदान असि थवतु दिन तु रात	दर्मस कर्महीनिस मे कास गात ।
बानु रँस्तिस लद दयु दनु पँहरात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
यूगु ग्यानु शखुच हृन्द दिम मे प्वस्शात	शुबुराव जाँचन मंज म्याँन्य ज्ञात ।
ब्रमु शतरंज बाजि मंज मे म कर मात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
चे रोस्त पारुद ज्ञन छुस दिन तु रात	पानस कुन निम मे दीनानाथ ।
शिव शक्तिपद मानु शक्त दिम साख्यात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
कृष्णस नालुमति रठ ही शक्तीनाथ	यकजा मिलुनाव पास्स तु दात ।
सुय गव अनुग्रेह सुय गव शक्तिपात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।

1. द्वन नख्यत्रन हृद नाव ।

151 सतरौंछ हूंद बयान

शिव रौंछ हून्दि दोह बीठ्य नेशकाम  
असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
सिरियि चेंद्रमु गव अन्तर्धान तथ वेशि<sup>1</sup> तारा मंडलस सान ।  
प्रोव शिव-शक्ति कर्म दर्मु पस्मु दाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
जय स्वस्त दयुगौंछ हून्ज शिवरात स्यदथुय आयि ह्यथ अबिज्यत सात ।  
मेचि गव स्वन कतरि बानन त्राम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
सुय आव यस छुनु क्वल गुथुर क्राम सुत्य ह्यथ यस छु बोय हलदर राम ।  
दीवकी माँज कम्सास्वर माम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
शाक्तिकि मतुचोरुच<sup>2</sup> चेंज पाम कैज लेंज बोलनि गोविन्द नाम ।  
हेंज गौयि स्यौंज यिछि बोज प्रनाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
दखिनाचारु वामाचारुवत येम्य हौंव तेंम्य प्रौव ईश्वरुगत ।  
स्यद गव राजु यूग प्रानायाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
फल दायक छि कल्पु व्रेख्य तु पारिजात थ्यकनिय छ सारिनिय यिछ शिवरात ।  
प्वख्तु द्राव शक्ति मार्गुक फल खाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
कैम्य कोड युथ रुत आश्चर्य मत ख्यथ चथ शांत गौयि सारियि ह्यथ ।  
यूग दर्मसालि द्युत बूगुक बाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
ही रेंति नाव शिवरात्री प्यव तमि दोह बेयि जिन्दु कामदीव गव ।  
छुय रेंति कामदीवनि त्रियि नाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
सर्वु शक्तिमानुन्य वुछ दयिगथ क्राल क्रौंज कठ कैटिन्य सौंखी छि अथ ।  
ख्वश गोस स्यजरुय मानन छु आम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
प्रथ चीजस शक्तियि अथु लोग सारिनिय वातन हेस्त्र बोग ।  
दर्मार्थ काम मूख्य हूंद पौंगाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
सारिनिय तूशतन सर्व शक्तिमान पांच दोह पूशतन अमि यमि सान ।  
जौंम ब्रांद रेंटिन जयि स्वस्त जाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
रामचेंद्रन रामेश्वर पूज फोज ह्यथ सागरस तौर तु कथ रुज ।  
अदु आव लंकायि जीनिथ राम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।  
सुबहस शाम गव तु रातस द्यन मन गव तस कुन ति वुछ कृष्णन ।  
गामस शाहुर्य शाहसस गाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम ।।

1 वक्रतस, समयस; 2. शक्ति मत ।

152 सतरात म्वकलेयि

कँस्थि सतरात सॉरिय हर्शुगन ऑस्य । शिवु प्रेयमुक चवन ऑस्य प्रयमु मस खॉस्य ।।

153 मीनावॅती हृन्दि तरफ् तोता

बाल छुय लाल त्रटि कनि वासुक हटि ।

हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।

च्यत् वुजमलि सानि परम् आकाश खटि	अद कुस छटि राग द्वेशुक वाव ।
गाश अनि मंज गटि आश थवि मंज त्रेटि	हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।
त्रेशि हचि त्रेशनायि पान म्योन कोनु नटि	यूत सोम्बरुम त्यूत व्वपद्योम लूब ।
सँदस्स पोन्थ खारुन मे गोम नटि नटि	हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।
निम पानस कुन थिम दिम मे मटि मटि	पालना सॉनिय मटि च्चे छ्य ।
असुवुन्थ गंगा वसुवुन्थ च्चे मंज जेटि	हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।
मनुकिस वनुसुय मंज युस पान खटि	हर हरम्बखु च्चेय परजुनॉविथ ।
पर तु पान कुनुय विन्दि <sup>1</sup> कति मूह सँन्दि फटि	हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।
वीरु बँदु चोन ज़ोर नय आसि कति म्वटि	मदुकुय मद ह्येस्त च्यत् वगि तल ।
नखु क्याह वसि थपि द्वसि हृन्दि नल वटि	हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।
शँसतर ब्योन ज़न नेरि मंज कुर कटि <sup>2</sup>	यस छटि चानि लोलु नारुच रेह ।
दैरकि ड्वकरि दबु सुत्य कालस च्चटि	हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।
बेहेश कोरमुत छुस मूहने लटि	सूरमति थपि ब्रेशबुनि लटि सुत्य ।
यमि बवुसर तर अकि न तु अकि लटि	हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।
अप्रोख <sup>3</sup> रूपस क्याह वदि <sup>4</sup> क्याह गटि	क्याह छ्वटि क्याह जेठि येम्य तूल पान ।
रवुरावि क्याह प्रावि क्याह त्रावि क्याह रटि	हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।
देहके यावनु ख्वटि रंगमुति पटि	म्वलु रस्ति छुय तावनुन बाज़ार ।
बेरंगु लयि चानि लयि म्वख्तुचि रटि	हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।
पंचि म्वखु च्वपोर सुय वाति अकि व्वटि	युस ज़पि बीदु रोस्त शडअख्यर नाव ।
त्रन पोरान <sup>5</sup> फेरि बिहथुय व्वटि	हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।
कृष्णस छ मनि कामन दामन वटि	जगतुक क्रूडुज़ाल नतु च्चटि तस ।
वैस्तु पाद चॉन्थ नय रटि किथु वटि	हटि मेघवर्ण चानि स्वस्नु आपदा । ।

1. मानि, ज्ञानि; 2. छ्वठ, कूड कस्कट; 3. न बोज़नु यिनुवोल, अव्यक्त; 4. बडि; 5. त्रे अवस्थायि - ज़ाग्रत, स्वप्न तु सुशसि (भूः, भवः, स्वः, त्रपुटि) - वर्तमान, भविष्य, भूत) ।

**154 तारकासुर मारुस मुतलक**

यिम दिम बवुसरु तार	शिवु कस्नावुतारो वे ।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।
नाव छुय गंगाधार	चाव अरुयतु दारो वे ।
रूप चोन लिन्गाकार	अंग सिरियि प्रकारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।
तस छु सोरुय आदिकार	सादि युस ओमकारो वे ।
सूहमसू ज्ञानि सार	ब्रम मानि समसारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।
अनुग्रेहकिय अम्बार	निमु चानि दरुवारो वे ।
पाप प्वन्य ब्योन ब्योन चार	सुत्यु दर्मु व्यचारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।
सामवीदस व्यसतार	दिम प्रेयमु सेतारो वे ।
वाँनियि म्यानि कन दार	ह भस्माधारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।
दीव आमुत्य छि लाचार	करतख व्वन्य चारो वे ।
सुत्यु सुत्यु ह्यथ कुमार	तारुक दुत मारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।
कृष्णस तप जप यार	व्वडुनस छु तयारो वे ।
सोर रोज्यसनु त्वकृचार	करतस व्वन्य चारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।

**155 राजदान साँबनि तरफ़**

होश दिम तु लगयो पम्पोशि पादन ।

सादन हुन्दि ह सादो हो । ।

यूगियन हुन्दि यूग प्राँनियन हुन्दि प्रानु	ग्याँनियन हुन्दि ग्यानो ।
चानि प्रसादु सुत्य स्यद छ तप सादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
अच्चतु चानि सुत्य च्यतकुय च्नेनुन	नतु गछि मेनुन क्रेँ जिल्यन पोन्थ ।
प्रेयमु जल छुय वुजान बावु नागरादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
ब्रह्म ज़नमस यिथ छुसनु ब्रह्म सुमरँच	वुछ म म्यानि राख्यस प्रकरँच कुन ।
चानि सुत्य बक्त चाँन्य केँर प्रह्लादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
पूरन प्वर्शु छम चाँनी लादन	प्रणवु पान वन्दुहय च्वन पादन ।
नादु ब्यन्दु कन थाव सान्यन नादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
व्यचारु न्यँत्रन ज़ाँन्य गाश अन छि अँन्य	हर हस्वखु च्चेय दिमुहोय वँन्य ।
नेश्कल मनु नेश्कामु रामु रादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
अनुग्रेह चोन गछि आसुन सादन	क्याह छु पापन कमन ज़्यादन प्यठ ।
दय छुख ख्यय कर सान्यन अपरादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
कृष्णय चानि कपटनि तलु नेरिहे	अदु कति पाँरिहे जामु नँव्य नँव्य ।
पुशु कति पेयिहेस होन्ज़न तु रादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
छ्वपि मंज़य तस छ्वचरा बनिहे	अदु कति वनिहे जेछर यूत ।
याद हय रोज़िहेस वुनि छुस आदन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।

**156 सतरत पतु तशरीफ तुलुन**

न्यरंजन वॉतिथुय प्यव ला-मकानस । निशाना कुस वनिय तस बे निशानस । ।

**157 राजदान साँबनि तरफ़**

रूपु रस्ति कुस ज्ञानि कमि सनु नयि गोख	दयु गोख शिनि शयि ह्यथ वेग्यान ।
सादु सत्संगुचे न्यसनयि नयि गोख	ज्यत् इन्द्रेय गोख लयस्थान ।
सादु नादु ब्यन्दु वॉनियि हुन्दि वनु गोख	नेश्कलु चुय गोख न्यरअबिमान ।
आनन्द बूगनि आनन्दुगनु गोख	न्यरंजनु गोख ला-मकान ।
अद्वेतु अच्चतु अंतरद्यान गोख	दिथ वेग्यान गोख जॉन्य हुन्ज ज्ञान ।
केवलु पनुन्यन निशि बेगानु गोख	शिवनाथु पानु गोख शक्तियि सान ।।



**158 तशरीफबँरी प्यठ मीनावँती वनान**

च्यत आनन्दुगन गोम ह्यथ मायाये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
राम रामरादन गोम ह्यथ सीताये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
नरनारायण गोम तपु चिय जाये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
अँशिसुय कति छ्यन गोम तसुंजि माये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
सुत्य ह्यथ अरज्जन गोम सुभद्राये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
शब्दस पतु कन गोम तसुंजि राये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
वनु क्याह वरतन गोम अथ शिनि शाये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
अंदकार अर्पन गोम अहनताये <sup>1</sup>	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
मिलुनाँविथ द्धन गोम दिथ निशवये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
द्रेशट तलु सतुंजन गोम मंजु दारनाये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
सोफल प्रेदिख्यन गोम गरि याम द्राये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
वेशु रूप हनहन गोम कुनिय त्राये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
द्रेशट तलु त्रुबवन गोम मंजु तुर्याये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
कृष्णस पतु मन गोम बोजु राधाये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये । ।

1. अहंकार ।

**159 हीमाल तु मीनावँती शिव सुन्दिस फिरकस मंज अस्तुती करन**

चेय विन<sup>1</sup> किथु ह्यक् दोह गुजरँविथ ।  
कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।  
अग्यानय छुम वथ रावरँविथ कोचन मंज फिरनँविथ ।  
चोफेस्स<sup>2</sup> छुनतम वथ हँविथ कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।  
ओन छुस पकनस हतु बजु वतु छम पतु छम लारन मनु कामना ।  
शूब्या गछुन चे मे पथर पाँविथ कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।  
दया चँन्य आयि अज तान्य थ्यकन यथ मँजिलस लूख पकन गँयि ।  
छम्बस प्यठ छुख मे चलान सँविथ कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।  
जयि स्वस्तु चे अथि ओस दय लोनय बूजिथ ज़ोनयनु चोन महिमा ।  
सति दीवु कति ज़ोनुख परजुनँविथ कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।  
क्रेरि मंजु खार म्योन बोड्मुत पानुय भगवानु दयावानुय छुख ।  
युथनु यथ नावस गछ्य मंदुछँविथ कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।  
कायायि काँत्सि प्यठ छुस बो खँसिथ रोजुन तु वँसिथ प्योन छुम क्रूठ ।  
दर्मस ब्रह्मनस नितम म्वकुलँविथ कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।  
छुस वोतमुत प्यठ शमशेरि दँदरि शोन्गमुत छुस मूह न्यँद्रि मंज ।  
चानि ज़ेरि रोस्त कुस हेक्यम वुजुनँविथ कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।  
रूशिथ च़ोलहँमे मे ड़ेशिथ बावुय न्यथुनँन्यसुय ब्रँठ वावुय छुम ।  
स्यँज<sup>3</sup> हुंद जामा थोवुम पाँरँविथ कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।  
नफसुन्य बाम्बुर छम तम्बुलँविथ दयु नाव चोन मँशरँविथ मे ।  
कस ह्यक् पनुन युथ हाल बाँविथ कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।  
रोन<sup>4</sup> छुस प्योमुत मंज माँदानस आशावानस म यूत प्रारुनाव ।  
श्रदा दिहँमना अनय मन नँविथ कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।  
कृष्णस यूत आँदीन गँजरँविथ म छुनुन त्रँविथ लूकन ताम ।  
वेशनारपन निन स्वख प्रावुनँविथ कस गोख त्रँविथ ही शोम्भू ।।

1. वरँय; 2. चुवोत; 3. सेदी; 4. मौजूर ।

**160 राजदान साँबनि तरफ्**

क्रपा करतम हँशेहस्य ।  
बो क्याह कस्य ज़ोर ।।

लूसिथ प्योमुत छुस बुजस्य      खोतमुत छुम बोड बोर ।  
यथ पंचालस किथु पाँठ्य तस्य      बो क्याह कस्य ज़ोर ।।  
आरु छु वसान व्वगनि दस्य      वारु छु करान शोर ।  
छ्वपु छु करान समन्दस्य      बो क्याह कस्य ज़ोर ।।  
वँन्य वँन्य यँच गोस छैच अँद्रय      ननन जन छुस चूर ।  
छ्वपि हुंद स्वख दिम यूगीश्वस्य      बो क्याह कस्य ज़ोर ।।  
पखु छम जस्मिचु छुम ज़रु ज़स्य      बन्योमुत छुस मोर ।  
ह्यून छुस खोरन हुन्दि ऑस्त्रस्य      बो क्याह कस्य ज़ोर ।।  
सनम्बख रोज़तम श्यामु स्वन्दस्य      प्रभात ह्युव चोपोर ।  
युथनु पम्पोशस दोह लागि दस्य      बो क्याह कस्य ज़ोर ।।  
आबासु चानि सुत्य गौमुत्य छि खस्य      अन्तहकरन चोर ।  
मे बास प्रकाश रूप ईश्वस्य      बो क्याह कस्य ज़ोर ।।  
त्रे ग्वन व्वलँगिथ छुख शंकस्य      शक्तियि चानि छुस लोर ।  
ओगनिस द्वगनाव कुनिय वस्य      बो क्याह कस्य ज़ोर ।।  
च्वरुन्ग<sup>1</sup> जन मे म फिर गरु गस्य      यि बाँज्यगर छ सोर ।  
दुबारु म डल प्यठ खालु दस्य      बो क्याह कस्य ज़ोर ।।  
अन्दर चॉनिथ ग्यानु गस्य      हवुम चूर्युम पोर्<sup>2</sup> ।  
तथ मंज रुजिथ आनन्द बस्य      बो क्याह कस्य ज़ोर ।।  
कृष्णस मुचराव बावुकि बस्य      कुनिय वस्य तोर ।  
यथ लरि<sup>3</sup> चै ह्यथ बसु अमस्य      बो क्याह कस्य ज़ोर ।।

1. dice; 2. चूरिम अवस्था - तुर्या; 3. शेररि ।

**161 राजदान साँबनि तरफ़**

सनम्वख यितु द्यानु सुत्य नितु म्योन मन ।  
गुह्य र्यूनज़ बनि काचि बोव<sup>1</sup> ज़न । ।  
ज़यि स्वस्तु बयु चोन मँशरावि हनहन प्रावनावि रूप चोन सनातन ।  
च्यत् ब्वद मन प्रान करुनावि अर्पन गुह्य र्यूनज़ बनि काचि बोव ज़न । ।  
ऑवीशु पननि सुत्य म्यानि रायि मंज़ गन म्यानि म्वखु पननि रुचि कर वस्तन ।  
व्वनमत ब्वद म्यॉन्य होशस कुन अन गुह्य र्यूनज़ बनि काचि बोव ज़न । ।  
होख तु ओदरुय रोज़्या येलि दज़ि वन रेह मंज़ु छ चीज़ा बासन ।  
सिरियस निशि छ आनगट ठँहसन गुह्य र्यूनज़ बनि काचि बोव ज़न । ।  
नँनिसुय वल वर दिनुकुय वरदन नन्गसन<sup>2</sup> ताले प्यठ संगसन ।  
सोंतु रोज़्या नन्गु कुल होस्मुत पन गुह्य र्यूनज़ बनि काचि बोव ज़न । ।  
अदु क्याज़ि छुख दयुगत नँन्य हववन येलि नारुद छुय बोजुनावन ।  
तिथि ग्वनु स्वनरिस<sup>3</sup> छुख म्वकलावन गुह्य र्यूनज़ बनि काचि बोव ज़न । ।  
दया चॉन्य छ पाप प्वन्य गँज़सन पथ कालि प्यठ आयि थ्यकुनावन ।  
कृष्णस यथ प्रेशनस व्वतरा<sup>4</sup> वन गुह्य र्यूनज़ बनि काचि बोव ज़न । ।

1. जानावर (पक्षी); 2. न्यथु नन्यन; 3. बक्तु स्वनुरु; 4. जवाब ।

समाप्त हीमाल पखतुन तु शिव पार्वी हुन्दि खांदरुक कसु  
नमामि सत्गुरुशांतम प्रत्यक्षं शिव रूपनम शिस्सा योग पठ्यतम धर्म कामार्थ सिद्धर्थे  
ॐ शांति शांति शांति

VVV VVV VVV

**खंड 3: प्रार्थना, कर्म, ग्यान, वैराग, बक्ति व दीगर उपदेशन हुन्द आगाज़**

(यमि खंडुक आस्ब छु तमि सवालुकि जवाबु सुत्य गछन युस राजदान साँबन पँतिमि (2) खंडुकि स आँखरस मंज  
(बजन नंबर 161) पृष्ठमुत छु)

**162 कर्म यूग**

सतुचिय वति पख सत् बूमिकायि ज्ञान	ब्रह्म रँदर गगनस खस सावदान ।
मिलविथ ज्ञान च्यत् चँद्रमु सिरियि प्रान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
दशमोद्धर <sup>1</sup> किन्थ वारु कड अस्मान	सुशमना मार्गु सुफारु सान ।
बासु ननि वासना व्वपासना मान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
लँलीशोरियि स्वद यूगा जान	द्वद्वशांत मंडल <sup>2</sup> वातुनॉविन प्रान ।
अनाहदु शब्द <sup>3</sup> वुछ पस्नुय सनिदान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
शब्दु प्रकाशु दिफ्त <sup>4</sup> आँसिस प्रजलान	स्वठ्कर्य <sup>5</sup> खोतु न्यर्मल बासान ।
नेश्कल शेशकलु अमर्यत च्यवान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
पंचदश <sup>6</sup> कलायि कल्पना गालान	शोडशकला <sup>7</sup> यॉच म्वचान ।
पूर्ण मावसि ह्वदुशीश ज्ञन रोज्ञान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
यिहोय गव पस्म शखुच दीवीयि हुन्द दान	पस्मदाम अपरोपस्म अस्थान ।
अपर परापर प्रपद प्रदान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
ग्यव गव ग्यान तय मुश्क गव वैग्यान	शब्दु प्रकाशस छु चमकावान ।
नोन बासुनाव कृष्णस युथ न्यर्वान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।

1. देह इन्द्रियि; 2. प्रानायाम कस्नुच व्यद - मूलाधारु प्यठ ब्रह्मँद्रस ताम निनुक तु वापस अनुनुक तँरीक ; 3. ओमकार उपासना - पंचस्तवी श्र. 9, कुण्डलिनी; 4. दीप; 5. स्वठ्क; 6 पंदाह ; 7. शुरुह ।

**163 वैराग (वॉराग)**

सुलि व्वथ बोज़ राज़ हमसुन्य बूल्य	रोज़ समसारु निशि न्यस्माया ।
सत् श्रवनुक म्वख्तु रठ तूल्य तूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।
बॅड्य यशुवॉल्य मंज़ सर्वु सामानु साज़	कम कम राज़ गॅयि अथु हावन ।
पॉर अँदरिमि त्यागु वैरागु चूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।
थ्वक् छुन समसास्स पॅत्युम दम स्वर	शाँती, शम, दम, उपस्म कर ।
युथ नु ब्रम दिथ च़लिय समयिच लूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।
थ्यरता वन छ कथ क्याह छु सत क्याह असत	व्वदासीनुवत कर चु व्यवहार ।
पथ रोज़ि पदार्थ डूल्य डूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।
प्रवरँच़ ममतायि दुतुबायि दिथ मार	राग द्वेश राखिसन हुन्द रथ हार ।
बेरंग ज़ान छुख रंगु रंगु हूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।
कृष्ण थव कन सत्क्यन समवादन	संतन सादन हुन्जुय प्रय बर ।
डंड कर पखांडस गंड खूल्य खूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।

**164 वैराग (वाँराग)**

पांच दोह यावनुन्य श्रावनुन्य सूरी ।

यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।

मत वुछ्त समसारचि शूबायि कुन	मत वुछ्त देह स्वनु लंकायि कुन ।
वँद्य वँद्य लँद्य लँद्य गँयि लूर्य लूरी	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।
समसार वन छु कस लारि क्याह यस छु तस	जेठुन छु ब्रेठुन बस कर बस ।
येति प्यव सारिनिय पुशु पूर्य पूरी	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।
व्यवहारु बोझ स्वस्त अन्न दनु धारु स्वस्त	गाटजारु स्वस्त ब्रह्म व्यचारु रोस्त ।
मून्य हिव्य गँयि हून्य ज़न वूर्य वूरी	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।
त्याग वाँरागुक बन आदिकाँरी	संकल्प व्यकल्प साँसिय त्राव ।
ममता पथ थाव वथ युथनु दूरिय	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।
मूह ज़ाल मंजु नेस्नुक व्वपाया	कर रजु हमसुन साया त्राव ।
अमरनाथुचिय जानवार जूरी	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।
क्रपायि खोत छुय श्वद वासनायि फल	पूजायि खोत प्रेयमस तु मायि फल ।
कृष्णस रायि चानि आयि मंजूरी	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।

**165 रास लीला**

कृष्णस छरान अँस्य गँयि मच्चय ।

न्यसुफ शबन न्यँद्रि हच्चय । ।

नच्चन नच्चन वनन छि वच्चन	अन्दस तु मंजस पानय छु नच्चन ।
श्यामस छंङन अँछि गँयि छच्चय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हच्चय । ।
तारा मंडुल ज़न आसि शूबन	मुनीश्वरन मन ओस लूबन ।
जु ज़नि ह्यथ चोल तु अँस्य आसु कचय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हच्चय । ।
तिमु ज़नि ज़न आसु सिरिथि चँद्रम	पानस सुत्य कोरनख समागम ।
पाताल वछ किनु आकाश खच्चय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हच्चय । ।
तिन्हघन कर्मन छु जयजयकारुय	युथ प्योख नाज़न खँरीदारुय ।
नखस ह्यच्चन तु ज़ान्यन ल्वच्चय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हच्चय । ।
पँकितँवी हनहन वँन्य दिथ त्रावव	कदम तँम्यसुन्द कोनु परजुनावव ।
प्रेयमय हच्चय छ मचु गॉमच्चय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हच्चय । ।
यी दॉयरॉविथ <sup>1</sup> छन्डनि द्राये	राधा-कृष्णस ह्यथ तिमु आये ।
पूरन सॉपनि आसिथ छ्वच्चय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हच्चय । ।
यिथय पॉठ्यन मे कृष्णस म्वख ह्यव	वेशनार्पन म्यानि व्यनँच <sup>2</sup> कन थाव ।
राधा बँनिथ मंजबाग नच्चय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हच्चय । ।

1. सूचिथ; 2. व्यनथ, विनती ।



**166 प्रार्थना रुक्मणी इन्दि तरफ़**

कृष्ण छुख मंज हनि हनि लोलो  
वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।

सोज़य ब्रह्म जनमुक मँज्युमयोर	पासा पयु थिख नतु छ मे ज़ोर ।
व्यचार पुछि च़े सुत्य अनु लोलो	वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
यूगकिस बामस प्यठ खारुनाव	दोह तारु मंजु रुद्य मे म प्रारुनाव ।
म्वख हव तन लाग तनि लोलो	वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
रँछ छिम च़े निशि वातनस कृत्य	ज़ोरु निम लँछिथ ह्यथ पानस सुत्य ।
च़े रोस्त नतु क्याह मे बनि लोलो	वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
काम, कू द, लूब, मूहन शिशुपाल	ज़ेननि आव मे कस वनु हल ।
ज़ोरु निम थिम ओरुकनि लोलो	वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
शरुनागत वत्सल छुय नाव	दर्मस यथ नावस म मंदुछव ।
वीरु दर्मुय चोन ननि लोलो	वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
बक्तु वत्सलु छुख बोड बलवीर	म्वकलॉविथ निम कोरुहम गीर ।
ऑस्चर म्योन च़े कुस वनि लोलो	वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
अँछ्य लोसम च़े वुछ्य वुछ्य थिम	दर्शुन दिम सुत्य पानस निम ।
युथनु ज़ांह अथवास छेनि लोलो	वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
द्यानु ज़ोमूवन्तस मे कास हान	वासनाथि ज़ोमूवंतिथि सान ।
मनु मन नितु वाजि कनि लोलो	वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
म्यानि समसारु यशुकुय माँज मोल	त्रफ़त कर ज़ोवराव म्वक्तुक ब्योल ।
बक्तु कुलिनुय म्वख्तु छनि लोलो	वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
तनु स्वख मनु स्वखुबाव प्रावनाव	स्वखु म्वखु कृष्णस कृष्ण म्वख हव ।
अख सँखिया अख सु बनि लोलो	वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।

167 शोम्भू जीयस कुन

बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू ।  
 दित हस्नुनि छल लोल डल शोम्भू । ।  
 न्यस्नयि नयि नुनरुचि दिमुहोय वॅन्य बावु बठि बठि बेरि बेरि सॅन्य तु व्वगुन्य ।  
 सूहमु हस्वखु पंचाल शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 यारुबलु छिय सुत्य बक्तिबावु शोम्भू शक्तिपातुक्य डून्गु तय नावु शोम्भू ।  
 वायुनस छिय बाँख व्यताल शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 शाहरु गामु छ्य साँर करनस क्वसु ताँर खसि वसि छ्य प्रानु अपानु छ्टुवाँर ।  
 फेर व्वन्दुके सेन्दि हुन्दि नालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 बाल प्रारान प्यठ गंगु आरन छस ला तरफस च़े पतु लारान छस ।  
 गंगुबलु फवजम संगरमालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 तीजु रूपु चान्युक छुस पनुपोँपूर ज्योति रूपु लोलु नारु चानि सूर मलु पूर ।  
 देह अंडुकारु त्वत्<sup>1</sup> च़े पथ ज़ालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 लोलु नारु चानि दँजमुच़ छस आरुवल भस्माधारु वारु वारु वसतु यारुबल ।  
 हारु आरु हीय फोज्य कँड्य ज़ालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 रोशु रोशु बेयि होशु पोशनूलु गोशन वाँनी वन वनहॉर छस बो तोशन ।  
 लोलु पोशन करय पोशिमालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शम्भू । ।  
 रागु रस्ते छुय नागु न्यँद्रे मॉल छवनस छ्य त्यागु बागु बबरे हॉल ।  
 ज़ागु स्वन्दरय लालु यितु सालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 ह्यसु हमसु पखि खार हस्वखु बालस याँर ह्युव कर वन्दस तु र्यतुकालस ।  
 पॉरिथ बुरुजु जामु दुशालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 दशु ब्वजु मशि मे कति चोनुय श्रेह लशि मिलुनाव अँगनस सुत्यन रेह ।  
 म्वक्तु प्रावु त्रावु अशिने च़ालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 त्रेतिथि<sup>2</sup> लंजि न्यस्वासनु फम्बुसीर बेहनाँविथ युस ज़ानि सुय गव वीर ।  
 त्रन कालन वुफि अकि हलु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 स्वरु रोज़ बन मनु कनुकुय कनुदूर राजु यूगु राजु बोजु प्रेयमु साजु सोन्तूर ।  
 अज़पा जीरु बमुचे तालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 पोशव कनि दँह इन्द्रेय लागय दूपु दीपु कनि प्रान आलविथ ज़ागय ।  
 शिव पूजायि च्यत् शिवालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 आशि वालुवाशि मंजु बाशि पान वुफुनाव अविनाशु नीलक्राशि<sup>4</sup> हमसु बाशि कस्नाव ।  
 डलु दिथ कड मूहने ज़ालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 कस छु सामस्थ करि सुय चाँन्य हिव्य कारु नेशकाम रुज़िथ करि यूत व्यवहार ।  
 यूगु लरि लदि बूगु बंगालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।  
 त्रन बागु दिथ छुख त्रुकु बागुक ईक<sup>5</sup> च्वन हालन<sup>6</sup> मंजु वेग्यान विवेक ।  
 मंजुबागु अन्द मूह जंजालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शम्भू । ।  
 अमरीश्वरु छुय अथि अबय वरु वेशनार्पन कृष्णुन्य पालना कर ।  
 त्रुजगतपालु दीनुदयालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।

## Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

---

1. तत्त्व; 2. वृत्ति; 3. आशा रूपी फॉस्य; 4. पक्षी; 5. त्रक शास्त्र - (त्रे) ईश्वर, माया तु जीव (ब्रह्मा, विषणु, रुद्र); मायायि (अग्यानुक) नाश गॅछिथ ईश्वस्स तु जीवात्मस छुनु कांह ब्यन रोज्ञान, सिर्फ ईश्वरुय ईश्वर रोज्ञान; 6. चोर अवस्थायि ।

168 शिवस कुन प्रार्थना

यस छु हरम्बखु प्यठ वसुवन पोन्थ	शिव-शक्ति रूपु नादु ब्यन्दु सेंदि वोन्य ।
सुय गोसोन्य सर्वु शक्तिमान वरि मे	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
येम्य सामवीदुकि स्वरु पर्य श्रुख	शीन ज़न व्यंगलिथ गव दीवलुक ।
दीवन शेरीसन साँपुन पोन्थ	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
दीवन हुन्द्य देह येलि गँयि ज़ल	अख दँरियावा पोक न्यर्मल ।
सुय पोन्थ आकाशु वोथ गंगु वोन्य	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
पननि मायायि सुत्य बेयि व्वतपत	नँव्य कैर्य कारन दिवताह ह्यथ ।
सुय चावि अच्चतु अमर्यत वोन्य	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
येम्य अभिनव गुप्तुन्य माँन्य बक्त	सासु बँद्य चाट ह्यथ सु कोरुन म्वक्त ।
येम्य गुपकारुक वोर सोद्य वोन्य	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
येम्य बूमजुविकुय <sup>1</sup> वोर बूम साद	येम्य लँलीश्वरि कोर प्रसाद ।
येम्य नुन्दु र्योश चोव न्यद्वन्दु वोन्य	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
येम्य रेशिपीरुन मोन अब्यास	ज़िन्दु कैरिन सासन हुन्द्य सास ।
यारुबलु माजि क्युत द्रास गंगु वोन्य	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
मीषा सुन्द बक्तिबाव ख्वश आस	कृष्ण कास्स ह्युव कोरुनस दास ।
नँटिसुय मंज़ वोत ड्लुकुय पोन्थ	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
येम्य स्यदु पीठ ज़ाला रूप होव	मखदूम पादन तल वातनोव ।
सर्वु स्यद चावुनोव शक्तिपातु वोन्य	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
सादुमालिनि बुजरुक आस आर	दोपनस पँक्य पँक्य व्वन्य थोकुख प्रार ।
ब्रॉठ कनि प्रकट गोस गंगुवोन्य	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
येम्य रुच्चि जायि वातनोव हमदान	येम्य ज़नक रजुसुय बँडशेव मान ।
लोरि मंज़ गाँब गव ल्यँदरि <sup>2</sup> हुंद पोन्थ	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
येम्य र्वपु भवानि हँव रुच्च वथ	दर्मय कर्मय परमय गथ ।
चावनाँवुन पूर्न-आनन्दु वोन्य	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
यस पतु रेश्यमोल साँपुन मोत	न्यन्दव शेस्त तस बोठ गासु खोत ।
डूर्यन मंज़ रूद दानि तु पोन्थ	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
यिम केंह बेयि द्रायि सतज़न तु साद	तिमुनुय तोरथ कोरुनख नाद ।
समसार मानुनाँविन वुगु वोन्य <sup>3</sup>	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
यिम केंह बेयि द्रायि ग्यानुवान	होवनख पनुनुय शिव न्यर्वान ।
पेठ्य त्रोवनख पूर्न-आनन्दु छेन्य <sup>4</sup>	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
येम्य म्वख खोट कैर नूर मंज़ु कथ	मूसाहस कोहि तूस्स प्यठ ।
पँहँल्य चार्यर <sup>5</sup> मोन गलि शेस्त <sup>6</sup> पोन्थ	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
सुय करि कृष्णस शीतल मन	चन्दुन चँद्रमु कोफूर ज़न ।
शोमरावि प्यठ त्रावि शाँती शोन्य <sup>7</sup>	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
बकवास मान्यस प्रेयम पूर	हापथ होशस थव्यस मंज़ूर ।
आपुराव्यस यूगु ग्यानु गोन्थ <sup>8</sup>	सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।

**Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

1. अकि जायि हुन्द नाव; 2. अख देरियाव, 3. अस्थाई ; 4. रूद; 5. नादान; 6. आवाज़ि रोस्तुय; 7. रूद; 8. नैवीद ।

169 प्रदूश पूजा

सरे शामय गरे द्रायस      च्चे कुन आयस हरे शोम्भू ।  
यिथिस सायस तलय चायस      पेयस पायस हरे शोम्भू ।।  
छु सायंकाल गालन काल      पालन असि हिव्य कंगाल ।  
यिथिस कालस स्वरे युस तस      कले कालस वरे शोम्भू ।।  
प्रदूशी<sup>1</sup> दूश छुय कासन      सदा शिव दीव ह्यथ आसन ।  
छु आनन्दुक बचा बासन      नचान प्यठ डबरे शोम्भू ।।  
नचान छुय केश मुचरॉविथ      विशेशी जामु पॉरॉविथ ।  
छु कमितान्य हश्कुिन्य त्रॉविथ      डुपट प्यठ नरे शोम्भू ।।  
छ सुमरन च्यत् सॉच सादन      स्वरुस दाना जरुस पादन ।  
थविय कन लोलुक्यन नादन      तु अपरादन हरे शोम्भू ।।  
छ ब्रह्मांडुच थॅरुय फोजमुच      रंगा रंग छस फुलय लॅजमुच ।  
बो लागस छस करुन्य तॅजमुच<sup>3</sup>      वरे मे यथ थरे शोम्भू ।।  
महामाया छ मन मूहन      प्रपंचस कारनन दीवन ।  
करान छुय थामि च्यत् ब्वद मन      यिछि हिशि संदरे शोम्भू ।।  
वजान थालुज तु गंठ छ्य      वसूला ह्यथ करान जयजय ।  
लॅबिथ पयु सुत्य शब्दस लय      करय अॅकिसुय गरे शोम्भू ।।  
छु मूखी दातु युथ जानन      तॅमिस छिय दिवताह मानन ।  
सु ह्यथ छुय हश्कुिन्य थानन      मे निशि वॉसा बरे शोम्भू ।।  
ग्यवान छुय ताल श्यामु स्वन्दर      तु स्वर सॉपुन मनुक मन्दर ।  
यिथिस नगमस अन्दर कृष्णस      कटख्या अख करे शोम्भू ।।

1. सिरियि लोसनु ब्रॉह 1½ गरि तु पतु 1½ गर्यन हुंद समय; 2. खास; 3. कर्मव तंग अॅनिमुच ।

**170 श्याम सुन्न पूजा (शिव तु केशव कुनुय आसुनुक मतलब)**

शामु शामय श्यामु रूप गोरुम ।

श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।

शामु शाम वुछ मे मंज शिवु मंदरुस	श्यामु स्वन्दरुस सुत्यु शोम्भू ।
शाम अथि आम दोह रथि खोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
शामस सुत्यु सुबह मिलनोवुम	रामस सुत्यु रामेश्वर ।
शिव तु केशव कुनुय व्यचोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
सुबह शामस कल्पु व्रेख्य मोनुम	म्यवु ज़ोनुम शिव अनुग्रेह ।
द्यन तु रँच हुंद ज़ग तु प्रोन चोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
शामु वेरि थेरि शिवराग फ्योरुम	बावु छवु आव अनुग्रेह अन्न ।
पान त्रस गोम प्रान संदोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
ब्यलु अंबार पँतरु पँतरु चोरुम	सुत्यु थँवमस हीय तु त्वलसी ।
शामु वेलु शिवु मंदरुस सोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
मूर्ख व्यवहार ग्यव ज़न कोरुम	शामस ज़ोलमस रँतन दीप ।
आलविथ गम गटुकार होरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
शामुकिस साज़स कन दोरुम	हरशुकु बचि लोग नचुने ।
तँम्य नचनन द्वख न्यवोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
सुबहस तु शामस व्यसतोरुम	बांडु जेशना तु बचु नगमा ।
तँम्य नगमन पॉथुर मे खोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
समसार यशु पशु बाव होरुम	ख्वश गोम दशरथ नन्दन ।
व्वशुकु य दशु रावुन मे मोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
मनु मथुरायि श्यामु द्यान दोरुम	पज़ि रज़ि सुत्यु युथ पज़िहे ।
गमु कमसुय <sup>1</sup> थमसुय चोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
श्री कृष्णन श्यामु शूबायि सुत्यु	सायि सुत्यु आँब गॉब कॅर्यनम ।
तँम्य पापन परमु प्वन्य योरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।

1. कमसास्वर रूपी गम ।

**171 शिव अस्तुती**

यस छु हटि वासुक तस छु जेटि पोन्य ।  
ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य ।।  
युस दीव सर्वु दीवन हुंद छु आदि सुय वरि पाप हरि करि प्रसाद ।  
तस दीवस छि पम्पोश हिव्य पाद हरम्बखु बरु तल लायोस नाद ।।  
पादव तँल्य छुस पकान सेंदि वोन्य ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य ।।।  
युस थ्यक्रनुय छु दीवियन तु दीवन तस दीवस छि सर्वु दीव सीवन ।  
आत्मु रूपु आसुवुन छु मंजु जीवन प्रानुदोरियन क्युत छु सँजीवन ।।  
सुय नंगु नोन दियि चोन गंगु वोन्य ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य ।।।  
पूर्नायि स्वस्ता छु नूरु बँस्थिय ब्रह्मांडन पालना कँस्थिय ।  
स्वखु म्वखु सुत्य छुय द्वख हँस्थिय वरु अबयु सुत्य छु वँस्थिय ।।  
येम्य पानस सुत्य निव सोद्य वोन्य ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य ।।।  
जनमन हुंजु व्योजु जालुवुन छुय ज्यनु मरनुक ग्वन गालुवुन छुय ।  
माजि मॉल्य सुंदि खोत पालुवुन छुय सानि कर्मु बुतरॉचु वालुवुन छुय ।।  
आत्मु बूदुक रूद शाँती शोन्य ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य ।।।  
प्रेयमु मस चावि मँशरावि हनहन सतुबावु न्यथ थावि नेशकल मन ।  
मूख्य दावि करुनावि आनन्दुगन सनम्वख नँन्य हावि जोतन तन ।।  
कृष्णस प्यठ त्रावि शाँती छेन्य ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य हय, ग्वसोन्य ।।।



**172 अस्तुती**

जय कर जय कर ही म्रेत्यंजय ।  
जय बोयनय जयजय बोयनय । ।  
च्च्यत् त्वरगस<sup>1</sup> त्रौवय येम्य ह्य<sup>2</sup> अदु लबि चानि न्यस्नयुचिय नय ।  
शाय<sup>3</sup> चॉन्य लामकानय छ्य जय बोयनय जयजय बोयनय । ।  
कॅम्य स्व वथ तय कॅर कॅम्य लोब पय तॅम्य लोब पय येम्य रॅट इन्द्रेय ।  
जय बोयनय जयजय बोयनय । ।

1. गुर ; 2. चकर लगावुन; 3. जाय ।

173 प्रबात तु मंघान कालच पूजा (शिव केशव कुनुय आसुन)

ह्यथ प्रभातस<sup>1</sup> मंघानु कालय ।  
 हव श्यामु लालय<sup>2</sup> श्री रामु रूप । ।

कामुदीनु बिह्थि छ प्यठ गूर्यवानस	अखा छ व्वदनि द्यानस मंज ।
चे सुत्य मीलिथ कमि तान्य हलय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
ईक जॉनिथ अंनीकस तीलिथ	रसा खीलिथ मीलिथ चे ।
वुछ प्रकरम कोर ह्यथ पोशिमालय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
अख आसि व्वदनि या आसि बिह्थि	तति कलु गुह्थि छु पसन प्योन ।
सुय ख्योल <sup>3</sup> स्योद करि हेल कपालय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
श्री कृष्णन रामु मूरत कँरुन	वँरुन ज़ोमूवंतुन्य कूर ।
गथ हॉवनस मंज ह्यपथ खयालय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
रामुय छु कृष्ण कृष्ण छु रामुय	असि बक्ती नेशकामय कँर ।
अद्वेत बावन कँड्य मूह जालय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
शिवुय छु केशव केशव छु शिवुय	थँन्य ऑस अदु प्योस ग्यवुय नाव ।
आत्मु द्वदुसुय छि ब्योन ब्योन चामय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
गूर्यन सुत्यन यारान लोगुम	गूर्य वानन प्यठ ज़ोगुम चे ।
कामुदीनु लँट्य नाल हँट्य रँट्य मे नालय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
जसुदा माता गुरुस छ मंदन	द्वदु शुर्य सुन्द्य पॉठ्य गिन्दन छुख ।
खेन्य थँन्य प्रेन्य छ्वक द्वदु प्यालु प्यालय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
पछि हुंद वोछ क्वछि क्यथ ह्यथ छुस बो दोरान	मिलुनाव तस वुछ म ज़ोरन कुन ।
दयायि कामदीनि सुत्य दयाये	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
रधा छ चे पथ दीवानु गॉमुच	पथर पेमुच गूपियन सुत्य ।
शाम वोत कामदीनु ह्यथ यिस दयालय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
कोचन मंज छ वँन्य दिनि नेरान	वनु प्यठ गर कोनु फेरान छुख ।
यिस दर्शुन दिस निस दिथ डलय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
यँम्बुरजल छ्य मंज पोशि बागन	जागन बोम्बूर डेशन ना ।
शामस सुत्य प्रबात वुछ काल कालय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
ख्यनस <sup>4</sup> सातस द्यनस तु रतस	छुस चे दातस मंगान प्रय ।
शामस तु प्रबातस कलि कालय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
कृष्णस मेलनि नारुद छु आमुत	खेलनि चामुत छु मंज गूपियन ।
स्वदु ज़ोव वोछ ज़न मारन छु छलय	हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।

1. शिवस सुत्य ह्यथ; 2. श्री कृष्ण; 3. रेवड; 4. क्षण ।

**174 प्रबातस आदि शक्ती हुन्ज अस्तुती**

आदि प्रबातस बूल कोस्तूरी ।  
गट चॅज तु गाश आव पुर्य किन्य ।।  
चानि प्रकाश सुत्य गटि मंज गाश आव पखत तल ज़न चॅद्रमु द्राव ।  
गौरी पखत राजुन्य कूरी गट चॅज तु गाश आव पुर्य किन्य ।।  
तीज वुछ तु गत मारि च्यत पाँपूरी गमु गटि दमु दमु प्रज़लनु आय ।  
शमु किय दमुकिय शमा कोफूरी गट चॅज तु गाश आव पुर्य किन्य ।।  
कोर चरगानु चानि ज्योति रूपु द्यानु सुत्य यूग अब्यासु प्रानु अपानु सुत्य ।  
ग्यानु दीप प्रज़लन छि न्यखानु जुवरी गट चॅज तु गाश आव पुर्य किन्य ।।  
लंगु लंजुवय सान फोलमुत कुल ड्यूठ तथ प्यठ हमसु रंगु बुलबुल ब्यूठ ।  
गोशि गोशि फोजखय होशि पोशिमूरी गट चॅज तु गाश आव पुर्य किन्य ।।  
बाग<sup>1</sup> नयि कर्मनि आयि मंजूरी नागु लयि ज़लु कनि अमर्यत द्राव ।  
लागनय सपज़न छ डूरि खोत डूरी गट चॅज तु गाश आव पुर्य किन्य ।।  
मूर्ख दमॉली ज़ान सॉन्य डॅली राजु हमसु सायि त्राव नोन हव पान ।  
अमरनाथुचिय जानुवार जूरी गट चॅज तु गाश आव पुर्य किन्य ।।  
शक्तिपात दातु च़ेय निशि बेछ्वुन आव दर्मस बेखिकस म यूत प्रासनाव ।  
कृष्णु आलव दितु कर्मस च़े पूरी गट चॅज तु गाश आव पुर्य किन्य ।।

1. भाग्य ।

**175 मानसिक पूजायि हुंद वपदीश**

आदि प्रबातस अँछ्य मुचरजे ।

मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ॥

न्यर्मल बोज बवु सागर तँरिजे      नेशकलु याखलु कँरिजे श्रान ।  
त्रेशिवय मल अबिमानुक्य हँरिजे      मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ॥  
समसार ब्रम माँनिथ दम बँरिजे      सूहम सोरिजे ठुहस्थि प्रान ।  
इन्द्रेय शोमस्थि सुमरुन फिरिजे      मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ॥  
त्यागु सुत्य रागु द्वेशि निशि व्यसिरजे      सूहम सोरिजे दँरिजे दान ।  
मन थयर कँरिजे मंत्र पँरिजे      मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ॥  
श्री कृष्ण चरुन कमलन अँछ्य जँरिजे      येछि पछि श्रदायि बावनायि सान ।  
मानसी पूजि सुत्य देह मँशिर्यजे      मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ॥  
नाना स्वरुन बानन बँरिजे      बावनायि सुत्य खिरु खन्डु पकवान ।  
श्री कृष्ण महाराजस आपुर्यजे      मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ॥  
अष्ट दल हृदयस मंज वथुर्यजे      न्यर्वानु आसनु किय थान ।  
कृष्ण दानु पानु थानु आवुर्यजे      मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ॥  
दर्मु कर्मु जोरु मूह रजस फँरिजे      सुत्य ह्यथ शमु दमु किय पँहलवान ।  
आनन्दु नगरुस राजा कँरिजे      मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ॥  
देह डम्बुकिस क्वटम्बस खँरिजे      आश्चरजे ग्यानु संतान ।  
ईकांतचि शांत शक्ती वँरिजे      मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ॥  
बाला मुकुंदुन दाना दँरिजे      कृष्ण जनमन हुन्ज हँरिजे हान ।  
न जि जांह जैविजे न जि जांह मँरिजे      मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ॥

**176 कर्म यूग व्वपदीश (प्रबात वखतस)**

नूर बैर्यथुय सूर मँती असुनाह कोर गाश आव ।  
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हँती पोश छव । ।  
सिरियि खोत चोन चरुन कमल घानु मंजय फवलनु आव  
मनु बोम्बूर सोन मुशुक हेनि तथ मंजबाग चाव ।  
चँद्व चूडनि द्रेशटि सुत्यन शामु वक्तय वटु आव  
मनु बोम्बूर तथ मंज फोट युन गछुन ओस ब्रमु बाव । ।  
मोत सौरूपस सुत्य लय गव पोत फीस्थि कोत सु द्राव  
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हँती पोश छव । । ।  
सिरियि चँद्रमु ईक साँपुन पूर्न मावस प्योस नाव  
सिरियिस निशि ब्योन हना गव छिस दपान चँद्रमु ज़ाव ।  
यूत तस निशि दूर साँपुन म्वटनस सुय त्यूत आव  
आत्मस निशि मन बहेस्वख<sup>1</sup> गव तु प्योस प्रपंच<sup>2</sup> नाव । ।  
ईक नाना रूपु किन्य अग्यानु सुत्य बोजनु आव  
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हँती पोश छव । । ।  
खसु वसि प्रानु छट्टवारि प्रारान रतस मे गाश आव  
अँक्य<sup>3</sup> इशारा कोर मे सुबहस स्यदु यास्स प्यठ छ नाव ।  
यूग नावे व्यँज पूर्वक साँर करुनुक बोर मे चाव  
ओर दोपहोम आँव्वय स्यँज<sup>4</sup> लेम्बि हुंघ पॉठ्य तल दबाव । ।  
परमु शमु नमु, शमु दमु दमु, सूहमु ह्मु वाय नाव  
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हँती पोश छव । । ।  
शिनिकुय शिन्या स्वरुन ह्योत बावु सुत्य वावुक मे वाव  
पाँन्य पानय पाँनिस मंज पकनाँव पानुच मे नाव ।  
हॉस्तुक म्यूलुम निशाना चुय मे दाना मोत बनाव  
मशिहे मे पँश्यबाव अख नशु दामा मेति चाव । ।  
श्रेह रेह सुत्य दजिहे ब्रम अँदर्युम तोन्दरय ताव  
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हँती पोश छव । । ।  
जीवतुक ब्रम चलनु बापथ ग्वडु कोरहोम कृष्ण नाव  
मंजु रोटनस देह ब्रमन व्वन्य छ कमन म्याँन्य गाव ।  
अंगु न्यासुक्य वुछ कवाँयिद<sup>5</sup> सोरुय ओस हाव बाव  
ग्रज वँछ इन्द्रेय फोजस विवेकु रजु चाव । ।  
छुनु मानन दिन्य सलॉमी कहता है भ्रम को ह्वाओ  
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हँती पोश छव । । ।  
क्याह छु लबुन क्याह छु रवुन यी छु प्रावुन ती चु प्राव  
देह अबिमान गछि त्रावुन गछि प्रावुन ब्रह्म बाव ।  
गाटजार गछि मँशरवुन याद पावुन सादु नाव  
बूग अबिलाश गछि सावुन वुजुनावुन सत् स्वबाव । ।

वैराग बाग गच्छि छवुन फुलयि हवुन हर्दु वाव  
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हँती पोश छव ।।।  
यावनुन सौता छु फोलमुत होशिक्यन पोशन छ क्राव  
तावनुन हरुदा पतय छुस यी छु प्रथ वक्तस स्वबाव ।  
लंजि प्यठ ब्यूठ पोशनूला छुस पतय लारान काव  
कति बुलबुल बूल्य बोजुन्य कति कावुन टव टव ।।  
सुबह दम फोल<sup>6</sup> क्वसु कृष्णस फुलयि हुन्ज वन्दस छ ग्राव  
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हँती पोश छव ।।।

1. बहिर्मुख, मन ईकाग्र न गछुन; 2. समसार, जगत; 3. गुरुदेव; 4. आँठ सेदियि; 5. यूग सादन ब्रौह अथु त  
बाकी इन्द्रियन हुन्ज शोदी; 6. त्युथ सुबह युस प्रथ मूसिमस मंज यकसान रोजि ।

177 प्रबात अस्तुती

अनिगट चॅज फोज संगस्मालो ।

व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।

गाशु तारकु क गाह प्यव बालु बालो प्रकाशु चानि सुत्य प्रजलनु आव ।  
दूरि खौत पूरि कनि प्यठ पंचालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।  
आशि चानि बुलबुल छि दिवान नालो प्रकाशि चानि दँदरि छ्य बोलान ।  
पोशनूलु बोल-बाशि बोजू गाशु लालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।  
गूपियि आयि ह्यथ प्रेयमु पोशिमालो राधा कृष्णु चै पूजु करुने ।  
जमनायि श्रानस द्रायि कमि हल्लो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।  
दीवी तु दिवताह आय सानि सालो रातस रूद्य प्रबातस तान्य ।  
पतु ब्रौठ सुत्य छिय नॉली नालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।  
याखुबलु बँठ्य बँठ्य शिव शिवालो छिय वज्जान शंख तय छिय दज्जान दीप ।  
लूख आय पूजायि ह्यथ पोशिमालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।  
चानि दयायि सुत्य दीनु दयालो स्यद गँयि सॉन्य दुनियादॉरी ।  
सुबहुक प्रथ चीजु वौत कालुकालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।  
आकाशु वौथ प्रकाशु दुशालो वलनस क्युत गटु चलनस क्युत ।  
जगि<sup>1</sup> वौल कोड कालु फ्यरना नालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।  
चै ह्युव शाह ड्यूठ बडि जलालो गाह प्यव जगि गँजगाह क्याह छु जान ।  
वाह वाह करुवुन्य छि भैखु व्यतालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।  
बागु छवनि वस प्यठ बंगालो मथुरायि नगरसु वथस्थि छुय ।  
श्यामु वस ब्रज गामु प्यठु दिथु डालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।  
दीव गंदर्व आयि बडि खयालो वायन तु गायन छि गोविन्दु गीत ।  
रोजु रामु बोजु सामवीदचि तालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।  
आशि चाने च्यु बालु गोपालो कृष्णस गटि मंजु गाशा हव ।  
पालना सॉन्य करु व्रजगतपालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे ।।

1. जगत ।

178 प्रबात वपदीश

प्रबात हो आव अँछ्य मुचराव ।  
न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।

छु चमकान आत्मु सिरियुक गाश न्यँबर्य अँदुर्य यि च्यत् आकाश ।  
मुचर अँछ्य दारि मो त्रोपराव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
छुन्य हेतिनय च्चे कृहनिय केश च्चेनेन कोनु छुख वपदीश ।  
समय गव रंग बदलिथ आव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
समय जन बांडु जेशना ज्ञान गछ्यस गंडुन युथ त्युथ सामान ।  
नोवुय नोव पाँथरा ह्यथ चाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
ग्यानुक दीप प्रजलिथ ज्ञान व्यचारकि न्यँत्रु वुछ शिव दान ।  
वुजिय युथनु खयालुक वाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
म कर च्चेर फेर होशस कुन व्वद्युगुक जामु नॉली छुन ।  
च्यतस वुजुनाव आलुछ त्राव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
संगरमालन छ्वर साँपुन जगत सोरुय ह्योतुन नॉपुन ।  
चु म्वख अद्वेत ऑनस ह्यव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
व्वद्युगा कर चु स्वाँमी स्वर स्यदथ पानय दियिय ईश्वर ।  
सु करिय युथ चु करहॉस बाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
ख्यनुय सातुय द्यनुय रातुय यिहुंद स्वाँमी छु प्रबातुय ।  
अँमिस निशि अबिज्यत हो ज़ाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
गछुन हुशार बँड गथ छ्य च्चे लागुन्य क्वसु लागथ छ्य ।  
न्यराशन पानु गाशो<sup>1</sup> आव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
कर्म खाव दर्मु पादन पाव गछ आत्मु तीर्थु तन मन नाव ।  
बखुच सरु प्रेयमु पोन्या छव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
ख्वगन च्वन मंज छु चूर्युम जान छु ख्यथ चथ ख्वश गछन भगवान ।  
पँतिम पँहस्स छु युथ स्वबाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
ख्वगन त्रन गछि करुन व्वपवास ग्रेहस्त त्रावुन बनुन वनवास ।  
छु वुनिक्यन बस कुनुय द्युनाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
ख्वगु रजस छु जयजयकार यिहोय छुय स्यद दिनुक म्वखतार ।  
चु बूगन बूग मूखी प्राव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
गँनीमत ज्ञान येमिसुंद राज कलस प्यठ थव व्यचारुक ताज ।  
कमाना तुल निशाना पाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
दयस निशि येलि च्वशवय चाय दिचुन प्यठकनि येमिसुय जाय ।  
यसुंद पानय बजर गँजराव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
ख्वगन हुन्दि अनुग्रेहकुय अन्न तपु अँगु पाकुवन्य गँयि जन ।  
यिवान छुस यथ ख्वगस मंज छव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।  
श्वंगुन छुय ख्वश यिवान वुन्यक्यन स्यदथ छुय दय दिवान वुन्यक्यन ।  
यिथिस वेलस सुमो मँशराव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।



यिवान छिय वुछनि कमकम दीव ह्यसस कुस आसि वुन्यक्यन जीव ।  
स्यदँच्च ह्निदि यारुबलु छस नाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव ।।  
फुलय लँज बावुक्यन पोशन मुबारक साहिबि होशन ।  
यिथिस वेलस करुन्य ह्यन क्राव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव ।।  
करुन्य ह्यन बूल्य जानावार कृष्ण कर पोशनूलुन्य कार ।  
प्रेयमु सुत्य कृष्ण गीता गाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव ।।

1. प्रकाश दिनुवोल ।

**179 प्रबात**

मूह गट् चेंज सत् संगु के गाशे ।

रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।

रातस ज़ोलमय बागस जूलो	व्वथू पोशनूलो गाशो <sup>1</sup> आव ।
कु किलायि कुन बूल्य केंर निलुक्राशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।
ग्रज़ वेंछ जानवास्न हंज़ि वनुनुय	स्वय गॅयि देँदर्यन कनुनुय मंज़ ।
विगिनि वछ कोतरि बैनिथ आकाशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।
छ्चरुय नोन द्राव संगस्मालन	कोसतूर्य नालन छि ककवन सुत्य ।
राजु हम्स बोलन छि ही अविनाशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।
मेछि कथु बोज़न छि शोगु प्यठ दार्यन	हार्यन छि मंज़ पोशि वार्यन शूब ।
फम्बुसीर लारान आयि चानि आशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।
संकट कट नठ वेंछमुच्च छ अथु र्ठ	राजु यूगु राजु हम्सु ग्यानु म्वख म खठ ।
छ्ठ हठ कर्मुचि आशा पाशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।
कृष्णस वुफ्नाव लोत गोब बोर कर	मोर मुकट दारुवुनि ज़ोर कर ।
गरुडु संदि पंजु चठ मूह वालवाशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।

1. प्रकाश दिनुवोल ।

**180 प्रबातस श्वब फल मंगुन**

व्वथू न्यँद्रे बालु गोपालो ।  
श्यामुलालो गाश हो आव । ।

अँस्य हुशार रूद्य रँत्य रतस	शामु फु प्रबातस तान्य ।
ही मुख्य दातु प्रबातकालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
लोलु चानि सानि अशिचिय दार	वाँच्च तार मंडलस तान्य ।
ह्यथ छु चँद्रमु अमर्यतु प्यालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
सुलि वँथ्य पोश चँट्य पोशि थस्त्रिनय	गरु वातुनॉव्य छस्त्रिनय क्यथ ।
करि च़ेय किचु पोशन मालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
गूपियि द्रायि जमनायि श्रानस	व्वजिमचु कृष्ण द्यानस मंज ।
योरु द्रायि ओरु आयि कमि ह्यलो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
लूख वुजुनॉव्य सिरियन सॉरी	आव रथु सवॉरी ह्यथ ।
सॉस्स नेर व्रुजगतपालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
क्याह कख अँस्य नेचिव्य कोरिवॉली	बँड्य नावदार खॉली दस्त <sup>1</sup> ।
द्यन छु गुजरन कमि कशालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
क्याह कख अँस्य छि कर्महीन सॉरी	यिछि दुनियादॉरी मंज ।
अडि खर्चु तु बडि अयालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
क्याह कख अँस्य छि चॉरी तु फ्यॉरी	क्याह पकान नादॉरी मंज ।
ह्वछि कथु छरि अथु मूर्ख चालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
हन च़लिहे असि मान बडिहे	श्रम कर्म दर्म दान शूबिहे ।
लद तु अन्न दनु दीनु दयालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
यिनु मंदछु यियि प्रोन नावुय	वावुलदनुय वावुय कास ।
करतु अनुग्रेह वस्तु क्रपालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
क्याह कख अँस्य बंदन तु बायन	मंदछु छि हमसायन मंज ।
सानि म्वखु थावतख स्वकालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
ही मुख्य दातु प्रबात कालो	मूह न्यँद्रे मंजु वुजुनाव ।
कृष्णस मंजु च्यत् शिवालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।

1. अथु ।

181 अस्तुती

बयु रोस्त थावतम जयुसानो ।  
दयि रोत्मय मे चोन दामानो ॥  
तापु मंजु गछु कोत अनजानुय      ब्रौठ छुम ज्यूठ सेकि माँदानुय ।  
न्यथु ननि सुंदि सायेबानो      दयि रोत्मय मे चोन दामानो ॥  
मंजु कंङ्गिनय प्योस कमजोरुय      पतुकनि ह्यम<sup>1</sup> छुस ननुवोरुय ।  
अरज्जन दीवने स्थुबानो      दयि रोत्मय मे चोन दामानो ॥  
साद संत गँयि पथकुन मे त्रौविथ      हम्सु पखुवुय पान वुफुनौविथ ।  
ओन तु रोन्<sup>2</sup> छुस करान मानमानो      दयि रोत्मय मे चोन दामानो ॥  
नाशि रस्ते छम चॉन्थ आशिय      अँन्थसुय गटि मंजु अनतु गाशिय ।  
रँनिसुय<sup>3</sup> क्युत लदतु व्यमानो      दयि रोत्मय मे चोन दामानो ॥  
मतु वुछ्तु म्यौनिस कर्मस कुन      दर्मस ब्रह्मनस छुय द्युन यि पुन ।  
म्वकलौविथ न्युन च्चे भगवानो      दयि रोत्मय मे चोन दामानो ॥  
दर्मु दानु रोस्त छुस कर्मु ह्युनुय      ब्रह्म जौन्थ रोस्त दूशुलद तु ख्युनुय ।  
यिथि ग्वनु छुसय वर च्चे मंगानो      दयि रोत्मय मे चोन दामानो ॥  
समसास्स मंजु छुस लाचार      ब्रौठ छिम वॉत्यमुत्य कमकम कार ।  
वारु थावतम अमि यमि सानो      दयि रोत्मय मे चोन दामानो ॥  
ऑदीनन अवतार दौस्थि      तारु गौमुत्य बवुसरु तौस्थि ।  
कृष्णस ति तार ह्य दयावानो      दयि रोत्मय मे चोन दामानो ॥

1. पनुनिस स्थस प्यठ पतुकनि बेहनावुम; 2. ओन तु मौजूर ; 3. मौजूस्स ।

182 ॐ (ओमुक तौरीफ)

ओमुय छुय आत्मदीवय	ओमुय छुय कृष्ण जुवुय
ओमुय स्वर छुख त्वमेवय	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (1)
ओमुय छुय वैष्ण ब्रह्मा	ओमुय छुय शिव त उमा
ओमुय कासिय च्चे ब्रमा <sup>1</sup>	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (2)
ओमुय छुय वीद पुरान	ओमुय छुय दीव बासान
कुनुय अछुर पॅस्थि ज्ञान	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (3)
कुनुय अछुर स्यवह ज्ञान	कुनुय अछुर स्यवह मान
कुनुय अछुर छु प्रदान	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (4)
ओमुय छुय सत् समागम	ओमुय बासिय च्चे सूहम
ओमुय कासिय देहुक ब्रम	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (5)
ब्रह्म निश्व ओमुय छुय	स्वरुन ह्योन त कुस ब्रमय छुय
थॅकिथ छेनिथ तमुय छुय	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (6)
नरायण छुय नर्यन मंज	अकार छुय अछरन मंज
सतुक स्वर छुय स्वस्न मंज	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (7)
ओमुय छुय यूग तय ज्ञान	ओमुय छुय दास्ना दान
ओमुय ग्यान वैग्यान	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (8)
वनान ब्रह्मस छि अशब्द	अशब्दुय छुय ओमुक शब्द
यछ्र व्वद्युग प्रारब्द	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (9)
ओमुय छुय सत् च्यत् आनन्द	ओमुय छुय आदि मद्य अन्द
ओमस जीवुत पनुन वंद	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (10)
छि यूगी दान दास्न	अछर पांच पांच कास्न
छि स्वछ्यन्दुय व्यचास्न	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (11)
ओमुय श्री गायत्री ज्ञान	म्बखन पांचन वंदुस पान
तमिक्व ग्वन पांचवय पान	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (12)
ओमस छि चोर पादुय	ओमुय स्वर दिथ समादुय
शिवुय ब्यन्द शक्त नादुय	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (13)
ओमुय काकाजियन <sup>2</sup> सौर	सु पानय आत्मन वौर
सँहजु पान तँम्य सरय कोर	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (14)
महाप्वरशव ओमुय मोन	ललेश्वरिये ओमुय जोन
कृष्ण छुय आत्मा चोन	ओमुय स्वर छुखनु जीवय (15)

1. भ्रम; 2. स्वामी काका जी ।

**183 ख्वद नेसती**

फवक्डूना गव जलु मंजु खस्य ।  
वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।  
फवक्डून्य जल म्यूल चोल जरुजरस्य      ब्योन ब्योन रोज्या शमा तु नूर ।  
मीलिथ गव सिस्विस सुत्य जरस्य      वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।  
पथ ब्रौठ छख<sup>1</sup> लाब दातु छु हरस्य      अस्य<sup>2</sup> ह्युव आस म बन तूर<sup>3</sup> ।  
व्यचारु दारु लद यूगुक गरस्य      वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।  
चमत्कार तुलनाव ही अमस्य      चु बन शमा तु बो पाँपूर ।  
देह दोर थवतम तु रूपा स्वस्य      वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।  
मूहनि साँलाबु यमि बवुसस्य      प्वखतय कारुन्य वँस्य पेयि सूर<sup>4</sup> ।  
सँगीन कर म्योन कागज गरस्य      वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।  
न्यँबुर्य वजान छेच अँदस्य      बन्योमुत जन छुस सौँतूर ।  
वायिवुनि वायतम पननि स्वस्य      वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।  
कृष्णस वायिनाव गंगाधस्य      सूहम हम ह्यथ व्यचारु खूर ।  
देह डूंगस किथु तरि बवुसस्य      वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।

1. त्राव या बाँगरव ; 2. अरहट ; 3. छनु संज तूर (तीसा); 4. ह्स ।

**184 श्री दर्शनच अस्तुती**

राम जुव श्याम रूप हवे ।  
परमय गत प्रावुनावे । ।  
यूग शोग ह्यथ च्यत् हारे अचि मंज शौच हुंजि वारे<sup>1</sup> ।  
ब्रह्मानन्द पोश छवे परमय गत प्रावुनावे । ।  
करि सत्संग बोलबाशे चटि मूहने वालवाशे ।  
हम्सु पखुवुय वुफुनावे परमय गत प्रावुनावे । ।  
बखुच<sup>2</sup> ओला यीरनावे शखुच सुत्य बसुनावे ।  
अमर्तकिय<sup>3</sup> फल ख्यावे परमय गत प्रावुनावे । ।  
पोशनूल ज़न गँजरावे कृष्ण गीता ग्यवुनावे ।  
नामु सुमरनि स्वस्त थावे परमय गत प्रावुनावे । ।  
नेशकाम ज़ल दामु चावे आत्म तीर्थय मन नावे ।  
परमानन्दु मस चावे परमय गत प्रावुनावे । ।  
दयि नाव कति मंदुछवे दैवागत<sup>4</sup> नॅन्य हवे ।  
कृष्णस वयक्वन्ठ दावे परमय गत प्रावुनावे । ।

1. शौंती हुंद बाग; 2. बक्ती हुंद; 3. अमर गछ्नुक्य; 4. दयुगत ।

185 अस्तुती

अज्ञ तान्य दौप मे लालु यिख हल ।

गोम यँच काल शोम्भू । ।

छरान गँयि कोह तय बाल	हवतम तु याद पावतम ।
हटि गँड्थिय छम म्वख्तु माल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
ब्रोंठ कनि कति छ्यपु दियि हे	अथि यियिहे म्वख्तु हार ।
मूह गटि ग्यानु दीप ज़ाल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
छम वुज़ान तावनुच वावुमाल	पँत्य <sup>1</sup> गँयम यावुनुच दिप्त <sup>2</sup> ।
कर क्रपा व्वन्य छेत्य गँयम वाल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
ल्वकचारु प्यठ कोरुथ म्योन चारु	बुजस्स मंज़ प्रारु कूत ।
वारु नारु ज़ाल समसारु ज़ाल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
युथनु सॉन्य सादन नेरि जआल <sup>3</sup>	कथु कँर्य कँर्य गँयि वॉस ।
वारु पॉठ्य अग्यान म्योन गाल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
परुमुगत चॉन्य अख कथ म्यॉन्य	तथ दपान मूखी सॉन्य ।
न छ आकाश न छ पाताल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
कर्म ह्नीनिस फिरतु कपाल	दर्मु दानु रँस्तिस मे वर ।
कर्म लीखायि म्यानि अथु डल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
क्याह कर्यम यूत ज़्यूठ अयाल	क्याह करनम बाँय बंद ।
क्याह कर्यम देहचिय याल चाल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
क्याह कर्यम बोड क्वल तु यकबाल	क्याह कर्यम खानुवादगी ।
क्याह कर्यम बोड नाव बोड माल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
परुमु म्यँत्रा मेलि कांह खाल	युस दियम चॉन्य सुमरत ।
सुय चट्यम ज़्यूठ मूह जंजाल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
म्यानि संकल्प सुत्य आलम	म्यानि वुछुन सिरियि चँद्रम ।
राज़स गव यी वँनिथ शाल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
सुय मूर्खुत गाटुजार गव	यथ गाटुस गाटु प्यव ।
ज्यादु परनस दपान चाटुहल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
तीजु स्वस्त अकारु बीज़ हव	मद्य बागस <sup>4</sup> ठँहरव ।
प्रानु अपानुचिय खारु वाल <sup>5</sup>	गोम यँच काल शोम्भू । ।
आत्मु न्यरुनयिचिय संगरुमाल	वारु फवलुनाव नोन हव ।
वुछ सुहम हस्वख बाल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
छ बजर प्रावनुक मे मजाल	छ्य यछ सॉरुय चॉन्य ।
छ प्रिछ्थि <sup>6</sup> करान बानन क़ाल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
सीनु मुचुस्थि मे वोनमय हल	यीनु तीनु <sup>7</sup> दर्शुन मे हव ।
कीनु त्राव ही दयाल	गोम यँच काल शोम्भू । ।
चे तु मे मंज़ ओस पूर्यर	पूरुनस छ दूर्यर ।
ठु म्योन बोज़ मे चलो नाल	गोम यँच काल शोम्भू । ।



सँखियव दिच मंज जलस छल तति छुख कॉलीनाग ।  
वुछ्त कृष्णस वलि मा नाल गोम यँच काल शोम्भू । ।

1. छ्यत गोम; 2. चोंग (दीप); 3. अपुज; 4. प्रानन द्धन बुम्बन मंजबाग बंद करुन - कुम्बक; 5. प्रानायाम कस्तु विजि प्रान ह्योर खारुन - पूरक, बुम्बन मंजबाग बंद करुन - कुम्बक, वापस वालुन याने प्रान वायू त्रावुन - शीचक;  
6. पृछुन; 7. यिथु तिथु ।

**186 आत्म ग्यान वव्यदीश**

अमर पानो ब्रम समसार छुय आदि दीव बननुक चे आदिकार छुय ।  
हरव रोस्तुय बवु सरु तार छुय सत् व्यचार सत् व्यचार । ।  
आदि अंत शब्दन मंज्र ओमकार छुय जपनुय मंज्र अजपा जप सार छुय ।  
द्यानु मंज्र आत्मुक द्यान शूबिदार छुय दास्नायि दार दास्नायि दार । ।  
ब्रोंठ यिथ प्रारब्दुक व्यवहार छुय पथ ब्रोंठ नेस्नस तु फेस्नस वार छुय ।  
बाँय बंद बब माँज कुस चे दरकार छुय च्यत् कर यार च्यत् कर यार । ।  
परादीन मूर्ख बोज ल्वकचार छुय यावनस मंज्र कामुक अंदकार छुय ।  
बुजस्स न ह्यकुन संकल्पु बार छुय कर प्वरशु कार कर प्वरशु कार । ।  
ग्वडु श्रवनुय बोजुन दरकार छुय तमि पतु अदु मनुनुक<sup>1</sup> आदिकार छुय ।  
निद्दयासन जेन तोर तयार छुय साख्यातकार साख्यातकार । ।  
मूह सेंदि सुमु कनि इंद्रेय द्द्वर छिथि यिम पार गँयि तिम देह अवतार छिथि ।  
देह शोमराव देह खँदमतगार छिथि कर दशुहार कर दशुहार । ।  
पानस नॉल्य छुनुक यख्तियार छुय अथि आमुत बखुच हुंद म्वखतुहार छुय ।  
कुस मनाह छुय करान कसुंद आंकार छुय छुख चु म्वखतार छुख चु म्वखतार । ।  
हार बर लारियनु सुतिय चे खार छ्य आँस वाहरँविथ नफसुन्य खार छ्य ।  
प्रारब्दु फल बूगिथ पतु लार छ्य ग्ट अनवार ग्ट अनवार । ।  
केंमिस कारोबार छुय कुस बेकार छुय नाहकय देह द्रेशटी हुंद अंदकार छुय ।  
मन जेन वीदचि जेवि इकरार छुय साहबेकार साहबेकार । ।  
तीवर वैरागुक खासु सञ्जार छुय शिव शिव बोलान पाँ आबशार छुय ।  
बेहखय रागु रोस्त वुछनस वार छुय शांत शालमार शांत शालमार । ।  
शक्ति पातकि शाहरुक सूबुदार छुय दरुमार्थ काम मूख्य द्युन यख्तियार छुय ।  
यिथुय सरकार छुय यिथुय सरकार छुय कर चु दरुबार कर चु दरुबार । ।  
कृष्ण नाव प्योमुत दुनियादार छुय लूकन ह्युव चैति व्यवहार छुय ।  
दिवुवन पानय त्रुबवनसार छुय सर्व आदिकार सर्व आदिकार । ।

1. मंगुनुक ।

187 होशि लीला

कृष्ण चॉनिस होशस लगय ।  
यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।  
चानि ह्यसु सुत्य वुछ च्चे मंज जगे<sup>1</sup> बव सरु सूखिम स्थूलच थल ।  
समु द्रेशटि सगय सुत्यन सगे यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।  
सुह छुस दमन मंज कँड्य जालस कठिनिस बालस खसन छुस ।  
च्यत् त्वर्ग<sup>2</sup> स्तनावतन यूग वगे यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।  
यिछि अबलक<sup>3</sup> सुत्य न्यवरँच नवारु गँड्धि चु तस वारु कस्नाव सॉर ।  
समु द्रेश्ट सडके ब्रह्म निश्ट बगे यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।  
च्यत् आनंदकि रसु सुत्य प्रानन पनुन्यन थानन मस चावनाव ।  
राजु यूग सबायि मंज तगि तगे यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।  
सँहजु व्यचारु रोस्त कँह नु स्वरुन अंतह कस्न ह्यथ तनमयता ।  
प्रकाश पिछे व्यमर्श अगे यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।  
प्रवरँच मंज यँच छिवेमचु<sup>4</sup> वँच न्यवरँच कुन यिन तु मुजर<sup>5</sup> दिन ।  
कुकिलि फोज ज़न चानि अकि छो यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।  
सारेय वतु चानि अमर्यत छि छकान थफ करतु अँन्य पॉठ्य पकान छुय ।  
कमितान्य मारुग मावसि मगे<sup>6</sup> यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।  
ग्यानु सँजीवनी अनतस अग्यानु रूगस बनतस वैद्य ।  
शेहजार फिरतस दाँदिस तु दगे यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।  
सेरय करुहँन<sup>7</sup> पनुने डेरय सॉरय बापथ कोत फेरे ।  
अदु क्याजि व्वपर गरन लगे यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।  
मूहनिस मॉडिस मख<sup>8</sup> ह्यथ यितस दितस पान परमानुनुक<sup>9</sup> पर ।  
देह अबिमानस दूप ज़न दगे यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।  
न्यरामयुक मय चावनावतन पय दिथ न्यावतन<sup>10</sup> लयस्थान ।  
पय ज़न फिरनावतन रगि रगे यि च्चे तोगुय ति तगे कस ।।

1. जगतस; 2,3. गुर ; 4. आँदी गोमुत; 5. नमुन (झुकना); 6. मावस तिथि तु मघा नख्यँत्र - द्वावय छि निशीद माननु यिवान; 7. अगर त्रस करुहँन; 8. मकज; 9. आजमावुन; 10. निवनावतन ।

**188 ब्रह्म आकार त्रैती (वृत्ति) हुंद झ्झहर**

लगयो पस्म गँचुय ।

ब्रह्माकार व्रँचुय ।।

सत् ग्वन प्रक्रँचुय बीद रस्ति वीद श्रोचुय ।  
यूग ग्यानु सँचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।  
तुर्या जागरतय त्रन मोचराव न्यथुय ।  
हुशियार न्यँद्रिहँचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।  
अँशस्थि शिनि मकान वेगु मेगु खोत पकान ।  
कँड्वि आलुचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।  
शब्द प्रकाश लूबुय गगरायि खोत गोबुय ।  
वुजमलि खोत लोचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।  
अँगु गगनु पवनु बुतरँच सलिलय<sup>1</sup> ज़न स्व लल वॉच ।  
खसुहँन छ मॉजुमुचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।  
नेशकल पवनु फुस्कल<sup>2</sup> ज़ल ज़न बनि शीतल ।  
बवु संतापु तँचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।  
ऑसिथुय चानि मँसती वँसिथुय छु नशु खँसिथुय ।  
मस मच्चि नँच बो नचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।  
रुद्र तुल्य<sup>3</sup> ऑस कथुय दम दिथ म्वखत ह्यथुय ।  
शिवु अरुनवु<sup>4</sup> खँचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।  
बोज़ तियि<sup>5</sup> तारु कँचुय वरु चानि सूखिम खँचुय ।  
ज्ञान छस वालु कँचुय<sup>6</sup> ब्रह्माकार व्रँचुय ।।  
सँहज़ पानुच थव चु पछ मूर्खन किच यि छ्य प्रछ<sup>7</sup> ।  
तस परुन्य यस यि वैचिय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।  
कृष्णस हाव त्युथ रास यथ अख गँजरि ह्य सास ।  
नँच्य नँच्य प्रावि प्रँचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।

1. पोन्य; 2. दमन बसत (शेरीर); 3. ह्युव, बराबर; 4. समंदर; 5. बोज़ रूपी स्त्री; 6. वरॉय (बिना); 7. पहेली ।

189 बालकृष्ण महाराजिन्य अस्तुती

बालकृष्णस छस बो प्रारान ।

छल मारान यियिना ।।

बंसरी छस बो कन दारान शब्द बूजिथ मतना ।  
जसुदा छस पतु लारान छल मारान यियिना ।।  
द्रौपदी छस पान मारान हान दुर्योधन लद्यम ।  
मान छम छस दान दारान छल मारान यियिना ।।  
छस बो राधा दम गुजारान नंदलाल कुनि मेलिना ।  
अशि कनि छस म्वखतु हारान छल मारान यियिना ।।  
गरि छिम शुर्य बाँच मारान क्याह सना रास खेलुना ।  
मेलुना तस छुम सु प्रारान छल मारान यियिना ।।  
क्वबजा छस तालु मारान नालमति स्टहँन मोहन ।  
मालु करु छस पोश चारान छल मारान यियिना ।।  
छस बो लक्ष्मी ग्वन व्यचारान छुनु तस ह्युव ब्याख कांह ।  
सुय छु स्वख दिथ द्वख न्यवारान छल मारान यियिना ।।  
सरस्वती छस पान शेरान क्याह सना मे वरिना ।  
तस खोह्वुर्य बो आसन दारान छल मारान यियिना ।।  
रुक्मण छस कृष्ण गारान वरुने शिशुपाल आम ।  
सुत्य नियि मे यियि लारान छल मारान यियिना ।।  
दीवकी छस कृष्ण छारान काँदु मंजु म्वकलावि मे ।  
कासि गम छस दम गुजारान छल मारान यियिना ।।  
शिवरा छस पोन्थ सारान गरु नावय करुना ।  
बावु बूग ख्यावन बो नारान<sup>1</sup> छल मारान यियिना ।।  
नागेन्थ छस खून हारान रून काँलीनाग छुम ।  
गोस बल ओस जाहर हारान छल मारान यियिना ।।  
च्वंजु दायि ह्यथ ग्रायि मारान वुछ सुशीला बाग्यवान ।  
अनु कनि आँस पोन्थ कारान छल मारान यियिना ।।  
सुय छु बक्ती रथि खारान तँमिसुंजे पूजायि किच ।  
छस बो त्वलसी अर्ग चारान छल मारान यियिना ।।  
किसि प्यठ कोहस छु खारान मोज वुछ लूकव वोनुख ।  
आसिहे प्रलयुक यि बारान छल मारान यियिना ।।  
पोन्थ पानस छु अथु दारान मंगुवन कुस दात कुस ।  
ओरु योरु पानय छु नारान<sup>1</sup> छल मारान यियिना ।।  
बावनायि द्वद छस बो कारान श्यामु लाल यियि चैयिना ।  
प्रेयमु साफु<sup>2</sup> सुत्य छस बो फ्यारान छल मारान यियिना ।।  
दयि नाव योत पथ छु सारान क्याह बकार यूत व्यवहार ।  
समसारु मंजु क्याह छु लारान छल मारान यियिना ।।

**Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

कृष्ण कृष्णस बक्त यारान बवुसुर दियि तार तस ।  
तारि गौमृत्य सुय छु तारान छल मारान यियिना ।।

1. नारायण; 2. मलमल कपुर ।

190 रस लीला

सँमिबी कँखि अथुवास ।

पँकिवी रस गिंदने ।।

शे र्यथ सॉपुन्य कुनिय रात गोपीनाथ नचनि लोग ।  
वँहर दोह गव पँहर मास पँकिवी रस गिंदने ।।  
यथ बालु पानस दिमव छुह युथुय दोह छु गँनीमत ।  
सासस खगस कख सास पँकिवी रस गिंदने ।।  
शुर्यन बॉचन लबि कनि सॉविथ वछ तलु त्रॉविथ नेख ना ।  
सुत्य सुत्य ह्यथ बेनि बब मॉज मास पँकिवी रस गिंदने ।।  
वँनिवी कस छु कृष्णुन लोल जुवुक जुव तय कँम्य क्याह चोल ।  
निवुवुन मन दिवुवुन व्यकास पँकिवी रस गिंदने ।।  
त्वहि कति सोन ह्युव बन्योव हल अदु कति जॉन्यून तोह्य नंदलाल ।  
नेखना पुस्थि व्वलास पँकिवी रस गिंदने ।।  
कथु सानि महामंत्र ज्ञान वुछुन सोन मान व्वतम दान ।  
ख्योन चोन सोन गव बोड व्वपवास पँकिवी रस गिंदने ।।  
बर दारि वछ त्रॉविथ नेख वथ लँब तु मसतानुवत फेख ।  
दयु लोल रोस्त क्याह लयि अँतलास पँकिवी रस गिंदने ।।  
कथ गँयि न्यंगलिथ अथु रुज्जिथ कन छिनु ह्यकान कँह बूज्जिथ ।  
संकल्पन हुंद कोर सँन्यास पँकिवी रस गिंदने ।।  
यिथ्य हर्षानन ख्यय कोर शूकन किथु बनि मंज लूका लूकन ।  
यिछि वति अछु रछु वयक्वँठ वास पँकिवी रस गिंदने ।।  
ह्यस ह्यथ गव मुस्ली वायन दीवचन तु गंदर्व कन्यायन ।  
यिमु गरि रोजु तिमु गँयि व्वदास पँकिवी रस गिंदने ।।  
अँस्य कभि बापथ कख त्याग असि गछि आसुन कृष्णु राग ।  
सुय गव तप जप यूग अब्यास पँकिवी रस गिंदने ।।  
ऊर्वशी वश कँर नचॉनन गश गोस पुशु प्योस वचॉनन ।  
वुछ्य वुछ्य विगिनि गँयि वनवास पँकिवी रस गिंदने ।।  
रागन स्वरन सांगन ज्जीन्य नाग आयि बेहोश बोज्जनि बीन ।  
गम बम छु कासान बम ज्जीरु तास पँकिवी रस गिंदने ।।  
तँपीश्वर आयि सुत्य ह्यथ बाल मंज अकृहस्स मारान ताल ।  
हीमाल समीर ह्यथ कैलास पँकिवी रस गिंदने ।।  
सनकादिक सतु रेश्य लूकपाल बेयि यिम छि व्वलँगिथ माया ज्जाल ।  
गुल्य गँड्य गँड्य छिस पृछन इतिहस पँकिवी रस गिंदने ।।  
काया दॉस्थि मायातीत यूगुक सॉमी बूगक्य हीथ ।  
बूगिथ छु न्यस्मल न्यस्-आबास पँकिवी रस गिंदने ।।  
तन स्वख मन स्वख ह्यथ मंजबाग सँखियन सुत्य छुय ग्यवान राग ।  
रॉसी सुत्य ह्यथ दॉसी दास पँकिवी रस गिंदने ।।

अपौर्य नादा यपौर्य वादा	च्चपौर्य राधा-कृष्ण छुय ।
प्रथ कौंसि सुत्यन कैरिथ अथुवास	पँकिवी रास गिंदने ।।
जसुदा माता गुरुस छ मंदन	नंदगूप नंदन गिंदन छुस ।
द्वदस तु थनि छुस करान ग्रास	पँकिवी रास गिंदने ।।
अथु छस कृयि मंजु न्यबर कडन	चखि मंजु प्रेयम बडन छुस ।
ख्वश यिवुवुन छुस करान त्रास	पँकिवी रास गिंदने ।।
कन्यन थँन्य गँयि पलन पोन्थ	नचन मंजु नारुद गोसोन्य ।
शीन ज़न मूह गोल च़ोल तलवास	पँकिवी रास गिंदने ।।
मँशिथ गव गुपनन गासु ख्योन	वछ्यन तु शुर्यन मोठ दाम द्युन ।
सीमाबस सपुन अलमास	पँकिवी रास गिंदने ।।
रातस द्यन गव दोहस रात	श्यामस वुछने आव प्रभात ।
पानय साँपुन कालस ग्रास	पँकिवी रास गिंदने ।।
युस असि कोचन मंजु प्रारान	तस पतु कारन छि लारान ।
ब्रह्मा इन्द्र रुद्र व्यास	पँकिवी रास गिंदने ।।
असि मँज़िम्यन <sup>1</sup> हुंद छुस बोड पास	करुनाव व्वन्य अँस्य शुराहसास <sup>2</sup> ।
कृष्णस श्री कृष्णस अथुवास	पँकिवी रास गिंदने ।।

1. मंजुबागन, न ओर न योर ; 2 16000 गुपितयन यिथुपाँठ्य श्री कृष्ण अथुवास कैरिथ ओस तिथय पाँठ्य रँटिन असि ति याने असि दियिन मुक्ती ।



191 कर्म यूग

यूग बलु सहस्र दलु डलु द्युत मे दम हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।
नेश्कल शेशकलि वुज मे ज़मज़म हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ॥
बालु पानु आम चोन प्रेयम हरे	पॉन्य पानु श्रेह रेह वोथ मे जमजम हरे ।
तिछ गॅयम प्रय चॉन्य पथ हेयम यम हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ॥
तेलि सुय सौरूपस यस चलि ब्रम हरे	नतु छ त्रेलि कर्मु तीज़ शील <sup>1</sup> शम हरे ।
मेलि मस चोन कस गेलि आलम हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ॥
दोरुम द्यान ह्यसु खोरुम दम हरे	तोरुम पान व्वश्चोरुम <sup>2</sup> ॐ हरे ।
चोरुम तु तोरुम म्वखतस त्रम <sup>3</sup> हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ॥
आश्चर्य थानस छि आश्चर थम हरे	आश्चर यि बसुवुन छुस न्यरालम हरे ।
आश्चर यि ज्ञानान छुस व्वतम हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ॥
फवक् रोस्त शंख छुय करन ॐ ॐ हरे	ठनि रस्ति गंठयि स्वर छि कम कम हरे ।
ज़ीर रोस्त <sup>4</sup> बूज़ अज़पा <sup>5</sup> ज़ीर बम <sup>6</sup> हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ॥
सांख्य यूग सोंथ आम ह्यथ समागम हरे	हर्शु रस्ति बामुन द्राम चोल मे गम हरे ।
होशि पोशि थरि प्योम शांत शबनम हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ॥
सकामु कर्मु बारुक तुल मे कुम <sup>7</sup> हरे	नेश्कामु कोचु त्रावनावतम कदम हरे ।
न्यर्वासनु आसनु त्रावतम <sup>8</sup> हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ॥
सु स्वयम वासुदेव छु सर्वु स्थितम <sup>9</sup> हरे	श्वदु च्यतु बूदमय शब्द ब्रह्म हरे ।
आत्मु त्वतु राग <sup>10</sup> त्याग अनातम <sup>11</sup> हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ॥
सूर्या छि तत् <sup>12</sup> पद त्रावान त्वम <sup>13</sup> हरे	विज़िया स्वय प्रेया चॉनी छम हरे ।
कर दया वुछ म कृष्णस क्रेया कर्म हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ॥

1. कॅन्य; 2. उश्चासुन करुन; 3. ज़ोद करुन; 4. हरकॅच वरॉय; 5. मानसिक ज़प - ज़ेवि तु हटिचि हरकॅच वरॉय ज़प करुन; 6. ज़ीर तु बम = ताल तु स्वर ; 7. बोर, वजुन; 8. थकावट ; 9. सर्वस्थितम; 10. आत्म तत्व सान राग; 11. अनात्म बावुक त्याग; 12, 13. तत्त्वम - असि ।

192 शिव पूजा

नेशकाम न्यर्मल नेशकल शोम्भू ।  
 वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।

गोड बो दिमयो अशिके जल शोम्भू      अशिके जल न्यंत्र कमल शोम्भू ।  
 न्यंत्र कमल पंकज डल शोम्भू      पंकज डल मंज जल थल शोम्भू ।।  
 मंज जल थल दानु याखल शोम्भू      वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।।  
 पान वंदयो श्वद कायायि शोम्भू      श्वद कायायि न्यर्मायायि शोम्भू ।  
 न्यर्मायायि शांत प्रेतिमायि शोम्भू      शांत प्रेतिमायि अथ तीजु छायि शोम्भू ।।  
 तीजु छायि खसु छ यूग वुजमल शोम्भू      वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।।  
 न्यंत्रन मंज करयो जाय शोम्भू      करयो जाय छम चॉन्य माय शोम्भू ।  
 छम चॉन्य माय सतुचिय राय शोम्भू      सतुचिय राय कर मे व्वापाय शोम्भू ।।  
 कर मे व्वापाय युथनु जांह डल शोम्भू      वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।।  
 अंदरय पोश फोल्थ मनु बागु शोम्भू      फोल्थ मनु बागु पूजि च़ेय लागु शोम्भू ।  
 पूजि च़ेय लागु सर्वु त्यागु शोम्भू      सुत्य सर्वु त्यागु तिबरु वैरागु शोम्भू ।।  
 तीबरु वैरागु वंदयो कलु शोम्भू      वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।।  
 चानि आशायि च़ेय कुन आस शोम्भू      च़ेयकुन आस पेयिनय पास शोम्भू ।  
 पेयिनय पास छुस बु चोन दास शोम्भू      छुस बु चोन दास संकट मे कास शोम्भू ।।  
 संकट मे कास सर्वु मंगलु शोम्भू      वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।।  
 तोर मुच़राव श्रदायि बरु शोम्भू      श्रदायि बरु वेग्यानु गरु शोम्भू ।  
 वेग्यानु गरु यूग मंदरु शोम्भू      यूग मंदरु शखुच़ हंडि वरु शोम्भू ।।  
 शखुच़ हंडि वरु खखुच़<sup>1</sup> हंडि छलु शोम्भू      वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।।  
 हॉविथ पाद गाल व्वापाद शोम्भू      गाल व्वापाद ज़ाल अपराद शोम्भू ।  
 ज़ाल अपराद कर मे प्रसाद शोम्भू      कर मे प्रसाद लायय नाद शोम्भू ।।  
 लायय नाद व्वलु केवलु शोम्भू      वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।।  
 ब्रह्म ज़नमुक छुम नवसाल<sup>2</sup> शोम्भू      साल छुम तु शक्तिपातु बर मे थाल शोम्भू ।  
 बर मे थाल वुछ श्वब फलु फाल शोम्भू      फाल वुछ हल दिम म्वक्तु हल शोम्भू ।।  
 दिम म्वक्तु हल<sup>3</sup> अनुग्रेह खल<sup>4</sup> शोम्भू      वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।।  
 त्युथ करुनाव यथनु आसि करुनुय केंह      त्युथ परुनाव यथनु आसि परुनुय केंह ।  
 त्युथ दरुनाव यथनु आसि दरुनुय केंह      त्युथ स्वरुनाव यथनु आसि स्वरुनुय केंह ।।  
 मंज रागु नगरु त्यागु जंगलु शोम्भू      वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।।  
 कृष्णस तार यमि बवु सरु शोम्भू      यमि बवु सरु कास अरुसरु शोम्भू ।  
 कास अरुसरु फिरतन सु स्वरु शोम्भू      फिरतन सु स्वरु पान करि सरु शोम्भू ।।  
 सरु करि चानि रायि त्रायि तलु शोम्भू      वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।।

1. युक्ति; 2. नोव वॅरियि; 3. मुक्ति; 4. बंडर ।

193 ओम (प्रणव) उश्चारुनक व्वपदीश

सॉरी समव तु पायस प्यमव  
 अँबीद अनाथ अँतीत बनव  
 यथ मूह गॅलिस ब्वद छु तस्न  
 नठ वँछ्मुच्च छि राजु हम्मसन परन  
 श्वद छिनु बनन अंतहकरन  
 युथ गोछ त्युथ छुनु निशानु मस्न  
 तम कोड<sup>2</sup> तु अँ रोट व्वन्य क्याजि छ्यनव  
 संतोशु व्रँच्च गछि प्रान संदारुन  
 देहुक अबिमानुय गछि मारुन  
 वैराग दारुन यमि समसारुन  
 सँहजु पान गछि पानय तारुन  
 यी वोन वीदव तु यी सत्जनव  
 समसारु समुद्रा छु सौनुय  
 राग द्वेशि क्रम<sup>4</sup> मछ<sup>5</sup> छिस ब्योन ब्योनुय  
 आशायि बोठ छुस ब्रॉत्य सोपुनुय  
 वाँतु कति लग छंति क्युत छुस रोनुय  
 युथ नाव मंज अनुभवस अनव  
 बोड लूटस यिथ देहुक ब्रम प्यव  
 यिछि दबुदबि मंज शम प्यव तु दम प्यव  
 ब्रह्मन जनमुक महातम प्यव  
 विवेक ह्यथ ड्यूठ ब्रमन तु काँप्यव  
 दयि दनु अथि आव खजानु खनव  
 शार्यर<sup>7</sup> पनुन छुय कुनिसुय जु हवन  
 छुख रातु म्वगुल मंजबाग कावन  
 पँत्युम शँतरुत नु च्यतस पावन  
 बरमंदिन्यन पानस छ्यपु दावन  
 अँ शब्द प्रकाश वुछ पूर्नव  
 अरूपस कुस सौरुप वने  
 यी आसि ती बासि तति कांह नु कुने  
 म्वच्चि नादु ब्यंदा मंज हनिहने  
 प्रथ कुनि मंज आँसिथ अंदुकने  
 सुय ज्ञानि यस बनि अँस्य क्याह वनव  
 वनुन छु स्वलब दर्लब छु पालुन  
 चालुन गव श्रेह रेह पान जालुन  
 गालुन गव मदु निशि पान वालुन  
 पावुन च्यतस रामु चँद्रुन तु शालुन

शमव तु शॉती कुनुय लमव  
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (1)  
 च्यत जानवारस पखु छ हसन  
 मन छुनु वीकन तु द्यान छुनु दरन  
 अव्यक्त वरुन गोछ छुनु वरन<sup>1</sup>  
 शसन सॉपुन्य व्वन्य सत् ग्वरन  
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (2)<sup>\*</sup>  
 शाह गछि बूजिथ वालुन तु खारुन  
 संकल्पन पतु गछिनु लारुन  
 गँम्बीर पानस छ्वचर हारुन  
 तारुन गव यी ओम व्वश्चारुन  
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (3)<sup>\*\*</sup>  
 त्रेशनायि जला छुस फेरुनुय  
 फाटुनावुन छुस मूह आवलुनुय  
 हांगनि रूप<sup>6</sup> सेकि जल बासुनुय  
 केशव रूपु छुम अँ तारुनुय  
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (4)  
 लूटनि लोग वनु क्याह क्युथ गम प्यव  
 स्यजर तु पजर क्रेया तु कर्म प्यव  
 अथ मंज यिथ दर्मुराजा अँ प्यव  
 तल गव तु तस प्यठ न्यरालम प्यव  
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (5)  
 दुगोश दुच्योत छुय द्वगुनावन  
 अनिरु पननि दोह रावरावन  
 ब्रॉठकुन ति नोवुय नोवरावन  
 सिरियस तामथ हान वातुनावन  
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (6)  
 स्वरुन त्रॉविथ अच्यत बने  
 तुर्या रूपा न्यरलीप नने  
 ब्रह्मानंद सनि व्वगने  
 तथ कलि यथ नेशकल अँ गने  
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (7)  
 पालुन गव सौरुय केंह चालुन  
 जालुन गव देह अबिमान गालुन  
 वालुन गव बयु कासुन कालुन  
 व्वपाय छंडुन यमि कलिकालुन

नतु क्याह वोथ नखु बूज्य बूज्य कथव व्यचार कख तु स्वख प्रणव (8)  
न्यथ सर्वु संकल्पु सँन्याँसी आस न्यवरँच हंजि रँच अब्याँसी आस  
व्यवह्रस्स मंज व्वदॉसी आस बँस्ती मंजबाग वनवॉसी आस  
अबिलाशव रोस्त व्वलॉसी आस ऑसिथ न ऑसिथ व्यकॉसी आस  
च्यवुवुन न्यरामय खॉसी आस आत्म निश्चय वेश्वॉसी आस  
वथ हँव गथ प्रॉव अनंदुगनव व्यचार कख तु स्वख प्रणव (9)  
कृत्य पोश फोत्य ब्रह्मांडचि थरे अँ ज़ोन यिमव तु तिम गँय वरे  
अँ शिव हरे अँ शिव हरे तँम्य पोर सौरुय युस अँ परे  
तँम्य सौर सौरुय युस अँ स्वरे तँम्य कोर सौरुय युस अँ करे  
अदु कस मास्न तु अदु कुस मरे वेग्यान रुपय अँ तस वरे  
कृष्णस अँकार मनु वाजि खनव व्यचार कख तु स्वख प्रणव (10)

1. अव्यक्त ईश्वर गोछ स्यद करुन मगर छुनु सपदान; 2. थकावट ; 3. थकव; 4. कूर्म; 5. मगस्मछ ; 6. सीप (सहेलल); 7. दोल दुकोन, शोर ; x. यि छु सवालु; xx. अम्युक जवाब ।

**194 सर्व रूप भगवान् संज्ञ अस्तुती**

सोरुय अमि यमि सानय ।  
छुख च्चु पानय शोम्भू । ।  
देह च्यतु बोज्ज मनु प्रानय अमि यमि सानय छुख ।  
सोरुय च्चुय अँस्य बहानय छुख च्चु पानय शोम्भू । ।  
हिल्लिल्ल हल छु सपदानय कतरु कतरु दँरियाव ।  
गलु अम्बार दानुदानय छुख च्चु पानय शोम्भू । ।  
प्रथ सोदा छु वानुवानय गच्छि आसुन चोन बाव ।  
अदु मेलि पूरु परमानय छुख च्चु पानय शोम्भू । ।  
पुस्थि जलु सामानय देह फ्वक्कडूना द्राव ।  
मेलि तथ मंजु अकि आनय छुख च्चु पानय शोम्भू । ।  
सीमिनि<sup>1</sup> द्वद स्वनु बानय मंजु वैकनुक हव रूप ।  
बक्त्यन छु ग्यान ठँहसनय छुख च्चु पानय शोम्भू । ।  
वँछ बलाया आसमानय छस कलाया दर्मुचिय ।  
गॉब गँयि शिनि माँदानय छुख च्चु पानय शोम्भू । ।  
नेर मंजु देह अबिमानय कर मु सामानु स्वरमु साज्ज ।  
नाज्ज कम कर राज्जदानय छुख च्चु पानय शोम्भू । ।

1. शेस्नी ।

195 यिनु गछ्नु निशि म्वकलनु बापथ व्वपदीश

सरु कोर समसार नदरुय द्राव ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 बंद कर लूबु संकल्पुक वाव पानय पकि प्रारब्दुच नाव ।  
 कर पुरुकर्मक्यन पम्बुछन क्राव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 समसास्स मंज रोज न्यर्मल वुछ्तु ख्यलुवँथस्स मा लारि जल ।  
 पॉनिस मंज ऑसिथ त्राव त्राव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 मायायि हिलि खोच पतु छस खेज<sup>1</sup> समु द्रेशट्ट छ्टुवॉर पकनाव तेज ।  
 दर्मु व्वद्युग कर्मु खोरि वाय नाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 मायायि मंज न्यर्माया रोज स्वरसान रोज वैरागु स्वर बोज ।  
 सतसंगक्यन बंगुनय कन थाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 सूह्मु ह्मु वाय मूहने शॉट्य जॉन्य नाव पकनाव सेजि वति पॉट्य ।  
 सँहस्रदलु डलु पदमु आसन प्राव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 अंदर वरु<sup>2</sup> छेर<sup>3</sup> रोज नरुकिय<sup>4</sup> पॉट्य सेह बोस्तुय पख सतजनु गॉट्य<sup>5</sup> ।  
 लाब प्राव पेचि<sup>6</sup> ह्युव छ्वचरुय म हव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 परदु तैल्य क्रय कर वुछ केव्य<sup>7</sup> जूज<sup>8</sup> अंदर प्राव गोर जन ग्यानुच गूज ।  
 न्यँबुर्य देह अंदकार कौंड फुट्शव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 अतु गतु कुकिलि पोट<sup>9</sup> येन्य<sup>10</sup> जन म यीर<sup>11</sup> जुवरुक्य<sup>12</sup> पॉट्य क्वसंगु मंजु नेर ।  
 म्वखतु छ्यु सतजन बाजरुक बाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 मनु क्यनुबोब<sup>13</sup> दयि लोलु लाब बर मेलिय सतग्वर सोदागर ।  
 बावु वावु होशु बुमिपोश<sup>14</sup> फवलनाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 समसार बोर लोचराव त्राव फ्रख गिलि<sup>15</sup> हुंघ पॉट्य डलु जलु पेट्य पख ।  
 राजु हमसु पानस अँज म गँजराव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 श्वद वासनायि शम स्तनय कम शमु दमु वुफ त्राव दि म किसि दम ।  
 थदि होशिकि गोशि पान वुफनाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 ज़बुकुकि<sup>16</sup> सुंघ पॉट्य थोद म तुल फोद<sup>17</sup> बूद<sup>18</sup> रोज सूद छुय आत्मु बूद ।  
 पोशनूल<sup>19</sup> सुंघ पॉट्य कृष्ण गीत गाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 जगतुचि तापु तचि वुडरि निशि चल सायि कर सतजनु कुलिसुय तल ।  
 जल चथ फल ख्यथ लाग डल काव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 ग्वरु शब्दु कुकिल जन बोल शोम्भू कर्मु क्वकरु सुंघ पॉट्य क्वकरुकू ।  
 अंगु दूशु संगु दूशु देह म रावराव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 वासनायि गाडि लूबु व्वट्ट मो दाव मनुचिय त्रेशना कनु किन्य त्राव ।  
 बोज ब्रग<sup>20</sup> संतोशि ताज दिथ थाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 जीवु दयायि हुंद कर व्यवहार अवेद्यायि हरुवचि<sup>21</sup> बीदु न्याय हर ।  
 अविनाँशि नीलक्राशि<sup>22</sup> बाशि करुनाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।  
 व्वदरुकि<sup>23</sup> लूबुक्य क्रम तय मछ<sup>24</sup> शोमरिथ संतोशिचि ग्वफि अछ ।  
 कामनायि सीमिन्य<sup>25</sup> बाख म दाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।

रजि छुय सरफु ब्रम नजि<sup>26</sup> छुय नाश  
 दैजिथ रज ह्युव बन तिजिथ<sup>27</sup> नैट्य बाव<sup>28</sup>  
 वीर कुवीर छुख छिनु दनु द्वार  
 वीर चानि दैर बोनि निशि वीरि माव  
 स्वप्रकाशु बोज स्वनु लौकि वथराव  
 रंगु रंगु बेरंगु वुछुतु क्युथ द्राव  
 शांत शालमौर छुय शिवु अनुग्रह  
 सँन्यासु व्रँच अँतलास पाँराव  
 राजु रेशि नगरु मंजु रोज वनवास  
 जनक राजु रजसी मंजु याद पाव  
 शक्तिपातु निशात शिवु मंडल  
 आत्मस परमु आनंद मस चाव  
 नेशकलुकुय प्वलावा खे  
 मूह वति थकनुक रोजिय नु ताव  
 च्यत् तँकिया दिथ सत् फरशस  
 यूगु बालादरि प्यठ लरि साव  
 विवेक वयसरु<sup>30</sup> मंजु कर श्रान  
 तुर्या बागु यूगु न्यँद्राह त्राव  
 हमसु नावु सरु कर शाह तूल्य तूल्य  
 पवनस गगनस सुत्य मिलनाव  
 अन्न जल बूगनि गृटु जनु फेर  
 ग्रखु दिथि लछु त्रखु चॉन्य अखु पाव  
 स्यजुरकि सौथ्य पखु सतसुय सुत्य  
 त्यागु खोरन लागु वॉरागु खाव  
 बवसरु सॉरुक कड अस्मान  
 कर्मु स्यँजु बोजु नावु स्यँजु पकुनाव  
 यकजा मिलिविथ पांचवय त्वत्  
 राजु नेर सॉरुस छुय कुस वाव  
 परजुनॉविथ अमरु पान आस  
 सुत्य बाज्यन हुंजु थँविज्यनु ग्राव  
 राजु यूगु अब्यासु मनु डूंगु रु  
 फटुनुकि खोफु गाल वासनाथि वाव  
 दोरु फिरु<sup>34</sup> म्वकलखु वुछु वावुमाल  
 पूर पखु दूर छुय नखु पुर्य त्राव  
 मन जेन स्वखु प्राव स्यद गछियु यूगु  
 न्यर्मल आस कास देह ब्रम बाव  
 सादु प्रकरँचु शाहजादा गरि नेर  
 सुत्य आखु ह्यथ<sup>36</sup> तु ख्यथ आनंद प्राव  
 पजि पजि वुछुतु छुख च्यत् आकाश ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 समयिकि स्वखु द्वखु व्यरुथ म हार ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 व्यचारु न्यँत्रव नजरह त्राव ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 अँदरिमि त्यागु न्यँबरिमि रागु बेह ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 नेशकाम रोजु त्रियि आँसिथ दास ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 प्राव छव बखुचु य्वखुचु शखुचु हुंद डल ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 न्यरमायायि हुंजु चाया चे ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 बोजु बाँया<sup>29</sup> आत्मा रूपी प्वर्शस ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 अद्वैतु पानि नाव मन तय प्राण ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 मंडक शब्दु<sup>31</sup> मिनि मंडक बूल्य ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 कर्मु फलु छलु तलु ओटु ह्युव नेर ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 अजु तान्य वतुगथ आय गँयि कृत्य ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 मूह गुति कँदलस नीरिथ जान ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 देह अगनबोटु<sup>33</sup> सुत्य आखु ह्यथ ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 ख्यथ च्यथ ह्यथ दिथ बाग्यवान आस ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 हठ कर मु इन्द्रेय वगुव्यन म चठ ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 बालु पान आलविथ बालु रु बालु ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 इन्द्रेय खुलु त्राव बूगुन्य बूगु ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।  
 रादु रादु<sup>35</sup> सॉरु कँरिथ पोत फेर ।  
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव । ।

पछि वछि <sup>37</sup> सुत्य प्राव ग्यानु गूर्य बाव	च्यत् चडि मंजु आत्म द्वद परजुनाव ।
न्यस्नयि खोर <sup>38</sup> ख्याव चाव वीदु गाव	डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
कर्म कृयि द्यानि दानि दर्मु द्वद मंद	अवशद नेरि तथ जसुदानंद ।
तस छु बूग बूगिथ ब्रह्मचर्यो नाव	डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
<u>यिछि प्रकरं<sup>39</sup> मुख्य दायक नाम<sup>40</sup></u>	<u>व्यवहारस मंजु रूद नेशकाम ।</u>
<u>लेम्बि मंजु युथ पम्पोशा द्राव</u>	डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
मूह सेंदि तारिय कस्नावतार	कृष्ण बोठ खारिय गंगदार ।
बवु सर आवलुनि केशव नाव	डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।

1. तँछिन्य, कशुन; 2. पेचदार ; 3. बगौर ; 4. नरकॉन्य गासु; 5. गाढ 6. पेचि गासु; 7. क्योव - अख फल; 8. परदु; 9. अख गासु; 10. ताना बाना; 11. बनाव; 12. जुवर - अख फल; 13. अख म्यवु; 14. अख पोश; 15,16,19-22. जानावारन हुंघ नाव; 17. वुफ; 18. खबरदार ; 23. यँड हुंजि; 24. मगरमछ ; 25. मादु सुह ; 26. नही; 27. त्याँगिथ; 28. शेशेर ; 29. ब्वदि रूपी बॉर्या; 30. पान्युक चेशमु; 31. माडुक्य उपनिषद; 32. मिनि म्वंडुच्यन हुंजु क्रख; 33. अगन बोट (मोटर बोट); 34. यिनु गछनु; 35. अकि पतु अकि खाहुक सॉर कँस्थि वापस यि; 36. प्रारब्द फल; 37. पछि रूपी वोछ ; 38. डलस मंजु पॉदु गछवुन अख गासु; 39. यिछ प्रकरत (यथ मंजु खसु वँन्यमुच छ) थावन वोल; 40. रजदान सॉबुन्य गुरु देव (श्री मुकुंद जुव तिकू) - रजदान सॉब ऑस्य तिमन तमी नावु याद करन; —————. यिछ प्रकरथ थवन वॉल्य - श्री मुकुंद जुव, मुख्य दायक - यिम समसास मंजु रूजिथ ति ऑस्य नेशकाम बाव थवान, व्यवहारक ओस नु तिमन प्यठ कांह ति असर यिथु पम्पोश रबि तु पानि मंजु नीस्थि ति छु द्वावुय निशि ब्योन तु बे असर रोजान ।



196 सोद्य वॉनिस ह्युव दर्शुन दिनु बापथ

बूलु बालु बालुकन सुत्य खेलनावतम बालक अवस्था प्रावनावतम ।  
जान करुनॉविथ पान परजुनावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हवतम रूप ।।  
कठिनय बवु सरु छंठ वायनावतम मूह पोन्थ वोतुम हँटिसुय ताम ।  
लँटिसुय ब्रेशबस थफ करुनावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हवतम रूप ।।  
थजुरय प्यठ अख नजरह त्रावतम शिशरुम नाग<sup>1</sup> मे थावतम नेब ।  
वनि यितु अनिरुकि सनिरय म रावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हवतम रूप ।।  
ब्रह्मन जनुम दिथ मतु मंदछवतम नबु प्यठ ब्वन मतु दावतम दब ।  
अमरनाथ अमर बनुनावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हवतम रूप ।।  
दासन हुंद दासा गँजरावतम मतु मँशरावतम पनुनिय जान ।  
येति छुख पानय तोत वातुनावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हवतम रूप ।।  
अजपा जपु येग्यनि ज्यूत्य प्रजुलावतम ट्वदु शीश ज़न मोचरावतम मे ।  
ही महेशि दीशु दीशु मतु दशुरावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हवतम रूप ।।  
सत् च्यत् आनंद अमर्यत चावनावतम न्यथ बासनावतम सूहम सू ।  
ॐ शिव शोम्भू शब्द शोमरावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हवतम रूप ।।  
मनु नागस प्रेयमु पोन्थ वुजुनावतम सुलि वुजुनावतम हवतम रूप ।  
मंज प्रबातस सातस मतु सावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हवतम रूप ।।  
मूह मायायि सुत्य मतु तम्बुलावतम सतुचिय कथ पावनावतम याद ।  
च्यतुकुय चेनुन न्यथ चेनुनावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हवतम रूप ।।  
सतुचिय न्यरुनयि पय पकूनावतम दयि पनुने नयि हवतम वथ ।  
नाव छुम कृष्ण शिव बाव बँडरावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हवतम रूप ।।

1. शीश नाग - अमरनाथ तीर्थस गछुवुन अख पडव ।

197 महत्मा अभिनव गुप्त आचार्य संज्ञ हिशि म्वक्ती मंगान

सॉरी ह्यथ निम सर्वु व्वपकॉरी ।

अभिनव गुप्त आचॉरी<sup>1</sup> ज़न ।।

बाह शथ च़ाठ ह्यथ सु बालु ब्रह्मचॉरी	सॉरी ह्यथ गव शिव लूकस ।
येति देह ह्यथ गव कुस देहदॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
बक्त चॉन्य कति महाकालन मॉरी	लगयो पॉरी शिव रूपस ।
पालना कखुनि कालु समहॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
हस्वख <sup>2</sup> द्रेशटि असि सर्वु पाप हॉरी	यान्य आयि नुनरुकि <sup>3</sup> नॉरी किन्य ।
सेंदि श्रानु शिव द्यानु पापु न्यवॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
रामु रादनु <sup>4</sup> बर्थु बालु <sup>5</sup> खँत्य सॉरी	महालिशि <sup>6</sup> प्यठ बीठ्य सॉरी ह्यथ ।
बरनिबलु <sup>7</sup> मुच्रस्थि प्रेयमु बरनि तॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
नादु ब्यंदु हमसु नावु छुख च्ववापॉरी	नॉडी चँक्रु सुत्य गॉयि ब्रह्म ज़ान ।
ब्रह्मरँद्रु <sup>8</sup> सरु गोख तौर्य हमसुदॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
स्वखु म्वखु प्रेयमुक ओश गव जॉरी	न्यथुननि सनि व्वगनि असि वनि आख ।
शिवु लोलु क्वलसरु <sup>9</sup> सर्वु पाप हॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
कोफूरु रंगु छुख गंगाधॉरी	असि प्यठ गंगुजटु जॉरी त्राव ।
बक्त ननि अदु बनि सर्वु व्वपकॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
भैखुनाथु च़ेय पतु लॉर्य लॉरी	बीरुव <sup>10</sup> प्यठ निम लॉरी <sup>11</sup> किन्य ।
ग्वफि मंजु अमर्यत दिम दॉर्य दॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
गँज मे द्वर्गथ चँज मे खॉरी	लँज मे वथ थँजवॉरी <sup>12</sup> किन्य ।
ग्वफि मंजु गँजगाह कस्य जटुदॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
जयजय छुय च़े शिव ओमकॉरी	यितु दर्शुन दितु नितु कृष्णस ।
त्रॉविथ सर्वु संकल्पु बॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।

1. आचार्य; 2-8,10-12 जायन हुंघ नाव (बरनिबल = मुन्निपोर, बीरुव = बडगाम, येतिचि ग्वफि मँज्य अभिनव गुप्त 1200 च़ाठ ह्यथ शिव लूक गँयि); 19 शिवलूक ।

**198 शिवजीयस त्रे वर मंगनुच प्रार्थना**

सदा शिव साँमियो कर म्योन चारय  
दया दर्मय व्यचारय सुत्य वारय  
छ अख कथ यी बनन्य गॅछ मे पनुन्य ज्ञान  
सतय बासुन तु कासुन गोछ मे अग्यान  
मरुन वखतय स्वरुन गोछुस शिवु द्यान  
यिहॉय कथ नॅन्य छि कॅन्य छ्य संगि फारस  
स्व हॅट यथ लॅज तु तथ बोरुन पनुन ग्वन  
हवे तु कने येलि आसि युथ स्वबाव  
छु अस्त्वत मे दोहय शिवय शिवय कोर  
छु अस्त्वत मे दोहय ओस शिव सुंद लोल  
तोता चॉनिय मे यिछ पॅज या अपुज वॅन्य

यि ब्रह्मन जनुम मा मेल्यम दुबारय ।  
सहाय रोजुम बोजम कथु तारय ।  
यमी ज़नमय गोछुम नेरुन यि अस्मान ।  
मरुन गोछुसनु पोश ह्युव मूर्ख नादान ।  
स्वच्यत् पथ कुन मोचिथ त्रावुन गोछुस प्रान ।  
चंदुन छुय हॅट तु वुछ्तस शीतु जास्स ।  
स्व कॅन्य यथ लॅज तु तथ चीज़स बन्योव स्वन ।  
बो क्याह वनु आसि क्युथ अदु शिव सुंद नाव ।  
छु अस्त्वत मे न्यथुय शिवय व्रथुय दोर ।  
छु अस्त्वत मे शिवुय ज़ोन माँज तय मोल ।  
यछ्रये चानि कॅड वॉनी मे निशि नॅन्य ।।

1. शेहजास्स ।

**199 शिवनाव सुमरनि हुंज महिमा**

पथकुन अमर्यत प्योमुत छु यारे	बेखबरी मंज सौंपुन्य सबुज ।
अदु युस शिव नाव जेवि प्यठ खारे	तस कति मारे यम तय काल ।।
समया वॉतिथ पानु देह त्रावे	च्यत् सौरूप तस दान पावे याद ।
ब्रह्मांडस प्यठ तस प्रान खारे	तस कति मारे यम तय काल ।।
युस येति लोलु ओश त्रावि दारि दारे	व्यतस्नी नंदी <sup>1</sup> क्याह करि तस ।
अकि शिव नाव सुत्य जगतस तारे	तस कति मारे यम तय काल ।।
युस शिवनाथस अनर्जन्य माने	तस कुस चाने यमु दास्स ।
धर्म राजु ब्रौठ तस मीठ्य दिनि लारे	तस कति मारे यम तय काल ।।
अकि शिव नाव लछ्बंघ पाप गाले	चित्रगुप्त कुस कलम डले तस ।
कुस पापु डंड तस बेही प्यठ चारे	तस कति मारे यम तय काल ।।
युस शिव पूजायि कित्य पोश चारे	तस करि दीवलूक पोशि वर्शुन ।
सुय खसि व्यमानचि सवारे	तस कति मारे यम तय काल ।।
समसास्स युन छु ग्ट अनवारे	प्रारब्द फल छुय खारे <sup>2</sup> मंज ।
फल सोरि <sup>3</sup> छल बेहि <sup>4</sup> कुस कस प्रारे	तस कति मारे यम तय काल ।।
कृष्णस सुय शिव शिव करुनावे	चावुनावे तस प्रेयमु अमर्यत ।
सुय नाव वेग्यान यूग तस यारे	तस कति मारे यम तय काल ।।

1. वैतस्नी नदी; 2. खस्वार (वजुन); 3. खतुम गछि; 4. (जनमुक) चक्र बंद गछुन ।

**200 अवस्था गुजरनुक इजहार**

कथु कैर्य कैर्य गोम ल्वक्चार ।

आर यियनय शोम्भू ।।

ज्यूठ सँदरा छु कूठ समसार छुसनु बोठ तु छुसनु तार ।  
यिथि मंजय क्वछि क्यथ मे खार आर यियनय शोम्भू ।।  
ब्रौठ कनि छुम दजुवुन नार पतुकनि शोरु अंबार ।  
यिथिसुय मंज छु म्योन व्यवहार आर यियनय शोम्भू ।।  
ज्यूट मँजिला कोड मे यकबार पोत फेसस छुमनु वार ।  
वति प्यठ छुम कालु शाहमार आर यियनय शोम्भू ।।  
अति क्याह पकि म्योन गाटजार अति कुस यिथि दरकार ।  
वुफि निम ज़न मे जानावार आर यियनय शोम्भू ।।  
खसुवुन कोह वसुवुन नार पतुकनि छुम बोड बार ।  
थँकिमुतिसुय कर परमपार आर यियनय शोम्भू ।।  
अख जंगला वुछ मे शूबिदार वेह सान छुस शेहजार ।  
अथ जंगलस छु चंदनुक दार आर यियनय शोम्भू ।।  
अथ चंदनस छु गुनसु गटकार अथ लागनस छुमनु वार ।  
अति दार श्री कृष्ण अवतार आर यियनय शोम्भू ।।  
ज़नमन हुंद कर्मफल हार करुनाव नेशकामु कार ।  
देह अबिमान मद म्योन मार आर यियनय शोम्भू ।।  
अँन्य आशा नँन्य तु नादार करिहे कमकम कार ।  
नचुवुन्य छस नँन्य तलवार आर यियनय शोम्भू ।।  
कोस्मुत छुमनु कांह त्युथ कार नज़ि काँसि प्यठ व्वपकार ।  
दयुगँच्च सुत्य कें छ्र मे यार आर यियनय शोम्भू ।।  
जीवतिस मंज छुस लाचार क्याह करु दुनियादार ।  
दयु दैरुय छु दनु तय द्वार आर यियनय शोम्भू ।।  
कृष्णस दितु साख्यातकार बारम बार शोम्भू ।  
च्यत् सुफार ब्रह्म व्यचार आर यियनय शोम्भू ।।

1. विकास ।

**201 अनुग्रेह अस्तुती**

बालु पान आलवय बालव बालव	बालो आलव दितमो ।
बालव बालव प्यठ संगस्मालव	बालो आलव दितमो । ।
सुह कैर्य प्वछ्लॉव्य चान्यव हस्नु छलव	पेठ्य पंचालो यितमो ।
वुंगु दिचु शालव बोज़ विशालव <sup>1</sup>	बालो आलव दितमो । ।
लोलु मसुकिय प्यालु बस्य कलुवालो	प्यालव प्यालव चतमो ।
मेति दितु मँसती पनुन्य मतवालो	बालो आलव दितमो । ।
खिरु खंडु कंदु बावु बूग संबालो	थालव थालव ख्यतमो ।
अनुग्रेह छु व्वपदान यिथिवुय सालव	बालो आलव दितमो । ।
बवुसरु सॉर करु नालव नालव	लालो सुत्य सुत्य नितॉमो ।
आलव चु यूग नावि बॅर्य मे बूग गालव	बालो आलव दितमो । ।
कृष्णन ओश त्रोव चालव चालव	व्वन्य कूत चालो यितमो ।
अज़पा ज़प कोर मालव मालव	बालो आलव दितमो । ।

1. थज़ि बोज़ वॉल्य ।

**202 शिवजियस कुन बक्ती बँरुच आवाज़**

वारु वनतम मारुमते	छुख चु कते हे ।
वँन्य बो दिमयो वति वते	छुख चु कते हे ।।
द्यान दारान म्वखतु हरान	सत् व्यचारान छुस ।
लारुवुन छुस लारु वते	छुख चु कते हे ।।
ज्ञोनमखय छुख चु पूरुन	क्याज़ि दूरुन छुख ।
नूरु बँरते सूरु मते	छुख चु कते हे ।।
यूगुक्यव ग्यानु न्यँत्रव	पदमु पँत्रव सुत्य ।
वुधुतु मेकुन न्यँद्रिहते	छुख चु कते हे ।।
दिवुवुन छुस नेशकामय	शाहरु गामय वँन्य ।
कामुदग्द <sup>1</sup> जामु छते	छुख चु कते हे ।।
दर्शुन अमर्यतु वर्शुन	दिम मे लोगमुत छुस ।
फल कुल ज़न प्यठ वते	छुख चु कते हे ।।
पालवुनि यितु कृष्णस निशि	आलविहिय पान ।
बालु रटिहिय नालुमति	छुख चु कते हे ।।

1. काम दीवस ज़ालनवोल ।

**203 श्याम स्वंदस्स कुन प्रार्थना**

श्याम वस्नणु कमलु चरणु पदमु नयनधारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे ।
दीनानाथ वीणा शब्द से व्याद हारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे । ।
सर्व व्याद हारी सर्व आधिकारी	सर्व आधिकारी दूशु निवारी ।
दूशु निवारी कृष्ण मुरारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे । ।
प्यारेलाल समझो बिनती हमारी	दिखलाव अपना गरुड सवारी ।
और क्या है मतलब मोर मुकुटधारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे । ।
नेडे नेडे आओ लालु बालु ब्रह्मचारी	तेरे तेरे गालियां हैं अमर्यत दारी ।
पियो पियो गोरी गोरी द्वद हमारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे । ।
साधू संत बैराग सब व्यवहारी	बारी बारी जमा होके जमना किनारी ।
आयें आयें गायें गायें कृष्ण गीत सारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे । ।



204 बिक्रमी 1956 सनचि ग्रेह पीडयि निशि रख्यायि बापथ तोता (चित्रुन र्यथ सनु बिक्रमी 1955)

ही दीनु दयालु ही वृजगतपाल ।  
 ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 न्यरुद्धं स्वच्छं अखंड अकालु क्वकालु निशि रू मे ह्यथ सॉरी ।  
 ही पालुवुनि कासतम कालुने जालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 तिथि स्वरु स्वरुहोथ न्यथ शिव शिवालु यथ स्वर छि बासान सेतॉरी ।  
 सेतालु मारन छि भैस्व व्यतालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 आपदायि निशि रूत्तु शिवंजह सालु ही शापु ख्ययु पापु निवॉरी ।  
 असि लेख कल्यान कपालु क्रपालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 कावस्नु<sup>1</sup> आमुत्य छि द्रुखु वावु पंचालु असि वल<sup>2</sup> छि चंच्यल समसॉरी ।  
 कोशल<sup>3</sup> कस्नुक दुशालु विशालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 बजर चोन मोन श्वब ज़ोन यिथि हालु व्वपाय सोन कर छि देहदॉरी ।  
 दयुलोन नोव फिरतु त्राव प्रोन मलालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 तत् पदु सत्<sup>4</sup> बासुनाव यिथि कलिकालु गथ हव पथ थाव महामॉरी ।  
 हथ वॉसु<sup>5</sup> बरुनाव म्वकलाव मूह जालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 ही दयु म्नेत्यंजयु कालकि कालु बयु रँस्त्य ज़यि स्वस्त थव सॉरी ।  
 दीश सोन शीत दीप ज़न कर चु दयालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 आत्मा रामु थव मंज कूडु जंजालु आरामु सान गामु शॅहरी ।  
 नेशकाम संकूचुक जामु कड नालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 मॅर्य<sup>6</sup> सॉन्य अॅर्य थव स्वख तु द्रुख चालु रुगु निशि रू कास ब्यमॉरी ।  
 बूगु लरि प्यठ लदुनाव यूगु बंगालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 पशु कूत समयस त्रावु अशिने चालु नशि युथनु समसार कर यॉरी ।  
 पशि बावु घन छि कडन कमि कशालु<sup>7</sup> ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 चावुम न्यरामयुक मय प्यालु यथ मॅसती मंज छि हुशयॉरी ।  
 कोत फेरु पोत योत तोत वातु मतवालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 स्वफल फल गॅयि स्यद वुछ्य वुछ्य फालु ह्यथ च्यत् सुफारु सुफॉरी ।  
 सत् सबायि अयिदॅर्य आय अॅस्य सालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 खुर कास कर्मन्य टोठ अकि सवालु मुर दॉस्थि छिय मंगान यॉरी ।  
 नतु शुर्य बोज कमि संजु<sup>8</sup> खंड्यथ गालु<sup>9</sup> ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 सूमु सिरियि काबुतॉनि रात घन दिवानु छलु दैरु दनु समयिचि पछि हॉरी ।  
 दुबारु बाजु आव शिव-शक्ति दुखालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 रूखुनि अछि पोशन करु चैय किचु मालु लछिनावु चॅद्वकलादॉरी ।  
 गटु पछु गाश अन शोकलु म्वखु शामु कालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 अवतार दार हार ज़युनु मस्नुचि जालु द्रुखु राख्यस मार मुरॉरी ।  
 बवु सरु तार गगनस खार पातालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।  
 काश्मीरु नगरुस काँशी नयपालु व्वतम छि वनान च्वपॉरी ।  
 तति ह्योत ब्रह्मन ज़नुम रूत्तु गोपालु ही बालु ही कालु समहॅरी ।।

देह दौरियन खोफु निशि च्यत् बो सम्बाल	सर्वु व्वपकाँरी च्चु कर याँरी ।
हुकमुक <sup>10</sup> सर गँज़रन वाल्यन वाल	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
गाटल्यव हावि देह अबिमानचि चालु	दयिगँच निशि साँरिय चाँरी ।
मायायि चानि आयि शरन अँस्य बुडुबालु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
डुलु त्राव गृहुद्यबल प्यठ भाँस्व बालु <sup>11</sup>	अमरनाथ लोचराव बाँरी ।
लँट्य तारकुन ताज दिथ गंड च्चु त्रेटि माल <sup>12</sup>	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
क्याह करु मँशरँव्य बडि गरु अयालु	दयालु कास असि नादाँरी ।
आय अन्न दनु चोर लद कर्म व्वडलु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
कैलासु सँमीरु हरम्बखु हीमालु	गोवर्धनु व्यंदु <sup>13</sup> मंदार <sup>14</sup> ।
रुछ यिथु रँछिथ दीव बक्त गाँव गवालु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
ख्यय गछि वासनायि कामु काठ्स ज़ालु	पय लबि वेग्यानु व्यच़ाँरी ।
मनोज़य बनि सँहजु क्रय <sup>15</sup> पालु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
सावदान ग्यानुवान नितु अकि खयालु	मंज़ न्यसनयि नुनरुचि नाँरी ।
कड मूह कँड्य ज़ालु दिवनाँविथ डलु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
श्वबु कर्मफल बूगनुक सँदि हुंद नालु	अनु पान वति सुत्य थव जाँरी ।
त्रफती साँन्य कर सुत्य अनुग्रेह थालु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
गंगरहामि <sup>16</sup> फवलुनाव संगरमालु	हरम्बखु नोन गोख च्वपाँरी ।
वुछ कृष्णन्य पालना चानि हवालु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।

1. तुरि सुत्य शिठ्मत्य; 2. वलनुक पलव; 3. क्वशल; 4. ॐ तत् सत् ; 5. 100 वँरियि वुमुर ; 6. शेरि ; 7. मुशकिल; 8. किथु; 9. कर्म खंड्यथ; 10. अहंकारुक; 11. भैस्व बाल - अमरनाथ तीर्थु किन्य अख जाय; 12. म्वखतु हार ; 13. विंद्याचल; 14. मंदार पखत; 15. वेद विहित कर्म; 16. तुलमुल गछुवुन अख गाम ।

**205 बिक्रमी 2057 बैसाख, गेह पीड दूर कस्नुच प्रार्थना**

सनम्वख यिम त मो दिम डल ।  
मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।  
शोम्भूनाथ त्रुजगतपाल दीनु दयाल कर चु अनुग्रेह ।  
कस्यो लोल पोशन माल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।  
शालुमार बॅर्यमय प्रेयमु मस प्याल बाल गोपाल दामा चे ।  
नालुमति रुहॅथ यित म्यानि साल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।  
म्रेत्यंजयि कालुकि काल नीलकंठु चोथ कालुकुट नोम वेह<sup>1</sup> ।  
दस्ती पॉजिथ त्रुजगतपाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।  
शीतल शिवागनु स्व स्वयं बाल ज्योति रूपु नोन हव नेह गटि रेह ।  
तमि रेह ग्रेह चॅकरुचि व्यॉज जाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।  
काल गाल पाल सतवंजाह साल पालना कर ह्यथ सॉरी मे ।  
दास ह्यथ आस कास कालनि जाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।  
साफ कर नब पाप गाल दयाल ताफ कर नोन ओबरस अन नेह ।  
वाफ<sup>2</sup> वोत नॅजदीक व्वन्य कूत चाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।  
आत्म बूदु बामु लद यूगु बंगाल ज्यत प्रानु<sup>3</sup> ज्यनु सुत्य दौविथ जेह<sup>4</sup> ।  
तति बूग बूगनाव अनुग्रेह साल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।  
हतु गोज<sup>5</sup> वुन सोन वॉसि दुशाल सोर्यसनु<sup>6</sup> नविरुय<sup>7</sup> मोर्यसनु<sup>8</sup> तेह<sup>9</sup> ।  
वरु अबयु द्वयि अथु दयाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।  
पुशु म पाव खरचस बडि अयाल युथ गॅजसुन वाल्यन गछि हेह ।  
प्रथ चीज पॉदु गछि सुबहुकि काल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।  
तुलमुलि बॅर्यमय खिरु खंडु थाल परमु शक्ति स्वस्तु बावुक बूग खे ।  
आय अन्न दनु चोर लदतु क्रपाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।  
हनि हनि तेलनुकि<sup>10</sup> तेलबॅल्य नाल मेलनुचि नावि कृष्णस सुत्य बेह ।  
सॉर करि अटलु डलु स्वखाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।

1. कालकूट नावुक जहर ; 2. तकलीफ; 3. जीवन; 4. छत; 5. हथ गज ज्युठ ; 6. खतम गछ्यसनु; 7. (नव्यर) खुबसूरती; 8. खराब गछ्यसनु; 9. चमक; 10. प्रथ जायि वातनुक ।

206 साखिय द्खव निशि म्वक्ती तु पस्म गत प्रावन खॉतर प्रार्थना

ही न्यारामयु बडि दयि म्रेत्यंजयि  
 सिरियस चंद्रमस ग्रेहनचि जायि निशि  
 कामु कूड लूबु मूह मडु अंदकारु निशि  
 द्यान मंशरॉविथ दर्म दान त्रॉविथ  
 क्यंकर वस्नु<sup>1</sup> व्यतर्सनी<sup>2</sup> तरसु निशि  
 स्वर्गु निशि नरकु निशि वुलटु पुलटु कर्मु निशि  
 आकाशु पातालु अनि गटि पकनु निशि  
 पोत्रु म्यंत्रु बांदवन हुंदि व्वपकारु निशि  
 ज्यनु निशि मरनु निशि सोरमुत स्वरनु निशि  
 त्रेशि मंजु त्रेशि निशि ब्वछि मंजु ब्वछि निशि  
 लूबु पुछि ख्यनु च्यनुचे अपेख्यायि निशि  
 ज्वरु<sup>3</sup> निशि तमु निशि गमु निशि बमु निशि  
 यशु स्वकामु<sup>6</sup> निशि शेशि<sup>7</sup> प्रनामु निशि  
 श्रेष्ट बननुच अबिमानुचि त्रायि निशि  
 वाचक ग्याँनियन<sup>8</sup> हुंजि लडायि निशि  
 डंडु किन्यु<sup>9</sup> खलवत बेहनुचि जायि निशि  
 युथ त्युथ कपट छु अँदरी तु न्यँबरी  
 यि कँछ करुवन्य छि अंतहकरनु किन्यु  
 देह अबिमानु स्वस्तु दीव पूजायि निशि  
 आलुचु कर्मुचि ग्वरु सीवायि निशि  
 ग्रेह चँकुरि ब्रामरी<sup>11</sup> संकटयि<sup>12</sup> निशि  
 व्रत दरनुचि किबरुचि टसरायि निशि  
 छ्योटु त श्रुच अन्न दिनुचे सुसरायि निशि  
 ब्रह्मन जनमुचि लूबु त्रेशनायि निशि  
 व्यम्वख<sup>12</sup> रुजिथ जीवु दयायि निशि  
 स्योद तु हौल स्वख द्ख कपालु जायि निशि  
 यथ मंजु ब्रॉठु आसि नशुनुय तु पशुनुय  
 यथ मंजु ब्रॉठु आसि हलनुय तु डलनुय  
 येति चुय आँसिथ बुय आसु बासन  
 पनुन्यन परद्यन हुंजि नेंद्यायि निशि  
 अबिमानु पुछि आसि श्रवनुय तु ग्यवनुय  
 हमसायि पुछि आसि कामना करुनुय  
 कामु निशि कूड निशि लूबु निशि मूह निशि  
 कुमारु गणेशु सुंदि दीवी हुंदि पासु  
 ही न्यारामयु बडि दयि म्रेत्यंजयि  
 बयि निशि रछ आपदायि निशि रछ ।  
 न्यमल वस्त्रस ह्ययि निशि रछ ।  
 देह प्रेयिचे वासनायि निशि रछ ।  
 अनजान श्रान संद्यायि निशि रछ ।  
 पँतिमि समयिचि पीडायि निशि रछ ।  
 धर्मराजनि आँग्यन्यायि निशि रछ ।  
 कर्मु कांडकि व्वपायि निशि रछ ।  
 मंगनुचि आदीनतायि निशि रछ ।  
 कोरमुत करनुचि रायि निशि रछ ।  
 र्खवदायि<sup>3</sup> निशि त्रेशनायि<sup>4</sup> निशि रछ ।  
 वेशय बूगु यछयि निशि रछ ।  
 अग्यानु निशि अवेद्यायि निशि रछ ।  
 मूर्खन हुंजि श्रदायि निशि रछ ।  
 ग्वरु गरु प्रेतेशवयि निशि रछ ।  
 शाँती रस्ति वेद्यायि निशि रछ ।  
 त्रुयि रायि<sup>10</sup> मनु कामनायि निशि रछ ।  
 यिछि तिछि बजि बलायि निशि रछ ।  
 यिछि जान यिछि क्रेयायि निशि रछ ।  
 यश कडनुचि शूबायि निशि रछ ।  
 ग्रेहद्यन हुंजि दशायि निशि रछ ।  
 बड्शारि<sup>13</sup> व्वलकायि<sup>14</sup> निशि रछ ।  
 फल मंगनुचि बावनायि निशि रछ ।  
 दजिमचि<sup>15</sup> द्यानु दारनायि निशि रछ ।  
 मानुहीन स्वस्तु बेख्यायि निशि रछ ।  
 ब्रष्ट करुनुचि सम्पदायि निशि रछ ।  
 लेछिमुचि कर्मलीखायि निशि रछ ।  
 यिछि तिछि वॉसि निशि आयि निशि रछ ।  
 तमि तमि रंगु जीवुकायि निशि रछ ।  
 तिछि बखँच व्वपासनायि निशि रछ ।  
 मूर्खन हुंजि वासनायि निशि रछ ।  
 तिथि श्रवनुचि कथायि निशि रछ ।  
 तिथि पस्नु रामु गीतायि निशि रछ ।  
 अंदकारु निशि ह्यंसायि निशि रछ ।  
 कृष्णस मूह मायायि निशि रछ ।  
 बयि निशि रछ आपदायि निशि रछ ।।

1. यम किंकर ; 2. वैतरनी नदी; 3. ब्वछि ; 4. त्रेश; 5. तफ़; 6. सकाम; 7. मूर्ख शेश्यन हुंद; 8. सिर्फ वनन

## **Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

वाँल्य अमल न कसन वाँल्य; 9. पाखंड किन्च्य; 10. ज़नानि कुन द्यान; 11-14. ग्रेह दशायन हुंघ नाव; 15. फ़  
ोजूल; 16. विमुख, बस्खलाफ ।

207 मोहिनी रूपच दास्ना तु अस्तुती

गच्छि कुठि बेहनोव रूखुन लछुनोव ।

मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।

असुनस तु गिंदनस मंज्र मॅशिथ पान गव	द्यान गव स्यद मन प्रान गव लीन ।
न्यथ लसुवुन बसुवुन असि असुनोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
चरुन कमलन लॅक्ष्मी फश दिवुवुन्य	यश कडुवुन्य त्रन बवनन मंज्र ।
स्वय ह्यथ मनु मंज्रलिस स्वनु सोव सोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
वयक्वंठुकि बागु मंजु आगु परजुनोव	प्रेयमु रागु तस कोर आवाहन ।
दीशु कालु रोस्त शीशुनागु प्यठ वुजुनोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
अकि छलु ह्यथ गव गॅम्बीरुन	युथ अलु अलु बलुवीरुन चाव ।
बलुवान कॉलीनागु जलु मंजु चलुनोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
श्वकदीव साँमियस नारदस तु व्यासस	रासु मंजु होव न्यर्वासनु बाव ।
सासु अथुवासु अख वासुदीव बासुनोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
कामस बस्म करुवुन रूप मानुनोव	जानुनोव कथ दपन माया मूह ।
नारुद व्यसुरोव ह्यसु फ्युर प्रसुनोव <sup>1</sup>	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
भूमास्वर येम्य दबुदबि मंज्र पोव	बाँद्यवानु <sup>2</sup> म्वकलोव त्रियि अट्हर <sup>3</sup> ।
तिमु त्रियि ह्यथ गव मँहलखानु शुबुरोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
च्यत् मन ब्वद प्रान गुपियन तम्बुलोव	होश न्युव तु प्योस मनमोहन नाव ।
पानस भस्मास्वर सूर करुनोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
श्री श्यामु स्वंदर म्वख मथुरायि होव	चावुनाव्यन त्रियि प्रेयमु मसु रस ।
द्वदरेमच्चि क्वबजायि यावुन प्रोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
जालंधरुने <sup>4</sup> बाँर्यायि फोटरोव	पननि मायायि सुत्य अँम्य सँती बाव ।
तमि त्वलसी अँम्य सालिग्राम नाव प्रोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
वेदवंतीयि रायि किन्य सु बस्था दोर	रावुण मोर तसुंदी कूपन ।
सीता रूपु भूमि दुतुबार लोचरोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
वछि तीज हँविथ कमसास्वर मोर	प्यठ अटल पदवी खोर धुवजी ।
पाताललुकस बलु दातु वातुनोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
मूहित करुवुन्य वामन रूप दोर	वातुनोव ख्वर ब्रह्मलुकस तान्य ।
ब्रह्माजियुनुय सु गंगुवानि सुत्य नोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
नर नारायण मूह छ्यपु दावुनोव	पाँदु कैर ऊर्वशी मंदुछेव काम ।
दीवलुकस सान इन्द्राजु ब्रमुरोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
खीरु सागर <sup>5</sup> मँदिथुय लॅक्ष्मी द्रायि	श्रीधरुने शूबायि न्यूस मन ।
सारिखुय खोतु तमि ग्वनुवान गँजरोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
ब्रह्मन सूजिथ कृष्णजुव अनुनोव	रुक्मणि मन मोहन ह्यथ गव ।
कनिखुय <sup>6</sup> आँसिथ जोरु पान निवुनोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
फीर्य फीर्य शारदायि जायि जायि दित्य वँन्य	तसुंजि पूर्नायि हुंघ ग्वन तस सँन्य ।
खोह्वुरि त्रायि तमि तस आसन त्रोव	मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।

रुक्मणि राधा तोत द्वद चावुनॉव  
 अदु कृष्णन तस प्रेयमुक हल बोव  
 जोमूवंतीयि कृष्ण लोल गँजरोव  
 मनु मनुसान तमि तस पान पुशरोव  
 श्रुपनखि पानस नस तु कन चटनोव  
 चालुन प्योस तमि कोताह गुजरोव  
 सुभद्रायि येलि अरज्जन ह्यथ गव  
 कृष्णन फीस्थि अनुनोव मनुनोव  
 गूपीश्वर बँनिथ शिव रास वुछिनोव  
 राधायि ललितायि ल्वलि प्यठ ललुनोव  
 भीमसेनन येलि व्रत दोर काह पॉज्य  
 क्याह कोर तँम्य अदु गूर्यबायि द्वद चोव  
 द्रौपदीयि सुत्य च्वशवय बाँय ह्यथ ओस  
 कृष्णन येलि मोन साखियु थ्यकनोव  
 मंत्र पॅर्य पॅर्य दिवताह मंगुनॉव्य  
 कनिक्यन<sup>7</sup> मंज तस कृष्णन नाव थोव  
 तारा मंदोदरी अँम्य नवि नोवरावि  
 शिवरायि कमकम छ्येट मीठ्य म्यवु ख्योव  
 कोखन हुंजि दपि<sup>8</sup> दुखासा आव  
 तेलि आव येलि तति द्रौपदीयि दीचु नोव  
 मनु किन्य शाप द्युन ओस दॉयरावुन  
 द्रौपदीयि कृष्णस येलि अन्नलीश आपरोव  
 दोह अकि चँद्रमन इंद्राजु बोजनोव  
 बूजिथ इंद्राजु अमि कथि ब्रमुरोव  
 कँन्य गँयि अहल्या गौत्मुनि शापु सुत्य  
 येलि रामचँद्रन तस प्यठ पाद थोव  
 मन निव तंहजि शूबायि मायि रायि त्रायि  
 द्वारिकायि शोडशि कलायि सायि त्रोव  
 होशि अँलिशि पोशिकिस गोशस प्यठ ब्यूठ  
 च्यत् गव ह्यथ तँम्य प्रथ पोशा छेव  
 गूर्य बालकव शेछ्य वँन्य र्येश बायन  
 जगु<sup>10</sup> ब्रॉठ र्येश बायव बूजन ख्योव  
 योर द्रायि व्वडि प्यठ बूग ह्यथ लासन  
 जगुवालयव वुछ तु श्री कृष्ण गीत ग्योव  
 ब्रह्मा तँम्य पननि रायि पतु लारुनोव  
 न्यरलीफ रुजिथ ग्यानु दीप प्रजलोव  
 येम्य येम्य दीवन तस सुत्य मान कँर  
 तँम्य कोर जान येम्य तस पान पुशरोव  
 बस्तु खचुमचु वुछि कृष्ण चरसन ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 पनुनुय बब करुनोव दबुदब ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 राम लँक्षमण येलि मन ह्यथ गोस ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 चालुन प्यव हलधर रामस ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 सँखियन तु गूपियन दोव परमु स्वख ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 गोरि हुंद गरु गव तु नम्बलुय जॉज्य ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 नाव प्योस धर्मुराजुन अवतार ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 कुं तियि सॉव्य अँदरिमि रायि सुत्य ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 नँव बँस्ती करुनावि सेद्य पॉठ्य ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 खेनि चाव पांडवन लंगरस मंज ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 डकर त्रावन चाठ ह्यथ चोल ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 अहल्यायि हुंदि रूपुक महिमा ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 पापु ख्यय गँछिथ बेयि तिछ्य सॉपुन्य ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 अष्ट नायिकायि<sup>9</sup> आयि बागुन्य तस ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 कृष्ण रंग सत्संगु बोम्बर ड्यूठ ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 मुरली वायनवॉल्य मॉंगवु अन्न ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 तोर आयि म्वखु पेट्य तीज हारन ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 प्रथ कँह व्वपद्यव यछायि पुछि ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥  
 तस तस हान कँर कामदीवन ।  
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥

युस तँम्य कामु निशि कूदु निशि बँचरोव      तँम्य होव फँकिरानि माजि<sup>11</sup> हुंद फीस<sup>12</sup> ।  
मानु बोड वीर्यवान पान तँम्य थ्यकुनोव      मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।  
श्रूच्च छुस यूगु ग्यानु दर्मु दानु स्वस<sup>13</sup>      संद्यायि श्रानु स्वस्त छुस कामु ज्यत<sup>14</sup> ।  
देह अबिमानु जामु तँम्य पानु पॉरोव      मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।  
आत्म बूद कुलिसुय छु दयि अनुग्रेह मूल      पूरु त्रायि तूल येम्य ब्रह्म बावु ब्योल ।  
होशि डंजि येम्य सु ज़ोरु रुदनोव मूह मोव      मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।  
थजि खानुदाँरी त्रैयिलूक ब्रमुरोव      यूगु मायायि सुत्य बूगु रोस्त रुद ।  
न्यरलीप रुजिथ सोरुय व्वपदोव      मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।  
सारिनुय आँबदारुन सुय छु तारुन      तसुंघन कारुन छु जयजयकार ।  
दयायि पुछि तँम्य प्रथ कांह म्वकलोव      मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।  
आँबदारु कृष्णन ब्रमु सुत्य पापु कैर्यु      गॉबु कैर्यु माफु कैर्यु तसु दयालन ।  
धर्मु राजनि सबि तँम्य सु कति मंदुछेव      मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।

1. प्रसुन, शुरु ज्योन; 2. काँदखानु; 3. जमात, फोज; 4. जलंधर; 5. क्षीर सागर; 6. कुमारी कन्या; 7. कन्यायन;  
8. वननु; 9. अष्ट सैदियि; 10. जगुतु; 11. बिखारुन; 12. अहंकार; 13. स्वस्त, सहित; 14. काम जीनिथ ।



**208 व्यसत रूपस मंज सव्ज त बसंत रूप भगवानु सुंज अस्तुती**

श्यामु स्वंदर बसंत जामु पुस्थि आव ।  
सव्ज गव समसार सौंथ ह्य आव ।।

सव्ज रंगु गरुडस खँसिथ आंगन चाव	गरु सोन सव्जा सव्जुय गव ।
सव्ज बामुन सारिनुय कुलिनुय द्राव	सव्ज गव समसार सौंथ ह्य आव ।।
सव्ज गँयि माँदान बँठ्य पखत बाल	वनहँर यियि माल ह्यथ छु हीमाल ।
सव्ज रंगु तोतस अडकजि कथु बाव	सव्ज गव समसार सौंथ ह्य आव ।।
सव्ज आकाशु प्यव अमर्यतु वर्शुन	सुय वर्शुन गव श्वबु दर्शुन ।
शूब आयि बूमिकायि जायि जायि सव्ज ज़ाव	सव्ज गव समसार सौंथ ह्य आव ।।
सव्ज कुल्य म्यव सुत्यु बँर्य बँर्य छि त्राव त्राव	सव्ज रंगु किनुय प्योख कल्पु त्रेख्य नाव ।
सव्ज जामु स्वर्गुक्य पानस पौराव	सव्ज गव समसार सौंथ ह्य आव ।।
सव्ज रंगु प्रेथवी हुंदुय छु स्वबाव	सव्ज बन लागु नयि नयि पय थाव ।
सव्ज नीलक्राशि राजु हमसु बाशि करनाव	सव्ज गव समसार सौंथ ह्य आव ।।
सव्ज रंगु ज़लु डलसुय मंजु नाव त्राव	सौर कर स्वखु बठिनुय म्वखु हाव ।
सव्ज बठिनुय सव्ज मखमल वथराव	सव्ज गव समसार सौंथ ह्य आव ।।
सव्ज बन नीलनागुक सव्ज ज़ल छव	शिवनाथस प्यव नीलकंठ नाव ।
सव्जस मंजु सव्जा सव्जुय प्राव	सव्ज गव समसार सौंथ ह्य आव ।।
दोह खोतु दोह न्यूरुक न्यूरुय प्राव	प्रथ कुनि सुत्यु मेल च्यत् फवलुनाव ।
संत साद साँखी युथ छु भुशंड काव	सव्ज गव समसार सौंथ ह्य आव ।।
थरिनुय ह्यथ छरिनुय क्यथ वातुनाव	शक्तिपातु दातस ब्रौंठकनि थाव ।
कृष्ण कर सव्ज बागचि सव्जियि क्राव	सव्ज गव समसार सौंथ ह्य आव ।।

**209 अबिमाँनियन हंदि खाँतर व्वपदीश**

कोकूनूसुन<sup>1</sup> सोज़ चानि मायि वोन ।  
वीरुनायि<sup>2</sup> वोन बुति तीती । ।  
डोरकानि<sup>3</sup> पोशनूलुनि जायि वोन चानि खोत छ्य बूल्य म्याँनिय ।  
ती वोन यी फक् ज़िर्य चायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।  
पाँट्य मंडलिस मकायि लायि वोन चानि खोत छ्य मेय नरमी ।  
ती वोन यी फँलिलस हायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।  
फँकिरानि कुन दायि हुंज़ि दायि वोन बँड रँन्य मँलिकॉन्य छस बुय ।  
ती वोन यी सिरियस छयि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।  
कथु गाटल्यव मूर्ख सबायि वोन कुस वनि म्याँन्य ह्शि वॉनी ।  
मजु रस्ति दजु दजुचे त्रायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।  
छेर छर छर तीलु रस्ति क्रायि वोन बोजूवन्य कति मानन ती ।  
कँम्य मजु खुनि हुंद मलायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।  
सादु माल्यव पननि पननि जायि वोन चानि खोत छ्य म्योन सॉमी ।  
बक्ति बावनायि ग्वरु श्रदायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।  
खेचरी शाम्भवी मुद्रायि वोन शालुयास्स प्यठ छ्य शिवजी ।  
यूगु ग्यान पूर्नु कलायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।  
सतुचिय अमर्यतु बाशायि वोन वोनमुत बकवासा छ्य ।  
सरु कसनय दरु सुसरायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।  
हेशु वाल्यन कृष्ण लीलायि वोन छुस बु प्रेयमु मसु रसु बँस्थिय ।  
राय राधाकृष्णनि रायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।

1. अख जानावार ; 2. अख ल्वकुट जानावार ; 3. मादु रतु म्वगुल ।

**210 शिव अस्तुती तु प्रार्थना**

ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले ।

पूजि च्चे लागु प्रेयम चोन मे संकट गाले । ।

सादु माले चु मे कुन वुछुतु लगय अथ चाले  
कर्म लीखायि यि ल्यूख कलम तथ डाले  
बवु सागरु फकथ चोन प्रेयम असि तारे  
न्यथ थव सतुचिय सुमरत असि च्यत् संबाले  
कास कर्मन्य खुर्य असि बोजु चु व्वन्य शुर्य बाशे  
सुय दर्शुन नबु प्यठु अमर्यतु वर्शुन वाले  
कस छु ताकत युस कुनियबावु यि स्वख-द्वख चाले  
युथनु असि सुमरन डलि दफ चु च्यत् जपुमाले  
होशु पोशनूलु दोहय पोश मे पोशे वारे  
कुकिलव बस्मु मोल अग्यानु वनस सुय जाले  
युस कृष्ण शिव शिवय कृष्ण अद्वेतय माने  
मूख्य तस बनि न तस ब्रम तु माया डाले  
सुबह<sup>1</sup> तय शाम<sup>2</sup> कुनुय गव तु मनस लोग आराम  
मंजु ग्यवनुचि ताले बंसरी बजाने वाले

राजिरेनि माजि व्यनथ बूजु स्व पानय पाले ।  
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।  
यूग ग्यान बोडुय तप तु बोडुय जपु यारे ।  
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।  
कर्म बूमि सानि नजराह त्राव परम आकाशे ।  
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।  
तप तँमी कोर जपु तँमी कोर युस प्रेयम चोन पाले ।  
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।  
रंगु बुलबुलु चु ति पनुनिय ग्वन वन वनहारे ।  
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।  
ग्यान सुय प्रावि पनुन रूप प्रपंचस जाले ।  
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।  
साखिय बूल हरे कृष्ण अरे राधे-श्याम ।  
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।

1. शिव; 2. श्री कृष्ण ।

**211 दीवी अस्तुती**

शामु वेलय जामु छेतिये ।  
सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।  
सुत्य छख तस सरस्वतिये    सर्वु स्यँज दिथ वॉसि पोश ।  
पोश लागय लवुहँतिये    सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।  
ज्योति रूपु छख भगवँतिये    श्रेह रेह मंजु दिम मे होश ।  
बावु बँत्य सॉन्य कर्मु पँतिये    सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।  
अश्टु स्यँज छ्य ब्रॉठ पँतिये    मनुनॉविथ मे म रोश ।  
अनुग्रेह कर धनुवँतिये    सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।  
आय च़ेयकुन तापु तँतिये    सायि चानि च़ोल ज़र तु जोश ।  
ग्रायि मारन द्रायि लोतिये    सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।  
मनुवारि फोल्य कारि पँतिये    ब्रॉठकनि वुछनाव गोश ।  
सनम्वख चु रोज़ छख चु येतिये    सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।  
बक्तु बँडशव असि छि गँतिये    स्यँज जामु वल यियि बोश ।  
थँक्य जॉव्युल कँत्य कँतिये    सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।  
अनुनाव होशु पोशु फँतिये    फवलुनाव प्रेयमु पम्पोश ।  
पूज क़ुहोय प्रेयमु हँतिये    सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।  
शाहरु गामु कृत्य वँथ्य तु खँतिये    पांच़ दोह छु सारिनिय बोश ।  
रोज़ कृष्णस सुत्य सुतिये    सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।

**212 अनुग्रह खॉतर शिव अस्तुती**

ही दयावानु मे ह्युव चोर चे कोताह प्रारे ।  
असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।

फाक दीदी गॅयि वॉसाह येति क्याह हॉसिल आम चारिस्स म्यॉनिस टेठ व्वन्य यियि अराम ।  
च्यत् शाँती व्रत दारे न्यथ द्वर्गथ हारे असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।  
छिनु ठीकन पॅक्य पॅक्य कुनि अँनीकन बवनन चंऱ्यल कॅस्मित्य अँस्य कृत्य येम्य आवागवुनन ।  
कर्मफल सुत्य ह्यथ बारे यथ गृट अनवारे असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।  
रंगु रंगु डलनुक्य सामानु समय ह्यथ यिथ प्यव चे शरन आय पननि करतूतुक तसलाह गव ।  
ही दयावानु दया चॉन्य मे कॅछ यारे असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।  
कृत्य बदकार द्वशचार परमपार कॅस्थि कृत्य बदबख्त ग्वनाहगार बयकबार वुस्थि ।  
कम गछ्छि क्याह चे मेते चॉन्य दया बोठ खारे असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।  
मंदछ छ्यना कोर वॉसि मे चाने चाने जेवि किन्य कोर वनुना नत महिमा कुस जाने ।  
सुय वनुनुय बवुसर तारे अदु कस करि तारे असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।  
कालु दिचु डलु फिख मालु करव उत्यरुत्य कार सुबह येलि फोल त पगाह आलुचिकुय रोट दरबार ।  
गॅयि वॉसा गॅजरन व्वन्य असि वारे वारे असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।  
चानि रायि कोर मे यि कॅछ थव मंजूरी नत कुस ज्ञानि करुन्य बक्त क्रेया गछि पूरय ।  
काम कूदस लूब मूहस मदसुय कुस मारे असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।  
म्रेति विज्जि द्यान थवख प्रान सुय संदारे वारु कृष्णस न्यर्मल करि बवुसागुर तारे ।  
पदमु पॅत्रक्य पाँठ्य सरुमंजु जल तस कति लारे असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।

213 अंतकाल खॉतरु शिवजियस कुन प्रार्थना

अंतकालचि जालु छम	तमि हलु निशि रखतम दये ।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर	कर दया म्रैत्यंजये ।।
बवुसागरु दिवयि रंगस	आय कुत्य काँत्याह गँये ।
पार तारुम बोठ मे खारुम	द्वख न्यवारुम मंज बये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर	कर दया म्रैत्यंजये ।।।
आसतम ख्वश कासतम द्वख	बासतम सनम्वख दये ।
मन मे छुम आँयीनु सूरत	साफ कर रोटमुत खये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर	कर दया म्रैत्यंजये ।।।
किथु पॉठ्य जिंदय मख	व्वन्य क्याह कख वॉसा गँये ।
मायि रँट्य पनुन्यव गख	बसुनाव मंज शाँती शये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर	कर दया म्रैत्यंजये ।।।
वश छि गॉमुत्य समसास्स	यश कडनस ख्वश छिये ।
ओरु योरु नितु जोरु म्योनुय मन	चु मंज न्यसनय नये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर	कर दया म्रैत्यंजये ।।।
द्युन शेरैस्स वॉसि हुंद आराम	वुन्यक्यन क्याह लये ।
यथ दपन भूमा <sup>1</sup> छि	तथ थानस मे निम सत्ग्वस्य ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर	कर दया म्रैत्यंजये ।।।
निख चु म्यान्यर म्योन	लागुन्य क्वसु अथ लागत छ्य ।
पथ म्वचख सोरुय चु पानय	अथि कालस क्याह यिये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर	कर दया म्रैत्यंजये ।।।
शिनि किस शिन्यस वनय क्याह	तथ स्वरुन कांह क्याह हैये ।
करतु न्यर्वासन चु दासन	मूख्य मस प्रथ कांह चेये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर	कर दया म्रैत्यंजये ।।।
चलुनावख जीवतुक्य छूठ	युथनु यथ मूरुछ यिये ।
पवलुनावख यस चु च्यत्	सुय बखुच बागस फल खेये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर	कर दया म्रैत्यंजये ।।।
शीत दीपुक्य <sup>2</sup> हिव्य मनश	कर पालुवुनि कालु ख्य्य ।
मूख्य अमर्यत प्यालु चाव	अग्यानु रोस्त न्यरामये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर	कर दया म्रैत्यंजये ।।।
गछु शरुन कृष्णस करिय	अंतहकरुन लय मंज प्रये ।
लूख डेशन दय स्वरुन	आलव करुन ज्यत् इंद्रेय ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर	कर दया म्रैत्यंजये ।।।

1. परम धाम; 2. श्वेत द्वीप ।

**214 फिरक-ए-यार**

चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।  
स्यवह छम वतु यिथि अतु गति व्वन्य कस पतु लारय बो ।।  
चे रोस्तुय क्याह लवि यमि तावनुनि बाज़ारु यावुन म्योन ।  
मे होशस कुस खँरीदारुय छु कस क्युत म्वखतु हरय बो ।।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।।।  
मे लोलु चाने कम कम जामु पुरिम श्यामु स्वंदरो ।  
दिवान छिम पामु शाहर गामय यिखनु तु पान मारय बो ।।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।।।  
स्यवह छुम कूठ यथ बवुसागरुस मे व्वन्य तरुन बासन ।  
चु करतम थफ अथस अदु कृत्य पानस सुत्य तारय बो ।।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।।।  
नितम स्वखुसान यमि समसारु व्वन्य दोह तारु छम फुरसत ।  
चु करतम अंतकालुक चारु तोत गछ वारुकारय बो ।।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।।।  
दया चे छ्य वनय कौँचाह पृछुतनु ज़ांह करन छुख क्याह ।  
बु वुन्यक्यन व्वन्य लदय कस रह डलन आस ल्वकचारय बो ।।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।।।  
स्यवह सुत्य ह्यथ यि कुमुनावुन बड्यव कसबव सु स्नुनावुन ।  
ल्वले मंज़ ललुविथ त्रावुन लगयो मुश्कदारय बो ।।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।।।  
छु कोरुमुत ब्रमु बूतन प्राह यि सोम्बस्थि पतु लारुयम क्याह ।  
पगाह वननम गदा या शाह शिनिस कुस रूप दारय बो ।।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।।।  
वज़न ओसुय ब्रमुक बाजा ननन ओसुख मूहुक राजा ।  
कलस प्यठ दिथ मदुक ताजा लगयो ताहदारय बो ।।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।।।  
यि ओसुय मानु मंज़ु प्रावुन दँज़िथ देह सूर सोम्बरवुन ।  
सु अँसन्नक वारि मंज़ु थावुन लगयो पेशकारय बो ।।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।।।  
चु रज़य हमसु प्यठ हीयि लंजि कालनि चंजि सुत्य चोलहम ।  
गछन छम खंजि छुसनु डंजि लगयो बालुयारय बो ।।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।।।  
चु पृछनय गोख बेयि म्वख हाव स्यदँच हँद्य जामु पुरिथि थाव ।  
करिय क्याह अदु पँतिम्यन वाव लगयो नावदारय बो ।।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो ।।।  
ब छसना आरुवल प्यठ आरुनय बे आरु चे प्रारन ।

वज्रन छम प्रेयमुचे तारय दज्रन छस लोलु नारय बो । ।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो । । ।  
दुहुच्य शेछ्य वॅन्य मे नेशकामन ति कोर मे मोलूम शामन ।  
कुनिय थफ दिथ स्टय दामन पगाह डेशथ दुबारय बो । ।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो । । ।  
स्वरन छुस बो वरन छुख चुय चे रोस्त छुस हरन जन हीय ।  
शरन आमुच बो छस त्वलसी करन छस ज़ारुपारय बो । ।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो । । ।  
दितम ब्वदि यूग परजुनावथ महप्वरशन प्रकट हवथ ।  
बखुच सीनन प्यठ्य सावथ ग्यानुकि म्वखतुहारय बो । ।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो । । ।  
द्वखन मंज सर्व स्वख अँनिज्यम चु पानय रायि मंज गँनिज्यम ।  
सतुक मंत्र मनस वँनिज्यम सोरिथ समसारुसारय बो । ।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो । । ।  
ननन छुम आवरन<sup>1</sup> वेखीप<sup>2</sup> लय<sup>3</sup> यथ शिनि माँदानस ।  
सहाय रोजुम चु मुख्य दातु चे निशि वातु वारय बो । ।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो । । ।  
चु छुखना आत्म रूपी कृष्ण आकृष्ण शक्ती छ्य ।  
रँत्थि निम मन स्व छ्य पूजा व्यचारुक्य पोश चारय बो । । ।  
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो । । ।

1-3. Three kinds of disturbances.



**215 श्री कृष्णस कुन**

आश्चर्यवत् छ्य याला चाला । अरे मतवाला असि निशि बेह ।।  
न्यथ छुख हाथ अच्यत जपु माला । असि सुत्य प्रेयमु मस प्याला चे ।।  
सधा कृष्णा बालु गोपाला । बंसरीवाला छु चोनुय श्रेह ।।  
अनाश्रतुकुय<sup>1</sup> छु अनुग्रेह थाला । आत्मु त्रपती हुंद साला खे ।।  
डेशन चानि छेनि माया जाला । फरजाना मसताना चाला छि चे ।।  
ब्रज गामु डलु दिथ वसतु श्यामलाला । नेशकामु प्रेयमु द्वद दामुदामु चे ।।  
डीशिथ चोन बसंतु दुशाला । बावु बाग फवलिहे चलिहे हेह ।।  
ठगु प्रेयि लगुहोय छुयनु खयाला । चूरि न्यूथ सोन च्यत् लाला<sup>2</sup> चे ।।  
मस्त छुख मूह जंगलच छुख चु जाला<sup>3</sup> । नशु चोन सानि पशि बावु लशि रेह ।।  
व्रद छुस खसुनस छुम बोड बाला । पार तार दिथ अख छला मे ।।  
पालना करुवनि दीनु दयाला । द्वख हर कृष्णस कर अनुग्रेह ।।

1. अनाश्रतुक - मंगनु वरुय पाँन्य पानय स्यद गछुन; 2 लाल, रत्न; 3 ज्वाला ।

**216 वन प्यठ वापस यिनस प्यठ श्री कृष्ण अस्तुती**

शामु काल गूर्य बालकन सुत्य कमि हल ।

वुछ यिवान श्यामुलाल कामदीनु ह्यथ ।।

ब्रोंठ द्रायि राधा दिनि लँज्य लोलु डल  
गूर्यबायि द्रायि ह्यथ ऑम्य जॉम्य द्दु प्याल  
कामदीनु वंगु लजि दिनि आंगनन मंज  
वँछ्य ह्यथ क्वछि क्यथ ब्रोंठ द्रायि बुड बाल  
द्दु बत ह्वदुशीश ऑसु मंजु दिम दयाल  
गूर्य शुर्य ह्यथ ख्योथ कुस वनिय च्चे कंगाल  
श्याम वोत ब्रोंठ तस गोकुलुक ग्राम द्राव  
दोह गव प्रारन दूरिरुक चोल मलाल  
पेशकश द्रायि ह्यथ द्दु चँड्य त र्वपु बान  
अन्न दनु मालु स्वनु रुदु म्वखत माल  
प्रेयमु पद लेख सानि कपालु क्रपाल  
पालवुनि डलु दिथ कड मूहने जाल  
शब्दुक राग व्यवहारुक त्याग गव  
थामि गँय रुजिथ भैस्व व्यतालु तालु  
अंबर<sup>1</sup> छेक आंगनन शेरि दर्मु सालु  
पौर्य लजि कृष्णस च्चजि कालनि जालु  
बुय चुय बनतु रायि मंजु गनतु संतु खालु  
मन तु प्रान कृष्णुन तोत अनतु अंतु काल

रोशि रोशि प्रेयमुचि पोशिमालु ह्यथ ।  
वुछ यिवान श्यामुलाल कामदीनु ह्यथ ।।  
सँखियव पॉरोव सामानु संज ।  
वुछ यिवान श्यामुलाल कामदीनु ह्यथ ।।  
कारन तु दीव प्रारन छि मेलिना ।  
वुछ यिवान श्यामुलाल कामदीनु ह्यथ ।।  
ग्रज वँछ राधे-श्याम ह्य आव ।  
वुछ यिवान श्यामुलाल कामदीनु ह्यथ ।।  
ख्यनु च्यनु सान सर्व सामानु ह्यथ ।  
वुछ यिवान श्यामुलाल कामदीनु ह्यथ ।।  
पालना सॉन्य बालु गोपालु कर ।  
वुछ यिवान श्यामुलाल कामदीनु ह्यथ ।।  
दनदनबाग गव कनुनुय मंजु ।  
वुछ यिवान श्यामुलाल कामदीनु ह्यथ ।।  
गूलुकस ह्युव बूलुक गव ।  
वुछ यिवान श्यामुलाल कामदीनु ह्यथ ।।  
मूख्य पद वनतु मनु वाजि खनतु नाव  
वुछ यिवान श्यामुलाल कामदीनु ह्यथ ।।

1. ख्वशबू, अंतर ।

**217 ग्यान, यूग तु बूग मेलनु खॉतरु पार्थना**

ही प्रबू अग्यान कॉसिथ यूग दिम ग्यान दिम ।  
अंगुहीनिस दिम मे काया म्वरदु जिसमस प्रान दिम ॥  
शखुच रँस्तिस दिम मे शख्ती बक्त रँस्तिस दिम मे बक्त ।  
ईक् बक्तिस द्दशवय दिम यी मे दर्मस दान दिम ॥  
पकनस क्युत ओन तु रोन छुस बखुच क्युत छुस न्यथुनोन ।  
ग्यान वाल्यन यूगियन क्युत गंडुनुक सामानु दिम ॥  
हीन छुस वेद्यायि अंदर दीन छुस श्रदायि अंदर ।  
हान छम प्रथ कुनि कर्मच सत्जनन मंज मान दिम ॥  
ब्रॉठ्कुन पानस अँनिथ श्रवुन करुम व्याख्यान दिम ।  
लूख युथ मूहित गछन त्युथ मे म्वखस न्यर्वान दिम ॥  
क्रम गछन अदु यीरु खस<sup>1</sup> हिव्य होशुकुय तूफान दिम ।  
ग्वफि शाल खोचन मे पानय सुह सुंद ह्युव त्रान दिम ॥  
जयजय श्री रामचँद्रस तँम्यसुंदुय वरदान दिम ।  
ख्य गछ्यम इंद्रेय शँत्रन वैरु दर्मुक कान दिम ॥  
यमि बक्ती बनि म्वक्ती तमिकुय वेग्यान दिम ।  
दिथ मनोजय वासना ख्य सत् सोरुपुच ज्ञान दिम ॥  
सर्वु मंगल परमु स्वख दिम हर्ष दिम कल्यान दिम ।  
अंतकालस मंज खयालस सत् सोरुपुक द्यान दिम ॥  
बाग दिम बंगालु दिम हमाम दिम डलान दिम ।  
रायि रोस्तुय यिमु बनन तिमु जायि ऑलीशान दिम ॥  
जीवतुक ब्रम चलनु बापथ पानुसुय ह्युव पान दिम ।  
द्यान कृष्णुन यूग ह्यथ दिम बूग अमि यमि सान दिम ॥  
ही प्रबू अग्यान कॉसिथ यूग दिम ग्यान दिम ॥ ॥

1. गासु तुजि ।

**218 रामजीनिस फिरकस मंज कौसल्या वनान**

ह्य न्यर्मलु नेशकलु नेशकामो ।

रामो रामो सीतारामो । ।

न्यथ च्यत् वंदहोय अथ सर्वु त्यागस तन नॉविथ तथ वॉरागु नागस ।  
यथ नागस दर्मु दैरुक्य छि सामो रामो रामो सीतारामो । ।  
सॉतु म्वख हव यिथ अज्योद्याये मन फवलुनाव बोज़ कौसल्याये ।  
वलुनाव प्रॉन्य कुल्य नॅव्य नॅव्य जामो रामो रामो सीतारामो । ।  
दर्मुक कर्मुक सोथ चानि सुतिय अथ प्यठ वैकिथ म्वकलेयि कृतिय ।  
मूखी लरि हंदि शॉती बामो रामो रामो सीतारामो । ।  
प्रेयन शिवनाथस चोन नावुय लूकालूकन छु चोन बक्ति बावुय ।  
चुय छुख बखशन असि परमुदामो रामो रामो सीतारामो । ।  
आत्माराम छुय चोनुय रूपुय रुमव किन्य छुख चमकान दीफुय ।  
अस्त्वत च़ेयकुन चुय वनि आहमो रामो रामो सीतारामो । ।  
दम छस गुज़रावान चानि सॅचुय<sup>1</sup> प्रेयमु हॅचुय मॅच गॉमुचुय ।  
चॉलिथनो ह्यक् लूक् हंजु पामो रामो रामो सीतारामो । ।  
वॅन्य दिनि द्रायस च़े मंज वनुनुय कुनि गोयना कॅह चान्यन कनुनुय ।  
च़लिहे होल मे लोल हो आमो रामो रामो सीतारामो । ।  
चोनुय नाव करि परम पारुय पतव लाकन्य यिहोय छु सारुय ।  
ऑनी<sup>2</sup> बरकत ह्यथ गरु च़ामो रामो रामो सीतारामो । ।  
च्यतकि च़ेननु सतुकि संगो रंगन हंदे रंगु बेरंगो ।  
चंच्यल प्वरशन हंदि आरामो रामो रामो सीतारामो । ।  
फुलय लॅज होशि पोशि बागन अमर्यतु ज़ल नोन द्राव नागन ।  
ह्वछन लंजन बामुन द्रामो रामो रामो सीतारामो । ।  
रामुय छु कृष्ण कृष्ण रामुय अबीदु बक्त छ्य परमुदामुय ।  
बोज़ बागस लोलु ब्योल ज़ामो रामो रामो सीतारामो । ।  
कृष्णस सुत्य कर अथुवासुय यकजा मीलिथ खेलव रसुय ।  
सुबह सुत्य ह्यथ यिख शामु श्यामो रामो रामो सीतारामो । ।

1. आशि, आशायि; 2. अनइछित्त, अव्यक्त रूपु ।

**219 अद्वैत प्रकास मंजु वपासना व्यद**

सिरियि वुज्जनोवुम चँद्रमु सोवुम	तारकन दोवुम शिनि मंजु थान ।
गाशु सुत्य गाशुक गाश परज्जनोवुम	सुबह रूप <sup>1</sup> होवुम श्यामु लालन ।।
द्यन तु रात पाँदु गँयि सिरियि प्रकस्म सुत्य	चँद्रमन प्यालु बोर शबनमु सुत्य ।
तमि प्यालु गाशु लालु दामा चोवुम	सुबह रूप होवुम श्यामु लालन ।।
मन गुलि आफताब ज़न फवलनोवुम	सिरियि गँजरोवुम परम आत्मा ।
तथ कुन म्वख हॉविथ स्वख प्रोवुम	सुबह रूप होवुम श्यामु लालन ।।
आत्मु तीर्थ मारतंडु मंजु मन नोवुम	प्यत्र लूकस दावुम त्रफती ।
तमि कर्मु त्रन <sup>2</sup> हुंद र्यन म्वकलोवुम	सुबह रूप होवुम श्यामु लालन ।।
न्यर्वासनुकुय आसन त्रोवुम	तथ बेहनोवुम प्रेत्यख्य दीव ।
न्यर्मल पम्पोशु डल फवलनोवुम	सुबह रूप होवुम श्यामु लालन ।।
श्री कृष्णस सुत्य दोह गुजरोवुम	शामन होवुम तँम्य श्यामु रूप ।
सुबहस <sup>3</sup> सुत्यन शाम <sup>4</sup> मिलनोवुम	सुबह रूप होवुम श्यामु लालन ।।

1. शिव रूप; 2. देव ऋण, ऋषि ऋण तु पित्र ऋण; 3. शिवस; 4. श्याम; ---- = धारना तु ध्यान ।

**220 श्री कृष्णन्य तोता**

लाल यित साल प्याल हो बरयो ।

माल कस्य माल हो करयो । ।

लोल सुत्य त्वलि मंज ललनावथ लछि नावि गछि कुठि<sup>1</sup> सावथ ।  
पम्पोशि पादन अँछि जरयो माल कस्य माल हो करयो । ।  
राधा ज़न च़ेय सुत्य गिंदयो जसुदायि हुंघ पॉठ्य कल वंदुयो ।  
ललितायि हुंघ पॉठ्य लोल बरयो माल कस्य माल हो करयो । ।  
मीठ्य मीठ्य श्रूच बूज़न स्नुयो बावनायि सुत्य ब्रॉठ्कुन अनुयो ।  
सत्य दीवु न्यथ चोन व्रत दरयो माल कस्य माल हो करयो । ।  
बसंत रंग जोरा वलयो मुश्क कोफूर चंदुन मलयो ।  
च़ेय सुत्य ह्यथ रात द्यन बरयो माल कस्य माल हो करयो । ।  
लाल छुनहॉय म्वख्त माल नॉली कनुनय म्वख्त टंग कनुवॉली ।  
मछ बंद स्वन कनुदूर गरयो माल कस्य माल हो करयो । ।  
त्वलसी हीयि सुत्य पूज़ करयो राधा कृष्ण कृष्ण कृष्ण परयो ।  
शिवरायि हुंद ह्युव म्यव आपरयो माल कस्य माल हो करयो । ।  
त्रियि वॅर्य वॅर्य छुख न्यस्लीफ़य बाल ब्रह्मचॉर्य आश्चर्य रूपुय ।  
यिथि नावु यिछि जमनायि तरयो माल कस्य माल हो करयो । ।  
राधा कृष्ण कर अथुवासुय ह्यथ शुकदीव नारुद तु व्यासुय ।  
खेल रासुय सुय द्यान दरयो माल कस्य माल हो करयो । ।

1. हृदयस मंज ।

**221 व्यनथ**

व्यनथ बोजुम च राधाकृष्ण  
बरय लोला परय लीला  
चु छुख यूगुक ग्यानुक कुल  
चे लोब रोजुन जस्य मा बो  
चे छ्य पम्पोशु पादुच द्वय  
चु नय डेशथ हरय मा बो  
चु छुखना प्रान बो छस तन  
चु नय आसख मरय मा बो  
जलस मंज गाड जन छस बोय  
चे रोस्तुय व्वन्य दरय मा बो  
बो छस चे मेगवसनस मोर  
नचय लूकन खरय मा बो  
चे सरक्स<sup>1</sup> छस बो कमरी<sup>2</sup> जन  
छनय त्रॉविथ गरय मा बो  
चु छुख चंद्रमु ह्युव जोतन  
वुछ्थ नय अँछि जरय मा बो  
चे श्री कृष्णस बो छस प्रारान  
चे रोस्तुय व्वन्य बरय मा बो

लायय लोल नादा बो ।  
करय होहो करय होहो ।।  
बो छसना बावुकुय बुलबुल ।  
करय होहो करय होहो ।।  
वरुम छस बखुच बागुच्य हीय ।  
करय होहो करय होहो ।।  
सथा चॉनिय छ द्वन मिलुवन ।  
करय होहो करय होहो ।।  
बो छस चे सुत्य जल छुख चुय ।  
करय होहो करय होहो ।।  
वँटिथ छस खोर रासस मंज ।  
करय होहो करय होहो ।।  
करन छस बूल्य मँशिथ हनहन ।  
करय होहो करय होहो ।।  
ककव<sup>3</sup> जन छस चे कुन बोलन ।  
करय होहो करय होहो ।।  
दितम दर्शुन यितम लारान ।  
करय होहो करय होहो ।।

1. सर्व कुल; 2. कुकिल; 3. मादु ककुव ।

**222 श्री भगवान् संज तोता**

वाँसा मे गँयम ललनावान यथ कायाये ।  
ओर दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।  
अपुज पोज कूत वननोवुस गरिचि माये रंगा लँगिथ द्रास न्यर्मल वस्त्र मंजु हाये ।  
व्वन्य साफ करतम बडि दयालु बेपस्वाये ओर दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।  
मे छुमनु ननन आस कति व्वन्य गछ कथ शाये आवागमन छुम पतु ह्यवन पय वासनाये ।  
वेष्णार्पन यितु नितु पानस कुन म्यानि राये ओर दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।  
सिरियुक प्रकाश नोन छु रोटनस पननि छये छया छ काया सुत्य मिलुनाव न्यर्मायाये ।  
समसार ब्रॉती कास शाँती हुंदे व्वपाये ओर दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।  
त्रॉविथ मे गँयम प्यठ थॉविथ यिम ऑस्य साये छुस वँस्य प्योमुत तारि गोमुत मंजु लजाये ।  
छम चॉन्य सथ मंजु गटि अनतम गाश आशाये ओर दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।  
बुजर यिथ प्योम परक ज़नमुचि वँड<sup>1</sup> वुगराये<sup>2</sup> शाह पूर थवतम वुछ बजर ज़पु मालाये ।  
छुम यावनुक माल मंजु न्यर्वानचि बावनाये ओर दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।  
पँतिमि समये वारु नितम सुत्य शूबाये युथ यमुकें कर दूर चलन मंजु शिनि शाये ।  
बो आसु कृष्णस सुत्य मारन लोलनि ग्राये ओर दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।

1. पेशगी, एड्वांस; 2. वापस मंगुन (प्रान्यन ज़नमन हुंद पेशगी द्युतमुत दयाफल वापस मंगुन बापथ) ।



223 जीवन म्वक्त प्वश्न हुंघ लख्यन (व्वपदीश)

ठठि म्याने मूह न्यँद्रे मंज अँछ मुचुरजे  
रँच वनुसुय मंज कँरिजे तप देह मँशिरजे  
पँछ्यलाजि पॉठ्य खानुदॉरी मंज घन घन बँरिजे  
च्यत् फुरना बेहे पानय सत् स्वस्ना सोरिजे (1)  
वतु लरि हिशि पनुने लरि तय जायि ऑशिर्यजे  
पनुनिय बॉच लूक् हुंघ शुर्य तय बॉच गँजुर्यजे  
पनुन्यन काम्यन लूक् काम्यन हुंज प्रय बँरिजे  
च्यत् फुरना बेहे पानय सत् स्वस्ना सोरिजे (2)  
कथ गॉमुच पथकुन न जि मनु किन्य दॉयिर्यजे  
लूब ब्रमु किन्य अथु वँट्य-वँट्य नजि कँह सॉबुर्यजे  
तीवर वैरगु त्यागु सुत्य रगु द्वेशि निशि व्यसरिजे  
च्यत् फुरना बेहे पानय सत् स्वस्ना सोरिजे (3)  
सँन्यासु व्रँच हुंद सामानु वुरिजे वथुर्यजे  
वुलट हलुच अंतकालुच तुलत्राव ऑशिर्यजे  
प्रारब्दस प्यठ त्रॉविथ देह जिंदय मँरिजे  
च्यत् फुरना बेहे पानय सत् स्वस्ना सोरिजे (4)  
प्रथ कॉसि हुंद स्वख तय द्वख च्यतु पानस बँरिजे  
मंगुवन्यन दातु बँनिथ अन्न दनु बॉगुर्यजे  
नजि च्चे कांछ खँरिजे नजि चुय कॉसि खँरिजे  
च्यत् फुरना बेहे पानय सत् स्वस्ना सोरिजे (5)  
समसारु ब्रम बॉज्यगारस बाजि फुटज्यन फँरिजे  
बॉज्य तस बेहि पॉन्य पानय शुर्य गिंदुनाह कँरिजे  
फीस्थि तस मन थयर करनुक मंत्र पँरिजे  
च्यत् फुरना बेहे पानय सत् स्वस्ना सोरिजे (6)  
सत्संगुचे छटवारि क्यथ बवुसागुर तँरिजे  
सत् प्वश्न सीवायि किन्य चरनन अँछ जेरिजे  
च्यतु व्रतु न्यरुदुकिय<sup>1</sup> सतुकिय व्रतु दँरिजे  
च्यत् फुरना बेहे पानय सत् स्वस्ना सोरिजे (7)  
कांह शब्दा युथनु बोजख ह्यसुसान व्यसुर्यजे  
लूक् सभि मंज ईकांतुच शांत शक्ती वँरिजे  
त्रन कालन होशि प्यालन तुर्या मस फिरिजे  
च्यत् फुरना बेहे पानय सत् स्वस्ना सोरिजे (8)  
अहिंसा दर्मस प्यठ ठहरिजे दँरिजे  
साख्यवत रुजिथ दयायि सुत्य ह्योन द्युन कँरिजे  
मानु रोस्त सामानु पुस्थि संतोशु बानु गँरिजे  
च्यत् फुरना बेहे पानय सत् स्वस्ना सोरिजे (9)

प्रथ कौंसि प्यठ व्वपकारा शेहजारा कैरिजे  
पँछ्य पूजायि च्यत रंजनायि सुत्य बुमिगेन्य<sup>2</sup> हँरिजे  
प्रथ म्वखु किन्य श्री कृष्णस बावु बूग अपुरिजे  
च्यत् फुरना बेहे पानय सत् स्वरना सोरिजे (10)

1. च्यत प्यठ व्वथवन्य व्रैतियन हुंद बंद करुन; 2. बुमु न चारनि, बुरा न मानना ।

**224 आश्चर्यवत भगवान् अस्तुती**

मंजु नीलि माजय ताजु थोवथस यिच्छि रजु चाले ।

काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।

यि छुख तु ति छुख कुस छु दौयुम युस परजुनावे  
अँछन वुछुन चानि सुत्यन छु वुछन वाले  
प्रेयमु मस चोन यस तस प्रथ शुकस गाले  
ज्योति सौरुपस प्यठ पोंपूर ज़न पान गाले  
दिख ब्वदि यूगस ग्यान तम्युक पँज वथ हवे  
अद्रेशटी अदु पान अपान खाले तु वाले  
इंद्रेय शँथुर छिम मे च्वपर्य लायान चंजे  
होशिकि होशे होश दिम छुस गिंदान हले  
कतक् पोश ज़न देह आत्म युस व्यचारे  
तथ सुत्य मीलिथ देह द्रेशटी पानस गाले  
प्रेयम चोनय सोन च्चेनुन ह्योरकुन खारे  
प्यठ शिनि थानस चॉन्य दया पानय पाले  
दवा कर देह रूग ब्रमस कुस कस मारे  
कृष्णस तप ज़प ज़िम थव अच्यत ज़पु माले

आश्चर्य ज़ॉनिथ आश्चर्यस वुच्छि हवे ।  
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।  
फरज़ानु<sup>1</sup> मसतानु बनि ह्युवुय स्वख द्वख चाले ।  
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।  
च्यतुच फुरना शोमरावे शॉती दावे ।  
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।  
निशानस प्यठ वातुनावनस च्यथ थव मे डंजे ।  
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।  
द्वदस तु पॉनिस सुत्य रुज़िथ ब्योन ब्योन चारे ।  
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।  
स्वरुन त्रॉविथ नियि प्यठ शब्द दारे ।  
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।  
ह्वा ह्युव कर पकनाव प्यठ शमशेरि दारे ।  
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।

1. ग्यान यूगी; 2 कर्म यूगी ।

**225 संकट हस्तु बापथ प्रार्थना**

द्वर्गथ छ चलन व्वन्य छि गलन असि रूग सॉरी ।  
काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी ।।

द्वख छुख चु हसन तु आय शसन च़े समसॉरी प्रथ ख्वगु ख्वगय चानि दयायि अवतार दॉरी ।  
ज़न पॉलिथ राख्यस गॉलिथ मुसॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी ।।  
च़ेय पान वंदय गोविंदय आनंदु कंदय न्यखद्वंदु निस्पंदु नादु ब्यंदय ब्रह्म आनंदय ।  
मायायि फंदय मंजु म्वकलाव अंस्य देहदॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी ।।  
यितु पयि मंजय लयि क्याह सॉन्य दुनियादॉरी छ्य दयिगत चॉन्य ज़यि स्वस्त अथ लगुहोय पॉरी ।  
म्रेत्यंजय छुख असि बखशिन महामॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी ।।  
मन निथ चुय बास सानि कनि कर समसारदॉरी व्वदास थव दास रास खेलुन हाव च्वपॉरी ।  
मंजु गरि वनवास करुनाव असि स्वय गॅयि यॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी ।।  
छरि अतगतय कति पचन असि बापॉरी छिय वातुनस मंजु होशिवालयन निशि अंस्य चॉरी ।  
दयाल बॅनिथ पाल सॉनी अयाल बॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी ।।  
यिथि नाव मंजय शूब्या असि कर्जदॉरी फर्ज हूरिथ बनाव असि परव्वपकॉरी ।  
कर अनुग्रेह अन्न दनु दिथ कास असि लाचॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी ।।  
च़सन चॉन्य स्ट कट संकट मुकटदॉरी दिम बावुक पटु शाह ज़ेनन यमि बाज़ॉरी ।  
कास मूहन्य गट कृष्ण चंद्र चुय च्वपॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी ।।

226 अंतकालक्यन हलातन मदि नज़र म्वकजारु बापथ प्रार्थना

शंकरु लगुहोय पंकजु पादन  
 ही अमरीश्वर परमेश्वर हर  
 थफ करुनाव परमु शक्ति दामानस  
 पौरुनॉविथ अच्यत सामानस  
 म्रेति विज़ि सानि वासनायि वथरुन वठ  
 च्यत् रठ मूरछ खट चठ व्वचट  
 मन म्योन दर्पन ज़न छुय ज़ोतन  
 नूर सूर फशु सुत्य पानस ह्युव कर  
 आँखर छु पकनुय शिनि माँदानस  
 तकलीफ तति वाति कुनिसुय पानस  
 दिथ अबय वर मूह हर ज़य कर  
 प्रथ कुनि चीजुच वॉसि हुंज़ प्रय कास  
 लूबु पुछि यथ वॉसि रंगरंग वीश कॅर्य  
 मानु पुछि ताबे कमकम दीश कॅर्य  
 गीत ग्यवुनुय शूबि च़े भगवानस  
 कनुनुय गछिना कें ह ग्वनुवानस  
 वॉसि हुंघ सॉरी आँब गॉब करिहैम  
 म्रेति विज़ि च्यतसुय ह्यतकार करिहैम  
 कुस प्याव कुस ज़ाव कॅम्य कोड बोड नाव  
 कुस बोज़नु आव ओस वावुक वाव  
 नेशकाम कर्मु बूमि अनुग्रेह ब्योल ज़ेवि  
 कर्माँय करनुच मेहनत शूबुराव  
 ओरु योरु ज़ोरु मन म्योन दैरु म्वछि ह्यथ  
 त्रेश्नायि हुंज़ि ब्वछि त्रफती बखशिथ  
 पानस ह्युव कर मेति दिगम्बर  
 प्रकाश बनि आकाश वुरुनुय ह्यमु  
 लाकमि रोस्त च्यतुकुय गुर छुम  
 स्यँज वथ हॉविथ सुत्य पकनुनॉविथ  
 दिवथा अनुहॉम पालुवुन बनहॉम  
 दपुनम लूख अदु दय हो वेव्योस  
 आत्मु बोज़ नागु लयि प्रेयमु ज़ल वुज़नाव  
 शीतल शिव अँगु पाकुनाव बाँगराव  
 ओरु आयि वावु रिगाह योरुकुन गॉयि  
 कति प्यठु कुस आव येत्य ओस कोत गव  
 ब्वद म्यॉन्य वातिय यूर्य यूर्य  
 म्वक्तु लरि<sup>4</sup> हुंघ ह्यव चूर्युम पोरुय<sup>5</sup>

सान्यन अपरादन कर ख्यय ।  
 ज़य बोनुय ज़यज़य बोयनय । ।  
 निम पानस कुन छम चॉन्य प्रय ।  
 शिव न्यर्वानस मंज़ कर लय । ।  
 संकट कट चठ जीवतुक छूठ ।  
 यमु नठ कास बास म्रेत्यंज़य । ।  
 लँजमुच अथ चॉन्य सूस्त छ्य ।  
 कति रोज़्यस व्यवहारुच खय । ।  
 यथ कारखानस क्वसु शूब छ्य ।  
 पय दिथ ह्यव न्यर्नयिचिय नय । ।  
 गाल कालुन्य थर छम चॉन्य प्रय ।  
 पथकुन चुय योत बास बोड दय । ।  
 हॉसिल छेत्य केश<sup>2</sup> कॅर्य ह्यह्य ।  
 व्वन्य दितु शॉती ही न्यरामय । ।  
 मंज़ अग्यानस वॉयिम नय ।  
 अस्तस म्यॉनिस करि व्वदय । ।  
 यिछि जीवु दयायि बोयनय ज़य ।  
 कति बेह्यस गछु कति व्यसरय । ।  
 शिनि मंजु द्राव शिनिसुय मंज़ च़ाव ।  
 शॉती प्रावनाव गव मनोज़य । ।  
 पोपराव त्यागु वैरागु लागुनय ।  
 पथ थाव ग्रेहदशायि हुंघ स्य । ।  
 क्वछि क्यथ ललुनाविहिय म्यॉन्य प्रय ।  
 बवुसरु बोठ खार म्यॉन्य रुचु क्रय । ।  
 नंगु कर संगु दूशु निशि लगुह्य ।  
 वथरुनि कनि प्रेथ्वी वथरय । ।  
 नेशब्वद शुर छुम तस खँसिथुय ।  
 ठँहसॉविथ त्रावनावुन ह्य । ।  
 रायि मंज़ गनुहॉम बनु अबय ।  
 नतु किथु पॉठ्य गोस ज़्यत् इंद्रेय<sup>3</sup> । ।  
 श्वबु फल बागु नयि फिरुनाव पय ।  
 समु द्रेष्टु बावनायि अनुग्रेह वय । ।  
 यमि दयिगँचु हुंघ कुस आव पय ।  
 युथ ज़्यूठ मँज़िला कॅम्य कोर तय । ।  
 तोरय तोरय सोरुय चुय ।  
 तँत्य बसुनाव न्यथ च्यत् वंदुह्य । ।

चुय येलि बुय गोस योर कुस ब्याख ओस      कृष्णन ब्रम कोस देठ्योस दय ।  
चे पूसनस कुस प्रेदिख्यन दिथ हेकि      क्वसु पूज़ करु कम पोश लागय ।।  
जय बोनय ज़यज़य बोयनय ।।।

1. परेशाँनी; 2. सफेद वाल; 3. इंद्रिय जीनिथ; 4. मुक्ती द्वर ; 5. तुर्या अवस्था ।

**227 अस्तुती**

हमसु पखु छ्य ब्रह्म आकारो ।  
सत्संगुके जानावारो ।।  
श्रवनुकि मननुकि आदिकारो सतुके च्यतुके ह्यतुकारो ।  
न्यर्वासनु साख्यातकारो सत्संगुके जानावारो ।।  
वीदु वनुके चंदन दारो प्रथ कुनि सुत्य छुय शेहजारो ।  
शीतल थव मंज्र व्यवहारो सत्संगुके जानावारो ।।  
यूगु रजि गदि हुंदि ताजदारो साखिय रोट चोन दरबारो ।  
सर्वु स्वख दिवुनि सरकारो सत्संगुके जानावारो ।।  
युथ पजि त्युथ छुख शूबिदारो यूगु ग्यानु डबि खार वारो ।  
बावु लरि हुंदि शांती दारो सत्संगुके जानावारो ।।  
परजुनॉविथ सर्वु आकारो सर्वु आत्मु बावु व्यचारो ।  
प्रथ मतु किन्य च़ेय पतु लारो सत्संगुके जानावारो ।।  
लोच़राव देह ब्रमुके बारो कृष्णस कर गगनु आकारो ।  
वुफि सुय पेठ्य हमसुदारो सत्संगुके जानावारो ।।

228 वैरागस मुतलक

दँमी ड्यूठुम नब न्यथु नोनुये      दँमी पुस्थि अबरक् थान ।  
दँमी ड्यूठुम अनिगटि रातस      दँमी चँद्रमु गाह त्रावान ।।  
दँमी ड्यूठुम ल्वकटुय नेचुवाह      नेशब्द बालुका मूड अनजान ।  
दँमी ड्यूठुम पँडितन मंजबाग      मन निवुवुन दिवुवुन व्याख्यान ।।  
दँमी ड्यूठुम पोक तॉमीरा      ह्माम बंगालु ह्यथ डलान ।  
दँमी ड्यूठुम पथर प्योमुत      वॉरान ज़न गोमुत मॉदान ।।  
दँमी ड्यूठुम काया शूबान      गँडिथ गँहना अमि यमि सान ।  
दँमी ड्यूठुम पथर पेमुच      बेह्यस गॉमुच त्रॉविथ प्रान ।।  
दँमी ड्यूठुम कुल वुन्य फोलमुत      फुलुया लँजमुच तथ क्याह जान ।  
दँमी ड्यूठुम पोश बरु गॉमुत्य      बुलबुल चँलिमुत्य ब्रग बोलान ।।  
दँमी ड्यूठुम स्वंदरमाला      दँमी ड्यूठुमस होखमुत पान ।  
दोपमस कति छुय गँहनु तय यावुन      कति शुर्य बाँय बंद कति सामान ।।  
दोपमस नाव क्याह छुय ही त्रियी      दोपनम नावा ओसुम बाग्यवान ।  
वाव प्योम फँकिरँन्य ज़न छस बासान      प्रथ कुनि चीजू किन्य छस हँरान ।।  
दोपनम कृत्यन योनि छिम् छुनिमुत्य      कृत्याह छिम् कैर्यमुत्य कनिदान ।  
द्रामुत्य कृत्य ऑसिम रोजगास्स      कृत ऑसिम तिम कमुनावान ।।  
दोपमस थक् छुन यथ समसास्स      प्रावुन गव त्रावुन अबिमान ।  
दोपनम मनु किन्य स्वरुनुय त्रोवुम      कृष्णस होवुम करुनुय मान ।।



229 वैराग व्यचार शमस मुतलक

वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरुसुय मंज ।  
 सूहमु हमु वॉयिथ बोठ खॉरिथ वातनाव शॉती गरुसुय मंज । ।  
 कति आस कुस छुस कोत छुम गछुनुय गोमुत छुस आश्चरुसुय मंज ।  
 सत्ग्वन बखशिथ दीव प्रकरत दिम यिनु बनु राख्यस वरुसुय मंज । ।  
 वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरुसुय मंज । । ।  
 शिनि मंजु नीरिथ शिन्य गव सनुन अच्यत् चेनुन स्वरुसुय मंज ।  
 मूह मस चनु खोत ह्यसु व्यसरुनु खोत जान गछि रोजुन जरुसुय मंज । ।  
 वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरुसुय मंज । । ।  
 वॉरुस<sup>1</sup> नियतन दैरुस<sup>2</sup> दियतन दरिण खॉरुस<sup>3</sup> तु शरुसुय<sup>4</sup> मंज ।  
 व्यस्तु बाव वैच्यतन<sup>5</sup> मतु कच्यतन<sup>6</sup> दामन ख्वशकस तु तरुसुय मंज । ।  
 वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरुसुय मंज । । ।  
 मूर्खस वॅन्य वॅन्य कॅन्य पॅत्य गॅछ्यतन अॅन्य पाॅठ्य फटि व्वदरुसुय<sup>7</sup> मंज ।  
 मानि सुत्यु अविमान मद छुस प्रावुन व्यद<sup>8</sup> छुस स्यद आदरुसुय मंज । ।  
 वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरुसुय मंज । । ।  
 शिव-शक्ति रूपुक विवेक बॅनितन हरकत छ प्रकरत परुसुय मंज ।  
 अॅनीक ईक ज्ञानुन वैक बॅनितन च्यतु ब्रम छु मादस तु नरुसुय मंज । ।  
 वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरुसुय मंज । । ।  
 ऑलिम जॉलिम सुह पीड दिदि तस खोत आर बाॅर्य खरुसुय मंज ।  
 श्रवनुय बूजिथ ह्योन गछि ग्यवनुय नतु क्याह वाति मरु मरुसुय मंज । ।  
 वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरुसुय मंज । । ।  
 वासना नीरिथ फीरिथ अॅचिंतन लय गॅछितन ईश्वरुसुय मंज ।  
 कृष्णस वॅर्यतन अविमान हॅरितन मॅर्यतन च्यत् मंदरुसुय मंज ।  
 वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरुसुय मंज । । ।

1. वैर बाव, हसद; 2. दैर्य बाव ; 3. स्वखस; 4. द्वखस; 5. विस्तु बाव बॅडिन, वेशय बूग यछयि निशि दूर ; 6. मतु गॅछिन ओदुर, बदनाम, तर दामन; 7. समसारुस; 8. विधि ।

230 दर्शन बापथ प्रार्थना

संतु अज बसंत जोर गोख हॉविथ यी पज्या ।  
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छॉविथ यी पज्या ।।  
सब्ज मखमल वथुरावन तन छि हवन यासमन  
ग्वंचि फॅल्य फॅल्य असुनावन पान पॉरावन चमन ।  
जलवु हॉविथ मॅचुरॉविथ गोख त्रॉविथ यी पज्या  
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छॉविथ यी पज्या ।।  
अँछ वछ्य थॉविथ यँबुरजल चै वुछ्छि छ्य मंदुछ्न  
कीश छुय सोम्बुल गरुड छुय ब्रमु क्यन सरफन बुछ्न ।  
पोशनूलन बुलबुलन गोख तम्बुलॉविथ यी पज्या  
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छॉविथ यी पज्या ।।  
कुकिलव मोल बस्मु कोस्तूरयन दोपुख हर्शा बँस्वि  
कृष्णजुव यियि बेयि फीरिथ हीय थर्यन ग्वड बँस्वि ।  
अनुनॉविथ बेयि रोशुन मनुनॉविथ यी पज्या  
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छॉविथ यी पज्या ।।  
मोरमुकट दारुवन यियि गरुड्स खँसिथ तोह्य नँचिव  
सान हेनि<sup>1</sup> यियि जानवारन युथनु तोह्य आल्यन अँचिव ।  
शोगु बोलन तोह्य थँविव व्वन्य पान सॉविथ यी पज्या  
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छॉविथ यी पज्या ।।  
छपि छरस गूपियन सुत्य गिंदनस मंज नोन गछुन  
ग्वडु खटुन अदु डीशिथ बेयि मँशिथ वुन्य गछुन ।  
चँड दिथ अथस चलुन वथ रावुरॉविथ यी पज्या  
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छॉविथ यी पज्या ।।  
मंज जलस वालुन तु खालुन पान डेशुन न्यथुनोन  
तुरि अंदर ह्यथ चलुन वस्त्र गँरीबन मोज ह्योन ।  
नंगु डीशिथ पान खटुन मंदुछॉविथ यी पज्या  
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छॉविथ यी पज्या ।।  
कस छु ताकत कुस वँनिथ हेकि ओय ख्वश यी ती कौरुथ  
मंज ग्रेहसतस सोन रोजुन गोय चै ख्वश प्रथ कांह वौरुथ ।  
गोख सॉविथ न्यँद्रिहत्यन वुजुनॉविथ यी पज्या  
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छॉविथ यी पज्या ।।  
कृष्णस निशि सिर खँट्थि कथ वातुनॉविथ यी पज्या  
कोनु मसताना कौरुथ मस प्यालु चॉविथ यी पज्या ।  
मँस्तिथा दिचथस कमुय दाना बनॉविथ यी पज्या  
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छॉविथ यी पज्या ।।

1. मुआयनु करुन ।

231 आपदायव निशि बचनु बापथ प्रार्थना

रख आपदायव निशि गरि गरे	हरे दीनानाथ ।
चे रोस्त कुस असि रख्या करे	हरे दीनानाथ । ।
छुस तारि गोमुत पथर प्योमुत	सुत्य पननि कर्मु फलय
दया करतम वस्तम	मंज लेंबि पम्पोशा ज्ञन फवल्य ।
गृह्यबल कति मे निशि दरे	हरे दीनानाथ । ।
वाव छु वुज्जन नावा छ यीस्न	यमि बवुसरय छु वीस्न खोफ ।
यस चुय तास्ख सुय यथ तरे	हरे दीनानाथ । ।
शस्न आसय द्वख छुख चु हस्न	आवागमन ज्यूठ फिरन छुम ।
म्वकलाव व्वन्य आसय ब्रह्मन मरे	हरे दीनानाथ । ।
हॉकल वछ छम दार्यन तु बस्न	इंद्रेय चूसन डस्न छुस ।
न्यस्बय थवतम पननि गरे	हरे दीनानाथ । ।
अंदेर वॅछ छस गट सुतिय	अॅछ वॅट्य वॅट्य येति कुतिय बीठ्य ।
बर दारि वछ छम देहचि लरे	हरे दीनानाथ । ।
यारानु लॉगिथ छुस ठान	लगन कति छुस यिमव रोस्त ।
तिम छिम मे पलज्जन अट्ट कुस मे खरे	हरे दीनानाथ । ।
हॉसिल क्याह छुम थॅविथ पले <sup>1</sup>	लॅदिथ ल्वले <sup>2</sup> क्वसु शूब छम ।
त्युथ लदत युथ कौंसि कॅछ तरे	हरे दीनानाथ । ।
ऑसिथ पकि म्याँन्य दुनियादाँरी	पनुने गरजुक्य सॉरी छिम ।
नत कुस कॅमिसुंदि बापथ मरे	हरे दीनानाथ । ।
पथकुन चुय योत नेस्ख सारुय	ह्यसुसान पकि व्यवहारुय तस ।
सादन पादन युस अॅछि जरे	हरे दीनानाथ । ।
परमु शमस सुत्य सूह्मस	थॅविथ समागमस मंज ।
दमस मंज देह ब्रमस हरे	हरे दीनानाथ । ।
च्यत् सिरियस आनंदस सतस	सनम्वख शस्नागतस थाव ।
ग्यानु न्यँत्रन थव मु कॅह ठे	हरे दीनानाथ । ।
गरुड गॅज्जिस्थि प्यठ साया त्राव	यथ हमसुदास्स प्यठ वुफ्नाव ।
हमसु पखु दिथ च्यतचि चरे	हरे दीनानाथ । ।
पथ ब्रौठ कुस छुम छुस तारि गोमुत	पथर प्योमुत छुस दर्मु वीर ।
स्वखु आसन दिम मंज बांबरे	हरे दीनानाथ । ।
शस्न आसय संतन तु सादन	तिह्यन पादन छु जयजयकार ।
तिहदे सुत्य सोन ऑस्चर चे तरे	हरे दीनानाथ । ।
क्याह करु दूपस तु क्याह करु दीपस	चे ज्योति रूपस छुस आलवन ।
अहंकारुचि छरे नरे	हरे दीनानाथ । ।
छुस दानु छंडन मंज वालु वाशे	रुज्जिथ म्वखतुचि <sup>3</sup> आशे मंज ।
कड राजु हमसस मंज वालु बरे	हरे दीनानाथ । ।
इंद्राजु येलि गव यॅच मंज कूदस	रुदस लॅज कल्पांतुच दार ।

## Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

---

बॅचराव असि मंज कालनि थरे हरे दीनानाथ । ।  
मुश्क ह्यथ प्रेयमुचि पोशि थरे कृष्ण बुलबुल बॅनिथ द्राव ।  
बसंत दुशालु न्यथ चोन स्वरे हरे दीनानाथ । ।

1. बचॉविथ; 2. यँड मंज; 3. मुक्ति ।

**232 दर्शन बापथ प्रार्थना**

श्यामु स्वंदर सुबह ह्यथ यियि ।

दियि दर्शुन शामसुय ।।

राधिकायि हुंद बूज खेयि	शेछ्य गॅयि ब्रज गामसुय ।
मालु करि असि त्वलसी तु हीयि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
द्वद मॅदिथुय थोव मंज क्यि	ख्वश छि अॅमिसुंदिस दामसुय ।
प्रेयमु थॅन्य खेयि छ्वक् द्वद चेयि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
पाॅट्य वस्त्र वथरुन पेयि	ख्वश छि अथ आरामसुय ।
कलसुय प्यठ दुशालु हेयि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
गमु कमसस मारनि यियि	ह्यथ हलधर रामसुय ।
माजि मॉलिस काॅदु मंजु नियि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
गाह अॅम्यसुंद आंगनन पेयि	गच्छि च्यत् ह्यथ आमसुय ।
पूरना करि रूपस दियि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
प्रांन सान्यन शॅत्रन हेयि	शूब्यस युथ तामसुय ।
अथ ग्वनस सतग्वन वंदुन पेयि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
लूकन मंजु द्रॅठ कति यियि	प्यव खसुन प्यठ बामसुय ।
रस खेलनि कृष्णस नियि	दियि दर्शुन शामसुय ।।

**233 यितु गच्छि निशि म्वकलनु बापथ प्रार्थना**

म्वकलाव मंजु काँदखानय ।

ह्य दयावानय व्वलो ।।

वूनमुत छुम मे ज़ाला	म्वकलावि चोन अनुग्रेह ।
छुम ज़लर्यसुंद ह्युव निशानय	ह्य दयावानय व्वलो ।।
न्यथुननि सुंदि सायिबानय	छुस बु तापु तच्चि वुडरि मंज ।
त्राव रूदा आसमानय	ह्य दयावानय व्वलो ।।
संगदिल छुस छुमनु बानय	बडि दयि करतम दया ।
बानु लदतम मानु सानय	ह्य दयावानय व्वलो ।।
प्रथ सोदा छु वानु वानय	गच्छि आसुन चोन बाव ।
अदु मेलि पूरु परमानय	ह्य दयावानय व्वलो ।।
छुम स्यवह बोड कास्खानय	अंद वाति चानि प्रेयमु सुत्य ।
सत्य दीवु सत्य नारायणय	ह्य दयावानय व्वलो ।।
हीय बो लागय दानु दानय	द्वय चै छ्य राधायि हुंज ।
यी मंगय ती दिम चु पानय	ह्य दयावानय व्वलो ।।
सोम्बस्थि छुम सामानय	वति लागुन चैय तगिय ।
अदु प्राव आश्चर्यथानय	ह्य दयावानय व्वलो ।।
द्वारिका ज़न प्रथ मकानय	वुछ बनोवुथ कृष्णु चै ।
यि छि चाँन्य सोन छुस बहानय	ह्य दयावानय व्वलो ।।
छुख कुनिय रूपु भगवानय	द्वयथुय छुम बासान ।
त्रुबवन सुत्य अग्यानय	ह्य दयावानय व्वलो ।।

**234 मंद व्द्यूगुक इज़हर**

कस वेंनिथ ह्यक् आलच्युक हाल शोम्भू ।

न मे कोर तप न मे ज़प माल शोम्भू । ।

न मे तिछ बक्त करुहँ ब्रह्म व्यचार बूज़िथय छुम अन्न दनु माल शोम्भू प्रथ रंगु किन्थ बोड कर्म ह्यूनय छुस न मे देह दोर न मे याल चाल शोम्भू न मे तिछ ब्द करुहँ जान व्यवहार आसि मे ह्युव कुनि कांह खाल शोम्भू संतोशि वाल्यन मंज़ बोड ख्वदरा छुस किथु पॉठ्य पकि म्योन अयाल शोम्भू मे मूर्खस पालक स्वय गँयि कथ नाव छुयना दीनु दयाल शोम्भू न मे तिछ बक्त यथ प्यठ च्यत् स्टहँ म्योन कस्तूत सोरुय छु जहल शोम्भू प्रारब्दस प्यठ युस दरि गव साद डलुहँस लोन गालुहँस काल शोम्भू बक्ति न्यँत्रन प्रज़लाव लाल शोम्भू बूगुनाव अनुग्रेहकुय साल शोम्भू बडि मानु आनंदु सतु च्यत सुतिय छेर गरु कर मालामाल शोम्भू	न मे तिछ शक्त करुहँ परव्वपकार । न मे कोर तप न मे ज़प माल शोम्भू । । सुत्य संगु दूशु अंगु दूशु चोनय छुस । न मे कोर तप न मे ज़प माल शोम्भू । । बजि गदि प्रावुहँ नेरुहँ सरबार । न मे कोर तप न मे ज़प माल शोम्भू । । ह्यकनस क्युत बोड कमज़ोरा छुस । न मे कोर तप न मे ज़प माल शोम्भू । । मे अँन्यसुय हवख न्यवरँच वथ । न मे कोर तप न मे ज़प माल शोम्भू । । पान खटुहँ वासनायन चटुहँ । न मे कोर तप न मे ज़प माल शोम्भू । । युसनु दरि च्युय टेठुहँस गव प्रसाद । न मे कोर तप न मे ज़प माल शोम्भू । । दातु बन बर शक्तिपातु थाल शोम्भू । न मे कोर तप न मे ज़प माल शोम्भू । । मे कृष्णस अनुग्रेह द्रेशटि सुतिय । न मे कोर तप न मे ज़प माल शोम्भू । ।
---	--

**235 भगवानस कुन बक्ती बँरुच शकायत तु प्रार्थना**

दीवु द्रेश्ट असि प्यठ कोनु छुख त्रावन ।  
 दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 परमुदामु गदि कोनु छुख बेहनावन शौंती कोनु प्रावुनावन छुख ।  
 च्यत् फुरना कोनु छुख शोमरावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 जीवतुच बाम्बुर छुख पतु थावन कोचि कोचि क्याजि फिरुनावन छुख ।  
 केह छुयना छुख असि बेछुनावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 मूर्खन हुंजु पामु छुख बोजुनावन शाहरु गामु व्वट तुलुनावन छुख ।  
 न्यर्वासन आसन छुखनु दावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 वादु थॅव्य थॅव्य क्याजि छुख प्रारुनावन छ्वचरुय कोनु पूरुनावन छुख ।  
 सादु नावस क्याजि छुख मंदुछवन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 ब्रमु न्यँद्रे मंजु क्याजि छुख सावन मूह मस क्याजि चावुनावन छुख ।  
 च्यत् जेरि सुत्य कोनु छुख वुजुनावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 आवागवन क्याजि छुख मॅशरावन पशि बावु क्याजि पशुनावन छुख ।  
 समसारु यशुकुय नशु छुख चावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 नेशकाम जामु कोनु छुख पौरावन रामु रामु कोनु करुनावन छुख ।  
 श्यामु रूपु दान कोनु छुख स्वरुनावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 बसंतु जोरु कोनु छुख न्यथ हवन च्यत् बाग कोनु फोलरावन छुख ।  
 दरदु थरि<sup>1</sup> बरु करुमिचु हरदु वावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 ब्रह्मन जनमस ग्वडु अनुनावन पतु क्याजि वथ रावुरावन छुख ।  
 सतु सुमसन कोनु छुख फिरुनावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 ग्वडु छुख वेशय बूग व्वपदावन सानि म्वखु तिम बूगुनावन छुख ।  
 पतु छुख अथु हँविथ निवुनावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 पानस सुत्य कोनु छुख मिलुनावन द्वैतु बाव कोनु छलुनावन छुख ।  
 व्यवहारु ह्यस कोनु छुख व्यसरावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 असि कोनु चौर्य फ्यौर्य छुख गँजरावन क्वबजा कोनु याद पावन छुख ।  
 हँज बक्तु सॉन्य छुखनु स्यँजु बनावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 कर्म बूमि सानि छुख ब्योल जीवरावन अनुग्रैह सुत्य पोपरावन छुख ।  
 बूगु यूगु त्रफती कोनु छुख दावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 पोशुनूलस कुन यी वोन कावन म्यॉन्य हिश तन कोनु प्रावन छुख ।  
 साफ सपनुस देह न्यथ छुस नावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 यी हल सोन छुय छिय गँजरावन मतु वुछ्तु सान्यन ग्रावन कुन ।  
 त्रेशवय मल<sup>2</sup> छुख चुय छलुनावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।  
 वेशु रूपु दर्शुन कोनु छुख हवन बोजु जसुदा मँचरावन छुख ।  
 श्री कृष्ण आँस कोनु छुख मुचरावन दयुगथ नॅन्य कोनु हवन छुख ।।

1. बक्ती रूपु पोशव लँदिथ थरि (लंजि); 2. त्रैमल - दैविक, देहिक तु मानसिक (अधिभौविक, अधिदैविक, अध्यत्मिक) ।।



**236 बीखू बॅनिथ पननि कमजूरी हुंद इज़हर तु भगवानस कुन व्यनथ**

बेख्यायि अँस्य द्राय आय च़ेय निशि दयावानय ।  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय । ।  
अलख बोलन छुस न्यँबर्य किन्य कॅर्य कॅर्य बहानय  
अँदुर्य छुस छेच निमु क्याह येति दर्मुदानय ।  
छ्य हरकत चॉन्य बरकत सॉन्य ही शक्तिमानय  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय । ।  
यथ तावुननिस बाज़रस मंज़ छुस दस्त तंगुय  
खँरीदारा मेल्यमना खसिहेम रंगुय ।  
छिम जोर शालस<sup>1</sup> बावु फरुवन्य<sup>2</sup> वानु वानय  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय । ।  
वुछ सॉलाबाह कतर कतरस मीलिथ पकानय  
वुछ अंबार गलुकुय सोम्बरिथ दानुदानय ।  
वुछ समसारा ब्रमुय योत अमि यमि सानय  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय । ।  
पथ ब्रॉठ कुस छुय पानु म्याने ह नानुदानय  
पथर प्योमुत प्रेथ्वी प्यठ छुख आसमानय ।  
पानय तुलिय थोद बवु संतापुक सायिबानय  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय । ।  
चूरस यिथु प्यव चंदुचूर मंज़ शिनि थानय  
नफसस लूटनि लूब लोग लॉगिथ यारनय ।  
बोलिय तस सज़ा रज़ु यूगुय बूग काँदखानय  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय । ।  
सतुच शॉती छ्य सतुच थ्यत सुत्य ग्यानय  
ती सार छुय मंज़ तपु ज़पु तु यूगु तु द्यानय ।  
नोन पॉरि पानय शिव न्यर्वानुक सामानय  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय । ।  
समसारु यशन मूह मस चथ कॅर्य देवानय  
यिम पेयि पायस तिमन नाव प्यव फरज़ानय<sup>3</sup> ।  
पानय तिमन गछि मूह मदुक जिन तानु तानय  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय । ।  
शब्दस अँछ कर अदु वुछ्ख तीजूक चु थानय<sup>4</sup>  
तीजूक तीज़ा तीजू मंज़य ह तीजूवानय ।  
तीजूक खार तीजू मंज़ु ह्यथ चु तीजू जॉपानय  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय । ।  
ह गुर ह गुर कर मु लगख हगरुचि छये<sup>5</sup>  
ह गुर यी बोल ओल चोनुय छु मंज़ शिनि थानय ।

पान वुफुनाव हगरुच हस्कत छुख पॉन्यपानय  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय ।।  
स्टुहॉन मूहुन चूर पूर गछ्तम दूर अग्यानय  
दयु दनु लबुहॉन पूर गछ्तम दूर अग्यानय ।  
फेरिय नु बावुय नेरिय क्याह मंज अबिमानय  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय ।।  
लूकन हुंज ज्यव दयुगॅच हुंद नकाखानय  
तिम छिस ग्यवान गीत कृष्ण अँस्य अँस्य छु वदानय ।  
नेशब्द शुसिस थाव जगत अम्बा प्यठ दामानय  
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय ।।

1. पवित्र संत शेरिकिस वोजूदस; 2. न्यंदक, बक्तिहीन; 3। ग्यानी; 4. ग्यान द्रेश्टी सुत्य वुछ शब्द दारायि पानस अंदर पतु गछिय ज्योति सौरूपुक दर्शुन, हरनिगर्बुक ग्यान गछिय हॉसिल ; 5. गुरु -गुरु कसनु सुत्य लगख हगरुक्य पॉठ्य चॅक्रस - समसारु बंदनन मंज रुज्जिथ लगख यितु गछि, यि समसार छुयनु चोन गुरु , चोन गुरु (ओल) छुय शिनाहस मंज ।

**237 शोम्भूजियस कुन आवागवनुक इज्जर**

छुय बांडु जेशना चानि मायायि हुंद कास्खानय ।  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
यि सोरुय छुय चानि यछयि हुंद शॉदियानय  
यि सोरुय छुय म्यानि मूहुक ब्रमुक निशानय ।  
यि सोरुय छुय सांग लागुन नफसुन बहानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
तमाशु वुछन छुख चु आसन सुत्य ह्यथ आमय  
पॉथुर चानन छुस बो मेल्यमना यनामय ।  
यनाम दुन गव चोन बखशुन आश्चर्य थानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
गोखय ख्वश दिम बख्शॉयिश दयावानय  
गोखनय ख्वश कड जेशनु मंजु पॉथुर बेह पानय ।  
द्वशवय कथु छ्य म्यानि मूखी हुंद सामानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
अख मसखरा चाव पॉथरुस मंजु कमि तान्य म्वखय  
चात्यन चपॉच मुशत मुकालि ल्यक् तु थ्वकय ।  
कोडुर कमचि कुरु चुमचि चॅप्य तॉजियानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
ताजा लॉगिथ राजा आव दीनु दर्मु दानय  
बड्यन राजन सुत्य करनि लोग मानमानय ।  
तिथय बेछनि लोग तुलिथ थोद दामानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
शिकारगाह पॉथरुस मंजु चाव हवन ज़ोरुय  
शेरुन मारुन शाल वुछ्थि त्रावन छेरुय ।  
मंजु मिनि मर्यन हंगुलाह आव नयसतानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
छवुल्य दास लॉगिथ आव कलु गिलुवानय  
थ्यक्नावन कोम क्वल कॅबीलु छुस खानुदानय ।  
पॉजार ख्यथ लोगुन मूर्खन सुत्य यारानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
जॅतह गॅड्थि हमुतुलिस छुम सायबानय  
रख्तु पोद मोनुन तख्त सुलेमानय ।  
वेदह मॉनिथ लोरि खॅसिथ थकान रानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
दमालि फॅकीर आयि सूरु मॅलिथ पानस  
यथ समसारुस थ्वक् छुनन ज़न आसमानस ।

पखांडु पॉथुर लॉगिथ चाय सुत्य अबिमानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
मकार<sup>२</sup> आव अँछ वटन तु मुचरवन  
गॉबी<sup>३</sup> खबरु बोजुनावन शुर्य मँचरवन ।  
मँस्ती ह्यवन हल बावन छुस मसतानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
गरा बँनिथ मोल माँजी रखन शुर्य  
गरा बँनिथ चोल च्रॉजी दासन मुर्य ।  
गरा बँनिथ क्राल क्रॉजी थुरान बानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
मेथ्या जॉनिथ ठु मॉनिथ तोति छि डलन  
मोजा ह्यवन पीर-अँमीर<sup>४</sup> अलन अलन ।  
मसखरु चाटन क्युत हाटन हुंद दस्स खानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
लॉगिथ वांदर पँज्य पॉथुर राख्यस माँरी  
चाने असनु बापत असि कम वेश दाँरी ।  
लचे लॉगिथ रूसकचे ज़न माँदानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
छुम पहा पलवा ओनमुत छुस वलन तु खोलन  
छोट ज्यूठ गछन छुमनु शूबन छुस कूत वोलन ।  
दिम बखशाँयिश यिम वलन छुख तिम सामानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
पँरी फोजा आय जिन ह्यथ पँस्सितानय  
अख मसखरा वोथ मसखरस कुन व्वथ पँहलवानय ।  
पँरी फोजस म्वकलाव कड जिन तानु तानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
इस बाग-ए दुनिया में नहीं है अब शर्म की बू  
अरे राजा रंग बदला है फूलों फलों को ।  
युथ दरजु पॉथुर छुय बनावान मर्दन ज़नानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
टखाज़ आवे अपने बब को राजा कहावे  
परचा वथरिथ न्यँदुर त्रावे फर्श हावे ।  
कख का प्रतीत नहीं मान को है लख लख खज़ानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।  
ताँयफु दासन सुत्य आरम ह्यथ हक पजे  
ज़चि माज़चन सुत्य करान कथु अडुकजे ।  
सब्ज़ी कुनन ज़चि फिरुनावन वानुवानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।

गर्म मसालु व्वडि प्यठ ह्यथ कोचन फेरु  
सुत्य काचु गॅरिन्य काचु बुंगरि कुननि नेरु ।  
हरुन सोम्बस्थि पॉसु बनन पॉसन आनय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।  
हापुथ सुत्य ह्योन पॅज्यवात्यन ज़्यादु छुय लूबय  
मेथ्या ब्रमस मंज़ सुत्य थवुन होस्त क्वसु शूबय ।  
हॉसिल क्याह छुय छवुल सुत्य ह्योन नादानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।  
छुस खार बॅनिथ गिलुनावन दमबस्तु थीरु  
स्वनुर बॅनिथ बाँज्य तारुन पीरुन अँमीरु ।  
होट ऑस ह्वखन फ्वख दीदी ग़वख न्यंगलानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।  
दँसिल कारुस मंज़ व्वसता छुख छुय नु जोरुय  
कमकम मंदोरि छुक लदन प्रथ पोरु पोरुय ।  
कमकम तॉमीर छुख बनावन गाटलि छनय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।  
पतव लाकँन्य च़कजि किन्य नेरिय व्वसतॉदी  
जँमीनदॉरी मंज़ करुन्य छ्य नव-आबाँदी ।  
बंजर पुटुन्य कँड्य च़टुन्य छिय पँहलवानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।  
छुय दीवु अँगुन होशि किन्य वॉतिथ च़्वपूरिय  
बोड बलुवीरु हाजतव कोरुमुत कमजोरुय ।  
व्वतम प्वरशा मूर्ख दारुयन प्यठ प्रारुनय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।  
छुय डाकटर बॅन्य बॅन्य बॅचरुवन ब्यमारुय  
हरुन देहुक द्रख तु करुन पस्-व्वपकारुय ।  
दवा करुन दॉदलदन शफाखानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।  
छुस रंगु रंगय रज़न कित्य पोश वातुनावन  
यनामु दिथ छिम ख्वश गॅछिथ यी बोजुनावन ।  
यिथय पॉठ्यन ऑसिज़ि यिवन न्यथ बागवानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।  
छुस वाज़ु बॅनिथ रज़ुदारुन रुनन तु प्यवन  
तिम छिम गछुन ख्वश मीठ्य बूज़न ख्यवन तु चवन ।  
तनख्वाह दिवन जॅट-पॅट सुवुन्य पॉन्य पानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।  
पॉथुर ज़ानन तीत्य छुस यथ छ्यन छुनु आसन  
मूह सेंदि फटुन छुम तिमन हुंद पानस मे बासन ।

ह्यथ म्वखतु खसन ओश मे वसन छुम दानुदानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय ।।  
तिथ्य स्वर<sup>१</sup> वज़न छ तिष्ठ स्वरनय<sup>६</sup> त नकास्य  
यथ स्वर<sup>७</sup> नु रुज़िथ सुर तु असुर छिय व्यसरानय ।  
कमकम बोज़नवॉल्य गॉमृत्य छि अति देवानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय ।।  
ही रजु यूगकि रजु सर्वु शक्तिमानय  
मे कृष्णस क्युत मुच्रस्थि दातु कलमदानय ।  
यनामु कनि दिम मूख्य प्रदानय  
छुय बांडु जेशना चानि मायायि हुंद कास्खानय  
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय ।।

1. टेट, गुर ; 2. सॉद मकार ; 3. यमिच्य नु खबर आसि; 4. बुजुर्ग लूख; 5. आवाज़; 6. मुखली; 7. ह्यस, होश ।

238 कस्तूतन हुंद इज्जर त म्वक्ती मंगनुच प्रार्थना

तारि छुस गोमुत तार दिम बवुसर ।

शंकरु यियनय आर म्योनय ।।

यावुन ह्यथ गोख यिथ प्योख बुजर	सोपुवत ओस ल्वकचार म्योनय ।
न्यथ हाव शिव रूप मंज च्यत् मंदर	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
माया जाल वठ रठ चठ अकि दर	लबि कनि थव परिवार म्योनय ।
अंतरम्वख रोज स्वख बर द्वख हर	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
वाँसगु मछु जोर सुत्य त्यागु खंजरु	देह अबिमान मद मार म्योनय ।
जिंदु थव वाँसि सुत्य स्यजरु पजरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
वासनायि म्यानि मंज बस प्रकरुपरु	पछि स्वस्त थव आचार म्योनय ।
लछि प्यठ प्योमुत छुस करतम खरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
क्याह करु सारिय वाँसि कोर मे गरु गरु	कस अँकिस वोत व्वपकार म्योनय ।
नशुनकि वेलु पशुनुय बेयि अरुसरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
वासनायि अस्खोलस करुनाव अरु	चंदुन कर दिवदार म्योनय ।
यॉर ह्युव सब्ज कर अदु वंदस दरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
अनुदातु ज्ञानु मंजु ख्यनु चनु व्वदरु	सुय आहार पूर्ण व्यचार म्योनय ।
अस्त्वत चे कुन करु शाँती श्रुख परु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
सासुबजु वुलटु रायि कोह जन गँयि खरु	गासु कचि ह्युव व्यसतार म्योनय ।
दय छुख लय कर न्यसनय नयि स्वरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
पराक जनमुच खंड्युय आयि गँयि खरु	अति क्याह पकि गाटजार म्योनय ।
थोद तुलतु पथर प्योमुत प्यठ थरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
प्रारब्द फल बूगनुय छुम तु क्याह करु	पोत फेसनस छुनु वार म्योनय ।
प्रानि वाँरु मंजु कड नवि दैरु सुत्य दरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
दोह आयि छेह दिथ अँदरु न्यँबरु	अजु ननि कुस आसि यार म्योनय ।
परुदु थव क्वंगु पोश हरुदु कति गछि बरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
छ्योटु तु श्रुचु मतु वूछुतु अछुतु म्योनय गरु	शिवलूक ह्युव बनि दार म्योनय ।
यमुदूत खोचन सुत्य अबयु वरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
छ्यँटु वासना म्यॉन्य छल न्यरुमल सरु	कामु कूद चमार मार म्योनय ।
ब्यलुपँतरु सुत्य वातुजु जन वरु हरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
व्यचँत्रु पूजु च्यतु न्यँत्रु कमलु करु	इंद्रेय शँत्रु रूगु हरु म्योनय ।
ब्यलुपँतरु सुत्य प्रदानु कस्नीश्वरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
पाद थँक्य पँक्य पँक्य नाद करुतु अँदरु	खलवत बनि दरुबार म्योनय ।
जगतुचि रख्यायि हुंजु व्यनथा करु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
व्वपकारु सुत्य पनुनुय छुखु च व्वपरु	रुचि वति लगी रोजगार म्योनय ।
दातु नाव कडुनावतम जगत ईश्वरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।
गटि मंजु कमि जोरु लोत तरु संगरु	गगरायि खोतु गोबु बार म्योनय ।
मेघवर्णु तीजु दिम वुजुमलु जन तरु	शंकरु यियनय आर म्योनय ।।

अमर्यतु वर्शनु चानि गंगाधर  
 धर्म राजु शैहजार फिरि बडि आदर  
 ऊरुदु गथ<sup>1</sup> तिछ दिम युथ अदोगथ<sup>2</sup> हर  
 रेह ज़न गगनस खसनुक श्रेह बर  
 वदुनस मंज़ असनुकि म्वखु दान दर  
 दजुनस मंज़ शैहजार करु  
 प्रैयमु बागस मंज़ पान बरु अंबरु  
 अंतकालु हखु वावु सुत्य कति गछु बरु  
 प्रैत्यख बास चँदुकला शेखरु  
 दीवु देह प्रावनाव जीवु बाव थव मु ज़रु  
 थानु थानु पेट्य पेट्य ही वेशम्बरु  
 च्यनमात्र मोचराव ख्यनु मातरु  
 नवदार त्रोपसु पतु येलि व्यसरु  
 च्यत् जेनुनाव आश्चर्यकि आश्चरु  
 अनुग्रैह अनुकूट ही दयासागरु  
 कर्म ह्यून वर दयु गरुसुय छु लूट हरु  
 बक्ति बावु बाज़रुस मंज़ चानि आसरु  
 दीवलूक फलि फलि रटि हटि गंडि लरु  
 देह ब्रमु रूग छुम पननि सुत्यन खरु  
 चैय मकुं दु<sup>3</sup> वासना चरुनु कमलन जरु  
 बूत पृत पेशाच डीशिथ क्याज़ि डुरु  
 आवेश करतम वरतम महेश्वरु  
 कर्पूरगौसुम करणावतारु तरु  
 च्यत् फुरना बेहनाव न्यथ सत्गवरु  
 ज़्योन मरुन युन गछुन ब्रम ओस प्योस परु  
 गाश दिम च्यत् आकाश वुछु ज़रु ज़रु  
 कम कार करुन्य आस्य गम कास दम बरु  
 ही अगम्य अपारु ही दिगम्बरु हरु  
 लूक हुंज़ि ज़ैवि पुरनाव परातपरु  
 पुष्पदंतु आचार बन नंदकीश्वरु  
 सत्संगु रंग दिम रायि मूख्य बंग परु  
 येति तति शूब अन यिनु वति प्यठ मरु  
 अग्यानु काठ ज़ॉलिथ भस्माधरु  
 देह खेतसुस दुह कास बास भास्करु  
 च्यतु पीड कास नतु येति क्याह करु  
 ही इष्टु दीवु ब्रष्ट प्रकस्त थव म ज़रु  
 पाप ज़ाल अँगु तीजु सुत्य जवधरु  
 न्यवस्त दिम अँछ्य क्याज़ि लगनम दरु

दितु छ्यतु गछि नरकु नार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 ज्योति रूपु थव प्राकार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 यूगु ह्यसु थव व्यवहार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 फवलुनाव च्यत् सुफार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 कास अग्यान अंदुकार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 च्यत् ब्वद मन प्रान खार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 ब्रौठ शोमराव ती छु सार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 त्रफत कर बर गरुबार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 प्वखतु बाव प्रावि म्वखतुहार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 आवागवन आज़ार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 वेह कास्यख शैहजार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 बवुसरु द्युन चै मटि तार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 मूह गटि खोट आदिकार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 यार छ यि ब्रम समसार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 पुरनय महिमनापार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 द्यानु सुत्य प्रान संदार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 तीजु रूपु थव आकार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 भ्रैति विज़ि छंड ह्यतकार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।  
 च्यु छुख व्यँगु हस्तार म्योन्युय ।  
 शंकरु यियनय आर म्योन्युय । ।



शुर्य तु बॉच वुछ वुछ ओश त्रावन जर कुस वदुन स्यद करि कार म्योनय ।  
यिनु त्युथ मरु दानु निशि गछु व्यसमरु शंकरु यियनय आर म्योनय । ।  
वॉसि हुंद कस्तूत ब्रॉठु कनि गछि खरु म्रेति विज्जि ती न्यवार म्योनय ।  
मन निम परमु स्वख दिम परमेश्वरु शंकरु यियनय आर म्योनय । ।  
ही महेशु जगत ईशु विशेशु ईश्वरु छेतिकेशु<sup>4</sup> बोज़ ज़ारुपार म्योनय ।  
दीशु दीशु फिर मु वातुनाव पनुनुय गरु शंकरु यियनय आर म्योनय । ।  
मूह मस चथ छुस दूशुलद फिर मे स्वरु आशितोशु केंछ च़ु यार म्योनय ।  
कृष्णस मूख्य प्रावुनाव अमरीश्वरु शंकरु यियनय आर म्योनय । ।

1. ऊर्द गति, मुक्ति; 2. अधोगति, समसार बंदन; 3. राजदान साँबुन श्री गुरु महाराज सुंद नाव; 4. सफेद मस, बुजर, बुजस्स मंज़; 5. इष्टदेव ।

239 दर्शन प्राप्ती खॉतर प्रार्थना

ॐ सत् च्यत् आनंदु गनु पूस्नु  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।

समसारु शुरुय बाजि मंजु क्यजि यिमु ह्यनु	मेथ्या ब्रमु सुत्य देह मानु सार ।
लोरि गुरु ह्युव मानु खसु पक् थक् छ्यनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
प्यत्रलूक् सान चानि अनुग्रेह अन्न कनु	त्रप्त बनु प्रावु आत्मु व्यचार ।
अन्न ज़न ब्योन नेरु मंजु तोहु कनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
बूग बासुनाव गासु ज़न मंजु ख्यनु चनु	द्वद ज़न व्वपदाव ब्रह्मु व्यचार ।
सर्वु व्वपनिशदु वीदु कामदीनि हुंदि थनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
अंतकालचि ज़ालु छ्म ह्यसु व्यसरु	गोपालु डलु दिथ मतु चलतम ।
कामुदीनि हुंदि पासु मनु बिंदराबनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
देह मद कासु म्यानि मानि दुर्योधनु	पांचवय प्राण म्यॉन्थ पांच पांड्व ।
तिम छि प्रथ कांसि मंजु दर्मु निशि गछ मु छ्यनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
शांती बाव प्रावुनाव प्रथ ख्यनु ख्यनु	त्रावुनाव गुरुबारुच ममता ।
अर्पन गछ्छेय तनु मनु अन्न दनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
पूर्नु अंत चोन ज़ानु कमि प्रेदिख्यनु	च्यत् बेहनाव दिथ ब्रह्मु व्यचार ।
इंद्रय पोशि पूजि हुंदि व्यनती व्यनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
मेछर बांगरावु चानि बावु बागु अनु	कउनावु होशि पोशन व्यवहार ।
व्रंच माछ तुलरे जीवतुकि माछ गनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
चानि प्रेयमु बागुच यंबुरज़ल बनु	अँछ टँटि रेस्त वुछु चोन श्यामु रूप ।
बोम्बस्स कुन बोम्बूरु गीता वनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
जयजय बोयनय दीवकी नंदनु	लय कर मन म्योन पानस सुत्य ।
बक्तुवत्सलु बक्तु दिम बक्ताह ननु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
प्रथ कांह बूल्य ज़ानु सुत्य चानि ज़ाननु	सुय ज़ानुन गव पनुनुय पान ।
ज़ान गँथि ग्यान प्रावुनावुन हनु वनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
श्यामु रूपु मंजु परमु दामु बिंदराबनु	मनु मथरायि यितु मनुनाँविथ ।
पान वंदुह्येय नंदुगूर्यनि नंदनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
आत्मा रामु यितु नेशकामु तपुवनु	ब्रह्मु नेशवयि हुंजि अज्योद्यायि मंजु ।
म्वख हाव परमु स्वख प्रावु चानि दर्शनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
जीवु पनपोँपूर यनु फ्यूर पनुपनु	तनु प्यठु तँम्य कति लोलु ओलु यूर ।
थ्यथ प्रावु चानि बखुच हुंदि पोशि वर्शनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
कुल्य दँदरा ज़न सुत्य आपु छंङनि	बाल बचु करनुय छिम् व्वदास ।
त्युथ लदतम युथनु फीर्य फीर्य ज़्यादु छ्यनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
कामनायि गनुकाचि <sup>1</sup> कूदु निशि दितु प्यनु	लूब पुछि क्यजि दियि पँखियन खीद <sup>2</sup> ।
जानवार ज़ाननुक हम्सु बूल्य बोजु कनु	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
मदु गुह्य रँजिस खोफ ख्वर त्रावनु	ब्याख ख्वर त्रावु व्वडि मा दस्ती ।
यिथि देहु मदु निशि रछ्तु मधुसूदनय	नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।

सततुता जन बन लूब तौति कूत खनु  
यिथि जेननुच प्रय सादु संतु कर छेनि  
पोत्रु म्यंत्र चरि बचि आलि मंजु दिम म प्यनु  
वौसि वुफुनाव असि सुत्य ह्यथ सत् ग्वनु  
राजु हम्सस सुत्य क्वसु मान कर वनु  
सत् ग्वन दिथ मे कर संतु सादु लख्यनु  
शक्ति नाथु लॅर सॉन्य लद हनु वनु  
शक्तिपातु चानि खाम ऑसिथ प्वखतु बन  
बखुच्च कुकिला वाल्मीकु रामायनु  
मोर मुकट दारुवनि गरुडसनु  
सत् संगु रंगु बुलबुलु च्यत् चेननु  
रागु फंबुसीर ब्रौठ नेरि त्यागु बागु<sup>4</sup> बन  
प्रवरॅच्च पींचुकानि अलड्लु ख्यनुख्यनु  
शांत लंजि बेहनाव नेशकलु न्यरग्वनु  
बखुच्च हुंद कोस्तूर सामवीद गायनु  
दॅदरि ह्यथ जानावार जल यिन व्वलसनु  
मनना करुनाव युथ तॅथ्य मंजु सनु  
वावु मंजु कमु डून्य ग्रावु<sup>6</sup> बोजु कावु कनु  
वुल्टु संकल्पु रतुम्वगलस मंजु मनु  
आत्मु सिरियि चमकाव प्रथ रॅच्च दनु दनु  
लूबु गौठ सॉन्य कम डोरुकानि<sup>7</sup> खोतु छु  
जीवु दया बखुशुस मंजु ख्यनु चनु  
शिनि वौदी रतुकृल अनिरुकि ग्वनु  
ईकांत सीवनाव च्यत् सिरियि प्रजलनु  
वाक् कमरी सुत्य तत् पद् बोलनु  
सुत्य श्रवनु मननु ह्यथ निद्दयासनु  
रागु चुनिहंगस्स नखु पखु वायनु  
हटि सेतारु बूल्य ह्योर खारुनाव ब्वनु  
यनु प्यठु गोस सादु संतु पंथु निशि छ्यनु  
कृष्णु निम तोत सुत्य पननि आकश्शनु

अनु दनु अनु करु खानुदौरी ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
सानि व्यवहारु ह्यरि दिथ समबाव ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
वीरुनायि हुंद्य पौठ्य बोति तीती ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
तथ कामि बक्ति बावु कॅतिजन लाग ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
तोतु बूल्य श्वकदीव जन बोलुनाव ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
होशि पोशिनूलस सुत्य वुफुनाव ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
फुस्नायि<sup>5</sup> हुंजि लचि सुत्य सौपनन ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
प्रेयमु स्वरु ग्यवुनाव गोविंद गीत ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
पोजु अपुजु बोजुन वनुन त्रावुनाव ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
स्वप्रकाशु ह्यव वुफुनुय मॅशरव ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
हमसायि पुछि रतु दनु छ फेरान ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
गाशदार जानवरु छु अॅन्य मानन ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
निवुनाव सर्वु पॅखियन मंजु जीत ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
ह्यरु वातुजु जन ग्यवुनाव गीत ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।  
तनु प्यठु छुस मनु किन्य व्वदास ।  
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ ॥ ।

1. मादु गौठ ; 2. कष्ट ; 3. अख जानावार; 4. भाग-त्याग लक्षणा, लक्षणा छ त्रेयि कस्मु : भाग लक्षणा (जहति), त्याग लक्षणा (अजहति) बैयि भाग-त्याग लक्षणा (जहताजहति); 5. चॅच्यल, चॅच्यलता; 6. फोजुल शकायत; 7. मादु रतु म्वगुल ।

240 वैराग व्वपदीश

छ्य क्याह प्रावुन यमि समसार्य ।  
कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।  
वज्रख कोताह छ्वच्चि सेतार्य छैनिय मा कांह तार ।  
स्व मा मेलिय ख्वटि बाजार्य कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।  
यमि बुजर यावनु त्वकचार्य दयु नावुय योत सार ।  
प्रावख सुय सुत्य सत् व्यचार्य कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।  
यश थ्यकनोवुथ सुत्य अंदुकार्य बो छुस दुनियादार ।  
यिथि छ्वटि होसलु ख्वटि व्यवहार्य कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।  
वीर दजि चाने मदु फुकार्य छ्य नॅन्य यमु तलवार ।  
कमकम बलवीर अॅम्य कैर्य मार्य कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।  
बोजवान बैनियन हुंदि बाजार्य कति पकनय खोट्य द्वार ।  
दयु दनु जेन सुत्य च्यत् सुफार्य कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।  
व्वतपत सपनुक मंज राजु दार्य नखु पखु छ्य शूबिदार ।  
थ्यत् प्राव पान वुफुनाव जानावार्य कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।  
अॅदुर्य वखनुथ गर्ब आजार्य करुहॅ परव्वपकार ।  
न्यबर नीस्थि क्याह गोय यार्य कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।  
युन गछुन ज्ञान ब्रम बाँज्यगार्य यी स्वर बारमबार ।  
पॅछ्य लाजि पाँठ्य कड यिम दोह तार्य कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।  
करजस हूस्थि कर्जदार्य पतु कति रोजिय लार ।  
न्यराश रोज मंज ह्यनु दिनु वार्य कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।  
कृष्णस कस्नाव साख्यातकार्य संतन सुत्य दस्वार ।  
न्यथ थवतस व्रत ब्रह्म आकार्य कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।

**241 दर्शन बापथ लीला**

यित मे निशि दर्शुन दित शोम्भु पानस सुत्य नित छुस प्रारान ।  
ख्यय कर पापन म्रैत्यनजय छुख जयजय चान्यन श्वबु कारन । ।  
गोर नरकाह नरकव निशि म्वकलाव चुय छुख बवु सागरु तारन ।  
पोत्रु म्यँत्रु त्रियि हुंज कलना छ्म स्वय छुख विवेक दिथ हारन । ।  
थजुरय प्यठ प्योस सनिस्स मंज गोस छुख पथर पेमुत्य बोठ खारन ।  
स्वखु म्वखु बासुम सर्वु द्वख कासुम ब्रमु म्वख होवुम समसारन । ।  
हुशियार औसिथ समुयन सोवुस कूत मंदुछेवुस व्यवहारन ।  
कम छ्यपु दोवुस कूत वदुनोवुस अदु कोनु छुख अवतार दारन । ।  
रागु द्वेशि राख्यस छ्मि पतु लारन रामु रूपु तिम कोनु मारन छुख ।  
कोम<sup>1</sup> छ्म गौमुच सुत्य बाँज्यगारन लोगमुत मंज दुनियादारन । ।  
येति चोन द्यान डलि पँक्य पँक्य पान थकि थ्वक् छुन यिथिनुय दरबारन ।  
यमि जेनुनु सुमरँच गाश गछि दर्मस नाश गछि मंजु दारन । ।  
पतु आसव पशतावन क्याह गव यस वरक सुय छु सत् व्यचारन ।  
दयाल चुय छुख असि सारिनुय पाल लौचराव संकल्पक्यन बारन । ।  
गमु बूत पृत कास अयालबारन लाचौरी म थव लाचारन ।  
अंतु कालचि जालु कृष्णस शोमराव दयु नावु सुत्य केँह छुख यारन । ।

1. काँम ।

**242 सन् 1979 - काल निशि बचन बापथ प्रार्थना**

काशी से कश्मीर मंडल में आइए ।  
गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।  
मनमोहन के साथ भोजन खाइए भक्तों को दीजिए ऐसी विशेष ।  
सब को दुर्भक्ष की नींद से जगाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।  
सब बाल गवाल गोपाल पाइए शेष गणेश ईश है ब्रह्मा महेश ।  
ब्रज बासियों का भक्ति योग गाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।  
मालिक होके सांग बनाइए मोहन माया से है निरलीश ।  
अहोत देके धूनी तपाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।  
जसुदा माई को विनती सुनाइए धारन करके जोगी वेश ।  
बेख्या कृष्ण दर्शन का मंगवाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।  
गोप गोपियों का हल बताइए उनको है भोग योग का उपदेश ।  
सारी सूरत का ध्यान लगाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।  
अपने भक्तों को चटपट हटाइए काम क्रोद्ध लूब मोह मद राग द्वेष ।  
कलमाला से द्वख राख्यस डराइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।  
बिंद्राबन से उत्तम पाइए गिरिजा<sup>1</sup> का घर है कश्मीर देश ।  
उत्तर वाहिनी गंगा में नहाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।  
क्वकाल से हमको मत घबराइए चिटे चिटे बन गए काले काले केश ।  
बहुखातक का शंख बजाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।  
कुमारजी के राजधानी में लाइए गिरिधारी के साथ गौरी गणेश ।  
भिखकों को भूखों को त्रप्त फरमाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।  
स्वर्ग से विश्वकर्मा बुलवाइए भूम पुत्र को दीजिए बुर्ज मीश ।  
कश्यप की झोंपडी को मरमत कराइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।  
कश्मीरियों को कहत से बचाइए कृष्ण को मिटाइए संकट क्लेश ।  
अन्नपूर्णा का मुख दिखलाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।

1. दीवी हुंद नाव ।

**243 भगवानस पनुन्य नदामत बाँविथ प्रार्थना**

दयायि हुंघ ग्वन चाँन्य बडि खोतय बाँडिये ।  
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।  
तिज्रत शटकोशकिस<sup>1</sup> शेरीस्स जानुनाव  
ओर्य दैस्थि ब्रह्म वेद्या ब्रह्म बाव ।  
योस्य बन्या जोस्य ह्योन लँड्य लँडिये  
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।  
अँदुर्य न्यँबुर्य सोनुय रोशन छुय करतूत  
दार्यव बरव किन्य छिम अचान इंद्रेय बूथ ।  
छुनन ओसहक पनुन्य किन्य कँड्य कँडिये  
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।  
त्रफती दितम ओनमुत छुस नफसु शुमन जेर  
वरतम करतम वेशय बूगव निशि दिल सेर ।  
ख्यतम मोदरि वाँनी हुंघ खंडु लँडिये  
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।  
वेशम्बरो छुख क्वछि क्यथ ह्यथ विशेश्वर  
गूपीनाथो चतम सुत्य ह्यथ गूपीश्वर ।  
आँम्य जाँम्य श्रदायि हुंघ द्वदु चँडिये  
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।  
दिल सीर समसारु निशि कर बनाव दुनियादार  
व्वदास थव दास सँन्यासु व्रँच करुनाव व्यवहार ।  
कुस त्याग वैराग गव अथि हेन्य अलुगँडिये  
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।  
कृष्ण च्य छुख वलनावुम जीवबावुच राय  
पननि सोरुपु सिवा थावुम म कुनिच्य माय ।  
शाँती जलुक्य प्यव्य त्रावुम गँडिये  
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।

1. वेदांत उपदेशुक (ब्रह्मी विद्या) अख जुमलु : शट्कौशिकेशरीरं त्यज - अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, ज्ञानमय, विज्ञानमय तु आनंदमय । शे म्यानवोल शेरीर छु नाँशी जाँनिथ गछि सिर्फ अविनाँशी आत्मा (जीवात्मा तु परमत्मा) ऐक्य तु व्यय जानुनुच कू शिश करुन्य (अयम आत्मा ब्रह्म, तत्वम् असि) ।

244 शिव आरती

ब्यल पूजा करु नेशकल कल मालादरसुय  
हर कल मालादरसुय, शोम्भू कल मालादरसुय ।  
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन  
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय  
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू । ।  
सुय छु अजर, सुय छु अमर, दानु पर परातपर  
शिवजी दानु पर परातपर, शोम्भू दानु पर परातपर ।  
तस छि ज्ञानन यूगीश्वर आश्चर्युक आश्चर  
शिवजी आश्चर्युक आश्चर, शोम्भू आश्चर्युक आश्चर । ।  
ग्यानु गाश अनि यूग न्यत्रन वुछिनावि आश्चरसुय  
शिवजी वुछिनावि आश्चरसुय, शोम्भू वुछिनावि आश्चरसुय । । ।  
ख्यय करि सान्यन पापन ख्यय करि सान्यन शापन  
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय  
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू । । । ।  
त्याग वैरगु च्यत स्वस्त थवि, करुनावि ब्रह्म व्यचार  
शिवजी करुनावि ब्रह्म व्यचार, शोम्भू करुनावि ब्रह्म व्यचार ।  
सतुचे वति पक्नोविथ, जानुनावि ब्रह्मय सार  
शिवजी जानुनावि ब्रह्मय सार, शोम्भू जानुनावि ब्रह्मय सार । ।  
आत्म बूदुक जल वुजुनावि ब्रह्मबावुकिस सरसुय  
शिवजी ब्रह्मबावुकिस सरसुय, शोम्भू ब्रह्मबावुकिस सरसुय । । ।  
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन  
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय  
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू । । । ।  
ह्यथ गच्छि देह अबिमानस अग्यानस गंडि लार  
शिवजी अग्यानस गंडि लार, शोम्भू अग्यानस गंडि लार ।  
अच्यतुचे थ्यस्तायि सुत्य व्रत थवि ब्रह्म आकार  
शिवजी व्रत थवि ब्रह्म आकार, शोम्भू व्रत थवि ब्रह्म आकार । ।  
तमि ग्वनु ब्रह्मवित सादन पादन अँछ जरसुय  
शिवजी पादन अँछ जरसुय, शोम्भू पादन अँछ जरसुय । । ।  
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन  
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय  
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू । । । ।  
समसारु यश ब्रम मॉनिथ मनु किन्य थवि व्वदास  
शिवजी मनुकिन्य थवि व्वदास, शोम्भू मनुकिन्य थवि व्वदास ।  
यूग ग्यानु दानु स्वस्त थवि, बँसतियि मंज वनुवास  
शिवजी बँसतियि मंज वनुवास, शोम्भू बँसतियि मंज वनुवास । ।



चनुमात्रय योत मोक्षरावि मंज ख्यनु मातरसुय  
शिवजी मंज ख्यनु मातरसुय, शोम्भू मंज ख्यनु मातरसुय ।।।  
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन  
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय  
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।  
अंतकालुचि जालु कौसिथ, च्यत् थवुनावि नेशकल  
शिवजी च्यत् थवुनावि नेशकल, शोम्भू च्यत् थवुनावि नेशकल ।  
चंदुन चेंदरु कोफूर ह्युव, म्वख सुय हावि शीतल  
शिवजी म्वख सुय हावि शीतल, शोम्भू म्वख सुय हावि शीतल ।।  
सानि पालनुच आंग्यन्या दियि अबयस तु वरसुय  
शिवजी अबयस तु वरसुय, शोम्भू अबयस तु वरसुय ।।।  
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन  
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय  
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।  
दर्मु जोर दियि, तोर मुक्षरावुनावि श्रदायि बरसुय  
शिवजी तोर मुक्षरावुनावि श्रदायि बरसुय  
शोम्भू तोर मुक्षरावुनावि श्रदायि बरसुय ।  
ह्योर खारि चुर्यमिस पोस्स, बसुनावि शाँती गरसुय  
शिवजी बसुनावि शाँती गरसुय, शोम्भू बसुनावि शाँती गरसुय ।।  
कर्मु फलकुय बोर लोक्षरावि देह ब्रमुकिस खरसुय  
शिवजी देह ब्रमुकिस खरसुय, शोम्भू देह ब्रमुकिस खरसुय ।।।  
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन  
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय  
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।  
सिरियि ह्युव प्रेत्यख बाँसिथ, न्यथ सनम्वख आँसिथ  
शिवजी न्यथ सनम्वख आँसिथ, शोम्भू न्यथ सनम्वख आँसिथ ।  
सतुचे वति पकनाँविथ अग्यानु गट कौसिथ  
शिवजी अग्यानु गट कौसिथ, शोम्भू अग्यानु गट कौसिथ ।।  
आत्म बूदुक दीप जौलिथ थवुनावि मंज मरसुय  
शिवजी थवुनावि मंज मरसुय, शोम्भू थवुनावि मंज मरसुय ।।।  
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन  
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय  
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।  
वनु कुचाह छ त्रियि पोत्रु प्रय, अथ दपन मायाजाल  
शिवजी अथ दपन मायाजाल, शोम्भू अथ दपन मायाजाल ।  
यिथि जालु मंजु डलु दिथ कडि, चट्टनावि मूह जंजाल  
शिवजी चट्टनावि मूह जंजाल, शोम्भू चट्टनावि मूह जंजाल ।।  
अँतलास वलुनावि सादु व्रँच, थवुनावि मंजु गरसुय

शिवजी थवुनावि मंजु गरुसुय, शोम्भू थवुनावि मंजु गरुसुय ।।।  
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन  
जय गंगाधरुसुय, हरुसुय शंकुरुसुय  
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।  
कर्म हीनिस द्वर्गत हरि दारेद्रस करि नाश  
शिवजी दारेद्रस करि नाश, शोम्भू दारेद्रस करि नाश ।  
पालना साँनी छस मटि, गटि मंजुय अनि गाश  
शिवजी गटि मंजुय अनि गाश, शोम्भू गटि मंजुय अनि गाश ।।  
आर यियनस तारि कृष्णस यथ बवु सागरुसुय  
शिवजी यथ बवु सागरुसुय, शोम्भू यथ बवु सागरुसुय ।।।  
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन  
जय गंगाधरुसुय, हरुसुय शंकुरुसुय  
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।

**245 मूह मदु निशि बचनु बापथ प्रार्थना तु वरदान मंगुन**

नमामि शंकर त्वम परमेश्वर ।

आवागवनस करुनाव छ्यन ।।

त्वलि मंज ललुनावोथ मधुसूदनु मूह मदु निशि रक्षु म्योनुय मन ।  
वदुनस म्योनिस तिछ स्यदथा दितु युथ बनु चैय ह्युव आनंदगन ।।  
नमामि शंकर त्वम परमेश्वर आवागवनस करुनाव छ्यन ।।।  
ख्यनुसुय चनुसुय ह्यनुसुय दिनुसुय मंज छुस गोमुत व्वनमत ज़न ।  
युन गछुन ज्योन मरुनुय छुम मशुनुय पशिनुय हुंज छम रात घन ।।  
नमामि शंकर त्वम परमेश्वर आवागवनस करुनाव छ्यन ।।।  
वासनायि ममतायि ह्यमसायि<sup>1</sup> सानि फ्रठ दिनुसुय क्युत ज़न अश्वमेध बन ।  
रामु चेंद्वन्य पॉठ्य मूखी दावुनाव परमुगत प्रावुनाव सर्वु जीवन ।।  
नमामि शंकर त्वम परमेश्वर आवागवनस करुनाव छ्यन ।।।  
वैरागु काच्चि<sup>2</sup> सुत्य रागु द्वेशि मस कास शहस्स मंज बासुनाव त्यागु वन ।  
शाँतियि सीतायि सुत्य सुत्य पक्नुनाव ऑग्यन्या मानुनाव मनु लक्ष्मण ।।  
नमामि शंकर त्वम परमेश्वर आवागवनस करुनाव छ्यन ।।।  
ज़ीवु दयायि हुंज मूख्य नज़राह त्राव देह अबिमान हर ज़न पोह पन ।  
समसारु तापु मंजु कल्पु त्रैख्य सायि त्राव कृष्णसुय तथ तल बेहनावतन ।।  
नमामि शंकर त्वम परमेश्वर आवागवनस करुनाव छ्यन ।।।

1. हिंसा; 2. कै ची ।

246 व्वपदीश

असि क्याजि गच्छि छ्लु छंगरि मन ।

नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।

असि कोनु याद पेयि तसुंदुय नाव यस निशि शिनि मंजु प्रथ केह द्राव ।  
सुय सोरुय पानय छु हनहन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
असि कोनु याद पेयि सुय न्यराकार यस निशि नॅन्य द्रायि यीत्य अवतार ।  
सुय छु नेशकल न्यर्मल न्यर्गवन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
छिस दपान आश्चर्युक आश्चर छिस वुछन द्यानु किन्य यूगीश्वर ।  
सत् च्यत् आनदुगन पूसन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
पान वंदुहोस पम्पोशु न्यत्रन सुय करि ख्यय सान्यन शॅत्रन ।  
सुय मूखी प्रावनावि प्यत्रन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
गरिचे मायि रॅट्य अॅस्य सॉशि लरि जायि लजु केर खानुदॉशि ।  
असि क्युत बाॅगरावि अनुगेह अन्न नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
कमि कमि छ्लु किन्य कोर व्यवहार गरु अॅन्य जीनिथ अन्न दनु द्वार ।  
यिथि करतूत किन्य व्वन्य छि मंदछ्न नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
व्वश छ्न्य छ्न्य गॅयि द्यन तय रात कुनि वुछि जंगु तय कुनि वुछ सात ।  
यी बूगुन ओस ती छि बूगन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
जेवि किन्य असि वोन ब्रम समसार यिम नु पजुहॅन तिम तिम केर्य कार ।  
यिथि मदु निशि रछि मधुसूदन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
असि वोल मूह कालु सर्फन नाल सुय च्छटि व्वन्य सोन माया जाल ।  
सम वुछिनावि पनुन्यन व्वपसन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
अपजुय ओस बोजनु आव सत् पननि गरजुच केर प्रथ कांह कथ ।  
मूह मस चथ गॅयि व्वनमत ज़न नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
नादॉशि मंजु दय दियि दैर लूक् हुंजि रुशि निशि थवि न्यरवैर ।  
पनुनुय पान ह्युव बासि त्रुबवन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
कृष्णस च्यत् फुरनायि करि छ्यन अंतु कालस तस क्याजि ह्यस व्यसरन ।  
नेश्कल थावि तस वैष्णार्पन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
हारि फोज हमसस छु पतु लारन पॉज तस नॅद्यायि किन्य गासन ।  
गाँठ काव ब्रग छिख कन दासन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।  
काँटर ग्वनियन कुस छु तखसीर अति डॅल्यमुत्य छि वुफुवन्य बलुवीर ।  
वालुवाशि हुंदि छ्लु निशि रछ्तन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।

247 शिवजियस क्रपा रुपी बेख्या मंगुन्य

गदा<sup>1</sup> द्रास बेख्याये      सदा<sup>2</sup> बोजुम सदा शिव  
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या      दया सोजुम सदा शिव ॥  
मे छम चॉनी आशा      व्यनत बोजुम सदा शिव  
हँस्थि समयिच पीड      सह रोजुम सदा शिव  
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या      दया सोजुम सदा शिव ॥  
म वुछ म्याँनी श्रदा      सदा बोजुम सदा शिव  
सदा संत्वश्ट रोजुम      सदा बोजुम सदा शिव  
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या      दया सोजुम सदा शिव ॥  
ललाट्स यिम मे लीखिथ      द्वरअख्यर छिम सदा शिव  
प्रनामा च़ेय द्युतमय      तिम नँहविथ निम सदा शिव  
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या      दया सोजुम सदा शिव ॥  
ग्रहस्त पूरुन छ क्याह कथ      परमगथ दिम सदाशिव  
मे कम बखितस अशक्तिस      शक्त ह्यथ यिम सदा शिव  
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या      दया सोजुम सदा शिव ॥  
बक्तृहीनिस मूर्खस मे      संकट हर सदा शिव  
ख्यमा दया ज़या ह्यथ मे      रख्या कर सदा शिव  
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या      दया सोजुम सदा शिव ॥  
ज्यनुक मस्नुक ज़रुय कास      ह्यथ कालुन्य थर सदा शिव  
अथन क्यथ छुय अबय वर      अमर, अज़र सदा शिव  
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या      दया सोजुम सदा शिव ॥  
यथ समयस छि स्यवह म्वख      वुच्छि वँछ थर सदा शिव  
वँस्थि कृत्याह पॉपी      मे कृष्णस वर सदा शिव  
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या      दया सोजुम सदा शिव ॥

1. बेछ्वुन; 2. आवाज़ ।

**248 चर्न कमल स्तु बापथ प्रार्थना**

कमल रूपी चरन चोनी स्तेय शरन चै आय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।  
तोता परन परन करुन यतन शरन चै आय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।  
चु छुख पनुन्यन बख्खन वरुन अँस्य व्वन्य शरुन चै आय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।  
चु छुख रूगन दूखन हरुन अँस्य व्वन्य शरुन चै आय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।  
चै मूख्य दातस मूखी मंगव तु करु नमः शिवाय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।  
बड्यव यूगव तु सुत्यु सत संगव करु नमः शिवाय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।  
व्वतम पदव तु स्वरुदर बंगव करु नमः शिवाय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।  
अदर्मियन सुत्यु जंगव तु करु नमः शिवाय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।  
समसारु समंदरुसु तरु तु करु नमः शिवाय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।  
म्वकलाव रँट्यु मायि पनुन्यव गरु तु करु नमः शिवाय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।  
अज तान्यु यी वीन महाजनव तु करु नमः शिवाय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।  
तम्युक न्यरुनय अँस्य क्युह वनव तु करु नमः शिवाय ।  
प्रेयम बख तु द्याना स्वरु करु नमः शिवाय । ।

249 यूगी तु ग्याँनियन हुंघ लख्यन किथ्य गछ्न आसुन्य

कुल जगत युस ज्ञानि फॉनी सुय ग्याँनी छुय । ।  
युस क्वटम्बस ज्ञानि नॉशी यथ शेरीस्स सान  
मूख्य हुंद आसि अबिलॉशी करि आत्म ज्ञान  
ज्ञान तँम्यसुंद देह छु काँशी चलि यस अग्यान  
छवि सुय वैरागु हॉशी त्यागु जामन जान  
चटि मूहन्य वालुवाँशी हावि हमसु पान  
हेथि वुफुन आकाँशी लय गछ्यस मन प्रान  
प्रावनाव्यस अविनाँशी परमु पद न्यखान  
छ्य तसुंज वॉनी बवाँनी सुय ग्याँनी छुय । ।  
बूगु त्रपती प्रावि युस सुय हावि सतुच वथ  
प्रथ पदारथ डेलि तस निशि बोलि सतुय सत्  
ब्रोंठु यियस यशुचिय कथ रोञ्जि पथुय पथ  
सत् सदा शिव पानु बख्खास दिवताह प्रकरत  
नेशकामुच बक्त बख्खास परमु दामुच थ्यत  
बयु रोस्तुय जयि स्वस्तुय दयु सुंज सुमरत  
बलि तस अग्यानु रूगुय चलि तस द्वर्गत  
गलि तस आवागवन चेनुन कर्यस अच्यत्<sup>1</sup>  
ब्रह्म लूकस असुवुनि म्वखु गछि सीवक ह्यथ  
प्रय बरन तस नँव्य तु प्रॉनी सुय ग्याँनी छुय । ।  
कें हनु आसिथ पॉदु कोरमुतत येम्य जहानुय छुय  
देह, आत्म रूप, च्यत्, ब्वद, मन तु प्रानुय छुय  
येम्य थमव रोस्तु खरु कोरमुत आसमानुय छुय  
सिरिथि चँद्रमु तारकव सान तीजुवानुय छुय  
क्याह वनव यीय कथ बनोवुन क्याह ननानुय छुय  
वन च्चु कुस छुख रूप क्याह छुय क्युथ च्चे पानुय छुय  
अँम्यसुंदिस अथ आसनस आसुन परमानुय छुय  
बागवत छुय शास्त्र वीदुय प्वरानुय छुय  
सुय दयस सुत्य लय गछ्यि युस तस स्वरानुय छुय  
अंतुकालस सुत्य पकन दर्म दानुय छुय  
भगवानुन येम्य प्रेयम बौर बाग्यवानुय छुय  
युसनु ईकस ज्ञानि साँनी<sup>2</sup> सुय ग्याँनी छुय । ।  
येम्य जलस सूरत दिच्युय सुय याद छुयना ह्य  
ब्रमु क्रूसि<sup>3</sup> फटनुक फेर्ययाद छुयना ह्य  
संत कांह छुयना म्यँतुर कांह साद छुयना ह्य  
मॉलिकस रोस्तु केंह स्वरुन अपराद छुयना ह्य  
बक्तिबावस मंजु च्यतस प्रह्लाद छुयना ह्य

दीवु सुंद सतग्वरु सुंद प्रसाद छुयना हय  
सत् ज़नन हुंद बूज़मुत सम्वाद छुयना हय  
ज़ांह बन्योमुत बखुच सुत्य आह्लाद छुयना हय  
दिल फुट्थि द्युतमुत दयस कांह नाद छुयना हय  
प्रेयमु कोस्मुत च़े प्यतस्न श्राद छुयना हय  
याद छुयना अंतु रोस्तुय आदि छुयना हय  
युस नु आसि अबिमांनी सुय ग्यांनी छुय । ।  
द्यान स्वरुन वारु करुन गछि दर्म दान  
हान कासिय ज़नमन हुंज़ बँडुराविय मान  
मंज़ अपेख्यायन थवुन वॉरग छुय यँच जान  
पॉरुनाविय त्याग ह्यथ शॉती हुंद सामान  
स्यद गछिय अदु राजु यूगुच दास्ना तय द्यान  
नेश्चलव्रत वावु रोस्तुय च़ॉंग्य रेह ज़न ज़ान  
शब्दु दारा ह्योर खारिय ह्यथ च़ेतन प्रान  
ग्वरु प्रेयम प्रावुनाविय आश्चर्युक थान  
आश्चरुकिस थानस छुय नाव शिव न्यर्वान  
यस सु बखशिय राजुदांनी सुय ग्यांनी छुय । ।  
ग्रट ज़न बूगनि अन्न ज़ल लूबु रोस्तुय फेर  
लूकु अपेख्यायि प्यनय ब्रॉठ कुन यिथ डेर  
प्रारब्दस व्वडि प्यठ ह्यथ कर्मफल कर ज़ेर  
मजु म वुछ कुनि चीज़स बाँगस्थि बन सेर  
ग्रायि मास्ख रायि रोस्तुय सीवक पनुन्य निन सेर  
लूख गछ्न कर्मफल ह्यथ क्याज़ि कस्न गेर  
पननि अनवारि प्यठ यिन सुल गछ्यख या च़ेर  
लूबु यँड संतोशि मेखा दिथ म न्यबर नेर  
नेस्खय ज़ांह पान पनुन काँमिलन निशि शेर  
नेश्कल बन शब्दु सुत्य कास ताँलिबन अंदेर  
युस अच्यत् कोर दयि लाँनी सुय ग्यांनी छुय । ।  
पतु त्रावख जायि अंदर रायि थव रेश्य पॉर  
स्वर तु कथ प्यठ छुख ब्रम्योमुत करतु दर्मुक दैर  
प्रथ अँकिस सुत्य प्रेयमु द्वद च्यथ थवतु च्यत् न्यस्वैर  
द्रायि कस मायायि हुंजुय हॉर गावुय सॉर  
फल कुल ज़न शोमस्थि रोज़ नोमस्थि थव काँर  
दर्मु डंडुकि ग्रट सुत्य पिह अबिमानुच गॉर  
बावु किन्य वल बुरजु जामय सतवनन कर सॉर  
मंज़ वंदस तय र्यतुकाँलिस सब्ज़ बन ज़न यॉर  
पज़ि प्रेयमय बोज़नोवमख व्वन्य मसॉ कर ताँर  
थ्यतु प्रेग्यन बन मे वोनमय मूर्ख ब्वद छ्य चॉर



आसि यस युथ यारि जाँनी सुय ग्याँनी छुय । ।  
यस दयस कुन आसि मन तस बासि शाहस्स वन  
च्यनु मात्रस पँहस्स गछि वँहस्स अख ख्यन  
सुय गछुन गव संकल्पन व्यकल्पन छ्यन  
तेलुन गव मेलुन योदवय गछ्यस लय मन  
दनु-दवलत, गँहनु गोस्मुत ज्ञानि ह्यैस्मुत पन  
पास्स मेलनु बापथ छकि सोरुय स्वन  
संतन प्यठ करि अर्पन अन्न, दन, तन, मन  
खानुदोँरी आसि करान सँन्यासाह ज्ञन  
आसि ज्ञानन मौलिकस अंदर न्यबर हनहन  
चटि युस संकल्पु साँनी सुय ग्यानी छुय । ।  
हॉव कँम्य कालस दिलेरी ह्यवि कुस अज या पगाह  
कृष्ण बेहतर छ्य फँकीरी अज अँमीरी सूद क्याह  
ग्वलु रोस्तुय डून यीरिय देह द्रेश्टी थव म ज्ञांह  
छववुन बन त्यागु नीरी रेश्य कसन युथ वाहवाह  
वति वुछ खँन्य खँन्य क्रीरिय स्योद पकख छुय खोफ क्याह  
सँन्य व्वगुन्य छिय कर्म कुरिय पानु खँनिमुत्य कस छु राह  
ह्येल म पख दोल कुस च्चे चीरिय बवु सँदस्स छुन म थाह  
दूरि योदवय द्राख चीरिय गछ शसन बखशिय ग्वनाह  
छुख थकन व्वन्य फीर्य फीरिय परम् सुख व्यवहार छ  
ख्यनु चनु रोस्तुय प्राव सीरी फोजु रोस्त बन पादशाह  
युस चटिय समसारु हॉनी सुय ग्यानी छुय । ।

1. समसोँरी व्यवहारुन हुंद खयाल पूरु पाँठ्यन खतुम गछुन; 2. दौयुम; 3. गर्बस अंदर ।

**250 रँझा भगवती हुंज अस्तुती**

दीवी चरन चॉनी बक्त स्वस्न छिय ।

यिमोय शरन करोय नमो नमस्ती । ।

संकट हस्न कवच<sup>1</sup> चॉनी पस्न छिय      कमल चरन चॉनी बखत्यन वस्न छिय ।  
प्रेयम बस्न यथ बवु सस्स तस्न छिय      यिमोय शरन करोय नमो नमस्ती । ।  
येति पुर्य त्रावख तथ जायि न्यँतर जस्न छिय      मंगल रूपी द्यानस चॉनिस स्वस्न छिय ।  
कृष्णस सुत्य ह्यथ तोता चॉनी कस्न छिय      यिमोय शरन करोय नमो नमस्ती । ।

1. देवी कवच (दीवी हुंद पाठ) ।

**251 परशक्ति कुन मंगलुच प्रार्थना**

मंगल रूपी दीवी महामंगल दितम चु मे ।  
अनाथस आँदीनस परमु दामस नितम चु मे ॥  
द्वदा फ्योँस्थि काँस्थि देँस्थि व्रत ओनमय चतम चु मे  
खिरा खंड थालस बैँस्थि ओनमय ती ख्यतम चु मे ।  
अनाथस आँदीनस परमु दामस नितम चु मे ॥  
खँसिथ प्वशपक व्यमानस व्वन्य पानस सुत्य ह्यतम चु मे  
च्यतुच पीड मे कृष्णस हँस्थि ज्ञन पन नितम चु मे ।  
अनाथस आँदीनस परमु दामस नितम चु मे ॥  
बहेर म्वख छुस गोमुत अँदर ज्ञाननु यितम चु मे ।  
अनाथस आँदीनस परमु दामस नितम चु मे ॥

**252 व्यनत**

दया कर ही दीवी बक्त आमृत्य शसन च्छे छिय  
ड्यकस नहवुख द्वर-अख्यर प्यवन पादन परन च्छे छिय  
थँविथ च्छे कुन सतुक च्यत् व्वतम व्रत न्यत दसन च्छे छिय  
वनन पदमावँती च्छेय कमल कोमल च्छरन च्छे छिय  
बक्त पंचस्तवी ह्यथ स्वंदर लहरी परन च्छे छिय  
करन चॉनी पूजा सदा प्रेयम बरन च्छे छिय  
अकांडन ब्रह्मांडन महामाया स्वरन च्छे छिय  
तिमन दनदन बागुय यिम पादन अँछ जसन च्छे छिय  
शक्ति तत्वुच नेंद्या करन वॉल्य खरन च्छे छिय  
तोता नेंद्या हिशिय छ्य असन कोसम हरन च्छे छिय  
कृष्ण तोता करन छुय तस हिव्य कृत्याह करन च्छे छिय  
ड्यकस नहवुख द्वर-अख्यर प्यवन पादन परन च्छे छिय ।।

253 रँज्ञा भगवती विश्व रूप जँनिथ अस्तुती

छख महववेद्या जगत् माता	छख महलक्ष्मी शिव प्रिया ।
वेषु माया छख सर्वु स्यदा	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
चानि माया सागरु व्वतपत	छिय गछ्न ब्रह्मांड बुद बुदवत ।
बवुसर छु अमिकुय अख बूँदा	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
चानि सुत्य तप जप यूग ग्यान	कास्न छि दास्न चोनुय द्यान ।
त्रुबवन मानन छु चँन्य ऑंग्यन्या	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
तुलमुलि नागस लछ्छँद्य लूख	बक्ति बावु सुत्य छिय पुरुवुन्य श्रूख ।
करुवुन्य तप जप पाठ पूजा	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
यस थवख तस थवन रजु प्रेतीत	यस ग्यवख तस ग्यवन दिवताह गीत ।
नतु कुस करि तोता नेंद्या	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
योदवय दयुलँन्य लीछ द्वर्गत	शक्तिपातु चानि चलि स्व छ क्याह कथ ।
अख प्रनाम चोन फिरि कर्मलीखा	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
ह्यतकारुच कर अख कटख्या	छ्यतु कर नरकु नार च्यतु पीड ।
द्वर्गत हर नाव छुय दुर्गा	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
दिवथा अनतु छख जगत् अम्बा	करतु नेशब्द बालकस पालना ।
त्रुजगत मँलिस चँन्य शूभा	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
मोल छु भूतेश्वर परम आत्मा	तस मंगन छि मुख्य सँरी दिवताह ।
प्रथ कुनि मंज छ तसंजुय सता	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
सर्वु मंगल दितु छख मंगला	अपराद सँन्य जाल छख जाला ।
कालु बयु निशि रख्तु छख कालिका	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
ज्ञानव नु केंह स्वरुन करुन्य तोता	अडु कजि कथु सानि बोजु शारिका ।
तोतु जन सब्ज कर हर आपदा	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
सर्वु शक्ति रूपु छख शिवा	समसारु रुगस करतु दवा ।
दितु विबुती बूट्य <sup>1</sup> चलि पीड	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
चानि सुत्य कति दरि सोन ग्रेहचार	स्वखुसान जान पकि सोन व्यवहार ।
हटि ब्रामरी, व्वलका, संकट <sup>2</sup>	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
ममता नितु दितु दीवु सम्पदा	प्रावु सर्वु आत्मु बावु सता ।
प्रथ अँकिस करुहँ च्यतु रंजना	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
पंचितस्नी ह्यथ गंगा जल	आयि चान्यन पदमु पादन तल ।
मीठ्य दिथ द्रायि स्यंद <sup>3</sup> ह्यथ यकजा	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
चुय छख चँद्रभागा, वितस्ता,	सरस्वती, गोमती, सिंध, जमुना ।
पाप छल न्यर्मल कर अवस्था	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
अमरनाथु जलसुय छ्य महानता	प्यतरुलुकस छ मटनु <sup>4</sup> चाका ।
प्रयाग ह्यथ गंगा, गया	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
चे द्युतुथ वटकु भैरवस बोड बल	छख जलु रूपी नेशकल न्यर्मल ।
शिवरँच चँनी छ वटकु पूजा	सर्वु शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।

सनिवारि मंज वाति प्रथ कौंसि बल	जल गव अन्न तय अन्न गव जल ।
मंज जलस अहोत ख्यवन दिवताह	सर्व शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
जलसुय छि मानन अँगुक म्वख	मंज जलस अहोत दिन्य छ दियि स्वख ।
जलस तु अँगस छ्य एकता	सर्व शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
सेँदिन्नारि सुत्य ह्यथ रुद्र संघा	कपाल मूचनु पवनु संघा ।
गोदावरी जलुचिय श्रदा	सर्व शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
श्रादु प्यंड त्रावन छि जलसुय मंज	त्रपती थलसुय जलसुय मंज ।
प्यतरुलूकस छ जल मंजु आप्या	सर्व शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
खीरसागरसुय मंज छु भगवान	अवतार दारन हारन हान ।
मंज जलस दीव छिस करान तोता	सर्व शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
रामजी, कृष्णजी छि बँड्य अवतार	जलुकिय कार छिख यँच शूबिदार ।
जलसुय मंज छ लंका, द्वारिका	सर्व शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।
असि बेखिकन हुंद बोज शब्दा	स्यद सोज ह्यथ अनुग्रेह बेख्या ।
बानु बर कृष्णस कर क्रपा	सर्व शक्तीमान छख मह रँज्ञा ।।

1. बूटी; 2. यिम छ त्रे ग्रेह दशायि; 3. सिंधु नदी; 4. मटन तीर्थ - येति प्यतरन छि श्राद हवान ।

**254 जगत अम्बा रँजा भगवती हुंज अस्तुती**

श्री रजु रज्जीशोरी आमृत्य शसन छिय ।  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
जगत अम्बा चुय छ्ख मंज वदुनस असुनाव  
नेशब्द शुर्यन दयायि हुंद दामन प्यठ त्राव ।  
कल्यानुस्वस्त थाव सुत्य अशि फेर्यन बरन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
बाहन सिरियन चान्यन जुचन हुंद प्रकाश  
चरन चॉनी करन संकट गटे छि नाश ।  
तिंहजि गरदि सुत्य दीव मुकट जरन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
लूका-लूकन हुंद सत्जन, कारन, दीवगन  
सिहम आसनस चॉनिस दिवन छिय प्रेदिख्यन ।  
परमु दामुक्य प्वरश प्यवन परन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
ओमकारु रूपी चक्र नागस छि नैन्य नेरन  
तीजचि रेखायि च्वपोर त्रुकूनस फेरन ।  
यूगी, ग्यॉनी, प्रॉनी सुय दान दरन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
ब्द छु वातन कम रंग चान्यन रंगन छिय  
कॉमीशोरी च्चे मनु कामनायन मंगन छिय ।  
यिछि जायि श्रदायि सुत्य आय तोता परन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
पनुन्यन बक्त्यन दासन हुंदुय पेयिनय पास  
तिहजे पाये क्वकर्मन हुंज गट्य मे कास ।  
ज्योति सौरूप हव छ्य भूतीश्वरुन्य द्रय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
भगवत मायायि हुंद रंग चॉनी छि रंगारंग  
चाने सुती छि बूग, छि यूग, छुय सत्संग ।  
तप, जप, समाद, क्रेया, कर्म करन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
महामाया चुय छ्ख चठ असि मायाजाल  
असि वोलमुत छुय ग्रेहस्तुक्य कालु सर्फन नाल ।  
लंग्यमुत्य सौरिय पनुन्यन पनुन्यन गरन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
कम बक्ती किन्य बक्तावारन खरन छिय  
कथ कामि लगव क्याह तगि जिंदय मरन छिय ।

चुय ठेठ सँच<sup>1</sup> चानि सुतिय द्यन द्यन बरन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
प्रसाद कर गाल ज़नमा-ज़नमन हुंघ अपराद  
सब्जु रंगय ज़लय मंजु हव पम्पोशि पाद ।  
यिम तिम स्वरन यथ बवुसरस तरन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
चाने सुती स्रेष्ट गॅयि नॅनी जय बोयनय  
मंजु शिनि व्वतपत साँपनी जय बोयनय ।  
कलर ज्वगुच<sup>2</sup> महाराजि रॅनी शरन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
कुनुय येलि ओस वुछन वोला तस कुस ओस  
ज़गत यस ज़ाव मोजा मोला तस कुस ओस ।  
च्यत् शक्ति चानि सुत्य ईक-अॅनीक स्वरन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
चैय अज़पा गायत्री पांच कारन ग्यवन छि गीत  
निस्त्रेयी<sup>3</sup> ग्वन छख ग्वनन चान्यन सुत्य प्रेतीत ।  
चाने सुत्य कार अंतहकरन करन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
अॅनीक नागन प्यठ छुय न्यर्वासनु आसन  
प्यठ शीशनागस वेष्णु रूपी छख बासन ।  
साँरिय ग्वन चाँन्य मह प्वर्शन वरन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
चैय कित्य नानारंगय बूज़न स्नन छिय  
चैय निशि स्वरनु बानन लॅदिथ अनन छिय ।  
नानारंगव मिवयि थाल बरन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।  
चाने दयायि सुत्य कॅड्य बड्यव बॅड्य बॅड्य नाव  
नेशब्द कृष्णस निशि वाँनी हुंद अमर्यत द्राव ।  
परन वाल्यन ज़नमन हुंघ द्ख हसन छिय  
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।

1. सथ, आशा; 2. कलि ख्वगुच; 3. निस्त्रय ।



**255 बुरु कर्मन जान कर्मन मंज तबदील कस्तु बापथ प्रार्थना**

सँजीशोरी राजन हुंज छ्ख बँड सरकार ।  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
सथा छ चॉनी च़ेय निशि अँस्य आय व्वमेदवार  
अथाह त्युथ दितु युथ अँस्य करुहँव परव्वपकार ।  
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि लदख अन्न दनु द्यार  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि कस्ख परम पार  
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि दिख पंचालस तार ।  
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि कस्ख साहिबि कार  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि वालख पापुन्य बार  
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि थवख केंछ च़ु सार ।  
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि दिख आत्मुक व्यचार  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि हवख तीज आकार  
पापन सान्यन दँजिथ बनि सूरुक अंबार ।  
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि वस्ख असि हिव्य ग्वनाहगार  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि हवख मूखी दार  
तथ दास्स मंज चॉनिथ बनावख खानुदार ।  
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि ज्ञानुनावख स्वपनुवत समसार  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
यि क्वसु कथाह छ नास्स सॉनिस कस्ख गुलजार  
यि क्वसु कथाह छ लोचरावख ग्रेह चँकुक बार ।  
यि क्वसु कथाह छ दया अँसिथ यियियनु आर  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
वावस मंज छ्य नावा सॉनी द्युन गछि तार  
पँत्युम नावाह छु बोडुय ब्रॉक्कुन वॉत्यमुत्य छि कार ।  
न्यँबुर्य छि फीसा<sup>1</sup> कँस्थि अँदुर्यकिन्य लाचार  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
नाना रंगय नाना रूपय छु प्रकार  
छ्ख ज़लु रूपी थलु रूपी सखाकार<sup>2</sup> ।  
मास्न रख्यस, हास्न द्ख, दास्न अवतार  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
असि गछि सोरुय आसुन अँस्य छि दुनियादार  
कांह चीज डलुन गछि नु, चलुन गछि व्यवहार ।

छ्यनुन्य गछि नु ग्रेहस्तु सेतास्स कांह तार  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
चाने यछ्रयि सुत्य केर्य लूकव रुत्य रुत्य कार  
वुनिक्यनुकिस ख्वग रजस सोनुय छु जयजयकार ।  
स्यदत दिनुक यिहोय छुय थोवमुत म्वखतार  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
स्यद गछि गछुन अँस्य छि सादक सीवाकार  
श्रवन, मनन, निद्दयासन, साख्यातकार ।  
कृष्णुन बोयनय चान्यन बक्त्यन नमस्कार  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।  
दिथ आपु रोछ्तस सूखिम बोज हुंद जानावार  
ऑलिस मंज ओस पखव रोस्त प्योमुत नाबकार ।  
व्वन्य रजु हमसन सुत्य वुफनुक द्युतथस आदिकार  
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दखार । ।

1. दिखावु; 2. सर्व आकार ।

**256 मूह मदु निशि बचनु खॉतरु प्रार्थना**

शोङ्गु कला छ्ख चु चेंद्र कलावेंती ।  
कास गट मूहच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।  
पनुन्यन बक्त्यन नवनिदान चुय छ्ख दीवन  
आश्चर्यवत छ्ख बोज़ अंदर ज्ञाननु यीवन ।  
छ्य ऑठ स्यदँच गुल्य गँड्य गँड्य चे ब्रॉठ पँती  
कास गट मूहच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।  
प्यठ नागस बीठ्य प्रेयमु बागस आव बहुरय  
नाना प्रकारक्यन पोशन कोर अंबारुय ।  
पूजायि कित्य नील्य, श्याम, व्वजुल्य, जर्द, छेतिय  
कास गट मूहच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।  
छ्ख प्रानु रूपी परम आत्मु न्यर्मल नेशकल  
च्यत् शक्ती छ्ख पानु छवन हृदयुक कंवल ।  
पम्पोशि बॅर्गन छ्ख चु फेरुन पन्नावेंती  
कास गट मूहच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।  
शरुन आमृत्य चान्यन पादन तल छि ऑदीन  
पान मँशरुव असि कर पनुनिस द्यानस अंदर लीन ।  
प्रेयमुक मस चाव असि सेद्य पॉठ्य बनाव मँती  
कास गट मूहच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।  
यथ वुल्ट हालस मंज़ छि चाने सुत्य अँस्य दँस्थि  
अँर्य दँर्य रुज़िथ समसारुक व्यवहार कँस्थि ।  
ज़न श्वास उश्वास तुलमुल कुन वँथी तु खँती  
कास गट मूहच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।  
अँस्य चानि सुती वैकिथ छि दर्मस मंजुय  
प्रज़लवुन्य छि पनुनिसुय कर्मस मंजुय ।  
दर्मुच कर्मच सॉन्य बँती म कर चु पँती  
कास गट मूहच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।  
दर्मु रज़स सॉनिस थव बोड आदिकार  
पानय चुय छ्ख सरकास हुंद सरकार ।  
बक्ती छ म्वक्ती स्व छ आसन हॉज़िर येती  
कास गट मूहच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।  
सेहम-आसनस चॉनिस बोयनय जयजयकारुय  
प्यठ शालुयारुय कृष्णन रेट युथ दरुबारुय ।  
वांदर रजस मंज़ रोज़तस न्यथ सुत्य सुती  
कास गट मूहच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।

**257 द्वख्व निशि म्वकजार बापथ परशक्ती कुन प्रार्थना**

जगत माता दीवी च्छ वॉतिथ हनि हने  
अश्वद, नेशब्द नैचिविस च्च नय टेक्क मे क्याह बने ।  
पशन जीवन खबर छ प्यता<sup>1</sup> कुस छुख कर्यख सु क्याह  
स्व-पौत्रस मे चॉनिस क्व-पौत्र कुस अखा वने  
अश्वद, नेशब्द नैचिविस च्च नय टेक्क मे क्याह बने ।  
तने मॅकर्यर मॅलिथ छुस मलिन वस्त्र वॅलिथ छुस  
पथर प्योमुत नंगय छुस तुलुम वुछ केंह मे मा सने  
अश्वद, नेशब्द नैचिविस च्च नय टेक्क मे क्याह बने ।  
छ्योटुय श्रुचुय ख्यवन छुस थ्वकन सुत्य द्वद चवन छुस  
छुसथ नय परजुनावान यिहॉम किथ पॉत्य वने  
अश्वद, नेशब्द नैचिविस च्च नय टेक्क मे क्याह बने ।  
मे छ्य बॅड्ययॉय सॉरुय ग्रेहस्तुच आदिकारुय  
मे चॉरिस प्यठ दया छ्य बजा किथ पॉत्य बने  
अश्वद, नेशब्द नैचिविस च्च नय टेक्क मे क्याह बने ।  
स्यदथ आकाशु सोजुम सहाय मंज आशि रोजुम  
तिछ्य शुर्य बाशि बोजुम मे युथ यॅच लोल गने  
अश्वद, नेशब्द नैचिविस च्च नय टेक्क मे क्याह बने ।  
क्वछे क्यथ ललनावुम तलय पादन मे थावुम  
शॉंगिथ छुस वुजुनावुम म थावुम अंदुकने  
अश्वद, नेशब्द नैचिविस च्च नय टेक्क मे क्याह बने ।  
त्वकुट छुस बॅडशवुम करनि कथ हेछिनावुम  
वेद्या दिथ शुबुरवुम मे सरतलि स्वन सपने  
अश्वद, नेशब्द नैचिविस च्च नय टेक्क मे क्याह बने ।  
तने वेश्व मे लॉरिथ स्व लोबकुन दिम च्च दॉरिथ  
करुम ऑबुय गॉबुय वुरुन छुन प्यठ कोट्लि<sup>1</sup> बने  
अश्वद, नेशब्द नैचिविस च्च नय टेक्क मे क्याह बने ।  
बिहिथ प्यठ सरहदन छुय वनुच वॉनी लदन छुय  
कृष्ण शुर ज़न वदान छुय च्च ह्यन मंजबाग ख्वने  
अश्वद, नेशब्द नैचिविस च्च नय टेक्क मे क्याह बने ।  
ब्रह्म ज़नमुच य्वक्त दिस बक्त दिस ब्रॉक्कुन यिस  
म्वक्त दिस बॅड शक्त दिस अशक्ती क्याज़ि छुने  
अश्वद, नेशब्द नैचिविस च्च नय टेक्क मे क्याह बने ।।

1. पिता, मोल; 2. परदुपूशी कर ।

258 रँझा भवॉनी कुन अस्तुती

पम्पोशि पादन श्री रानि ब्रॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।
पॉरी पॉरी लगोय पॉर्य पॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
सेहम आसनुचिय छ्य सवॉरी	लारान प्वछुलॉव्य ज़न मंज़ लॉरी ।
अँस्य आय शाल ज़न पाप चँल्य सॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
स्यदत मंगनि आय दीव सॉरी	ग्याँनी यूगी बेयि ब्रह्मचॉरी ।
येति यपॉर्य छ्ख च्ववापॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
शरन आमृत्य छि अँस्य दीव सॉरी	चाने दयायि संकट हॉरी ।
हॉरी हॉरी हॉरी हॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
अनुग्रेह दिथ कर पर-व्वपकारुय	लंगर सोन थव ज़ल ज़न जॉरी ।
अन्नपूर्नायि हुंद कर बंङुरय	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
पानय पाल सॉन्य अयाल बॉरी	दयाल बँनिथ कास लाचॉरी ।
अथु डल रथि खसि दुनियादॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
वातन वाल्यन मंज़ छि अँस्य चॉरी	सेद्य पॉठ्य बनाव बँड्य व्यवहॉरी ।
लोचराव संकल्पन हुंद्य बॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
बनाव ग्यानुक्य आदिकॉरी	यूगचि बरने मुचराव तॉरी ।
म्वक्ती लरि करुनाव खानुदॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
देह थाव ओर दोर कास बेमॉरी	युथ बनि प्रथ बूगुक आहॉरी ।
च्यत् थव ह्यस स्टुकि व्यसतॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
चाने सुत्य असि द्ख न्यवॉरी	चाने सुत्य पापु राख्यस मॉरी ।
दिवताह वातन गरुकुन सॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
चॉनिय दॉसी छ महामॉरी	कस्न चॉनी छि ताबेदॉरी ।
म्रेति निशि बँचरावनाव देहदॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
लंका पँतियन दीव ज़ीन्य सॉरी	कँरुन चॉनी खँदमतगॉरी ।
चँडी शूबिहिय युथ पूजॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
कश्मीरु र्येश डीशिथ व्रतदॉरी	बनेयख खिरु ज़लु आहॉरी ।
सनिवारि रूपु छ्ख ज़लु आकॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
क्रपायि चानि कँर कृष्णस यॉरी	कँर्यनय तस तप ज़प यॉरी ।
मूर्खस बनोवुथ परम आचॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।

**259 शिव-शक्ती (माता-पिता) संज्ञ अस्तुती**

वन हरि यूरुम प्यठ कल्पु त्रेख्यस ओलये ।  
तति आंपु दिवन छुम रजु हम्स मोलये । ।  
स्वय रजिरेन्य मॉज यमि युथ प्रपंच पोलये  
सुय रजु हम्स मोल येम्य यमु रजु गोलये ।  
सुय भस्माधर येम्य भस्मास्वर ज़ोलये  
वन हरि यूरुम प्यठ कल्पु त्रेख्यस ओलये । ।  
रजिरेने माजे साने छु जयजयकार  
छम हेछिनावन ऑलिस मंज बोलुन शूबिदार ।  
फाह छम मे दिवन कोताह मे बरन लोलये  
वन हरि यूरुम प्यठ कल्पु त्रेख्यस ओलये । ।  
मॉलिस तु माजे सानि छु अस्त्वत बारम्बार  
नेशबोज़ बचन छि रछन असि छुख कुस गाट्जार ।  
बोज़्यमनय वॉनी द्वद नेर्यम कोलये  
वन हरि यूरुम प्यठ कल्पु त्रेख्यस ओलये । ।  
तसंजे दयायि सुत्य असि वुफुन हेछुन ज़ोन  
मंज जानवारन स्योद गव होल ऑसिथ कर्मलोन ।  
अँदरु न्यबर फीर्य अदु स्वख द्वख च़ोलये  
वन हरि यूरुम प्यठ कल्पु त्रेख्यस ओलये । ।  
तिथुय होशा द्युतुन ज़गत ब्रमुय मोन  
द्यन रत गुजरोव शिन्धस मंज सूहमुय ज़ोन ।  
तसंजि दयायि अँस्य पॉल्य प्रथ कांह पोलये  
वन हरि यूरुम प्यठ कल्पु त्रेख्यस ओलये । ।  
अँस्य सॉर करन छि मंज पोशिबागस सुत्य ह्यथ कुत्य  
बेहन छि नागन प्यठ च्यत् लागन रगन सुत्य ।  
त्युथ बूल, त्युथ ग्योव युथ सारिनिय द्वख गोलये  
वन हरि यूरुम प्यठ कल्पु त्रेख्यस ओलये । ।  
वॉनियि कुकिलि वोन होशिकिस पोशनूलस कुन  
थज़स्य प्यठ नज़राह कर पोशि डूस्सि कुन ।  
वुछ बागवानन युथ बाग क्युथ संबोलये  
वन हरि यूरुम प्यठ कल्पु त्रेख्यस ओलये । ।  
प्रेयमु बागस वुछ फुलया लँजमुच शूबिदार  
लंगन लंजन प्यठ छिस बोलन जानावार ।  
वुछुस गोलमुत अग्यानुक अस्खोलये  
वन हरि यूरुम प्यठ कल्पु त्रेख्यस ओलये । ।  
गाश लोग फवलनि ग्वफन मंज रतक्रुलुय बीठ्य  
व्वथ सुलि कृष्ण बोलन येम्य पोशनूलुय डीठ्य ।

तमि बोलि आकाशि अमर्यतु वर्शुन वोलये  
वन हरि यूरुम प्यठ कल्पु त्रैख्यस ओलये ।।

**260 श्री अमृतीश्वर भैरव सुंदि सौरूपक वर्नन तु वरदान मंगुन**

आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर चोनय द्यानय छु यूग ग्यानय आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर चंद्र चूड शोक्ल रंग रूप छुख बासन चवन बज्जनय छिय ब्योन ब्योन दार्यमुत्य आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर न चे हटि वासुक न चे जेटि गंगा न चे गजु चर्मा न चे सुह मुसलाह आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर ह्यतकारु पुछि दोरुथ युथ द्यानय न चे ब्रेशबासन छुख असि दासन आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर नखु छुख प्रेममचि वति कति दूर छुख पय दिथ लबुनाव आत्म न्यसनय नय आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर रूप चोन छुय सत् च्यत् आकाशिय अम्बजु रूप अमर्यतु लक्ष्मी सुत्य छ्य आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर हृदयस मंजु बसुवुनि न्यथ लसुवुनि असि आँदीनन क्रेया वुछनय आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर अँगु, गगनु, पवनु, प्रेथ्वी, जलु, थलु, रूप क्रपा द्रेश्टी हुंज अख कटख्या कर आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर	अजरु अमरु जय बोयनय । सुय करि सोन मन प्रानुय लय ।। अजरु अमरु जय बोयनय ।।। त्रेयलोचन पदम आसन छुय । पदम अमर्यतुपात वर अबय ।। अजरु अमरु जय बोयनय ।।। कर्पूरगौरम रंगाह छुय । न चे कांह दीविया पतु कनि छ्य ।। अजरु अमरु जय बोयनय ।।। परु आत्म सर्वु शक्तीमानुय छुख । मेति विजि बासन मेत्यंजय ।। अजरु अमरु जय बोयनय ।।। अति स्वंदर छुख बोड आदि दीव । तँथ्य मंजु लय कर गव मनोजय ।। अजरु अमरु जय बोयनय ।।। पापन सान्यन नाशिय कर । दार्यद्रस साँनिस कर ख्यय ।। अजरु अमरु जय बोयनय ।।। असुवुनि गिंदुवुनि कर न्यरामय । दया कर नाव छुय बोड दय ।। अजरु अमरु जय बोयनय ।।। न्यर्मलु नेशकलु कलु वंदुह्य । कृष्णस वर हर मूह बर प्रय ।। अजरु अमरु जय बोयनय ।।।
---	--



**261 अंतकालस दयायि बापथ भगवान म्रेत्यंजयस कुन प्रार्थना**

ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय चे शरन ।  
शिव शंकरु शिव शंकरु अंतकाल पालवुन बन । ।  
ग्यानु यूगु न्येत्रन मंजु बास सत् च्यत् आनंदुगन  
ज्यनु मस्नुक ज़रु ज़रु कास युथ गछि ज़नमन छ्यन ।  
अरु सरु कृत्य करुनोवुस येम्य गरु गरु करुनन  
शिव शंकरु रामेश्वरु अंतकाल पालवुन बन । ।  
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय चे शरन । । ।  
च्यत् त्वर्गस विगि र्टनाव स्योद पकनाव बगवन  
श्वद वासनायि आत्मतीर्थ यात्रायि हुंजन पंथन ।  
सिरियि तीर्थ तीजस सुत्य करुनाव प्यतरु लूक ह्यथ मिलवन  
शिव शंकरु गंगाधरु अंतकाल पालवुन बन । ।  
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय चे शरन । । ।  
त्रियि पोत्रन हुंजु प्रय छम कामनायन फिखन  
वुलट रायन ख्यय कर रोज़ मंजु अंतहकरुन ।  
जीवु बावस दीवु ग्वन दिम नाव छुय निस्त्रयग्वन  
शिव शंकरु ही जटाधरु अंतकाल पालवुन बन । ।  
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय चे शरन । । ।  
रामेश्वरु कामेश्वरु कामना छुख चु पूरुन  
कामना छम मूखी हुंजु शक्तिपातुक दातु बन ।  
भस्माधरु सूरु फशु सुत्य मन म्योन कर दर्पन  
शिव शंकरु भस्माधरु अंतकाल पालवुन बन । ।  
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय चे शरन । । ।  
ओरु योरु अन ज़ोरु म्योन मन तैथ्य प्यठ कर आसन  
करुतु दासन परुम्यु ज्योति रूपु हॉविथ न्यस्वासन ।  
खार श्वासन उश्वासन गगनस कुन रेह ज़न  
शिव शंकरु ही दिगम्बरु अंतकाल पालवुन बन । ।  
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय चे शरन । । ।  
स्यंजु वथ हॉविथ ज़ानुनाव नतु चे तु मे कुस छु ब्यन  
जीवु ब्रम छुम मंजु गोमुत ईक गोस मंजु द्वन त्रन ।  
च्वन हलन मंजु तुर्या रूपु बासुनाव त्रुबवन  
शिव शंकरु ही महेश्वरु अंतकाल पालवुन बन । ।  
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय चे शरन । । ।  
संकट कट मूर्छु खट ब्रह्म बासुनाव हनहन  
वासनायि हुंद वथरुन वठ जीवु छूट कति रोज़न ।  
मायाज़ाल च़ठ कृष्णस अथु रछ योरु ओरु अन  
शिव शंकरु ज़गत ईश्वरु अंतकाल पालवुन बन । ।

ही म्नेत्यंजयि यम्बयु निशि रछ मे आसय चे शरन ।।।

**262 समसार मूह मायायि निशि बचनु बापथ प्रार्थना**

ह्री दिगम्बरु च मे गम हर कर दया आसय शरन ।  
छुख म्रेत्यंजय कर मे पापन ख्यय च छुख बक्त्यन वरन । ।  
बव सरुकिस मूह गॅलिस वातनस छु ब्वद तरन  
नठ छ वॅछ्मुच वीरु शेरन राजु हमसन शाह परन ।  
करुखय ओरय क्रपा अदु असि हिव्य अँन्य रँन्य तरन  
छुख म्रेत्यंजय कर मे पापन ख्यय च छुख बक्त्यन वरन । ।  
कमि खक्ती बनि म्वक्ती छिनु अँस्य जिंदय मरन  
छ्य कठ्यन शाँती बनून्य लँग्यमुत्य छि अँस्य पनुन्यन गरन ।  
चट्टनाव मायायि ज़ालुय रूटनाव पनुनिय चरन  
छुख म्रेत्यंजय कर मे पापन ख्यय च छुख बक्त्यन वरन । ।  
ब्रमु बूतन प्राह कौरुख होल छुख यिवान ख्वश स्योद खरन  
मूह मस चथ छुय जगत व्वनमतु बूतायश स्वरन ।  
छुस तिमन मंज बुति अख कीट मँलीनता आश्रन  
छुख म्रेत्यंजय कर मे पापन ख्यय च छुख बक्त्यन वरन । ।  
अबिज्यथ छुय चोन प्रेयम करि क्याह क्रछ तय बरन  
सात<sup>1</sup> वुछ वुछ प्रोव क्याह असि नॉल्य छून्य नँव्य नँव्य फ्यरन ।  
जामु वल असि सुय युस चय छुख वलन न्यथ छुय दरन  
छुख म्रेत्यंजय कर मे पापन ख्यय च छुख बक्त्यन वरन । ।  
नितु पानस कुन रँट्थि यिम म्यॉन्य अंतहकरन  
ग्यानु न्यँत्र दिम वुच्छ चय छुख च अग्यानस हरन ।  
ब्रह्मवत प्वश्न कृष्ण डंडवत जयजय करन  
छुख म्रेत्यंजय कर मे पापन ख्यय च छुख बक्त्यन वरन । ।

1. महुर्त ।

263 शिव केशव अद्वैत नावच पूजा

ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय  
शेशि पीताम्बरु मायातीतु हँरिहरुसुय ।  
अद्वैतु गीतु परमु दर्मु परात परसुय  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।  
ओम वेष्णु कृष्णु रामु रामेश्वरु हरु शंकरु शोम्भू  
सुबहसु सुत्यु शामु मिलविथु शामसु सुत्यु प्रबातु ।  
सिरियि चँद्रमु कनि मन तु प्रानु द्वयि रूपु किन्यु घन तु रातु  
शिव तु केशव आत्मु रूपु हावि मंजु च्यत मंदरुसुय ।।  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।।  
पोशव कनि देह इंद्रेय अर्गुकनि लगी मन तु प्रानु  
वुस्नुय वथरुन पॉरोसु जीवतुकु सर्वु सामानु ।  
सीवायि पुछि समद्रेष्टु बावु रोजि मंजु आदरुसुय  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।  
स्वप्रकाशु रूपु दर्पनु मंजु नँनुरावि न्यरुमल पानु  
ओरु योरु पनुनुयु म्वखु हावि ईक बासि कासि अग्यान ।  
शाह रोजि गँजगाह ह्यथ च्यत् लगी चामरुसुय  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।  
स्ववर्नुक<sup>1</sup> छँतरा लागुन दियि स्ववर्नु<sup>2</sup> दर्मु ग्वन  
समसारु संतापसु मंजु सायि करि कल्पुत्रेख्यु जनु ।  
पूर्नायि हुंजि पूजायि हुंदु गोड वाति जरु जरुसुय  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।  
शाँती लगी चंदनु कनि टेकि कनि लगी शम दम  
तत् पदुकुय सत् श्रवनुयु ग्यवुनुयु हैयि सूहम ।  
मूखी दियि चरुनु अमर्यत बाँगरुन अमरुसुय  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।  
त्रैतियन हुंदु सर्वु त्रैवियन प्रेप्युन हावि नेशकल  
तथ नेशकामु कर्मु फलसुय नेरुन च्वशवय फल ।  
अनुग्रेहकुय नँवीदु मेलि आत्मु त्रफती गरुसुय<sup>3</sup>  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।  
महादीवसु बनि पूजा वासुदीवसु वाति स्वय  
च्यत् फुर्ना साँपनि लयु शिनि मंजु नोन गछि दय ।  
बाजा वजि कनुनुय गछि हरुसुय मनोहरुसुय  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।  
मुशकाह ह्यमु पोशन यिम लँग्य प्रकरुतुपरुसुय  
लगी दिवथाह मुशकसु, कोफूरुसु, अंबरुसुय ।  
मूख्य हुंजि लरि वथ हावि श्रदा बेहि प्यठ बरुसुय

ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।  
यिछि मायायि कमि होशि वातु कमि बोजु ज्ञानु शिनि रूप  
कूटी सिरियि रूपु स्वसतिस फीरिथि हवु कुस दीफ ।  
अंतु रँस्तिस कुस प्रेदिख्यन दिमु क्वसु पूजा करुसुय  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।  
सत् च्यत् आनंदु घानस मंजु सौपनि मन लीन  
बक्ती रोज़ि अंबीद अनाहद अतीत आदीन ।  
अद्वेतु ग्यान मारजन दियि यथ चरचरुसुय  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।  
क्वसु द्वयथा छि वेषुणाथस<sup>4</sup> तु वेशेश्वरुसुय<sup>5</sup>  
न्यरग्वनु ग्वनुवानु सर्व शक्तीमानु महेश्वरुसुय ।  
सुय अगम्य अपार तारि यथ बवु सागरुसुय  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।  
पँतिम्यन द्वन अछरुन ब्रोंठुकुन अन ग्वन गँजराव  
शंकर छुय कृष्णय कृष्णस छुय शंकर नाव ।  
कुस बीदा छुय गूपीनाथस तु गूपीश्वरुसुय  
अद्वेतु गीतु परमु दर्मुपद पुर परातपरुसुय ।।  
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरुसुय श्रीधरुसुय ।।।

1. स्वनसुंद; 2. पननि वर्नुकि; 3. यमि स्टेंजाहुक बाव छु : वेती रूपु सर्वु द्वेव्य, औशेदी रूपु अँगनुवँतरि सुत्य सपदि नेशकाम हवन । तमि नेशकाम कर्मु (हवनु) सुत्य मेलन च्वशवय फल - दर्म, अर्थ, काम तु मूख्य । बेयि मेलि अनुग्रेह रूपी हवदुशीश (नँवीद) - पूर्न त्रफती याने म्वक्ती; 4. विष्णु; 5. विश्वेश्वर ।

**264 अंतु समयस प्यठ मदद तु चरनामर्यत मेलनु बापथ प्रार्थना**

त्रुजगतपालु सानि कपालु लेख पननि प्रेयमुक्य ग्वन ।  
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालुवुन बन । ।  
बल<sup>1</sup> तु शुकदेव, भीष्म, प्रह्लाद, नारद, विभीषण  
चरसु अमर्यत चवन ह्यवन छि चान्यन चरसन ।  
तिहदे पासु मेति चावनाव करुनाव ज़नमन छ्यन  
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालुवुन बन । ।  
परामत्मा छुख चु पूरन न्यरग्वन न्यरंजन  
ही न्यरमलु नेशकलु बक्तवत्सलु बगवन ।  
देह अबिमान मद म्योन गाल नाव छुय मधुसूदन  
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालुवुन बन । ।  
वाँसा गँयि बूग बूगन चंच्यल छु मन  
येति योर रूछ पँतिमि समयिचि पीडयि निशि बक्त्यन ।  
अकिनावु सुत्य कें छ मे यार ज़ान अजॉमिल ज़न  
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालुवुन बन । ।  
कठिनिस बवुसरसुय मंज़ गासु कचि ज़न छि यीरन  
आर यीयनय असि बोठ खार दक् लँग्य लँग्य छि गीरन ।  
बोठ खॉस्थि बेहनाव मंज़ नेशचल बलवीरन  
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालुवुन बन । ।  
काँत्याह म्वख छि समसारु ब्रमरिस बाज्यन छुसनु छ्यन  
अँमिसुंदे छलु सुत्य वोथमुत छु अलुअलु गँबीरन ।  
नरि थचिमचु छ बलवीरन दँल्य चीरन चीरन  
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालुवुन बन । ।  
वसुदेव जीवु बावु निशि रूछ चुय संतन तु सादन  
कुत्य पाँपी म्वकलॉविथ मेति गाल अपरादन ।  
कृष्णस कन थाव नादन लागि हिय पदमुपादन  
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालुवुन बन । ।

1. राजा बली ।

**265 अग्यानस नाश तु व्यचारु बापथ दरखास्त**

तोतायि चानि गेव्यम छम दया चॉन्य      चु कस्तम अंतुकालस पालना म्यॉन्य ।  
थवुम व्यचारु स्वस्त अग्यानु रोस्तुय      वुमुर गुजश्रवु देह अबिमानु रोस्तुय ।।

**266 अपरादन हुंज बावथ तु शाँती मंगुन्य**

मे संतन हिश न छ्य शाँती न शम दम ।  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।  
दया सागर वनन छिय लूख साँरी  
दयाये हुंद समंदर छुख चु जाँरी ।  
दया अय मे कख अथ क्याह गछिय कम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।  
मे जनमन हुंघ महा अपराद हस्तम  
दया करतम मे मूर्खस लोल बस्तम ।  
प्रेयम दिम पूर त्युथ युथ दूर गछ्य यम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।  
फस्योमुत छुस बो मंज समसार जालस  
फकत छम चाँन्य आशा अंतकालस ।  
कँडिथ निम जाल मंजु बखशुम परम शम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।  
बो कोताह रोजु येति आँखुर मरुन छुम  
कठ्युन समसारकिस सँदरस तरुन छुम ।  
नितम मंजु नावि प्रेयमुचि स्योद रँटिथ नम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।  
व्वपाया कर मे युथ मन रोजि नेशचल  
मलिन ब्वद छम बनेमुच बनि न्यस्मल ।  
करुम अंतहकरन श्वद प्रावु व्वपस्म  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।  
बो छुस अँदुर्य न्यँबुर्य छ्योट, खोट क्रे या छम  
फकत बोठ खारुवन्य चाँनी दया छम ।  
गंगाजल ह्युव बनावुम श्रूच व्वतम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।  
शेरीस्स प्यठ नजर छम छुस बो अनजान  
यछन छुस मान माँनिथ मामसुक पान ।  
ग्यानुक सिरियि मंजु मूह रँच बनतम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।  
यशस ह्यथ छम वेशय बूगन हुंजुय प्रय  
दया करतम दया करतम चु छुख दय ।  
पखांडस कामु कू दस नाश करतम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।  
शरचि<sup>1</sup> शोरुबने<sup>2</sup> छम पापु प्यँच<sup>3</sup> सुत्य  
कोहाह हिश बँड छि काँपन अथ वुछिथ कृत्य ।



चु हवुस ज्योति रूप अथ व्वथि जमजम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।  
चे छ्य द्वय पननि कुनिरुच मे दुय कास  
चे छ्य द्वय पननि बजरुच जु म ज़ांह बास ।  
च्यतस गनतम तु ज़नमस ज़ांह म अनतम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।  
कुनुय ऑसिथ चु नाना रूपु किन्य द्राख  
चे ह्युव ग्वनुान निस्त्रयग्वन छु कुस ब्याख ।  
कुनिय तत्पदु सुत्य शौज़रावतम त्वम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।  
पँतिमि समुये यमस निशि म्वकलावतम  
चु पानस ह्युव बनावुम मूख्य दावुम ।  
असाँवुनि म्वखु पवलनावुम मे कोसम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।  
छु सागर चानि कुनिरुक सौन स्यवह ज्युठ  
अँनिथ दिम म्वखतु नतु खारुन गछ्यम कूठ ।  
बो कथ सुत्य लागु हम किथु पॉठ्य दिमु दम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।  
हवा ज़न बन बसंतुक अन चु मे बोश  
पवलन व्वदि यूगु बागस होशिकिय पोश ।  
तिमन पोशन प्यठ्य छख शांत शबनम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।  
बो बुय करुनुक म थावुम कांह खयाला  
न बास्यम देह, देह्व चाला न डला ।  
गल्यम आवा-गवन रोज्यमनु कांह गम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।  
ज़गत कति दरिहे कुस कार करिहे  
समय ऑदीन कुस जेविहे तु मरिहे ।  
छु ठँहसँविथ अँमिस चाने सतुक थम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।  
अगम्य अपार छुख न्यरग्वन न्यारकार  
मे कँछ्र यार कर बवुसागस्स पार ।  
कँस्थि सोरुय मे थव लोबकुन ही न्यरालम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।  
अवेद्या कासतम न्यथ बासतम सत्  
ग्यानुच थ्यथ दितम स्वय छम परमुगत् ।  
अच्यत थॉविथ मे पथ मोच़रावतम ओम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।

चु सनम्वख रोजतम अदु चालु स्वख-द्वख  
खस्यम बोठ म्वखतु सत्सागर दियम ग्रख ।  
रँटिख निथ होश देह मंजु चेनि क्याह चम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।  
स्वतंत्र थव मै चेनुन शेलि<sup>4</sup> ह्युव शम  
सौरूपस तेलुनिस<sup>5</sup> नशि छ कम ।  
प्रेयमु मस मेलि यस कस गेलि आलम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।  
पनुन कस्तूत वुछ्य वुछ्य छुस बो आँदीन  
कृष्ण पनुनिस सौरूपस मंजु करुन लीन ।  
करुस मन लय तु अदु नोन नेरि सूहम  
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।

1. खॉहिशि हुंजि (शर = खॉहीश); 2. बारूद अंबार ; 3. गासु (यम्युक वगुव छु बनान); 4. कॅन्य (कनि); 5. सौरूपस सुत्य द्यान मगन गछनवोल (मेलन वोल, लय गछन वोल) ।

**267 वेशय बूगव निशि बचनु बापथ प्रार्थना**

वेशय बूगन हंजुय छ्य सास्निय प्रय  
वेशय बूगुय निवन छ्यि लूबु किन्य मन  
वेशय स्वख बूगनुय मेथ्या ब्रमुय छुय  
सु स्वख दिम शिवु शंकरु छुख दयावान  
चु छुख आत्म पानय मे दुय कास  
कुनुय ओसिथ चु नाना रूप किन्य द्राख  
छु परम आकाशसुय प्यठ चोन दरबार  
अदोगँच<sup>1</sup> रोस्त ऊरदुगँच<sup>2</sup> हुंद दितम वर  
कँडिथ बोड नाव क्याह छुम पतु प्रावुन  
कँडिथ यश पतु क्याह हँसिल करुन छुम

गँयि त्रफती येमिस सुय गव ज्यत् इन्द्रेय ।  
स्वरुन त्रॉविथ सदा संतोशि स्वस्त बन ।  
असुल स्वख परमु शाँती शम दमुय छुय ।  
जिंदय पानय मे करुनाव आत्मच जान ।  
चरचर छुख चु पानय जु म जांह बास ।  
चु ओस्य वर मे योस्य छुय चै कुस ब्याख ।  
मे मायाजाल चठ रठ अथु ह्योर खार ।  
अजरु अमरु हर हर छम यमुन्य थर ।  
बौ गछु न्यरग्वन तु न्यरमाया बनावुन ।  
वेशय बूगिथ पतव लाकँन्य मरुन छुम ।।

1. निकृष्ट गति, भवबंधन; 2. उक्कृष्ट गति, परमधाम ।

268 वॉरग तु त्रन अवस्थायन हुंद वसन

नालु कड छुम मूह ज़ाल नॉल्य ।  
कॉल्य<sup>1</sup> मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
कमकम रजु दुनियादार कॅर्य कॅर्य बॅड्य बॅड्य कार ।  
कृत्य यशुवॉल्य समयन गॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
पोशि लंजिनय प्यठ शूबिदार डंजि कति रुद्य जानावार ।  
वावु चंजि प्यठ यीरिख्य ऑल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
ह्तबजनुय सबनुय द्युन खॉर बोद बतु बाँगरुन ।  
ब्रह्म येगिनिक्य वातन वॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
कति खांदर कति रजु दार हॅस्य, गुर्य, रथु सवार ।  
कति पालकि कति हॅस्यवाल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
कति मुख्लु कति गॅजगाह कति महरेन्य कति शाह ।  
दायि थचिमचु वुदु जॉल्य जॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
कति रजि कति बाजि सुत्य ऑस्य कति गोस्वी शाह गॉस्य ।  
अरदॅल्य बंगॉल्य नयपॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
कति महरेन्य कति महाराजु कति साजुगॅर्य शूबिदार ।  
कति जॉल्य वॉक् जुमक् तु बाँल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
कति यावुन कति ल्वकचार यि छु तावनुन बाजार ।  
कति म्वखतु मालु स्वनु कनुवॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
थ्वक् स्टनस कित्य तयार च्वंजु दायि खॅदमतगार ।  
नोकर थॅव्यमुत्य माजि मॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
वुदु ज़ालन अँछ मा लागि दूपु ज़न दगि बूतन ।  
पास्चन प्यठ त्रावन जॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
कति जेशनु नगमु आतशबाँज्य बांडु जेशनु सेतारु साज ।  
फूल मशालि ज़ालनवॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
कति मलनुय तनि कोफूर कति सपनुन पतु सूर ।  
अबिमानुवॉल्य नास्न जॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
यिथि याद प्यनु गछु व्वदास छ्यनु मा बनु वनवास ।  
गरि मा नेरु फेरु बाँल्य बाँल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
ग्रेहनु मंजु छस दरु लॅजमुच तीजु स्वस्त गॉमुच जून ।  
रॅच हंजु गमु गटु चॉल्य चॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
मूह रॅच मंजु शॉग्य कृत्य चॉर्य पॉर्य लगु सत्प्वरशन ।  
यिमनु ब्रम बाँज्यगास्न डॅल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
चानि दयायि सॉरी पॉल्य छुनु चे ह्युव ब्याख कांह ।  
वॅन्य दिथ आकाशि पातॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
छटि रूदु मंजु छस लाचार अंद मंजु रोजनस नु वार ।  
छम मे दिचमुच कागजुच पॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।

मेघवर्णु चानि बूदु रूदु सुत्य कुत्य च्यथ फॅल्य म्यवु द्राख ।  
मीठ्य गॅयि जीवु बावु टैठ्य खॉल्य काँल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
कुत्य सुह सॉपुन्य प्वछ्लॉव्य राज न्यूख वांदस्व प्रोव ।  
अज तान्य कुत्य रूद्य वुछु शॉल्य काँल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।  
सौंथ आव चानि प्रेयमुक राग फोल ब्वदि यूगु बावु बाग ।  
छॅव कृष्णन होशि पोशि डॅल्य काँल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।

1. वक्त वातनस प्यठ ।

**269 मूह मदु निशि बचावनु बापथ प्रार्थना**

बक्तु वत्सलु सर्वु शक्तीमानु ।

बडि भगवानु लगुयो ।।

पतु क्याह नेरि मंजु अबिमानु वुनिक्यन करुनाव ज्ञान ।  
पननि पानुच असि जिंदु पानु बडि भगवानु लगुयो ।।  
चानि यल्लयि असि व्वपुदोव शिनि मंजय खरु थोव ।  
प्यतरवनोव कूत कास्खानु बडि भगवानु लगुयो ।।  
ब्रमुरॉव्य येम्य समसारु आँबदारुन दितु होश ।  
मूह मस च्यथ गॅयि देवानु बडि भगवानु लगुयो ।।  
सानि क्वटम्बुक चुय वुछ हल नॉल्य गव मायाजाल ।  
प्रेयमु मस च्यथ करतु मसतानु बडि भगवानु लगुयो ।।  
मच्चि नेंद्रे मंजु वुजुनॉव्य प्रेयमु चानि अँश्य फेर्य त्रॉव्य ।  
तिम अँश्य फेर्य करतु म्वखतु दानु बडि भगवानु लगुयो ।।  
चोन प्रेयम च्यत् सोन नियि सुय फल दियि बक्त्यन ।  
युस नेरि मंजु शिव न्यस्वानु बडि भगवानु लगुयो ।।  
बोज़ मंजु यितु नितु सोन मन च्यत् फुस्नायि करतु छ्यन ।  
प्रावुनाव परमु शॉती थानु बडि भगवानु लगुयो ।।  
मतु वुछ्तु सानि प्रकरँच कुन वुछ्तु पननि दयुगँच कुन ।  
कम बक्तिस लदतु बौड बानु बडि भगवानु लगुयो ।।  
क्याह करनि आस समसारुस थ्वक् यथ व्यवहारुस ।  
क्वलु दीप करतु मंजु खानुदानु बडि भगवानु लगुयो ।।  
द्वखु तापस सेकि मॉदानु स्वखु सायिबानु प्यठु त्राव ।  
त्रेशनायि रोस्तु थव दयावानु बडि भगवानु लगुयो ।।  
कृष्णस कड मंजु अग्यानु करुनाव आत्मु ज्ञान ।  
ब्रह्म बासुनाव अमि यमि सानु बडि भगवानु लगुयो ।।

**270 क्वकाल निशि बचनु बापथ शोम्भूजियस कुन प्रार्थना**

चोन अनुग्रेह छु अन्न दनु माल शोम्भू ।  
गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।

क्वकाल गव श्वबु कर्मु फल पोत ह्योन ख्योन च्योन ह्यथ लूक् अयाल शोम्भू यूगियव चोन दान वुछ आश्चर्यवथ क्याह कर्यम अदु तप जप माल शोम्भू मे म करुनाव कांह कर्मा स्व छ कथ पानय छेनि मायाजाल शोम्भू कर दया चे वनन पतित पावन छिय चे वनन छिय दीनु दयाल शोम्भू बोठ खार मूह सागरु यितु केशव राजस छुय यी वनन शाल शोम्भू अँदरिमि अमरनाथु ग्वफि दम मॉल्य वातुनाव प्यठ सूहम बाल शोम्भू	स्वकाल गव चानि नावु द्युन ब्रौठ युन । गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । । मे टेख कस्नु रोस्त स्व छ दयुगथ । गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । । मे म स्वरुनाव कांह स्वरना स्व छ वथ । गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । । आशितोश नाव चोन थ्यकुनावन छिय । गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । । शाल येलि क्वलि गव आलम क्वलि गव । गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । । वुफुनावि द्धन हमसन मँशरिथ आँल्य । गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । । तति प्रजलन छु पानय च्यत् आकाश । गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । । फलु कनि यिन अथु कतस्नु बे ह्यस । गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । । मन म्योन नितु अदु छुख मधुसूदन । गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।
---	--

न छ वुजुमल न छु सूमु सिरियि रूपु गाश  
यूगु न्यँत्रव परजुनावि लाल शोम्भू  
सुय गव चोन चानि प्रेयमुक रसु मस  
सुय ज्ञानि यस बनि युथ हल शोम्भू  
कृष्ण नाव चोन करुवुन छु आकर्शन  
कृष्ण रूपु किन्य कृष्णस पाल शोम्भू

271 समसार हलातन पेशि नजर अद्वैत बक्ती मंगनुच प्रार्थना

परमत्मा पानय छु कायायि मंज ।  
 बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 मूह गट चलि ज्योति रूप नोन हवि पान स्यद गछि द्यान यूग ग्यान वेग्यान ।  
 छय कति दरि येलि सिरियि रोजि छयि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 सुय पूरन छु हनि हनि मंज मीलित् तील ह्युव तेलस मंज तीलित् ।  
 ? दय छु ऑसिथ बयह सानि श्रदायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 प्रेयमु मस चावि मंशरावि हन हन मन मेलि शब्दस सुत्य बोजि क्याह कन ।  
 त्युथ नशि खसि युथ नु आसि विजियायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 मेघवर्णु चानि स्वरु सानि दास्नायि मंज च्यत् आकाशि वर्शुन वसि रायि मंज ।  
 स्वप्रकाशि शब्द वुजमलि गगरायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 सिरियि ऑसिथ छु पनुने शूबायि मंज तीजु बिम्ब प्यव न्यर्मल जलु ग्रायि मंज ।  
 यि छ नियती ईश्वर यछायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 जलकुय अल ड्लु कास बन म व्दास वुछ अंतहकर्नन प्यठ छु आबास ।  
 रोज साख्यवत नेशकाम क्रेयायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 लूबु त्रेशनायि रोस्त थवतु श्रदायि मंज न्यस्-अप्यख्य थव जीवतुचि कामनायि मंज ।  
 न्यस्-आश रोजु अदु सर्वु आशायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 अंतस्वख रोजुन असि दरकार न्यवरं च प्यठ वैकरव सुय छु व्यचार ।  
 क्याह हॉसिल छु जगत्तुचि शूबायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 दीव मानुन तु थावुन नु कामना तु लूब आत्म त्रपती मेलि चलि जीवतुक ख्युब ।  
 मजु कुस मेलि क्रेछि फीर्य फीर्य क्रायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 मूर्ख बावना छु आलुछ सकाम बूग ग्रेह दशायि श्वबु फल दर्मु व्वदूग ।  
 क्याह छुय ब्रामरी संकटायि व्वलकायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 पानस तान्य न छु कांह अरिष्ट न छु कांह रूग पानय यिन ब्रौंकुन प्रारब्द बूग ।  
 क्याह प्रावुन छु गरिचे ममतायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 पथकुन च्यन मात्र योत बासुनाव मन तु प्रान मिलविथ कलनायि रोस्त थाव ।  
 पूर्नु मावसि सूमु सिरियि एकतायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 द्वय च्छे पननि कुनिरुच जु म जांह बास असि करुनाव सर्वु संकल्पु सँन्यास ।  
 च्यय योत रोज च्यत् फुरनायि त्रायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 ही अगम्य अपारु चठ मूह जालस क्याह करुनम अष्टु स्यंज अंतुकालस ।  
 बसुनावुम सँतिमि बूमिकायि जायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 कछि मंजु फवलुनाव मे ह्युव अछि पोश लछि बदिनुय निमु होश मेलि मे बोश ।  
 रछुनि ताजु थव हर्दु आपदायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।  
 संतन सुत्य करुनाव न्यथ समागम अदु छुनु आवागवनुक कांह गम ।  
 कृष्णस कृष्णजुव बस वासनायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।



**272 अनज्ञान्य मंज ति भगवानु सुंद नाव ह्यनु सुत्य छ सेदी मेलान**

गेविम अनज्ञान्य पाँठ्य यिम चॉन्य नावुय  
तिमन नावन छि कृत्याह आसुवन्य ग्वन  
करन छि ख्यय महापापन क्वकर्मन  
तिमन हुंद फल द्युनुय चैय प्यठ मे थोवुम  
चे छ्य द्वय पननि कुनिरुच ख्वश मे प्यठ रोज़  
पँतिमि समये पनुन्य दयिगथ मे हवुम  
यिहॉय मनिकामना मंजूर करतम  
मे सनम्बख रोज़तम दयायि सुतिय  
चे शंकरु कृष्ण रूपस वंदुहॉय पान  
कृष्ण नावस छ आकर्शनु शक्ती  
चे छ्य प्रय रामु नावुच जय चे बोयनय  
चे छ्य प्रय रामु नावुच छुख ज्यत् इंद्रेय  
चे छ्य प्रय रामु नावुच छुख चु अबय  
चे छ्य प्रय रामु नावुच छुख न्यरामय  
चे छ्य द्वय रामु नावुच मे दुय कास  
कृष्ण छुय राम रामस सोन प्रनाम  
वनय हिंदी ज़बॉन्य कृष्ण सुंद गीत

तिमन नावन छु मूखी द्युन स्वबावुय  
निवन छि मन दिवन छि मूख्य बक्त्यन  
हरन आवागमन हर्शस करन मन  
यिमन निशि म्वकलावुम मूख्य दावुम  
यिहॉय म्यॉन्य प्रार्थना व्यनती बोज़  
परुम शम दिथ मे पानस ह्युव बनावुम  
दया क्रपा ख्यमा बरपूर करतम  
पतव लाकँन्य नितम शूबायि सुतिय  
स्यवह स्वंदर मनोहर छुय यिहोय दान  
निवन च्यत् ब्वद दिवन बक्ती तु म्वक्ती  
मे छ्य प्रय कृष्ण नावुच मन करुम लय  
मे छ्य प्रय कृष्ण नावुच दिम मनोज़य  
मे छ्य प्रय कृष्ण नावुच कर मूहस ख्यय  
मे छ्य प्रय कृष्ण नावुच छुख चु बोड दय  
चे छ्य द्वय कृष्ण नावुच जु म ज़ांह बास  
अँबीदु बक्त करुनाव्यम मे नेशकाम  
छु मायातीत बूगन हुंद कँस्थि हीथ । ।

**273 अकूर जीयुन गोकुल प्यठ श्री कृष्ण मथुरायि निनस प्यठ गूपियन हुंद व्यलाप**

क्या कहें अकूरजी ने कैसा किया यह काम ।

श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।

ब्रजबासी हैं उदासी चश्म तर हैं आम      रोते रोते राधा कहती सुबह हुआ शाम ।  
ना झ्धर है ना उधर है फिर किधर है श्याम      श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।  
पारा<sup>1</sup> करके वस्त्रों को तन से छेड़ें प्रान      स्त्री जोगन बनूंगी फेंकदूं सामान ।  
नंद नंदन के लिए छेड़ें मैं नंदन ग्राम      श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।  
फिरते हैं हम रात दिन कर्मू का यह फेर      कृष्णचंद्र जब मिले तब कब है अंधेर ।  
अब वह सूरज मुख दिखावे आता है पैगाम      श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।  
प्रेमपानक पीने दिया होश लिया सब      सब कुटुम्बा सब कबीला भूल गया अब ।  
बन गए हैं हम उदासी घर में है क्या काम      श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।  
गोपियों ने यह कह हय हय गया मन थाम      हम गरीबों का वह लेवे अब न मुंह पर नाम ।  
वह है अब राजों का राजा हम हैं सब सुदाम      श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।  
जसुदा कहती थी मोहन हमसे गया हय      मुझ बूढ़ी माई को उसने छेड़ दिया हय ।  
नूरि दीदा जाने से आंखें हुए बादाम      श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।  
हम यहां हैं वह वहां है फिर कहां है वह      बात सच है साथ उसके हैं जहां है वह ।  
ऐसी ही दीवानगी का नाम है परमधाम      श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।  
है अज्योध्या में खराबी कुछ नहीं आराम      सर्व मंगल लेगया जंगल गया श्री राम ।  
सत् महल का कृष्ण है छत रामजी है बाम      श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।  
प्राण प्यारे जब न मिलें क्या करेंगे हम      खाने पीने के सिवा जीते मरेंगे हम ।  
कृष्ण का है ऐसे प्रेयमवालोंको प्रणाम      श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।

1.चाक चुन, चटुन ।

**274 अबेद भक्ति — गूपियन हुंद व्यलाप**

हमसे मोहननाथ ने कैसा किया है काम  
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।  
दर्दमंद-ए-इश्क को है क्या दवा से काम तशनये शोकश करे क्या रोगन-ए-बादाम  
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।  
दिल लिया दिलबर ने हमको कुछ न दिया दाम हमने आपही तख्त छेड भक्त है बदनाम  
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।  
कृष्णजी है आत्मा मन है बलजी राम मोह रूपी कंस मारे है सच्चा पैगाम  
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।  
मुक्त की चाहत नहीं है भक्त है निष्काम हमने आप ही छेड दिया नामोस नंग व नाम  
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।  
मन है लक्ष्मण बुद्ध विभीषण आत्मा है राम मोह रावण जल्द हट्टदे धर्म को प्रणाम  
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।  
भावना का दूध था क्या पुख्ता था क्या खाम कृष्ण को हरजा मिला क्या शहर था क्या गाम  
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।  
जब लडकपन से निकाला आशकों में नाम तब गदाई पादशाही है गवाह है आम  
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।।

**275 प्रेम बँस कृष्ण अस्तुती**

कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन  
तुम हो मन और प्राण ले मेरा अंतहकरण ।।  
क्यों न कहूँ तुम आत्मा हो क्यों न रूँ मैं मनमग्न ?  
क्यों न वृत्ति गोपियों से रास खेलोगे अभिन्न ?  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।  
क्यों न कहूँ मैं सब तुम ही हो क्यों न होजाऊँ शरण ?  
कृष्ण भक्ति जमुनाजी में डुबादो मेरा मन  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।  
वृत्तियाँ हैं गोपियाँ तुम आत्म रूपी हो मोहन  
आओ खाओ भाव का दूध दही शजरा मखन  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।  
एक अनेक वैक तुम हो तुम ही हो तीनों भवन  
तुम ही हो पृथ्वी और जल पवन अग्नि और गगन  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।  
तुम ही साक्षात्कार हो सत् चित् आनंदघन  
तुम करो सिद्ध अब मेरा श्रवण मनन निदयासन  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।  
क्यों न नारदजी बनूँ गाऊँ तेरा श्री कृष्ण गुण ?  
शुकदेव और व्यास बनके ध्यान दारों रात दिन ?  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।  
क्यों न त्यागों राज बनूँ भरत सीता लक्ष्मण ?  
अंजनी नंदन बनूँ गाता रूँ श्री राम गुण ?  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।  
क्यों न बनूँ शिवरा सुनलूँ तेरे मुख से श्रवण ?  
जंगली मेवा खिलाऊँ तुमको हो जाऊँ शरण ?  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।  
क्यों न बनूँ कुब्जा चंदन से मलूँ तेरा तन ?  
क्यों न यह जो मैंने बोला यह है भक्ति का लक्षण ?  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।  
क्यों न यह जो मैंने बोला उसपर दयाकर भगवन ?  
मुझको अर्जुन जानकर मेरे लिए विश्वरूप बन  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।  
पीते हैं अमृत धारा धोते हैं तेरे चरण  
तुम हो मोह माया से न्यारा हम तुझे आएँ शरण  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।  
हम नहीं कुछ तुम हो सारा हम तुम्हारा भक्त ज्ञान

अब सुनो समसाऱुसारा कृष्ण का प्यारा भजन  
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।

**276 शांती दिथ बवसागर तारु खॉतरु व्यनथ**

कृष्ण तुमको मैं यह बिनती करता हूं बास्मबार ।  
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।  
धन की प्रय है मन है चंचल बन गए दुनियादार  
पीछे साथी कोई नहीं आवे केवल तुम हो यार ।  
काया माया सब है नाशी भ्रम है यह समसार  
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।  
सब प्राणों से तुम प्यारा हो सब प्यारों का प्यार  
जो कुछ है तुम ही सारा तुमको जयजयकार ।  
अंतहकरणों से न्यारा हो निर्मल निर्विकार  
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।  
तेरे मिलने की चाहत है और न कुछ दरकार  
सब कामों में रहत देवो पाया तेरा दरबार ।  
कथा श्रवण में सुख बख्खो मिथ्या है पखवार  
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।  
नित है शुद्ध चित् सत् पुरुषों का व्रत है ब्रह्माकार  
उनके संगत के बरकत से हम हो गए उद्धार ।  
साडे मुख से सब जीवों को पहुंचा दो उपकार  
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।  
ऐसी आत्म स्मरत देवो जिस से हूं उद्धार  
संतों साधों का बनादो प्रेमी सीवाकार ।  
कृष्णको शुद्ध प्रकृत बख्खो ओम तत् सत् व्यचार  
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।

**277 मूह ज़ालु मंजु नेरु बापथ प्रार्थना**

फंस गए मोहजाल में हम अब तुझे आएँ शरण  
सार इस समसार में कुछ है नहीं चंचल है मन ।  
सुख नहीं अयाल में हैं हम उदासी रात दिन  
हम हैं ऐसे हाल में शिव नाम तेरा दुख हरन ।  
क्या करे अब हमको काया मोहमाया और धन  
हमको अब निश्कल बनादो जल्दी आवो मनमोहन ।  
क्या बने देह चाल में अब दीजियो अनुग्रह अन्न  
गम नहीं कुकाल में हम करते हैं तेरा भजन ।  
सबको अंतकाल में अचित करो आनंदघन  
कृष्णजी के हाल पर दयाल बन कृपाल बन ।  
फंस गए मोहजाल में हम अब तुझे आएँ शरण  
सार इस समसार में कुछ है नहीं चंचल है मन । ।

**278 मूह मदु निशि बचनु बापथ प्रार्थना**

राधे श्याम हरे कृष्ण अरे प्रभु गोपाल ।  
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल । ।  
मेरा मन है जमुनाजी वृतियां गोप गवाल  
वह है प्रेयम अमृत रूपी जल से मालामाल ।  
उसमें नहाओ खेल बनाओ बालकपन की चाल  
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल । ।  
देह भ्रम रूपी शेर को है मद से आंखें लाल  
उसको पकडो खींचो बांधो मारो उतारो खाल ।  
उस सिंह आसन के ऊपर अपना आसन डाल  
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल । ।  
हम तुमपर अर्पण करते हैं तन मन अन्न धन माल  
सब प्राणों से तुम प्यारा हो न्यारा हो अकाल ।  
हमको मोह से मद से भ्रम से दुख से गम से तल  
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल ।  
क्या करे हमको मथुरा काशी गोकुल ब्रज नैपाल  
साडे चित् नगरी में बसियो तुम हो दीनदयाल ।  
भक्तों का तुम पालनवाला तीनों जग का पाल  
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल । ।  
हम गृहस्त में फंस गए हैं काटे मायाजाल  
केवल तुम्हारा आसरा है देख हमारा हाल ।  
कृष्ण को शुभ दर्शन देवो लेवो अपने नाल  
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल । ।



**279 मथुरायि प्यठ गोकुल यिथ श्री कृष्णुन रस र्चुन**

मथुरा से बिंद्राबन में आया ।

रधा ने पाया मनमोहन । ।

गोपियों के भक्तिभाव ने सिर उठया	ग्यान योग निद्रा में था नंदलाल ।
राजगद्दी के आसन पर से जगाया	रधा ने पाया मनमोहन । ।
मीठ मीठ मखन जसुदा ने लाया	मोहन ने खाया भावना से ।
सब गोपियों ने भी उसको खिलाया	रधा ने पाया मनमोहन । ।
गोप-गवालों ने धूम मचाया	आगया गोकुल मे गोपीनाथ ।
अपने बाल-बच्चों को तब बुलवाया	रधा ने पाया मनमोहन । ।
कृष्ण चंद्र का सूरज मुख चूमा	चंद्रा ने रात दिन घूमा था ।
ललिता ने छती से उसको लगाया	रधा ने पाया मनमोहन ।
कैसे कैसे आपदा उसने हटया	दैतों के दुख से बचाया देश ।
ब्रजबासियों ने कृष्ण गीत गाया	रधा ने पाया मनमोहन । ।
अर्पण करते हैं अपना प्राण काया	अन्न धन मन मोह माया के साथ ।
तुम हो सूरज हम हैं छया	रधा ने पाया मनमोहन । ।
तीनों लोकों में था चर्चा घर घर	शंकर बन गया है गोपीश्वर ।
रस में कैसे उल्लास बनाया	रधा ने पाया मनमोहन । ।
कृष्ण ने राम भक्तों को समझाया	राम है कृष्ण कृष्ण शंकर ।
राग रंग में त्याग गुल खिलाया	रधा ने पाया मनमोहन । ।
कृष्ण कहता है हय फंस गए हम	आ गया भ्रम अब कहां शम दम ।
आप ही करे हमको निर्माया	रधा ने पाया मनमोहन । ।

**280 श्री कृष्ण सुंदन ग्वनन हुंद वर्नन**

सभों को ले गया तन मन	जो हो मोहन तो ऐसा हो
हुआ वैकुंठ बिंद्राबन	जो नंदन हो तो ऐसा हो ।
वोही निर्मल वोही निर्गुण	निरंजन हो तो ऐसा हो
ब्रह्मानंदघन पूरन	सुदर्शन हो तो ऐसा हो ।
किया लक्ष्मी को आकर्षण	मनोहर हो तो ऐसा हो
बशक्ले द्धारिका सुंदर	उत्तम घर हो तो ऐसा हो ।
हुआ गोकुल से जब जाना	बहना हो तो ऐसा हो
कंस ने काल तब माना	जो होना हो तो ऐसा हो ।
हिलाना कोह खुश आना	उखना हो तो ऐसा हो
इंद्र ने तब ब्रह्म जाना	दिखाना हो तो ऐसा हो ।
शक्त मालूम हो जाना	निशाना हो तो ऐसा हो
ब्रह्ममाजी गोप गुण गाना	सयाना हो तो ऐसा हो ।
सुदामा यारे नव पाना	जो पुराना हो तो ऐसा हो
विभूती गर में ले आना	कमाना हो तो ऐसा हो ।
कई दिन कुल विद्या पाना	जो दाना हो तो ऐसा हो
यह माया है वही सारा	जो न्यारा हो तो ऐसा हो ।
जसुदानंद का प्यारा	कुमार हो तो ऐसा हो
लडकपन में फिरा बन बन	नज़ारा हो तो ऐसा हो ।
कराना शत्रु ख्यय अरजन	सहारा हो तो ऐसा हो
कृष्ण चंद्र उज्वल रेशन	सितारा हो तो ऐसा हो ।।

**281 यह लूक तु परलूक सुदासु बापथ श्री कृष्णस कुन प्रार्थना**

हम हैं सुदामा कृष्ण मुरारी ।

आएं तेरे दरबार में ।।

तुम हो दाता हम बिखारी	कैसी लचारी नादारी ।
सोचो हमारी दुनियादारी	आएं तेरे दरबार में ।।
दरिया सा तेरा लंगर है जारी	उसका करो हमको भंडारी ।
देखो हमारी अयालबारी	आएं तेरे दरबार में ।।
भ्रम में फंस गए हम समसारी	तुम हो दयाल सर्व उपकारी ।
इस नींद से अब बखशो बेदारी	आएं तेरे दरबार में ।।
ना हम जोगी ना ब्रह्मचारी	ज्ञान के भी ना अधिकारी ।
भक्ति देवो वह है सरदारी	आएं तेरे दरबार में ।।
सबको किया तुमने सर्व अधिकारी	अब आगई कृष्ण की बारी ।
रखो दया की उमीदवारी	आएं तेरे दरबार में ।।

**282 पनून्य शसुंडगी नज़रलत थँवलथ प्रार्थना**

भ्रम मस पीके मस्त गए हम	फंस गए मोहजाल में ।
कहां चललया तुम हमको छेडकर	श्री कृष्ण ऐसे हाल में ।।
घरके कामों में हम फलरते हैं	चलतु को नहीं कुछ चैन है ।
दुनलयादारी में है ख्वारी	कुछ सुख नहीं अयाल में ।।
हमको शांती शम दम देवो	पड गए जंजाल में ।
कब है प्रसन्नताई मन को	अन्न में धन में माल में ।।
जलसको जलतना है जंजाला	उसको उतना काला मुंह ।
सबसे सखो हमको नलराला	अचलत अंतकाल में ।।
चलतु मन बुद्ध प्राण शांत बनावो	ईकांत के खयाल में ।
ऊर्द्धगत देवो उदोगत लेवो	मत मत सखो पाताल में ।।
मेरे मन को शांती बखशो	फलरफलर के फलर फलरने में ।
अज्योधया ब्रज ध्वरलकाजी मथुरा	काशी में नैपाल में ।।
ठकठकी बांधकर आंखें सखो	श्री कृष्ण चंद्र ध्यान में ।
देह दृषुठ की चलतु मत सखो	मुझको चकोर चाल में ।।
कहां चललया तुम हमको छेडकर	श्री कृष्ण ऐसे हाल में ।।।

**283 राधायि हृद श्री कृष्णस याद करुन**

जागो जागो श्याम सुंदर योग निद्रा से  
आप मोहन को मनाया है उसने  
सोलह सिंगारुं से राधा प्यारी ने  
उठे उठे श्रीधर मुल्ली मनोहर  
महामाया में तुम निर्माया हो  
तेरे आने से सब गोपियों ने  
इंद्रावती ने चंद्रावती ने  
कैसे कैसे रंग से अच्छ बिछैना  
ब्रह्मा ने देवलोक ब्रह्मलोक वैष्णलोक  
गोपीश्वर बनके शिव शंकर भी  
ललिता सखी ने रास मंडल में  
जो कुछ था दुख मोह माया भ्रम  
चित् से बुद्ध से मन से प्राण से  
सब सखियों को हमने समझाया

भोग लक्ष्मी ने बुलाया है ।  
आइए बंसरी बजाइए आप ।।  
सुंदर बनाया काया को ।  
भक्तों ने तुम को जगाया है ।।  
तुम सूरज वह छया है ।  
धूम धाम धनधन मचाया है ।।  
गम की घटा सब हटाई है ।  
रेशम और शाल से सजाया है ।।  
साथ सब अपने लाया है ।  
भेस बदलाया आया है ।।  
कैसे कैसे रचना रचाया है ।  
वह सब हम ने उखाया है ।।  
आप का ध्यान लगाया है ।  
कृष्ण ने यह गीत गाया है ।।

**284 लंका जीनिथ रामजियुन अयोध्यायि वापस युन**

अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है ।  
जिन व इनसान रीछें बंदरों का खूब चर्चा है । ।  
शह खरसाँ<sup>1</sup> शह मैमून<sup>2</sup> अंगद है फौज खुद लेकर  
हनुमान व विभीषण लक्ष्मण व श्री राम सीता है ।  
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।  
अभी आए हैं लंका जीतकर और देखकर दशरथ  
प्यारे रामजी के सबको दर्शन की तमन्ना है ।  
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।  
बरसते हैं फलक से फूल सीताराम के ऊपर  
गुलों का देवतों के हाथ में एकएक माला है ।  
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।  
ब्रह्म ने रामजी के तन में अपना जलवा दिखाया  
बिला शक रामजी में कुदरते कामिल हुवेदा<sup>3</sup> है ।  
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।  
बिला शक मालिके कुल शकले इनसान बनके आया है  
नहीं इनसान नहीं है नूर यह नूरे तजला<sup>4</sup> है ।  
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।  
करे जो राम राम, राम उसको मूखीधाम देता है  
सभों ने रामजी के नाम से आराम पाया है ।  
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।  
बगलगीरी<sup>5</sup> को आए भाई तीनों मादर<sup>6</sup> अपने  
शत्रुघ्न और भरत कैकई सुमित्रा और कौसल्या है ।  
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।  
गुल अफशानी<sup>7</sup> के लिए बैठे हैं सब लोग अपने बामों पर  
वह धनधनबाद<sup>8</sup> मंगल का सदा कानों में आता है ।  
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।  
ज़र अफशानी<sup>9</sup> से करते हैं गदायां<sup>10</sup> जेब व दामन पुर  
स्वां दरयाये रहमत है बडे दातों का दाता है ।  
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।  
विश्वामित्र व वशिष्ठ व व्यास व शुकदेव और मुनीश्वर सब  
श्रवण में उनके कथा भागवत और राम गीता है ।  
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।  
अभी श्री रामजी आवे पकडकर हाथ लेजावे ।  
कृष्ण वनपोह<sup>11</sup> के बनमें इन्तज़ारे वक्त रहता है ।  
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।

## **Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

1. रीछ (ह्यपुथ); 2. बंदर (वांदुर); 3. ज़ाहिर (ज़ॉहिर); 4. बिजली; 5. गले मिलना (नालुमोत करुन); 6. माताएं (माजि); 7. फूल बरसाने (पोशु वर्शुन); 8. धन्यवाद (धनबाद) (धनभाग्य); 9. अशरफियों का बरसाना (मोहर वर्शुन); 10. भिखारी (बेछुन्य); 11. गांव का नाम जहां राजदान साहब रहते थे (राजदान साँबनि गामुक नाव) ।

**285 काल निशि बचन बापथ प्रार्थना**

काल के डंड से हमको बचाओ ।  
रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।  
ना झूठ कहने का ताकत रखो    नित रखो हमको उक्तम विशेष ।  
सत् चित् आनंदघण बनाओ    रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।  
अंधकार रूपी शत्रां हट्टओ    चित् बुद्ध बनाओ गौरी गणेश ।  
शांती काशी में बसाओ    रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।  
घर का राग द्वेष सब हट्टओ    कुछ मत रखो वासना की लीश ।  
शांत करके ईकांत में पहुंचाओ    रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।  
चित् फुर्ना परम शम में डुबा दो    अचित बनादो वह है उपदेश ।  
निर्वासन आसन पर बिठ दो    रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।  
मया की वार्ता सब समझा दो    जब कुछ नहीं क्यों है राग द्वेष ।  
शिव निर्वासन सागर में डुबा दो    रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।  
काल के मुख से मत घबरा दो    कृष्ण को हट्ट दो संकट क्लेश ।  
शक्तिपात से अपने साथ ले जाओ    रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।



**286 बक्ती व्पासना - बीलनी शिवर तु श्री राम संज्ञ वार्ता**

भीलनी का झूठ मेवा रामजी ने खाया ।

उत्तम पाया प्रेम से ।।

भक्तों का प्रेम सब को दिखलाया	रामजी को किस चीज़ की है चाह ।
व्रत धारियों का संदेह मिटाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
राजधानी छेडकर बन में आया	सच मान कर बाप की आज्ञा ।
ऐसा सतोगुण देवताओं ने गाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
दशरथ ने सब भेज कर बुलवाया	रामजी ने शहर आना न माना ।
बन गए माया में निर्माया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
सब देवतों ने चित् में समाया	कैसी थी सीता पतिव्रता ।
सूरज के साथ फिरती थी छया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
श्राद्ध किया पित्रों को गंगा में नहाया	आप ही होके ब्रह्म अवतार ।
हम को भी ऐसा करना फरमाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
बढे प्यार से जटयन की काया	जला दी सच्चे मार्ग से ।
धर्म कर्म करना सब को सिखलाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
लक्ष्मण भरतजी का प्रेम बढया	ऐसे ही भाई होने चाहियें ।
सुग्रीव को मित्रभाव दिखलाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
एकदम में दुम से लंका जलाया	कैसा था पवनसुत सीवाकार ।
रामजी को सीता का हल सुनाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
इंद्रजीत और रावण को उखया	दे गए विभीषण को लंका का राज ।
मंदोदरी का पत बनाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
लंका जीत कर अज्योध्या में आया	सब को दिखालाया श्री राम रूप ।
लोगों को परम धाम में पहुंचाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
कृष्ण ने द्वैतभाव मन से हटया	राम को जाना परम आत्मा ।
राम का नाम ज्ञान योग में लाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
राम राम करके आसन बिछया	चित् में लगाया राम का नाम ।
राम नाम शिव शंकर को भाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।

**287 दर्शन बापथ प्रार्थना**

छेड़ों परहेज़ संजीवन का दवा कर मुझको  
हिज़ का दर्द है मिलने का शफा कर मुझको ।  
नब्ज़ पर मेरे तुम अब दस्ते शफा अपना स्ख  
जो है तलवासे जिगर इससे छुड़कर मुझको ।  
डक्टर बनके मेरे दर्द-ए-दरुनी पूछे  
फाका देदे के अब मत जोरोजफा कर मुझको ।  
बाग-ए-रहमत से मुझे ले दे तू लताफत की बू  
जिस्म व दिल रुह दिया गम चू सबा कर मुझको ।  
मुझको दरकार नहीं रज न यह तख्त न यह ताज  
मैं हूँ मोहताज-ए-शफा आज दवा कर मुझे ।  
मुझे शत्रों ने बहुत तंग किया घेर लिया  
तुम हो मित्रो-ए-मित्र उन से रिह कर मुझको ।  
मैं हूँ कम बख्त मुझे आती है बहुत सख्ती पेश  
ले खबर मेरे अब सब कष्ट दफा कर मुझको ।  
खाने पीने का वह दे हुकुम जो चाहूँ खाऊँ  
क्यों रहूँ सुस्त स्खो चुस्त बनाकर मुझे ।  
मेरे खातिर का चमनज़ार शगुफता होवे  
एतदाले असर से आब-ओ-हवा कर मुझे ।  
मैं हूँ रुहानी व जिस्मानी कसाफत से अलील  
बिस्तरे गम से उख करके सफा कर मुझको ।  
या मैं बेदार रहूँ नींद करूँ या कि पढ़ूँ  
मेरे चित में रहो सब करना खा कर मुझको ।  
जिंदादिल स्खो वही जिंदगी-ए-जावेद अस्त  
ध्यान में मग्न स्खो अमृत को पिलाकर मुझको ।  
गुलशाने खदमते आज़ाद तबां में चूँ सर्व  
स्खो इस्तादा बयक-पाये बसाकर मुझको ।  
दस्त व पाये हमअ याराने इस्म चूमूं मैं  
स्खो सस्सब्ज़ सुख रूए हना कर मुझको ।  
सफरी जामा में है हुबि वतन दामनगीर  
शहरे आराम से कभी मत जुदा कर मुझको ।  
खाने पीने में और नियामते गोनांगूं में  
स्खो हस्दम तोता याद करकर मुझको ।  
शखते वस्ल पिला ताकि सदा मस्त रहूँ  
ज्ञान योग रस में मिला पास बुलाकर मुझको ।  
जेहवा व हवस व देरे व आलम सेर करो  
तारिक अज़ अफसरये अर्ज़ व समा कर मुझको

मैं बलगता<sup>1</sup> हूं नज़र रख के तेरे आने पर  
आओ श्री कृष्ण अभी वादा वफा कर मुझको ।  
छेड़ों परहेज़ संजीवन का दवा कर मुझको ।।

1. इंतज़ार करना ।

**288 दीवियि छ काँशुर ज़बान स्यवह टँठ - इज़हर**

वनय दीवीयि छ्य काँशुर ज़्यवुय टँठ  
पसन वाल्यन तु बोज़न वालिनय प्यठ  
हसन छख द्दख करन बरकत गरन छख  
ग्यानुच बक्तिबावुच वँन्य मे लीला  
कनन छम गछ्न संतन तु सादन  
मे संतन सुत्य थोव न्यथ सत् समागम  
तथ ईकांतस अंदर ओसुय च़े कुस ब्याख  
च़ु संतय रूपु छुख ऑसिथ न्यराकार  
दिवान छुख मूह रूपी राखिसन मार  
मनशन येलि सत् तु पशि बाव म्वख छु ह्यवन  
मलिन ब्वद येलि गछ्न छख छि डलन लूख  
लगय सादन तु संतन पॉर्य पॉरी  
लगय संतन तु सादन पदमु पादन  
लगय संतन तु सादन ग्यानु न्यँत्रन  
लगय संतन तु सादन सत् व्यच़ास्स  
तमाशा छिस वुछ्न लोबकुन थँविथ मन  
अदर्मच लूब लंका ज़ालुवन्य छि  
करुन्य च़े शिव शंकरु आरती छम

पस्ख बोज़ख च़ु तेलि काँक्सि गछ्यि काठ  
प्रसन गछ्न छ कासन सर्वु संकट ।  
यि माता पोत्र जॉनिथ प्रय बरन छख  
बनॉवुम छेट बँड्य ऑसिथ दँलीला ।  
ह्यनम तिम दाद सुत्यन व्यच़ारु नादन  
तिमय युथ बोज़नम मंजूर करनम ।  
च़ु संतय रूपु किन्य नोन ज़गतस अंदर द्राख  
सतुक अवतार छुख बोयनय नमसकार ।  
श्रवनु सुत्य छुख करन बवु सागस्स पार  
च़ु संतय रूपु छुख अदु मूख्य दावन ।  
सत्कि ज़लु छुख छलन अदु छिख चलन शूक  
च़ु छुख तिम बोज़तम कन दॉर्य दॉरी ।  
च़ु छुख तिम बोज़तम व्वन्य लोलु नादन  
अट्लु डलु यूगुक्यन पम्पोशि पँतस्न ।  
छ बाज्यन मोज ह्यवन बाँज्यगास्स  
छि च़ालन स्वख तु द्दख त्राँविथ तम्युक ग्वन ।  
विभीषण सत् स्वबावुक पालुवन्य छि  
करुन ह्योत सत् समागम कासतम ब्रम ।।

289 समसारु म्वक्ती बापथ प्रार्थना

ओम सत् च्यत् आनंदु कंदु गोविंदु न्यरद्वंदु निस्पंदु वंदुह्य पान ।  
नादु ब्यंदु परमानंदु स्वछ्यंदु च्येय चरनारु ब्यंदुनुय वंदु मन प्रान ॥  
कास अग्यान बास सनिदान छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥  
दय छुख तु म्नेत्यंजय छुख तु लय कर च्यत् फुर्नी सॉन्य अमि यमि सान ।  
वासनायि ख्यय कर ज्यत इंद्रेय कर दिथ मनोजय कर न्यरअबिमान ॥  
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥  
ममतायि कर ग्रास गरु कर वनवास व्रत सॅन्यास अंतलास पॉसन ।  
दिथ व्यकास ब्रम कास व्दास छुस बो दास आस पास बास आस रास खेलान ॥  
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥  
समसारु ब्रॉती, शॉती दिथ कास आत्मु वैश्वास थव स्वय छ ब्रह्म ज्ञान ।  
प्रथ श्वास उश्वास खसु वसि होशि हेरि अचि नेरि अंदेरु मंजु तीजुवान ॥  
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥  
देह सेतास्स इंद्रेय कनुनुय तारख कनि गंडुनॉविथ प्रान ।  
अंतहकस्नन हंजि जेवि उदुगीत सामु स्वरु ग्यवुनाव शिव न्यर्वान ॥  
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥  
केंह नु ऑसिथ शिनि मंजु व्वपदोवुस रायि चानि बनोवुस इनसान ।  
रागु जामन चटु त्यागु दामन स्टु पॉरुनावु तिवरु वैरागु सामान ॥  
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥  
ओरु आय केंह दोह योरकुन गछ्छनम वति प्यठ कोडमुत छुम प्रस्थान ।  
चुय सहाय रोजुम पोट्रय तु म्यंत्रय त्रॉविथ गछ्छनम शिनि मॉदान ॥  
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥  
शाह पाह ऑसिथ देह दोर मानुन सुय गछ्छि ज्ञानुन बोड नादान ।  
परिवारु मंजु सुत्यु दर्मुय योत पकि नेश्कामु कर्मुय दिथि परमुथान ॥  
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥  
माजि हंजि त्वलि मंजु पलि क्याह ओसुय कॅम्य द्युतुय देह च्यत् ब्वद मन तु प्रान ।  
यी पज्या सुय वुनिक्यन मॅशरावुन केंह नु आसिथ हवुन अबिमान ॥  
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥  
कोम्बी पाकु क केंह नु याद पावुन थ्यकुनावुन छुस बोड बागिवान ।  
व्वतम क्वलुकुय नाव मंदुछवुन त्रावुन दर्म कर्म यूग ग्यान ॥  
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥  
परोपकारु निशि अथु पथ थावुन दनु कमुनावुन बडि छलुसान ।  
ख्यथ च्यथ त्रावुन पान व्यॅठरावुन कलु गिलुनावुन छुस बलुवान ॥  
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥  
पॅट्य पशमीनु फरशा वथरावुन मूह न्यॅदरे मंजु सावुन पान ।  
अॅदरी मल न्यॅबरी देह नावुन गॅजरावन छुस बोड खानुदार ॥  
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ॥ ॥

जलसुय येम्य यिछ शकला दिचुनय पांछ त्वत् चाने बापथ व्वतपत छुख दयावान सर्व	अकला दिथ कोरनख रूपवान । तैम्य कैर्य युथ रोजख स्वखुसान ।। शक्तीमान ।।।
मूह मस च्यथ छुख यश थ्यकुनावन सोकृय वैशव छ्य प्रैतिशव छुख दयावान सर्व	प्रोवमुत छुम लूकन मंज मान । मान तिमुनय शूबि यिम छि प्रदान ।। शक्तीमान ।।।
कायायि स्वख द्युन पथकुन द्वख छुय सतुचिय थ्यथ थव सुय महमत छुय छुख दयावान सर्व	संतोशि व्रंछ प्रावख कल्यान । व्रत छुय श्वद च्यत् व्वपदावान ।। शक्तीमान ।।।
अस्त्वत कैस्थिय तस मॉलिकस कुन दयिगत मॉनिथ जयि स्वस्त बन छुख दयावान सर्व	येम्य नु शिनि मंजु होल कोरुय कांह तान । कर न्यर्मलु बोज नाग लयि मंजु श्रान ।। शक्तीमान ।।।
व्यवहारु बागस यशि फुलया लेंज व्वदासीनुवत सॅन्यासु व्रंछ हंजि छुख दयावान सर्व	गरु ख्यूबु वावय छि बरु सपदान । ईकांत थरि शांत फल छि नेरान ।। शक्तीमान ।।।
गर्बस अंदर कलु ओसुय व्वनकुन कर नेरु न्यबर परोपकार करु छुख दयावान सर्व	जंगु ह्योरकुन ओसुख गॅजरान । दयु नावा स्वरु दरु हरु द्यान ।। शक्तीमान ।।।
वनतु परदीसिया कति प्यठ आख यथ ज्ञान कर येतिक्यन सत्प्वरुशन सुत्य छुख दयावान सर्व	ब्रमुदीशस मंजु छुख अनज्ञान । प्रावनावनय तिम आश्चर्य थान ।। शक्तीमान ।।।
यथ अनिर्वचनीय अनादि मायायि तेलन वाल्यन च्यु छुख मेलन छुख दयावान सर्व	तेलन तेलन गॅयि हॅरान । न छि आबॉदी न छु वीरान ।। शक्तीमान ।।।
सकामु कर्मु खरि अनतम मु कशनुय ब्रमु सुत्य युन गछुन ज्योन मरुन छु मशनुय छुख दयावान सर्व	कॅश्य कॅश्य पतु छ पशनुय जान । पशिनय हुंद ह्युव थाव मु गुजरान ।। शक्तीमान ।।।
कॅह नु येलि छुस अदु कथ प्यठ मद छुम जीवतुक सर्व आहार अश्वद छुम छुख दयावान सर्व	चारिरुक हद छुम छुस ह्यवान । जामना द्रामुना छुस करान जान ।। शक्तीमान ।।।
सूखिमस प्यठ छुस साता वैकन मूर्ख बोज हुंद वस्त्र नालु कडतम छुख दयावान सर्व	छुम पतय देह ब्रम म्वख हवान । कॅड्य जालु मंजु कडतम दामान ।। शक्तीमान ।।।
ख्यतु-खे कैर्य कैर्य क्याह छुम प्रावुन सर्व आत्मु बावु अनुग्रेह बूग बूगनाव छुख दयावान सर्व	ख्यमुनु तु छुम होखरावुन पान । ख्यमु चमु ह्यमु दिमु समु द्रेशटिसान ।। शक्तीमान ।।।
व्वद म्यॉन्य रॅटमुचु छ व्यवहारु ख्यूबन यिमनु वैशय बूगन प्यठ छि लूबन	थ्यत प्रेग्यन्यन सुत्य करु क्वसु मान । तिमुनय छु शूबन द्युन व्याख्यान ।।

छुख दयावान सर्व शक्तीमान ।।।  
आत्मारामु चानि रायि व्वपायि सुत्य लायि मूह मदक्यन रखिसन कान ।  
शाँती सीतायि मनु लक्षमणसुय दर्मु वनुसुय मंज्र दिम वरदान ।।  
छुख दयावान सर्व शक्तीमान ।।।  
सतकिस कुलिसुय सतकुय ब्योल जेवि सत् ब्यॉलिस छु सत् कुल व्वपदान ।  
कुल जगत फौलमुत सतकुय कुल छुय रंगु रंगु फुलया छस शूबान ।।  
छुख दयावान सर्व शक्तीमान ।।।  
तनि मंज्र प्रान थव चेनुन ब्योन कड ग्रेहनु मंजु नोन कड सिरियि भगवान ।  
गाश दिथ वोन दिनि जगतस ओन कड नोन कड पुस्थि समु द्रेशट थान ।।  
छुख दयावान सर्व शक्तीमान ।।।  
सादु सत्संगुचिय प्रय बरुनाव हर हर ज़नमा-ज़नमन हुंज हान ।  
सर्व आत्मु बावु ग्यानु यूगु स्वस्तु थाव मूख्य दिम नाव छुम कृष्ण रज़दान ।।  
छुख दयावान सर्व शक्तीमान ।।।

**290 अद्वैत बक्ती (ग्यान-बक्ती) मेलनु बापथ प्रार्थना**

छुख मूख्य दाता पानु चय  
यी गछि आसुन ती मे दिम  
सनम्वख यितम सोरुय नितम  
बक्ती दितम बक्ती दितम  
मँस्ती होशस ह्यथ मंगय  
बक्ती क्वंगय जाय रंगय  
मूहकिस जिनिस दजुन स्वबाव  
बक्तियि हुंज रेह प्रजलाव  
ममतायि लंका जालतम  
श्रीरामु मूह मद गालतम  
शक्ती तु म्वक्ती शूबि च़ेय  
बक्ती दितम बक्ती दितम  
छुख बीदु रोस्त शिव कृष्ण राम  
प्रासन छुस च़े निशि यिनस  
मेथ्या पदार्थ क्याह मंगय  
शांत गछु अद सुत्य सत् संगय  
वाँसा गँयम मेथ्या वनन  
छुस लूबु फल पेहनस अनन  
करुनावतास्स च़ेय सोस्थि  
पास्स बनावुम शँसतुस्स  
छुय मे क्याह च़ारुन छेत कुहुन  
छुम अरुसख रोस्तुय लूहुन  
काया छ म्याँनी द्वारिका  
मंगन सुदामा छुस बेख्या  
यी गछि आसुन ती मे दिम

केवल सतुक व्यचार दिम  
यूगुक ग्यानुक सार दिम ।  
द्युतमुत यि छुय फीस्थि ह्यतम  
बक्तियि हुंद दरबार दितम ।  
मतु नचुनावतम दिथ बंगय  
सुय रंगुनुक व्यसतार दिम ।  
चय ग्यानु रूपी अँगुन हाव  
अग्यानु शोस्स नार दिम ।  
बावुक विभीषण पालतम  
यथ बवुसस्स तारतम ।  
मन क्याजि तथ प्यठ लूबि मे  
बक्ती मे बास्मबार दिम ।  
आसन कँस्थि प्यठ परमु दाम  
जल्दुय मे व्वन्य आंकार दिम ।  
तिम बूग्य व्वन्य आय टंगय  
यिछि बखुच हुंद आचार दिम ।  
क्रय कस्तु रोस्त छ कँह बनन  
व्वन्य ग्रट्टचिय अनवार दिम ।  
तारुम मे तास्स थफ कँस्थि  
नास्स कँस्थि गुलजार दिम ।  
छुम मजु प्रथ बूगस चुहुन  
शोमस्थि मे इंद्रेय द्वार दिम ।  
चय छुख कृष्ण परम आत्मा  
सर्व ऐश्वरी यकबार दिम ।  
यूगुक ग्यानुक सार दिम ।।



**291 शाहस्स मंजु श्रदायि हुंजु कैमी वुच्छि रजदान साँब वनपोह यिथ फस्मावान**

ब्रौठ प्योम तुलमुल मंजु मंजुगोम ।  
कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।  
न्यथ सत् संगु स्वस्तु मन म्योन न्यूथ कतक् पोशि रंगु स्वस्तु मन म्योन न्यूथ ।  
कोमलु अँगु स्वस्तु छुख गेश्योम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।  
गँज मे द्वर्गत चँज मे हन तनु प्यठ द्रास बो बोड बागिवान ।  
रजु हमसु सायि चोन यनु प्यठ प्योम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।  
चानि पूर्णायि सुत्य छ्वचरुय मे चोल त्रपती मीलिथ बूग लूब गोल ।  
नेशकामु कामदीनि दामु द्वद मे चोम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।  
मथुरायि मंजु कोत वसुनुय छुम लूक् हुंजि जैवि प्यठ खसुनुय छुम ।  
ब्रज गामस मंजु बसुनुय प्योम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।  
सुत्य सुत्य गूर्य बालकन नेरु ना कामुदीनु वँछ्य र्छ्मे फेरु ना ।  
वुल्टु शाहस्स मंजु छम क्वसु कोम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।  
बक्ति बावनायि हुंजु थँन्य र्ख्यमुना बावु थनु तलुकुय द्वद चमुना ।  
शाहुर मंजु प्रेयमु द्वद छुम ओम ज़ोम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।  
म्यानि श्रदायि क्वबजायि हवु म्वख राजस प्रौर्य प्रौर्य लोगमुत छु द्वख ।  
कामु कूदु कमसु रूपु मन कर मे मोम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।  
त्रन कूरु ग्रेहघन लँजमुचु छ ठ्वल पुंघिमिस तु नँविमिस कस्तु न्यखल ।  
कृष्णस बोजु प्यठ थोद तुलतु बोम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।

**292 प्रार्थना (111 बंदन मंज)**

- म्वक्तु हस्स थोद करुम म्वल प्वख्तु खँरीदारु मे (1)  
बावु म्वखतस खोट मु करुम स्यज़रुकि बाज़ारु मे (2)  
चोन सन्यर छुनु गँज़रुन बावु म्वक्तस लयि क्याह (3)  
आसि युथ त्युथ रुत छु मानुन मॉल बरतम वारु मे (4)  
छेच प्रकरुच हंगुन्य म्यॉन्य लोच छ मंज बवुसागस्स (5)  
आत्म बूदकि रूदु थव सुय म्वक्तु सुत्य ग्वबि बारु मे (6)  
बवुसागरु खारतम बोठ हारतम द्वख ही प्रोबू (7)  
दारुतम अवतार केशवु तारुतम यमि तारु मे (8)  
युस मकामा ख्वश यियिय कल्यानु पुछि सुय वायतम (9)  
ज्यव पनुन्य दिथ ग्यवुनावतम जॉन्य छेच सेतारु मे (10)  
युथ छ्वचर करि बूद हरशस प्वख्तु आसुन सूद क्याह (11)  
डलिमय स्वर कनुदँर ह्यम गंड च्चु हरशिचि तारु मे (12)  
तपु रेश्यव तपु कॅर्य कॅर्य पनुनिय पान म्वकलॉव्य (13)  
लूख ह्यथ दिम परमु स्वख छेच शब्द बोजुम वारु मे (14)  
जंगलस मंज क्याज़ि च़लु थवु वयखँरी मंगल खँट्थि (15)  
मुश्क चोनुय नोन छु बक्ती हुंदि चंदन दारु मे (16)  
गोख सीतारुमु जंगल दीशिक्यन कुस हर्षी वोट (17)  
छिय ग्यवन ग्वन चॉन्य सॉरी हव म्वख दुबारु मे (18)  
पननि कम कोमुक मे छुम गम कासतम तु ख्वश आसतम (19)  
राजस सान दीशि स्वख दिम सुत्य ह्यथ परिवारु मे (20)  
बडनस कुन मँत्य छि सॉरी रुशि रोस्त छुख मिलुचार (21)  
पननि कोमुच शूब वुछि छ्य वसन अँश्यदारु मे (22)  
म्रेति विज़ि छिय वान वननु सुत्य यमुकें कर पथ च़लन (23)  
छुस वनन लूख ह्यथ सॉरी मूख्य हुंद कर चारु मे (24)  
कर क्रुपाद्रेष्ट ज्योतिरुप हव दज़नुक असि क्याह छु गम (25)  
ज़न कुंदन स्वन चमकाव कड ग्वतुख्यथ मंज नारु मे (26)  
सुबह दम फोल जगतस फितनुच फसादुच गटु चँज (27)  
श्यामु स्वंदरु दीशि स्वख मोंग चानि बडि दरुबारु मे (28)  
द्वय चे छ्य पम्पोशि पादुच प्रेयमु हीय थव मुश्कुदार (29)  
श्रेह बँस्थिय आरुवल ज़न फवलुनाव मंज आरु मे (30)  
समसारुचि बाज़ि मंज ज़ेनुन तु हारुन छुय वेखीफ (31)  
हारुनावतम मतु दर्मुक दनु समयिकि ज़ारु मे (32)  
करुवुन्य पनुन्यन मतन तोता बेयन नँद्या करुन (33)  
सारुनिय हुंद कर्म तल थाव पननि थदि आचारु मे (34)  
व्वश च़लनम रोजु कस मोहताज बेखिकिस दातु बन (35)  
वॉस सॉरुय वारु नेर्यम कुस दप्यम लाचारु मे (36)

- दार कांह आकार पूजत बनु सीवाकार चोन (37)  
 हव दर्शुन चाव अमर्यतदार गंगाधारु मे (38)  
 अर्थ एकोअहं बहुस्यामुक<sup>1</sup> छु कुन बनहोँ स्यवह (39)  
 बँडरवुम कोम क्वल थाव दीशिबाँय ह्यथ वारु मे (40)  
 छुस बो ज्ञानान आसि ईश्वरु नीती बँडरुन जगत (41)  
 मे ग्रेहस्तिस दूशु स्वस्तिस रछु मंज व्यवहारु मे (42)  
 नारदन हँव प्रजापतुन्यन शुर्यन वॉरागु वथ (43)  
 ग्यानुवानस शाप पूर्या छु पछु यिथि कारु मे (44)  
 ग्वगस्सि मंज हगुरा ह्युव बोलि रोस्त मतु थावतम (45)  
 पोशनूल ज़न बोलुनावुम कृष्णु बडि अवतारु मे (46)  
 त्युथ मे शॉही ज़ोर दिम युथ माथ करु कोमन बेयन (47)  
 बाँतिनी पाँठ्य वयखँरी हुंजि ननि किजि तरवारि<sup>2</sup> मे (48)  
 दीशु स्वखु यिम मंगन तिम छि दर्मुक्य आफताब (49)  
 चलि नगरस गटु व्वन्य केंह कृष्णु चँदु यारु मे (50)  
 दनि<sup>3</sup> मंज येलि दीवु ग्वर<sup>4</sup> यियि सारिनुय बनि मिलुचार (51)  
 वयखँरी विगिन्यव यि वोन बोज़ हुंदि स्वंदरि नारु मे (52)  
 छुवपि सुत्यु क्याह वाति लूकन दीवु वॉनी स्वखु दियख (53)  
 तोति दपन दीशिबक्तु दीशु सीवाकारु मे (54)  
 श्रुचु व्वतम बूग बूगव स्व छ ईश्वरु नीती (55)  
 हुकुम सतुक मानु ख्यथ चथ कुस दप्यम नाकारु मे (56)  
 मजु त्युथ बूगन दितम युथ छुनुनुय तालस थिवित<sup>5</sup> (57)  
 दयि सुमरँचसान बूगिथ कुस दप्यम बदकारु मे (58)  
 ज्योन मरुन क्याजि मँशखु येति रोज़व कूत काल (59)  
 युन गछुन कोनु याद पावखु यिथि ब्रम बाँज्यगारु मे (60)  
 दर्बि तुजन प्रय मे बँरुम वीरि दर्मुक ज़ोर दिम (61)  
 ह्यथ अहिंसादर्म थावुम सुत्यु पर व्वपकारु मे (62)  
 छ्यतु करतम देहचिय रेह च्यतुकिन्य थवतम उदार (63)  
 थ्यत प्रेग्य ज्यत् इंद्रेय थवतु सुत्यु ह्यतुकारु मे (64)  
 त्युथ बहेरुम्वखु मेति थावु युथ पानु द्रामुत छुखु न्यबर (65)  
 युथ न्यँबरु अँदरु च्छुखु त्युथ थवतु न्यारुकारु मे (66)  
 छुरियि मुंडचि रयि कनि अँजदर तु जिन पेशाचु बूत (67)  
 छुखु थ्यकन शाहमारु लँट्यु समसारु भूतीमारु मे (68)  
 अँगुन न्यँत्रु ज्योति रूपु ज़ालुम सर्वु पाप (69)  
 देह ब्रमस बसमु करतम वारु भस्माधारु मे (70)  
 यिनु चाने जिंदगी लबु वारु वनतम प्रारु कूत (71)  
 आरु बँर्यते मारु मते मतु करतम मारु मे (72)  
 यस दिचुथ वॉरागु प्रकरत तँम्य जगत मोन ब्रह्म रूप (73)  
 लबिकनि ब्यूठ वननि लोगु क्याह नेरि मंजु पखिारु मे (74)

- येम्य ग्रेहस्तुच ममता त्रॉव न्यखासन<sup>6</sup> थ्यत प्रॉव तॅम्य (75)  
येम्य ग्रेहस्तन संतु प्रय बॅर दर्म वुछ तमि दारु मे (76)  
मे प्रकाशुक जामु वल न्यस्मल मे थव आकाश ह्युव (77)  
छुख दिगम्बर च्युय मे गम हर ही अगम्य अपारु मे (78)  
मेघवर्ण नाव छुय प्रकाशि शब्दस प्रजलाव (79)  
अमर्यत आकाशि प्यठ त्राव चाव म्वख वारु हव मे (80)  
शिन्याहस प्यठ जाय छम प्रकट बननुच मे राय छम (81)  
सिरियस सुत्य छय छम न्यथ थवतु तीजाकारु मे (82)  
कथ छमनु वारु फोस्न अथुकिन्य ऑदीन छुस (83)  
यूगु ग्यानु अरि जुवसान लदतु अन्न दनु द्यारु मे (84)  
यावनुक बल म्योन सोरुय चंच्यल गव फिकरि सुत्य (85)  
ल्वकचार गोम चारिस्स मंज बुजस्स कर चारु मे (86)  
यूगु ग्यानु द्यानु स्वस्त थाव नेशकल अग्यानु रोस्त (87)  
शिनिक्सि शिन्यस दप्यम कुस अदु दुनियादारु मे (88)  
ग्यवनस मंज वुमुर गुजस्थि कूत चोलुम स्वख तु द्वख (89)  
स्वखुसान निम ग्रेतिविजि सेदि म्वखु यमि समसारु मे (90)  
कार कैर्यकैर्य करनु रोस्त थाव स्वरनस मंज स्वरनु रोस्त (91)  
दीवु ग्वन दिथ जीवुबावस हर मंज व्यवहारु मे (92)  
रंगुरंगय दीवु मॉनिम ईक छुख परम आत्मा (93)  
दीवु सॉरी हवतम नॅन्य शब्दु मंज ओमकारु मे (94)  
दिवताह प्रकरत मे थाव थ्यत थव मे न्यथ संतन हिशिय (95)  
सत् मोचित पथकुन अच्यत् थव व्रत ब्रह्म आकारु मे (96)  
जिंदु दिल वुछ म्वर्दु बसतन मंज तु कोर संतन प्रनाम (97)  
मंज ग्रेहसतन कार कैर्यकैर्य लूब वॅस्यतन पारु मे (98)  
शॉती हुंद हवतम म्वख श्वद च्यत् न्यथ थावतम (99)  
सुत्य श्रवनु मननु निदद्यासन साख्यातकारु मे (100)  
करुनावुम प्रथ अँकिस प्यठ दर्मुकिय ग्वन दिथ दया (101)  
रोजतम अँदुर्य न्यँबुर्यकिन्य सुत्य परोपकारु मे (102)  
ल्वकचारस्स बुजस्स मंज यावनस कॅड्य पांच दोह (103)  
ग्यवनस मंज गिंदुनस गुजरॉविम दोह तारु मे (104)  
दोहु अकि खँत्य शंकराचारस्स तु ह्योत रतस ग्यवुन (105)  
विगिन्यव ह्योत रोव करुन ती बूज मंज गुपुकारु मे (106)  
छुय समय ऑदीन सोरुय कृहनिस छेत रंग लोग (107)  
वालवुन कोफूर ओबराह वोथ तु खोत कोहसारु मे (108)  
ग्योव मे रतस सुबह फोल खोत सिरियि दोह ह्यथ वोय साज (109)  
शामस यितु कृष्णु चँदु ह्यथ नबुचे तारु मे (110)  
म्वखतु हास्स थोद करुम म्वल प्वखतु खँरीदारु मे (111)

## **Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

1. ँकोअहं बहुस्याम; 2. निहयत कमजोर (जनति लँकरि किज हिश तलवार); 3. धनु राश ; 4. बृहस्पति देव; 5. मुँह में; 6. सतुचिय ।

**293 ग्यान मंगनु बापथ सत्गोरु महाराजस कुन प्रार्थना**

अज सॉन्य व्यनती सत्ग्वरु सादय ।

कुनिय नादय बोज़ । ।

रातस गौंज्र्यम नबुचे तारय	कृष्ण चँद्रे येति प्रास्य कूत ।
श्यामु रूप सुबह फोल यिनु डलि वादय	कुनिय नादय बोज़ । ।
वेग्यानु खु <sup>1</sup> चूरिमि पदमु पादय	च्यत् बोम्बूर सोन व्यूर ह्यथ द्राव ।
गीत गेवि चानि सत्संगु समवादय	कुनिय नादय बोज़ । ।
मायातीतु अंतु रस्ति अनादय	कुस अखा चॉनिस अंतस वोत ।
ही अगम्य अपारु आदिकि आदय	कुनिय नादय बोज़ । ।
मंज चानि मायासागरु व्वतपत	छि गछन ब्रह्मांड बुद बुदवत ।
अवतार कारन दीव अगादय	कुनिय नादय बोज़ । ।
च्यत् अबलक चोल कोत पकि प्यादय	सेजि वति क्वछि क्यथ सेन पकुनाव ।
छुस पथर प्योमुत करुम इसतादय	कुनिय नादय बोज़ । ।
व्वनमत बूताह छुय जगत गोमुत	तथ मंज प्योमुत छुस बो अनजान ।
स्वव्यचास्स वातु चानि प्रसादय	कुनिय नादय बोज़ । ।
पानय सोरुय छुख व्वपदावन	कलु गिलुनावन छुस बोति कांह ।
पथ ह्यतु यिथि ब्रमु के अपरादय	कुनिय नादय बोज़ । ।
मेघवर्णु रछ्तु व्यवहारचि त्रेटि मंज	ग्रेहस्तु गटि मंज नोन हाव गाश ।
अमर्यत चाव प्रेयमु शब्दु आह्लादय	कुनिय नादय बोज़ । ।
म्यानि बक्तिबावनायि हंदि प्रह्लादय	सर्व आत्मु बावु समुद्रेष्ट प्राव ।
स्वख द्वख सम जानु मंज कम ज्यादय	कुनिय नादय बोज़ । ।
व्वदि यूगु होशि गछि जीवुबाव मशुनुय	पशुनुय अदु चलि द्वन आलमन ।
यिथि मशनु तु यिथि यादकि यादय	कुनिय नादय बोज़ । ।
अनुग्रेह चानि सुत्य बूग ब्रौठ यियतन	कृष्णस पेयतन बूगुन्य तिम ।
ईकु रसु ह्यस दिस तालकि सादय	कुनिय नादय बोज़ । ।

। सिरियि ।

294 मायाजालचि प्रवरँती बदलु न्यवरँती मंगुन्य

संकट कट अथु रठ दयालय ।

चठ सोन मायाजाल । ।

वोलमुत छुम अमरु कालय      ब्रमु कालु सरफन नाल ।  
म्वकलाव चलनम कालनि जालय      चठ सोन मायाजाल । ।  
तापु रोस्त तरु पवजि संगरमालय      खसुनस छुम बोड बाल ।  
नेशब्दद व्रद छुस दिमु कमु छललय      चठ सोन मायाजाल । ।  
शक्तिपातु सुत्य बेखिकस मे कर क्रपालय      दातु बन छुस कंगाल ।  
जीठिस मँजिलस वातु कमि हललय      चठ सोन मायाजाल । ।  
अख अँछ नावह करतु श्यामलालय      अशि सुत्य बैस्थिय छिम लाल ।  
नॉल्य छनुहँ बक्ति म्वख्तु मालय      चठ सोन मायाजाल । ।  
नेरुहँ मंजु गरिके जंजालय      टैठ छुम अन्न दनु माल ।  
तँथ्य मंजु थावतम त्यागु खयालय      चठ सोन मायाजाल । ।  
हावु कृचाह देह ब्रमचे चालय      कॉल्य मा म्वख हावि काल ।  
सिखिम<sup>1</sup> थूल<sup>2</sup> म्योन रठ क्याह बो संबालय      चठ सोन मायाजाल । ।  
अन्न जल असि सान बूग येति सालय      बरुनाव अनुग्रेह थाल ।  
आत्मु त्रपती दिम ब्वछि कृच चालय      चठ सोन मायाजाल । ।  
असि कर्महीनन दीनु दयालय      काम क्रूद लूब मद गाल ।  
द्वख हार गगनस खार पातालय      चठ सोन मायाजाल । ।  
कृत्याह बलुवीर समयिकि हललय      सुह आसिथ गँयि शाल ।  
राजन नाव प्यव खरु जदालय      चठ सोन मायाजाल । ।  
प्वनिवान थव शाँती व्रत पालय      स्योद कर हौल कपाल ।  
नतु कर्मु लीखा किथुपाँठ्य डलय      चठ सोन मायाजाल । ।  
याँर ह्युव सब्ज कर म्रैति हर्दुकालय      पशिबावचि लशि जाल ।  
म्वक्तु बनाव त्रावु अशिने चालय      चठ सोन मायाजाल । ।  
प्रेयमुच जमना वँछ नालु नालय      जल छुस मालामाल ।  
तन नाव गूपी ह्यथ गोपालय      चठ सोन मायाजाल । ।  
ग्यानु म्वख हाव त्राव मलालय      मे म बनाव र्वफि शाल ।  
फुर्नायि सीमनि मँशरव छलय      चठ सोन मायाजाल । ।  
फीर्य फीर्य क्याह वाति ब्रज बंगालय      ह्यथ काँशी नयपाल ।  
म्वख हाव पननि दीशु प्यठु बंगालय      चठ सोन मायाजाल । ।  
प्रवरँच मंजु नेशकलु कलुवालय      निवरँच नशि दिथ डल ।  
कृष्णस मूख्य मस चाव प्यालु प्यालय      चठ सोन मायाजाल । ।

1. सूक्ष्म; 2. स्थूल ।

**295 अबिमानु निशि खलॉसी बापथ प्रार्थना**

पानस अंदर ब्रह्म ओसुम	न्यबर छौंडुम तु डेलुम च्यत ।
डेंडूरा मे शाहस्स द्युतुम	बालुक ओसुम क्वछे क्यथ ।।
स्यँज आँसिथ ब्द हँज हँज चँजिम	शिवपूर फेस्स लँजुम वथ ।
शिव शँकर नाव सनम्बख रोटुम	बँक्सि लोगुस देह नाव ह्यथ ।।
क्याह करि द्यन तय क्याह करि राथुय	क्याह करि नख्यँतर तु सातुय त्यथ ।
ईकृ म्बखु वनि आम श्याम प्रभातुय	सरतलि स्वन गोम ओस अबिज्यथ ।।
मदुक मोराह स्वंदर ड्यूठुम	पतु ओस सोराह हावन जथ ।
देह अबिमानुक ब्रोराह ड्यूठुम	लोट गिलुनावन गव ख्यथ च्यथ ।।
अरुखोल जिन्युक बोराह ड्यूठुम	सरफु गुनसु पुहुय ह्यथ ।
नोट ह्यथ नखस गूराह ड्यूठुम	दोराह त्रावन खँचमुच प्यथ <sup>1</sup> ।।
हापथ शकलि चूराह ड्यूठुम	जोरा हावन पथर प्यथ ।
फोलमुत पुलुहँर्य ख्वरा ड्यूठुम	दोपनम अबिमान वनन छि अथ ।।
मंज त्रन पोस्न सॉराह कोरुम	चूर्युम डीशिथ प्रॉवुम थ्यथ ।
सॉखी रुज्जिथ तत् सत् मोनुम	जोनुम क्याह गव अन्यथ न्यथ ।।
दॉरा थँवुम कृपुम तु कौसुम	त्रन चीजन मंज गोस लज्यथ ।
वेषु रूपु <sup>2</sup> आँस मंज वुछिनोवुम	पनुन म्बख नतु गये तीर्य न्यँथ्य ।।
बोज तिथि थचम कतन कतन	श्वासन उश्वासन सासन ह्यथ ।
लालस क्युत छुम दुशाल करुन	यिनु प्रेयमु फम्बस गछ्यम छ्य ।।
क्याह करि बोड नाव व्वतम जाथुय	रुचु जंगु नख्यँतर सातुय त्यथ ।
सरतलि स्वन करि चोन शक्तिपातुय	बुय छुस दाथुय चुय अबज्यथ ।।
शास्त्र पँर्य पँर्य नकल कँस्खि	मे चानि प्रेयमुच खँच ख्वशक्यथ ।
जहर प्रकरँच वाल्यन छु बनन	यिथी प्रेयमय सुत्य अमर्यत ।।
सिरियि ड्यूठुम पननि गरे	सेहमि मंज र्यथ बाँदुर्यप्यत ।
आत्मु कृष्णुनि बावुक ब्योल आम	ब्रह्मन जनमुचि बुतरॉच ज्यथ ।।
डेंडूरा मे शाहस्स द्युतुम	बालुक ओसुम क्वछे क्यथ ।।।

1. आँसस पोछ खसुन; 2. विश्वरूप; --- (underlined) दॉर (दाढी) ओसुस गर थवान तु गर कासान तु गर छोट करान । प्रथ विजि (त्रेश्वयुय फिरि) ओसुस शरमंदु गछन । मगर गोरु माहाराजनि अनुग्रेह सुत्य येलि सोरुय सम द्रेश्टु बावु वुछुम तु पनुन पान परजुनोवुम । अमि ब्रॉह (पनुन पान परजुनावनु ब्रॉह) ओसुस जन ति न्योतमुत तीर (कठ) ।



**296 न्यरग्वन न्यरकार ब्रह्म सुंद आकार याने स्वगन रूप**

कर्ता च छुख आश्चर्यवत	कँस्मित्य च्चे सॉरिय कार छिय ।
कँस्थि अकर्ता छुख ननन	वनन च्चे न्यारकार छिय ।।
क्वदरँच कुल्युक च्य मूल छुख	लंग लंजि ह्यथ द्यल गूल छुख ।
नाना रंगव फल फूल छुख	वनन च्चे सर्वाकार छिय ।।
मंज चानि मायासागरस्य	फवकडून ज़न व्वतपत गछ्न ।
ब्रह्मांड कृत्याह स्वर - अस्वर <sup>1</sup>	कारन मुनी अवतार छिय ।।
चेय हिव्य छि चॉनी ज्ञानुवन्य	देह मंजु ब्योन पान मानुवन्य ।
सोरुय कँस्थि करुवन्य नु कँह	ख्यथ च्यथ ति न्यरह्वार छिय ।।
समसार सरस्स फोलिमुत्य	पम्पोश छि वेग्यानगन ।
दासन ज़लस लासन नु ज़ल	न्यरमल तु न्यरव्यकार छिय ।।
चोनुय हुकुम फिरुवन छु दौर	ज़ोरवसन तमिकुय छु ज़ोर ।
आकाश ह्युव वॉतिथ च्वपोर	यिम चीज़ साख्यातकार छिय ।।
चोनुय हुकुम छु कुल जहां	काया तु च्यत् ब्वद मन तु प्रान ।
द्रेष्ट-द्रेष्ट अमि यमि सान	हुकमस स्यवह व्यसतार छिय ।।
चाने हुकमु रेह ह्योर खसन	पवन दवन ज़ल ब्वन वसन ।
नाबूद मंजु लसन बसन	यिम चीज़ नोमूदार छिय ।।
चॉनिय यछ छ्य त्रय तु मर्द	सिरियि चँद्रमु गर्म सर्द ।
चोनुय हुकुम तचरस तचर	शिहलिस शिहिल्य शेहजार छिय ।।
चाने हुकमु स्वख-द्वख छकन	सूम सिरियि ह्यथ तारक पकन ।
लोसन खसन ज़ाह छ थकन	ग्रेह फल दिनुक्य म्वखतार छिय ।।
हुकमस यिथिस कँर्य कँर्य मनन	यछ शक्त छि अथ वनन ।
लगुहोय अँस्य यिथिनय ग्वनन	न्यरग्वनु साख्यातकार छिय ।।
ऑसिथ नु कँह चॉनी यछ	आसुन बनावुन वनु क्याह ।
अवतार कारन दिवताह	हुकमस च्चे ताबेदार छिय ।।
चोनुय हुकुम गर्बस अंदर	पॉनिस करन सूरँच स्वंदर ।
कुचाह स्वंदर कृत्याह ग्वंदर	मरनस ज़्यनस तयार छिय ।।
चोनुय हुकुम रज़न छु बल	दीशा सतुक हुकमा अटल ।
च्यत् कोचि छिस अचुनुक्य अचल	अथ बावुकिय बाज़ार छिय ।।
नेशकामु जामय यिम वलन	तिम अष्ट स्यँज डीशिथ चलन ।
मंजु लेम्बि ज़न पंकज पवलन	बवुसर परमपार छिय ।।
मूह मदु मॉदाना छु ज़्यूठ	अथ मंजु कदम त्रावुन छु कूठ ।
कुस थोक तु कुस स्वखुसान ब्यूठ	त्यॉगीज़न अथ दरकार छिय ।।
ख्वखती सान युस बूगि बूग	स्यद गछि तस श्वबु कर्म यूग ।
जलदुय च्ल्यस अग्यानु रूग	तस अनुग्रेह अंबार छिय ।।
खंडख दयस छुय संतु रूप	मूह गटि हुंद ग्यानु दीप ।
संतन करन गंदर्व दीव	अवतार जयजयकार छिय ।।

यिम प्रेयमु सुत्य संतन स्वस्न  
तिम वारु सॉरी ह्यथ तस्न  
छ्य शब्दु दारा सर्वसार  
छ्यि करुवन्य बक्त्यन व्वदार  
चुय सामीदुक्य गीत छुख  
जानन चै शब्दुक सार छ्यि  
व्वपकार कृत्याह चै कॅरिथि  
कृत्याह वस्ख कृत्याह वॅरिथि  
सोरुय कॅरिथि थव करुन रोस्त  
बक्ती अंदर नेशकाम थव  
कॅरिथि अकर्ता छुख ननन

गॅछिथि शरुन तोता करुन ।  
बवुसरु परमपार छ्यि ।।  
सत्गवर बॅनिथि ह्योरुकुन मे खार ।  
संतन हुंदिय दरबार छ्यि ।।  
अॅबीद वेद्यातीत छुख ।  
यिम स्वरुवन्य ॐकार छ्यि ।।  
असि ज्यनु मरुनक्य द्वख हॅरिथि ।  
यिम मूर्ख द्वराचार छ्यि ।।  
सोरुय सौरिथि थव स्वरुन रोस्त ।  
प्रनाम बास्मबार छ्यि ।।  
वनन चै न्यारुकार चिय ।।

1. सुर-असुर ।

297 नाकार कर्मन रुत्यन कर्मन मंज तबदील करनु बापथ प्रार्थना

कर्ता चु छुख अन्यथा कर्ता  
 कैर्यमुत्य चै कमकम कार छिय ।  
 यिथि नाव असि रखुन चु बन  
 वनन चै करुनावतार छिय । ।

कर्ता अकर्ता अनिथा कर्ता	चुय छुख आसुवुन ईक अनीक ।
चुय छुख न्यरग्वन निस्त्रयग्वन	यिम बक्त्यन करान व्वदार छिय । ।
ही राजु यूगकि राजु चुय	मंज मूह न्यँद्रे वुजनाव ।
च्यत् दनु यिनु निन चूरि मे	कँस्मित्य मे कँह ट्या यार छिय । ।
मंज ग्वफि अचुन असि जान	तप करनु सुत्य प्रावुन छु मान ।
न्यँबुर्य थवुम बक्तियि सान	तारुन्य मे सीवाकार छिय । ।
छ्य तारुवन्य चॉन्य दयिगत	समसार बालस असुल वथ ।
बालस यिथिस कर्मन हंदिद्य	खसुन्य वसुन्य बँड्य नार छिय । ।
नतु किथु पॉठ्य अँन्य रँन्य तख	बालस यिथिस थँकिथ मख ।
संकल्प व्यकल्पन हंदिद्य	खँत्यमुत्य मे बँड्य बँड्य बार छिय । ।
मंज खानुदौरी छुनु स्वख	तथ मंज फसुन प्रावुन छु द्वख ।
तस पूरि क्रय युस मूरि नख	प्रथ रंगु यथ आजार छिय । ।
वॉरागु यितम छुख चु ह्योत	कोरमुत ग्रेहस्तन छुस बो मोत ।
पतु पशु ब्रॉठ्य ह्यमु पोत	येति कम मे तावन दार छिय । ।
छुख मजु पुछि मरुन मशन	चालन ततुर कशन कशन ।
रँटिमत्य यशन व्वद छख नशन	यिम मूर्ख दुनियादार छिय । ।
सादअय करन कँह मिलुचार	कँह छिख दिवान दौस्थि फूकार ।
वेह करनु बापथ प्रेयमु जल	साख्यात कॉलीमार छिय । ।
इंद्रेय ताबेदार छिय	बदकार करनुक्य यार छिय ।
फल दिनु बापथ पतु तिम	बँड्य शँथुर जोरवार छिय । ।
त्रय या मर्द छुख त्राव फर्क	आत्मु विवेक् वति पख ।
मामस व्यकारुक त्राव शक	मंज द्रेशट इंद्रेय द्वार छिय । ।
त्रॉविथ क्रेया युस येछि मान	त्युथ मान बोड अग्यान ज्ञान ।
मूर्छायि मंजु वुजनाव पान	कृत्य शॉगिमुत्य बेदार छिय । ।
सँन्यासु व्रँच हंजि वति पख	गोब बोर त्रॉविथ कड तु थख ।
संतन तु सादन प्यठ छख	युस सामग्रेय यिम दार छिय । ।
छ बाँज्य तारुन्य संतु क्रय	अँतीत बन टोठ्यि चै दय ।
छ्य पजरुच न्यरनय नय	तथ स्यजरुक्य दीवदार छिय । ।
छुस कति चै संतन स्वरन	देह ब्रमु किन्य छुस दम बरन ।
डम्बस पखांडस ख्यय करुम	मे हिव्य ति कँह मकार छिय । ।
न्यँबुर्य मे थाविथ सादु नाव	अँदुर्य थोवुम मूर्ख बाव ।
अँदुर्य न्यँबुर्य ह्युवुय थवुम	तिम ग्वन मे दिम यिम सार छिय । ।

काँफिलु द्राव आनंदु पोर      तिमन पतय छुन्य मेति दोर ।  
कर चारु छुमनु ज़र तु जोर      कुत्याह मे हिव्य लाचार छिय ।।  
द्यत् गुर चोलुम लाकम चँट्थि      कमज़ोर छुस दितम रँट्थि ।  
खस मेति पानस सुत्य खार      मे हिव्य चै कम सवार छिय ।।  
यिम कें ह म्यँतर छिम वति सुत्य      न्यर्दन न्यर्वस्त्र छि कुत्य ।  
दिथ हमसु पखु पेठ्य वुफुनाव      ज़न नंगु जानावार छिय ।।  
छुस खानुदार जान क्याह      परहेज़ करुन छुम नु कांह ।  
बँनिथ हँकीमा दिख दवा      इंद्रेय यिम मे बेमार छिय ।।  
ब्बद छम सौशीला कर क्रपा      दिस कृष्ण दैवी संपदा ।  
नतु स्वख दिनस शुर्य बाँच क्याह      सोदाम हिव्य नादार छिय ।।

**298 बक्ती दिनु बापथ प्रार्थना**

आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसु वनुनुय ।  
बागुनुय मंजु नागुनुय प्यठ छुम प्रेयम चोन गनुनुय ।।  
तिबरु वैरागु रागु सुत्य छुस कृष्ण पद चॉन्य वनुनुय  
वनुनुय मंजु त्यागु सुत्य छुस पोह पन जनु छनुनुय ।  
गामु काम्यन गंडु गंड छिम जनु मे आम्यन पनुनुय  
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसु वनुनुय ।।  
मनु वाजे राधा-कृष्ण कृष्ण नाव छुस खनुनुय  
प्रेयमुक ग्वन वनपूहस द्युत बिंद्राबनुनुय ।  
कृष्णन येलि म्वख मुचरोव तैलि मोन अरजनुनुय  
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसु वनुनुय ।।  
बेरु बॅठ्य छुम सब्जु बासन छुमनु खोसु सनुनुय  
कामुदीनु छुस रखनि नेसु गूर्य शुरु छुस ननुनुय ।  
छुस वनुच बूल्या करु कुस असनु रोस्त करि कनुनुय  
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसु वनुनुय ।।  
गूर्य बालक छिम म्यंतरु कुस मानि म्यान्यन ग्वनुनुय  
वेद्यायि रोस्त द्वद गुरु ह्युव कोरुस द्वद चनुनुय ।  
कमि खक्ती वीदु कामदीनि ग्यानु द्वद ह्यमु थनुनुय  
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसु वनुनुय ।।  
पानु चमुहॉ दिमुहॉ चोन संतन तु सतजनुनुय  
अदु दपुहॉन कामदीनु रखुस छु स्यदथ बननुय ।  
च्यत् चॅडिस मंजु छुमनु रोजनु छुम न्यंबुर्यकिन्य छनुनुय  
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसु वनुनुय ।।  
नंदु नंदनु हेछिनावतम द्वद ह्योन छुस छनुनुय  
दासु बावु किन्य रास खेलुहॉ ह्यथ चे सुत्य च्यत् गनुनुय ।  
शाहरु मंजुय छुस न्यबर थोवमुत बु गामुक्य जनुनुय  
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसु वनुनुय ।।  
गोख त्रॉविथ साल कोरुमुत ओस दुर्योधनुनुय  
स्योन ख्योन हक व्यदरुन ख्योथ कांह त्युथ छु स्नुनुय ।  
युथ सतोग्वन चोन स्वसु अंस्य छि रॅचन तु दनुनुय  
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसु वनुनुय ।।  
बोजु जसुदा रागु राधा प्रेयमु थॅन्य छ्य अनुनुय  
चतु गोपीनाथु द्वद थॅन्य हर्शु द्युत चॉन्य ख्यनुनुय ।  
शेहजारु फिरतु कृष्णस मॉंगु सॉनिय मनुनुय  
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसु वनुनुय ।।

**299 नाशवान देहक वर्नन तु अबिमान गालनुच व्पासना**

देह पोशु थॅर म्यॉन्य हस्टु वावु सुत्य हरि ।

कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।

नरि लोसम बाँडशन लूक् हुंजु लरि वांगुज वारिच्य छम ममता ।  
कृतिस कालस बसु लूक् हुंदि गरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
समसारु बाज्रस छ्वचि व्वंदु चंदु छरि मे ह्युव कर्म ह्यून सॉस्स द्राव ।  
दयि दैरु दनु रोस्तुय अति क्याह करि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
मूह पाँजु जागन छु संगु दूशि रंगु चरि ओल यूरुन केंड्य ज़ालस मंजु ।  
रजु यूगु हमसु कडतन मंजु वालु बरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
शिनि मंजु नीरिथि अपजिस क्वमु करि पान थ्यकुनावि युस सुय छु नादान ।  
सूर गछि तस पतु बेखिका ह्युव मरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
कृत्याह पोश फॅल्य ब्रह्मांडचि थरि शिशरुन तु सौतन छ कुनि छ्यन ।  
यिम फॅल्य वॉरगु सुत्य तिम गॅयि वरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
त्यागु वैरगु सुत्य यस व्यवहार खरि तसुंदिस होशस छु जयजयकार ।  
सॅन्यासु व्रॅच दयि सुमरॅच द्यन बरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
यसन केंह आसि रागु चूर तस कथ फरि च्यु योत आसख तस संच्यत ।  
प्रथ कांह दातु तस चरुन अँछ जरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
सिरियुक प्रकाश नोन छु छय छम ठरि राय छम गछन यि छु देह अबिमान ।  
माय म्यॉन्य आत्मु प्रकाशिच प्रय बरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
यस ब्रह्माकारु व्रत अच्यत दीर न्यरुवन तस करि पानस ह्युव ।  
सुय स्वस्नुकि स्वस्नुक स्वरुना स्वरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
सलिलस लवन ज़न मेलि तिछ क्रय करि तोति छु द्वर्लब सॅहजु व्यचार ।  
मजु मंजु रोज्यस नीरिथि मंजु मरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
वैषि<sup>1</sup> रूपु ऑनस कुन युस म्वख करि तथ मंजु वुछि सुय पनुनुय पान ।  
जगतुक स्वख द्वख तस पानस तरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
लाला<sup>2</sup> अख वुछ प्यठ बालादरि सिरियि चॅद्रमु ह्युव गाह त्रावान ।  
ह्योरुकुन रुद तस तारकव अँछ जरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।  
यिथि वुल्ट आवलुनि बवुसागरु तरि कृष्णन सुह्मु ह्मु वॉय नाव ।  
कृष्ण नाव केशव नाव स्वरि गरि गरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।

1. विश्व रूप; 2. गुरुमाहाराज ।

300 बीदु द्रेशटी गालनु बापथ प्रार्थना

बीदु द्रेशटी सॉन्य हार ।  
पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
संतु म्वखु अवतार दार मूह ब्रमुक दुत मार ।  
बवु सस्स कर मे पार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
चारिस्स मंज्र पांच दोह यिनु गछ्छनम दिथ मे छेह ।  
युथनु असथ्यर<sup>1</sup> ज्ञानि सार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
नशिसुय मंज्र ब्वद नॅशिथ युन गछ्छुन छुम मॅशिथ ।  
करुनावुम सत् व्यचार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
द्यान शम दर्म दान तप जप ह्यथ यूग ग्यान ।  
कर दया कें छ्र मे यार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
मूर्खु बोज सुत्य रत दोह छिम्म समेमुत्य पापु कोह ।  
शोरसुय ज्ञन गंडतु नार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
यियतनय व्वन्य म्योन आर वुछ्तु म्योनुय व्यु कार ।  
अनुग्रेहकिय लदतु द्यार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
आसि योदवय गाटु खार कृनोन यियसनु हार ।  
दिम ग्यानुक गाटुजार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
छुस बो मदुक खानुदार सॉर्य छिम्म गरजुक्य मे यार ।  
करुनाव नेशकामु कार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
छुस रिनियन<sup>2</sup> हुंद कर्जदार मतु थवतम पतु लार ।  
लोचरावतम कर्मु बार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
नाव छुय समसारुसार बवुसस्स दिम मे तार ।  
पतु नितम शूबिदार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
त्रॉविथ गोम ल्वकचार यावुन ओस अंदुकार ।  
रछ बुड्स छुस नाबकार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
प्यव मे कर्मुक कुल छेनिथ च्चोल मे च्यतु बुलबुल वुछ्छिथ ।  
हव नोन यूगुक बहार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
खोट छु म्योनुय व्यवहार त्रावनस अथ छुमनु वार ।  
थव मे न्यर्मल न्यरव्यकार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।  
कृष्ण करनाव सत् व्यचार थोद छु चोन म्वक्ती द्वार ।  
ज्ञन नबस कुन रेह मे खार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।

1. अस्थिर ; 2. ऋनिर्यो का ।

**301 अबिमान नाशिव प्रार्थना**

मूह निशि झलतम सर्वु शक्तिमानय	गालतम देह अबिमान ।
मदु प्यठु वालतम सत्य नारायणय	पालतम छुख दयावान ।।
बडि दयि रोठ्मय चोन दामानय	पॉरतम सर्वु सामान ।
ज्ञान करुनावतम पनुन्य जिंदु पानय	पालतम छुख दयावान ।।
सुत्य यूगु ग्यानु दारनायि दानय	कासतम युस छु अग्यान ।
काम क्रूद लूब मूह मद ख्यूबु सानय	पालतम छुख दयावान ।।
पोज़ मोनुम अपजुय काखानय	म्यानि खोत कुस छु नादान ।
चुय दया करतम ही दयावानय	पालतम छुख दयावान ।।
क्याह प्रावुन छु मंज़ यशु तय मानय	येति गछि सॉस्सिय फान ।
पायस ब्रॉठ पाव बडि भगवानय	पालतम छुख दयावान ।।
आश्चर्य क्वालु चै थुरुथ म्योन बानय	अंगुहीनिस कास हान ।
अनुग्रेह फलु बर सुत्य दर्म दानय	पालतम छुख दयावान ।।
ताजदार तारुख प्यठ आसमानय	कृष्णु चेंद्रन होव प्रोव कल्यान ।
ज़गतस वोत शीतल सायबानय	पालतम छुख दयावान ।।



**302 सर्व स्वखुच प्रार्थना**

फ़ख रोस्तुय मे वॅनिमय चॉन्य लीला      करुम अग्यानु रोस्त सत् छुम वॅसीला ।  
थवुम आवागमनु अबिमानु रोस्तुय      थवुम नोन नंगू मूह सामानु रोस्तुय ।  
करुम श्वद भूमि ह्युव न्यर्मल नबस ह्युव      मे नैचिविस कर चु ह्युव पानस बबस ह्युव ।  
मे पापव रोस्त थवुम न्यथ ही दयावान      मे ज़नमाज़नमनुय हुंज़ कासतम हान ।  
दयासागरु नावस वंदुहॉय पान      म कॅचरवुम<sup>1</sup> मे मायाज़लु दामान ।  
चे छ्य द्वय पननि कुनिरुच मे दुय कास      चे छ्य द्वय पननि बजरुच जु म ज़ांह बास ।  
छे छ्य द्वय पननि क्वदरॅच हुंज़ मे दिम शक्त      ग्यॉनी यूगु सॅहजु पानुचिय बक्त ।।

1. अँदरवुम ।

**303 सर्व आदिकारु बापथ प्रार्थना (फेर्यव रोस्तुय)**

स्यदु सादु समसारु सारु मुख्यु द्वारु दिम  
अमरु कालु समहारु स्वर्गु द्वारु दिम  
सर्वु आकारु अँकारु म्वखु म्वकलाव  
दर्मु मूलादारु सर्वु आदिकारु दिम  
असि कँर्यु देह गोकुल राधा सेह  
गरुडु सवारु वारु सर्वु आदिकारु दिम  
दासव रासा सौर मासा दौर  
अमि लोलु आहारु सर्वु आदिकारु दिम  
उमा रुद्रु सिरियि रूपु आकारु आस  
हरुम्वखु हर्दवारु सर्वु आदिकारु दिम  
गरि गरि दमु दमु असि सूह्रम सौर  
व्यवहारु मूह हरु सर्वु आदिकारु दिम  
दामोधरु असि स्वखु म्वखु द्वखु कास  
दर्मुकि व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम  
समसारु दीर्गु रूगु दौदिस कर सास  
कर दवा देह दारु सर्वु आदिकारु दिम  
समसारु सागरु सरु कोरु स्वखु द्वखु  
सेहदारु आरु आरु सर्वु आदिकारु दिम  
गुरुगँड्यु दारु लारु सर्वु आदिकारु दिम  
हरुम्वखु ह्रमसुदारु सर्वु आदिकारु दिम  
कमिकमि दर्दु लोलु सेह आसरु आस  
कामु कूदु कम्मस मारु सर्वु आदिकारु दिम

स्यदु दिम वारुकारु सर्वु आदिकारु दिम ।  
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम ॥  
मूह गाल मद वालु द्वखु हरु स्वखु दाव ।  
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम ॥  
गूर्यु गरिकिसु द्वदस वारु दादाह हे ।  
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम ॥  
आमि द्वदु मोदरेरु असि हँलवा कोरु ।  
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम ॥  
देह मद दौद कूदस कोरु सूरु सास ।  
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम ॥  
अँ अँ रामु रामु दौर हरु हरु कोरु ।  
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम ॥  
वारु करु गरिकिसु दारेद्रसु ग्रास ।  
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम ॥  
स्वदर्मु अरिरुकु असि वलु अँतलास ।  
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम ॥  
आरु हरु व्यवहारु आरुवलि हाव म्वखु ।  
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम ॥  
होरु द्वदरुहोम लारु सर्वु आदिकारु दिम ।  
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम ॥  
गामु हावु द्वारिकावासु दाससु रास ।  
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकारु दिम ॥

**304 यूग सीवन, यमि दँस्य कामयाँबी मेलि (श्रीमति मथुरा दीवी कुन नँसीहत्त —  
बजँरियि श्री श्रीधरजुव शराबी, मथुरा दीवी हुंघ गुरु महाराज त रजदान साँबुन्य शेश्य)**

मे कुकिलि<sup>1</sup> ड्यूठुम बस्म मँलिथ वासुक हटे ।

ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।

मंजबाग बागान मोसुन सुत्य व्वन्य कति नचे	लोलुक ओला यीरनि मंज ग्वफि अचे ।
जानावरुन निशि लोब रुजिथ पान खटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
देह अबिमाना त्रॉविथ छुनि जिंदय मरे	द्याना स्वरे कति वाचक ग्याना परे ।
बचन हुंदिस आवलुनिस मंज कति फटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
पँडिथा अंदर वुछ बिहिथ पननि गरे	तोतन हुंघ पाँट्य कति प्वस्तक कति पोथि परे ।
ब्रह्म स्वरे इंद्रेय शोमस्थि अँछि वटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
तस मेघवर्ण पानय प्रेयमु अमर्यत चावे	यूगच वुजमलु जगत्तुचि गटि मंज गाश हावे ।
पनुन्यन परद्यन रछि मंज ब्रमु मूहनि त्रेटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
हेछन सारेय हरि चरे तस निशि शर्म	क्याह गव करुन मानुरेनि बाव दर्म कर्म ।
संतोश वुछिथ तँमिसुंद लूबुक पाँज नटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
मेथ्या ब्रमस सूर कोरुन मौलुन सासुय	भस्माधारनि द्यानु सुत्य वारु आराम आसुय ।
अदु कमि बापथ हँर ऑलिस मंज पान खटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
छुम बूजमुत ऑस लूक बवनस मंज अख कँजिय	स्यजरु पजरु सुत्य वुफि जानावारुन चँजिय ।
त्युथ वर दिम गरुडसनु दुर्गात मे हटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
तस मोर मुकटु दाखुन पानु क्रपा करे	असि वुफुनाँविथ बवुसस्स ह्ययथ पार तरे ।
रछिय पूत्यन पखुनुय तल दिथ मटि मटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
फल-फूल वॉतिस ब्रॉठुकुन कमि बापथ तछे	कँतिज तस निशि ओल लदनुक व्वपदीश हेछे ।
गरु कस्नस क्युत तीबरु वॉरगु सामानु स्टे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
रूदा प्यवन मोजा ह्यवन ईकांत सीवन	च्यत् चीनिथ स्वख दुख जीनिथ आवागवन ।
न्यवरँच हुंज लँड ज़ांह अल्यसनु सुत्य वावु छे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
हमसु रूपी श्रीधर <sup>2</sup> तस अवतार दारे	ककवु न्यँत्रन प्रेयमु द्रेशवै त्रियिबाव हारे ।
जूना <sup>3</sup> सोज्यस कृष्णु चँद्र मंज मूह गटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
पखन शेरे वुफि खसि यूगु ग्यानु हेरे	पथ कोत फेरे कति तीर्थन साँस्स नेरे ।
सूजिथ श्रदायि चीज कृष्णुन दामन स्टे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।

1. मथुरा दीवी; 2 गुरुमहाराज श्रीधर शराबी; 3 गुरु माता ।

305 येह्लूक तु परलूक सुदस्न खॉतरु प्रार्थना

हुकमु चाने सुत्य प्यठ शिन्यस	तारा मंडुल सूमु सिरियि सान ।
पनुन्यन दारन प्यठ कामि करान	इंद्रेय देह च्यत ब्वद मन प्रान ॥
कति प्यठ योत आस कोत छुम मे गछुन	प्रावुनावतम आश्चर्य थान ।
दयाल चुय छुख अयाल म्योन पाल	पॉरवुम सॅन्यासु व्रॅच हुंद थान ॥
येति सॉत कुत्याह गुल फॅल्य गॅयि बरु	छुम गरु ज़न बारु कॅड्य बासान ।
छुख पानय गुल पानय चु बुलबुल	पानय फुलय म्यवु कुल्य बागबान ॥
बुलबुल गुलन प्यठ ग्वन चॉन्य ग्यवन	बॅरुग-अय छनन कस अमिच खसि हान ।
प्यठ मेच्चि मूर्ती ग्वन चॉन्य ग्यवन	मूर्चु-अय डलन तोति छि प्वनिवान ॥
सूरत छ ग्रंथ शास्त्र श्रूख	वीदुय ग्वरु मूर्ती वनन परसु द्यान ।
प्रेयमुच क्रय म्यॉन्य सूरत छ मानन	ह्योरुकुन गछ्यस कुस दप्यम नादान ॥
पानय सग छुख दिवान प्रेयमु बागस	छुख बावु नागस गंडन साम जान ।
हॉव न्यरग्वनन ग्वनुवान मूरत	अदु छिस दपान न्यरग्वन ग्वनुवान ॥
वुनिक्यन ब्रह्म कोनु कॅछ छु वनन	ग्यवन मूर्तियन मंज हॉविथ पान ।
यस यिछ छ प्रकरत तस तिछ छ सूरत	पानय सत्ता दिथ छु सतिनारन <sup>1</sup> ॥
पांचन त्वतन मंज छ ग्वनु रूपी शक्ती	नाव छिस वनन सर्वु शक्तीमान ।
त्रेशवय ग्वन छिस तु न्यरग्वन छु बासन	आश्चर्यवत छिस वनन ग्यानुवान ॥
देह रूपु शब्दु सुत्य परजुनावन	पॅखी तु पॅश्य जिन पॅरी इनसान ।
अँकारु शब्दस मंज छुय सौरुप	अरुप मिलविथ कास अग्यान ॥
परम आत्मु पानय छुख चुय सौरुय	न्यरंजनु कास देह अबिमान ।
प्रान नय रोञ्जि येलि देह पेयि वॅसिथ	देह येलि डलि चलन छि प्रान ॥
हॅकीम दवा तु ह्यकमत छि हॉवी	शफा ईश्वरु यछ ज्ञान ।
सूखिमस तु थूलस मंज सुय छु पानय	पुस्थि मायायि हुंद सामान ॥
भगवद्गीता तेलि वॅन्य कृष्णन	येलि अर्जन तस कुन रूद सनिदान ।
ती ज़ोन कृष्णन यान्य कृष्ण मूरत	शंकरु सूरत वुछिन यकसान ॥
अंतर्बहे तॅम्य कुनुय ब्रह्म मोनुन	थावरु जंगम अमि यमि सान ।
पनुन्यन दारन प्यठ कामि करान	इंद्रेय देह च्यत ब्वद मन प्रान ॥

1. सत्यनारायण ।

**306 मलिन प्रकस्त श्वद कस्तु बापथ गंगाधरस कुन प्रार्थना**

ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।  
सतुच वथ हॉविथ न्यथ द्वर्गत चलुन्य गछिय मे ।।  
आत्मु सिरियस निशि दूर छया डलुन्य गछिय मे  
माया रूगस मंज्र छम काया बलुन्य गछिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।।  
पापन हुंज्र छम बँड शीनु मॉन्याह समेमुच ज़न कोह  
च्यत् सिरियि व्यचारकि तापु सुती गलुन्य गछिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।।  
अँबीदु बक्ती हुंज्रि रेहि सुती ज़ालुन गछ्यम अग्यान  
दुय हुंज्रि द्रेशटी दूपुक्य पॉठ्यन दलुन्य गछिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।।  
मूह लंजि प्यठ बोल्यम वॉनी हॉर कलुन्य गछिय मे  
शिवु पवनु सुती ज़्यव ज़न ब्यलुपॅतर अलुन्य गछिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।।  
चे सूरु मॅतिस कोफूर अंगस शीतल छुय स्वबाव  
स्व सोरुपुक सूरु शॉती न्यत्रन मलुन गछिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।।  
वेशय बूगन गछि ज़ानुनावुन वेशिवथ म्योन मन  
संतोशि त्रपती दिथ लूबु यड कति खलुन्य गछिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।।  
लूबुच अपेख्या छम वास्य ख्युबस व्वपदावन  
वॉरगु तीलस अंदर ज़ॉलिथ तलुन्य गछिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।।  
देह ब्रमस मंज्र दुशालु वलनु सुत्य छुम प्रावुन क्याह  
अंतु त्यागुच वॉरगुच खॅन्य वलुन्य गछिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।।  
सुत्य त्यागु तीबरु न्यवरॅच हुंदि ज़ोरु प्रवरॅच मॉड फालुनाव  
संकलपु कला ज़न ज़िन्य फला फलुन्य गछिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।।  
च्यत् बाग शेरुन तु नेरुन गछ्यम ब्रह्मानंदुक फल  
परमु शॉती हुंज्र कुल्यवुन्या फवलुन्य गछिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।।  
अक्रय आत्मुच प्रेया थवतम क्रेया कर्मस मंज्र  
दया थवुन्य लया दीवी बलुन्य गछिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।।  
चे कल्पुत्रेख्यस मे कृष्णस छुय शॉती हुंद फल द्युन

देह अबिमानुच अग्यानुच वीर थलुन्य गछ्छिय मे ।  
ही गंगाधरु मलिन प्रकरत छलुन्य गछ्छिय मे ।।

307 कृष्ण सुंदि दर्शन खॉतर राधायि हुंद इन्तिज़ार

कृष्ण जुव यियि गरुड्स क्यथ द्यान दारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
लालु यियि मंज़बाग बागस पोश च़ारन छस  
ज़न यँम्बुरज़ल सुम्बलस क्युत मुश्क हारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
श्यामु रंगय बोम्बरस अख रूप ग्वन छिस कृत्य  
छस बो हीय त्वलसी तसुंघ उत्य ग्वन व्यचारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
श्यामुलालस कुन वुछन छस योर यियम ना  
न्यँत्रक्यव लालव बो तस प्यठ म्वख्तु हारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
आरु रोस्त गोम वारु त्रॉविथ बारु कंड्यन मंज़  
श्रेह बैरमुच आरुवल लँजमुच बो आस्रन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
छस बो मसवल दोह गुज़ारन ब्रॉठु पेयम श्याम  
रथ कडन बुर्कु दिथ सुत्य परदुदारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
कृष्ण छरन द्यान दारन सत् व्यचारन छस  
येलि डल्यम द्यान तँम्यसुंद पान मारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
कृष्णजुवन्य द्रय मे छम यी मंगि दिमस ती  
छम मे थँन्य मँदिथ गुरुसु क्य द्द बो कारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
छुम वनन म्योनय प्रेयम बर छुस बो गोपीनाथ  
वनु क्याह रँटमुच ग्रेहस्तुक्य व्यवहारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
कृष्णन्य प्रय गनुनय छम कुस मे बोज्यम हल  
श्यामु रूपी युस वुछन तस पतु लारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
कृष्ण कृष्णय करन सुती द्वख न्यवारन छस  
छलु मारन बवुसस पान तारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
मेघवर्ण छुम मे चलन पतु लारन छस  
गाह त्रावन वुजुमलाह कोहसारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।  
मादला माधव बनस मंज़ कृष्ण च़रनन तल

प्यठ बठ्यन बेरन वनन कोहन तु नारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास छस । ।  
कृष्ण छरन रूसकॅट ज़न छलु मारन छस  
कमलु नयन ऑसिथ बो फेरन प्यठ व्वजारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास छस । ।  
छस बो राधा नंदलालस सुत्य खेलन रास  
गूपियन सान पान पनुन रथि खारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास छस । ।  
कामदीनन गूपियन गोर्यन वछ्यन दांदन प्रनाम  
परुगगत गासस वनस यार्यन बो यारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास छस । ।  
कृष्ण चरनन पान पुशस्थि त्रौवमुत छुम मान  
मखमला ज़न वथस्थि प्यठ सब्जुजारन छस ।  
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास छस । ।



308 अस्तुती (नवरेहस प्यठ)

पोशि लंजि छ्य बॅर्य बॅरिये ह्यैय थॅरिये च्ने	पोशि पूज़ा कैर्य कैरिये रुति वॅरिये मे ।
करु ना व्रत दॅर्य दॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
कृष्णजुव यियि अज़ गुरु सोन	म्वख ह्यवि त्रावि ग्वसु प्रोन ।
मालु थवि असि कैर्य कैरिये	रुति वॅरिये मे ।।
कृष्णन्य प्रय बॅर्य बॅरिये	रुत्य चीज़ गुरु वातुनॉव्य ।
बक्ति म्वख्तु मालु स्वनु कैरिये	रुति वॅरिये मे ।।
कृष्ण द्याना सौर्य सौरिये	पॉट्य पशमीनु वथरोव ।
गॅहनु थवु नॅव्य गॅर्य गॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
वतनुय अछ्य जेर्य जेरिये	अॅस्य छि कृष्णस प्रारान ।
थस्निय ग्वड बॅर्य बॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
पोशनूल ज़न मंज़ बागस	कृष्ण रागस मंज़ बीठ्य ।
कृष्ण गूपियि कैर्य कैरिये	रुति वॅरिये मे ।।
आय संत चाय दारि बॅरिये	प्वख्तु बक्ति बावनायि सुत्य ।
शक्तिपातचि म्वक्तु लॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
संतन दित्य च़स्नन मीठ्य	राज़न प्यठकनि बीठ्य ।
सीवायि पुछि फिर्य नॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
यिम बक्त कृष्णन वॅरिये	तिम संतु सीवक रूद्य ।
यथ बवुसागस्स तॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
व्यवहारुच हॅर गॅजुमुच	मूह ज़ालस लॅजुमुच ।
अज़ चॅट्थि द्रायि वालु बॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
ड्ल सॉस्स फेरनि द्राय	बाँय बंद चाय गुरु सोन ।
वारु आय द्राय आयि दॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
बागस सॉर कैर्य कैरिये	बेयि पनुनुय गुरु वॉत्य ।
याद पेयि कोतर मॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
बागु अॅदुर्य न्यँबुर्यये	त्यागु कोस्तूर्य बूल्य बूज़ ।
लायि लंजि आयि बॅर्य बॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
नखु पखु छ्य जेर्य जेरिये	च्यत् आकाशि आयख ।
दीवु वॉनी हंज़ि पॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
बेयि ज़िंदु गॅयि मॅर्य मॅरिये	प्रानु नाथ सोन गुरु चाव ।
म्वर्दु अॅस्य सॉपुन्य अॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
वॉनियि हंज़ि स्वदॅरिये	चानि स्वंदर बोलि सुत्य ।
गमु गटु काव व्यसॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
फुलया लॅज बावु बागस	प्रेयमु नागस पोन्थ आव ।
स्वनु सुंद्य फॅल्य जाफुर्यये	रुति वॅरिये मे ।।
दॅसिलव ज़न कार कैर्य कैरिये	कर्म कैतिजव अॅल्य यीर्य ।
परमु दर्मु बालादॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।

शंकराचार दुर्गा दारु वारु काँसिथ द्वर्गथ ।  
शिवु म्बखु भुवनेश्वरिये रुति वँरिये मे ।।  
चानि दर्शनु ईश्वरिये अँर्य दँर्य गँयि बाग्यवान ।  
अँन्य काँन्य लँग्य कँल्य जँरिये रुति वँरिये मे ।।  
स्वनु र्वपु बानु बँर्य बँरिये रंगु रंगु अँन्य बावु बूग ।  
श्री कृष्णस आपुर्यये रुति वँरिये मे ।।  
गंगु वानिचि गागँरिये गोड दिमु शिवनाथस ।  
सुय मे तार्यम बवुसँरिय रुति वँरिये मे ।।  
जागरुतु ठेठ वैखँरिये! प्रॉन्य पॉठ्य सौपना हव ।  
मंजु मंजुगामु दिवसँरिये रुति वँरिये मे ।।  
कृष्ण द्यानु थानु आवँरिये बखुचु हँदि सामानु सुत्य ।  
पसु शखुचु दिचु ऐश्वरिये रुति वँरिये मे ।।  
कृष्णन संतु म्बखु पॉरोव राजु यूगु जामु नोन होव ।  
बसंतु गीर्य नील्य जँरिये रुति वँरिये मे ।।  
यँदुलुकय प्यठ द्रायख ह्यथ दिवथुय आयख ।  
राजु हमसु म्बखु कोतँरिये रुति वँरिये मे ।।  
रामु नावु सुत्य श्रुचुरॉविथ तन कन्यकि नावु प्रॉविथ ।  
बखुचु हँजि मंदोदँर्यै रुति वँरिये मे ।।  
रामु रामु रामु कँर्य कँरिये बसतु गँय यँद्रेय चूर ।  
माल अथि आव कथ फँरिये रुति वँरिये मे ।।  
नव रात्रय व्वतसव दोर मनि कामना गँयि स्यद ।  
जनमन हँद्य पाप हँरिये रुति वँरिये मे ।।  
सतसंगुचिय रंगु चँरिये हमसु बूल्य कृष्णन्य बोजु ।  
पँखियन ति गँयि तँर्य तँरिये रुति वँरिये मे ।।

1. वैखरी दीवी, सरस्वती, शारदा ।

309 राधा जी श्री कृष्णस प्रार्थना करन

छस बो राधा कृष्ण नावस कलु वंदुनय यियि ना  
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यियि ना ।।  
जसुदानंद आनंद कंदु गोव्यंदुनय मन न्यूम  
न्यखंदुनय निस्पंदुनय नादु ब्यंदुनय मन न्यूम  
प्रेयमु जालस मंज लॉगिन वाति तस कुस फंदुनय  
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यियि ना ।।  
द्वदचूर सोन यियिना अज दर्शुन सुय दियिना  
बावनायि हंज थंन्य खेयिना प्रेयमु छ्वक् द्वद चैयिना  
व्वन्य पायस पेयिना तस कुन वॉसा गॅयिना  
क्य तु दोन शेरुन ह्यवन थंन्य छ्व दिवन द्वद मंदुनय  
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यियि ना ।।  
मनमोहन नाव छुस गव ह्यथ च्यत् ब्वद तन मन  
कामदीनु रछुनक हीथाह कॅस्थि गव नीस्थि वन  
युथ मायातीता गव फॅसरॅविथ त्रुबवन  
मंज पोत्रन मंज म्यंत्रन मंज बांदवन तु बंदुनय  
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यियि ना ।।  
सुय ज्ञानि सानि फसनुक हल  
क्युथ छु कूठ मायाजाल  
सुय च्चटि सोन मूह जंजाल क्याह करि अत्रु दनु माल  
शुर्य तु बॉच बांदव यछन वारु ख्वश गछन द्वारु चंदुनय  
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यियि ना ।।  
गोपालस नंदलालस बूग ह्यनुसुय लगुना  
सोन ओम जोम छ्वक् द्वद थंन्य ख्यनु चनुसुय लगुना  
गूर्य बालकन गूपियन बिंद्राबनुसुय लगुना  
कामदीनु वॅछ्य गोवर्धन ह्यथ वनुसुय लगुना  
पदमु न्यंत्रन लाल वंदुहॉस अथ म्वखस म्वख्तु दंदुनय  
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यियि ना ।।  
छस वुछन दार्यव बख किन्य वनु प्यठ योत फेरिना  
म्वख वुछहॉव स्वख प्रावुहव सोन तमना नेरिना  
मनु बुलबुल तस गुलस प्यठ ओलाह यीरिना  
पोशनूल ज़न पोशिबागन मंज अँच्चिथ पान शेरिना  
पॉट्य पशामीनु लयि क्याह तसुंदि सुत्य शूबा छ जंदुनय  
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यियि ना ।।  
पतु क्याजि मंदुछवि वुनिक्थन रुत्य कार करुनाविना  
सतुचिय वथ हवुनाविना परमुगत प्रावुनाविना  
दर्मार्थ सबि मंज दर्मु गॅद्य असि व्वन्य दावुनाविना

पानु बासि देह ब्रम कासि सँहजु पान परजुनाविना  
परमत्मा छु पानय प्रेरक सान्यन व्वंदुनय  
च्च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यिधि ना ।।  
छि वनन परमत्मा तस आश्चर्युक आश्चर  
तस श्रवन मनन कैर्य कैर्य सास्निय वँछमुच्च छ थर  
वीदांतीत प्रणवातीत छिस वनन यूगीश्वर  
कृष्णन्य शकलाह कैस्थिय नोन द्रामुत छु ईश्वर  
कृष्ण गीत वँन्य वँन्य वॉसा गँयि कैह छुनु अंदुनय  
च्च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यिधि ना ।।

**310 प्रतीक्ष (इंतिजारे वसाल)**

लालु यियम छलु मारुन दानुन बौ दारुन छस ।  
बागुनुय मंजु मुश्क हारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
पदमु पादन कृष्णनुयन द्रायस स्वगंदा ह्यथ ।  
मुशकि बँसुच दानु गुजारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
पोशनुलव बुलबुलन कुन कृष्ण गूपियि बूल ।  
कुकिला छस बौ कन दारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
वुछ यँम्बुजलि अँछिवुय श्यामुनुय यि सुम्बल केश ।  
बाग फवलनुव अँम्य झारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
ब्वदि यूगुचि शालुमॉर अंदर निशातस सान ।  
जनु नँसीमायि लारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
प्रानु अपानु फम्वारुन खसु वसि फिरुनावि न्यथ ।  
प्रेयमु जल च्यत् आबशारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
प्रेयमु रसुक मस चैयमना लालु यियमना ।  
प्यालु ह्यथ मंजु लालुजारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
कृष्ण बोजिय सामु स्वर कल्यानुक तुल राग ।  
होशि साजनुन सेतारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
पोशि बागनु मंजु अचव कृष्णनुय वुछव शूबा ।  
शेछ्य करव म्यँत्रन तु यारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
सोसनस ह्यि ज्यव गँयम कम वनु कृष्णनुय गीत ।  
थामि गॉमुच शाह नु खारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
तसुंदि कुनुनुच जानवारुव कँर गुलन प्यठ बूल्य ।  
तथ कुनी स्वरु छस व्यचारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
डलुकिस सॉरुस बौ द्रायस अथ वुजनुन मूहुन वाव ।  
तति छु केशव पानु तारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
मेघवर्णन सिरियि म्वख होव आयि सिरियस शूब ।  
ओबुर चोल मंजुबाग नारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
वोल बसंतु रंगु श्री कृष्णन क्याह दुशाला जान ।  
फवलनुव्य अँस्य यिथ्य बहारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
बाग छविना सारुनुय फवलुनाविना वुनुयक्यन सु च्यत् ।  
पतु कुस फल नेरि दारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।  
बागिवाना कृष्ण दाना स्वरि करुना व्वपकार ।  
जय तसुंदन श्वबु कारुन हीय बौ प्रारुन छस ।।

**311 कृष्ण दर्शनच अबिलाश**

मंज बागन सब्ज ज़ासन ।  
बालु कृष्णस प्रासन छस । ।  
नागुरादन प्यठ आबशासन नागुनाथ दान दासन छस ।  
वुछ पाँचादसन फम्वासन बालु कृष्णस प्रासन छस । ।  
दोह गोम पोश च़ासन च़ासन पोशन पन तारन छस ।  
मालु छुननस छुम कलु दासन बालु कृष्णस प्रासन छस । ।  
व्वदनि रुज़िथ प्यठ कोहसासन च़ंदनस व्वशच़ासन छस ।  
यॉर ज़न मंज जंगलन तु नारन बालु कृष्णस प्रासन छस । ।  
रुसकॅट ज़न छस छलु मारन नाफस पतु लारन छस ।  
छुम सु पानस मंज छस छरन बालु कृष्णस प्रासन छस । ।  
पतु गछि सूर छस व्यसतारन देह मद दुत मारन छस ।  
तसुंदि सुत्य शूब छ्य शूबिदारन बालु कृष्णस प्रासन छस । ।  
ब्रमुच़वमुच़ छस समसासन रॅटमुच़ व्यवहारन छस ।  
तसुंदि रोस्त क्वसु दिवथाह छ दारन बालु कृष्णस प्रासन छस । ।  
पतु क्याह बनि दुनियादारन अशि कनि म्वखतु हारन छस ।  
वुनिक्यन अनि शूब श्वबु कारन बालु कृष्णस प्रासन छस । ।  
आरवल छस बो फेसन आसन ज़ॉजमुच़ लोलु नारन छस ।  
फवलनॉवुस तसुंद्य शेहजारन बालु कृष्णस प्रासन छस । ।  
बाशि करिनस जानावारन कृष्ण गीत व्यच़ासन छस ।  
पोशनूलु बोलि छस कन दासन बालु कृष्णस प्रासन छस । ।  
कृष्ण नाव छुम प्राण संदासन बवुसरु पान तारन छस ।  
तप ज़प दान यूग छुम यारन बालु कृष्णस प्रासन छस । ।

**312 ब्रमुक इजहार**

ब्रम गोम डीशिथ स्वरमस तु साजस व्यनथा कँस्मय राजु यूगु राजस सर्वु आत्मु बावु व्यचारु द्युतनम दोपनम चोन ह्यतु व्वन्य प्यतु पायस ज्जोनुम पँयलस <sup>2</sup> तु पाकस <sup>3</sup> मंजु कुस दोपनम च्यत् शुरु क्वच्छि क्यथ ललुनाव प्वरुश तु त्रुय येम्य ज्जोन इकु रूपी इंद्रेय शँथरुय छि तँम्यसुंद्य म्यँत्रुय मामस व्यकार त्रँविथ ज्जोनुम येम्य युथ वेशीश व्वपदीश कोरुनम ब्रम गोम डीशिथ स्वरमस तु साजस	नीलिस माजस प्यठ ओस पोस <sup>1</sup> । शरुन गँच्छियु मे तँम्य मूह कोस । सत् च्यत् आनंदु अमर्यत खोस । दामा चथ शांत नेशकाम गोस । बूज्जिथ मदु निशि प्योस काँप्योस । दिस युगु द्वद बन बोजवान लोस <sup>4</sup> । तथ व्यचारु द्रेशटी लगुहोस । न्यँत्रुय चरुनु कमलन वथुरोस । पानय देह ब्रमु निशि व्यसुर्योस । सुय पॉन्य-पानय श्री कृष्ण ओस । नीलिस माजस प्यठ ओस पोस । ।
---	---

1. पोस्त (मुसल); 2. खून, स्थ; 3. पाक (स्तस तु पाकस); 4. लोसु ज्जनानु ।

**313 ब्रम् निशि म्वकजारु बापथ नारायणस कुन अस्तुती**

च्यत् गोम शांत चोन प्रेयमु अमर्यत चोम

ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।

यमि समसारु मंजु पतु लार्यम क्याह दयि नाव स्वरुन रोस्त थवतम म ज़ांह  
चानि बक्ति बावु खोतु कांह परसु स्वख छ पतु बनि बेखिकाह ह्युव पादशाह  
ब्रोंठ्य मे ह्यसु फिर गरिकुय ब्रम गोम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।  
मनु वाजि नारायण नाव खनतम संकट गटि मंजु अनतम गाश  
रायि मंजु गनतम मूख्य पद वनतम प्रकट बनतम परम आत्मा  
कैन्य ह्यि छम ब्वद थंन्य ज़न करतु मोम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।  
न ज़ि ज़ांह ज़्यवुहो न ज़ि ज़ांह मरुहो नारायण नारायण करुहो न्यथ  
चानि नावु सुत्यु बवुसागस्स तरुहो द्यान चोन स्वरुहो थव मे सुमरथ  
होश दिम व्यवहुरु रागु द्वेश यिथ प्योम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।  
हकरे बनि मंजु अनुगगुराह चाव योरु ह्यथ क्याह चाव ओरु ख्यथ क्याह द्राव  
कायायि म्यानि मंजु छु आश्चर्यवत वाव रूपु छुस क्युथ क्याह छुस स्वबाव  
न्यरलीफ द्रास पतु क्याह ख्योम क्याह चोम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।  
योरु अथु वॉहस्थि तोरु आख वेंठ्यिय क्वलि मंजु फेंठ्यिय छुय होख पान  
क्याह लारि दनु सोम्बस्थि पान चेंठ्यिय दर्मु व्यवहार कर खेंठ्यिय पॉठ्य  
ज़नमस यिथ करुनाव दर्मुच कोम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।  
बैंड्यबैंड्य कार केंर्यकेंर्य क्याह प्रोवुम थ्यकुनोवुम छुस बोड खानुदार  
यशु पुछि मानु पुछि दोह रवुरोवुम लूकन होवुम देह अबिमान  
ह्यसु फिर मे मूह मस चथ पान व्यसुर्योम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।  
मेति विजि अज़ॉमिल गँज़रावतम मँशरावतम ज़नमुक करतुत  
यमु किंकर बुथ मतु वुछनावतम नारायण नाव पावतम याद  
युथ छु त्युथ चतु कृष्ण प्रेयमु द्वद ओम ज़ोम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ । ।



314 श्री राम नाव सुमरनि हुंज महिमा

टाठि म्याने राम राम राम कर  
 राम नाव सुत्य बवु सागस्स तर  
 नैशकामु बक्ति सुत्य अद्वेत गीत सामु स्वर  
 रात दोह दमु दमु सुबह शामु शाहुर गामु  
 तत्पदुकिस्स सत् श्रवनस कन थव  
 राजु यूगु राजु राम मूख्य गदि प्यठ छुय  
 नारदस स्वग्रीवस वेभीषणसुय  
 रामु कथायि मंजु श्वकदीव वशिष्ठ व्यास  
 युस रामु कथायि हुन्द व्याख्यान दियि  
 युस रामु कथा बोझि अर्पन करि  
 भरतस तु सीतायि लक्ष्मण जियिसुय  
 दशस्थ राजस कौसल्यायि सान  
 वाल्मीकियस तुलसी दासस सान  
 चावुनाविय राम प्रेयमु स्स दामु दामु  
 दर्मु कर्मु सोथ छुय रामु नावु सुत्य खरु  
 मूखी सानि हुंजि व्वपायि पुछि छुय  
 चॅट्य रावनन जटयनुसुय पर  
 हुंगु हँजुन हँजु क्वल बोठ खोरुन  
 रामु नावुच त्वलसी माल नॉल्य छुन  
 जगतुच पालना छ्य रामस मटि  
 दर्मु अर्थ काम मूखि सान श्यामु स्वंदर  
 टाठि म्यानि रामु बक्त्यन कर आदर  
 ख्वगु ख्वगु जगतस अवतार दॉरिन  
 बोझिमत्य बवुसागस्स बोठ खॉरिन  
 मंजु दर्मु शालायि रघुनाथ मंदर  
 रामु नावु बोझु रामु नावुच प्रय बर  
 रामु नावन हुंजु सुत्य ह्यथ लशकर  
 ब्रह्मानंदु नगस्स राजाह कर  
 रामु नेरि शेरगडि जीर करि शॅत्रन  
 रामु नावुक सदा आनंदीश्वर  
 अंतः कर्नव किन्य रामु रामु स्वर  
 आत्माराम छुय अंदर तु न्यबर  
 रामु नावुय योत पथकुन छु सारुय  
 दर्मुक दैर कर संत ह्यथ सॉर कर  
 सतुचिय थ्यथ थव नवरत्रीदार  
 च्यत् थव प्रसन रामु नवमी व्रत दर  
 रामु रामु रामु रामु रामु कर ।  
 रामु नावु सुत्य बवु सागस्स तर । ।  
 प्रय बर आवागवनस हर ।  
 यिछि ग्यानु लरि छुय श्रदायि बर । ।  
 पवनु पौत्रस सान मंग रामु वर ।  
 आस पास गटु कास बास भासकर । ।  
 तसुंघन चरुनु कमलन अँछ्य जर ।  
 तन मन अन्न दन बनि अमर । ।  
 ह्यथ शत्रुघुनुसुय कर चामर ।  
 रामु बक्त्यन लाग पोशि अम्बर । ।  
 बेयि रामु कँवियन डंडवत कर ।  
 तमि रसु बनख अमर अजर । ।  
 सॉखी छुय सीतुबंद रामेश्वर ।  
 जगतुचि क्रेयायि हुंद सत् ग्वर । ।  
 रामु नावु सुत्य गव परमु दामु पर ।  
 नावि क्यथ तोरुन दयासागर । ।  
 दशस्थ रँट्थिय तप जप कर ।  
 हटि गंड बक्ति बावुच म्वखु लर । ।  
 दियि व्वदि यूग बासि सुय चरचर ।  
 रामु नावु सुत्य बवु सागस्स तर  
 तॉरिन राख्यस दुत अस्वर ।  
 हॉरिन द्वख तॉरिन तँपीश्वर । ।  
 छि कथा करुवुन्य रेश्य मुनीश्वर ।  
 रामु नावु सुत्य बवु सागस्स तर । ।  
 वीरु दर्मु बलु मूह राजस फर ।  
 रामु नावु सुत्य बवु सागस्स तर । ।  
 नेर दशहार वुछ सॉराह कर ।  
 बोझिय सुत्य ह्यथ श्री गदाधर । ।  
 मूह मायायि निशि गछ व्यसमर ।  
 रामु नावु सुत्य बवु सागस्स तर । ।  
 जान समसारुय अस्थ्यर ।  
 जांह म बन गरिक्यन हुंद बॉर खर । ।  
 सठ जगत अम्बायि हुंद दरबार ।  
 रामु नावु सुत्य बवु सागस्स तर । ।

यिम यथ वॉसि कैर्यमुत्य छिय बदकार  
म्रेति विज़ि कालस सु वुच्छि वेंछ थर  
पवनसुत आया लंका जलाया  
रामजी को सीता का हाल सुनाया  
अंजनी नंदन पाताल जाकर  
रामजी लक्ष्मण अपने कंधों पर  
हमको है अपने शत्रुओं से जंग आज  
उसे बचावे फिर किसका है डर  
रामजी का दर्शन दशरथ ने पाया  
फिर गया रामजी से रुखसत पाकर  
लंका जीत कर अज्योध्या में आया  
परम स्वख मूखी देदिया घरघर  
अरे मेरे प्यारे बोलो नेशकाम  
राम कृष्ण नाम बिन और क्या है काम  
श्री राम कृष्ण का नाम है आश्चर  
कृष्ण नाम है दूध मखन और घी  
समसार संताप तृष्णा को हर

अकि राम नाव सुत्य गछ्यख समहार ।  
राम नाव सुत्य बव सागरस तर । ।  
रवण को दिखलाया अपना बल ।  
राख्यस हटया मिटया शर । ।  
अहिरावन मारकर लाया ।  
राम नाव सुत्य बव सागरस तर । ।  
आवे आवे महाबीर बजरंग आज ।  
राम नाव सुत्य बव सागरस तर । ।  
लंका में आया स्वर्गलोक से ।  
राम नाव सुत्य बव सागरस तर । ।  
सबको दिखाया श्री राम रूप ।  
राम नाव सुत्य बव सागरस तर । ।  
सीता राम राधे श्याम ।  
लेवे देह भ्रम देवे परम धाम  
राम नाव सुत्य बव सागरस तर । ।  
राम नाम मिस्री पिलाकर पी ।  
राम नाव सुत्य बव सागरस तर । ।

315 शिव अस्तुती

पूज़ि लागय ग्वलाब ब्यल तु मादल तु हीय  
तँथ्य सुत्य पम्पोश व्यनु जाफ़र्य छिय ।  
पार्थी पूज़ ह्यथ न्यथ कर आरती  
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।  
चेय कित्य रंगुरंग पोशन कैर्य मे डेर  
लागय यूग डबि खसुनस छ कर्म हेर  
साकार रूप दौस्थि असिकुन फेर  
ही न्यराकार अँस्य पूज़ोथ नोन नेर  
काम कूद लूब मूहन छु कोस्मुत गेर  
त्रेयमि अँगु न्यँत्रु सुत्य जाल तिम कर मु चेर  
न्यँबरिमि व्यवहार निशि गौमुत्य छि सेर  
अँदरिमि प्रेयमु प्रावनाव परमु पदवी  
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।  
छुख चु कसनावतार यिथि नावु कर व्वदार  
बोड्मुत बोठ खार बवु सरु दिम मे तार  
चौर्य बक्ती यार दिम मे म्वक्ती द्वार  
करुनाव सत् व्यचार असि बास्मबार  
अँस्य छि दुनियादार रोट चोन दस्बार  
लद म्वक्ती द्वार सोन यियनय आर  
द्वेतबाव हार छ्य पननि कुनिरुच द्वय  
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।  
संच्यत आगामि कर्मन कर मे छ्यन  
प्रारब्दस प्यठ थव मे नेशकल मन  
पानु छुख सोरुय वैषि<sup>1</sup> रूप हनहन  
ईक बासन छु अग्यानु सुत्य ब्यन ब्यन  
अमि यमि सान छुख पानय त्रुबवन  
पूसन चे ज्ञानन छिय सत्ज्ञन  
सर्वु शक्तिमानस कुनिस कुस वनि ज्युय  
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।  
छ्यँट वासना म्यौन्य श्रुचराव पाप हर  
वातुज हिशि छ स्व दीवु कन्या कर  
अकि ब्यल पँतरु सुत्य कर अमर अज़र  
छम च्वदाह माघु गट पछनिय दिम मे वर  
प्रेत्यख बास कास यमु रजुन्य थर  
अपर परापर छुख प्रकरत पर  
शिव नावुक पास करतु ही शिवजी

ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।  
यिम यिम व्रत दैर्य मे तिम व्वतम मान  
फाक् दीदी व्वन्य म होखरवुम पान  
कति अनु तिथ्य होश करु चे सुत्य ज्ञान  
कति करि स्यद म्यौन्य मूर्ख ब्वद मूर्ख पान  
तप जप यूग ग्यान दास्ना दान  
कति बनु बागिवान ह्यमु द्युन दर्मुदान  
कति बनु ग्यानुवान कति बनु व्यदवान  
राख्यस प्रकस्त फिर मे थव दर्मुसान  
शिवु नावु सुत्य कास पराक ज्ञनमुच हान  
यार केह बनु परमु दर्मी तु कर्मी

ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।  
अंतु त्यागुच स्थैज वथ हवतम  
रागु द्वेशि रोस्त खानुदार बनावतम  
त्रियि पोत्रु म्यैत्रु बाव शोमस्थि थावतम  
थ्यतु प्रेग्यन्यन मंजु मतु मंदुछवतम  
येथ्य ज्ञनमस मंजु परमुगथ दावतम  
अथि आमुत देह मतु रावरावतम  
पशिबावुक नशि मतु चावुनावतम  
यशु मंजु थावतम महवोरंगी

ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।  
यस आसि चे ह्युव बोड दीनुदयाल  
तस कोनु म्रेति विजि पालना करि काल  
क्याजि तस धर्मु राजु तति करि वुल्ट हल  
क्याजि तस बंद करि समसारु मूह जाल  
कोनु प्रावि ग्यानु यूग क्याजि रटि कोह तु बाल  
क्याजि हवि लूकन अबिमानुच चाल  
क्याजि डलि डाम्बु सुत्य जेनि अन्न दनु माल  
क्याजि करि पाप वस्तावि अपुजु तु जहल  
टैल्य फिरि लूकन मोल्य हेयि जंजाल  
क्याजि लूबि मन म्योन यी शूबि दिम चु ती

ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।  
चुय छुख अंतुक अंत आद्युक आदि  
मंजुबाग जगतस कर चु मे प्रसाद  
पथ ब्रौठ छम स्तन ज्ञनमन हुंजु व्याद  
पानस मंजु छुख चु कोत लायय नाद  
स्वखु म्वखु कासतम जीवतुक्य अपराद  
मशुनुय मे मेशराव पाव यादुक याद

रुनावतम ग्यानु यूगियन हुंघ पाद  
बनावतम सत्जन पस्म संत साद  
बक्ती ब्रह्म ग्यानी तु यूगी  
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।  
अंतु काल पाल नाव छुय म्रैत्यंजय  
क्याजि करु छूट-छूठ क्याजि करु हय-हय  
कोनु कासुहम्म च्यतुकि स आंस खय  
कोनु बासख ब्रौठकनि र्छुवुन दय  
कोनु नोन हावख तति वर तु अबय  
कोनु करुनावख तति वासना ख्यय  
कोनु दिवुनावख मुख्य नगरुक पय  
कोनु वातुनावख तौत दिथ मनोजय  
कोनु करुनावख पानस मंज लय  
अच्यत् न्यरामय यी ओसुस ती  
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।  
च्यत् थव मे शूबिदार व्रत ब्रह्माकार  
अपरादन हर पापन मे प्वन्य यार  
दर्मु स्वस्थ थवतु म्याँन्य शुर्य बाँच गुरु बार  
अस्थयर तु मेथ्या ज्ञानुनाव परिवार  
ब्रह्मवत प्वश्न हिव्य करुनाव कार  
पनुनुय पान बासुनाव समसार सार  
मूह राख्यस मार दार कृष्णु अवतार  
बुय बुय त्रावुनाविथ रोज च्य च्य  
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।

1. विश्व रूप; 2. स्थित प्रज्ञावान ।

**316 ग्रेहस्तियन बापथ संतन हुंद व्वपदीध**

सुय ओस मोठ्मुत येम्य पॉदु कोस्मुत छु यूत समसार ।  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
छनिमुच्च ऑस असि अग्यानन ब्रमु मूहच फॉस्य  
रँटिमुत्य कामन क्रू दन लूबन मदन ऑस्य ।  
तमि मंजु संतव म्वकलॉव्य बोयनख नमसकार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
येलि समसास्स व्वनमत छु करन मूह अंदुकार  
दय मँशरवन फॉलावन नासतिक आचार ।  
अदु संतन हुंदि म्वखु दासन ईश्वर अवतार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन जगत छु मेथ्या ब्रह्म छु सत्  
नतु अमि यमिसान जगत छु ब्रह्म आश्चर्यवत् ।  
न्यथ गछि करुन सर्व आत्म बावुक व्यचार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन स्यजर पजर कँखि बा  
सतचि शिकारि प्यठ बवु सरस तँखि बा ।  
सत् ग्वरु शब्द अब्यास कँखि ती छु सार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन परजुनावुन गछि सँहजु पान  
श्रवन मनन निद्दयासन करुन छु जान ।  
सतय सोखि तु प्राँविव साख्यातकार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
असि ऑस खबर युस यिथु तिथु पॉठ्य करि गुजरान  
ख्यथ चथ युस श्वंगि आरामाह करि गव बागिवान ।  
मरुन मँशिथ यशाह कडि गव सु दुनियादार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
यि बनि ति बनि पाँछ दोह पठुन गछि समसार  
मद फुकरॉविथ करुन्य गछ्छन बँड्य बँड्य कार ।  
वँगिलि पॉठ्य जान पॉठ्य चलुन गछि व्यवहार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
गॉँछ वुठ्थि गोछ वस्तावुन देह अबिमान  
थ्यकनावुन गछि पनुन कँबीलु क्वल खानुदान ।  
लूकन पीछ दिथ गछि हावुन नोन गाटुजार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
नेचिव्यन कोर्यन खांदर करुन बडि यशिसान  
ओर योर अँनिथ वँडरवुन दनु सुत्य ह्यथ प्रान ।

संतन वॅद्य वॅद्य करुन्य जॅद्य अँस्य छि कर्जदार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
सुय गव ग्वर सोन व्वशन युस पकि असि सुत्य सुत्य  
नतु साद तय संत असि निशि यिवन गछ्न छि कृत्य ।  
शरन गॅछिथ यी छिस मंगन बारम बार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
छुख-अय सत्ग्वर सोन गछि कासुन्य असि द्वर्गथ  
ग्वडु गछि रछुन येति पतु हवन्य सतुच वथ ।  
अदु छुख सॉमी<sup>1</sup> सोन अँस्य छि चॉनी सीवाकार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
स्वपयाह पॉसा छ अथि आमुत छि अँस्य लाचार  
कुछ्यन मंज अन्न बंकस छ असि सौम्बस्थि द्यार ।  
है स्वामीजी दयाल बन अँस्य छि अयालबार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
जनमस चायाह चमुहॉव छेनिहे मायाजाल  
ख्यमुहॉव चमुहॉव संतन ति करुहॉव कुनि दोह साल ।  
लिविथ डुविथ थवुहोख गर दनु रोस्त शूबिदार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
वेशनार्पन क्याजि दिमव असि छ तीच सूस्थ  
ति छ मूजूद यि असि आसन छु ज़ोरुस्थ ।  
तनखाह दिथ बेयि पतय छि सॉयिस तु खँदमतगार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
तिथ्य सोन्य छि पेमुत्य स्वर्नु कांगरि मंगन छि तिम  
लदन छिख अँस्य लँदिथ तोति जंगन छि तिम ।  
संतय लदुहॉन अमि खोतु करुहॉव बँड्य बँड्य कार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतन छु संतोश यिथु तिथु तिम गुजरवान छि दोह  
असि नेरि तेलि दोह येलि ब्रॉठ आसन दनुक्य कोह ।  
तमि मंजु लदुहोख केंह लँद्यतन अनुग्रेह अम्बार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतन लगुहॉव अँस्य कति पायस प्यवन अँस्य  
चख अँस यिवन अज तान्य लँड्य लँड्य ह्यवन अँस्य ।  
दमालि फँकीर स्वदु गूर्य मकार छुसीमार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन क्याह गोवु पथ ब्रॉठ वुछिव बा  
ग्रेहस्तुक्य कालु सर्फन त्वहि ह्य बुछिवु बा ।  
केंचन दोहन लूट्थि चलिवु ब्रम बाँज्यगार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।

संतन तु सादन शसन गच्छुहँव श्वबु चसनन  
अर्पन करुहोख श्रदायि सुत्य तन मन अन्न दन ।  
संतय म्वख हँविथ करि शोम्भू परमपार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
शिवनाथ संतन तु सादन हुंदिय ग्यवन छु गीत  
अँतीत आँसिथ ग्वन छुख ग्यवन मायातीत ।  
ब्रह्मा वेष्ण छु करन संतन जयजयकार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन त्वहि दर्मुय योत पकिवु सुत्य  
देह छु नाँशी अज तान्य वतुगत आय गँय कृत्य ।  
दर्मुक प्रेयम बैखि तु कैखि परोपकार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन पोक ताँमीर कैखि बा  
तथ मंज रुजिथ सँन्यासु व्रँच द्यन बैखि बा ।  
लागुन गछ्यस शीतल च्यतुक चंदनदार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
गरुच ममता त्रावन्य असि निशि हेछि बा  
यिनु तोह्य ति लँगिव अथ कथ साँखी वुछि बा ।  
खँचु तु गगर, हारि तु चरि बेयि जानावार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
कोँजूस बैन्य बैन्य स्वनहँन तु र्वपुहँन दँगिव मु जाँह  
दँगिव-अय तोति गरुचि बलायि लँगिव मु जाँह ।  
असि ते दियिव जाँह बतु म्यँटह यियिवु आर  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संकूच कैर्य कैर्य स्वंदर गँहना गँखि मु जाँह  
गँखि-अय जाँह फिकिरु कैर्य कैर्य मँखि मु जाँह ।  
कुस क्याह दीवु आँसिथ गॉमृत्य छि लाचार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
थवन्य गछिनु शुर्यन बाँचन हुँजुय प्रय  
शिन्यस मंज येलि जाँलिथ चलनवु तति छुवु दय ।  
ब्रौँय जाँलिव दीफा नतु पतु छुवु गटकार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन हतुबा अँस्य छि दयावान  
सोनुय बूजिव तु आवागवुनुच चलिवु हन ।  
पानय वुछि कति छु यावुन बुजर ल्वक्चार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
व्यचार कैर्य कैर्य प्रथ कुनि निशि अँस्य गॉमृत्य छि सेर  
प्रय कति बरव ब्रौँय यिन अन्न दनुक्य डेर ।



कें चन दोहन सॉन्य ज़िठ्य ति ऑस्यमुत्य छि साहिबिकार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन जॉनिवबा सोपनुवत समसार  
सोपनु जगत मेथ्या वुछिव गॅछिथ बेदार ।  
जागरत सोपुन ह्युवुय जॉनिथ बॅनिव खानुदार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव फरमोव सोनुय करतूत छुवु नेशकाम  
आसुवुन छु शॉती दर्मुशालायि मूखी बाम ।  
व्वन्य द्युत असि युथ पज़िहे त्युथ सर्वु आदिकार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन सत्संग कॅर्य कॅर्य गॅयि वॉसाह  
व्वदार च्यत् ऑस्य पलि कति थोव र्वपया पॉसाह ।  
मूर्ख छि दपन दनु रॅस्त्य बेछन छिवु नाबकार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
असि गोछ र्लुन ठगन सुत्य दपुहॉन जान  
सतु निशि ड्लुन अदु ग्वन ग्यवुहॉन छिवु ग्वनुवान ।  
ठॅगिलि सुत्य गोछ चंदस छनुन ठगु बाज़ार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन ज़िरत जॅमीन लॉगिव बा  
जीवनपाया छॅञ्चिव त्रेशना त्याँगिव बा ।  
लोब कुन रूज़िथ लॉगिव या लॉग्यतन काशकार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
गर्मी तु सदीं मंज़ श्रावुन ऑस्यतन या पोह  
व्वदासीनुवत कडुन्य गछन यिम पांछ दोह ।  
ज़ेननि पेयतन व्वनकुन वसुन ह्योर खसुन दरबार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन तोह्य लूक् लज़ा त्रॉविव बा  
लॅलीशोरी हुंद ह्युव च़ालुन हॉविव बा ।  
प्रसन रूज़िव योदवय मेलिवु कम आहार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतन हुंद ह्युव कुस च़ालि ऑसिथ बॅड शक्ती  
संतन हुंज़ त्वहि करुन्य बक्ती छुवु म्वक्ती ।  
संतन वॅदिव पनुन पान शुर्य बाँच़ गुरुबार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
कति प्यठ कोत तान्य ओस रजि भरथॅरियस दौरि दौरि  
च़ोल रज त्रॉविथ कस द्राव कस नेरि समसार सोर ।  
च़रिज़ीव बॅनिथ प्रथ जायि फेरन ख्वद म्वखतार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।

यि दुनिया छु कहर खानय न्यराकार  
कहर वुछिथ कहर जॉनिव म्यत्र तु यार ।  
पज्या मूहुन मस चथ गछुन ओर बेमार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।  
काया छ दजन रेह छस व्वथन नास्स मंज  
क्वसु फर्क छ बासन जदालस पेशकास्स<sup>2</sup> मंज ।  
अफसूस ख्यवन गरिक्य छि चलन ह्यथ पस्वार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।  
दया कैरितव संतव अंस्य छिवु ग्वनाहगार  
पननि अनिरि गस्स मंज रावरोव खानुदार ।  
अग्यानु न्यत्रन गाश अनितव दिथ सत् व्यचार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।  
संतव यी वोन लोबकुन त्रॉविव संकल्पु बार  
जन पवनु रोस्तुय रेह दँरिथ थँविव ब्रह्माकार ।  
गगनस प्यठ्कुन खॉरिव च्यत् ह्यथ शब्दु दार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।  
संतव यी वोन कैरिव बा शाँती शम दम  
देह ह्यथ छ सॉरुय ईश्वर सत्ता तोह्य छिवु कम ।  
मेथ्या चीज छु ह्यवन मँल्य चूर खँरीदार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।  
थँकिथ वॉतिवु मंज ठ्यु गामस लँजिवु राथ  
यान्य अँछ वँटिव तान्य ठा हवुनवु पनुन्य ज़ाथ ।  
श्रवन गेविव रुज़िव सॉरी ह्यथ हुशियार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।  
सत्जन येम्य वुछ तँम्य वुछ सदा शिवुन रूप  
मंज मूह गटि समसारुचि छि तिम ग्यानु दीप ।  
शरन गछन वाल्यन कसन छि व्वदार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।  
अँतीत आँदीन लूकन छि बासान कायायि किन्य  
प्रपंच छि पालन पननि दयायि क्रपायि किन्य ।  
बक्त्यन बखशन छि विबूत पलि नु आँसिथ हार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।  
ह्य ठाठि म्याने अनुग्रेह अन्नस जग प्रोन म चार  
बेख्यायि नीरिथ मंज जोलि लँदिथ न्यथ गरु सार ।  
अलख बूलिथ संतन दरवाज़स प्यठ प्रार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।  
संतन तु सादन हंजि ब्रह्म नेशवयि हुंद वनु क्याह  
छख अष्ट स्यँज पतु लारन स्योद छिखनु वुछन ज़ांह ।

छुख राज बासन त्रन बवनन हुंद अँड खँड हार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
वोन भगवानन युस यियि मे निशि बक्ती सान  
छुस तसुंजि चरनु गरदि सुत्य श्रुचरावन पान ।  
मँलिथ पानस अदु छुस व्वतम करन समसार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन समसास्स कर तीर्थन सॉर  
कति ओस र्वपया पॉसाह सुत्य ओस दयि दनु दॉर<sup>3</sup> ।  
तति थौवुन अन्न दनु ख्यनु चनु सान शूबिदार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
संतव यी वोन अँस्य ह्वा व्रँच किन्य छिवु सँन्यास  
गरि येलि द्राय अँस्य ग्वडु संकल्पन कोर ग्रास ।  
स्ववर्न दर्म सत्संग व्यचार सुत्य ह्योत यार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
अन्न जल बूगिव प्राख्दस वैकुन छु जान  
नेश्चल रुजिव चस्ख<sup>4</sup> दीदी चँटिव म पान ।  
ह्योन द्युन म त्यॉगिव लूकन म लॉगिव गृट अनवार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।  
दय कति जानुहोन कृष्णन संतन हुंज प्रय बँर  
पस्म ब्रह्म मॉनिथ संतन हुंज तोता कँर ।  
संतय थवनस सतुच थ्यथ व्रत ब्रह्माकार  
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।

1. स्वामी; 2. अँमीर ; 3. दैर्य; 4. चक्कर ।

317 ममूख्य बक्तिस कमि कमि व्यचार पतु पजि पस्सतिश करुन्य

व्रत दौर यँड चोल बूगु बार

फाक् दिथ वँथ्य बेमार ।

खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।

मनु रूगस छुय गुज़ाह पय	व्रत दार रू इंद्रेय ।
युथ अवशद अथ छुय दरकार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
व्वतम व्रत श्वद करि मन	नतु फाक् होखरवि तन ।
छि दिवन फाक् कृत्य मर्जदार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
हुशियार रूद्य रँत्य रतस	प्रबातस तान्य बीठ्य ।
चूर रोजन छि शब बेदार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
ज्यादु दनु जेननस छु ज्यादु लूब	पलि थवनस छ क्वसु शूब ।
जन खजानस रँछ शाहमार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
दोप गंडुन त्रावव सामान	द्यवु चलि देह अबिमान ।
कृत्य वुछ्य नंगु नँन्य तु नादार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
अन्न त्रावुहँव चमुहँव द्वद	अदु प्रावुहँव श्वद ब्वद ।
वुछ चवन शुर्य तु वँछ्य मजुदार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
हठ कर्म सुत्य ज़ोर गोल काम	काम करिहे बदनाम ।
नामर्दन हुंद छु त्युथ कार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
काम आँसिथ गोछ करुन त्याग	मंज विबूती वॉरग ।
अथ त्यागस छु सर्व आदिकार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
दयु संद्य गेव्य कृत्याह गीत	सु छु पानु मायातीत ।
अजतान्य वँथ्य कृत्य बाशकार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
असि ज़ोन छेनि मायाजाल	सुह आस्य गँयि ग्वफि शाल ।
रँत्य नूलव तु गगख गार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
लूख वुछ्य वुछ्य अँस्य छि खोचन	छु रोचन मनशि रुच ।
जन छि व्वदुर्य तु बूतीमार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
मंज सबायि गोछ द्युन व्याख्यान	श्रवनु मननु अमि यमि सान ।
छंडुन गोछ लूक् ह्यतुकार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
मामस ख्यव तु बोड दोह पोल	युथ दपन लूख ख्यनुवोल ।
मजु चाव मोन वामाचार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
श्रान कँर्य कँर्य श्रूचरँव तन	कम छि तथ मंज रोजन ।
जलसुय मंज छि दुनियादार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
गाडन छु पान्युक पास	छिख करन रँत्थिय ग्रास ।
मिनि म्वंडजन छु त्युथ शेहजार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
शुर्य तु बाँच दोप नोवरावव	यश हावव लूकन ।
गाड हँजन छु ज्यादु परिवार	खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
लजु रंगु रंगु बजि लरि जायि	तिमुनय मंज मायि लॉग्य ।

रातु क्रूल, खेंचु, जानावार  
लूकन मंज छु असि खानुदान  
वुनिक्यन छि तिथ्य पलि छु हार  
शकलि किन्य अँस्य क्याह शूबिदार  
कोत गव यावुन तु त्वक्चार  
प्योमुत ओस गाटुल नाव  
पकिहे ह्यसुसान व्यवहार  
त्याग वॉराग दय सुंद लोल  
ज्ञानि सत् करि परव्वपकार  
लूकन हुंद छंडि कल्यान  
बनि दीशुक सीवाकार  
अँस्य छि पनुने गरजुक्य लूख  
अँस्य छि लूबु गरुकिय खानुदार  
आत्मु प्रकाशु ग्यानुवानु यितु  
ममतायि शोरु बनि दितु नार  
थवतु शमु दमु शाँती सान  
क्वम्बि<sup>1</sup> मंज छुनतु मूह तरवार<sup>2</sup>  
वनतु कृष्णस त्युथ गाटुजार  
प्रावि शाँती सत् व्यचार

खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।  
क्वलु म्वलु अमि यमि सान ।  
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।  
बुजरन कैर्य नाबुकार ।  
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।  
गाटु खॉर मंज छु पाव ।  
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।  
यस आसि सु छु होशिवोल ।  
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।  
तनु मनु अमि यमि सान ।  
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।  
लूक् हुंद कति तरि शूक ।  
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।  
नितु सोन देह अबिमान ।  
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।  
पुस्थि मूख्य सामान ।  
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।  
युथ ब्रम मानि समसार ।  
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।

1. मियान; 2. तलवार ।

318 श्री रामजीयस कुन प्रार्थना

सतुचिय थ्यथ थवतु म्याँनिस नेशकामु बक्ती बावुसुय ।  
रामु चँदु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।  
श्री रामु चँदु दीवन हुँदि दीवु जीवु दया करतम  
लोल बरतम तु ज्यनु मरुनुक दुख हस्तम तु वरतम ।  
तारु तारुतम नाव छम मंजु बवु सरुकिस वावुसुय  
रामु चँदु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।  
परक ज़नमुच खँड्यिछु छम रामु नावु सुत्य कासतम  
ही न्यर्मलु नेशकलु मंजु ज़लु थलु बासतम ।  
दर्शनु वरुनुन त्रावुम फल कुलिस मंजु तावुसुय  
रामु चँदु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।  
ह्यून ऑसिथ येम्य रामु रामु नाव सौर तँम्य मन ज्यून  
यूगु ग्यानु दानु दर्मु दानु रोस्तुय छुस कर्मु ह्यून ।  
यूगु हेछिनावुम ऑग्यन्या दितु बुशंडु कावुसुय  
रामु चँदु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।  
व्यवहारुकिस ज़ारु गिंदनस ज़्यादु कमुवुन छु ज़्यादु लूब  
समसारुचि बाजु मंजु ज़ेननस तु हारुनस छ क्वसु शूब ।  
मनि कामना स्योद करतम लोगमुत छुस दावुसुय  
रामु चँदु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।  
आत्मारामु व्वन्य वैशय बूगु त्रफती दावतम  
श्रेह रेह दितु अनिमु ज़न अबिमानु मोटु ब्वदु फ्यारुतम ।  
अनुग्रेहकुय अन्न थावतम ब्रह्मु त्रेशटी प्यठु छवुसुय  
रामु चँदु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।  
रामु रामु करु रामु रामु स्वरु रामु नावुकु छुम लोल  
रामु नावन विभीषन पोल मूह मदु रवुन गोल ।  
रामु रामु करु रामु नावुकु छुम प्रेयम यँचु हवसुय  
रामु चँदु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।  
पदमु पादन तसुंदन कमलु न्यँत्रुय वथुरावसुय  
कोस्तूरु नाफु कोफूरु चंदनु सुत्य तन नावुसुय ।  
श्री रामु रूपु श्री कृष्णसु हीय तु त्वलसी छवुसुय  
रामु चँदु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।  
ही राधाकृष्णु सीतारामु द्वेतु बावु हारुतम  
ईक ज़ानुनुक विवेक व्वपाय करतम तु वरतम ।  
यिथि अनुग्रेह पानय शौगमुत पान वुजुनावसुय  
रामु चँदु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।

**319 श्री कृष्ण, श्री राम, श्री नारायण, कुनुय रूप जॉनिथ अस्तुती**

कामुदीनु र्छनि द्राख ब्रज गामु  
नेश्कामु श्यामु स्वंदरो ।  
ओम जोम द्वद चत दामु दामु  
कृष्ण रूपु रामु चेंद्रो ।।

रधाकृष्ण सीतारामु	ईकतायि चानि वंदु पान ।
म्वख हाव वेष्णु लूक् परमु दामु	कृष्ण रूपु रामु चेंद्रो ।।
मंजु अज्योद्यायि बिंद्रबनु	वनु वनु छस्थ बो ।
दीशु दीशु शाहरु शाहरु गामु गामु	कृष्ण रूपु रामु चेंद्रो ।।
रागु सुत्य वयक्वठ बागु मंजु	शीशुनागु प्यठ म्वख हाव ।
मूख्य लरि हुंदि परमु शमु बामु	कृष्ण रूपु रामु चेंद्रो ।।
शिवरा क्वबजा जॉनिथ	म्यॉन्य चॉर्य बक्ती मॉनिथ ।
द्वेतु बाव कास अकि प्रनामु	कृष्ण रूपु रामु चेंद्रो ।।
मूह रावनु मदु कमसु मामु	ममतायि मातायि जाख ।
शांत गछ अकि रामु कृष्ण नामु	कृष्ण रूपु रामु चेंद्रो ।।
द्रेष्टी चॉन्य चमकावि सोन मन	नेरि ज़न कुं दन स्वन ।
मंजु शंसतुउ सरतलि त्रामु	कृष्ण रूपु रामु चेंद्रो ।।
ज़न कौसल्या जसुदा छस	वनु मंजु फेर वनु कस ।
मतु थवतम लूक् हुंजु पामु	कृष्ण रूपु रामु चेंद्रो ।।
वेष्णु कृष्ण रामु ईक म्वख हाव	ब्रोंठ स्वख पतु मूखी दाव ।
वाँस गुज़रावु सुत्य आरामु	कृष्ण रूपु रामु चेंद्रो ।।
सर्वु आत्मु बावु ब्रह्म दानि	कानि कडु ग्यानु पानि सुत्य
कडुनाव बीदु द्रेष्टी हुंजु हामु	कृष्ण रूपु रामु चेंद्रो ।।
कृष्ण नाव रामु नाव ज़पुनाव	न्यथ स्वरुनाव करुनाव ।
कृष्ण कृष्ण वेष्णु वेष्णु रामु रामु	कृष्ण रूपु रामु चेंद्रो ।।

320 परव्वपकारु बापथ बक्तीपूर्वक व्वपदीश

पिंचुकानि अलु-अलु चोन पानस तय ।

यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।

जलसुय प्यठ छु म्योन आसन आसन मंज पँखियन छस बो व्वतम बासन ।  
म्यॉन्य बूल्य बोजनुक छु ताकत कस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
छस कुनिय जँन्य क्वलु बठिनिय फेरुन प्यठ शिनि थानन ऑल्य छस यीरुन ।  
लोब कुन रुज्जिथ छस बेकस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
जानावासन हुंज बूल्य छम खरुनुय दाँ बँठ्य त्रॉविथ छस प्यठ सरुनुय ।  
व्यस्त रुज्जिथ जन ईकांतस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
अँज, पँछन हरुवचि बाशि बोजनस तय खफु छस कुरुक्कि बोलि छम प्रय ।  
जुबिकुक छुम म्यँत्र प्यंद छम व्यस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
प्यंद छम टँठ व्यस स्व छम दम दिवनुय स्व छ मेति पॉनिस मंज सुत्य निवुनुय ।  
छम दपन ब्वन वस तय ह्योर खस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
गिलि वोन तस छस मंज दाँ ड्लसुय अन्न बनि ज्यादु स्वख वाति जलु थलसुय ।  
चॉन्य मँस्ती क्याह करि जगतस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
म्यानि बोलि सुत्य दाँथल ग्वनि ज्यादय तथ मंज पालना म्यॉन्य बनि ज्यादय ।  
बचि ह्यथ गॉटु बयु रोस्त फेरु मस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
पतु यिमु न्यंदु कालस बेयि फीरिथ दानि पपनस तान्य रोजु ओल यीरिथ ।  
पानस सुत्य अनु स्वकालस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
चॉन्य व्यस्त बूल्य क्याह दियि लूकन ख्यनु चनु रोस्त किथु पॉठ्य गालि शूकन ।  
जानवासन थ्यकतु व्वतम छस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
सुय छु बोड दातु सारिखुय खोतु प्रदान यसुंदि व्वपकारु सुत्य ठीकि देह ब्वद तु प्रान ।  
जीवु दयायि हुंज प्रय आस्यस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
अनु सुत्य बल वाति प्रानन बनि ग्यान कसु यियि तप जप यूग दासना द्यान ।  
दारु पूज वारु वाति परमात्मस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
द्राग कासि ईश्वर चलि सॉरुय हान युस अन्न ज्यादु दियि तस ठेठि भगवान ।  
ख्यथ चथ वारु वाति वैष्णु बवनस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
सॉर करि तीर्थन बेहि प्यठ नागन पांछ जँन्य ह्यथ फेरि मंजबाग बागन ।  
जानवार बूल्य बोजि छवि पोशि दस्तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
दर्मु बायन सुत्य करि सत् संगुय सामु वीदु स्वरु परि स्वंदर बंगुय ।  
सँहजु पानुक निश्चय आसि तस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
आत्मुक स्वख प्रावि त्रावि देह अबिमान त्रफती दियि सारिनुय अमि यमि सान ।  
दीव ह्यथ रेश्य ह्यथ प्यतरु लूकस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
सर्वु दानव खोतु बोड अनु दान मान स्वरु फिरुनावि पान खरु करि प्रान ।  
प्रथ आहारुक म्वख छु अनु राजस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।  
फाकु दिनु खोतु ख्यावुन चावुन छु जान फाकु दिथ बेयि पतु खरु थावुन पान ।  
अदु वाति सीवा ब्रह्म मंडलस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।



आहोत त्रफ्त करि दिवताह कारन ब्रह्मन ब्रह्मार्पन कसनस तय गिल छ कांछन दानि स्वय बूल्य बोज्यस राजु यूगी बेहन प्यठ यंग्यन्यस तय अन्न बनि लूकन स्यद गछि कल्यान दीशि सीवायि स्वख वाति कृष्णस तय	आचमन ह्यथ लगन ख्यनुक्यन कारन । यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । । अन्नपूर्ना ह्यथ राजु हम्स सोज्यस । यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । । दय करुनाव्यख शवब कर्म दर्म दान । यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
--	---

321 यिनु गछनु निशि म्वकजार बापथ प्रार्थना

सर्व आकार रूप येम्य म्वख होवुय  
 यूग ग्यानु न्यँद्रे मंजु वुज्जनोवुय  
 पानु सोरुय सु तँम्य क्याह व्वपदोवुय  
 सु छु वेषु रूप कुस वुज्जनोव सोवुय  
 आदि मद्य अंतु रोस्त येम्य बासुनोवुय  
 ग्यानुवानव यिहोय नेश्चय थोवुय  
 खखराह दिथ पानस असि असुनोवुय  
 मुख्य दनु दियि रछ्वुन लछुनोवुय  
 वेषु मायायि हुंद जेशु चानुनोवुय  
 मसखरु लॉगिथ चास दारि लोवुय  
 वालु वालु कूदन मे मस खंजुनोवुय  
 लूब ऑस दॉस्थि मे आम मँचुरोवुय  
 ब्रमु मूहुक हल तस प्यठ त्रोवुय  
 ल्यक् थ्वक् चाजि दनु दियि स्वनु सोवुय  
 नफसुन्य सांगन मे रूप बदलोवुय  
 लूब पुछि मनुनॉविथ अनुनोवुय  
 लूकव गीत म्योन ठु गँजुरोवुय  
 असुनन तु वदुनन मे यनामु दोवुय  
 थरि प्यठ पान मे पथर पोवुय  
 तसंजि थपि दक्जद स्योद पक्नोवुय  
 बस्तु ककरा वॅलिथ मे पान वुफुनोवुय  
 राजु हम्सु पानस मे काव बनोवुय  
 लूब पुछि मानु बोड पान मंदुछेवुय  
 वुल्टु रंग अबिमानन मे करुनोवुय  
 खानुदान पान मे ल्यक् ख्यावुनोवुय  
 अथि आमुत दीवु देह रावुरोवुय  
 चोबु जोर डंबु सुत्य मे दनु कमनोवुय  
 रोजगार करनुक मे तमना द्रोवुय  
 गाटुल्यव बांडव यश थ्यक्नोवुय  
 ज्यादु नोच मे मूर्खन कम हिसु प्रोवुय  
 राजि पॉथस्स मंजु मख नचुनोवुय  
 दर्जु ब्रमुनय मसखरु खोचुनोवुय  
 म्यँच ऑडसन मे पान काल बनोवुय  
 म्वल दिनु विजि ग्राकव पीठुरोवुय  
 छरिरुक हल मुख्यदातस बोवुय  
 असुवुनि म्वख कृष्णन बाँगुरोवुय

शिनि मंजु व्वपदोवुय त्रुबवन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 ब्रमु किन्य ईक बासन छु ब्योन ब्योन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 स्व छ ब्राँती अग्यानुक ग्वन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 सान्यन मूर्ख क्रकुनुय थवि कन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 पॉथर लॉग्य लॉग्य छुस बो मंदुछन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 दॉर कडनस छुस बो कलु दारन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 बांडन मंजु छुस मसखरु जान ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 पखांड म्योन वुछि मनमोहन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 वह वह कैर्य कैर्य छि ओश त्रावन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 थोद तुलि पानय सु आनंदुघन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 हवि मोर मुकटु दारुवुन गरुडसन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 मुख्य दनु दियि करि पॉथरन छ्यन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 त्राहिमाम पाहिमाम यि छु लूबु ग्वन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 छ्वकलद मे हँवुय जोतन तन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 म्वंडि माजि जामुत्य छि राजि जादु जन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 तस ह्युव शाह क्याह छु गाह त्रावन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 कोंदु खँच मे मुस चोन कालु पॉथरन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।  
 सांग लोग निव अनुग्रेह अन्न दन ।  
 असिना सु लॅक्ष्मी नारायण । ।

**322 अबिमानु निशि बचनु बापथ प्रार्थना**

इसतादु अख जंगि प्यठ गुह्य र्युंजा  
क्याह करु दोयुम ख्वर अय पथर त्रावु  
प्रपंच सौरुय प्यनुक छुम मे बासान  
वुछतव यथ बजस्स कुस मे वात्यम  
नय वावु सुतिय छुम फूद अलन  
अकि लंजि व्वथन बैयि लंजि बेहन  
सखस प्यठ आंस कमरी तस कुन  
नखु ह्यथ पखु ह्यथ अदवल पल छुख  
ना तुमको सूस्त ना तुमको सीस्त  
ना तुमको शोहस्त ना तुमको जोदत  
अख नेशफल फ्रसताह जेति ज्युठुय  
खसनुक खयाल छुम स्वर्गस प्यठ  
यिथय पौठ्य मद होस मद म्योन  
शतरंज बाजि अबिमानचि मंज  
यिथय पौठ्यन समसारकिस पोशिबागस  
श्री कृष्ण यियम पयवंदु कर्यम  
पानस सुतिय सुय मिलुनाव्यम  
पास्स मीलिथ शंसतर स्वन गछि

ओस दौयरान गछिमा वौर्यदात ।  
बोड्धि तल मा गछि बुतरात ।।  
अखन तु सासन ह्यथ पँखियन ।  
कुस परजुनौविथ हेकि म्यौन्य ज्ञात ।।  
छपन छुस रूदु पलन तल ।  
नय कूनि दोह छुम नय कुनि रात ।।  
बोलन गुह्य रींजि छुख नादान ।  
मंज पँखियन आँदीन अनाथ ।।  
ना तुमको गैस्त ना तुमको होश ।  
छेते मुँह से बडी कैसी बात ।।  
मंजबाग बागस ओस गँजरान ।  
छ म्यानि खोतु कल्पव्रेख्य पारिजात ।।  
मद फुकुरवन छुस बलवीर ।  
शाह अय त्रावु शाहस गछि मात ।।  
मंज बोति वीर छस ।  
फल नेर्यम अनुग्रेह शक्तिपात ।।  
क्याह करि नख्यतर तु क्याह करि सात ।  
सुय अबज्यथ छुम बोय छुस दात ।।

**323 सर्व आत्म बावस प्यठ वैकनु बापथ**

हमसायि सत्तुता बुमुसिनन खेनि लूब तौति सुत्य खँन्य खँन्य मुस चास बचव दोपहस ब्वछि सुत्य अँस्य मूद्य असि मामस ख्योन त्रावुन हेछिनाव होश छुय चैति कँतिजि जानावास्न मंज संतोशि बागुक पोशनूला बन यिम नु मामस ख्यन तिम छिना जीवन केम्य कृल खेन्य छिय फख व्वपदावन लूख ज्ञानन सिव्य गोमुत पौंज आव लूब रोस्त तिंहजि पुछि प्रेयमु बूगन बूग	बचि ह्यथ मंज मॉदानस द्राव । कांह क्योम द्रास नु फीस्थि आव ।। बैयन हुंद्य पौँत्य बैयि कँह ख्याव । ताज छुय रजु हमसु नाव याद पाव ।। कावु सुंद्य पौँत्य बनमु चुति छ्योट ख्याव । पानस बसंतु जामु पौरव ।। दीवन हुंद ह्युव शांत म्वख हाव । मामस त्राव जीवुगात मँशरव ।। चु म व्वथ लूक् जैवि देह म वुफुनाव । कृष्ण रायि किन्य थाव सर्व आत्म बाव ।।
--	--

**324 भगवान् बक्ती किछ गच्छि आसुन्य (बक्तु सुंघ लख्यन)**

म्यँचा मलन नूला चलन	शाहमार मासन छलय सुत्य ।
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥
हिंसा सुत्य ह्यथ संकल्प फेरन	पीडयि वतन वतन मंज ।
नादान रुनिस ज़न रामु हूनिस	नेसन क्वकर्म क्वलय सुत्य ॥
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
केंह गरि रुजिथ केंह गँयि वनवास	केंचन आसन व्रत सँन्यास ।
जंगल गछन तु मंगल मेलन	रुति बावुकि मंगलय सुत्य ॥
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
अख आँदीना शिव नाव ग्यवन	मेति विजि ह्यवन यमु दूत पोत ।
पान श्रूचरावन बक्त्यन ह्यवन	म्वक्ती गंगा जलय सुत्य ॥
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
अख चंडजा मह पॉपी	द्वर्गन्द तस तिछ चलन लूख ।
शिव नावा ह्यथ शिवलूक प्रावन	कुनिय पॅतरु ब्यलय सुत्य ॥
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
अख सत्प्वर्शा नोन बासुनावन	शम दम तप ज़प यूग ग्यान ।
जग प्रोन फल दिथ त्रपती बखशन	बडि अनुग्रेहकि खलय सुत्य ॥
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
गरुड यिवन वासुक चलन	शिवनाथस हेट गछन नोन ।
बक्त्या व्वथन तस मालु गंडन	बडि प्रेयमु तु न्यर्मलय सुत्य ॥
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
अख ग्यानवाना ज़ागरत सौपुन	सुशफत बासन तस ब्रह्म रूप ।
बेदाँरी मंज तस सुत्य आसन	यूगचि न्यँद्री ज्वलय सुत्य ॥
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
मूह दशरावुन दँह कलु लागन	छस तोति रोज़न अपेख्या ।
च्यत् ख्वश गछन मन वश बनन	लॉगिथ काँहिमि कलय सुत्य ॥
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
देह अबिमानुक सूर मेचि मिलविथ	हौल द्वसु हेट मा दरन ज़ाँह ।
अंतु कालुक सँहलाबा तथ	त्रावन कुनिय यलय सुत्य ॥
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
स्वगंद दिथ च्यत ब्वद फवलुनावन	फुलय वुछ्नावन लूकन ।
बोम्बसन बुं बुं करुनावन	वाँनियि पम्पोशि डलय सुत्य ॥
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालान यूग बलय सुत्य ॥ ॥
कृष्णजुव चलुनावन द्रौपदियि	हंजि बक्ती सुत्य दुर्वासा ।
यथ ब्रह्मांडस त्रपती बख्यान	अनुलीशि अकि ह्यक् नलय सुत्य ॥
वेशालु बोज़ स्वस्तुय सूर मोताह	सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥

325 नेशकपट बक्ती

छ्य रातु कृलस मंजु जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार ।  
दोहस श्वंगुन रातस वुफुन बचन दिवन द्वद मजुदार । ।  
दोपमस पखय चै छ्य छुख कोनु वुफन जानावास्न मंजु  
बबय चै छ्य छुख कोनु लगन वँहशी हंघन कास्न मंजु ।  
द्वशवय चीजु ऑसिथ छ्य नु पठन छुख न्युच ओयून नाबकार  
छ्य रातु कृलस मंजु जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । ।  
दोपनम फीस्थि नियत खोट छम छुम गटि मंजुय रोत्मुत गार  
मंजु वुफुवुन्यन मंजु पकवुन्यन लोब रुजिथ छुस ग्वनाहगार ।  
सिरिये लोसिहे गाशा यियिहेम अँछन द्वन चलिहेम गटकार  
छ्य रातु कृलस मंजु जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । ।  
पखन तु नखन वाशाह कडहँ अनिगटि वुफुनस यियिहेम वार  
हा पानु म्याने नियत रुच थव प्रथ कौंसि हुंद बन व्वफादार ।  
यकतरफी कर यससुत्य रोजख तस सुत्य सेद्य पौठ्य कर व्यवहार  
छ्य रातु कृलस मंजु जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । ।  
नफसस दोपुम चै छ्य वनन शुतुर मुर्ग जानावार  
जानावारय छुख तुलत वुफा छुखय वूंट तुलत पँत्यकिन्य बार ।  
दोपनम मे फीस्थि यी छुस तु ती छुस चय छुख म्योनुय खँदमतगार  
छ्य रातु कृलस मंजु जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । ।  
बो कथ दरकार यिमय थफ छ्य दितम ख्योन चोन लयय नु हार  
मजु म्यानि बापथ समसास्स मंजु लुटँविथ अन अन्न दनु धार ।  
बाजार ठगाव मे सोरुय ख्याव लूकन हुंद बन कर्जदार  
छ्य रातु कृलस मंजु जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । ।  
वेशय बूगव तु यशु मंजु क्याह लारि कृष्ण चु कर परव्वपकार  
संतोशु व्रत थव गुजरना कर लूबस तु मदस तु मूहस मार ।  
म बन कौजूस म बन बखैल म बन मुमसिक म बन कशर  
पनुन नफुस पथ कुन थौविथ लूकन हुंद बन सीवाकार । ।  
छ्य रातु कृलस मंजु जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । । ।

326 भगवान् सुंघन ग्वनन हुंज वखनय बैयि पनुन्यन अवग्वनन हुंद बयान तु तिमव निशि म्वकजार मंगुन

परम आत्म परमानंद परमेश्वर ।  
छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
अच्यत् च्यत् चैननु च्यनु मातरु च्यत् मस होस्त म्योन योत गछि तोत ।  
तति तति चय छुख दिम रँत्थि फिर मे स्वरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
बूग गासु खेनि चाम लूब नयि ब्रमु बरु रछिनुनि चै वुछि चोल द्वखु शाल ।  
कालु सुह वाति ब्रम चलि कुस छुस बो मरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
ही अगम्य अपारु ही दिगम्बरु हरु बवु सरुकुय छुख करुनावतार ।  
चय यपारि मेलुहँम अदु अपोर कोत तरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
केंह नु ऑसिथ छुस अग्यानु सुत्य खरु ग्रेहस्तु हीनस मे लबि कनि थव ।  
खानुदार बँन्य बँन्य पानु पाल म्योन गरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
कामु माँशुकोट म्योन यलु गव तु क्याह करु परमु दर्मु बलुवीरु छम चॉन्य आश ।  
पोत फिरुहँन पजि रजि हुंदि अकि दरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
वासना फीर्य फीर्य पतु पतु लारानु कॅर्यमुत्यन चान्यन कारन मंज ।  
तिम चय बासतस थवतस मु मूह ज़रु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
जाँव्युल छुस कतन गंडु म्वक्तुचि लरु ओम पन छुम कुनुय बीदु द्रेश्टी सान ।  
ओगनिस दोगनाव दौर कर अकि वरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
आलव चै दिनि क्याजु फेरु गरु गरु थफ कँस्थि चानतम छुस बो अनजान ।  
ग्यानु यूगु लरि श्रदायि हुंदि बरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
प्रानु अपानु फम्वार पक्वुन्य छि जरु च्यत् क्वंडुसुय चानि सत् जलु सुत्य ।  
थवतख प्रेयमु द्रेश्टी दयासागरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
बंद कर बाँज्य अग्यानुकि बाँज्य गरु जाँन्य असि चॉन्य मेथ्या ब्रमु बाँज्य ।  
ब्वदि यूगु दिम आश्चरुकि आश्चरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
हागरु हागरु कर मु कर मु हागरु मंजु शिनि ग्वगस्स लोलु ओल यीर ।  
हा ग्वरु लोलु अमर्यत चख च आगरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
समसारुकि ब्रम बाँज्यगारु अस्थ्यरु क्याह प्रावु कस छुम हवुन फीस ।  
हरु कासतम ज्यनु मरुनुक ज़रु ज़रु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
कायायि मंजु अमरु पान करु सरु अन्न नेरि ब्योन तोह कनुकिय पॉट्य ।  
अनुग्रेह करतम हरु प्रकरुत परु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
हम्स बनोवथस शाह दिथ शाह परु फाक् फरि वातु कोत म्वख्तु दिम पूर ।  
मानसी पूजि हुंदि मानु सरवरु सरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
ग्यानु ताजदार तारकन यूगु संगरु गाश ओन वुछ मनोराज समसार ।  
अँनीक ईक बासुनाव वेशम्बरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
कुस प्रेदिख्यन दिथ ह्यक् चराचरु रायि म्यानि मंजु बस जायि जायि छुख ।  
पूर्बु पछ्मु दखिनु व्वतरु छुख मनोहर चय सर्वु शक्तीमान । ।  
कें क्लॅट ग्वफि चायि शाहमारु सुंदि ड्रु ममता चँज आत्म व्यचारु सुत्य ।

देह अबिमानु ज़ालु छफ कालु अजदर  
जँचदार खरसुय कॅर्य कॅर्य खर खर  
देह शीर्य शीर्य देह अबिमानु थव म ज़र  
थरि प्यठ पथर प्योस छम थरु थरु  
ऊर्दुगथ प्रावनावतम अदोगथ हर  
राजि पॉथरु छु अपजूय मूर्ख मसखरु  
खखराह ख्यथ लूब हिसु ह्यथ गछ म गरु  
दम द्युन त्राव लूब डंबुके व्वदरु  
संतोशि स्वख प्राव अँदरु न्यँबरु  
यूग दिथ च्युय योत बासतम सतुग्वरु  
पननि म्वखु च्युय जॉनिथ च़े आपरु  
बक्ति बावु म्वखु ओस पनुने बाज़रु  
तम कडु शिव न्यर्वानु वानु दम बरु  
मानु यि कॅछ म्योन म्योन यि छु चोन  
कासतम यिम छि तिम जीवतुक्य अरुसरु  
श्यामु रूपु रामु चँदु श्यामु स्वँदरु  
कुमदु पोश ज़न फवलु कति गछ बरु  
राधेश्यामु सीतारामु गौरीशंकरु  
बक्तु य्वक्तु म्वक्तु दिम शक्तु दिथ थव मे खरु  
सिरियि नोन ऑसिथ रतुकुल ओन गव  
ककवु न्यँत्रव कृष्णु चँदुन धान दरु  
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमानु । ।  
जथ द्रायि शूबिदार खर द्राव नोन ।  
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमानु । ।  
ह्योर खारतम छुख मायातीत ।  
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमानु । ।  
वेष्णु मायायि हुंद जेशुनु छुय कूठ ।  
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमानु । ।  
व्वदरु पुछि दि म पँखियन खेद ।  
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमानु । ।  
बूग दिथ कासतम देह अबिमानु ।  
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमानु । ।  
ब्रम गोम छँड्यु छँड्यु यँच मुस च़ाम ।  
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमानु । ।  
अदु कुस छुस बो दपु कथ यि छु म्योन ।  
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमानु । ।  
कृष्णु चँदु चँदुचूडु कास ब्रमु बाव ।  
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमानु । ।  
अँनीक ईक छुख सर्वुशक्तीमानु ।  
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमानु । ।  
श्यामु रूपु नोन द्राव तस आव गाश ।  
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमानु । ।

1. कठ ।



327 श्री कृष्णस कुन मुख्य बापथ प्रार्थना

त्वलसी तु ग्वलाब आरुवल हीय फ्वजि थरि थरे ।  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।  
छुय बवसरा तरनस क्युत ज्युठुय त कूठुय  
सुय तोर अपोर येम्य चोपोर श्री कृष्ण इयुठुय ।  
पोन्य ज़न बनि त्रन बवनन अपोर तरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।  
शंकर ह्यथ कृष्ण छु नचन मंजु पोशि बागन  
लतु म्वंजि कंस्थि रागस त्यागस वॉरगस ।  
यिथि राग मंजु तिथि त्याग वरे ॐ शिवु हरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।  
बोड बागिवाना सुय छु युस कृष्ण द्यान स्वरे  
ख्यथ चथ ह्यथ दिथ सत् प्वर्शन सीवा करे ।  
आत्मु ग्यान प्रावि सु कति ज़ेवे त मरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।  
ग्रेहस्तन रँट्य यथ छु प्रथ कुनि चीजुक रागुय  
सोरुय आसुन गोछ कख कथ प्यठ त्यागुय ।  
ग्रेहस्तु मंजुय गूपीश्वर रछि गरि गरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।  
मायाज़ालस मंजु छि थँव्यमुत्य मन निवुवुन्य फल  
मेथ्या ब्रमुक्य तिम छि तथ मंजु बंद गछुनुक्य छल ।  
कड राजु ह्मसस म्वख्तु हँविथ मंजु वालु बरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।  
अबिमान असि चोल द्यानुक यूगुक ग्यानुक  
असि तसलाह गव सँहजु व्यचारकि पननि पानुक ।  
नतु कति खरे समसार अदु विवेक दरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।  
सॉनिस ह्मसस म्वक्तु बननुच प्रय गछि आसुन्य  
दिथ जीवु दया बीदु द्रेष्टी न्यथ गछि कासुन्य ।  
ज़पचि दँदरि तपुवनचि हरे त चरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।  
असि गछि बखशिन्य बक्ती नेशकल नेशकामय  
बसनु बापथ गछि बखशुन परमुदामय ।  
नतु केंचव लजु लरि बंगालु बालादरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।  
पतु क्याह छु प्रावुन कमि बापथ पान नचुनावुन  
अबिमान हवुन पतु सोरुय सोम्बस्थि त्रावुन ।

युस च्चे स्वरे कठिनिस बवुसस्स तरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे ।।  
दया करे पानस ह्युव होशा दिये  
रगस त्यागस वॉरगस मंज अथि यिये ।  
थफा करोस अदु क्याह प्रैयि अदु क्याह खरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे ।।  
यि छुनु काँसे फिकिरि अचन बोज्ज मंज नु व्यचन  
रगस मंज आसि त्यागु स्वस्ता किथु पाँठ्य नचन ।  
अथन सुत्यन अथु मिलुविथ नर्यन नरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे ।।  
आश्चर छु क्याह मूह ब्रमस प्यठ त्याग करुन  
आश्चर छु क्याह वैशियन प्यठ वॉरग करुन ।  
कर्ता अकर्ता अन्यथा कर्ता कृष्ण वरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे ।।  
शंकर ख्वश गव कृष्णुन रग वॉरग वुच्छि  
गरुडस खँसिथ कामु क्यन सर्फन बुच्छि ।  
अति गँयि कारन होश हारन क्याह फिकिरि तरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे ।।  
रासा खेलन गूपियन सुत्य थँव्य थँव्य नेबुय  
केवल प्रैयमु सुत्य कँरिनख आँबुय गाँबुय ।  
सोरुय त्राँविथ चरनु कमलन तस अँछि जरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे ।।  
युस न्यरग्वनस यिथिनय कृष्णु ग्वनन तेले  
अथुवास कँरिथ कृष्णजुव तस सुत्य रास खेले ।  
बालामुकुं दनि सँच प्यठ परमु दामस दरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे ।।  
थव वारु यछ पछ कृष्ण पानय छु न्यराकाँरी  
शोडशिकला साखियु खोत बोड अवताँरी ।  
यूगी आँसिथ क्याज्जि गछ्व छलु छंगरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे ।।  
छ तपु रेशा फाक् दिनु सुत्य असि ख्वश यिये  
जंगल चले बुर्जु वले कंदु मूल खेये ।  
जपु मालि फिरे तप करे पाव परे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे ।।  
व्वतम क्रेयायि सुत्य न्यर्मल विशेष श्रोचे  
ज्यनु मरुकि बयु कालस दर्मु राजस खोचे ।  
नतु पननि कर्मुचि बाज्जि गिंदे असि क्याज्जि चरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे ।।

आश्चर्यवतस अच्युतस सतस छि शरन  
सोरुय कँस्थि करुवुना कँह छुनु कसन ।  
मायातीतस सुत्य स्तनस छु अग्यान ठरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।  
प्रजा पालनु पुछि श्री रामु अवतार दारे  
राख्यस मारे सत् प्वर्शन द्वर्गत हारे ।  
दर्मुच थ्यथ थवि खरु आवागवन हरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।  
हा रागु रस्ते त्यागु स्वस्ते चे शरन आसय  
जसुदायि राधायि गूपियन गाँवन हुँदि पासय ।  
कृष्णस पानस ह्युव कर यमि ब्रह्मन मुरे  
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।

328 महारासुक वर्नन

सिरियि खोत शाहर गाम वोत दोह गुजरोव ।

शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।

कृष्ण चंद्रय राम चंद्रय छु चोपोर	द्यान दोर मूह गटि मंजु गाश आव ।
सीता राम वोत रधे श्याम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
गरि क्याजि नेख फेख वननुय	मुल्ली शब्द गव कनुनुय मंज ।
कामुदीन ह्यथ श्याम ब्रज गाम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
ब्रज बूमी नमुने साँरुय प्रजा	जर्मन कशमीर अमरीका ।
काबुल फ्रांस रोम रूस ह्यथ श्याम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
दखिनुक्य व्वतरुक्य पूर पछ्मुक्य दीश	आय द्राय यिथि जगि <sup>1</sup> ह्यथ ह्वदुशीश ।
काँशी नैपाल चीन आसाम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
चंद्रचूड आव रागु मंजु त्याग वुछ्ने	कृष्ण चंद्रन रासु राग वुछ्ने ।
त्रैयिलुक ह्यथ रास खेलनि आम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
आश्चर्य थानस सास्त्रिनय निनि वोत	मंज कुं दनपोर रुखमणि वोत ।
लंकायि मंजु सीतायि श्री राम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
द्वारिका त्रॉविथ रास खेलनि आव	राधायि कृष्ण श्वबु फल दिनि आव ।
बखुच हंजि सुफारि यूग बादाम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
दार्यव तु बख किन्थ कोनु नेख	पोशि मालु ह्यथ मथुरायि फेख ।
मारनि कूटु कमसास्वर माम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
श्यामु लालन नॉल्य छुनि तारक मालु	कालु चोल कालु गट ह्यथ ग्रेहचार ।
सुबह फोल सुशीलायि सुदाम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
कृष्ण नावु मूमचि कायायि प्रान वोत	यूगियन यूग ग्याँनियन ग्यान वोत ।
गगनस च्यत् ह्यथ प्रानायाम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
प्रवरँच वाल्यन न्यवरत दिनि आव	व्वदि यूगस श्वद च्यत् दिनि आव ।
बूगु दर्मशालायि यूगुक बाम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
रामु कृष्ण गीत ग्योव ब्रह्मवत प्वरशव	तिमुनुय ख्वश मायातीत गव ।
तिह्दघन पादन तल परमु दाम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
थ्यथ प्रगन्यव कोर जयजयकारुय	सर्व आदिकारुय छु कृष्ण बक्त्यन ।
तिमुनुय प्रथ काँसि हुंद प्रनाम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
राँगी आसुन शूबिदार ग्वन छ	त्याँगी आसुन आश्चर छु क्याह ।
रागस मंजु नैशकल नैशकाम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
मन ह्यथ गव विवेक दिथ मोहन	मेचि ह्युव बासन छु सरतल तु स्वन ।
समु द्रेष्टी तलु अकि म्वलु र्वफ त्राम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
द्वारिकायि प्यठ कृष्णजुव जसुदायि वोत	लंकायि प्यठ राम कौसल्यायि वोत ।
पूजायि प्यठ त्वलसीयि सालिग्राम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
कृष्ण बखुच हुंद म्वरुतुहार थदि म्वलु लयि	ख्वश गँयि बक्ति बावु बाजुरुक्य शाह ।
कृष्ण गीत ग्यवुनस म्वक्तु यनाम वोत	शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।

सर करनि आयस दिवताह कारन  
प्वख्तकास्स निशि प्रथ कांह खाम वोत  
घन तु रत रम रम कृष्ण कृष्ण कृष्ण कोर  
गमु गटकार चलनुक पाँगाम वोत  
कृष्ण सायि सुत्य शाम शूबायि सुत्य  
जायि जायि प्रजायि स्वख तु आराम वोत

हसन गॅयि सर्व त्यागु अबिमान ।  
शाम वोत कृष्ण चॅद्रन म्वख होव ।।  
कृष्ण चॅद्रस ह्युव प्रोव तीजु मोर ।  
शाम वोत कृष्ण चॅद्रन म्वख होव ।।  
मायि सुत्य रायि सुत्य बावनायि सुत्य ।  
शाम वोत कृष्ण चॅद्रन म्वख होव ।।

1. ह्वन, येग्य ।

**329 सिहतयाँबी बापथ प्रार्थना**

चु छुहॉम जमनायि बँठ्य बँठ्य फेरन ।

चानि बापथ छुस शेरन पान ।।

शामस तान्य छुस प्रारान यिखना	श्यामुलालु दिखना श्वबु दर्शुन ।
छुम दोह गुजस्थि तमना मे नेरन	चानि बापथ छुस शेरन पान ।।
गरिकुय लोल छुम ओल छुस यीरन	गिल ज़न फेरन छुस बचि ह्यथ ।
दान्यन कानि कजि गासु आव बेरन	चानि बापथ छुस शेरन पान ।।
कें ह दोह ह्यमुहॉ मोज व्यवहसस	ग्रेहस्तिस खानुदासस मे रछ ।
श्वबु लरि बसुहॉ खसुहॉ हेरन	चानि बापथ छुस शेरन पान ।।
ह्यंदुव्यंदन वुछु दादा दिमुहॉ	सादा <sup>1</sup> ह्यमुहॉ सर्वु बूगन ।
दॉनन चूँठ्यन टंगन तु चेरन	चानि बापथ छुस शेरन पान ।।
दासस निशि यित्त अथुवास करुने	रासस खेलि प्रवरँच हंज़ प्रच दिस ।
पथ ब्रॉठ नेरि फेरि येन्य ज़न यीरन	चानि बापथ छुस शेरन पान ।।
करुनावतारु चोनुय नाव स्वरुहॉ	पार तरुहॉ पथ थौवमुत छुस ।
रुगु सुत्य फोटमुत देहक्यन खेरन	चानि बापथ छुस शेरन पान ।।
कृष्णस मे ख्यय कर रुगस डंबस	ओर थवतम क्वटंबस मंज़ ।
रछतम म्यँत्रन हुंद छुम मे फेरन	चानि बापथ छुस शेरन पान ।।

1. मजु ।

**330 अबीद दर्शुन तु शेरीर आरामु बापथ प्रार्थना**

बुँ बुँ करन बोम्बूर तुछ प्यठ हीये मे ।  
शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ॥

क्रहनिस् त सफेद रंगस छि वनन हारमहोर युथुय घाना मंज्र ब्वदि यूगस यिये मे वुफन आव पनपोंपरा ब्यूठ पोशन प्यठ दर्शुन करनि मंज्र पोशि बागन निये मे सब्जा सब्जुक बागा कृष्णन प्रेयमुक छेव बसंतु रूपी दुशालस तल हेये मे ब्रेश्ब तु गरुड बागस मंज्र चायि शूबायि सान कुनुय म्वख करि बोज्र कामदीनि द्वद चेये मे दिलुक्य रूगन कोस्मुत छुस व्वन्य स्यवह आँदीन गृह्दघ बल ह्यथ ग्रेह चँकरुफल दूर पेये मे कृष्ण तु शंकर छु गाशुक गाशा तीजुक तीज्र यूगच जुच्चा ज़न अचि मंज्र अकि लये मे	ग्यानु न्यत्र दिथ रूपस हवुम चोपोर । शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ॥ मुशका ह्यवन प्यव रायि ज़न मदहोशन मंज्र । शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ॥ नचन नचन तँमी असि मोर मुकट्ट होव । शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ॥ तिमन खँसिथ सॉस्स छि नेस्न वेग्यन्यानुवान । शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ॥ लाकमि रँस्तिस् च्यत् त्वर्गस छुम कोस्मुत जीन । शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ॥ सिरिया ह्युव बनि मे ह्युव ज़ितिनि क्योम नाचीज्र । शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ॥
---	---

**331 कृष्ण आरदना**

जमनायि चंद्रभागायि वैन्य दिमयो	पोन्य अनुनुकि हीत यिमयो बो ।
चान्यन पदमु पादन मीठ्य दिमु बो	चरनु अमर्यत ह्यथ यिमयो बो ॥
सुय अमर्यतु जल पानस चमु बो	पोन्य अनुनुकि हीत यिमयो बो ॥ ॥
यारुबल द्राहॉम तु पतु पतु लार्य	ह्यथ नखस नोट छुम तु प्रार्य कूत ।
गोड दिमु श्रान करु दास्नायि दार्य	गंगाधर्य अमर्यत चाव ॥
मे म्बखस प्यठ त्राव अमर्यतु दार्य	ह्यथ नखस नोट छुम तु प्रार्य कूत ॥ ॥
शक्तिपातकि दातु बडि सरकार्य	चानि दरबार्य बन्योम अनुग्रेह ।
अमर कोस्थस पान क्याजि मार्य	प्रान संदार्य थवतम श्रेह ॥
म्यत्रन सुत्य खेलु येति दुबार्य	चानि दरबार्य बन्योम अनुग्रेह ॥ ॥
वांसि हुंघ व्रद छुख नैव्य बनावन	कृष्ण सामर्य नैव्य ह्यवन छुख ।
द्वदरेमुच क्वबजा याद पावन	मूद्यमुत्य जिंदु करुनावन छुख ॥
साँद्यपनुसुय नैव्य शुर्य दावन	कृष्ण सामर्य नैव्य ह्यवन छुख ॥ ॥
मंज पोशि बागन प्यठ नागु रदन	फेरनि द्राहॉम सादन सुत्य ।
कन थवतम प्रेयमु बैस्मित्यन नादन	आदन बाजि छम लादन चॉन्य ॥
पूर्यर करतम थैव्यमुत्यन वादन	फेरनि द्राहॉम सादन सुत्य ॥ ॥



332 शेरर रूग तु अज दुनिया निशि म्वकजार बापथ प्रार्थना

सिरियि छुख न्यथ चंद्रम ह्यथ खसुनय ।

वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।

सत्य दीवु चै निशि सोरुय सत् द्राव छुस थवन अथ प्यठ मेथ्या बाव ।  
यिछि अग्यानु बोज छुस वदन तु असुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।  
रंग रंगु खँच चानि सत्संगु म्वंगु दाल स्वाद छुनु सादकस च्चेनि क्याह ताल ।  
मजु रेस्त कोरुमुत मूह मह ससुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।  
अवशद दिम छुम अग्यानुक रूग ग्वड मीठ्य पतु टैठ्य छि वैशय बूग ।  
ऑस ट्यठसेव यिथ्य ट्यठव्यनु रसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।  
मोर बनि ओर दौर करुखय चु प्रसाद क्याह करि लुकहुंद ऑशीर्वाद ।  
लँस्य लँस्य तिम मसन मँर्य मँर्य छि लसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।  
ब्रश्ट करि क्रेया आलुच तु देह रूग देह अबिमानु स्वस्त क्याह सादि यूग ।  
चंच्यल येलि कोर दरवाजु ठसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।  
शक्ती पनुन्य दिम कड मँजिला ज्युठ थौद व्वथनुय छुम यँच गछन कूठ ।  
थफ कर पस कोरुस कमरुक्क चसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।  
त्राहिमाम म्यानि बुजरुक यियनय आर रुग कासुवुनि रछ छुस बो बेमार ।  
पाहिमाम युथ हल वुछिथ्य छुस त्रसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।  
पथ ब्रौठ कुस छुम कुनिस्स मंजु छुस सनिस्स मंजु छुस बोठ खारतम ।  
चेयकुन फेर्याद कोर बेकसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।  
वुफि चँज दँदरा प्यठ आकाशस नय गछि नाशस येलि पेयि ब्वन ।  
हम्सु रछ्तन ग्रेह जालस छि फसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।  
वीरुबँद्रा आव ओस तस वीरुबल थफ कँस्थि तँम्य तुलुस जन आरुपल ।  
मान कँर मे कोहस सुत्य गासु खहनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।  
बोज त्रियि पोत्रय जायि लोल बोरुहम कोरुहम प्रथ चीजु किन्य व्वपकार ।  
नतु कुस चानि तीजु बीजु रेस्त छु प्रसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।  
मसतानु ऑसिथ मोत फरजानु गव कृष्णस ब्रौठ यिथ ग्यानुवान प्यव ।  
मस्त कोर तँम्यसुंध यूग रसु मसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।

**333 बक्ती होश तु संत समागम**

हवाहा चेनि द्राय बागस मंज चाय नागस प्यठ कति दमुय ओस ।  
सत् प्वरशन हुंद शमुय तु दमुय सत्संगु समागमुय ओस ।।  
ब्रह्म छु सत्यम् जगत छु मेथ्योयी ओस पानस सुत्य सर्वु त्याग ।  
तत्वम् असि महापदुक व्याख्यान वखनान बूज व्वतमुय ओस ।।  
सतुक श्रवन कनन मंज गव शब्दा बूज चोल गरुक गम ।  
अगम्य अपार दिगम्बर स्वर समसारु व्यवहार ब्रमुय ओस ।।  
बागाह स्वंदर ज्ञन स्वर्गु द्वाराह वज्ञान सेतारु सौतूर साज ।  
आश्चर्यवत सामवीदुक स्वरह मदम ह्यथ जीरु बमुय ओस ।।  
बस्मु मॅल्य मॅल्य कुकिलु बोलन करन सुत्य पोशिनूलन बूल्य ।  
बक्ती रसु सुत्यन संतु म्वखन पोशन प्यठ शबनमुय ओस ।।  
जमनायि बॅठ्य बॅठ्य कामदीनु फेरन मोजा ह्यवन सब्जुजारन प्यठ ।  
अपौर्य यपौर्य च्वपौर्य गछ्न गोशव किन्य ओम ओमुय ओस ।।  
अॅथ्य बागस मंज राधा-कृष्ण रास खेलनि दासन सुत्य आव ।  
शुकदीव ह्यथ व्यास नारुद वशिष्ठ बाशा करन सूहमुय ओस ।।  
बागस अंदर श्री श्यामु स्वंदर प्रबाता ह्यथ सिरिया ह्युव ।  
कुस हेकि वॅनिथ हॅरिहस्स शूबन क्युथ चम व खमुय ओस ।।  
जमनायि मॅज्य मॅज्य सतुरेश्य फेरन चरिजीव ह्यथ करन सत्संग ।  
यथ बवुसस्स कृष्णस तस्नु पुछि नावि रोठमुत तॅम्य नमुय ओस ।।  
हवाहा चेनि द्राय बागस मंज चाय नागस प्यठ कति दमुय ओस ।।।

**334 बक्ती प्रावनु बापथ सास्त्रिनय व्वपदीश**

जाफुर्य पोशस छु लॅक्ष्मी अंग तय ।

स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग ।।

सत्यदीव लॅक्ष्मी-नारायण तय	सर्व दीव ह्यथ कासिय द्वर्गत ।
पोशि पूज कर तस अन्न दनु मंग तय	स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग ।।
मादलि हीयि पोशन डेर कॅर्य कॅर्य	त्वलसी छॅव्य छॅव्य शेर तस पान ।
स्वंदर ड्यकसुय ट्योक लाग क्वंग तय	स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग ।।
सुय दियि मूखी आय अन्न दनु द्वार	दास्ना द्यान ग्यान यूग व्यचार ।
वसुनस किच नाव खसुनस प्रंग तय	स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग ।।
सत् प्वरशन निशि हेछ करुन बक्तिबाव	तिहदन पादन तल पान त्राव ।
पानु थव दासु बाव तिम बर हंग तय	स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग ।।
साद छुय पूरन तसुंदुय मन छु सेर	मुशकाह ह्यथ चरनु कमलन नेर ।
ऑल मान राधा कृष्ण ज्ञान र्वंग तय	स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग ।।
युथ ज्ञानख पूजि मंज लीन बन	बक्तिबावस मंज ऑदीन बन ।
सुय छुय रुत साथ स्वय रुच जंग तय	स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग ।।
स्वय दया मंग तस बक्तिबावस सान	खसु कासिय रूग देह अबिमान ।
व्यवहसन छुख औनमुत तंग तय	स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग ।।
ग्यान कुलिसुय शमु दमु लंग तय	शाँती मूल मूख्य त्युहरुय छुस ।
ख्यत बक्तिबावु र्सु बँस्थिय टंग तय	स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग ।।
ब्रह्मांड पान ज्ञान वारु सॉरस नेर	सास्त्रिनय तीर्थ यात्रायन फेर ।
जोरु मुचराव च्यत् त्वर्गस डंग तय	स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग ।।
अग्यान गटि मंज प्रजलाव दीफ्रय	शंकर कृष्ण ईक रूपुय छुय ।
यी वनन साद संत कँस्थि सत्संग तय	स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग ।।

335 श्वबु दर्शन बापथ प्रेयम् तु बक्ती बँरुच आरदना

वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 नँजदीक वॉतिथ द्रँठ छुखनु यिवन  
 पीताम्बरी जर्द रंगय पँतर वुछ्थि  
 नजर त्रावन छुख पान हवन  
 तेलि तस छंडन सु छुख बेहन  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 सत्जन छि प्रेत्यख्य जन सिरियि ज़ोतन  
 मनु कामना छख आसन लूबुच  
 ग्रेहस्त बासन छुख परमुदामुय  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 दयि नावस प्यठ कँह जँन्य छि अरपन  
 द्वेतुबावुक वुछ्ण छि दर्पन  
 कम छुख लीलायन स्वाद यिवन  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 जनमा जनमन हुंघ द्ख हारुम  
 थफ करुनॉविथ अथस तारु तारुम  
 समसारु सागरु मंजु बोठ खारुम  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 ख्यवन तु चवन ख्योन चोन छु पतय  
 न्यराशन मंज छ्य सर्व आशा  
 वेशय बूगव निशि सेर करतम  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 कति अथि यियिय न्यराकारुय  
 यिछि जायि श्रदा छ्य दरकारुय  
 सीवा दिय दिय ह्यमत न हारुय  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 म बन तुलर ह्युव कर व्यवहारुय  
 मोदरि वॉनियि कर व्वपकारुय  
 ट्वफ दिन्य ज़ेवि किन्य त्राव मदमॉरी  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 आत्मु तीर्थस अंदर अँचिथ  
 न्यँबुर्य किन्य सर्व तीर्थन गँछिथ  
 शाँती हुंद स्वख बिह्थि प्रावख  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 म्वक्ती हुंजि लरि सुय अचि अंदर  
 मगरुमछस निशि तेलि म्वकल्याव  
 शुबन छु वनस मंज ।  
 खँत्थि छु बेहन पनस मंज ।।  
 लारुन छि लूख  
 पथर पावन गरिक्य शूक ।  
 जन चँद्रमा गनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 वुछ्ण वाल्यन छु कमुय गाश  
 अबिमान छुख करुन बोज नाश ।  
 फटन छि अन्नस तु दनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 कँह दूरि खोचन सरफन जन  
 त्रावन छि करुन तर्पन तु श्राद ।  
 जन बतु लदन छि कनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 अवतार दरुम ही शोम्भू  
 कँछ मे यारुम छुस कर्मु ह्यून ।  
 छुस लोगमुत आवलुनिस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 नय छस त्रफती नय छस सीरी  
 फँकीरी गँयि अँमीरी ।  
 वॉसा गँयम ख्यनु चनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 बोड वूट बारुय परुन त्राव  
 बक्ती बारुम बारुय कर ।  
 सु छु पानु प्रथ सत्जनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 मेछर बाँगराव प्रथ कौंसि सुत्य  
 अजतान्य चे हिव्य आय गँयि कुत्य ।  
 माँछ्यि छु अदु माँछ्यानस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 ज़लु सुत्य तन मन नाव  
 न्यथ थाव नेशकामु कर्मुबाव ।  
 ख्वसु मेलियनु प्रेदिख्यनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 यस मुचख बावु बरुस तोर  
 येलि हँस्य बचस दितिथ ज़ोर ।

पँज्य वॉल्य<sup>1</sup> अदु थोव रावुन गँड्धि  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 येलि अंदुकारक्य अँग्नन  
 जरासंदस<sup>2</sup> निशि पानु चोलुख  
 अदु कालियवन चैय जालुनोवुथ  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 आँवीश असि कर अंदर अँचिथ  
 ही श्री कृष्ण झारा हँविथ  
 जरासंद<sup>2</sup> अदु दबि दबि मंज प्यव  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 यस त्रुयि प्वरशस प्रसन रोज़ख  
 राजा युधिष्ठर दर्मी बनोवुथ  
 भीमसैनन ज़ोर मशहूर सॉपुन  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 तिछ्य मे रामु नावुच प्रय थव  
 दशरथ राजस सीतायि  
 ज़ोमूवंतस<sup>3</sup> हनुमानस  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 त्वलसीदासस वशिष्ठस  
 तिछ प्रय पनुन्य थवुम मे श्री रामु  
 शामस प्रबातस प्रथ सातस  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 बिह्थि ओसुस प्रातः कालस  
 यिथिस हलस मंज श्यामु लालस  
 तिथिस खयालस शोम्भू मे निशि आव  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस  
 येम्य येम्य व्वपकार कोस्मुत छु कृष्णस  
 व्वबाहु मंजु पानय छु रछ्ण  
 रामस रामुय वैष्णस वैष्णुय  
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस

यँचकाला आँट्पिनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 राजन म्यंगन खोर ज़ोरुक शोर  
 तस चोल अस्मान त्रॉविथ दोर ।  
 मंज ग्वफि अँकिस ख्यनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 वीर शेरु दर्म न्यथ करुनाव  
 इंद्रेय शँत्रन मे पथर पाव ।  
 बल चोनुथ भीमसैनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 तस वारु बोज़ख आँदीनता  
 द्रौपदीयि कुं तियि कँरुथ क्रपा ।  
 बल गोल दुर्योधनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 यिछ भरतस लँक्ष्मणस मंज  
 कौशल्यायि शत्रुघ्नस मंज ।  
 सुग्रीवस विभीषनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 वाल्मीकियस जटयनस मंज  
 व्यवहस ह्यनस दिनस मंज ।  
 कृष्णस मे रातस द्यनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 प्यालस क्यथ ज़न चवान चाय  
 शिवस कुन आँस थँवमुच मे राय ।  
 शंख वायन चाव आंगनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।  
 तस तस व्वपकार करन छु दय  
 तस परमीश्वर म्रैत्यंजय ।  
 कृष्णस कृष्णय छु मनस मंज  
 शूबन छु वनस मंज ।।

1. वॉल्य वॉदुर, बाली बन्दर ; 2. जरासंध; 3. जामवंत ।

336 शेरिर रुगव निशि म्वकजार तु आनंद मेलनु बापथ प्रार्थना

श्वबु शब्द बोज़न छि कन तय	वनतय पालवुन हय आम ।
अज़हय बनू आनन्दुगन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
रुगन छुस कोरमुत पथ	तसंजुय यॉच छम सथ ।
सुय छु र्खुवुन आर्यतन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
योर गुल्य गँड्य दुखियन तय	कूत काला च़ालि रुग ।
छुम छनन देह पोह्य पन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
तोर नाद कोर मॉलिकन तय	रूठमुत मनुविथ आस ।
ओर बन ख्वश थव मन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
गँज मे काया हनहन तय	लँज मे श्वबु थरि फ़ुलया ।
अमर्यतु फल छिस नेरन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
गाश थोक मे न्यँत्रन तय	आश रूजुम चॉनी ।
नाश करतम व्वन्य पापन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
हुनरिस छुस मंदछन तय	कुनिरिस क्याह करु बो ।
निम तुलिथ रुग हनहन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
कालागनु रुद्र अँगनन तय	वैशानरसुय दोप ।
व्वन्य श्रँपिन मोरिस <sup>1</sup> अन्न तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
यिम छि जंगल कोह तय वन तय	अवशद ह्यथ आय तिम ।
तिम छि ज़न सँजीवन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
ग्रेह दशा छ्य फेरन तय	मॉलिक्य करि अनुग्रेह ।
मनु कामना छ्य नेरन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
डुलुगँन्य दित्य मे रात द्यन तय	व्वन्य मॉलिकस आर आव ।
सरतलि सपनुम स्वन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
यीर गोस मंज़ द्यन त्रन तय	त्रेशि हुंद तूफान च़ोल ।
छुम कुनुय ज़न बासन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
सॉलिकस कुन दोप मॉलिकन तय	च़ाल स्वख-द्वख मे दोपुस ।
दर कति छुस ओम पन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
कमि ज़ोर दिमु प्रेदिख्यन तय	कोठ्य बीठिम करु क्याह ।
थोद तुलुम छुख च़ु पूरन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
आय म्यँत्रय योत लारन तय	प्रेयमु सुत्य हल वुछ्ने ।
मनशु रूपु नारायण तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
वॉसि श्रोप ख्योन चोन तय	थ्यकनोवुम मूर्ख पान ।
शर्म र्छ म्यॉन्य वुनिक्यन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
वैखँरी म्यानि छुनु छ्यन तय	जमना ज़न छि पकन ।
मीठ्य दिनि कृष्ण च़रनन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥
छुख वुज़न नागु ज़ल ज़न तय	नटि नटि गूपियन न्युन ।
गूपीनाथ नावि तन तय	वनतय पालवुन हय आम ॥

**Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan**

---

वॉनीयि कामदीनि थनु तय चावुनावि अमर्यतु दार ।  
कृष्णस ह्यथ त्रुबवन तय वनतय पालवुन ह्य आम ।।

1. पानस, म्यादस ।

337 रूगन हंजि खलौंसी तु म्वक्ती बापथ प्रार्थना

मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो  
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो । ।  
शिवु रूपु चुय छुख गंगाधार त्रेशि हँतिसुय मे चाव अमर्यतु दार  
जेटि छ्य गंगा हटि शाहमार नाव छुय नागनाथ नागेंद्रहार  
बवु सागरु तार छुख करुनावतार संतापु स्वस्तिस मे फिरतु शेहजार  
मे कर्महीनिस केंछ चु यार अँगु न्यँत्र चोन रूग ज़ालि लगयो  
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो  
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो । ।  
छुख अँनीक रूपु ईक अविनाशा तीजुक तीज़ गाशुक गाशा  
न्यरशन हुंद छुख आशा चठ रागु द्वेश आशा पाशा  
थव म अबिमानुक अबिलाशा मंजूर करतु म्यॉन्य दीशि बाशा  
सुय गीत चोन असि पालि लगयो  
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो  
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो । ।  
रूगन तपु ज़पु निशि डोलुस क्रेयायि हुंदि मदु निशि वोलुस  
कायायि हंजि ममतायि गोलुस च्यतु पीडायि अँगनन बो ज़ोलुस  
व्वन्य चानि ज़ीवु दयायि पोलुस प्रोन वस्त्र नोव बो सम्बोलुस  
नतु कति द्वख मे ह्युव च़ालि लगयो  
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो  
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो । ।  
यान्य गोस बेह्यस तान्य द्राख नोन नतु कति चोन रूपु वुछ्हँ बो ओन  
प्रेयमु बक्ति रस ह्यमुहँ बो चोन पूरुनायि चानि ज़ानुहँ व्वंदु छेन  
मंदुछुन म्योन गछिहे वारु छेन देह आत्म कति ज़ानुहँ ब्योन ब्योन  
व्वन्य गछि देहसुय मे कुवथा द्युन रूगियस सुत्य गछि खेलनि युन  
चे सुत्य गिंदु बखुच़ हलि लगयो  
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो  
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो । ।  
डक्टर वैद्य आयि करनि ह्यकमत आय द्राय अन्न दनु ह्यथ ख्यथ चथ  
कांबलि तबनुय कोरुनस पथ मॉल गोम मँशिथ रूदुम नु ताकत  
लोब रूद वॉसि हुंद दोरमुत व्रत छेट्य अवशद मॉन्य खेन्य श्रूच्य अथु  
अथ मंज़ नँन्य द्रायि चॉन्य दयुगथ ज़िदु कोरुनस चॉविथ अमर्यत  
नतु च़ायास हॉस्थि ह्यमत रूद छपनि तल वावमालि लगयो  
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो  
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो । ।  
होशि पोशनूलु म्यानि व्वन्य म कर चेर त्वलसी थरि प्यठ लोलु ओल यीर  
तमिक्यन सब्ज़ बँरगन कर डेर श्री कृष्णु पदमु पादन लाग शेर



चरनु अमर्यत ह्यथ चथ बन सेर      वुल्ट समयन छुख ओनमुत जेर  
भास्कर ह्युव बास कास अंदेर      ग्वर छुय कृष्ण शंकर पौत म फेर  
दर्मुचि लरि छ्य कर्मुच हेर      कामदीनि हंदि पासु कृष्ण नोन नेर  
छव होशि प्रेयमु पोशिमालु लगयो  
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो  
तप कऱुनस तु ज़पु मालि लगयो । ।

338 भगवानु सुंदन साकार तु न्यराकार ग्वनन हुंद बयान बेयि ग्यान तु यूग मंगनु बापथ प्रार्थना

वुछ श्यामु स्वंदर न्यत्रन अंदर कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन नज़रि हुंज़ि बगि खँसिथ नेरन यथ ब्रह्मांडस दास ह्यथ फेरन न्यत्रव सुत्य मोज अंगन ह्यवन कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन अँछर वाल छिस चामर करन स्थावर जंगम सनम्वख ह्यवन रसा खीलित्थ आराम करन कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन शब्दन हुंदुय अकार बीजा चेतन्य ब्रह्मा तीजुक तीजा अँछन हुंद पानु वुछनवोला कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन कर्ता अकर्ता अन्यथा कर्ता करनुक करना स्वरनुक स्वरना न्यराकार न्यरंजना कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन मंज शाहुर गामु जंगलु म्वख ह्यवन देह ब्रम काँस्यतन सनम्वख बाँस्यतन यिनु पान मँशरँविथ सुह आँसिथ कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन नशुच लंका आँखुर छ दज़न ही आत्म रामु नेशकलु नेशकामु च्यत् लँक्ष्मण म्योन युथ मारि कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन अग्यानु रूपी काव्स जाँलिथ क्वकर्म अस्खोल तथ मंज त्रॉविथ वासनायि ब्योल सोन तँव्य तँव्य त्रॉविथ कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन सबजुय बनावुम च्यतुक बागा मोदुर्य मोदुर्य फल ख्यावुनावुम चँट्थि त्रावुम वॉरुक लॉरुय कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन यिनु तोता लगु ग्रेहस्तु ज़ालस आँना हँविथ कथ करुनावतम	न्यबर पम्पोशि डलस मंज । खीरु <sup>1</sup> सागरकिस ज़लस मंज । । वँच गूपियन सुत्य खेलन रास मंज रायि ख्यनु मात्रस मंज । न्यरलीफ यथ ज़लु थलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । अमर्यत छकन च्यत् आकाश गाश प्रज़लावन गाशुक गाश । मनु मंजलिस अलु-डलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । ओमकारु रूपा वीदस मंज आश्चर्यवत अँबीदस मंज । न्यरलीफा न्यर्मलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । सोरुय कँस्थि ज़न करुवुन नु कँह सोरुय सोस्थि ज़न स्वरुवुन नु कँह । न्यरलीफा नेशकलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । बोड वीर मानुनॉव्यतन पान करुनॉवितन पननि पानुच ज़ान । ह्यमु गासा ख्योन तीर्य गलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । यशुक रावुन कूत करि शोर त्युथुय दिम वीरु दर्मुक जोर । अग्यानु इन्द्रजीतस बलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । वेग्यानु रूपी रेह प्रज़लाव नेशकलुकिस कल्पु त्रैख्यस ह्यव । तँच स्यख छन कर्म फलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । छवुनावुम यूगु ग्यानु पोश फुलय ह्यवुम मे यियि बोश । छुख रुशु ज़ाहर कलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । यिथि काँदु मंजय म्वकलावतम पनुन सोरुप ज़ानुनावतम ।
---	---

यिनु बलुवीरा दबि दबि मंज प्यमु कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन मुस छुम अचन ज्यवन तु मरन शाँती फल दिथ च्यत् बानु बरुम करोर खॉर हुंज बरकत थवुम कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन कर्महीनिस कृष्णस कैर्यतन बेख्यायि कोत नेरि क्याह करि बेकास्स कारदार च तुलुस कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन	मायायि हुंदिस छलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज ।। हसन छुख जनमन हुंघ व्याद अनुग्रेह करुम कमस ज़्याद । अँकिस पावि तु पलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज ।। दन दान्य कर्मफल दिथ सेर कस मंगि लद तस आत्म त्रफती डेर । अनुग्रेह फल कर्म खलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज ।।
--	---

1. खीर = द्वद (खीर सागर = द्वद सागर), केँ ह छि अथ खिरु सागर याने खिरुक सागर मानान, सु छु गलत इस्तिमाल ।

**339 ओमकार व्पास्ना**

छुय जगत चानि द्रेश्टी हुंद हवबाव ।  
चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव । ।  
अख नॅर तुल तय अख नॅर त्राव पानय ओमकार लेखनु आव ।  
तीजुक तीज छुख वावुक वाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव । ।  
अथ ओमकारस्स शेर<sup>1</sup> छुय ब्यंद म्वखुकिय शब्द छिस गायत्री छ्यंद ।  
सूख्यमु स्थूल रूपु छुस नादु ब्यंद नाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव । ।  
सॅहजु पान परजुनाव त्राव ममता जीव आत्मा गव परमत्मा ।  
कायायि पूरुनायि रायि पोश छव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव । ।  
प्रानु अपानुच छ्य छट्टवॉर पान ज्ञान सूह्म सॉरुस नेर ।  
डूंगु छुय म्वख तय नस छ्य नाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव । ।  
शहर छुय शेरुय छिस सर्वु ह्यस यिथिसुय होशिकिस शहस्स बस ।  
वुछ बोज स्वर थव आत्मु बाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव । ।  
ब्वनकुन त्रुकूटी तीर्थस फेर सर्वु बूग छिय यॅड मंज बन सेर ।  
सुत्य क्याह तोत निख तु तन मन नाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव । ।  
देह द्वारिकायि कर नेशकामु रज सकामु रज त्राव ह्यथ मनोरज ।  
शांत गदि च्यत् फुरुना बेहनाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव । ।  
वर मंग वरमुलि स्वर कृष्ण पाद कृष्ण कर कनि माजि कामदीनि नाद ।  
द्वद ह्यतु पानु चतु सादकन ति चाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव । ।

1. कल ।

340 होश मेलनु बापथ प्रार्थना

युथ युन गछुन त्युथ ज्योन मरुन गछिय नु मे ।

कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ॥

देहुन गछ्यम चै ह्युव सर्व शक्तीमान  
कांह दिवताह हुकुम करुन गछिय नु मे  
अपारि यपारि पनुन सोरुप मे बासुनाव  
यपारि मेलुम अपोर तरुन गछिय नु मे  
समसारुकिस बागस मंज प्रेयमु नागस प्यठ  
देह नोम<sup>1</sup> चंदन कुला हरुन गछिय नु मे  
मूह न्यँद्री मंज हुशयार थवुन गछ्य बु न्यथ  
दयि अन्न दनु छुम स्यवह फरुन गछिय नु मे  
सदा न्यर -रुग थवुन गछ्य ग्यानुवान  
देहुक स्वख द्वख मनस तरुन गछिय नु मे  
सर्व आत्म बावुक दितम होशुक होश  
कांह शँत्राह कांह म्यँत्राह खरुन गछिय नु मे  
पम्पोशाह ह्युव थवुम व्यवहारुकिस डलस मंज  
शुर्यन बाँचन हुंद श्रेह तरुन गछिय नु मे  
मे कृष्णन छु वेद्या पँस्मुच छुस अनजान  
मे मंज चु पानय छुख पर परुन गछिय नु मे

दर्मु राजस यमस निशि गछि थवुन मे मान ।  
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ॥  
अखंड अँबीद पूरन ब्रह्म च्वपोर हव ।  
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ॥  
शीतल स्वबाव स्वस्त छुम सब्ज त्यागस यठ ।  
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ॥  
गछ्यसनु दिन्य वथ अग्यानु चूर छुम जागन अथ ।  
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ॥  
दया दर्मु शूबायि क्रेयायि कर्मु सान ।  
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ॥  
पवलुनावुम ग्रेहस्तु बागस मंज जन कतक पोश ।  
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ॥  
बँरुग ह्यथ आसु न्यरलीप रुजिथ जलस मंज ।  
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ॥  
दयायि चाने मे न्यथुनँनिस गौंड सामान ।  
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ॥

1. देहुक नाव ।

**341 बजन**

संकट गट चॅज अज बट्वारे	द्वर्गत गॅज लॅज फुलया जान ।
सग फ्यूर डूर्यन अमर्यत दारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।
म्यव कुल्य बॅर्य बॅर्य वुछ्य जायि जाये	त्रफत गॅयि ख्यनु चनु सुत्य ख्यनुवॉल्य ।
दयि अनुग्रेह सुत्य कति गॅयि तारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।
प्रेयमुक रस बाँगरोव नारि नारे	यूगु ग्रंद कुस हेकि व्यसतॉरिथि ।
त्रफत गॅयि बैयि तुल गरु क्युत बारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।
अन्न दनु आयिसान सेदि बरु चाये	स्यदु लॅक्ष्मी चायि स्यदथुय ह्यथ ।
दिवथाह गरु चायि वुछ्य प्यठ दारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।
बागवानन अँक्य वोन थजि कारे	यीत्य गछुनवु तीत्य म्यवु नियतव ।
रंगु रंगु म्यवु आँतु रँस्य कुस सारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।
बूग ख्यनु बापथ दय कति मारे	कृष्ण बूजन ख्यथ कर बजन जान ।
ख्यनु चनु मंजु दय कें छ चै यारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।

342 आह्लादस मंज दर्शन तु स्वख मेलनच यज्ञ

प्रबात फोलुम म्खा छेलुम द्खा चोलुम स्वखा आम ।  
 बसंत दुशालु वॅलिथ वुछुम बागस अंदर राधे श्याम ।।  
 सुय पानु लॅक्ष्मी नारायण गौरी शंकर सीता राम  
 पुनिम चॅद्रमु खोत न्यर्मला शोङ्ग कला राधे श्याम ।  
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।  
 द्वर्गत गॅजुम तु फुलय लॅजुम तु दयु नावुक म्यवु मोदुर द्राम  
 हॅरि हस्स पदमु पॅतर डीठिम न्यॅत्र ज़न बादाम ।  
 सोम्बुल केशस अंदर गोंडुन म्योन रागु द्वेश मूह मस कूद काम  
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।  
 अमर्यतु ज़लुक अख नागुरादा तथ ऑस्य गॅङ्गिथ स्वर्न साम  
 अमर्यतु सग पोशि डूर्यन लोदुम बावुक ब्योला रुतुय ज़ाम ।  
 आनंदु कंदन म्यवाह ह्योत ख्योन समरकंदुक आम आराम  
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।  
 तमि मंजु अख छ्यॅट खॅड मेति मीज्य दोह ओस रुत सुबहस<sup>1</sup> सुत्य शाम<sup>2</sup>  
 तिछ छ्यॅट खॅड ख्यनु सुत्य म्यानि बोज़ त्रियि ग्यानु रूपी शुरह ज़ाम ।  
 अदु परजुनोवुम अँनीक ईक गव बब मॉज त्रेयि लूकु क घनश्याम  
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।  
 शंकर तु राम कुनुय कृष्ण ड्यूठुम प्वखतु म्यवाह गोम ऑसिथ खाम  
 ग्यवन छुम गीत ज़न पोशनूला बोलनि अंदर च्यतस च़ाम ।  
 वयक्वठ बनोव आनंदु कंदन जसुदा नंदन नंदन ग्राम  
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।  
 बस्मा मॅल्य मॅल्य कुकिलु डेंछुम समाद दिथ ज़न सालिग्राम  
 गूपी चंदुन ड्यकस मोलुम गूपीश्वरस कोरुम प्रनाम ।  
 ग्यवुन ह्योतुम गौरीशंकर राधे श्याम सीता राम  
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।  
 सोपनस अंदर सोपना वुछुम शॉती लरि ओस मूखी बाम  
 बक्तीबावुक बर ओस वोथुय अँदरु यिवान ओस पॉगाम ।  
 ब्रह्मानंदुक मंदर छु अंदर अँचिव बक्ती कॅखि नेशकाम ।  
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।  
 आश्चर्युक आश्चर्या सु ओस न ओस जंगल शहर न गाम  
 अलौकिक ब्रह्म प्रकाश सु ओस न ओस द्यन रात न सुबह न शाम ।  
 मायातीता अद्वैत रुपा न तस कॅबीलु गुथुर न क्राम  
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।  
 न्याराकारन साकार होवुम कृष्ण शंकर बोज़नु आम  
 नतु तथ आश्चरसुय क्याह वुछ्हॉ सु आसिहे प्यठ परमुदाम ।  
 बो कुस ओसुस जॉनिथ बूज़िथ ह्यकूहॉ अदु बोज़ुनावहॉन आम ।

राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।  
साम वीदकि स्वर वुछ रंग बुलबुल बोलन सत्संगुकि बंगु साम  
परम हम्स हम्सन बखुश अविनाँशि बाशि बूज़िथ यनाम ।  
कोस्तूर करन वीदुच बाशा चंदन कुलिस तल मे आम आराम ।  
राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।।  
बागस अँद्य अँद्य जमना फेरन साँरा कँस्थि तथ तमना द्राम  
स्वनु स्वपु नँट्य ह्यथ पाँनिस नेरन गूपियि न शँसतर सरतल न त्राम ।  
जाय ज़न मथुरा काँशी अज्योध्या ब्रज द्वारिका गोकुल आसाम ।।  
राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।।  
पूछमख यि कुस कारन छु यथ मंज़ दोपहम अँमिस छु श्री कृष्ण नाम  
मायातीता हीथा कँस्थि छस दीवकी माँज कम्स माम ।  
युथ हाल वुच्छि बूज़िथ रूजुम नु दीवन हुंज़ वुल्ट कर्मच पाम ।  
राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।

1. शंकरः 2. श्याम, कृष्ण ।



**343 नश्वर शैरीरुच हलत क्याह छ आसन तु गछन (यि छ रजदान साँबन न्यखान प्रावनु त्रे दोह ब्रौह  
यिथुपाँव्य बयान कँमुच ।**

सँभिवू म्यँत्रव लोलचि कायायि	जोरु शोरु लोगमुत नार वुछतव ।
नार छ्यतु करुवुन कर्पूरु गौरं	करुनावतार अवतार वुछतव ।।
पनुनिस समयस प्यठ सर्वु स्वखन	बूगुन्य द्वखु अनवार वुछतव
कमकम बलवान दैरु हीन गौमुत्य	कमजोरु जोरुवार वुछतव ।
ग्रेहस्तस मंजु लोगमुत मे ह्युव	कर्म ह्यून दुनियादार वुछतव
नार छ्यतु करुवुन कर्पूरु गौरं	करुनावतार अवतार वुछतव ।।
प्रारब्दु फल बूगनु रोस्त	ब्रौठ नेरुनस तु फेरुनस वार वुछतव
व्यवहार जगतुक मेथ्या जौनिथ	डलुनुय बारुमबार वुछतव ।
काया ब्रम माँनिथ म्योन काम कूद	लूब मूह मद अंदकार वुछतव
नार छ्यतु करुवुन कर्पूरु गौरं	करुनावतार अवतार वुछतव ।।
तँम्यसंजु माया बोजु मंजु कति यिथि	जीवु दया व्यचार वुछतव
तँम्यसंजु दया क्रपा ख्यमा	म्योन ठगु कार गाटुजार वुछतव ।
पान होखरौविथ प्रानन बल द्युन	तब <sup>1</sup> कडनुय यकबार वुछतव
नार छ्यतु करुवुन कर्पूरु गौरं	करुनावतार अवतार वुछतव ।।
खाश वनुनुय हाश रनुनुय	मे ह्युव दातु नाबुकार वुछतव
ख्यनु चनु रोस्त दयि दैरु सुत्य ठँहरुन	मे ह्युव न्यराहार वुछतव ।
शमशानु बूमि वाति दजनुच नोबत	नारुस करुन गुलजार वुछतव
नार छ्यतु करुवुन कर्पूरु गौरं	करुनावतार अवतार वुछतव ।।
काया मे रूगु निशि अँरु दँरु सपनिथ	पेमुचु चँरु बेमार वुछतव
मे मूर्खस कौजूसस प्यठ करुन्य	तसुंदिय कार वुपकार वुछतव ।
लूकु हुंजु नेंद्या करुवन्य असि हिव्य	सतुजन सौंद मकार वुछतव
नार छ्यतु करुवुन कर्पूरु गौरं	करुनावतार अवतार वुछतव ।।
रुगियस मोरु ओरु दौरु जिंदु करुवुन	दयायि हुंद दरुबार वुछतव
कठिनय बवु सरु असि आँदीनन	करुवुन परुमपार वुछतव ।
नादान व्रदसुय नौव याद पावुन	प्रोन यावुन तु ल्वकचार वुछतव
नार छ्यतु करुवुन कर्पूरु गौरं	करुनावतार अवतार वुछतव ।।
यथ वौंसि व्रत दौंस्थि न्यथ वैकुन	जोरु मुछनुय यकबार वुछतव
रूगु मस चनुसुत्य म्यँत्रुय छि मशुनुय	नशुसुय मंजु हुशियार वुछतव ।
प्रथ कांह चीजु ब्रौठुकुन वातनावनस	शुरुय म्यँत्रु बाँय बंद यार वुछतव
नार छ्यतु करुवुन कर्पूरु गौरं	करुनावतार अवतार वुछतव ।।
देह बेह्यस गोमुत पथरु प्योमुत	तस जेठि ज्यूठ परुखार वुछतव
येति पानु पकृनावुवुन परुमेश्वर	परुमत्मा न्यराकार वुछतव ।
गछि व्यचारुन येति क्याह छु लारुन	यिथि बाजु ब्रम बाँज्यगार वुछतव
नार छ्यतु करुवुन कर्पूरु गौरं	करुनावतार अवतार वुछतव ।।
जेनुन तु हारुन छु लूबुय तु ख्यूबुय	गिंदनस समसारु जार वुछतव

मे ह्युव आँदीना मिसकीना फाक दीदी ब्रिंज आबा <sup>१</sup> नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं अँछ्य फिर्य फिर्य नजरह त्रावन ओश त्रावन दर्मु सुत्य स्वख प्रावन दयि नावचि रायि हम्स सायि त्रावन नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं मंजबाग दजनस शेहजार फिरुवुन कालकूट नोम वेह <sup>३</sup> चवुवुन नीलकंठ दूशलदनुय क्युत आशितोशि नाव सुत्य नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं युथ हाल वुच्छ्युय करुन लूख लूकन बूजिथ आँशिखादा दिनु पुछि शिव नावकि महिमा सुत्य युथ नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं वुन्यक्यन अरिरुक अबिमान गलनुय यिमनु पजुहँन तिम वैदु अवशद वुन्यक्यन कँछ ख्यमुहँ ख्यमु क्याह नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं येलि तस आर यियि यियि बूगन ह्यथ योगनी दशा क्याह बूगनस करि दयि नावचि पछि स्वस्ताह प्योमुत नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं च्यतु पीडयि रोस्त दुनियादार लोबकुन रुजिथ चलन व्यवहार यु बेहवाला प्यनशनख्वारा नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं	कँर्य कँर्य बँड्य बँड्य कार वुछ्तव । छंङन वॉसि खेय खेय मजुदार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव ।। कांह वुछुमनु रशितुदार वुछ्तव दयि नावुक आदिकार वुछ्तव । कलु प्यठ कालु शाहमार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव ।। शूबिदार नागेंद्रहार वुछ्तव न्यर्मल कालु समहार वुछ्तव । चावुवुन अमर्यतुदार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव ।। हयहय हाहाकार वुछ्तव आमुत्य कुत्य यकबार वुछ्तव । छ्योट मोर म्योन व्वतमदार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव ।। बूँठ्युम खोट व्यवहार वुछ्तव खेन्य चेन्य द्युन अन्न दनु द्यार वुछ्तव । पेमुत्य अन्न अम्बार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव ।। अदु चोलमुत ग्रेह्यार वुछ्तव श्वब दिवुवुन्य प्रथ वार वुछ्तव । लछि प्यठ बोड खानुदार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव ।। कृष्णस ह्युव कमबार वुछ्तव कास्स मंजु बेकार वुछ्तव । त्युथ बोड दातु सरकार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव ।।
--	--

1. तफ, बुखार ; 2. अन्यमु, तोमलुक रस; 3. कालकूट नावुक जहर युस शंकर भगवानन चव तु हँटिस मंजु रोदुन यमि सुत्य तसुंद होट न्यूल गव तु नाव प्योस नीलकंठ ।

344 ओमकार आदि सैशटी हंज लीला

ओमकार रूपस शस्त्रय आये ।

ॐ नमः शिवाये कर । ।

युस परमत्मा छु परमानंदय तँमिसुय छु स्वच्छंदय नाव ।  
स्वच्छंदस निशि माया द्राये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
माया ईश्वर यछ ज्ञानुय तमि मंजु वैष्णु भगवानुय द्राव ।  
ब्रह्मा व्वपदोव वैष्णु मायाये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
लच्छिदि खगु सान नगरुय कांडुय सोर समसार ब्रह्मांडुय ह्यथ ।  
पाँदु कैर्य ब्रह्मा संजि यछये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
दखि प्रजापत ग्वडु व्वपदोवुन जगतुक होवुन तस व्यवहार ।  
वारियाह जायि तस कन्याये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
तिमुनुय मंज अख कूरह जायस भगवत माया गुरु चायस ।  
तस निशि जनुम ह्योत माजि आये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
तस माजि-मॉलिस छुय जयजयकारुय तस ह्युव नु बखतावारुय कांह ।  
यस गरि यिछ कोमॉरी जाये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
ब्रह्म रेश्य दीवलुकुक्य सरदारुय तपु रेश्य बडि आदिकारुय सान ।  
यस यिछ दया कैर दयाये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
त्रैयलुकनाथस त्रुबवनसास्स परमु शिवस भस्माधास्स ।  
स्वय कोमॉरी बागनि आये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
आ रुद्रस छु नमस्कारुय सर्व आकार छुय शिव-शक्ति रूप ।  
व्यवाह कोरहस लोल तु माये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
सतोवुह कोरि पथकुन आसस व्यवाह कोस्नख चंद्रमस सुत्य ।  
सात<sup>1</sup> तु नछ्त्तर<sup>2</sup> छि तमि ताराये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
प्रजापत गव मनु साविदानुय येलि शिवजी सनिदानुय आस ।  
दोपनस कन थाव म्यानि लीलाये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
व्वद म्याँन्य वातिय योरुय योरुय तोस्य तोस्य सोरुय चुय ।  
येति योर कृष्णस कर व्वपाये ॐ नमः शिवाये कर । ।  
पनुनिय द्वख स्वख पनुन्यन बायन वनुनिय सास्त्रिय लॉजिम छिय ।  
तिम ति बोजनावन पनुन्यन हमसायन ॐ नमः शिवाये कर । ।

1. महुरत; 2. नक्षत्र ।

\*\*\*\*\*

ॐ शम  
नमामि सत्गुरुं शांतम् प्रत्यक्षम शिवरूपिनम् शिस्सा  
योगा पीठस्थं धर्मकामार्थ सिद्धये ।।  
ॐ